वार्षिक प्रतिवेदन 2024 - 2025

PPVFRA

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(संसद के अधिनियम द्वारा निर्मित सांविधिक प्राधिकरण)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्लांट अथॉरिटी भवन, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, एनएएससी कॉम्प्लेक्स के पास,
टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली –110 012
फोन : 011–25848127, 25843316
www.plantauthority.gov.in

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन

2024 - 2025

PPVFRA



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(संसद के अधिनियम द्वारा निर्मित सांविधिक प्राधिकरण)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्लांट अथॉरिटी भवन, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, एनएएससी कॉम्प्लेक्स के पास,
टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली –110 012
www.plantauthority.gov.in

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन

2024—25

PPVFRA

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित सांविधिक प्राधिकरण)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से

पौधा प्राधिकरण भवन, एन.ए.एस.सी. परिसर के समीप, डी.पी.एस. मार्ग, नई दिल्ली-110012.

www.plantauthority.gov.in

विषय-सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
	प्राक्कथन	i
	आभार	iii
	विशिष्ट सारांश	iv
1.	परिचय	1
2.	पौधा किस्म रजिस्ट्री	9
3.	डीयूएस परीक्षण केंद्र	25
4.	डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास पर परियोजनाएं और जीन बैंकों की स्थापना	175
5.	किसानों से संबंधित गतिविधियां व क्रियाकलाप	196
6.	भारतीय पौधा किस्म जरनल, पौधा किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर एवं प्राधिकरण के प्रकाशन	213
7.	डेटाबेस का विकास, इन्डस (आईआईएनडीयूएस), एनओआरवी एवं वेबसाइट और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी)	214
8.	प्रशासन, अभिशासन एवं अन्य विविध गतिविधियां	219
9.	प्राधिकरण के वित्तीय विवरण, 31.03.2025 तक	246
10.	नागरिक आचार संहिता (सिटीजन चार्टर)	252
अनुलग्नक		
I	पीपीवी एवं एफआरए प्राधिकरण के सदस□यों का विवरण (31 मार्च, 2025 तक)	254
II	पीपीवीएफआर प्राधिकरण के मानव संसाधनों का विवरण (31 मार्च, 2025 तक)	256
III	वर्ष 2024–25 के दौरान नए डीयूएस केंद्रों ६ परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण	257
IV	वर्ष 2024–25 के दौरान वर्तमान डीयूएस केंद्रों ६ परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण	259
V	वर्ष 2024–25 के दौरान फील्ड जीन बैंक को जारी की गई निधियों का विवरण	266
VI	वर्ष 2024–25 के दौरान प्रशिक्षण और जागरुकता फैलाने के लिए संगठनों / केंद्रों को जारी की गई निधियों का विवरण	267
VII	पंजीकरण के अधीन किस्में	268
VIII	वर्ष 2024–25 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण–प्रत्र	274
IX	संक्षिप्ताक्षर	355

प्राक्कथन



" While I was conducting experiments to make 'spineless' cacti, I often talked to the plants to create a vibration of love. 'You have nothing to fear,' I would tell them. 'You don't need your defensive thorns. I will protect you.' Gradually the useful plant of the desert emerged in a thornless variety."

अर्थात ""जब मैं 'रीढ़रहित' कैक्टस विकसित करने के लिए परीक्षण कर रहा था, तब मैं अक्सर पौधों से प्रेमकी खुशबु बिखरेनेकी बात करता था। 'मैं उनसे कहता था कि तुम्हें डरने की कोई ज़रूरत नहीं है' 'तुम्हें अपने बचाव के लिए कांटों की ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा।' धीरे-धीरे रेगिस्तान का उपयोगी पौधा बिना कांटों वाली किस्म के रूप में उभरकर आया।"

(लूथर बरबैंकका कथन जिसे उन्होंने एक योगी की आत्मकथा में परमहंस योगानंद को उद्धृत किया)

पादप प्रजनन अर्थात प्लांट ब्रीडिंग एक विज्ञान है जिसमें ज्ञान, रचनात्मकता, जुनून और प्रेम का सूत्रपात सन्निहित है। लूथर बरबैंक ने संपूर्ण मानवता को प्रबुद्ध संकरीकरण एवं चयन के साथ एक विशाल वृक्ष माना है। वह अपनी बेटी को भी एक जीवित पौधा मानते थे। वह कहते थे, "पुष्प एक पढ़ा-लिखा खरपतवार है।" उनका यह कथन खेती और चयन की परिवर्तनशील शक्ति में उनके विश्वास का परिचायक है, जोकहता है कि मानव प्रयास सेकिसी भी जंगली पौधे या खरपतवार को मानव उपयोगी पुष्प जैसे मूल्यवान वस्तु में परिष्कृत एवं उन्नत बनाया जा सकता है।पादप प्रजनन की महत्ता इन शब्दों में मूर्त रूप में परिलक्षित होती है।

मेरे लिए भारत का हर किसान लूथर बरबैंक है, जो खेत में खड़ा है, किस्मगत विकास के लिए वंशाणुओं को संरक्षित करता है, चयन के माध्यम से उसमें सुधार लाता है तथा वंशाणुओं का अभिरक्षक, संरक्षक,और प्रदाता के रूप में कार्य करता है। पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के उपबंधों के अनुसार कृषक किस्मों केपंजीकरण एवं संरक्षण तथा किसानों केअन्य अधिकारों के संरक्षण का इस देश में बहुत महत्व है। किसानों के अलावा, सभी पौधा किस्म विकासकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे अपनी किस्म को संरक्षित कराएं क्योंकि वह उनकी बौद्धिक संपदा है। पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत पौधा किस्में खेती को संबल प्रदान करती हैंऔरउत्पादन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं क्योंकि उच्च मूल्य वाले बीजों तथा गुणनशील सामग्री (प्रॉपगेटिंग मटिरियल) की आर एंड डी पर निवेशित पूंजी से उच्च लाभ प्राप्त होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि खेती को बेहतर बनाने और देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की अहम भूमिका है।

यह वर्ष एक बड़ा घटनाक्रम का रहा। लंबे समय से एक सपना था कि पीपीवीएफआर प्राधिकरणकाअपना भवन हो, जो अब साकार हो गया है। प्राधिकरणके कार्यालय को 1 जुलाई, 2024 से अपने स्वयं के भवन'पौधा प्राधिकरण भवन'अर्थात 'प्लांट ऑथोरिटी बिल्डिंग' (पीएबी) में स्थानांतरित किया गया। भवन बहुत ही आलीशान एवं भव्य है जिसमें आठ मंजिलें हैं और यह प्राधिकरण की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा। पीपीवीएफआर प्राधिकरण के जीन बैंक को पीएबी में शीघ्र ही स्थानांतरित करने के प्रयास जारी हैं।

इस वर्ष सबसे ज़्यादा पंजीकरणप्रमाणपत्र (1720) जारी किए गए जो भारत में पौधा किस्मपंजीकरण के इतिहास में एक और मील का पत्थर है। कुल मिलाकर, देशभर में 54 डीयूएस परीक्षण केंद्रों पर 59 फसल प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 652 प्रत्याशी किस्मों (कैन्डीडेट वैराइटीज) का डीयूएस लक्षणवर्णन और मूल्यांकन के लिए परीक्षण किया गया। पीपीवीएफआर प्राधिकरण

के तकनीकी अधिकारियों के लिए एक संवर्ग बनाने और उन्हें पदोन्नति के अवसर प्रदान करने की प्रक्रिया पर तत्परता से कार्य किया जा रहा है। प्राधिकरण की दो बैठकें हुई। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान पंजीकरण के लिए छह फसल प्रजातियों को अधिसूचित किया गया। इसके अलावा, कई फसल प्रजातियां अधिसूचना के लिए प्रक्रियाधीन हैं। रजिस्ट्री की तीन शाखाओं यानी पालमपुर, पुणे और शिवमोगाके कार्यालयों को प्राधिकरण के शाखा कार्यालयों के रूप में अधिसूचित किया गया ताकि प्रशासन सुगमता एवं सुचारु रूप से कार्य कर सके। इसके अतिरिक्त, मेरा एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण था कि पारंपरिक और कृषक किस्मों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय जीन निधि का उपयोग किया जाए।अबइसके साकार होने की उम्मीद है क्योंकि इस प्रयोजनार्थ गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

मैं, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रीको तहे दिल से धन्यवाद देता हूं जिन्होंने बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। मैं, श्री देवेश चतुर्वेदी, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा हर संभव समर्थन देने के लिए धन्यवाद देता हूं,क्योंकि उनके समर्थन के बिना प्राधिकरण का कामकाज सुचारू रूप से संचालित करना संभव नहीं होता। प्रशासनिक एवं वित्तीय मामलों में अपार समर्थनके लिए, मैं श्रीमतीशुभा ठाकुर,अपर सचिव (बीज), श्री अजीत कुमार साहू, संयुक्त सचिव (बीज) और नोडल विभाग के बीज प्रभाग को भी धन्यवाद देता हूं।पीपीवीएफआर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग, समर्थनऔरसक्रिय भूमिका प्रशंसनीय हैक्योंकि वे प्राधिकरण के अधिदेशित क्रियाकलापों को निष्पादित करने में अहम थे।

(टी. महापात्र)

अध्यक्ष

पीपीवीएफआर प्राधिकरण,नई दिल्ली

आभार



मैं, पीपीवीएफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र के गतिशील और जीवंत नेतृत्व के लिए, और प्राधिकरण को उसकेअधिदेशित कर्तव्यों एवं कार्यों को पूरा करनेमें मार्गदर्शन और समर्थन देने तथा कई उपलब्धियां प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मैं,भाकृअनुप के सभी संस्थानों/ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों / बीज उद्योग को भी धन्यवाद देता हूं,जिन्होंने इस प्रतिवेदनाधीन अवधि को यादगार बनाया है, क्योंकि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में 1763 पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए। नोडल मंत्रालय के तत्वावधान में, प्राधिकरण ने 12 सितंबर, 2023 को कृषक अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति ने किया। मैं, इस आयोजन को यादगार बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को धन्यवाद देता हूं। मैं, प्राधिकरण के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने प्राधिकरण के कई महत्वपूर्ण निर्णयलेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राधिकरण के तकनीकी कार्यों के निर्वहन में तहे दिल से समर्थन देने के लिए, मैंभाकृअनुप को धन्यवाद देता हूं, जिसके समर्थन के बिना डीयूएस परीक्षण संचालित करना और पंजीकरण की मंजूरी प्रदान करना, डीयूएस दिशानिर्देश तैयार करना तथा डीयूएस परीक्षण केंद्रों को अधिसूचित करना संभव नहीं हो पाता। मैं, प्राधिकरण के डीयूएस परीक्षण केंद्र के रूप में सांविधिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए,भाकृअनुप के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को भी धन्यवाद देता हूं। मैं, डीयूएस परीक्षण केंद्रों के सभी प्रधान अन्वेषकों को धन्यवाद देता हूं, क्योंकि उनके समय पर आउटपुट के बिना इस प्रतिवेदन का प्रकाशन संभव नहीं होता। मैं,श्री देवेश चतुर्वेदी, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्रीमती शुभा ठाकुर, अपर सचिव (बीज), श्री अजीत कुमार साहू, संयुक्त सचिव (बीज) और नोडल बीज प्रभाग केपदाधिकारियों को प्राधिकरण के दक्षतापूर्ण कामकाज में दी गई दैनंदिन सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं प्राधिकरण के अधिकारियों नामत:, श्री विपिन त्यागी, वित्तीय सलाहकार, श्री दीपल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, श्री यू.के. दुबे, संयुक्त पंजीयक के प्रयासों एवं इनपुट की सराहना करता हूं। मैं, डॉ. ए.के. सिंह, उप पंजीयक और डॉ. डी.एस. पिलानिया, त पौधा किस्म परीक्षक, पीपीवीएफआरए के प्रयासों की भी सराहना करता हूं। मैं, श्री राज गणेश, विधिक सलाहकार और उनकी टीम के सदस्य श्री अरुण कुमार, विधिक सलाहकार तथा विधिक प्रकोष्ठ को इस प्रतिवेदनके संकलन एवं प्रकाशन में समन्वय के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं इस कम्पाइलेशन में मदद के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट डॉ. रवि प्रकाश और डॉ. राम अवतार शर्मा और डॉ. प्रज्ञा शुक्ला, पीवीईआरए को भी धन्यवाद देता हूं। मैं डॉ. ए.सी. शर्मा और डॉ. एस.सी. सिंह और ब्रांच ऑफिस के दूसरे स्टाफ को भी धन्यवाद देता हूं। प्राधिकरण के मुख्यालय और उसके शाखा कार्यालयों में कार्य कर रहे सभी परियोजना कर्मचारियों और अन्य संविदा कर्मियों को जिन्होंने सौंपे गए कार्य को पूरी लगन और ईमानदारी से किया। मैं, इस प्रतिवेदन के प्रकाशन में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं।

(डी.के. अग्रवाल)

महा-पंजीयक

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,

नई दिल्ली

विशिष्ट सारांश

"पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम" (2001 का 53) एक विशिष्ट अधिनियम है, जो खाद्य एवं कृषि केलिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि का अनुपालन करता है। प्राधिकरण राष्ट्रीय अपेक्षा के अनुसार प्रजनकों (ब्रीडर) और किसानों के अधिकारों के बीच संतुलन भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के बाद, प्राधिकरण पौधों की किस्मों को पंजीकृत करने की प्रणाली में निरंतर सुधार करता आ रहा है। प्राधिकरणहितधारकों को आपस में जोड़ता है, बीज क्षेत्र में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करता है, पौधों के आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण करने में तथा उन्हें पादप प्रजनकों को उपलब्ध कराने की दिशा में किसानों/समुदायों के योगदान को मान्यता प्रदान करता है।

इस प्रतिवेदन को प्रकाशन हेतु भेजे जाने तक, भारत सरकार ने पौधा किस्मों के पंजीकरण के लिए पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पी.पी.वी.एफ.आर.ए.) की सिफारिशों पर 203 फसल किस्मों को अधिसूचित किया है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, प्राधिकरण ने तुरई, करी पत्ता, ऐलैंथस, डहलिया, ब्रोकली, लेमन ग्रास और मिर्च, पेपरिका एवं शिमला मिर्च को अधिसूचित किया। 2024-25 के दौरान, पंजीकरण के लिए सरकारी और निजी तथा किसानों से भिन्न-भिन्न श्रेणी के तहत कुल 1570 आवेदन प्राप्त हुए। धान फसल (341) के लिए सबसे ज्यादा आवेदन मिले, उसके बाद मक्का (141), कटहल (105), भिंडी(15), खीरा (12), कद्दू (12), बाजरा (9) और टमाटर (9) फसल के लिए प्राप्त हुए।

वर्ष 2024-25 में, कुल 1720 पंजीकण प्रमाणपत्र जारी किए गए। कृषक किस्म (1133) की श्रेणी में प्रमाणपत्र सबसे अधिक थे, उसके बाद नई (261), विद्यमानवीसीके (209), और विद्यमान अधिसूचित श्रेणी (117) में थे। इसी तरह, अनाज (794) फसलों के लिए सर्वाधिक संख्या में प्रमाणपत्र जारी किए गए, उसके बाद फलियां (275), रेशा फसलें (197), सब्जियां (148), फल (139), तिलहन (95), और मसाला (52) फसलों के संबंध में जारी किए गए।

प्राधिकरण के विधिक प्रकोष्ठ ने विभिन्न न्यायालयों में दायर किए गए वादों/मुकदमों की पैरवी की। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 23 मामलों में से 3 मामले निपटाए गए। भारत के राजपत्र में अधिसूचनाएं प्रकाशित की गईं जिनमें अधिसूचना **एस.ओ.1841 (ई)** दिनांक**30 अप्रैल, 2024,**थी जो पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 41 के तहत केंद्रों की अधिसूचना के संबंध में थी, और **अधिसूचना एस.ओ.4829 (ई)**दिनांक **6 नवंबर, 2024**,थीजो पंजीकरण के प्रयोजन हेतु 6 फसल-किस्मों यानी तुरई, करी पत्ता, ऐलैंथस, डहलिया, ब्रोकली और लेमन ग्रास के संबंध में थी।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, देश के 54 केंद्रों पर 59 फसल प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 652 प्रत्याशी (कैंडिडेट) किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन एवं मूल्यांकन के लिए परीक्षण किया गया। ये केंद्र उन स्थानों में स्थापित किए गए हैं, जो भाकृअनुप, सीएसआईआर, एसएयू या सीएयू सहित तो केंद्र सरकार या राज्य सरकार केकृषि विश्वविद्यालयों के तहत सबसे अधिक उपयुक्त थे।

प्राधिकरण ने 2024-25 के दौरान कृषि एवंकिसान कल्याण विभाग से अनुदान साहयता के रूप में 3713.02 लाख रुपये प्राप्त किए और पिछले वर्ष के786.98 लाख रुपये के अव्ययित शेष को समायोजित करने के बाद 4002.65 लाख रुपये का उपयोग किया, जिससे 497.35 लाख रुपये का शेष रहा। प्राधिकरण के वार्षिक लेखा की लेखापरीक्षा की गई और उसे विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर सीएजी को प्रस्तुत किया गया।

प्राधिकरण के वार्षिक प्रतिवेदन को अधिनियम की धारा 85 के अधीन अग्रेसित किया जा रहा है।

अध्याय 1 : परिचय

मानव और पशुओं की उत्तरजीविता के लिए पौधों की किस्में महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि ये हर समाज में घरेलू परिवारों और उद्योगों के लिए खाद्य, रेशा, चारा, वन्य और कच्ची सामग्रियों की स्रोत होती हैं। 19वीं शताब्दी के अंत में आनुवंशिकी विज्ञान की खोज से पहले, और पादप प्रजनन विज्ञान एवं तकनीकों के वैज्ञानिक आधार के उपरांत, मानव ने अपनी उत्तरजीविता व जीवन-यापन हेतु फसलों की बुवाई करना शुरु कर दिया था। किसानों ने उस पादप समष्टि व प्रजाति जिसकी वह खेती करते थे, के प्रदर्शन और उपजवर्धक कारकों का मूल्यांकन करके फसल की उत्पादकता को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ाने के लिए पादप प्रजनन उपाए अपनाए। लाखों वर्षों से किसान समुदाय और वनवासियों ने मौजूदा विविधता को इस तरह से पोषित किया कि वे प्राकृतिक रूप से अनुकूलित एवं उपलब्ध पादप किस्मों, जैसे की स्थानिक प्रजातियों के भीतर बेहतर प्रकृति वाले और बेहतर उपज वाले पादपों का चयन कर अपने उपयोग के हिसाब से पादप उत्पादित कर सकें। आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विज्ञान के उद्भव के उपरांत, औपचारिक रूप से प्रशिक्षण प्राप्त पादप प्रजनकों ने जैव-विविधता समृद्ध क्षेत्रों में अन्वेषण करके आनुवंशिक विविधता संगृहीत की, खेती की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपकरणों व औजारों का उपयोग किया।पादप प्रजनक ही ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पादपों की विविधता का पता लगाने में अद्भुत कौशल से, विविधता के पीछे छुपी आनुवंशिकी की व्याख्या करने से और तदनुसार प्रजनन विधियों को रणनीति के रूप में अपनाने से नई और अतीत की तुलना में भिन्न-भिन्न पादप किस्मों को विकसित करने में सहायता मिलती है।

अत:, किसी भी समाज में पादप प्रजनकों का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण बौद्धिक संपदा अधिकारों में से एक है, क्योंकि खाद्यन्न विकसित और विकासशील, दोनों समाजों के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। इसलिए, पादप प्रजनकों को दिए गए ये अधिकार उनके योगदान का संज्ञान लेने का एक उपाय जैसा है जिसके परिणामस्वरूप एक पारिस्थितिकी का निर्माण होता है, जो नवोन्मेष निरंतरता को बनाए रखती है। इस तरह की प्रणाली से एक ऐसी कार्यपद्धति स्थापित हो सकती है, जो जर्मप्लाज्म विषय पर कर्तव्यनिष्ठ स्टीवार्डशिप सृजित करने में, और दीर्घकालिक अनुसंधान तथा विकास को समर्थन देने में, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में पादप प्रजनन को प्रोत्साहित करने में, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में तथा उद्योग को प्रतिस्पर्धी रूप से उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने और किसानों को रोपण सामग्रियां उपलब्ध कराने हेतु बढ़ावा देने में अहम हो सकती है।

यद्यपि प्राचीन भारतीय इतिहास ऐसे अभिलेखों का उजागर करता है कि लोग पौधे की किस्म का नाम किसी व्यक्ति या कम्यून (संप्रदाय/समाज) या उस गांव के नाम पर रखते थे जहाँ किस्म की उत्पत्ति होती थी, मगर कानूनी दृष्टि से कृषि में प्रयुक्त पादप बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) का प्रथम औपचारिक प्रवर्तन व अंगीकरण यूएसए में "प्लांट पेटेंट अधिनियम, 1930" के रूप में किया गया, जिसे यूरोप में यूनियन इंटरनेशरनेले पाउर लॉ प्रोटेक्शन डेस ऑबटेन्शन्स वेजीटेल्स (UPOV) अथवा इंटरनेशनल यूनियन फॉर द् प्रोटेक्शन ऑफ न्यू वैरायटीज़ ऑफ प्लांट्स के रूप में सन् 1961 में लागू किया गया था। इसे भी बाद में सन् 1972, 1978 और 1991 में संशोधित किया गया था। वर्तमान में, यूपीओवी संधि से 78 सदस्य देश जुड़े हैं जिनमें यूरोपीय संघ, ओएपीआई जैसे क्षेत्रीय संघ भी शामिल हैं। भारत ने यूपीओवी संधि को अंगीकृत नहीं किया है, लेकिन वह यूपीओवी में पर्यवेक्षक की श्रेणी में सूचीबद्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने वाली एक बहुपक्षीय लिखित (इंस्ट्रूमेंट) के रूप में शुल्क और व्यापार अर्थात टैरिफ ऐंड ट्रेड (GATT) पर सामान्य समझौता से पादप प्रजनकों के अधिकारों के साथ-साथ पौधों किस्म संरक्षण पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। उरुग्वे शिखरवार्ता में शुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौता (जी ए टी टी) पर की गई वार्ता के फलस्वरूप वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना हुई। विश्व व्यापार संगठन के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPs) के व्यापार से संबंधित पहलुओं पर समझौते के अनुच्छेद 27.3

(b) में प्रावधान किया गया है कि सदस्य देश पौधा किस्मों को या तो पेटेंट के माध्यम से या एक अनोखी (sui generis) प्रणाली या इनके किसी भी संयोजन के माध्यम से संरक्षण प्रदान करेंगे।

भारत सरकार ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवीएफआर) अधिनियम को वर्ष 2001 (2001 का 53) में लागू किया था ताकि पौधों की किस्मों, किसानों और पौधा प्रजनकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एक अनोखी यानी sui generis प्रणाली की स्थापना की जा सके और आर्थिक महत्ता की नए पौधा किस्मों के विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

पीपीवीएफआर नियम दिनांक 12 सितंबर, 2003 को अधिसूचित किए गए थे और उसके बाद समय-समय पर संशोधित किए गए थे। तत्पश्चात, अधिनियम के प्रयोजनों हेतु, भारत सरकार ने इस अधिनियम की धारा 3 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 11 नवंबर, 2005 को राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1588 (ई) के माध्यम से पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना की।

1.1 पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के उद्देश्य

अधिनियम के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- पौधों की किस्मों, किसानों और पौधा प्रजनकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एक प्रभावकारी प्रणाली स्थापित करना तथा पौधों की नई किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करना।
- नए पौधों की किस्मों के विकास के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, सुधार और उन्हें उपलब्ध कराने में किसी भी समय पर किसानों द्वारा दिए गए योगदान के लिए उनके अधिकारों को मान्यता एवं संरक्षित करना।
- नई पौधों की किस्मों के विकास के लिए सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के लिए निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु पादप प्रजनकों के अधिकारों को संरक्षित करना।
- देश में बीज उद्योग के विकास को सुगम बनाना एवं सुविधा प्रदान करना, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और रोपण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

1.2 अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

पीपीवीएफआर अधिनियम उन देशों के लिए TRIPS समझौता/ के अधीन दिए गए विकल्प पर आधारित है, जो पादप प्रजनकों के अधिकारों को विधायन लागू करके एक सुइ जेनेरिस अर्थात अनोखी प्रणाली से संरक्षित नहीं करते हैं और यूपीओवी (यूनियन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ न्यू वैरायटीज़ ऑफ प्लांट्स, जिनेवा) कन्वेंशन/संधि का विकल्प नहीं चुनते हैं, अर्थात उसे लागू नहीं करते हैं। यह संधि इस दृष्टि से भी अद्वितीय है कि इसमें उन पादप प्रजनकों, किसानों (पादप प्रजनकों के अधिकार सहित), खेतिहर समुदायों और अनुसंधानकर्ताओं (जो नई किस्मों का प्रजनन कराते हैं या जिन्होंने पूर्व में किसी किस्म का प्रजनन कराया हो और उक्त किस्म संरक्षण प्रदान किए जाने से पहले प्रचलन में व मौजूद थी) के अधिकारों को समवर्ती रूप से मान्यता दी गई है।

यह अधिनियम प्रजनकों या उसके उत्तराधिकारी, एजेंट या लाइसेंसधारक को पंजीकृत किस्म की खेती करने और उसके उत्पाद को बेचने, उसका विपणन व वितरण करने, आयात या निर्यात करने के लिए अनन्य/पूर्णरूपेण अधिकार प्रदान करता है। जहाँ तक किसानों के अधिकारों का प्रश्न है, अधिनियम किसान को एक खेतिहर, संरक्षक और प्रजनक के रूप में मान्यता देता है। अधिनियम में यह प्रावधान किया गया है कि किसानों की किस्म को भी पंजीकृत किया जा सकता है। इसके अलावा, अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी किस्म के

बीज/बहुगुणन सामग्री जनता को उचित मूल्य या मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रही है, तो वह उन्हें पंजीकृत किस्म के अनिवार्य लाइसेंस धारक से खरीद सकती है।

कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह या कोई भी संगठन किस्म से प्राप्त लाभ के बंटवारे के लिए दावा कर सकता है, यदि उनसे संबंधित पादप आनुवंशिक सामग्री का उपयोग किसी पंजीकृत किस्म को विकसित करने में किया जाए। अनुसंधानकर्ताओं को ऐसा अधिकार दिया गया है कि वे परीक्षण करने या अनुसंधान करने के लिए किसी भी पंजीकृत किस्म का और अन्य किस्मों को विकसित करने के उद्देश्य से किसी भी व्यक्ति की किस्म का प्रारंभिक स्रोत के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

भारत इस दृष्टि से एक पथ-प्रदर्शक देश है कि उसने किसानों के अधिकारों को परिरक्षित व सुरक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाया है। यह अधिनियम खेतिहर समुदायों के अतीत, वर्तमान और भविष्य के योगदान को भी मान्यता देता है और कृषि-जैव विविधता के संरक्षण में उनके योगदान के लिए खेतिहर समुदायों/ किसानों को पुरस्कार देने का अवसर भी प्रदान करता है।

1.3 पीपीवीएफआर प्राधिकरण

पीपीवीएफआर प्राधिकरण एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के माध्यम से भारत की संसद द्वारा की गई थी। प्राधिकरण एक कॉर्पोरेट निकाय है, जिसके पास चल और अचल संपत्तियों के अधिग्रहण, धारण और निपटान तथा करार करने की शक्ति के साथ सतत उत्तराधिकार की शक्तियां हैं। प्राधिकरण को उपरोक्त नाम से ही जाना प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है और 1 जुलाई, 2024 से यह नई दिल्ली में टोडापुर के निकट अपने स्वयं के भवन 'प्लांट अथॉरिटी भवन' से कार्य कर रहा है। 31 मार्च, 2025 तक प्राधिकरण में एक अध्यक्ष और पंद्रह सदस्य होंगे (अनुलग्नक-I)।

1.4 पौधों की किस्मों का पंजीकरण

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने 203 फसल प्रजातियों (अनुलग्नक-VII) के पंजीकरण के लिए विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया है। प्राधिकरण ने रिपोर्टिंग वर्ष अथवा प्रतिवेदित वर्ष 2024-25 के दौरान पौधों की किस्मों (नई, विद्यमान और किसानों की किस्म श्रेणी के तहत) के पंजीकरण के संबंध में 1720 प्रमाण-पत्र (अनुलग्नक-VIII) जारी किए हैं। पौधों की किस्मों के संरक्षण की मांग करने वाले विभिन्न हितधारकों से अधिकाधिक संख्या में आवेदन प्राप्त करने हेतु, प्राधिकरण नियमित रूप से जागरुकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन/समर्थन करता है।

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत देशभर में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के कार्यान्वयन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्रों का नेटवर्क भी स्थापित किया है, ताकि आवेदकों द्वारा प्रत्याशी किस्मों (यानी कंडिडेट वैरायटीज़, अर्थात कोई ऐसी किस्म जिसे किसी सरकारी एजेंसी व प्राधिकरण द्वारा किसी श्रेणी के तहत संभावित अधिसूचना के लिए एक प्रत्याशी/कैंडिडैट के रूप में वर्गीकृत/चयनित किया है) के दावों को सत्यापित किया जा सके, मैंटेनेंस ब्रीडिंग, रेफरेंस/एग्जाम्प्ल किस्मों / बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित किस्मों का बहुगुणन किया जा सके, और फसल विशिष्ट डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) दिशानिर्देशों के अनुसार किस्मगत विशिष्टताओं के लिए डेटाबेस तैयार किया जा सके।

इसके अलावा, फसल विशिष्ट केंद्रों पर प्रत्याशी किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किए जा रहे हैं। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किए गए डेटा इन केंद्रों द्वारा आगे के विश्लेषण के लिए प्राधिकरण को प्रस्तुत किए जाते हैं। प्राधिकरण ने भाकृअनुप के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के परामर्श से आर्थिक महत्व वाली संभावित फसल प्रजातियों की पहचान की है और डीयूएस दिशानिर्देशों के विकास के लिए प्राधिकरण परियोजनाओं

का समर्थन देता है। प्राधिकरण ने देशभर में अपना राष्ट्रीय जीन बैंक, फील्ड जीन बैंक स्थापित किया है। प्राधिकरण भारतीय पौधा किस्म जर्नल को नियमित रूप से प्रकाशित करता है और अपने मुख्यालय तथा अपने शाखा कार्यालयों में पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर को कायम रखता है।

1.5 पौधों की किस्मों के संरक्षण की श्रेणियां

अधिनियम में उल्लेखित पादप प्रजनकों के अधिकारों के माध्यम से पौधे की किस्म को संरक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया, मुख्य रूप से डीयूएस की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता-प्राप्त प्रणाली और नई किस्म की नवीनता के सिद्धांत पर आधारित है। कोई भी व्यक्ति निम्न श्रेणी में से किसी एक के पंजीकरण हेतु आवेदन कर सकता है:

- अधिनियम की धारा 29 (2) के तहत निर्दिष्ट किसी वंश (जेनरा) एवं प्रजातियों की नई किस्म।
- विद्यमान किस्म (प्रजातियों के अधिसूचित होने के बाद सीमित अवधि तक (नई और वीसीके किस्मों के मामले में), जैसा कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर घोषित किया जाता है)
  - बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित,
  - कॉमन नॉलेज किस्म (वीसीके),
  - किसानों की किस्म
  - किसानों द्वारा अपने खेतों में विकसित की गई और पारंपरिक रूप से खेती की जा रही किस्म
  - वन्य प्रजाति या किसी किस्म की स्थानिक प्रजाति (लैंडरेंस) जिसके जिसके बारे में किसानों को सामान्य ज्ञान हो।
- मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म (ईडीवी)

  कोई ऐसी किस्म जिसे मुख्य रूप से किसी प्रारंभिक किस्म से, अथवा किसी ऐसी किस्म से व्युत्पन्न किया गया हो जिसे भी उक्त प्रारंभिक किस्म से व्युत्पन्न किया गया हो, और उक्त किस्म के जीनप्ररूप या जीनप्ररूपों के संयोजन के मूल अभिलक्षणों एवं गुणों की विशिष्टता को धारित किया गया हो।

1.6 कृषकों के अधिकार

अधिनियम में किसानों के लिए निम्नलिखित अधिकारों का प्रावधान किया गया है जो TRIPS और विश्व व्यापार संगठन में शुमार सभी सदस्य देशों में से केवल भारत के लिए विशिष्ट हैं। इसी कारणवश भारत ने यूपीओवी अधिनियम 1991 को अंगीकृत नहीं किया है:

- **अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने का अधिकार:** यदि किसी किसान ने किसी नई किस्म का संकरीकरण किया है या उसे विकसित किया है, तब वह इस अधिनियम के तहत पादप प्रजनक के रूप में पंजीकरण और अन्य संरक्षण के लिए पात्र है।
- **बीज पर अधिकार:** कोई भी किसान इस अधिनियम के तहत संरक्षित किस्म के बीज सहित अपने कृषि उत्पाद को बचाने, उसका उपयोग करने, बुवाई करने, पुन: बुवाई करने, उसका आदान-प्रदान करने, उसे साझा करने या बेचने का हकदार है; बशर्ते कि किसान इस अधिनियम के तहत संरक्षित किस्म के ब्रांडेड बीज को बेचने का हकदार न हो।
- **पुरस्कार और मान्यता का अधिकार:** पादप आनुवंशिक संसाधनों (स्थानिक प्रजातियों और आर्थिक महत्ता के पौधों की वन्य प्रजातियों) के संरक्षण और सुधार से जुड़ा कोई भी किसान या किसानों का समुदाय पादप

जीनोम संरक्षक पुरस्कार, पुरस्कार और मान्यता का हकदार है, बशर्ते कि उनके पौधे की सामग्री को इस अधिनियम के तहत पंजीकरण-योग्य किस्मों के विकास में उपयोग किया गया हो।

- **अज्ञानतावश हुए उल्लंघन के प्रति संरक्षण:** यदि किसी किसान ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 65 के अनुसार किसी अधिकार का उल्लंघन किया है, तो वह न्यायालय के समक्ष यह साबित कर सकता है कि उल्लंघन के समय पर उसे ऐसे अधिकारों के अस्तित्व के बारे में पता नहीं था; तब उक्त किसान को आरोपी नहीं माना जाएगा।
- **शुल्क में छूट:** किसी किसान या किसानों के समूह को इस अधिनियम के तहत किसी भी प्रकार के निर्णय या आदेश की प्रति प्राप्त करने, अथवा किसी भी दस्तावेज का निरीक्षण करने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क अदा नहीं करना होगा। किसानों को उन सभी प्रकार के शुल्कों या अन्य भुगतानों को अदा करने से पूरी तरह छूट प्राप्त करने का विशेषाधिकार है जिन्हें किस्म पंजीकरण के लिए; पीपीवीएफआरए द्वारा प्रदान की गई किस्मों और अन्य सेवाओं के परीक्षण के लिए; और न्यायालयों, अभिकरणों, आदि में उल्लंघन या अन्य मामलों से संबंधित कानूनी कार्यवाही के लिए सामान्य रूप से अदा किया जाता है।
- **बीजों का उचित मूल्य:** किसानों के पास यह अधिकार है कि वे पंजीकृत किस्मों के बीज उचित और लाभकारी मूल्य पर प्राप्त कर सकते हैं। जब ऐसी स्थिति नहीं होती है और इस शर्त की पूर्ति नहीं होती है, तब किस्म पर प्रजनक के अनन्य अधिकार को अनिवार्य लाइसेंसिंग से संबंधित प्रावधान के तहत निरस्त किया जा सकता है, और प्रजनक बीज के उत्पादन, वितरण और किस्म की बिक्री का लाइसेंस किसी भी सक्षम व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है। पौधों की किस्मों के संरक्षण से संबंधित अधिकांश कानूनों में किसानों को पर्याप्त बीज आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संरक्षित किस्मों के अनिवार्य लाइसेंस देने के प्रावधान हैं।
- **किसान किस्म का प्राधिकार:** किसान किस्म से, मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म के विकास और उसके व्यावसायीकरण के संबंध में, प्राधिकार किसान या किसानों के समूह की सहमति से दिया जाना चाहिए जिन्होंने उक्त किस्म के संरक्षण या विकास में योगदान दिया है। इस तरह की प्रक्रिया किसानों को प्रजनकों के साथ प्राधिकार की शर्तों पर मोल-भाव करने की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें रॉयल्टी, लाभ-साझाकरण आदि जैसे लाभ शामिल हो सकते हैं।
- **क्षतिपूर्ति अथवा मुआवज़े का अधिकार:** जब इस अधिनियम के तहत पंजीकृत किसी किस्म की बहुगुणनशील सामग्री किसी किसान को बेची जाती है, तो उक्त किस्म के प्रजनक को संबद्ध शर्तों के तहत किस्म के अपेक्षित प्रदर्शन का खुलासा करना चाहिए। यदि बहुगुणनशील सामग्री उक्त संबद्ध शर्तों के तहत अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहती है, तो किसान प्राधिकरण के समक्ष क्षतिपूर्ति व मुआवज़े का दावा कर सकता है। तदनुसार, प्राधिकरण प्रजनक को उक्त किस्म के मुद्दे के बारे में सूचित करेगा और उसे अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान करने के बाद, उसे निर्देश दे सकता है कि वह किसान को क्षतिपूर्ति का भुगतान करे, जो प्राधिकरण उचित समझे या तय करे।

प्राधिकरण की रजिस्ट्री, अधिनियम में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार किसानों और पादप प्रजनकों के बीच समानता सुनिश्चचित करके किसानों की किस्मों के आईपीआर पंजीकरण में सुविधा प्रदान करती है, देशव्यापी प्रशिक्षण-एवं-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है, और जर्मप्लाज्म के संरक्षण में और नई किस्मों के विकास में दिए गए योगदान के लिए किसानों और किसान समुदायों की पहचान करती है।

1.7 पादप प्रजनकों के अधिकार

किसी किस्म का पंजीकरण किए जाने से, उक्त किस्म तथा उसके **मूल्यवर्ग** (डिनोमिनेशन) के साथ उसके उत्पादन, बिक्री, विपणन, निर्यात या आयात का विशेष अधिकार प्राप्त होता है। यह अधिकार इस बात पर आधारित है कि किसान गैर-ब्रांडेड तरीके से पंजीकृत किस्मों के बीजों का उपयोग कर सकते हैं, जो उनका अधिकार है।

प्रजनकों का अधिकार इस अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों में से एक है, जिसके भारतीय कृषि और वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में दूरगामी निहितार्थ हैं। प्रजनकों के पास अपनी किस्म के पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने और प्राधिकरण द्वारा लिए गए अंतिम निर्णय के बीच की अवधि के दौरान किसी तीसरे पक्षकार द्वारा किए गए किसी भी अनुचित कृत्य के विरूद्ध अनंतिम व अस्थायी संरक्षण का भी अधिकार है। इसी प्रकार से, अनुसंधानकर्ता के अधिकार भी हैं। किंतु, किसी नई किस्म विकसित करने के प्रयोजनार्थ, किस्म के प्रारंभिक स्रोत के रूप में, पंजीकृत किस्म के बार-बार उपयोग के लिए पंजीकृत किस्म के प्रजनक का प्राधिकार आवश्यक है।

1.8 पौधों की किस्मों का पंजीकरण

किसी पौधा किस्म और उसके मूल्यवर्ग के पंजीकरण के लिए आवेदन निम्नलिखित श्रेणियों के तहत किया जा सकता है:

- नई किस्म: पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने की तिथि के दिन, यदि किस्म का व्यवसायीकरण एक वर्ष से कम अवधि के लिए किया गया है, तो वह किस्म नई मानी जाएगी।
- विद्यमान किस्म: इसके अंतर्गत निम्नलिखित श्रेणियां हैं:
  - बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित विद्यमान किस्में: बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित किस्में इस श्रेणी के तहत पंजीकरण के लिए पात्र हैं।
  - किसानों की किस्म: पारंपरिक रूप से खेती की जा रही और किसानों द्वारा अपने खेतों में उगाई जा रही किस्म, जिसमें वन्य प्रजाति या स्थानिक प्रजाति या कोई ऐसी किस्म शामिल है जिसके बारे में किसानों को सामान्य ज्ञान हो।
  - कॉमन नॉलेज किस्म (वीसीके): ऐसी किस्में जो बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित नहीं हैं और एक वर्ष से अधिक समय से वाणिज्यिक श्रृंखला में सम्मिलित हैं।
- मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म: किसी प्रारंभिक किस्म से मुख्यतया व्युत्पन्न कोई किस्म जो नई या विद्यमान किस्म श्रेणी के अंतर्गत होनी चाहिए।

पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 15 (2) के तहत जारी की गई सार्वजनिक सूचना संख्या 2021 की 16 के अनुसार, वीसीके के लिए विद्यमान किस्म और अधिसूचित विद्यमान किस्मों की श्रेणी जनवरी 2021 से निम्न फसल प्रजातियों में उपलब्ध नहीं है।

1.9 किस्मों के खेत-परीक्षण (डीयूएस परीक्षण) की सीमा और प्रकृति

किस्म के पंजीकरण के लिए दावा की गई किस्म की श्रेणी के आधार पर, आवेदन पर कार्रवाई की जाती है, और तदनुसार आवेदक को डीयूएस परीक्षण, पंजीकरण और किसी भी अन्य शुल्क, जैसा आवश्यक हो, जमा करना होता है। आवश्यक शुल्क और बीज प्राप्त होने के बाद और पौधा किस्म रजिस्ट्री में आवेदन की संतोषजनक विवेचना के

पश्चात, रजिस्ट्रार डीयूएस परीक्षण संचालित करने के लिए किस्म को फसल-विशिष्ट केंद्रों को भेजेगा। डीयूएस परीक्षण की अवधि इस प्रकार है:

- **नई किस्में:** दो स्थानों पर दो सदृश फसल मौसम।
- **किसानों की किस्म और वीसीके:** दो स्थानों पर एक फसल मौसम।
- **बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित विद्यमान किस्म:** इस संबंध में कोई डीयूएस परीक्षण नहीं किया जाता है, लेकिन किस्म को एक ईवीआरसी समिति द्वारा प्रोसेस किया जाता है जो उसके पंजीकरण के लिए सिफारिश करती है।
- **ईडीवी:** इस संबंध में डीयूएस परीक्षण अनिवार्य नहीं है, लेकिन डीयूएस मानदंड प्राप्त व स्थापित करने के लिए खेत में परीक्षण किया जाता है।

डीयूएस परीक्षण के परिणाम प्राप्त होने के बाद, आवेदन को प्रोसेस किया जाता है और किस्म की विशिष्टता डीयूएस परीक्षण के माध्यम से प्राप्त की जाती है तथा डेटाबेस में शामिल किस्मों के साथ उसकी तुलना की जाती है। तत्पश्चात, किस्म के लघु व पासपोर्ट डेटा को भारतीय पौधा किस्म जर्नल में प्रकाशित किया जाता है।

आवेदन को भारतीय पौधा किस्म जर्नल में प्रकाशित किया जाता है और प्रकाशन की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर मतभेद आमंत्रित किए जाते हैं। यदि कोई मतभेज दर्ज नहीं किया जाता है, या यदि दाखिल किए गए मतभेद खारिज कर दिए जाते हैं, तब किस्म को पंजीकरण के लिए भेजा जाता है। किस्म की संरक्षण की अवधि निम्न प्रकार है:

1.9.1 विभिन्न प्रकार की फसलों में सुरक्षा अवधि

वर्तमान में, कुल 189 फसल प्रजातियां संरक्षण के लिए पात्र हैं (अनुलग्नक VII)। खेत में उगाई जाने वाली फसलों यानी फील्ड क्रॉप्स के लिए संरक्षण की कुल अवधि 15 वर्ष है, यानी पंजीकरण के समय पर 6 वर्षों की अवधि और तत्पश्चात अगले 9 वर्षों की नवीनीकरणीय अवधि। जबकि वृक्षों और वाइन्स के संबंध में संरक्षण अवधि 18 वर्ष की है, यानी पंजीकरण के समय पर 9 वर्ष की अवधि और तत्पपश्चात अगले 9 वर्षों के लिए नवीनीकरणीय अवधि। अधिसूचित की गई विद्यमान किस्मों के लिए खेतों में उगाई जाने वाली फसलों या वृक्षों एवं वाइन्स हेतु, संरक्षण अवधि बीज अधिनियम, 1966 के तहत अधिसूचना की तारीख से क्रमशः 15 या 18 वर्ष की है।

1.10 किसानों/ खेतिहर समुदायों को पुरस्कार/प्रोत्साहन

पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 70 (2) (ए) के साथ पठित अधिनियम की धारा 45 (2) में विशेष रूप से राष्ट्रीय जीन कोष से कृषि-जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किए गए क्षेत्रों में उन किसानों, किसान समुदायों, खास तौर पर आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए समर्थन और पुरस्कार देने का प्रावधान किया गया है जो आर्थिक महत्ता के पौधों और उनकी वन्य प्रजातियों के आनुवंशिक संसाधन के संरक्षण, सुधार और परिरक्षण से जुड़े हैं। इन प्रावधानों को लागू करने के लिए, प्लांट जीनोम सेवियर कम्यूनिटी अवार्ड यानी पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार वर्ष 2009-10 में अधिष्ठापित किया गया था। यह पुरस्कार अधिकतम पांच किसानों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता सकता है। इसके साथ-साथ, दस किसानों को पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार (प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिवार्ड) प्रदान किए जा सकते हैं और बीस किसानों को पादप जीनोम संरक्षक कृषक अभिज्ञान प्रमाण-पत्र (प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिकॉग्निशन सार्टिफिकेट) प्रदान किए जाते हैं। प्रदान किए गए पुरस्कारों का विवरण तालिका 1 में दिया गया है। पुरस्कार-प्राप्तकर्ता का चयन विशेषज्ञों/ वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किया जाता है जिसका प्रमुख प्रख्यात वैज्ञानिक/ विषय-विशेषज्ञ होता है।

तालिका 1.1 : पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार, प्रोत्साहन और मान्यता का विवरण

पुरस्कार	विवरण	आवेदन
पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार	पांच खेतिहर समुदायों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 10 लाख का नकद होता है।	इन पुरस्कारों के लिए विज्ञापन को राष्ट्रीय समाचार-पत्रों में तथा प्राधिकरण की वेबसाइट (http://www.plantauthority.gov.in/forms.htm) पर विज्ञापित किया जाता है। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन संबंधित पंचायत जैवविविधता प्रबंध समिति के अध्यक्ष/सचिव द्वारा या संबंधित जिला कृषि अधिकारी या राज्य कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक या संबंधित जिले के जनजातीय विकास अधिकारी द्वारा भेजा जाना चाहिए।
पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार	दस किसानों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 1.5 लाख का नकद होता है।	
पादप जीनोम संरक्षक कृषक मान्यता पुरस्कार (रिकॉग्निशन)	बीस किसानों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 1.0 लाख का नकद होता है।	

2 : पौधा किस्म रजिस्ट्री

2.1 फसल प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण संबंधी दिशानिर्देशों का प्रकाशन

वर्ष 2024-25 के दौरान, आठ फसल प्रजातियों के लिए डीयूएस दिशानिर्देश विकसित किए गए जिन्हें *भारतीय पौधा किस्म जरनल*में प्रकाशित किया गया, जिनका विवरण तालिका 2में दिया गया है। अब कुल 203 फसल प्रजातियां ऐसी हैं जिनके लिए प्राधिकरण ने डीयूएस दिशानिर्देश विकसित किए हैं और उन्हें भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया है। इन विभिन्न फसल प्रजातियों के अंतर्गत किस्मों के लिए पंजीकरण *पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001* के अधीन पादप किस्म संरक्षण हेतु खुले हैं।

तालिका 2 : वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न फसल प्रजातियों के लिए विकसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश

क्र.सं.	फसल एवं प्रजातियां	पीवीजे प्रकाशन का विवरण
1.	तुरई (*लुफ्फा सिलिंड्रिका* (एल.) रोइम)	वॉल्यू.-18,सं.8 (अगस्त 2024) (प्रकशन की तिथि: 2 सितंबर, 2024)
2.	करी पत्ता (*मुरैया कोएनिगी* (एल.) स्प्रेंग)	
3.	ऐलैंथस (*ऐलैंथस एक्सेलसा*. रॉक्सब.)	
4.	डहेलिया (*डहलिया एसपीपी*)	
5.	ब्रोकोली (*ब्रैसिका ओलेरासिया* (एल.) वैरा. इटालिका प्लेंक)	
6.	लेमन ग्रास (*सिंबोपोगन फ्लेक्सुओस*सएल.)	
7.	मिर्च, लाल शिमला मिर्च और शिमला मिर्च (*कैप्सिकम एनुअम*एल.) (सुरक्षित जगहों पर)।	

2.2 वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या

वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न श्रेणियों के तहत सार्वजनिक और निजी, दोनों के साथ-साथ कृषक किस्म क्षेत्रों से पंजीकरण के लिए कुल 1570 आवेदन प्राप्त हुए।अधिकांश आवेदन अनाज, फल, सब्जियों और फली फसलों से संबंधित थे (तालिका 3)।

तालिका 3क: 2024-25 के दौरान प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या (सेक्टर-वार) फसल समूह-वार)

श्रेणी	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	किसान
नई किस्में	18	200	-
विद्यमान अधिसूचित किस्में	239	9	-
विद्यमान वीसीके किस्में	12	148	1
विद्यमान कृषक किस्में	-	-	939
ईडीवी किस्में	-	4	-

तालिका 3 ख : 2024-25के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या (फसल समूह-वार)

क्र. सं.	फसल समूह	कुल
1.	अनाज	734
2.	फल	271
3.	सब्जियां	184
4.	फलियां	164
5.	तिलहन	91
6.	मसाले	63
7.	रेशा फसलें	21
8.	नकदी फसलें (कैश क्रॉप्स)	10
9.	वृक्ष, वन और रोपण फसलें	10
10.	पुष्प	8
11.	गन्ना फसलें	8
12.	औषधीय और सगंधीय पौधे	6
	कुल योग	**1570**

विभिन्न फसलों यानी धान (341), मक्का (141), कटहल (105), भिंडी (15), खीरा (12), कद्दू (12), बाजरा (9), टमाटर (9), आदिके संबंध में सर्वाधिक संख्या में आवेदन प्राप्त हुए (तालिका 4)।

तालिका 4: सर्वाधिक संख्या में प्राप्त आवेदन (फसल-वार)

क्र.सं.	सामान्य नाम	कुल	क्र.सं.	सामान्य नाम	कुल
1.	अजवाइन	3	56.	काली जीरी	3
2.	सेब	6	57.	राजमा	26
3.	पेठा (ऐश गॉर्ड)	1	58.	कोदो	16
4.	अश्वगंधा	1	59.	कुसुम	1
5.	बेल	8	60.	नींबू	1
6.	जौ	17	61.	लेमनग्रास	1
7.	सावां (बर्नयार्ड मिलेट)	17	62.	मसूर	16
8.	उड़द	22	63.	अलसी	7
9.	राई (ब्लैक मस्टर्ड)	1	64.	कुटकी (लिटिल मिलेट)	20
10.	काली मिर्च	8	65.	कमल	2
11.	ब्लूबेरी	1	66.	मक्का	141

12.	लौकी	13	67.	आम	61
13.	बैंगन	11	68.	गेंदा	6
14.	पत्ता गोभी	6	69.	मेलिया	1
15.	गाजर	4	70.	मोरिंगा/ सहजन	4
16.	काजू	2	71.	पहाड़ी मूंगफली	1
17.	अरंडी	7	72.	खरबूजा	7
18.	फूलगोभी	4	73.	जायफल	1
19.	काबुली चना	23	74.	भिंडी	7
20.	मिर्च	24	75.	प्याज	1
21.	ग्वार फली	4	76.	पपीता	1
22.	नारियल	2	77.	नाशपाती	1
23.	कॉफी	1	78.	बाजरा	22
24.	कॉमन/स्वीट बकव्हीट (कुट्टू)	2	79.	पेकन नट	1
25.	धनिया	5	80.	पेरिला	6
26.	लोबिया	10	81.	अरहर	22
27.	खीरा	5	82.	परवल	1
28.	जीरा	1	83.	आलू	17
29.	शरीफा	4	84.	चेना (प्रोसो बाजरा)	4
30.	द्विगुणित कपास	4	85.	पुमेलो	1
31.	डोलिकोस बीन	10	86.	मूली	2
32.	सौंफ	1	87.	गोभी सरसों (तोरिया)	1
33.	मेथी	4	88.	तोरिया (रेपसीड)	4
34.	मटर (फील्डपी)	10	89.	चावल / धान	341
35.	रागी/मडुआ (फिंगर मिलेट)	78	90.	राइसबीन	1
36.	फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी)	4	91.	तुरई	4
37.	कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट)	18	92.	कुसुम	2
38.	हरी मटर (गार्डन पी)	2	93.	तिल	15
39.	लहसुन	6	94.	छोटी इलायची	1
40.	अदरक	10	95.	ज्वार	29
41.	दाना चौलाय (ग्रेन ऐमारैंथ)	18	96.	सोयाबीन	23

42.	अंगूर	28	97.	तुरई	3
43.	रतालू (ग्रेटर यैम)	2	98.	गन्ना	8
44.	मूंग	16	99.	सूरजमुखी	7
45.	मूंगफली	4	100.	सुपर नेपियर घास	1
46.	अमरूद	5	101.	इमली	2
47.	कुल्थी	16	102.	कचालू (टैरो)	5
48.	आंवला	2	103.	त्रिगुणित कपास	16
49.	सरसों	19	104.	तंबाकू	2
50.	पेनीवॉर्ट	1	105.	टमाटर	25
51.	इशरमूल	1	106.	हल्दी	19
52.	कटहल	105	107.	पत्ता चौलाय (वेजिटेबल ऐमरैंथ)	2
53.	जखिया	1	108.	अखरोट	6
54.	जामुन	43	109.	तरबूज	2
55.	जूट	1	110.	गेहूँ	28
				कुल	**1570**

1570 आवेदनों में से,940 आवेदन किसानों द्वारा, 361 आवेदन निजी क्षेत्र द्वारा और 269 आवेदन सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा दायर किए गए।विद्यमान वीसीके श्रेणी के तहत, पंजीकरण के लिए 161 आवेदन प्राप्त हुए। 218 नई किस्म श्रेणी के तहत, 248 विद्यमान अधिसूचित श्रेणी के तहत, 4 ईडीवी श्रेणी के तहत और 939 किसान किस्म श्रेणी के तहत भी आवेदन प्राप्त हुए।वर्ष 2024-25 के दौरान 110 फसल प्रजातियों के संबंध में 1570 आवेदन प्राप्त हुए।

2.3 पौधा किस्मों का पंजीकरण

2024-25 के दौरान, पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करके विभिन्न फसल प्रजातियों (चित्र) के तहत 1720 किस्मों के लिए प्रमाणपत्र जारी किएगए। अधिकतम संख्या में प्रमाणपत्र कृषक किस्म (1133) के तहत तथाउसके बाद नई श्रेणी (261), विद्यमान वीसीके (209), और विद्यमान अधिसूचित (117) के तहत जारी किए गए। इसी प्रकारसे, सर्वाधिक संख्या में प्रमाणपत्र अनाजों (794) के संबंध में और उसके बाद फलियों (275),रेशा फसलें (197),सब्जियां (148),फल (139),तिलहन (95),और मसाले (52) आदि के संबंध में जारी किए गए।

तालिका 2.5: फसल समूह-वार जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं. (2024-25)

फसल समूह	कुल
अनाज	794

रेशा फसलें	197
पुष्प	2
फल	139
फलियां	275
तिलहन	95
मसाले	52
गन्ना फसलें	12
वृक्ष, वन्य और रोपण फसलें	6
सब्जियां	148
सकल योग	**1720**

2.4 पंजीयन के शाखा कार्यालयों की रिपोर्टें

2.4.1 शाखाकार्यालय, शिवमोगा

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा की स्थापना 3 मई 2017 को कृषि विश्वविद्यालय परिसर, केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, नाविले, शिवमोगा के परिसर में की गई थी। पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा पांच राज्यों यानी कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और दो संघ राज्य क्षेत्रों अर्थात पुदुचेरी और लक्षद्वीप को कवर करता है।



फसल	आवेदनों की सं.
नई किस्में	02
विद्यमान अधिसूचित किस्में	19
कृषक किस्में	33
कुल	54

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा में विभिन्न श्रेणियों के तहत धान, ज्वार, कोदो, सावां (बर्नयार्ड मिलेट), कुटकी (लिटिल मिलेट), कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट), सूरजमुखी, अरंडी, अरहर और कॉफी, काली मिर्च, कटहल, तरबूज, मूली, अदरक तथा मिर्च फसलों के लिए बीज के साथ चौवन (54)आवेदन प्राप्त हुए।प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें पहली जांच रिपोर्ट के साथ पौधा किस्म रजिस्ट्री, नई दिल्ली में मुख्य कार्यालय को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया।

विस्तार संबंधी गतिविधियाँ



- पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के बारे में जागरुकता पैदा करने और कृषक समुदाय के लिए कृषक किस्मों के पंजीकरण के लिए कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय धारवाड़ में 12 मार्च 2025 को पीपीवीएफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया।

- पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के बारे में कृषक समुदाय के बीच जागरुकता फैलानेऔर किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लिए पीपीवीएफआरए अधिनियम 2001 पर भाकृअनुप-अटारी, बेंगलुरु के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, वीसी फार्म मांड्या, यूएएस बैंगलोर में 27 मार्च, 2025 को आयोजित प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम कार्यक्रम में तथा प्रदर्शनी मेंभाग लिया।

- दक्षिणी क्षेत्र के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के अनुसंधान निदेशकों और विस्तार निदेशकों से संपर्क किया गया कि वे संबंधित ब्रीडरों से किसानों की किस्में पंजीकृत एवं संरक्षित कराने के लिए किसानों कोप्रोत्साहित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए अनुरोध करें तथा यह भी आग्रह करें कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों और केंद्रीय बीज समिति द्वारा अधिसूचित किस्मों का भी पंजीकरण किया जाए ताकि उन्हें विद्यमान (अधिसूचित) श्रेणी के तहत विमोचित किया जा सके।

- कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को ई-मेल भेजे गए कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत किसानों को 2023-2024 के लिए पौधा जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार,पौधाजीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार औरपौधाजीनोम संरक्षक कृषक मान्यता पुरस्कार की जानकारी प्रसारित करें।

- विभिन्न फसलों के संबंध में किस्मों के पंजीकरण हेतु किसानों से संपर्क किया गया और उन्हें 2023-2024 के लिए पौधा जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार, पौधा जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार और पौधा जीनोम संरक्षक कृषक मान्यता पुरस्कार के बारे में भी सूचित किया गया।

1.4.2. शाखा कार्यालय, गुवाहाटी

डॉ. अतुल चंद्र सरमा ने प्राधिकरण की गुवाहाटी शाखा में 01-01-2025 को उप पंजीयक (अनुबंध आधार पर) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। केंद्र द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन, 2024-25 के लिए निम्नलिखित सूचना अग्रेषित की गई।

जागरुकता एवं प्रशिक्षण

पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 पर जागरुकता व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से सृजित की गई और विभिन्न संगठनों, जैसे कि भाकृअनुप संगठनों, राज्य कृषि विभागों, जिला कृषि अधिकारियों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों और केवीके के प्रमुखों, असम कृषि विश्वविद्यालय, किसानों और कृषि समुदायों आदि को पत्र भी लिखे गए।इसके अलावा, पंजीकरण के लिए आवेदन भरने हेतु निदेशकों, भाकृअनुप-अटारी जोन VI और जोन VII से भी संपर्क किया गया।भाकृअनुप-अटारी जोन VI और VII,दोनों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और केवीके के प्रमुखों के साथ बात की गई।

किसानों की किस्मों के लिए नमूना आवेदन पत्र और अन्य आवश्यक जानकारी व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी गई।

अग्रेषित आवेदन:

इस अवधि के दौरान बीज के साथ कुल 21 (इक्कीस) आवेदन मुख्य कार्यालय को भेजे गए।

दौरा:



डॉ. अतुल चंद्र सरमा, उप पंजीयक, गुवाहाटी ने पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 पर 27-03-2025 को केवीके धलाई, त्रिपुरा में प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम पर एक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में श्री प्रदीप बर्मन रॉय, सदस्य, आईएमसी-भाकृअनुप, नई दिल्ली ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया।श्रीमती दीप्ति रक्षित, अध्यक्ष, कृषि स्थायी समिति और अध्यक्ष, बीएसी,



सलीमा, श्री बिमल देबबर्मा, उपाध्यक्ष, सलीमा पंचायत समिति, श्री अपूर्बा पोद्दार, प्रधान, सलीमा ग्राम पंचायत और सलीमा ग्राम पंचायत के श्री नानू गोपाल कर ने भी कार्यशाला में भाग लिया।त्रिपुरा के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों ने अपने-अपने स्टाल लगाए और अपनी स्वदेशी किस्मों को प्रदर्शित किया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में त्रिपुरा के विभिन्न जिलों से कुल 326 किसानों ने भाग लिया।पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 पर उप-पंजीयक द्वारा किसानों को प्रशिक्षण के विस्तृत विवरण बंगाली भाषा में दिए गए।डॉ. अभिजीत देब नाथ,वरिष्ठवैज्ञानिक और प्रमुख, केवीके धलाई और डॉ. मंदिरा चक्रवर्ती, एसएमएस (सस्य विज्ञान) ने भी प्रशिक्षण प्रदान किया।किसानों के सवालों के जवाब भी दिए गए।प्रदर्शनी में केवीके खोवाई को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले केवीके के रूप में सम्मानित किया गया।





KVK Dhalai holds workshop-cum-awareness prog on PPV&FRA

Observer Reporter

Agartala: Mar 27. Krishi Vigyan Kendra (KVK) Dhalai, in collaboration with seven other KVKs from Tripura, successfully organized a Workshop-cum-Awareness Programme on the Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Act (PPV&FRA). The event took place at KVK Dhalai, Salema aimed to enhance awareness and facilitate the registration of plant varieties under the PPV&FRA.

The programme witnessed the participation of all KVKs from Tripura, alongside a large gathering of farmers eager to learn about their rights and the benefits of plant variety registration. More than 326 farmers from various districts of Tripura attended the event, bringing different plant varieties for registration.

The occasion was graced by Dr. A.C. Sarma, Deputy Registrar, PPV & FRA, Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare attended as the Guest of Honour. Pradip Barun Roy, Member, IMC-ICAR, New Delhi was present as the Special Guest. Other distinguished guests included Dipti Rakshit, President of the Agri Standing Committee and Chairman, BAC, Salema; Bimal Debbarma, Vice-Chairman, Salema Panchayat Samiti; Nani Gopal Kar, Apurba Poddar, Pradhan, Salema GP, and Mandira Chakraborty, SMS (Agronomy) of KVK West Tripura.

The event also saw the active participation of various Farmer Producer Organizations (FPOs) and Self-Help Groups (SHGs) from different districts of Tripura. Farmers engaged in discussions with experts on plant variety registration procedures, the benefits of legal protection, and the rights conferred under the PPV&FRA.

The workshop provided a crucial platform for farmers to gain insights into the legal framework that safeguards their plant varieties, ensuring recognition and rewards for their efforts in conservation and innovation. The overwhelming response from the farming community highlighted the growing awareness and interest in plant variety protection in Tripura.

The successful organization of this event underscores the commitment of KVK Dhalai and its collaborating KVKs in empowering farmers with knowledge and resources to protect their plant varieties and secure their agricultural future.

प्रशिक्षण और जागरुकताकार्यक्रम पर कार्यशाला का घटनाक्रमस्थानीय बंगाली दैनिक समाचार पत्र *"दैनिक संवाद"* में उसके 28-03-2025 के अंक में अगरतला से प्रकाशित किया गया। केवीके धलाई के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ 28-03-2025 को केवीके के सम्मेलन कक्ष में चर्चा की गई और पंजीकरण हेतु आवेदनों के प्रस्तुतीकरण पर बात की गई।

ধলাই কৃষি বিজ্ঞান কেন্দ্রে পিপিভি ও এফআরএ বিষয়ক কর্মশালা অনুষ্ঠিত



আগরতলা, ২৭ মার্চ।। উদ্ভিদ জাত সংরক্ষণ ও কৃষকদের অধিকার আইন (পিপিভি ও এফআরএ) বিষয়ক কর্মশালা - কাম-সচেতনতামূলক কর্মসূচি সালেমাস্থিত ধলাই কৃষি বিজ্ঞান কেন্দ্রে আজ অনুষ্ঠিত হয়েছে। এই কর্মশালার উদ্দেশ্য ছিল উদ্ভিদ জাত সংরক্ষণ ও কৃষকদের অধিকার আইন সম্পর্কে কৃষকদের মধ্যে সচেতনতা বৃদ্ধি করা। কর্মশালায় প্রধান অতিথি হিসেবে উপস্থিত ছিলেন কেন্দ্রীয় কৃষি ও কৃষক-কল্যাণ মন্ত্রকের পিপিভি ও এফআরএ-এর যুগ্ম উপ-নিবন্ধক ড. এ সি শর্মা। বিশেষ অতিথি হিসেবে উপস্থিত ছিলেন নয়াদিল্লির আই.এম.সি.-আইসিএআরভুক্ত সদস্য প্রদীপ বরণ রায়। এ ছাড়াও উপস্থিত ছিলেন সালেমা ব্লকের বি.ডি.সি চেয়ারম্যান বিমল দেববর্মা, সালেমা পঞ্চায়েত সমিতির সহ-সভাপতি নানী গোপাল কর, সালেমা গ্রাম পঞ্চায়েতের প্রধান অপূর্ব পোদ্দার এবং পশ্চিম ত্রিপুরা কৃষি বিজ্ঞান কেন্দ্রের এসএমএস (এগ্রোনমি) মন্দিরা চক্রবর্তী। এছাড়াও কর্মশালায় রাজ্যের অন্যান্য কৃষি বিজ্ঞান কেন্দ্রের প্রতিনিধিগণ সহ রাজ্যের বিভিন্ন জেলা থেকে

— সুইয়ের পাতায় দেখুন



1.4.3. शाखा कार्यालय, रांची

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय रांची अपने प्रातीय अधिकार क्षेत्र के साथ बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची झारखंड के कंप्यूटर सेंटर बिल्डिंग के परिसर में स्थित है, और मई, 2011 से कार्य कर रहा है।

इस शाखा कार्यालय का अधिदेश अधिकार क्षेत्र में पीवीएफआर अधिनियम 2001 से संबंधित ज्ञान के प्रसार के लिए विभिन्न पुरस्कार/पारितोष और सम्मान से संबंधित कार्यक्रमों, किसानों की किस्मों और अन्य किस्मों के पंजीकरण को लोकप्रिय बनाने एवं प्रोत्साहन देने से संबंधित कार्यक्रमों सहित विभिन्न अनुसंधान संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों/ कृषि विज्ञान केंद्रों/विभागों/संगठनों/एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम/ बैठठों/ सेमिनार/ कार्यशाला आदि में भाग लेना है।

- **पंजीकरण प्रक्रिया**:प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने निम्नलिखित उपलब्धियां हासिल कीं:

➢ **कृषक, नई और विद्यमान किस्मों के पंजीकरण केबारे में आवेदन:**प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची को कृषक और अन्य किस्मों के विभिन्न **आवेदन** प्राप्त हुए,जिनमें, विद्यमान, नई और कृषक किस्मों के बारेमें आवेदन थे। इन किस्मों में से विभिन्न फसलों के **54 (चौवन)** एफ.वी.आवेदन पीसीकृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) डुंका (09), पीसी, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जामताड़ा, झारखंड (08) पीसी, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) गढ़वा, झारखंड (08) और दिव्य कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) रांची, झारखंड (29) के माध्यम से प्राप्त हुए।इन उपरोक्त को छोड़कर, हमें एक और एफ.वी.आवेदन भी प्राप्त हुआ, जो प्रतिलिपि किस्म अर्थात कॉपी वैरायटी थी और अधिसूचित फसलों के तहतसूचीबद्ध नहीं थी, इसलिए उसेआवश्यक सुधार करने के बाद पुन:प्रस्तुत करने के लिए वापस कर दिया गया।पिछले और नए आवेदनों के लिए हमारी नई पंजीकरण नीति के अनुसार, हमें एसएयू/सीएयू/भाकृअनुप/सीएसआईआर में डीयूएस परीक्षण के लिए किसानों की किस्मों के आवेदनों के कई पत्र भी प्राप्त हुए, जिनके बारे में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए ईमेल और दूरभाष के माध्यम से संबंधित केवीके से संपर्क किया गया।कृषक किस्मों (एफ.वी.) से संबंधित उपरोक्त आवेदन सभी दिशानिर्देशों के साथ आगे की प्रक्रिया के लिए मुख्यालय को प्रस्तुत किए गए।

➢ **बीज के नमूने**: डीयूएस और ग्रो आउट टेस्ट (जीओटी) के लिए प्राप्त विभिन्न फसलों के **62 (बासठ) बीज नमूने**पौधा किस्म रजिस्ट्री को भेजे गए।

➢ **कृषि और वाणिज्यिक (ए एंड सी) सूचना/ विशेशकों का संग्रह:**प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने भी संबंधित केवीके/किसानों से (ए एंड सी) सूचना/विशेषकों का संग्रह किया और एच.ओ.की मांग के अनुसार आगे की प्रक्रिया के लिए उन्हें मुख्य कार्यालय को प्रस्तुत किया।

➢ **पौधा जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार के लिएआवेदन आमंत्रित करना:**प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने अपने अधिकार क्षेत्र में सभी संस्थानों/ कृषि विज्ञान केंद्रों/ संगठनों/ किसानों को वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न पौधा जीनोम संरक्षक पुरस्कारों के लिए आवेदन भेजने/प्राप्त करने की अंतिम विस्तारित तिथि तक भेजने के लिए सूचित किया। इसके बाद हमें विभिन्न पुरस्कारों, सम्मान एवं मान्यता के लिए 04 आवेदन ऑनलाइन मोड के माध्यम से भी प्राप्त हुए, जिन्हें आगे की कार्रवाई के लिए मुख्य कार्यालय को भेजा गया।

➢ **शुल्क और अन्य जमा करने के लिए समन्वय**: शाखा कार्यालय रांची नेअनेक प्रकार के शुल्क - यथा, संस्थानों/संगठनों से वार्षिक शुल्क, नवीकरण शुल्क और डीयूएस शुल्क आदि - जमा कराने के लिए भी प्रयास किए।कुछ अन्य प्रकार के पत्र भी शाखा

कार्यालय में समय-समय पर मुख्य कार्यालय से प्राप्त हुए, जैसे किसंबंधित व्यक्तियों से किस्में प्राप्त करने के उपरांत उनकी पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने हेतु किस्मों के अन्य विवरण शीघ्र उपलबध कराने के लिए।

- **सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार/किसान गोष्ठी आदि में भागीदारी। पीपीवी एवं एफआरए शाखा कार्यालय, रांची के क्षेत्रों में आयोजित:**
- **शाखा कार्यालय विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2024 में रांची की भागीदारी:**

शाखा कार्यालय रांची ने विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर वेबिनार में भाग लिया जिसेपीपीवीएफआर प्राधिकरण द्वारा नई दिल्ली के एनएएससी परिसर में 26 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. आशुतोष शर्मा, अध्यक्ष आईएनएसए एवं पूर्व सचिव डीएसटी, भारत सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।डॉ.डी. के.अग्रवाल,महापंजीयक, पीपीवीएफआरए ने मंच पर मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों एवं उपस्थित सभी लोगों का हार्दिक स्वागत किया।विश्व आईपी दिवस के विषय के साथ तालमेल बिठाते हुए, उन्होंने फिबोनाची श्रृंखला के बारे में बताया, जहां प्रत्येक संख्या पूर्ववर्ती संख्या का योग होती है और यह पश्चिमी संगीत में संगीतस्वरों, गायन शौलियों तथा संगीत रचना सहित विभिन्न रूपों में मौजूद है।उन्होंने पौधों किस्म के पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करने में पीपीवीएफआरए की प्रगति और अन्य हालिया घटनाक्रमों पर संक्षेप में प्रकाश डाला।

- **रमादा, जमशेदपुर में 20 से 22/02/2025 को आयोजित रेडिएंट झारखंड-मेगा प्रदर्शनी कार्यक्रम में सहभागिता:**

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार सहित भारत के विभिन्न विभागों/मंत्रालयों द्वारा रमादा, जमशेदपुर में 20 से 22/02/2025 के दौरान एक विशाल प्रदर्शनी कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में छात्रों, विभिन्न कॉलेजों के संकाय/फैकल्टी सदस्यों, स्थानीय और जमशेदपुर के किसानों सहित एक हजार से अधिक संख्या में लोगों ने स्टॉल का दौरा किया और पीपीवी एफआरए में विभिन्न किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की तथाअधिनियम के तहत लाभों आदि के बारे में भी चर्चा की।

कार्यक्रम का उद्घाटन 20.02.2025 को **जमशेदपुर के माननीय सांसद विद्युत वारण महतो जी** की उपस्थिति में किया गया जब विभिन्न गणमान्य व्यक्ति और रेडिएंट झारखंड-मेगा प्रदर्शनी के अन्य प्रतिभागी उपस्थित थे।विशाल प्रदर्शनी के खुलने के बाद सभी प्रदर्शकों (exhibitors) ने प्रदर्शनी में अपने स्टाल लगाए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकतम संख्या में लोगों को जानकारी प्रदान करना था कि इस प्रकार की प्रदर्शनी व मिशन का उनके लिए क्या मायने हैं। इस कार्यक्रम में पीपीवीएफआरए का एक प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाया गया था।यह कार्यक्रम ऐसी नई युवा पीढ़ियों के लिए बहुत सूचनाप्रद व लाभकारी था जो इस क्षेत्र में कुछ करना चाहते थे।हमारा मिशन इस कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लेने में सफल रहा क्योंकि मेगा प्रदर्शनी के तीन दिनों के दौरान हजारों की संख्या में छात्रों और अन्य प्रतिभागियों ने हमारे स्टॉल का दौरा किया।समापन समारोह के दौरान अंतिम दिन हमारे स्टॉल को कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा स्मृति चिन्ह और भागीदारी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

शाम को कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मैं सुबह ट्रेन से शाखा कार्यालय रांची वापस आ गया।









प्रदर्शनी की झलकियाँ

➢ **शाखा कार्यालया रांची मे उप-पंजीयक की नियुक्ति:**

डॉ. हरीश चंद्र सिंह को शाखा कार्यालय रांची में उप पंजीयक के रूप में अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया है।इसलिए, दिशानिर्देशों के अनुसार उन्होंने 24 फरवरी, 2025 से कार्यभार ग्रहण किया।

➢ **विविध:**

हाल ही में, पीपीवीएफआरए, शाखा कार्यालय, रांची ने पंजीकरण के लिए संबंधित केवीके/संस्थान/किसानों आदि से शुद्ध बीज के साथ नए एफ.वी. और अन्य आवेदन प्राप्त करने काप्रयास किया।

1.4.4. शाखा कार्यालय, पुणे

शाखा कार्यालय, पुणे द्वारा प्रस्तुत किस्मों का विवरण:

श्रेणी	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	किसान
नई किस्में	06	--	--
विद्यमान अधिसूचित किस्में	21	--	--
विद्यमान वीसीके किस्में	--	--	--
विद्यमान कृषक किस्में	--	--	27

फसल-वार प्रसतुत किए गए प्रस्ताव की सूची

क्र. सं.	फसल का नाम	प्रस्तुत प्रस्ताव सं.
1	कुसुम	02
2	कपास	08
3	बैंगन	02
4	लौकी	02
5	अंगूर	10
6	आम	01
7	अरहर	01
8	गेहूँ	01
9	टमाटर	03
10	मेथी	01
11	प्याज	01
12	पहाड़ी तोरी	01
13	तुरई	01
14	सहजन	01
15	सुपर नेपियर घास	01
16	हल्दी	10
17	सोयाबीन	03
18	रागी/मडुआ	01
19	ग्वार फली	01
20	पपीता	01
21	बाजरा	02

26.04.24

डॉ. के. ए. गायकवाड़, एसआरएफ, पीपीवी एवं एफआरए, शाखा कार्यालय, पुणे ने पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा दिवस कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया।

21.10.24

कृषि क्षेत्र के विभिन्न सरकारी अधिकारियों,जो शाखा कार्यालय, पुणे के अधिकार क्षेत्र में हैं,को पीजीएस पुरस्कार 2023-24 के संबंध में ईमेल भेजी गई।

22.11.24 से 25.11.24

डॉ. के. ए. गायकवाड़, एसआरएफ, पीपीवी एवं एफआरए, शाखा कार्यालय, पुणे ने नागपुर में एग्रोविजन प्रदर्शनी 2024 में भाग लिया।स्टाल के बारे में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, छात्रों और उद्योग पेशेवरों सहित 5,000 से अधिक आगंतुकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।स्टॉल में,कृषि में बौद्धिक संपदा को परिरक्षित करने के लाभों को दर्शाते हुए पंजीकृत पौधा किस्मों और उनके अनूठे गुणों को प्रदर्शित किया गया।अधिनियम से लाभान्वित हुए किसानों और प्रजनकों (ब्रीडर्स) की सफलता गाथा को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।किसानों को इस बात के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया कि वे किस्म के पंजीकरण के लिए आवेदन किस प्रकार कर सकते हैं और अधिनियम के तहत अपने अधिकारों का दावा कर सकते हैं।देशभर के किसानों के लिए समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित करने हेतु साहित्य हिंदी भाषा में वितरित किया गया।कई किसानों, पादप प्रजनकों और अनुसंधानकर्ताओं के साथ संबंध स्थापित किया गया, जिनमें से कई ने अपनी किस्मों को पंजीकृत करने में रुचि व्यक्त की।













23.01.25 to 25.01.25

डॉ. के. ए. गायकवाड, एसआरएफ, पीपीवी एवं एफआरए, शाखा कार्यालय,पुणेने पंजिम, गोवा में23 से 25 जनवरी,2024 के दौरान आयोजित तीसरेडेस्टिनेशन गोवा 2025 में भाग लिया।अधिकांश स्कूली छात्रों, किसानों, अनुसंधानकर्ताओं और नीति निर्माताओं सहित 500 से अधिक आगंतुकों ने पीपीवी एवं एफआरए स्टॉल का दौरा किया और बातचीत की, और पौधा किस्म संरक्षण तथा किसानों के अधिकारों के बारेमें जानकारी प्राप्त की। माननीय मुख्यमंत्री, गोवासरकार, डॉ. प्रमोद सावंत ने किसानों के विभिन्न अधिकारों और पौधा किस्म संरक्षण के बारे में जानने में गहरी रुचि दिखाई।पीपीवी एवं एफआरए स्टॉल को पौधा प्रजनकों के हितों के

साथ किसानों के अधिकारों को संतुलित करने के प्राधिकरण के मिशन को दर्शाकर डिज़ाइन किया गया।इसे हिंदी भाषा में इंटरेक्टिव डिस्प्ले और सूचनात्मक ब्रोशर के साथ डिजाइन किया गया था। एक समर्पित खंड में उच्च उपज देने वाली फसलों और किसानों द्वारा संरक्षित स्वदेशी किस्मों सहित पंजीकृत पौधों की किस्मों को प्रदर्शित किया गया।











21.03.25

डॉ. के. ए. गायकवाड़ ने माननीय अध्यक्ष महोदय, महापंजीयक महोदय और विधिक सलाहकार पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली के साथ बीजों में आईपीआर के प्रवर्तन पर पुणे में आयोजित जागरुकता सत्र में भाग लिया और प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को हल किया।





21.03.25

डॉ. के. ए. गायकवाड़ ने माननीय अध्यक्ष महोदय, महापंजीयक महोदय और विधिक सलाहकार पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली के साथ पुष्पकृषि क्षेत्र में पादप प्रजनकों के अधिकारों के अध्ययन और रॉयल्टी भुगतान पर पुणे में आयोजित हितधारकों की परामर्श चर्चा में भाग लिया और प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का समाधान किया।



* विभिन्न आवेदकों यानीएसएयू, भाकृअनुप संस्थानों और केवीके के प्रजनकों तथा शाखा कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर किसानों को पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकरण के लिए फसल किस्म के आवेदन दाखिल करने में यथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन दिया गया।

1.4.5. शाखा कार्यालय, पालमपुर

1. परिचय

यह रिपोर्ट प्रतिवेदनाधीन अवधिके दौरान पीपीवी एवं एफआरए शाखा कार्यालय, पालमपुर द्वारा प्राप्त की गई प्रमुख गतिविधियों को रेखांकित करती है। केंद्र के प्रयास पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 के तहत कृषक किस्म पंजीकरण, पीजीएसए आवेदन, संस्थागत समन्वय, और जागरुकता कार्यक्रमों की योजना में सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित था।

2. जागरुकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वय

100 किसानों के लिए केवीके, कुल्लू में एक प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्राधिकरण को 1.5 लाख रुपये का अनुमान प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण समय-सारणी और कार्यक्रम की रूपरेखा संबंधित प्रशासनिक प्राधिकारी के साथ साझा की गई।निधियां जारी न होने के कारण, 26 जून 2024 को निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया।उसे पुन: निर्धारित करने के लिए समन्वय जारी है।

3. कृषक किस्म पंजीकरण में सहायता

- कृषक किस्म "सुकेती धान" का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया।
- किस्म "काली झिनी" और "जट्टू धान" के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए, और पीजीएसए आवेदनों को तदनुसार प्रोसेस किया गया।
- किस्म "जट्टू धान" (किसानः श्याम सिंह कटोच) के लिए पीजीएसए आवेदन जमा किया गया।
- **पांगी क्षेत्र (चंबा) से जौ किसानों की तीन किस्मों को पंजीकरण के लिए भेजा गया :**
  - शेरवान जौ
  - बास्ते जौ
  - भोट जौ

4. संस्थागत समन्वय

सेब की किस्म के पंजीकरण के बारे में सूचना संबंधित अधिकारियों के साथ साझा की गई।विद्यमान, अधिसूचित, नई विमोचित की गई और किसान किस्मों के पंजीकरण के संबंध में एसएयू, केवीके, सीएसआईआर संस्थानों और प्रजनकों के साथ निरंतर संचार बनाए रखा गया।

5. प्रशासनिक कार्यवाहियां

आवंटित भूमि का अभिलेख (खसरा सं. 212, 213, 214 और 230) महापंजीयक को भेजा गया।

3: डीयूएस परीक्षण केंद्र

3.1 सरकारी स्वामित्व वाली राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली में पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 की धारा 19 और पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 29 (7) के तहत स्थापित डीयूएस परीक्षण केंद्र

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 59 फसल प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 652 प्रत्याशी किस्मों अर्थात कंडिडेट वैरायटीज का डीयूएस लक्षणवर्णन और मूल्यांकन के लिए परीक्षण देश के 54 केंद्रों पर किया गया। ये केंद्र भाकृअनुप, सीएसआईआर, एसएयू या सीएयू सहित केंद्र सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कृषि अनुसंधान प्रणालियों के तहत सबसे उपयुक्त स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रत्येक केंद्र में नामित प्रधान अन्वेषक के नियंत्रण में आवश्यकतानुसार समर्पित अनुसंधान स्टाफ और सहायता प्रदान की गई ताकि अधिनियम के तहत प्राधिकरण की मंजूरी के साथ आवश्यक परीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं का संचालन सुनिश्चित परियोजना मोड में किया जा सके।

3.1.1 धान फसल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

2024-25 में डीयूएस परीक्षण के लिए प्रत्याशी वंशावलियों के विवरण:

खरीफ 2024 के दौरान, 43 विशिष्ट किस्मों, 17 हाइब्रिडों, 7 वीसीके, 1 ईडब्ल्यूवी, 1 आईवी और 3 कृषक किस्मों सहित 99 वंशावलियों के लिए उनके प्रथम वर्ष में विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) परीक्षण किया गया, जबकि 17 विशिष्ट किस्मों (टिपिकल वैरायटीज), 4 हाइब्रिडों, 3 ईडीवी और 3 आईवी का परीक्षण उनके दूसरे वर्ष के दौरान किया गया। तेरह किस्मो, जिन्हें बीज अधिनियम, 1966 के अधीन अधिसूचित किया गया था, का भी मूल्यांकन किया गया। वंशावलियों का प्रतिरोपण 25 और 26 जुलाई, 2024 तथा 12 और 26 अगस्त, 2024 को बेहतर रूप से प्रबंधित खेत स्थितियों के तहत किया गया। पूरे फसल मौसम के दौरान उपयुक्त पोषक तत्व प्रबंधन, सिंचाई और पादप संरक्षण उपायों सहित मानक कृषि विधियों को अंगीकृत किया गया ताकि पादपों का स्वास्थ्य अच्छा बने रहे और वे अच्छी तरह से उग पाएं। विश्वसनीय प्रेक्षण सुनिश्चित करने हेतु फसल-विशिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार उपयुक्त पादप समष्टि अनुरक्षित की गई।

फसलें	नई		वीसीके	एफवी	राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां				
धान	60	21	7	3	13	28-09-2024



कृषक किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन: तीन कृषक किस्मों, अर्थात सोलन रानी (पंजीकरण संख्या 2023/0119), सफेद धान (पंजीकरण संख्या 2023/0128), और कौथुनी धान (पंजीकरण संख्या 2023/0129) का लक्षणवर्णन खरीफ 2024 में डीयूएस परीक्षण हेतु भाकृअनुप-आईआईआरआर में किया गया।



खरीफ 2024 में 48 संदर्भ और एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया गया और उनका लक्षणवर्णन किया गया। भाकृअनुप-आईआईआरआर में पिछले मौसमों से संग्रहित किए गए बीजों को क्रमशः जुलाई और अगस्त में अच्छी तरह से प्रबंधित खेत स्थितियों में बोया और रोपा गया। पूरे मौसम के दौरान मानक कृषि विधियों को अंगीकृत किया गया।

पीपीवी और एफआर अधिनियम पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन:



- 50 एआईसीआरपीआर सहकारी समितियों के लिए *"किस्मों/हाइब्रिडों का पंजीकरण और उसका महत्व"* पर पीपीवी और एफआरए कार्यशाला का आयोजन भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर), हैदराबाद में 16 दिसंबर 2024 को किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता पीपीवी और एफआरए के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने की।

- भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर), हैदराबाद में एक किसान जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 12 फरवरी 2025 को रायगढ़, महाराष्ट्र के 22 किसानों ने बैठक में भाग लिया।

- इंदापुर, पुणे, महाराष्ट्र के 43 किसानों हेतु एक और किसान जागरुकता कार्यक्रम 19 मार्च 2025 को भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर), हैदराबाद में आयोजित किया गया।

पादप किस्म संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी और एफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन (2024-25)

फसलें	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.	जारी किए गए प्रमाणपत्र
धान	6 (4 किस्में और 2 हाइब्रिड) REG/2024/0609 REG/2024/1315 REG/2024/1316 REG/2024/1317 REG/2025/0033 REG/2025/0039	2024-25 के दौरान 6 आवेदन प्रस्तुत किए गए और प्रमाणपत्र प्राप्त किए गए REG/2024/0609 REG/2024/1315 REG/2024/1316 REG/2024/1317 REG/2025/0033 REG/2025/0039

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

यह परीक्षण डीयूएस परीक्षण हेतु खरीफ 2024 में किया गया। फसल-विशिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों और प्राधिकरण के निर्देशों का पालन करते हुए, फसल विकास के उचित चरण पर आकारिकी से लेकर जैव-रासायनिक विश्लेषण तक सभी आँकड़े दर्ज किए गए। इन आँकड़ों को उचित प्रारूप में कम्प्यूटरीकृत किया गया और पीपीवी और एफआरए को भेजा गया। प्रत्याशी किस्मों के विपरीत उगाई गई संदर्भ किस्मों, स्थानीय और क्षेत्रीय मानक-किस्मों (checks) के आँकड़े परीक्षण के पहले और दूसरे वर्ष) भी दर्ज किए गए और

प्राधिकरण को भेजे गए। डीयूएस परीक्षण परिणामों की गोपनीयता और खेत परीक्षणों की गोपनीयता को पीपीवी और एफआरए द्वारा अक्षुण्ण रखा गया।

फसलें	नई		वीसीके	कृषक किस्म	ईडीवी + आईवी	अधिसूचित किस्में	पीपीवी एवं एफआरए से प्राप्त संदर्भ किस्में	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां						
धान	25	10	5	1	1 + 1	8	14	16.10.2024

पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 65 (प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए 33 प्रत्याशी, द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए 10 प्रत्याशी और 8 राजपत्रित अधिसूचित) धान किस्मों का एक सेट प्राप्त हुआ। बीज पैकेट प्राप्त होने के एक सप्ताह बाद अंकुरण परीक्षण के परिणामों का अवलोकन किया गया। पीपीवी और एफआरए से प्राप्त केवल एक संदर्भ किस्म यानी US 312 अंकुरित नहीं हुई। संदर्भ और मानक-किस्मों (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ सभी वंशावलियों (एंट्रीज) को 12 और 19 जून 2024 को नर्सरी में बोया गया तथा 16.07.2024 और 19.07.2024 को मानक अनुशंसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश के अनुसार तीन पुनरावर्तन में यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन के साथ प्रत्यारोपित किया गया। बुवाई के 5 दिनों के बाद कोलियोप्टाइल रंग दर्ज किया गया। फसल में सितंबर-अक्टूबर के महीने में फूल आना शुरु हुआ। कुल 132 संदर्भ किस्मों, 10 स्थानीय मानक-किस्मों तथा10 क्षेत्रीय मानक-किस्मों का उपयोग उन प्रत्याशी किस्मों (जिन्होंने वांछित लक्षणों की पूर्ति की) के विपरीत किया गया। सभी आँकड़े उचित प्रारूप में दर्ज किए गए और प्राधिकरण को भेजे गए।



विभिन्न किस्मों यानी, KRH 7317, INH 220021, INH 18071, M-111, M-141, M-145 और SS-2014 में बहुत सघन रोमिलता पाई गई। NPS 8006 और कालोजीरा (KALOJIRA) में शून्य/कमजोर पत्ती रोमिलता पाई गई। INH220021, संजीवनी, MPR 606 PLUS को छोड़कर (जिनका तना अर्ध-लंबवत था) सभी किस्मों में लंबवत तना था। 43 प्रत्याशी किस्मों में से, 18 किस्मों में तने की लंबाई बहुत कम थी। किस्म C-162 और कालोजीरा में क्रमशः सबसे छोटी (46 सेमी) और सबसे लंबी (139 सेमी) तने की लंबाई थी। किस्म M-141 और M-145 में एपेक्स के नीचे मध्यम लेम्मा एंथोसायनिन रंग क्षेत्र पाया गया। किस्म कालोजीरा एवं सृष्टि में प्रति पौधे पुष्पगुच्छों की संख्या सबसे अधिक थी। संजीवनी किस्म में प्रत्येक पुनरावर्तन में पछेती प्रेक्षण के दौरान ब्लेड की प्रकृति व संव्यवहार अर्ध-लंबवत, क्षैतिज और फ्लैग लीफ की तरह पाया गया। किस्म NPH-BX44, NPS 4127 R, M-111 में शूक/awn थी। संजीवनी और कालोजीरा में बैंगनी लेम्मा पेलिया रंग पाया गया। किस्म SS-336, सृष्टि, M-145, M-141 में स्ट्रॉ लेम्मा पर भूरे रंग की खाँच और पेलिया रंग पाया गया। इन किस्मों में, INH 20242, INH 2200221, B-162, PAN 845, SS-124, GMS-386, MPR-909 में शाखाओं की प्रकृति अर्ध-लंबवत पुष्पगुच्छ की पाई गई। सभी वंशावलियों (एंट्रीज) में से, KRH 7317 (29 ग्राम) में 1000 दानों का भार व वजन अधिकतम पाया गया, जबकि MPR 909 (10 ग्राम) और कालोजीरा/



(11 ग्राम) में 1000 दानों का वजन बहुत कम पाया गया। वंशावली SS-2014, PAN-845, M-111 को छोड़कर, सभी वंशावलियों के दानों में फिनोल अभिक्रिया पाई गई। अधिकतम और न्यूनतम दाने की लंबाई क्रमशः NPS 4127 R (14.25 मिमी) और कालोजीरा (5.81 मिमी) में पाई गई। अधिकतम और न्यूनतम दाना चौड़ाई क्रमशः M-141 (3.27 मिमी) और MPR 909 (1.62 मिमी) में पाई गई। वंशावली NPS 4127 R (9.37 मिमी) और कालोजीरा (4 मिमी) में क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम छिलका रहित दाने की लंबाई पाई गई। वंशावली M-141 (2.69 मिमी) और MPR 909 (1.36 मिमी) में छिलका रहित दानों की चौड़ाई अधिकतम और न्यूनतम पाई गई। वंशावली सौभाग्य गोल्ड, B-162, MPR-909, MPR 606 PLUS में छोटे पतले दाने थे। वंशावली M-141, M-145, सृष्टि, SS-124, कालोजीरा में छोटे एवं मोटे दाने थे। वंशावली सौभाग्य गोल्ड (22.652) और वंशावली MP-3033 (10.35), संजीवनी (10.575) में क्रमशः एमाइलोज़ की अधिकतम और न्यूनतम मात्रा पाई गई। किस्म MP-3030, NPH-BX44, NPS 4127 R, संजीवनी, कालोजीरा में सुगंध थी। वंशावली C-162 में पूर्ण नर बंध्यता थी, B-162 (लगभग 5% समष्टि), NPS 4127 R (50% समष्टि), NPS 8006 A (5%) में आंशिक नर बंध्यता थी।

निरीक्षण दल के मुख्य प्रेक्षण (ऑब्जर्वेशन):

- परीक्षण अच्छी तरह से संचालित और प्रबंधित किया गया है।
- सभी वंशावलियाँ अपने विकास के उचित चरण के दौरान तीनों पुनरावर्तनों में एक समान पाई गईं।

पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन:

क. तृतीय भारतीय चावल सम्मेलन-2024 में पौधा किस्म के संरक्षण और पीपीवी एवं एफआरए के पास पंजीकरण कराने के लाभों पर 5-7 दिसंबर 2024 के दौरान एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ख. 19-21 जनवरी 2025 के दौरान ओयूएटी में "सतत विकास के लिए कृषि पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एग्रीविजन-2024)" में प्रतिभागियों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ग. भाकृअनुप-सीआरआरआई में 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आयोजित "क्षेत्रीय कृषि मेला-2025" में भाग लेने वाले लगभग 1000 किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

घ. भाकृअनुप-सीआईएफए में 25 मार्च 2025 को पीपीवी एफआरए पर एक कार्यशाला-सह-जागरुकता कार्यक्रम और प्रदर्शनी आयोजित की गई।

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (क्षेत्रीय केंद्र), करनाल

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

खरीफ 2024 के दौरान एक विशिष्ट किस्म प्रथम वर्ष के परीक्षण के तहत थी, जबकि दो प्रत्याशी किस्में द्वितीय वर्ष के परीक्षण के तहत थीं। इनके अलावा, *खरीफ* 2024 के दौरान तीन ईडीवी और तीन आईवी किस्में द्वितीय वर्ष परीक्षण के तहत थीं। इस वर्ष परीक्षण के अंतर्गत सीवी, ईडीवी और आईवी को सैंतालीस संदर्भ किस्मों तथा सात क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय मानक-किस्मों के साथ उगाया गया। इसके अतिरिक्त, *खरीफ* 2024 के दौरान दो अधिसूचित किस्में डीयूएस लक्षणवर्णन और अनुरक्षण प्रजनन के तहत थीं।

फसलें	नई		वीसीके	कृषक किस्म	ईडीवी + आईवी	अधिसूचित किस्में
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां				
धान	01	02	1 (डीयूएस परीक्षण) + 2 (डीयूएस लक्षणवर्णन)	3 + 3	2	14.10.2024



प्रत्याशी किस्मों, कृषक किस्मों, अधिसूचित और संदर्भ किस्मों की नर्सरियाँ 14 जून 2024 को उगाई गईं और इनके पौधों का प्रत्यारोपण डीयूएस नवाचार के अनुसार 12 जुलाई 2024 को किया गया। डीयूएस डेटा और डीयूएस टेस्ट रिपोर्ट नोडल अधिकारी, डीयूएस, आईआईआरआर, हैदराबाद को फरवरी 2025 में पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली को एक प्रति के साथ प्रस्तुत की गई थी। एक कृषक किस्म (एफवी) पहले वर्ष के डीयूएस परीक्षण के तहत थी और दो एफवी किस्में खरीफ 2024 के दौरान डीयूएस लक्षणवर्णन के तहत थीं। किसानों की किस्मों को युग्मित पंक्तियों में उगाया गया (प्रति पुनरावर्तन पौधों की संख्या: 120 और पुनरावर्तन संख्या: 03)। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न चरणों में प्रेक्षण दर्ज किए गए। डीयूएस डेटा रिकॉर्ड एवं संकलित किया गया और नोडल अधिकारी, डीयूएस, आईआईआर हैदराबाद को प्रस्तुत किया गया।

खरीफ 2024 के दौरान दस संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया। इन दस किस्मों में से, सात किस्में पुरानी तथा पारंपरिक बासमती किस्में थीं, और तीन किस्में गैर-बासमती थीं। अनुरक्षण प्रजनन भूखंडों को दो सेटों (प्रत्येक सेट में पाँच पंक्तियाँ) में उगाया गया और सभी महत्वपूर्ण फसल विकास चरणों के दौरान उनका निरीक्षण किया गया। किसी भी पौधे में विचलन को नोट किया गया, पौधे पर टैग लगाया गया और विचलन के उभरने पर पौधे को हटाया गया। केवल ट्रू टू टाइप अर्थात स्वस्थ पौधों को ही उगाया गया। ऑफ-टाइप (रुगणता) की अधिकता वाली संदर्भ किस्मों के मामले में, चयनित रूप से युग्मित पंक्ति वाली पुष्पगुच्छ संतति प्राप्त की गई। संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण आवश्यकतानुसार और पुराने बीज समूहों के पुनरुद्धार के अनुसार किया गया। अनुरक्षण प्रजनन ब्लॉक के लिए नर्सरी 15 जून 2024 को उगाई गई और 13 जुलाई 2024 को रोपाई की गई।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसलें	नई		वीसीके	राजपत्र अधिसूचित
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां		
धान	46	9	3	4

प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए धान की 46 नई वंशावलियों और तीन वीसीके वंशावलियों के बीज तथा द्वितीय वर्ष के



डीयूएस परीक्षण के लिए नई श्रेणी के अंतर्गत 9 वंशावलियों और चार वंशावलियों को बीज अधिनियम, 1966 के अंतर्गत अधिसूचित चार किस्मों को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त किया गया। अंकुरण परीक्षण परिणामों के साथ बुवाई की रिपोर्ट 05.08.2024 को पीपीवी और एफआरए को भेजी गई। पहले वर्ष की डीयूएस परीक्षण वंशावली नामत: RRX3390 (REG/2023/0140) में 32% अंकुरण दर्ज किया गया। दूसरे वर्ष की डीयूएस परीक्षण वंशावलियाँ, यानी रासी जलमित्र (REG/2023/0001) और ZEYA 1916 (REG/2023/0073) में 42% अंकुरण दर्ज किया गया। नर्सरी की बुवाई 15.07.2024 और 22.07.2024 को की गई। मुख्य खेत में रोपाई 07.08.2024 और 20.08.2024 को की गई। लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।

धान की किस्में, यथा CR 1009, TKM 13, MDU 6, VGD 1, ASD 21, CO 43, CO 54, CO 55, ADT 42, ADT 51, ADT 52, ADT 53 और ADT 56 का उपयोग परीक्षण में क्षेत्रीय मानक-किस्मों के रूप में किया गया।

प्रथम वर्ष में परीक्षण की गई उनतालीस किस्मों में, निम्नलिखित प्रेक्षण पाए गए: वंशावली RRX3360, RRX3350, RRX3390, DR8336, DR8101, KMP-225, B-188, KRV7333 में स्टिग्मा का रंग बैंगनी था और अन्य सभी वंशावलियों में सफेद स्टिग्मा देखा गया; RRX3360, RRX3350, RRX3390, DR 8101 ने आधार पत्ती आवरण पर हल्का बैंगनी रंग प्रदर्शित किया, जबकि अन्य सभी वंशावलियों में यह हरे रंग का था; KMP-220 ने लाल रंग प्रदर्शित किया। किस्म DR8336, B-188, B-196, M-215, M- 226, B-197 और KRH 7277 में जिलेटिनीकरण तापमान, क्षार-प्रसारण मान के माध्यम से, कम पाया गया। छिलका रहित दाने में सुगंध किस्म B-188, C-1584, B-154 और NP-9954 में मौजूद थी, जबकि अन्य सभी वंशावलियों में सुगंध नहीं थी। इसके अलावा, 13 धान किस्मों, अर्थात CR 1009, TKM 13, MDU 6, VGD 1, ASD 21, CO 43, CO 54, CO 55, ADT 42, ADT 51, ADT 52, ADT 53 और ADT 56 का अनुरक्षण प्रजनन डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। सभी प्रत्याशी वंशावलियों में खेत में एकरूपता देखी गई।



इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

खरीफ 2024 में डीयूएस ग्रो आउट परीक्षण के लिए 12 मानक किस्मों (चेक्स) के साथ कुल 9 वंशावलियाँ प्राप्त हुईं।

फसलें	नई प्रथम वर्ष वंशावलियां	एफवी	राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
धान	9	3	3	23.10.2024

किसानों की किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन: खरीफ वर्ष 2024 में तीन कृषक किस्मों यथा, बैंसर, मुंगड़ी धान और हरे कृष्ण भोग का परीक्षण किया गया। तीनों में मध्यम आधार पत्ती आवरण का रंग हरा था। किसी भी किस्म की पत्ती में एंथोसायनिन रंग मौजूद नहीं था। किस्म बैंसर में ब्लेड की सतह पर प्रबल रोमिलता थी जबकि मुंगड़ी धान और हरे कृष्ण भोग में मध्यम रोमिलता थी। बैंसर के पत्ते मध्यम थे जबकि मुगड़ी धान और हरे कृष्ण भोग में मध्यम चौड़ाई और सीधे तने वाले लंबे पत्ते थे। मुंगड़ी धान और हरे कृष्ण भोग में 50% पुष्पण देरी से हुआ, जबकि बैंसर के संबंध में यह मध्यावधि थी। बैंसर और मुंगड़ी धान में तने की मध्यम मोटाई देखी गई, जबकि हरे कृष्ण भोग में पतला तना था।



डीयूएस केंद्र आईजीकेवी, रायपुर में कुल 21 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गई हैं। उनकी भौतिक और आनुवंशिक शुद्धता बनाए रखने के लिए, मातृ पुष्पगुच्छों की कटाई अलग-अलग की गई और पुष्पगुच्छ की रोपाई पंक्ति विधि के अनुसार की गई। संदर्भ किस्मों का स्रोत आईजीकेवी मध्यावधि जननद्रव्य भंडारण सुविधा है।

पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन: चिलीपी घाटी, कबीरधाम सी.जी. में 21/7/2024 को एक पीपीवी और एफआरए प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम और कृषि-जैव विविधता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र; भाकृअनुप-अटारी-जबलपुर के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह; पीपीवीएफआर प्राधिकरण के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल; पीपीवीएफआरए के तकनकी परामर्शदाता डॉ. रवि प्रकाश थे। इसमें 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया और धन्वंतरि विधा सेवा संस्थान, जगदलपुर से धान



किस्मों पर 88 आवेदन और कबीरधाम कृषक कल्याण समूह, धवाईपानी से धान, श्री अन्न, दलहन, तिलहन, सब्जी और औषधीय पौधों के लिए 86 आवेदन भी जमा किए गए, यानी कुल 174 आवेदन जमा किए गए।

आईजीकेवी द्वारा आईजीकेवी में 23/10/2024 को एग्री-कार्निवल 2024 में एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान दूसरा प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम शीर्षक *"जलवायु से सहिष्णुता, पोषण, आजीविका और पारिस्थितिकी सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ की स्वदेशी फसल किस्मों को प्राथमिकता देना"* का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी सलाहकार, पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली और श्रीमती सोनल डिसूजा, बायोवर्सिटी इंटरनेशनल की प्रतिनिधि थीं। इसमें 100 से अधिक किसानों के भाग लिया।

पीपीवी और एफआरए पर प्रकाशन और अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां: एक फ़ोल्डर "छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में पौधा, कृषक अधिकार संरक्षण एक अवलोकन" का विमोचन 21.07.2024 को डॉ. टी. महापात्र, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष, डॉ. एस.आर.के. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी-जबलपुर, डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, पीपीवीएफआर प्राधिकरण के महापंजीयक, डॉ. रवि प्रकाश तथा तकनीकी सलाहकार, पीपीवीएफआरए द्वारा किया गया।



पादप संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी औरएफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन (2024-25):

फसलें	पिछले 15 वर्षों में केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की सं.	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.		जारी किए गए प्रमाणपत्र	लंबित आवेदन
		नई	ईएनवी		
धान	29	4	17	20	1

भाकृअनुप-नेह क्षेत्रीय केंद्र, लैम्फेलपेट, मणिपुर

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

डीयूएस परीक्षण के लिए यह परीक्षण खरीफ 2024 में किया गया, जिसके कई विशिष्ट परिणाम सामने आए। प्राधिकरण के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए फसल की उचित विकास अवस्थाओं पर आकारिकी से लेकर जैव रासायनिक विश्लेषण तक सभी आँकड़े दर्ज किए गए। सभी वंशावलियाँ गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों ही दृष्टियों से व्यापक रूप से भिन्न थीं। इन आँकड़ों को उचित प्रारूप में कम्प्यूटरीकृत किया गया और पीवीवी एवं एफआरए को भेजा गया। दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए प्रत्याशी किस्मों और एफवी के विपरीत उगाई गई संदर्भ किस्मों, स्थानीय और क्षेत्रीय मानक-किस्मो के संबंध में भी आँकड़े दर्ज किए गए और पीपीवी और एफआरए 2024 को भेजे गए।

फसल	एफवी	राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
धान	7	5	5/11/2024



2024 के दौरान, *बीज* अधिनियम, 1966 के अंतर्गत अधिसूचित 7 कृषक किस्मों और 5 हाइब्रिड किस्मों के साथ-साथ मणिपुर केंद्र से 8 अनुरक्षण वंशक्रमों और पिछले वर्ष की 26 कृषक किस्मों सहित 28 संदर्भ किस्मों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। यह परीक्षण यादृच्छिकीकृत पूर्ण ब्लॉक डिज़ाइन में वर्षा सिंचित निचली भूमि में प्रत्यारोपित स्थितियों में तीन पुनरावर्तनों के साथ किया गया। सभी किस्मों के लिए 48 आकारिकी लक्षणों और फसल कटाई उपरांत 14 लक्षणों के संबंध में प्रेक्षण दर्ज किए गए। पिछले वर्ष 2023-24 की वंशावलियाँ, जैसे कि CAU-R4 (ईनोत्फोउ), CAU-R2 (टॉमथिनफोउ), CAU-R3 (मंगल फोउ), देहांगी (AAUDR 9313-14-3) और हिम पालम लाल धान-1 (HPR2795) को उत्कृष्ट पाया गया क्योंकि उनकी ब्लेड की सतह पर उच्चतम पत्ती रोमिलता, तने की लंबाई (134-140 सेमी), प्रति पौधे कुछ पुष्पगुच्छ संख्या (<11 संख्या), मजबूत द्वितीयक शाखाएँ, 1000 दानों का उच्च वजन (≥28 ग्राम), छोटा एवं मोटा दाना आकार, छिलका रहित दाने के कॉलर का सफेद रंग और छिलका रहित दाने में सुगंध की मौजूदगी थी।



पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन: मणिपुर के सेनापति जिले के 5 गांवों में 23 से 26 अक्टूबर 2024 तक चार दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। निम्नलिखित गांवों को शामिल किया गया: पुरुल गाँव (23 अक्टूबर 2024), ओइनम गाँव (24 अक्टूबर 2024), फुबा गाँव (25 अक्टूबर 2024) और वाखो एवं कोइडे गाँव (26 अक्टूबर 2024)। इस जागरुकता कार्यक्रम के तहत किसानों को पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001 (जो किसानों को अनेक प्रकार के अधिकार प्रदान करता है) के लाभों के बारे में जागरुक किया गया जिसमें उनके कृषि उत्पादों को संरक्षित करने, उपयोग करने, बुवाई करने, पुन: बुवाई करने, आदान-प्रदान करने, किसी के साथ साझा करने या बेचने का अधिकार और पारंपरिक किस्मों को पंजीकृत कराने का अधिकार शामिल है। इसमें उचित मूल्य पर



पंजीकृत किस्मों के बीज प्राप्त करने का अधिकार और पौधे के आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के लिए मान्यता/पुरस्कार भी शामिल हैं।

भाकृअनुप-एनईएच क्षेत्रीय केंद्र, नागालैंड

पीपीवी और एफआरए के तहत किसानों की चावल किस्मों का डीयूएस परीक्षण और ग्रो आउट परीक्षण (जीओटी):

भाकृअनुप-एनईएच नागालैंड केंद्र को वर्ष 2024-25 में पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1056(ई) इंडम 200-017 (आईईटी 20419) (हाइब्रिड), एस.ओ. 4222(ई) इंडम 200-022 (आईईटी 20710), एस.ओ. 1056(ई) पीएसी 837 प्लस, एस.ओ. 1056(ई) पीएसी 8744 प्लस, एस.ओ. 1056(ई) पीएसी 8744 वंशावलियाँ प्राप्त हुईं। इन 5 वंशावलियों का मूल्यांकन निचली भूमि पारिस्थितिकी में खरीफ मौसम के दौरान 28 संदर्भ किस्मों के साथ किया गया। सभी वंशावलियाँ मानक-किस्मों से भिन्न पाई गईं।





कुछ किस्मों के अद्वितीय लक्षण

क्र.सं.	किस्म का नाम	अद्वितीय लक्षण
1	**काली काशा**	-Cha 2.बेसल पत्ती: आच्छद रंग - बैंगनी
2	सीआर धान 802	-Cha 2. बेसल पत्ती: आच्छद रंग - गहन हरा -Cha 39. पुष्पगुच्छ : शूक (मौजूद)
3	रंजीत सब-1	-Cha 26. लेम्मा: एपेक्स का एंथोसायनिन रंग (प्रगाढ़)
4	नुमाली	-Cha. 1. कोलियोप्टाइल : रंग (हरा बैंगनी)
5	गितेश	-Cha 38. लेम्मा एवं पेलिया रंग : भूसी पर भूरा खांच
6	देहांगी	-Cha 26. लेम्मा: एपेक्स का एंथोसायनिन रंग (प्रगाढ़) - बैंगनी
7	इंगलौनकिरी	-Cha.1. कोलियोप्टाइल: रंग (हल्का बैंगनी) -Cha 26. लेम्मा: एपेक्स का एंथोसायनिन रंग (प्रगाढ़) -Cha 39. पुष्पगुच्छ : शूक (मौजूद) -Cha 49. बंध्य लेम्मा रंग (मौजूद) - बैंगनी
8	बीआरआरआई-धान-75	-Cha.26. लेम्मा: एपेक्स का एंथोसायनिन रंग (प्रगाढ़) -Cha.39. पुष्पगुच्छ : शूक (मौजूद)
9	वीएल धान 88	-Cha.1. कोलियोप्टाइल: रंग (बैंगनी) -Cha.26. लेम्मा: एपेक्स का एंथोसायनिन रंग (प्रगाढ़) -Cha.39. पुष्पगुच्छ : शूक (मौजूद)

10	CAU-R2	-Cha.38. लेम्मा एवं पेलिया रंग: भूसी पर भूरे धब्बे -Cha.39. पुष्पगुच्छ : शूक (मौजूद)
11	CAU-R3	-Cha 14. लिग्यूल का आकृति - ट्रंकेट

असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट

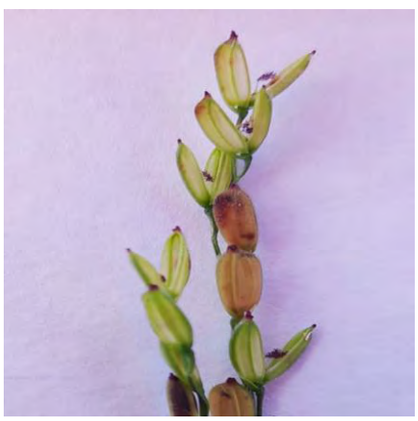
2024-25 में प्रत्याशी किसमों के डीयूएस परीक्षण के विवरण :

डीयूएस प्रायोगिक परीक्षण:

फसलें	नई	कृषक किस्में		राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	डीयूएस परीक्षण	डीयूएस लक्षणवर्णन		
धान	6	1	5	5	28.10.2024

6 नए विशिष्ट हाइब्रिडों, 6 विशिष्ट एफवी और 5 अधिसूचित हाइब्रिडों सहित कुल मिलाकर 17 वंशावलियों की बुवाई 2024-25 के दौरान प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए की गई। 6 विशिष्ट कृषक किस्मों में से, वंशावली REG/2014/2196 और REG/2023/0172 में हरे रंग के कोलियोप्टाइल देखे गए। वंशावली REG/2014/2198 में ऑरिकल्स, कॉलर, एपेक्स, ग्रंथियों में बैंगनी एंथोसायनिन रंग था। वंशावली REG/2015/1245 में अंतरग्रंथियों पर एंथोसायनिन रंग मौजूद था। वंशावली REG/2015/1245, REG/2014/2198 और REG/2014/2196 में भूरे रंग के शूक मौजूद थे। वंशावली REG/2023/0172 में बैंगनी लेम्मा, पेलिया और बैंगनी बंध्य लेम्मा देखे गए। वंशावली REG/2015/1245 (30.37 ग्राम) और REG/2014/2198 (27.26 ग्राम) में 1000 दानों का काफी उच्च भार दर्ज किया गया। वंशावली REG/2015/1245 में सफ़ेद और बहुरंगी, अर्थात भूरे रंग के दाने थे, जबकि REG/2014/2198 में लाल रंग दर्ज किया गया। वंशावली REG/2014/2199, REG/2014/2196 और REG/2023/0172 में सुगंध मौजूद थी। 5 अधिसूचित किए गए हाइब्रिडों में से, अधिसूचना संख्या S.O.1056 (E) वाली वंशावली में बेसल पत्ती आवरण एक समान रूप से बैंगनी रंग का था, एपेक्स का एंथोसायनिन प्रगाढ़ था तथा स्टिग्मा का रंग बैंगनी था। एस.ओ.4222 (ई) वाली वंशावली में लेम्मा का सफेद सिरा दर्ज किया गया। एस.ओ.1056 (ई) वाली वंशावलियों में लंबे, मोटे, छिलका रहित दाना आकृति दर्ज की गई। एस.ओ.1056 (ई) वाली वंशावलियों में जी.टी. मान उच्च और एस.ओ.4222 (ई) तथा एस.ओ.1056 (ई) वाली वंशावलियों में न्यून थे। एस.ओ.1056 (ई) वाली वंशावलियों में सुगंध मौजूद थी। दूसरे वर्ष उगाई गई 55 किस्मों में से; SAVA 134, PAN 2423, CAU R4 की बेसल पत्ती आवरण पर





बैंगनी रेखाएँ थीं। सीआर धान 802, SAVA 134, PAN 2423 और उत्तर सोना के ऑरिकल में हल्के बैंगनी एंथोसायनिन रंग पाए गए, जबकि CAU R4 के ऑरिकल में बैंगनी एंथोसायनिन रंग पाया गया। CAU R4, SAVA 134 और PAN 2423 के कॉलर में एंथोसायनिन रंग था, जबकि पत्ती लिग्यूल का रंग हल्का बैंगनी था।

राजपत्र में अधिसूचित किस्मों में से, 3 किस्मों यानी CAU R2, CAU R4 और उत्तर सुगंधी को संदर्भ किस्म के रूप में शामिल किया गया। 24 मानक-किस्मों में से, कालीजीरा में हरे रंग का कोलोप्टाइल था। CAU R4 के पौधों के ऑरिकल, कॉलर और लिग्यूल में बैंगनी एंथोसायनिन रंग था। CAU R4 की ग्रंथि एवं अंतरग्रंथि पर गहन एंथोसायनिन रंग मौजूद था। किस्म देहांगी में हल्का बैंगनी स्टिग्मा दर्ज किया गया, जबकि CAU R4 में बैंगनी स्टिग्मा दर्ज किया गया। अघोनी बोरा, लुइत, केतकी जोहा, सीएयू आर4 और उत्तर सुगंधी में शूक मौजूद थे। मनोहर साली, सीएयू आर2 और उत्तर सुगंधी में पुष्पगुच्छों की द्वितीयक शाखाएं कमजोर थीं। सीएयू आर2, सीएयू आर4, कालीजीरा और इंगलोंगकिरी में बैंगनी बंध्य लेम्मा था। महसूरी, Co51, रोंगखांग, केतकी जोहा, देहांगी, सीएयू आर4, उत्तर सुगंधी और इंग्लोंगकिरी में लेम्मा के दानें में फिनोल अभिक्रिया अनुपस्थित थी। दो वंशावलियों,यानी, देहांगी और लुइट के छिलका रहित दाने का रंग लाल था। केतकी जोहा, कालीजीरा और उत्तर सुगंधी में सुगंध मौजूद थी।



3.1.2. कपास के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

महात्मा फुले कृषि विश्व विद्यालय (कपास), राहुरी

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

राहुरी स्थित डीयूएस केंद्र में प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए छह वंशावलियाँ और द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए सोलह वंशावलियाँ शामिल थीं। केंद्र ने आठ व्यावसायिक हाइब्रिडों या क्षेत्रीय/राष्ट्रीय मानक-किस्मों के साथ-साथ अधिसूचित किस्मों का लक्षणवर्णन किया। सभी वंशावलियाँ एकसमान और स्थिर पाई गईं। पहले वर्ष के परीक्षण में, छह वंशावलियों में से, तीन (2010/351, 2010/55 और 2010/533) में चपटी पत्तियाँ दिखाई दीं, जबकि शेष तीन वंशावलियों (2014/767, 2014/769 और 2014/0057) में प्याले के आकार की पत्तियाँ दिखाई दीं। बॉल आकृति के आकार के संबंध में, दो वंशावलियों (2024/0057 और 2010/533) में गोल बॉल थीं, तीन वंशावलियों (2010/351, 2010/55, और 2014/767) में अंडाकार बॉल थीं, और एक वंशावली (2014/769) में अण्डाकार बॉल थीं। परीक्षण की गई वंशावलियों में पंखुड़ी और पराग के रंग अलग-अलग थे: चार वंशावलियों (2010/351, 2010/55, 204/0057, और 2010/533) में क्रीम रंग की पंखुड़ियाँ थीं, जबकि दो वंशावलियों (2014/767 और 2014/769) में पीले रंग की पंखुड़ियाँ थीं।

फसलें	नई		विद्यमान (वीसीके)	राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां			
कपास	4	16	2	35	29/11/2025



परीक्षण के दूसरे वर्ष में, 16 प्रत्याशी हाइब्रिडों में से, छह में पीले रंग की पंखुड़ियाँ, नौ में क्रीम रंग की पंखुड़ियाँ और एक में गहरे पीले रंग की पंखुड़ियाँ थीं। पराग के रंग के संबंध में, पाँच हाइब्रिडों में पीले पराग, दस में क्रीम रंग के पराग और एक में गहरे पीले रंग के पराग दिखाई दिए। बीजकोष के आकार के संदर्भ में, ग्यारह हाइब्रिडों में अंडाकार बीजकोष थे, चार में गोलाकार के बीजकोष थे

2024-25 मौसम के दौरान, कपास सुधार परियोजना, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ (एमपीकेवी), राहुरी में डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) परीक्षणों की निगरानी 29 नवंबर 2024 को की गई। निगरानी दल में डॉ. एस. बी. देशमुख (वरिष्ठ कपास ब्रीडर, डॉ. पीडीकेवी, अकोला), श्री दीपल रॉय चौधरी (संयुक्त पंजीयक, पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली), और डॉ. वी. सांति (नोडल अधिकारी और प्रधान वैज्ञानिक, सीआईसीआर, नागपुर) शामिल थे, जिसमें डॉ. पी. एल. कुलवाल (नोडल अधिकारी और कपास ब्रीडर, एमपीकेवी, राहुरी) ने समन्वय किया, जिन्होंने अपनी-अपनी वंशावलियों का निरीक्षण किया। अनुरक्षण प्रजनन पर इनपुट (जैसे कि, अनुरक्षित की गई संदर्भ और एग्जाम्प्ल किस्मों की संख्या और स्रोत, अनुरक्षण की विधि, लक्षणवर्णन के विवरण और किसी नई संदर्भ किस्म को शामिल करना) प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान, मेसर्स धनलक्ष्मी सीड्स, महाराष्ट्र के डॉ. एफ. बी. पाटिल ने भी भाग लिया।



निरीक्षण दल की मुख्य टिप्पणियाँ

- परीक्षण डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए थे। खेतों का रखरखाव अच्छी तरह से किया गया था, खेत खरपतवार मुक्त थे, और आकारिकी लक्षणों की व्यंजकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी।
- राहुरी में पौधों का विकास काफी ओजस्वी था। परीक्षण की गई किस्मों का प्रदर्शन एकसमान, संतोषजनक और अच्छा पाया गया।

निरीक्षण दल की सिफारिशें:

- अधिसूचित किस्मों को प्रजातियों और समान लक्षणों के आधार पर समूहों में एक साथ बोया जाना चाहिए।
- यह अनुशंसा की जाती है कि पीपीवी और एफआरए सभी डीयूएस केंद्रों के साथ प्रत्याशी किस्मों की तकनीकी प्रश्नावली (टीक्यू) साझा करें।
- बॉल के आकार (अंडाकार और गोल) और पत्ती की आकृति (चपटी और प्याले के आकार की) के संबंध में कतिपय जीनप्ररूपों/जीनोटाइप में भिन्नता पाई गई। यह सिफारिश की गई कि प्रत्येक वंशावली में तथाकथित भिन्नता प्रदर्शित करने वाले पौधों की संख्या दर्ज की जाए तथा उक्त विशिष्ट लक्षणों की तस्वीरें खीची जाएं और अन्य केंद्रों से प्राप्त वंशावलियों की व्यंजकता का पता लगाने हेतु उनकी पुन: जांच की जाए।
- मध्य क्षेत्र (CZ) में स्थित केंद्रों (भाकृअनुप-सीआईसीआर, नागपुर और एमपीकेवी, राहुरी) से प्राप्त वंशावलियों के बीच किसी भी विसंगति के मामले में, यह सलाह दी जाती है कि संबंधित नोडल और सह-नोडल अधिकारी एक दूसरे से परामर्श करें ताकि पीपीवी और एफआरए को अंतिम रूप से डेटा प्रस्तुत करने से पहले सटीक डेटा रिकॉर्डिंग और विजुअल रूप से प्रेक्षित लक्षणों की व्याख्या सुनिश्चित की जा सके।

- यह सुझाव दिया जाता है कि मध्य क्षेत्र में परीक्षणों की निगरानी अक्टूबर के अंतिम सप्ताह और नवंबर के पहले सप्ताह के बीच निर्धारित की जाए ताकि पत्ती, पुष्प और बीजकोष के विकास से संबंधित लक्षणों को बेहतर ढंग से अभिग्रहित किया जा सके।
- निरीक्षण दल ने सीएएएसटी-सीएसएडब्ल्यूएम परियोजना के तहत हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग प्रयोगशाला का भी दौरा किया और डीयूएस परीक्षण में, प्रारंभ में पायलट आधार पर, इस तकनीक के उपयोग की खोज करने की सिफारिश की।

भाकृअनुप-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसलें	नई		वीसीके	ईडीवी/आईवी	राजपत्र अधिसूचित	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां				
कपास	4	16	02	4 आईवी के साथ 4 ईडीवी	35	28.11.2024

प्रथम वर्ष परीक्षण	वीसीके	ईडीवी	प्रारंभिक किस्में	द्वितीय वर्ष परीक्षण
PRCH-504 Bt2, PCH-115 Bt2, RHC-0717, RHCb-011	ZCH-545 BGII, PC-P 281 Bt	NC-99 Bt2 GMS NC-6134 Bt2 GMS NC-160/3 Bt2 GMS PC-P3812/2 Bt2 GMS	NC-99 Bt2, NC-6134 Bt2, NC-160/3 Bt2, PC-P3812/2 Bt2	NCS-908 Bt2,NCS-909 Bt2, NCS-858 Bt2,NCS-860 Bt2,NCS-913 Bt2, NCS-854 Bt2, PRCH-31 Bt, NCS-1122 BG2, PCH-404 Bt2, PCH-2171 Bt2, PCH 876 Bt2, NCHB-990 Bt2, LATA, PSCP-02BG2, PSCP-03 Bt, NC-5040 BG2



इस मौसम में सामान्य वर्षा हुई और पौधों का विकास संतोषजनक पाया गया। वंशावलियों की अंकुरण रिपोर्ट समय पर पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत की गई और सभी वंशावलियाँ संतोषजनक रहीं। खेत प्रबंधन और आवश्यक पौध संरक्षण उपाय समय पर किए गए। पत्ती और पुष्प लक्षणों के लिए निरीक्षण प्रत्येक किस्म के पौधों (50 पौधों की संख्या में से) के पुष्पण चरण के आरंभ में किया गया। विकृत व रुग्ण पौधों को हटा दिया गया।



टू टू टाइप प्लांट्स के पत्ती नमूनों का एलिसा परीक्षण किया गया ताकि गैर-बीटी किस्मों में बीटी जीन की अनुपस्थिति सुनिश्चित की जा सके तथा बीटी किस्मों में बीटी जीन की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। चयनित पौधों को 60 दिनों की अवधि के

लिए गहन स्व-अंकुरण द्वारा संरक्षित किया गया। चयनित स्व-अंकुरित पौधों की कटाई की गई और रेशे की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम भाकृअनुप-सीआईसीआर-केवीके और भाकृअनुप-सीसीआरआई, नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसमें भाकृअनुप-सीआईसीआर, नागपुर द्वारा 25 मार्च 2025 को विशेष रूप से 'पौधा किस्म संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत कृषक अधिकार' पर एक प्रशिक्षण व्याख्यान दिया गया।

पौधा किस्म संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी और एफआरए के पास दायर आवेदन (2024-25):

फसलें	पिछले 15 वर्षों में केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या, भाकृअनुप-सीआईसीआर	भाकृअनुप-सीआईसीआर के लिए जारी प्रमाणपत्र
कपास	42	12

भाकृअनुप-केंद्रीय कपास अनुसधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर

2024-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण के विवरण

फसलें	नई		ईडीवी/आईवी	राजपत्र अधिसूचित वंशावलियां	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां			
कपास	2	22	4 आईवी के साथ 4	36	25.01.25



पहले वर्ष के परीक्षण में, दस वंशावलियों में से आठ ईडीवी और IV वंशावलियां थीं, अर्थात NC-99 Bt2 GMS (EDV) NC-99 Bt2 (IV); NC-6134 Bt2 GMS (EDV); NC-6134 Bt2 (IV); NC-160/3 Bt2 GMS (EDV); NC-160/3 Bt2 (IV); PC-P 3812/2 Bt2 GMS (EDV); PC-P 3812/2 Bt2 (IV)। दूसरे वर्ष के परीक्षण में 22 वंशावलियाँ थीं। चार राजपत्रित अधिसूचित हाइब्रिड और 32 राजपत्रित अधिसूचित किस्मों के साथ-साथ 15 संदर्भ किस्में बोई गईं। खरीफ 2024 के दौरान अन्य 28 वंशावलियों को बहुगुणित किया गया। अंकुरण और अंकुर का विकास अच्छा था; गुणत्तात्मक विशेषकों की व्यंजकता इष्टतम थी, परीक्षण की गई सभी वंशावलियां एकरूप एवं स्थिर थीं।

2024-25 के डीयूएस परीक्षणों की निगरानी 25.1.25 को ऑनलाइन की गई जिसमें निम्नलिखित व्यक्तियों ने भाग लिया: श्री दीपल रॉय चौधरी, जेआर, पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली; डॉ. वी. सांति, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीआईसीआर, नागपुर और डॉ. संदीप कुमार, वैज्ञानिक, सीसीएस एचएयू, हिसार। खेत में कुल 37 लक्षण दर्ज किए गए। वंशावली एनसीएस 865बीटी2 और एनसीएचबी 867 बीटी2 में सभी पुनरावर्तनों में पर्ण फुदका अर्थात लीफहॉपर का संक्रमण पाया गया। तथापि, वंशावली पीसी पी35112 बीजी II में अत्यधिक पत्ती रोएँ दिखाई दिए। यह सुझाव दिया गया कि क्षेत्र में कम से कम पाँच लोकप्रिय हाइब्रिड किस्मों

को आगामी परीक्षणों में संदर्भ किस्मों के रूप में शामिल किया जाए। समिति ने बेहतर फसल उत्पादन के लिए खेत का स्थल बदलने की सलाह दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

वर्ष 2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

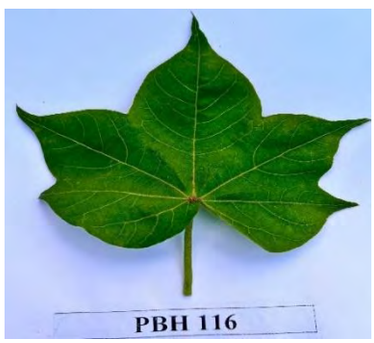
फसलें	नई		राजपत्र अधिसूचित वंशावलियां	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां		
कपास	1	7	21	23/10/2024

आठ प्रत्याशी हाइब्रिडों के एक सेट (प्रथम वर्ष में 1 और द्वितीय वर्ष में 7), 21 राजपत्र अधिसूचित किस्मों को 15 मई, 2024 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त किया गया। सभी वंशावलियों के साथ-साथ तीन संदर्भ मानक-किस्मों (आरसीएच 773, एसीएच 177-2 और एच-1098i) और 13 संदर्भ किस्मों का मूल्यांकन डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।

मई-नवंबर, 2024 तक कुल वर्षा दिवसों की संख्या इक्कीस थी और इस अवधि के दौरान कुल वर्षा 483.5 मिमी हुई। मई के महीने में, 25 दिनों तक 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक और पाँच दिनों तक 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया गया। इस महीने के दौरान हिसार में कोई पश्चिमी विक्षोभ घटित नहीं हुआ। मई, 2024 के महीने में औसत तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

सभी वंशावलियों को तीन पुनरावर्तनों के साथ यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन (आरबीडी) में बोया गया और डीयूएस मापदंडों के लिए प्रेक्षण (ऑब्जर्वेशन) दर्ज किए गए। बुवाई के सात दिनों के बाद हाइपोकोटाइल रंग दर्ज किया गया। फसल में जून-जुलाई के महीने में पुष्पण प्रारंभ हुआ। सभी आंकड़े (गुणात्मक और छद्म-गुणात्मक/मात्रात्मक) फसल के उपयुक्त विकास चरण पर दर्ज किए गए।

1. 32 वंशावलियों (आठ प्रत्याशित हाइब्रिड, 21 राजपत्रित अधिसूचित किस्में और तीन मानक-किस्में) में से 16 में हाइपोकोटाइल रंजकता थी। F 2383, PBH 115 और LD 949 को छोड़कर, सभी वंशावलियों में ताड़ के आकार (सामान्य) के पत्ते थे।







2. आठ प्रत्याशित हाइब्रिड किस्मों, 21 राजपत्रित अधिसूचित किस्मों और तीन मानक-किस्मों में से, केवल चार किस्में **(NCS-856 Bt2, PCH-878 Bt2**, **PAU Bt1** और **PBH 115)** अर्ध-फैलाव वाली थीं और शेष फैलाव प्रकृति की किस्में थीं।

3. वंशावली **NCS- 856 Bt2, RS 2818** और **PCH 878 Bt2** की पंखुड़ियों का रंग हल्का पीला था।





4. सात वंशावलियां अर्थात NCS-855 Bt2, NCS-856 Bt2, NCS-459 Bt2, NCS-9013 Bt2, PCH-9611 Bt2, NC-160/3 BG-II और NC-160/1 BG II में कुंद प्रकार के बीजकोष थे, जबकि शेष किस्मों में नुकीले बीजकोष थे।







5. LD 949 किस्म की पंखुड़ियाँ रंगबिरंगी थीं और LD 1019 किस्म की पंखुड़ियाँ क्रीम रंग की थीं और उन पर धब्बे थे।

6. **LD 949** और **LD1019** किस्म के पराग का रंग पीला और पंखुड़ियाँ धब्बेदार थीं, जबकि शेष किस्मों के पराग का रंग क्रीम था और उन पर कोई धब्बे नहीं थे।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, बंठिंडा

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसल	नई		राजपत्र अधिसूचित वंशावलियां	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां		
कपास	NCS-855 Bt2	NCS-856 Bt2, NCS-459 Bt2, NCS-9013 Bt2, PCH-9611 Bt2, PCH-878 Bt2, NC-160/3 BG-II, NC-160/1 BG-II	21	23.10.2024

2024-25 में राजपत्र में अधिसूचित किस्मों के डीयूएस परीक्षण के विवरण	RS 2827, RS 2818, CSH-3129, MC5408 BGII, Pravir (MC5403 BGII), F2228, F2383, LD 949, LD 1019, FBt 6-4 PAU Bt3, PBH 116, PAU Bt1, PAU Bt2, PBH 115, RCH 938 BGII, RCH 951 BGII, RCH 846 BGII, RCH 926 BGII, RCH 960 BGII, PAU Bt 5, SP7674 BGII

डीयूएस परीक्षण परीक्षण:



खरीफ 2024 के दौरान डीयूएस परीक्षण के लिए 21 अधिसूचित किस्मों के साथ, आठ पराजीनी और हाइब्रिड कपास वंशक्रमों के बीज पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त हुए। 17 संदर्भ किस्मों और तीन मानक-किस्मों के साथ सभी वंशावलियों का मूल्यांकन अनुशंसित डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) परीक्षण दिशानिर्देशों का पालन करते हुए यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन के तहत किया गया। फसल के इष्टतम विकास चरण में



प्रेक्षण दर्ज किए गए। सभी पराजीनी और हाइब्रिड किस्मों में ताड़ के आकार (सामान्य) के पत्ते दिखाई दिए। एक प्रत्याशी किस्म में पंखुड़ी के रंग में भिन्नता देखी गई और एक हाइब्रिड किस्म में पराग के रंग में भिन्नता देखी गई। सभी हाइब्रिड किस्मों में विस्तारित स्टिग्मा था। इसके अतिरिक्त, चार किस्मों के बीजकोष की आकृति में भिन्नता थी, जो गोल और अंडाकार दोनों प्रकार के थे। राजपत्रित अधिसूचित किस्मों में, दो किस्में *जी. आर्बोरियम* अर्थात द्विगुणित कपास की थीं और आठ *बीटी* कपास हाइब्रिड किस्में थीं।

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसल	नई		राजपत्र में अधिसूचित वंशावलियां	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां		
कपास	2	22	36	08-02-2025

एआरएस, धारवाड़ फार्म, यूएएस, धारवाड़ में 2024-25 के लिए कपास डीयूएस परीक्षण हेतु बीज सामग्री 14-06-2024 और 24-06-2024 को दो खेपों में प्राप्त हुई। सभी वंशावलियों के लिए बीज का भार दर्ज किया गया, जो परीक्षण हेतु प्राप्त सभी वंशावलियों के संबंध में 300 ग्राम और परीक्षण नमूनों के साथ प्राप्त संदर्भ वंशावलियों के संबंध में 200 ग्राम था। बुवाई 22 जून, 2024 को की गई। दक्षिण क्षेत्र के लिए अनुशंसित राजपत्र अधिसूचित किस्मों/हाइब्रिड परीक्षणों को छोड़कर, परीक्षण के लिए तीन पुनरावर्तनों के साथ

यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन अंगीकृत किया गया। पीपीवीएफआरए के सुझावों के अनुसार, इन परीक्षणों को प्रत्येक पाँच-पाँच पंक्तियों के साथ गैर-पुनरावर्तन के रूप में संचालित किया गया।

त्रिगुणित एवं द्विगुणित प्रजातियों सहित सभी प्रत्याशित किस्मों का लक्षणवर्णन 16 संदर्भ किस्मों के साथ किया गया। फुले किस्म (दक्षिण क्षेत्र के लिए राजपत्र में अधिसूचित किस्मों के परीक्षण से एक जीनप्ररूप, जिसमें 5% से कम अंकुरण था) को छोड़कर, लगभग सभी वंशावलियों में अंकुरण ठीक-ठाक था, और आदिलाबाद कपास (राजपत्र अधिसूचित किस्मों के परीक्षण में उल्लिखित एक जीनप्ररूप बार-बार बुवाई के बाद भी अंकुरित नहीं हुआ। बुवाई के तीसरे सप्ताह के बाद भेजी गई अंकुरण रिपोर्ट और अर्धवार्षिक रिपोर्ट में भी यह प्रेक्षण पहले ही रिपोर्ट किया जा चुका है। इसके अलावा, दक्षिण क्षेत्र (द्वितीय वर्ष परीक्षण) के लिए राजपत्र में अधिसूचित किस्मों में क्रम संख्या 9 के साथ वंशावली CNH-1128 *जी. हिर्सुटम* होनी चाहिए थी। लेकिन इस वंशावली ने *जी. आर्बोरियम* की प्रकृति व्यक्त की। चूंकि इस परीक्षण को द्वितीय वर्ष के लिए पुन: संचालित किया गया था, इसलिए इस प्रेक्षण को पिछले परीक्षण वर्ष की रिपोर्ट 2023-24 में भी रिपोर्ट किया गया था। इसके कारण वानस्पतिक अवधि लंबी हो गई और पुष्पण विलंबित हुआ, जो सभी वंशावलियों में विलंबित पुष्पण का प्रतिनिधित्व करने वाले डेटा से स्पष्ट था। इसके परिणामस्वरूप, 50 प्रतिशत पुष्पण डेटा के आधार पर जीनप्ररूपों को अगेती/ मध्यम/ पछेती के रूप में वर्गीकृत किया गया।



द्विगुणित संदर्भ जीनप्ररूप यथा, AKA-7 और AKA 8 में क्रमशः 45.16% और 43.53% GOT (गिनिंग आउट टर्न) दर्ज किया। परीक्षण में शामिल अन्य जीनप्ररूपों यथा, LHDP कॉटन-1 (त्रिगुणित), फुले JLA-0603 (द्विगुणित), और भाकृअनुप-सीआईसीआर 23 BT (त्रिगुणित), NBC 1821 BG II (त्रिगुणित), SP7686 BG II (त्रिगुणित) और कॉटन CO 15 (त्रिगुणित) में 37% से 39% के बीच GOT दर्ज किया। सीआईसीआर-बी कॉटन 37, सीआईसीआर बी कॉटन 45 (सीसीबी 143बी), दफ्तरी-615 (बीजी-II), इंडैम-1642 बीजी II, एनबीएचबी 2205 बीजी II, एनबीएचबी-1851 (एच x बी) बीजी II, डीसीएच-32 बीजी II बीटी और एनसीएचबी-991 बीटी2 जैसे जीनप्ररूपों में बेहतर रेशा गुण पाए गए; रेशे की लंबाई (33 मिमी-35.2 मिमी), रेशे की मजबूती (30.2 ग्राम/टेक्स-39.3 ग्राम/टेक्स) और रेशे की शुद्धता (3.5-4.2 माइक्रोनेयर वैल्यू)।



पौधा किस्म संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी और एफआरए के पास दायर किए गए आवेदन

फसल	1999 से केंद्र द्वारा अधिसूचित की गई किस्मों की सं.	जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं.
कपास	11	2

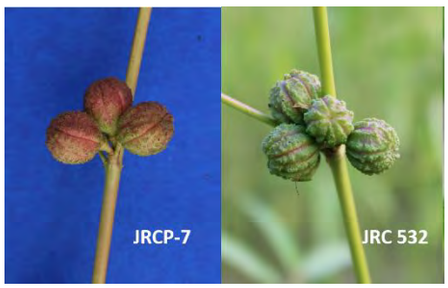
3.1.3. जूट के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय जूट एवं संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर एवं सीएसआरएसजेएएफ, बुदबुद, बर्दवान, पश्चिम बंगाल

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

2024-25 के दौरान दूसरे वर्ष के परीक्षण चक्र में *कॉर्कोरस* की दो प्रजातियों, अर्थात *ओलिटोरियस* की दस किस्मों का डीयूएस परीक्षण किया गया। एक *सी. कैप्सुलरिस* प्रत्याशी किस्म, अर्थात जेआरसीपी-7, संदर्भ किस्मों, यथा, जेबीसी 5, जेआरसी 532 और बिधान पैट-3, और एक *सी. ओलिटोरियस* किस्म, अर्थात जेआरओपी-4 (संदर्भ किस्में: एस-19 और जेआरओ 2407) का परीक्षण उनकी संबंधित संदर्भ किस्मों के साथ प्रथम फसल मौसम के लिए किया गया। बुवाई 15.03.2024 को भाकृअनुप-क्रिजाफ, बैरकपुर (नोडल केंद्र) और 17.03.2024 को भाकृअनुप- सीएसआरएसजेएएफ, बुदबुद, पश्चिम बंगाल (सह-नोडल केंद्र) में की गई। संपूर्ण फसल विकास अवधि के दौरान डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का पालन करते हुए 17 डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए। दोनों स्थानों पर दोनों परीक्षणों में फसल विकास व संवृद्धि संतोषजनक रही।

फसल	नई	
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां
जूट	2 प्रत्याशी और. + 5 संदर्भ किस्में	2 प्रत्याशी और. + 8 संदर्भ किस्में





कैप्सुलरिस और *ओलिटोरियस* दोनों वंशावलियों में, विशेषकों की व्यंजकता के संदर्भ में पौधे एकसमान थे। *कैप्सुलरिस* किस्मों के मामले में, सभी चार किस्में, डीयूएस लक्षणों की व्यंजकता की दृष्टि, से एक समान थीं। सभी किस्मों में पत्ती लेमिना का रंग और पत्ती शिरा का रंग हरा (RHS:137A) था और डंठल का रंग लाल था, हालाँकि RHS रंग /कलर चार्ट संख्या में अंतर था। अधिकांश किस्मों को तने के रंग के आधार पर पहचाना जा सकता है। JRC-321 (23JU01T) और पद्मा (23JU04T) में तने का रंग तांबे जैसा लाल (178 A) था, RRPS-C-3 (23JU03T) में लाल (44 A) था, और REG/2022/0166 (23JU02T) में बैंगनी (187 D) था। ये दो किस्में अर्थात जेआरसी-321 (23JU01टी) और पद्मा (23JU04टी) को बीज के आकार (JRC-321:23JU01T में अत्यधिक बड़ा 3.75 ग्राम और पद्मा: 23JU04T में बड़ा 3.39 ग्राम) के नज़रिए से पहचाना जा सकता है। सभी कैप्सुलरिस किस्मों में पौधे की ऊंचाई मध्यम (304-326 सेमी) थी और पत्ती का आकार (लक्षण-7) अंडाकार-लांसोलेट था। इन सभी *कैप्सुलरिस* किस्मों में पुष्पण का समय (लक्षण-12) पछेती (>100 दिन) था और बीज का रंग (लक्षण-17) चॉकलेट ब्राउन था। RRIHS-C-3:23JU03T में बाह्यदलपुंज की रंजकता हरी (RHS:137 A) थी जबकि 23JU01T:JRC-321, 23JU02T: REG/2022/0166, 23JU04T:पद्मा में लाल थी। हालाँकि 23JU02T: REG/2022/0166 में RHS रंजकता चार्ट संख्या भिन्न थी। 23JU03T में फली की रंजकता (लक्षण-14) हरी था, और 23JU01T:JRC-321, 23JU02T: REG/2022/0166, और 23JU04T:पद्मा में लाल थी।

ओलिटोरियस किस्मों के मामले में, प्रत्याशी किस्म REG/2022/0167 का परीक्षण पाँच संदर्भ किस्मों (JROB-2, NJ-7005, NJ-7010, JRO-524 और AAU-OJ-1) के साथ किया गया। सभी किस्मों में तने का रंग (लक्षण-6) हरा (RHS:144 B) और पत्ती का आकार (लक्षण-7) अंडाकार-भालाकार था। किस्म REG/2022/0167, JRO-524 और AAU-OJ-1 में पौधे की ऊँचाई (लक्षण-8) मध्यम (301-400 सेमी) थी जबकि JROB-2, NJ 7005 और NJ-7010 में अधिक (>400 सेमी) थी। किस्म NJ-7005 और NJ-7010 में रेशे की शुद्धता (लक्षण-9) उत्तम (2.81-3.22 टेक्स) थी और REG/2022/0167, JROB-2, JRO-524 एवं AAU-OJ-1 में अति उत्तम (<2.8 टेक्स) थी, जबकि NJ-7005 में रेशे की दृढ़ता (लक्षण-10) काफी अच्छी (23.5-26.4 ग्राम/टेक्स) थी,

REG/2022/0167 में औसतन एवं कमज़ोर (20.4 ग्राम/टेक्स और उससे कम) थी, किस्म JROB-2, NJ-7010, JRO-524 एवं AAU-OJ-1 में औसतन (20.5-23.4 ग्राम/टेक्स) थी। इनमें से अधिकांश किस्में बीज के रंग (लक्षण-17) के संबंध में एक-दूसरे से भिन्न थीं (JROB-2: लाल धारी एवं एपेक्स के साथ काला; NJ-7005: स्टील ग्रे (N186A); REG/2022/0167: भूरा (RHS: 200 A); 23JU08T: चॉकलेटी भूरा (RHS: 166 A); JRO-524: काला (203 A); AAU-OJ-1: स्टील ग्रे (N 200 B)।

परीक्षण-II में, प्रथम फसल अवधि में प्रत्याशी किस्म JRCP-7 को उसके रेशे की मजबूती, स्टिप्यूल रंग और फली रंजकता पैटर्न के आधार पर अन्य सभी संदर्भ किस्मों से अलग से पहचाना गया। प्रत्याशी किस्म JROP-4 (सी. ओलिटोरियस) को पहले वर्ष की प्रथम फसल अवधि में पत्ती शिरा के रंग, रेशा की मजबूती, बीज के आकार और बीज आवरण के रंग के आधार पर संदर्भ किस्मों अर्थात S19 और JRO-2407 से विभेदीकृत किया गया। किस्म JROP-4 में पत्ती शिराओं का रंग हरा था, जबकि S19 और JRO-2407 में लाल था। रेशे की मजबूती के संदर्भ में, JROP-4 में रेशे औसतन (20.5-23.4 ग्राम/टेक्स) रूप से मजबूत थे, जबकि S19 और JRO-2407 में रेशे काफ़ी अच्छे (23.5-26.4 ग्राम/टेक्स) मजबूती के थे। बीज के आकार के संदर्भ में, JROP-4 में यह मध्यम (2-3 ग्राम प्रति 1000 बीज भार) था, जबकि S19 और JRO-2407 दोनों में यह न्यून (<2 ग्राम प्रति 1000 बीज भार) था। JROP-4, S-19 और JRO 2407 के बीज आवरण का रंग क्रमशः स्टील ग्रे, काला और हरा पाया गया।



पादप संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी एवं एफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन :

फसलें	1966 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	1999 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	दाखिल किए गए आवेदनों की संख्या			जारी प्रमाणपत्रों की सं.
			ENV	नई	वीसीके	
सी. ओलिटोरियस	18	15	11	9	-	9
सी. कैपसुलेरिस	11	10	7	7	-	6

3.1.4. मक्का के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-आईआईएमआर), लुधियाना

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण के विवरण :

फसल [मक्का]	नई		वीसीके	कुल	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष			
हाइब्रिड	8	6	16	30	08.10.2024
अंत:प्रजात	-	-	1	1	08.10.2024
अधिसूचित हाइब्रिड	28	-		28	



डीयूएस परीक्षण (द्वितीय वर्ष परीक्षण) की बुवाई 16 जुलाई को पूसा परिसर, आईएआरआई, नई दिल्ली में की गई, जबकि प्रथम वर्ष का परीक्षण 16 जुलाई, 2024 को किया गया। प्रथम वर्ष के परीक्षण में कुल 83 वंशावलियों (17 प्रत्याशी किस्में, 30 संदर्भ किस्में) पर डीयूएस परीक्षण किया गया। दूसरे वर्ष के परीक्षण में, 6 प्रत्याशी और 17 संदर्भ किस्में शामिल थीं। डीयूएस प्रायोगिक परीक्षण के समग्र पौधे का आकार, वृद्धि और व्यंजकता तीनों पुनरावर्तनों में संतोषजनक थी। तथापि, कुछ संदर्भ किस्मों, जैसे कि शक्तिमान-5, सीपी 838 और सिक्किम संकुल मक्का-1 का अंकुरण प्रतिशत 50% से कम था। सभी वंशावलियों के लिए विभिन्न डीयूएस विवर्णकों (यानी डिस्क्रिप्टर्स) पर डेटा डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। डीयूएस विवर्णकों के 10 पौधों के डेटा के साथ-साथ प्रत्याशी और संदर्भ वंशावलियों (जिनके लिए खरीफ 2024 के दौरान डीयूएस परीक्षण किया गया था) के मान अर्थात नोट वैल्यूज उनके रिकॉर्ड और संदर्भ के लिए प्रस्तुत किए गए। कुछ वंशावलियों को छोड़कर, परीक्षण के दूसरे सत्र में वंशावलियों में एकरूपता देखी गई। कुछ वंशावलियों में प्रदर्शन और व्यंजकता की दृष्टि से एक या दो लक्षणों के संदर्भ में असमानता पाई गई, जिस पर निरीक्षण बैठक के दौरान चर्चा की गई, जिसमें श्री दीपल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली ने सहभागिता की।

निरीक्षण के दौरान प्रेक्षण

i. डीयूएस परीक्षण डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। परीक्षण में अधिकांश प्रत्याशी वंशावलियाँ प्रेक्षण के दौरान एकसमान पाई गईं, सिवाय कुछ वंशावलियों के लक्षणों यानी पत्ती के कोण, गुच्छे की प्रवृत्ति और एंथोसायनिन रंग के संदर्भ में विसंगतियाँ दिखाई दीं।

ii. कुछ वंशावलियों (जैसे कि, गुच्छे की प्रवृत्ति के संबंध में वंशावली QMH-1025) को छोड़कर, अधिकांश वंशावलियाँ एकसमान थीं।

केंद्र में **65 अंत:प्रजात वंशावलियाँ अनुरक्षित की गई हैं, जिनमें से अधिकांश का उपयोग संदर्भ अंत:प्रजात वंशावलियों** के रूप में किया जाता है।



कृषक अधिकार एवं बीज संरक्षण पर प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम: क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केंद्र, बेगूसराय में 12 नवंबर, 2024 को एक दिवसीय कृषक अधिकार जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिहार के आठ जिलों के चालीस किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और बीज संरक्षण, बहुगुणन और पीपीवीएफआरए के तहत उनका पंजीकरण कराने के बारे में जानकारी प्राप्त की।

पौधा किस्म संरक्षण के लिए संगठन द्वारा पीपीवी और एफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन (2024-25 में)

फसलें	1966 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	1999 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.		जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं.	लंबित आवेदन
			नई	वीसीके		
मक्का	405	260	57	99	131	3

तालिका 1: खरीफ 2024 (प्रथम वर्ष परीक्षण) के दौरान भाकृअनुप-आईआईएमआर, लुधियाना में डीयूएस परीक्षण के तहत संदर्भ किस्मों/क्षेत्रीय या स्थानीय मानक-किस्मों की सूची

क्र.सं.	नाम	श्रेणी	क्र.सं.	नाम	श्रेणी
हाइब्रिड					
1	BIO605	क्षेत्रीय/स्थानीय	15	HQPM5	संदर्भ
2	BIO9544	संदर्भ	16	LG3405	क्षेत्रीय/स्थानीय
3	BIO9682	क्षेत्रीय/स्थानीय	17	NK6240	क्षेत्रीय/स्थानीय
4	CMH-08-282	क्षेत्रीय/स्थानीय	18	P3396	क्षेत्रीय/स्थानीय
5	CMH-08-292	संदर्भ	19	P3401	संदर्भ
6	CP858	संदर्भ	20	PMH-1	संदर्भ
7	DHM117	संदर्भ	21	प्रताप हाइब्रिड मक्का 3	संदर्भ
8	DHM121	संदर्भ	22	शक्तिमान-1	संदर्भ
9	DHM206	क्षेत्रीय/स्थानीय	23	शक्तिमान-4	संदर्भ
10	DKC7074	संदर्भ	24	विवेक हाइब्रिड-9	संदर्भ
11	DKC9144	क्षेत्रीय/स्थानीय	25	GK 3018 Super	संदर्भ
12	GK3237	क्षेत्रीय/स्थानीय	26	PMH 13	क्षेत्रीय/स्थानीय/संदर्भ
13	GK3266	संदर्भ	27	CoH(M) 5	संदर्भ
14	HQPM-1	क्षेत्रीय/स्थानीय			
अंत:प्रजात					
1	HKI161	संदर्भ	3	BML7	संदर्भ
2	BML5	संदर्भ			

अनुलग्नक II

तालिका 2: खरीफ 2024 (द्वितीय वर्ष परीक्षण) के दौरान भाकृअनुप-आईआईएमआर, नई दिल्ली में डीयूएस परीक्षण के तहत संदर्भ किस्मों/क्षेत्रीय या स्थानीय मानक-किस्मों की सूची

क्र.सं.	पंजीकरण सं.	श्रेणी	क्र.सं.	पंजीकरण सं.	श्रेणी
हाइब्रिड					
1	AMH 3436	संदर्भ	10	3499	संदर्भ
2	3033	संदर्भ	11	BIO 9544	संदर्भ
3	P3401	संदर्भ	12	BIO 605	क्षेत्रीय/स्थानीय
4	DMRH 1308	संदर्भ	13	NK6240	क्षेत्रीय/स्थानीय
5	TMMH826	संदर्भ	14	BIO9682	क्षेत्रीय/स्थानीय
6	TMMH 844	संदर्भ	15	VLQPM हाइब्रिड-59	क्षेत्रीय/स्थानीय
7	DEKLAB 9144	संदर्भ	16	GK 3155	क्षेत्रीय/स्थानीय
8	अजीत सूर्या	संदर्भ	17	Hybrix-53	क्षेत्रीय/स्थानीय
9	BOND NMH007	संदर्भ			

तालिका 3: खरीफ 2024 के दौरान भाकृअनुप-आईआईएमआर, नई दिल्ली में डीयूएस परियोजना के अंतर्गत अनुरक्षण प्रजनन में अंत:प्रजात वंशक्रमों की सूची:

क्र.सं.	जीनप्ररूप	क्र.सं.	जीनप्ररूप	क्र.सं.	जीनप्ररूप	क्र.सं.	जीनप्ररूप
1	IGI1104	18	QMI1403	35	IML343-1	52	UMI1200
2	GYL-2	19	QMI1401	36	IML242-1	53	UMI1240
3	IGI1101	20	QMI1309	37	HKI1105	54	UMI1201
4	IGI1102	21	QMI1775	38	IML127-1	55	PDM-260-1
5	CML111	22	BML7	39	CAL1426-2	56	PPH-77-4
6	CML451	23	BML45	40	BAJIM-08-27	57	LM13
7	CAL1426-2	24	BML6	41	CLQ-40	58	LM14
8	GPM114	25	BML100	42	BL161	59	LM15
9	KML225	26	BML105	43	HKI1040-7	60	LM16
10	PFSR-3	27	HKI163	44	BAJIM-09-64	61	LM17
11	CML165	28	JP8	45	95IOWA	62	LM27
12	CML186	29	IML418-1	46	1532	63	EI586-2
13	CML161	30	IML194	47	SUWAN	64	EI670-2
14	CML176	31	DPCL117	48	BL735	65	EI1586-2
15	CML451	32	V373	49	CAL1415		

16	VQL1		33	DPCL1590		50	UMI1210		
17	GPM342		34	DPCL292		51	UMI1230		

एसआरटीसी, प्रोफे. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद

2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण के विवरण:

2024-25 के दौरान मक्का में डीयूएस प्रायोगिक परीक्षण 104 वंशावलियों के लिए किया गया जिनमें प्रत्याशी एवं संदर्भ वंशावलियां (8 नए हाइब्रिडों सहित प्रथम वर्ष के 25 हाइब्रिड, 16 वीसीके हाइब्रिड एवं 1 वीसीके टिपिकल, द्वितीय वर्ष के 6 हाइब्रिड तथा राजपत्रित अधिसूचित अठाईस (28) वंशावलियां, 32 संदर्भ एवं 13 कृषक किस्में) भी शामिल थीं।

क्र.सं.	नई		एफवी	अन्य श्रेणी (वीसीके)	कुल
	हाइब्रिड	अंत:प्रजात वंशक्रम			
प्रथम वर्ष	08	-	13	17 वीसीके	38
द्वितीय वर्ष	06	-	-	-	06
राजपत्र में अधिसूचित वंशावलियां	28	-	-	-	28
संदर्भ	29	03	-	-	32
कुल	71	03	13	17	104



सभी हाइब्रिड किस्मों की बुवाई पर्याप्त वर्षा होने के बाद 26.7.2024 को शुरु की गई। पौध व अंकुरण चरण को अगस्त 2024 के दौरान लगातार भारी बारिश का सामना करना पड़ा, इसलिए खेत से अतिरिक्त पानी निकालने का पूरा ध्यान रखा गया। पूरे फसल मौसम के दौरान पर्याप्त वर्षा हुई और आवश्यकतानुसार सिंचाई भी की गई। स्वस्थ फसल उगाने के लिए समय पर पौध संरक्षण और खरपतवार नियंत्रण के उपाय किए गए। सभी वंशावलियों में, सभी डीयूएस लक्षणों की व्यंजकता अच्छी थी और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार डेटा समय पर दर्ज किया गया। दो अंत:प्रजात संदर्भ वंशावलियों यानी, एचकेआई 161 और बीएमएल-5 (द्वितीय वर्ष परीक्षण) में क्रमशः 15% और 35% कम अंकुरण प्रतिशत दर्ज किया गया। यह पाया गया कि एक कृषक किस्म यानी, मोगदाना में कोई बीज स्थापित नहीं हुआ।हाइब्रिड और अंत:प्रजात प्रजातियों के डीयूएस परीक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए। 25 प्रत्याशी वंशावलियों (प्रथम वर्ष), छह (06) द्वितीय वर्ष हाइब्रिड, 13 कृषक किस्मों, 32 संदर्भों और 28 राजपत्रित अधिसूचित वंशावलियों का डीयूएस मूल्यांकन किया गया।



वंशावलियों की सूची (2024):

I. खरीफ 2024 के दौरान परीक्षण की गई प्रथम वर्ष की प्रत्याशी वंशावलियाँ

क्र.सं.	पंजी. सं.	वर्ग	टाइप	श्रेणी	क्र.सं.	पंजी.सं.	वर्ग	टाइप	श्रेणी
1	REG/2023/0126	इलोरा कमांडो 1112	नई	हाइब्रिड	14	REG/2024/0154	DKC 9198	वीसीके	हाइब्रिड
2	REG/2024/0100	P 34407		हाइब्रिड	15	REG/2024/0166	P 3312		हाइब्रिड
3	REG/2024/0099	P 35105		हाइब्रिड	16	REG/2024/0160	DKC 8209		हाइब्रिड
4	REG/2024/0362	P 3319		हाइब्रिड	17	REG/2024/0162	DKC 9217		हाइब्रिड
5	REG/2024/0361	P 3532		हाइब्रिड	18	REG/2024/0161	DKC 9210		हाइब्रिड
6	REG/2024/0425	DKC 9228		हाइब्रिड	19	REG/2024/0169	DKC 9208		हाइब्रिड
7	REG/2024/0158	TMMH 8418		हाइब्रिड	20	REG/2024/0164	P 1890		हाइब्रिड
8	REG/2024/0165	P 34104		हाइब्रिड	21	REG/2024/0259	P 1891		हाइब्रिड
9	REG/2024/0098	P 3524	वीसीके	हाइब्रिड	22	REG/2024/0247	NMH-4786		हाइब्रिड
10	REG/20240101	P 33309		हाइब्रिड	23	REG/2018/92	QMHSC-1182		हाइब्रिड
11	REG/2024/0167	गोल्ड 1166		हाइब्रिड	24	REG/2018/93	QMH-1025		हाइब्रिड
12	REG/2024/0163	P 18245		हाइब्रिड	25	REG/2024/0248	NM-1411		विशिष्ट
13	REG/2024/0159	DKC 8181		हाइब्रिड					

II. *खरीफ* 2024 के दौरान परीक्षण किए गए द्वितीय वर्ष के हाइब्रिडों की सूची

क्र.सं.	पंजी. सं.	वर्ग	श्रेणी
1	REG/2022/0157 H	SMH-4636/SIRI-YAMAZAIK	हाइब्रिड
2	REG/2022/0164 H	TMMH 836	हाइब्रिड
3	REG/2023/0030 H	SMH 3564 (STAR X 7 POWER)	हाइब्रिड
4	REG/2023/0039 H	IMH 224	हाइब्रिड
5	REG/2023/0070 H	NMH 8392	हाइब्रिड
6	REG/2022/0157 H	MM 2169	हाइब्रिड

III. *खरीफ* 2024 के दौरान परीक्षण की गई कृषक किस्मों की सूची

क्र.सं.	पंजी. सं.	वर्ग	टाइप	श्रेणी	क्र.सं.	पंजी. सं.	वर्ग	टाइप	श्रेणी
1	REG/2017/2022	AH-M	कृषक	विशिष्ट	8	REG/2016/404	कुक्कुड मक्का	कृषक	विशिष्ट
2	REG/2017/1654	प्लांडरी	कृषक	विशिष्ट	9	REG/2018/171	मोग दाना	कृषक	विशिष्ट
3	REG/2018/566	तनरा मकाई	कृषक	विशिष्ट	10	REG/2024/0346	जिसुलाल मक्का*	कृषक	विशिष्ट
4	REG/2016/107	पिवाला लाल मक्का	कृषक	विशिष्ट	11	REG/2024/0351	मक्का ढिबरी	कृषक	विशिष्ट
5	REG/2016/108	पिवाला लहन मक्का	कृषक	विशिष्ट	12	REG/2024/0347	ढिबरी मक्का देसी	कृषक	विशिष्ट
6	REG/2016/109	पिवला मक्का	कृषक	विशिष्ट	13	REG/2024/0352	देसी मक्का	कृषक	विशिष्ट
7	REG/2016/110	केशरी मक्का	कृषक	विशिष्ट					

IV. *खरीफ* 2024 के दौरान परीक्षण की गई कृषक किस्मों की सूची - पीपीवी एवं एफआरए द्वारा भेजी गई संदर्भ किस्में

क्र.सं.	हाइब्रिड	श्रेणी	क्र.सं.	हाइब्रिड	श्रेणी
1	P 3401	हाइब्रिड	7	BOND NHM 007	हाइब्रिड
2	अजीत सूर्या	हाइब्रिड	8	DEKLAB 9144	हाइब्रिड
3	TMMH 826	हाइब्रिड	9	AMH-3436	हाइब्रिड
4	3499	हाइब्रिड	10	3033	हाइब्रिड
5	DMRH 1308	हाइब्रिड	11	TMMH 844	हाइब्रिड
6	BIO 9544	चेक			

पीएयू, लुधियाना द्वारा भेजी गई संदर्भ किस्में

12	HQPM-1	हाइब्रिड	23	GK-3237	हाइब्रिड
13	विवेक हाइब्रिड-9	हाइब्रिड	24	DHM 121	हाइब्रिड
14	शक्तिमान-4	हाइब्रिड	25	LG 3405	हाइब्रिड
15	शक्तिमान-1	हाइब्रिड	26	BIO 9682	हाइब्रिड
16	PMH-1	हाइब्रिड	27	P 3396	हाइब्रिड
17	PAC-751	हाइब्रिड	28	DHM 117	हाइब्रिड
18	HQPM-5	हाइब्रिड	29	Bio 605	हाइब्रिड

19	DKC-7074	मानक-किस्म	30	BML-7	अंत:प्रजात
20	DHM 206	क्षेत्रीय मानक-किस्म	31	HKI 161	अंत:प्रजात
21	GK 3266	हाइब्रिड	32	BML-5	अंत:प्रजात
22	NK-6240	मानक-किस्म			

V. *खरीफ* 2024 के दौरान परीक्षण की गई राजपत्र में अधिसूचित वंशावलियों की सूची

क्र.सं.	राजपत्र में अधिसूचित किस्में	क्र.सं.	राजपत्र में अधिसूचित किस्में
1	VL QPM हाइब्रिड-59	15	GPMH-110
2	HI BRIX 53	16	केंद्रीय मक्का स्वीट कॉर्न 1
3	विवेक हाइब्रिड 27	17	RJ-2020-N-13-8
4	CP 838	18	ADV 756
5	CP 999	19	VLQPM हाइब्रिड-61
6	शक्तिमान-5	20	VLQPM हाइब्रिड- 63
7	करीमनगर मक्का	21	JKMH 4222
8	HI BRIX 39	22	RCRMH-4
9	PAC 751	23	ADV 7132 (ADV 765)
10	VL स्वीट कॉर्न हाइब्रिड 2	24	सिक्किम संकुल मक्का
11	ADV 757	25	SKMC-2 (SKMC-03)
12	ADV 759	26	COH (M)11 (CMH 12-686)
13	ADV 764	27	पूसा जवाहर हाइब्रिड मक्का-2 (AH-4271)
14	AH 7043	28	GDYMH-101 (BYMH-13-5)

3.1.5. सोयाबीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा

सोयाबीन

15 मई, 2024

10 प्रत्याशित किस्में (REG/2023/0034, REG/2023/0045, REG/2023/0046, REG/2023/0053, REG/2022/0061, REG/2022/0078, REG/2022/0079, REG/2022/0080, REG/2024/0127, REG/2024/0126) + 9 संदर्भ किस्में (VL Soya 63, MACS 1281, JS 9305, JS 9560, PS 1029, PS 1347, RSC 11-07, NRC 7 और KB 79) की बुवाई 2 जुलाई 2024 को की गई और डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए आँकड़े दर्ज किए गए। संदर्भ किस्में (129) भाकृअनुप-आईआईएसआर, इंदौर में अनुरक्षित की गई हैं।

तालिका: 2024-25 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण।

फसलें	नई		वीसीके	एफवी
सोयाबीन	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां		
	REG/2023/0045 REG/2023/0046 REG/2023/0053	REG/2022/0061 REG/2022/0078 REG/2022/0079 REG/2022/0080	REG/2024/0127 REG/2024/0126	REG/2023/0034

केंद्र ने 2024-25 में निम्नलिखित कृषक किस्मों के पंजीकरण में सुविधा प्रदान की, जिन पर डीयूएस लक्षणवर्णन कार्य जारी है।

- धान-रमन्ना लाल धान (REG/2022/0131)
- धान-दूध धान (REG/2022/0130)
- धान-बौरानी धान (REG/2022/0132)
- **धान-सफेद धान**
- **धान-कौथुनी धान**
- रागी-गोल मडुआ (REG/2023/0088)
- रागी-झुमकिया मडुआ (REG/2023/0087)

तालिका: पौधा किस्म संरक्षण हेतु संगठन द्वारा पीपीवी एवं एफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन

फसलें	केंद्र द्वारा पिछले 15 वर्षों में अधिसूचित की गई किस्मों की सं.	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.			जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं.
		नई	वीसीके	ईएनवी	
सोयाबीन			2		2
धान			2		2
मक्का			2		2
हरी मटर			2		2
गेहूं			1		1

भाकृअनुप-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश

खरीफ 2024 के दौरान कुल 164 विमोचित और अधिसूचित सोयाबीन किस्मों का अनुरक्षण किया गया। कुछ पुरानी किस्में, जो जलवायु परिवर्तन से संवेदनशील थीं, पिछले कुछ वर्षों में बार-बार अंकुरण में विफल रही हैं। उनका अनुरक्षण मुख्यतः भविष्य में बहुगुणन हेतु पुराने बीजों के संरक्षण पर निर्भर करता है। अधिसूचित किस्मों के बीजों को सीमित क्षमता वाले बीओडी इनक्यूबेटर में कम तापमान (लगभग 5.5°C) पर भंडारित किया जाना अपेक्षित होता है। आकारिकीय विशेषकों में विचलनों के संदर्भ में, मौजूदा किस्मों का गहनता के साथ अध्ययन किया जा रहा है ताकि सीडलिंग हाइपोकोटाइल कलर, पत्ती की आकृति एवं आकार, पुष्पक्रम की प्रकृति, फली का रोमिलपन, फली और हिलम का रंग, बीज का रंग, और फसल परिपक्वता तक दिवसों के बारे में अधिकाधिक यथार्थ वर्गीकरण किया जा सके। इसके अतिरिक्त, पहले वर्ष के लिए छह प्रत्याशी किस्मों के साथ-साथ आठ संदर्भ किस्मों और दूसरे वर्ष के लिए चार प्रत्याशी किस्मों के साथ-साथ तीन संदर्भ किस्मों का डीयूएस परीक्षण किया गया, जिसमें 19 आकारिकीय और तीन जैव रासायनिक लक्षणों का मूल्यांकन किया गया। संकलित रिपोर्ट पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत की गई।



3.1.6. गेहूं, डाइकोकम, दुरम और अन्य ट्रिटिकम प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा

भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल गेहूं (गेहूं, दुरम और डाइकोकम गेहूं) में डीयूएस परीक्षण के लिए नोडल केंद्र है। सभी केंद्रों पर 2023-24 के दौरान 93 कोडित वंशावलियों (गेहूं में 61 वंशावलियाँ, दुरम में 6 और डाइकोकम में 26 वंशावलियाँ) पर दर्ज किए गए डीयूएस लक्षणों का द्वितीय वर्ष का डेटा संकलित किया गया और निर्णय लेने के लिए 04/09/2024 को ईमेल के माध्यम से प्राधिकरण को प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, 41 वंशावलियों पर डीयूएस लक्षणों का प्रथम वर्ष का डेटा दर्ज किया गया। फसल मौसम 2024-25 के दौरान, 53 गेहूँ वंशावलियों, जिनमें 41 वंशावलियों (गेहूँ में 23, दुरम गेहूँ में 3 और डाइकोकम गेहूँ में 15) का द्वितीय वर्ष परीक्षण और 12 गेहूँ वंशावलियों (3 नए विशिष्ट और 9 कृषक किस्में) का प्रथम वर्ष परीक्षण शामिल है, को चार डीयूएस परीक्षणों में पीपीवी और एफआरए द्वारा प्रकाशित गेहूँ के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार टेस्ट किया गया (तालिका 1)। प्रत्येक वंशावली को 6 मीटर के 6 पंक्तियों वाले भूखंड में 3 पुनरावर्तनों के साथ बोया गया।





डीयूएस क्षेत्र का विहंगावलोकन

तालिका 1. आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में डीयूएस परीक्षण के तहत वंशावलियाँ

फसलें	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	प्रथम वर्ष की वंशावलियां
गेहूं	2890/2108, 2890/2111, 2890/2110, 2890/2109, 2889/2205 (EAGLE 1214), 2889/2177 (GGWT 1912), 23 BRHIE01, 23 BRDB0302, 23 BRDB0703, 23 BRHII04, 23 BRHII05 (HI1563), 23 BRHIA06 (HI1544), 23 BRHD8507, 23 BRWBB210, 23 BRRW4611, 23 BRGW9612, 23 BRHS9013, 23 BRDB2714, 23 BRHIN15, 23 BRHIA16 (HI1531), 2890/2134, 2890/2135, 2877/3940	NWS 2214, WAH गेहुं, सुडोल गोधम, मेहरसे गेहूं, दसाऊ गोथम, गोल गंधम, राज गेहूं, पीहू गोल्ड, सोनम, इशिका गोल्ड
दुरम	2890/2112, 23 DUDD4701, 23 DUWH4302	
डाइकोकम गेहूं	2890/2033, 2890/2034, 2890/2035, 2890/2036, 2890/2037, 2890/2038, 2890/2039, 2890/2040, 2890/2041, 2890/2042, 2890/2043, 2890/2044, 23 DIDD2501, 23 DIDD2902, 23 DIHW9803	

सभी वंशावलियों में फसल विकास और आकारिकी लक्षणों की व्यंजकता अच्छी थी। सभी लक्षणों पर डीयूएस लक्षणवर्णन के प्रेक्षण निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किए गए। 3 वंशावलियों (सुडोल गोधम, दसाऊ गोथम, एशिका गोल्ड) को छोड़कर, सभी वंशावलियाँ एकरूप थी। वंशावली गोल गंधम स्फेरोकोकम प्रजाति की है, और वंशावली संख्या 23 BRHIE01, 23 BRHII04 और 23 BRHIN15 गेहूं के बजाय दुरम प्रजाति की हैं, जबकि वंशावली संख्या 2890/2034 डाइकोकम गेहूं के बजाय दुरम गेहूं की है (जैसा कि प्रत्याशी द्वारा दावा किया गया था)।

पीपीवी और एफआरए के पास किस्मों का पंजीकरण: दो गेहूं किस्मों अर्थात डीबीडब्ल्यू359 और डीबीडब्ल्यू377 को क्रमशः पंजीकरण संख्या आरईजी/2024/0441 और आरईजी/2024/0442 के तहत पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली द्वारा मौजूदा श्रेणी के तहत पंजीकृत किया गया।





गोल गंधम (स्फेरोकोकम प्रजाति)

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर, मध्य प्रदेश

फसल मौसम 2024-25 में, पहले वर्ष के लिए एक विशिष्ट किस्म (एनडब्ल्यूएस 2214) और दो वीसीके (डीबीडब्ल्यू 187 और एचआई 1544) किस्मों और दूसरे वर्ष के लिए दो विशिष्ट किस्मों (2889/2205 और 2889/2177) और एक वीसीके (एचडी 2967) के लिए डीयूएस आँकड़े दर्ज किए गए। भाकृअनुप-आईएआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर के **रेफरल संग्रहालय** में गेहूँ की 151 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है। आगंतुक किसानों और छात्रों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के महत्व और उसके कानूनी पक्षों के बारे में जानकारी फसल विकास चरणों के दौरान प्रदान की गई।

फसलें	2024-25 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों का नाम एवं संख्या
गेहूं	विमोचित किस्में *एस्टिवुम*- 99 विमोचित किस्में *दुरम*– *47* विमोचित किस्में *डाइकोकम*- 05
कुल	151

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक

रबी 2024-25 के दौरान, दुरम और डाइकोकम गेहूं के कुल दो प्रायोगिक परीक्षण डीयूएस दुरम गेहूं केंद्र, यूएएस, धारवाड़ में किए गए। परीक्षणों का विवरण नीचे दिया गया है।

वर्ष	विशिष्ट	वंशावलियां
द्वितीय वर्ष का परीक्षण	दुरम - 3	2890/2112, DUD4701 और 23DWH4
	डाइकोकम - 15	2890/2033 से 2890/2044, 23DIDD2501, 23DIDD2902 और 23DIHW9803

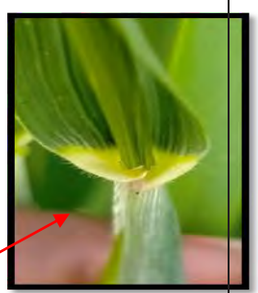
फसल विकास संव्यवहार से संबंधित लक्षणों, गेहूं बाली से संबंधित लक्षणों, दाने से संबंधित लक्षणों आदि को दर्शाने वाले 45 लक्षणों के लिए प्रेक्षण दर्ज किए गए। प्रेक्षणों के अवलोकन में प्रत्याशी और संदर्भ किस्मों के बीच विभिन्न डीयूएस लक्षणों की दृष्टि से मात्रात्मक भिन्नता पाई गई।

दुरम गेहूं पर द्वितीय वर्ष के प्रायोगिक परीक्षण में, DUD4701, 23DWH4, HI 8737 (क्षेत्रीय मानक-किस्म) और MACS 3949 (क्षेत्रीय मानक-किस्म) को संदर्भ किस्मों के रूप में उपयोग किया गया। प्रत्याशी किस्म 2890/2112 में 50 प्रतिशत रोएँदार प्रकृति का मिश्रण देखा गया और पौधे तना रतुआ रोग से अत्यधिक संवेदनशील थे।

डीयूएस डाइकोकम गेहूं के द्वितीय वर्ष के प्रायोगिक परीक्षण में 15 वंशावलियों का मूल्यांकन डीयूएस दुरम गेहूं केंद्र, एआईसीआरपी गेहूं, यूएएस, धारवाड़ में 45 डीयूएस लक्षणों के लिए किया गया। अध्ययन किए गए समूह लक्षणों में, प्रत्याशी और संदर्भ किस्मों के बीच कई लक्षणों, जैसे कि कोलियोप्टाइल्स: एंथोसायनिन वर्णकता, फ्लैग लीफ: एंथोसायनिन वर्णकता, बाली/ईअर: वर्णकता और मौसम की प्रकृति की दृष्टि से कोई भिन्नता नहीं देखी गई। प्रत्याशी किस्म 2890/2034 में गेहूं बाली जल्दी खिली। प्रत्याशी किस्में 2890/2037, 2890/2039, 2890/2041, 2890/2042, 2890/2042, 2890/2043, 23DI2501 और 23DIHW9803 को बाली खिलने के संदर्भ में मध्यम (5) पाया गया। इसी प्रकार, समान गुण के लिए, प्रत्याशी किस्मों यानी 2890/2033, 2890/2035, 2890/2036, 2890/2038, 2890/2040 और 23DIDD2902 में बाली खिलने में देरी (7) दर्ज की गई।

15 वंशावलियों में से, 12 वंशावलियों (2890/2033, 2890/2034, 2890/2035, 2890/2036, 2890/2038, 2890/2039, 2890/2040, 2890/2041, 2890/2042, 2890/2043, 2890/2044 और 23DICC2501) में पौधों की ऊँचाई अधिक (7 सेमी) दर्ज की गई। तथापि, प्रत्याशी किस्म (2890/2037) और दो संदर्भ किस्मों अर्थात 23DIDD2902 और 23DIHW9803 ने मध्यम (5) पौधों की ऊँचाई दर्ज की। प्रत्याशी किस्म 2890/2034 को छोड़कर, अन्य प्रत्याशी किस्मों में फीका सफेद (1) शूक: रंग और बाहरी ग्लू: रोमिलता का अभाव (1) दिखा। जबकि, 2890/2034 में काला (4) शूक: रंग और बाह्य ग्लू: रोमिलता (9) की उपस्थिति (9) दिखाई दी। 15 प्रत्याशी किस्मों में से, चार किस्मों में गहरा (7), दस किस्मों में मध्यम (5) और एक किस्म में फिनोल के साथ दाने में कोई रंजकता (1) नहीं पाई गई।

चित्र 1 : संदर्भ किस्मों की तुलना में दुरम गेहूँ के दूसरे वर्ष के परीक्षण में प्रत्याशी किस्म 2890/2112 के विशिष्ट लक्षण

<table>
<tr><td>विवरण</td><td colspan="2">2. 23DUDD4701</td><td colspan="2">1. 2890/2112</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="4">  </td></tr>
<tr><td>पादप: विकास संव्यवहार</td><td colspan="2">लंबवत (1)</td><td colspan="2">अर्द्ध-लंबवत (3)</td></tr>
<tr><td>फोलिएज का रंग</td><td colspan="2">गहन हरा (7)</td><td colspan="2">हरा (5)</td></tr>
<tr><td colspan="5"></td></tr>
<tr><td></td><td>2890/2112</td><td>23DUDD4701</td><td>2890/2112</td><td>MACS 3949</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2"></td><td colspan="2">फ्लैग लीफ:ऑरिकल्स पर रोए</td></tr>
<tr><td></td><td>  </td><td>  </td><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>फ्लैग लीफ: ब्लेड का मोमीपन</td><td>मध्यम (5)</td><td>कमजोर (3)</td><td>अनुपस्थित</td><td>उपस्थित</td></tr>
</table>

3.1.7. जौ के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप-भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा



वर्ष 2024-25 के दौरान, डीयूएस परीक्षण में 19 संदर्भ किस्मों के साथ 07 प्रत्याशी किस्मों को डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार

उगाया गया। इनमें से, तीन किस्में नामत:, यूबी 301, एबीआई 07, एबीआई 14, डीयूएस परीक्षण के प्रथम वर्ष के लिए थीं और चार प्रत्याशी किस्में, 2883/2394, 2880/3840, 23बीएबीसी 7301, 23बराना 02, डीयूएस परीक्षण के दूसरे वर्ष के लिए थीं। इसके अतिरिक्त, डीयूएस लक्षणवर्णन और बीजगुणन के लिए आठ कृषक किस्मों (प्राजो कूना, साहिया जौ, मोहना जौ, काकनोई जौ, सरस जौ, युशजो कूना, दीप जौ, दसौ जौ) को उगाया गया। इसके अलावा, जौ के 32 डीयूएस लक्षणों के वैधीकरण के लिए 49 जौ संदर्भ और 107 जौ विमोचित किस्मों का एक सेट भी उगाया गया। इस अवधि के दौरान, परीक्षणों हेतु सभी प्रत्याशी और संदर्भ किस्मों के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों में उल्लिखित लक्षणों को दर्ज किया गया।

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर (श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

विशेष रूप से डीयूएस परीक्षण के लिए आयोजित **डीयूएस परीक्षण** में **छब्बीस किस्में** शामिल थीं, जिनमें **उन्नीस संदर्भ किस्में** और **सात प्रत्याशी किस्में** थीं। **उनचास संदर्भ किस्मों** के एक समूह और **एक सौ छह विमोचित किस्मों** के एक अन्य समूह का भी मूल्यांकन और अनुरक्षण किया गया। सभी परीक्षणों में, जौ की किस्मों के डीयूएस परीक्षण के लिए आवश्यक गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों मापदंडों को शामिल करते हुए, **सभी बत्तीस अनिवार्य लक्षणों/विशेषकों** पर डेटा दर्ज किया गया। फसल ने सभी वंशावलियों में अच्छा विकास और आकारिकीय लक्षणों की स्पष्ट व्यंजकता प्रदर्शित की। सभी **कृषक किस्मों में एकरूपता देखी गई** और मूल्यांकित सभी किस्मों में **डीयूएस विशेषकों की व्यंजकता स्थिर रही**।



तना: आधारपत्ती रंजकता - विद्यमान (9) स्पाइक: अभिवृत्ति - झुकी हुई (7)

3.1.8. ज्वार के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना

डीयूएस परीक्षण *खरीफ* 2024 और *रबी* 2024-25 मौसमों के दौरान सफलतापूर्वक किया गया। *खरीफ* 2024 मौसम के दौरान 11 संदर्भ किस्मों के साथ पाँच कृषक किस्मों का लक्षणवर्णन किया गया। संशोधित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार आँकड़ों की गणना की गई जिन्हें समय पर पीपीवी एवं एफआरए को प्रस्तुत किया गया। मौसम के दौरान, सभी *खरीफ* अनुकूलित एग्जाम्प्ल किस्मों को भी लक्षणवर्णन के लिए रोपित किया गया और डीयूएस डेटाबेस को अद्यतन करने के लिए आँकड़ों की गणना की गई। दो कृषक

किस्मों, अर्थात 2024/0116 और 2024/0131, में अंकुरण कम था। सभी कृषक किस्मों में प्रारंभिक विकास संतोषजनक था। किसानों द्वारा चुनी गई सभी 5 किस्में प्रकाश-संवेदनशील पाई गईं, जिनमें पुष्पण पछेती से अति पछेती तक का समय लगा और खरीफ मौसम से इनका अनुकूलन बहुत कम था। इनमें बीज-स्थापन भी उचित रूप में नहीं हुआ और सभी किस्में प्ररोह मक्खी और पर्णिल रोगों से अत्यधिक संवेदनशील थीं। किस्म 2023/0062 (शंकर) में पोक्का बोएंग रोग का अत्यधिक प्रकोप देखा गया।

रबी 2024-25 के दौरान, एक प्रत्याशित हाइब्रिड और तीन मानक-किस्मों (सीएसएच 13, सीएसएच 15आर और सीएसएच 19आर) को द्वितीय वर्ष के डीयूएस परीक्षण के तहत रोपित किया गया। आँकड़ों को दर्ज किया जा रहा है जिसे पीपीवी एवं एफआरए को प्रस्तुत किया जाएगा। *रबी* 2024-25 के मौसम के दौरान हाइब्रिड, पैतृक वंशक्रमों और ओपीवी सहित 136 संदर्भ किस्मों के लिए अनुरक्षण प्रजनन/लक्षणवर्णन किया गया। डेटाबेस को अद्यतन करने के लिए डीयूएस विवर्णकों पर आँकड़े एकत्र और संकलित किए जा रहे हैं।

कुल 136 किस्में, जिनमें पैतृक (ए/बी/आर) वंशक्रम और ओपीवी, दो ए/आर वंशक्रम शामिल हैं, को अनुरक्षण प्रजनन और लक्षणवर्णन के लिए रोपित किया गया।

महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, अहमदनगर, महाराष्ट्र

फसल	नई		वीसीके	एफवी	निरीक्षण की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां			
ज्वार	05	01	-	-	25-10-2024 (डॉ. हरीप्रसन्ना के.)

ज्वार की किस्मों का डीयूएस परीक्षण, दिशानिर्देशों के अनुसार पूरा किया गया और डेटा संबंधित फसल नोडल केंद्रों को प्रस्तुत किया गया।

I) मौसम: *खरीफ*

क) द्वितीय वर्ष का परीक्षण: 05 प्रत्याशी किस्मों के साथ 10 संदर्भ किस्मों का परीक्षण किया गया।

ख) 56 संदर्भ किस्मों का परीक्षण किया गया।

II) मौसम: *रबी*

क) प्रथम वर्ष का परीक्षण: 01 प्रत्याशी किस्म के साथ 03 संदर्भ किस्मों का परीक्षण किया गया।

ख) 120 संदर्भ किस्मों का परीक्षण किया गया।



3.1.9. बाजरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि अनुसंधान केंद्र, मंडोर, जोधपुर

5 नई किस्मों पर प्रथम वर्ष का और 2 नई किस्मों पर द्वितीय वर्ष का डीयूएस परीक्षण किया गया। नई श्रेणी के तहत किस्मों के अतिरिक्त, 7 एफवी, 4 आरवी और 2 मानक-किस्मों (तालिका--) का भी डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए मूल्यांकन किया गया।

2024-25 के दौरान डीयूएस परीक्षण के तहत किस्मों की सूची

क्र.सं.	प्रत्याशी किस्म का नाम	क्र.सं.	प्रत्याशी किस्म का नाम
द्वितीय वर्ष का परीक्षण			
1	न्यूट्राफास्ट-ADV 961 (ADV0061)	2	TMBH 2652
प्रथम वर्ष का परीक्षण			
1	KPH6288	4	KP19SB021
2	MB1030	5	KP19SR022
3	KPH6499		
कृषक किस्में			
1	सुन्द्रम वर्मा लोकल	5	मूछवाली बजरी
2	पीली बजरी	6	DR-1
3	चन्ना बजरी	7	सुल्खनिया बजरी
4	DR-2		
संदर्भ किस्में			
1	RHB 173	3	86M64
2	कावेरी सुपर बॉस	4	प्रताप
मानक-किस्में			
1	HHB 67 Improved	2	GHB 538

बाजरा पर भाकृअनुप-एआईसीआरपी परियोजना, बाजरा के डीयूएस परीक्षण के संचालन और इस परियोजना के अंतर्गत 54 संदर्भ किस्मों (20 हाइब्रिड और 34 पैतृक वंश) के अनुरक्षण के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य कर रही है। बाजरा में परीक्षण की जाने वाली वंशावलियों को पीपीवी और एफआरए द्वारा निर्धारित डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार संदर्भ किस्मों के साथ-साथ डीयूएस लक्षणों के लिए पुनरावर्तन परीक्षणों में लक्षणवर्णित किया गया।

बाजरा पर भाकृअनुप-एआईसीआरपी में 26 सितंबर 2024 को जोधपुर में प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बाजरा अनुसंधान योजना, कृषि महाविद्यालय, धुले, महाराष्ट्र

दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रथम वर्ष के लिए 03 प्रत्याशी हाइब्रिडों और 09 विशिष्ट किस्मों को और द्वितीय वर्ष के लिए 06 प्रत्याशी हाइब्रिडों का डीयूएस परीक्षण खरीफ 2024 के दौरान सफलतापूर्वक किया गया और डेटा दर्ज किया गया।

खरीफ 2024 में संदर्भ किस्मों के लिए 54 वंशावलियों हेतु डीयूएस लक्षणवर्णन प्रायोगिक परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और डेटा पीसी इकाई जोधपुर को प्रस्तुत किया गया।

2024: **प्रथम वर्ष**-प्रत्याशी किस्में-03, विशिष्ट किस्में-09

द्वितीय वर्ष-प्रत्याशी किस्में-06, कृषक किस्में-00

3.1.10. रागी (फिंगर मिलेट), कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट), सामा (बर्नयार्ड मिलेट), चेना (प्रोसो मिलेट), कुटकी (लिटिल मिलेट), कोदो (कोदो मिलेट) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

लघु श्री अन्न पर एआईसीआरआईपी, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी कृषि विज्ञान केंद्र, बैंगलोर

पीपीवी और एफआरए द्वारा प्रत्येक फसल के लिए निर्धारित डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार, दोहराए गए परीक्षणों में वंशावलियों का लक्षणवर्णन डीयूएस लक्षणों के साथ-साथ संदर्भ किस्मों के समूहों के लिए किया गया।

1. **रागी (फिंगर मिलेट)**

पहले वर्ष में परीक्षण की गई कुल 4 वंशावलियों (सिरी, GNN-6, झुमकिया मडुआ और गोल मडुआ) और दूसरे वर्ष में परीक्षण की गई 5 वंशावलियों (2889/2138, 23FIKM3001, 23FIGP2802, 23FIGP6603 और 23FIGP6704)) का लक्षणवर्णन किया गया। *खरीफ*-2024 में 77 संदर्भ किस्मों के एक पूरे समूह का लक्षणवर्णन किया गया।

2. **कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट)**

सभी 28 संदर्भ किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन 23 अपेक्षित लक्षणों के लिए किया गया।

3. **कोदो (कोदो मिलेट)**

पुनरावृत्तीय परीक्षणों में कुल 4 वंशावलियों (बड़ा कोदो, लाद्री कोदो, बाहरी कोदो और राखी कोदो) के साथ-साथ पहले वर्ष के लिए 26 संदर्भ किस्मों का लक्षणवर्णन किया गया। परीक्षण की जाने वाली कोदो वंशावलियों में बड़ा कोदो (58 दिन), लादरी कोदो (56 दिन) और बाहरी कोदो (54 दिन) अगेती पुष्पण वाली वंशावलियाँ थीं।

4. **सामा (बर्नयार्ड मिलेट)**

सभी 12 संदर्भ किस्मों का लक्षणवर्णन 23 लक्षणों के लिए किया गया।

5. **कुटकी (लिटिल मिलेट)**

पुनरावृत्तीय परीक्षणों में कुल 4 वंशावलियों (बिरनी कुटकी, चर कुटकी, सफेद डोंगर कुटकी और भदेली कुटकी) और 17 संदर्भ किस्मों का लक्षणवर्णन पहले वर्ष के लिए किया गया। कुटकी के मामले में, सफेद डोंगर कुटकी पछेती पुष्पण (62 दिन) वाली वंशावली थी।

6. चेना (प्रोसो मिलेट)

सभी 12 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया और उनका लक्षणवर्णन किया गया।

3.1.11. चना के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

एक नई विशिष्ट किस्म अर्थात; महाबीज-2003 [2022/0179 (2889/2198)] का दूसरे वर्ष 2024-25 के दौरान डीयूएस परीक्षण किया गया और एक नई विशिष्ट किस्म; महाबीज-2006 (2023/0142) और आठ कृषक किस्मों; नीति चना, अंशु चना ग्रीन, सुंदरम सफेद चना, काला मोती, अरुण चना, निखिल लोकल चना, रोआ चना, झाबुआ गुलाबी चना का पहले वर्ष 2024-25 के दौरान डीयूएस परीक्षण किया गया। चने के लिए डीयूएस परीक्षण के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार, 20 डीयूएस लक्षणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। कृषक किस्म **निखिल लोकल चना** में दोनों पुनरावर्तनों में कुछ रुग्ण अर्थात ऑफ टाइप पौधे थे (लंबे प्रकृति के पौधे का कद और तने पर गहरी एंथोसायनिन रंजकता)।

उपरोक्त सभी वंशावलियाँ पुष्पण की दृष्टि से मध्यम अवधि वाली थीं और वंशावली महाबीज-2003, महाबीज-2006, अंशु चना ग्रीन, अरुण चना, काला मोती, निखिल लोकल चना, नीति चना, रोआ चना के पुष्प गुलाबी रंग के थे, जबकि वंशावली झाबुआ गुलाबी चना और सुंदरम सफेद चना के पुष्प सफेद रंग के थे। वंशावली नीति चना, अंशु चना ग्रीन, सुंदरम सफेद चना, काला मोती, अरुण चना, निखिल लोकल चना, रोआ चना, झाबुआ गुलाबी चना के बीज का आकार बहुत छोटा (< 20 ग्राम) था, महाबीज-2003 के बीज का आकार छोटा (20-25 ग्राम) था और वंशावली महाबीज-2006 के बीज का आकार मध्यम (26-35 ग्राम) था। वंशावली महाबीज-2003, महाबीज-2006, निखिल लोकल चना, नीति चना के बीज का रंग भूरा था, जबकि वंशावली अरूण चना एवं रोआ चना के बीज का रंग पीला था। वंशावली अंशु चना ग्रीन के बीज का रंग हरा, झाबुआ गुलाबी चना का नारंगी, काला मोती का काला और वंशावली सुंदरम सफेद चना के बीज का रंग हल्का क्रीमी था। सभी वंशावलियाँ देसी बीज प्रकृति की थीं और उनके तने में एंथोसायनिन रंग मौजूद था, जबकि वंशावली सुंदरम सफेद चना काबुली प्रकृति का था जिसके तने में एंथोसायनिन रंग नहीं था। इसके अलावा, 185 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है।



खेत का दृश्य

3.1.12. अरहर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

संदर्भ किस्मों के साथ-साथ 6 प्रत्याशी किस्मों का द्वितीय वर्ष डीयूएस परीक्षण किया गया। प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए प्राप्त नई वंशावलियों (5) का भी मूल्यांकन किया गया। किस्म 2023/0122 (झाबुआ लाल) के बीज नमूने में मिश्रण दर्ज किया गया। प्रत्याशी किस्मों के परीक्षण के अलावा, 96 संदर्भ किस्मों का एक समूह भी अनुरक्षित किया गया।

अरहर और कुसुम

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र

पहले और दूसरे वर्ष में दो प्रत्याशी किस्मों (1-1) का डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। तीन फसल-परिपक्वता समूहों (पछेती 22, मध्यम 64 और अगेती 20) से संबंधित 106 किस्मों के लिए अनुरक्षण परीक्षण भी किए गए।

3.1.13. मसूर, मूंग, उड़द, मटर (दलहन प्रजाति), राजमा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

खरीफ मौसम **(2024)** में, कुल 4 वंशावलियों - मूंग की 2 वीसीके और 2 कृषक किस्मों तथा उड़द की 2 कृषक किस्मों का **प्रथम वर्ष** में संदर्भ किस्मों के साथ परीक्षण किया गया और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार आँकड़े दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त, मूंग की 70 किस्मों और उड़द की 41 किस्मों का भी अनुरक्षण किया गया। इन किस्मों के अनुरक्षण के लिए, प्रत्येक किस्म से 10 एकल पौधों का चयन किया गया जिनकी कटाई अलग-अलग की गई।

जबकि *रबी* मौसम **(2024)** में, राजमा की 26 कृषक किस्मों का परीक्षण **प्रथम वर्ष** में संदर्भ किस्मों के साथ किया गया और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार आँकड़े दर्ज किए गए। रबी 2024 के दौरान कुल 14 संदर्भ किस्मों का भी अनुरक्षण किया गया।

प्रथम वर्ष की प्रत्याशी किस्मों की सूची

क्र.सं.	राजमा	मूंग	उड़द
1	मोहना बाल्दी	मंधाता गौल्ड	भूरा उड़द
2	बाल्दी राजमा	गोल्ड 9	तेलिया उड़द
3	भूरा राजमा	SR-31	IPU 94-1 (ch)
4	लहर राजमा	मूंगा	पंत U-31 (ch)
5	बड़ो बलदी राजमा	IPM 99-125	IPU 2-43 (ch)
6	रोटीवाल राजमा	गंगा -1	आज़ाद U-3 (ch)
7	अशोकश राजमा (बकला)	IPM 2-14	
8	सारा बीन	पूसा - 9531	
9	मटिया राजमा		

10	काला समाल्टा		
11	गिर्स राजमा		
12	चकराता राजमा-1		
13	चकराता राजमा-2		
14	चकराता राजमा-3		
15	चकराता राजमा-4		
16	चकराता राजमा-5		
17	चकराता राजमा-6		
18	चकराता राजमा-7		
19	चकराता राजमा-8		
20	चकराता राजमा-10		
21	PPR-6		
22	PPR-4	**अंकुरण नहीं हुआ**	
23	PPR-13		
24	PPR-5		
25	PPR-17		
26	PPR-16		
27	PDR 14 (ch.)		
28	HUR 137 (ch.)		
29	IPR 98-5 (ch.)		

मटर और मसूर

रबी मौसम **(2024-25)** में: **पहले वर्ष** में 3 कृषक किस्मों और **दूसरे वर्ष** में 1 नई किस्म सहित कुल 4 मटर वंशावलियों का परीक्षण संदर्भ किस्मों के साथ किया गया और आंकड़े डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किए गए। मटर की एक कृषक किस्म 2886/2183 (NS-1155) सब्जी प्रकृति की किस्म पाई गई। जबकि मटर की एक अन्य कृषक किस्म, कशूर कादी में पुष्पण नहीं हुआ। मसूर के मामले में, **पहले वर्ष** में 8 कृषक किस्मों का परीक्षण किया गया।

इसके अतिरिक्त, रबी मौसम **(2024-25)** में मटर की 61 किस्मों और मसूर की 39 किस्मों का अनुरक्षण किया गया। इन किस्मों के अनुरक्षण के लिए, प्रत्येक किस्म से 10 एकल पौधों का चयन किया गया और उनकी कटाई अलग-अलग की गई।

तालिका: प्रत्याशित किस्मों की सूची

क्र.सं.	**मटर**	**मसूर**
द्वितीय वर्ष		
1	2886/2183(NS- 1155) (सब्जी प्रकृति की)	

प्रथम वर्ष		
2	180P165	जोसेफिन मसूर
3	कशुर काडी (**पुष्पण नहीं हुआ**)	मसूर बरकोटी
4	देसी खुसिया मटर	मसूदी मसार
5	B 22 (ch.)	डन मसूर
6	HFP 4 (ch.)	आनंद और मसूर देसला
7	JP 885 (ch.)	विनय मसूर
8		देसी मसूर
9		विकेश मसूर
		DPL 15 (ch.)
		DPL-62 (ch.)
		IPL 81 (ch.)

पीपीवी एवं एफआरए के पास दाखिल किए गए आवेदन (केवल 57 अधिसूचित फसल प्रजातियों के लिए लागू। अन्य कॉलम 2 एवं 3, यदि लागू हों)

फसलें	1966 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	1999 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.			जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं.	लंबित आवेदन	दाखिल किए गए आवेदनों की सं.
			विद्यमान अधिसूचित	नई	वीसी के			
मसूर	43	17	12	1	-	6	7	
मटर	44	25	18	3	-	10	11	

मूँगफली

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र

89 संदर्भ किस्मों के अनुरक्षण परीक्षण नीचे सूचीबद्ध दो वंशावलियों के डीयूएस लक्षणवर्णन के साथ किए गए।

क्र.सं.	**पंजीकरण संख्या**	**वर्ग**	**टाइप**	**श्रेणी**
1	**2024/0063**	**मंधता गोल्ड**	**विद्यमान (वीसीके)**	**विशिष्ट**
2	**2024/0140**	**गोल्ड 9 (शनेश्वर)**		

काला चना

राष्ट्रीय दलहन अनुसंधान केंद्र, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, वम्बन, तमिलनाडु

अड़तीस संदर्भ किस्मों के बीजों का अनुरक्षण एनपीआरसी, वम्बन में किया जा रहा है। संदर्भ किस्मों का मूल्यांकन 2024 के दौरान किया गया।

संदर्भ किस्में : फली रोमिलता	
	
मौजूद	**मौजूद नहीं**

3.1.14. भिंडी, बैंगन, टमाटर, मटर (सब्जी), राजमा, करेला, लौकी, खीरा, कद्दू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

टमाटर

वर्ष (2024-25) के लिए 21 टमाटर वंशावलियों, अर्थात दूसरे वर्ष की 9 और पहले वर्ष की 12 वंशावलियों के बीज पॉकेट भाकृअनुप-आईआईवीआर, वाराणसी में डीयूएस परीक्षण के लिए प्राप्त हुए। वंशावली आरईजी/2024/0129 (जेकेटीएच-8015) , हाइब्रिड में अंकुरण कम था। संबंधित अंकुरण रिपोर्ट 24.10.2024 को प्रस्तुत की गई। वंशावलियों की निगरानी 27.03.2025 को डॉ. नागेंद्र राय, निदेशक (प्रभारी), भाकृअनुप-आईआईवीआर, वाराणसी की अध्यक्षता में की गई। सभी वंशावलियों का डीयूएस लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। वंशावली **23TOTM2606 H** (TMMH 2226), जो एक द्वितीय वर्ष की संदर्भ वंशावली है, में तीनों पुनरावर्तनों में रुग्ण पौधे अर्थात ऑफ टाइप्स पाए गए और रुग्ण पौधों की संख्या अनुमत स्तर से अधिक थी।

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण, यदि कोई हो: (केवल संख्या में)

फसल	परीक्षण वर्ष	वंशावलियों की संख्या	निरीक्षण तिथि
टमाटर	प्रथम वर्ष वंशावलियां	12 वंशावलियां (8 हाइब्रिड + 4 विशिष्ट)	27 मार्च 2025
	द्वितीय वर्ष वंशावलियां	9 वंशावलियां (3 हाइब्रिड + 6 संदर्भ)	



भिंडी

वर्ष के दौरान, डीयूएस परीक्षण के तहत 12 भिंडी वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें 4 हाइब्रिड (प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण), 7 प्रत्याशी हाइब्रिड और 1 विशिष्ट (द्वितीय वर्ष डीयूएस परीक्षण) और साथ ही उनके 7 संदर्भ हाइब्रिड एवं किस्में शामिल थीं। (परीक्षण कोड 2023 के साथ संकरीकरण परीक्षण हेतु द्वितीय वर्ष का डीयूएस परीक्षण)। (प्रत्याशी किस्मों का नाम नहीं दिया गया है)।

भिंडी की 42 किस्में विभिन्न केंद्रों से एकत्रित की गईं और डीयूएस परीक्षण हेतु संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित की गईं। ये किस्में विभिन्न केंद्रों से एकत्रित की गईं, जैसे कि: आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, आई.आई.वी.आर., वाराणसी, जे.ए.यू. जूनागढ़, एच.ए.यू., हिसार, एम.पी.के.वी., राहुरी, पी.ए.यू., लुधियाना, सी.एस.ए.यू.ए.एंड टी. कानपुर, आर.ए.यू. सबौर, आईआईएचआर, बैंगलोर, के.ए.यू., वेल्लानिक्करा, ओ.यू.ए.एंड टी. भुवनेश्वर, टी.एन.ए.यू., कोयंबटूर, एन.डी.यू.ए.एंड टी. फैजाबाद।

खीरा और कद्दू

खीरा:वर्ष के दौरान, डीयूएस परीक्षण के तहत खीरे की 18 किस्मों का मूल्यांकन किया गया। खीरे की अठारह किस्मों में दूसरे वर्ष की चार हाइब्रिड किस्में, छह हाइब्रिड किस्में और पहले वर्ष की आठ विशिष्ट किस्में शामिल थीं। दो खीरा हाइब्रिड (सुमित्रा और शाइनी) और एक विशिष्ट (20CICC0019) किस्मों को स्त्रीलिंगी बताया गया, लेकिन उन्हें द्विलिंगी पाया गया (नर पुष्प न्यून आवृत्ति में थे)। एक खीरा हाइब्रिड (चित्रा) और तीन विशिष्ट किस्मों (20CICC0021, 20CICC0007 और 20CICC0008) के फल का रंग गहरा हरा होने का दावा किया गया था, लेकिन उन्हें हल्का हरा पाया गया। खीरे की 24 किस्में डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में एकत्रित की गईं और उन्हें अनुरक्षित किया गया। ये किस्में विभिन्न संस्थानों से एकत्रित की गईं, जैसे कि; आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, एच.ए.आर.पी., रांची, बी.सी.के.वी., कल्याणी, जी.बी.पी.यू.ए. एंड टी., पंतनगर, एम.पी.के.वी., राहुरी, पी.ए.यू., लुधियाना,

डॉ. वाईएसपीएच एंड एफ, सोलन, एसकेयूए एंड टी, जम्मू, आई.आई.वी.आर., वाराणसी, सी.एस.ए.यू.ए. एंड टी, कानपुर, एएयू, गुजरात।

कद्दू:डीयूएस परीक्षण के अंतर्गत कद्दू की कुल 12 किस्मों का मूल्यांकन किया गया। कद्दू की बारह किस्मों में पाँच हाइब्रिड और प्रथम वर्ष की सात विशिष्ट किस्में शामिल थीं। कद्दू की 12 प्रत्याशित किस्मों/हाइब्रिडों में से किसी में भी कोई भिन्नता नहीं देखी गई। कद्दू की एक विशिष्ट किस्म, 161PK-DG1, ने कोई फल नहीं दिया, जबकि एक विशिष्ट किस्म, 161PK-PG2, ने तीनों पुनरावर्तनों में कुल मिलाकर केवल 2 फल दिए। कद्दू की पच्चीस किस्मों को एकत्रित किया गया और संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया। ये किस्में विभिन्न केंद्रों से एकत्रित की गईं, अर्थात आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, आई.आई.एच.आर., बैंगलोर, आई.आई.वी.आर., वाराणसी, ए.ए.यू., आणंद, सी.एस.ए.यू.ए. एंड टी. कानपुर, एचएआरपी, रांची, पीएयू, लुधियाना, एन.डी.यू.ए. एंड टी. फैजाबाद, के.ए.यू., केरल और टी.एन.ए.यू., कोयंबटूर।

करेला: दूसरे वर्ष के परीक्षण में, एक प्रत्याशी हाइब्रिड (Reg/2023/0143) को बोया गया और पीपीवी एवं एफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न लक्षणों का प्रेक्षण किया गया। सभी संदर्भ किस्मों को स्व-परागण के माध्यम से अनुरक्षित किया गया। वर्तमान में, हम करेले की कुल 20 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण कर रहे हैं। टास्क फोर्स समिति द्वारा 30/06/2025 को परीक्षणों की गहनता से निगरानी की गई जिन्हें संतोषजनक पाया गया, जो करेले के लिए हमारे डीयूएस परीक्षण में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत है।

लौकी: लौकी के परीक्षण में, कुल 15 वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें दो हाइब्रिड (वरुण, जयदेव) और पांच विशिष्ट किस्में (HVBO-017F, HVBO-17M, HVBO-20F, HVBO20M, RHRBG-54) तथा पहले वर्ष के परीक्षण में छह किसान-विशिष्ट किस्में (सोहम एस.बी.एल-1, नारायणी लौकी, भूदेव लौकी, भिखारी, जनक लौकी और नीलू-91) शामिल हैं। दूसरे वर्ष में, एक विशिष्ट किस्म (अर्का श्रेयस) और एक हाइब्रिड (अर्का गंगा) की बुवाई की गई। पीपीवी और एफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों का पालन करते हुए प्रेक्षण दर्ज किए गए। कृषक विशिष्ट किस्म, जनक लौकी में कोई फलन या पुष्पण नहीं हुआ। हमारे प्रेक्षणों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए, परीक्षणों को टास्क फोर्स समिति द्वारा 30/06/2025 को सावधानीपूर्वक मॉनीटर किया गया। वर्तमान में, लौकी की कुल 24 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है।

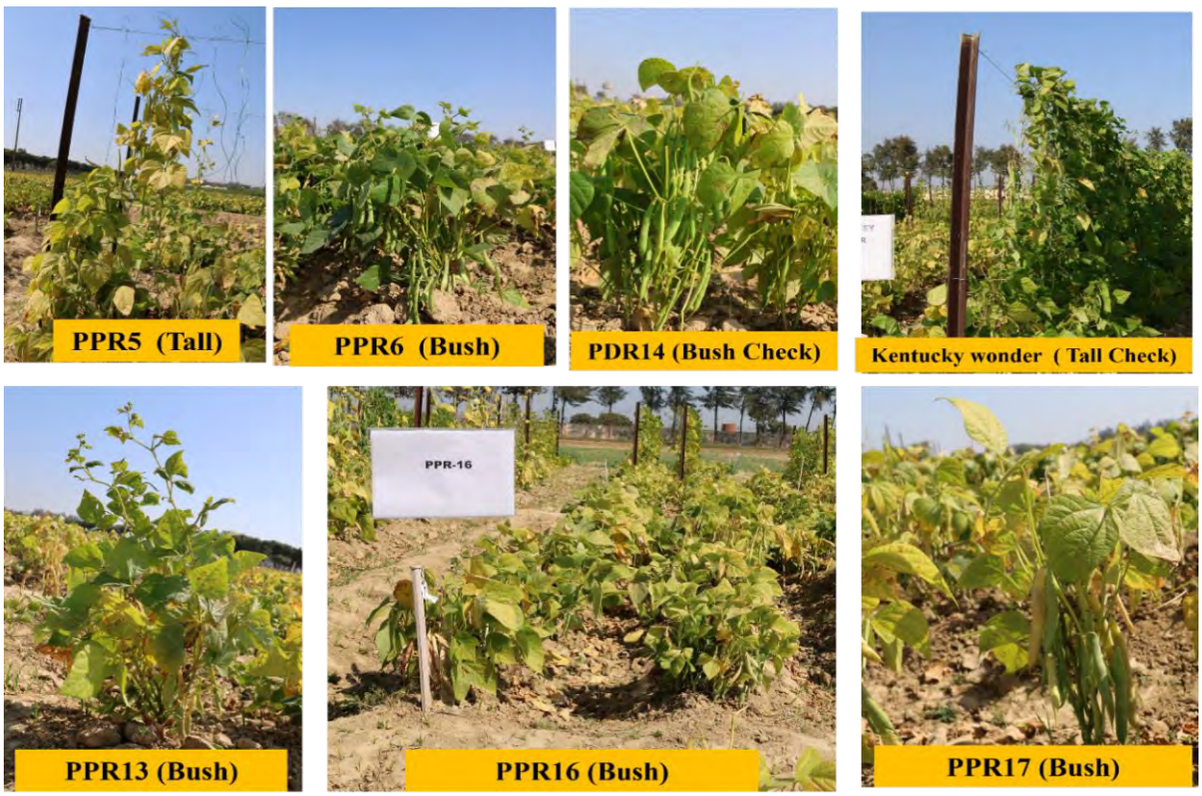
सब्ज़ी मटर और फ्रेंच बीन

फ्रेंच बीन:डीयूएस परीक्षण के तहत फ्रेंच बीन की कुल छह कृषक वंशावलियाँ प्रेक्षित की गईं: पीपीआर-6 (आरईजी/2024/0134), पीपीआर- 13 (आरईजी/2024/0136), पीपीआर-17 (आरईजी/2024/0138), पीपीआर-4 (आरईजी/2024/0135), पीपीआर-16 (आरईजी/2024/0139), और पीपीआर-5 (आरईजी/2024/0137)। बोई गई छह वंशावलियों में से, एक वंशावली, अर्थात पीपीआर-4, में कोई अंकुरण नहीं हुआ। शेष पाँच वंशावलियों का मूल्यांकन तीन पुनरावर्तनों के साथ प्रेक्षण पंक्तियों में किया गया, और निरीक्षण दल ने दावा किए गए विभिन्न लक्षणों के संबंध में व्यवस्थित रूप से प्रेक्षण दर्ज किए। इसके अलावा, चार वंशावलियाँ तथाकथित लक्षणों के संबंध में स्थिर पाई गईं, मगर पीपीआर-16 के सिवाय, जिसे अनिश्चित विकास संव्यवहार के दावा लक्षण के बजाय, एक निश्चित प्रकृति के रूप में दर्ज किया गया।

सब्जी मटर:2023-24 मौसम के दौरान, डीयूएस परीक्षण के लिए बयालीस सब्जी मटर किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया। विभिन्न संस्थानों से एकत्रित, सत्ताईस फ्रेंच बीन किस्मों को डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया। इन किस्मों को दो समूहों में वर्गीकृत किया गया: बुश टाइप किस्में और पोल टाइप किस्में। बुश-टाइप फ्रेंच बीन किस्मों में,

कुल 16 किस्मों को शामिल किया गया, जबकि 11 पोल-टाइप फ्रेंच बीन किस्मों को डीयूएस परीक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में अनुरक्षित किया गया और उनका मूल्यांकन किया गया।

मानक-किस्मों के साथ फ्रेंच बीन में परीक्षणाधीन किस्मों के खेत का एक दृश्य



बैंगन:पहले वर्ष के लिए बैंगन की कुल 4 किस्मों (SBJH5006, BNB-422, परिगा (P.R.L.-1), हंटोक) और दूसरे वर्ष के लिए 2 मानक-किस्मों (23BRARND01H, 23BRBRNG01H) सहित 2 किस्मों (जेके चित्रा, BHWH17KJA1550) का परीक्षण 3 पुनरावर्तनों में किया गया और डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार आँकड़े दर्ज किए गए। डीयूएस परीक्षण के दौरान हंटोक और जेके चित्रा की प्रजातियाँ एक समान नहीं पाई गईं। भाकृअनुप के विभिन्न संस्थानों से बैंगन की कुल 89 संदर्भ किस्में एकत्रित की गईं और आईआईवीआर, वाराणसी में उनका अनुरक्षण किया जा रहा है।

तालिका-1: डीयूएस परीक्षण के लिए प्रत्याशी किस्मों के विवरण (2024-25)

क्र.सं.	फसल	पंजी. सं.	वर्ग	टाइप	श्रेणी	परीक्षण कोड के साथ संदर्भ किस्म	परीक्षण वर्ष
1.	बैंगन	DL1807240001	SBJH 5006	नई	हाइब्रिड		प्रथम वर्ष
2.	बैंगन	REG/2024/0368	BNB-422	विद्यमान	हाइब्रिड		प्रथम

				(वीसीके)			वर्ष
3.	बैंगन	REG/2024/0092	परिगा (P.R.L-1)	कृषक	विशिष्ट		प्रथम वर्ष
4.	बैंगन	REG/2024/0119	हंटोक	कृषक	विशिष्ट		प्रथम वर्ष
5.	**बैंगन**	REG/2022/0177H (2889/2196/H)	जे के चित्रा	नई	हाइब्रिड	अर्का आनंद (23BRARND01H)	द्वितीय वर्ष
6.	**बैंगन**	REG/2022/0126 (2889/2145/H)	BHWH17KJA1550	नई	हाइब्रिड	बैंगन सफेद लंबा (23BRBRNG01H)	द्वितीय वर्ष





बैंगन हंटोक (आरईजी/2024/0119) में भिन्नता



जेके चित्रा (2889/2196) में भिन्नता

भिंडी, बैंगन, टमाटर, करेला, लौकी, खीरा, कद्दू एवं समर स्क्वैश

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेस्सरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

अनुरक्षण के तहत किस्मों का लक्षणवर्णन

अधिदेशित फसल प्रजातियां	2024-25 में अनुरक्षण के तहत किस्मों का नाम एवं संख्या	डेटा प्रस्तुतीकरण (अनुरक्षण प्रजनन) हां/नहीं
टमाटर	12	हां
बैंगन	8	हां
भिंडी	12	हां
लौकी	18	हां

करेला	15	हां
खीरा	2	नहीं
कद्दू	10	हां

टमाटर और बैंगन

टमाटर: पहले वर्ष के परीक्षण में कुल 15 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण किया गया जिनमें 8 हाइब्रिड, 4 विशिष्ट किस्में, 6 संदर्भ किस्में शामिल थीं, जबकि दूसरे वर्ष के परीक्षण में 3 हाइब्रिड और 6 संदर्भ किस्में शामिल थीं। इन परीक्षणों की मॉनीटरिंग 10.03.2025 को की गई।

प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए टमाटर की किस्में



द्वितीय वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए टमाटर की किस्में



बैंगन: प्रथम वर्ष के परीक्षण में 5 नई वंशावलियाँ का परीक्षण किया गया, जिनमें 2 हाइब्रिड, 1 विशिष्ट किस्म, 6 संदर्भ किस्में और द्वितीय वर्ष के परीक्षण में 2 हाइब्रिड और 2 संदर्भ किस्में शामिल थीं, और 10.03.2025 को परीक्षण की निगरानी की गई। टमाटर और बैंगन में 47 आकारिकीय लक्षणों के संबंध में प्रेक्षण दर्ज किए गए।

भिंडी

प्रथम वर्ष के परीक्षण में चार (4) भिंडी हाइब्रिड और द्वितीय वर्ष के परीक्षण में आठ (8) हाइब्रिड और सात (7) संदर्भ किस्मों को वर्ष 2024 के दौरान डीयूएस परीक्षण के लिए उगाया गया। परीक्षण पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली द्वारा परिकल्पित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। भिंडी पर डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किस्मों का लक्षणवर्णन **31 आकारिकी लक्षणों** के लिए किया गया।

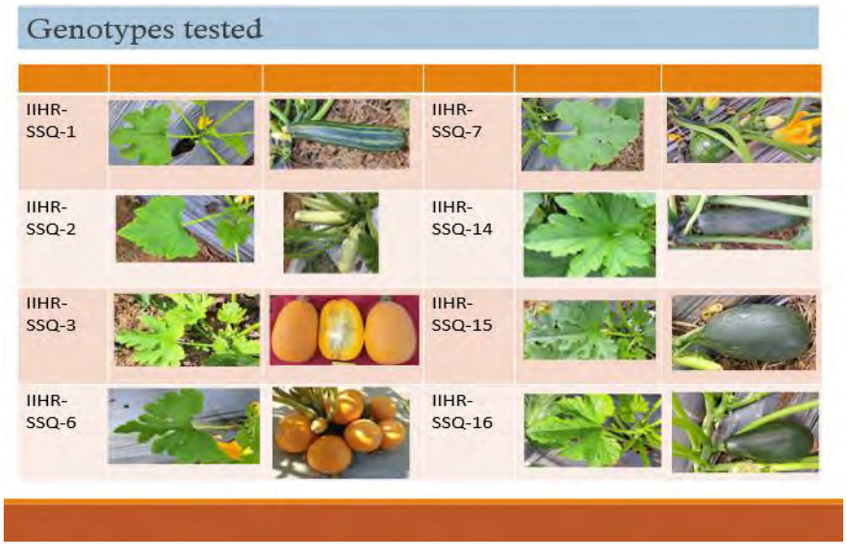
लौकी

लौकी (विद्यमान (वीसीके): 2 हाइब्रिड और 5 विशिष्ट किस्में) की सात किस्में मार्च, 2025 के दौरान बोई गईं। पाँच समूहीकरण लक्षणों, जैसे कि फल संख्या, फल की लंबाई, फल का व्यास, फल का आकार और फल के छिलके के रंग के संबंध में आँकड़े दर्ज किए गए। निम्नलिखित प्रेक्षण दर्ज किए गए:

- वरुण वर्ग की किस्मों (REG/2024/0506), HVBO-017M (REG/2024/0685) और HVBO-20F (REG/2024/0686) के लिए दावा किए गए फल के व्यास, प्रेक्षित प्रेक्षण से मेल नहीं खाते।
- जयदेव वर्ग की किस्मों (REG/2024/0951) और HVBO-20M (REG/2024/0687) के लिए अनुदैर्ध्य खंड में दावा किया गया फल का आकार, प्रेक्षित प्रेक्षण से मेल नहीं खाता।
- प्रत्याशी किस्में जयदेव और एचवीबीओ-20एम, दावा किए गए सभी विशिष्ट लक्षणों की दृष्टि से संदर्भ किस्म पूसा संतुष्टि के समान हैं। इसलिए, विशेष लक्षणों के साथ पुनः परीक्षण की अनुशंसा की जाती है।
- आरएचआरबीजी-54 (फुले गौरव) (आरईजी/2024/1241) के मामले में, फल की लंबाई के लिए दावा की गई टिप्पणी (2) है, जो डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट नहीं है।

समर स्क्वैश

समर स्क्वैश (*कुकुरबिटा पेपो* एल) में ग्रीष्म ऋतु के दौरान 2024-25 के दौरान सत्ताईस वंशवलियों को वियोजित किया गया जिनमें 32 लक्षणों के संबंध में कोई ऑफ टाइप्स नहीं पाए गए। लक्षणों के समूह में, फल की आकृति और फल की त्वचा का रंग ऐसे विशेषक पाए गए जिन्हें आसानी से विभेदित किया जा सका। तदनुसार, फलों की आकृति के लिए आठ समूह, यथा बटर कप (1), बेलन की आकृति (9), क्लब की आकृति (1), अंडे की आकृति (7), नाशपाती की आकृति (2), गोल आकृति (5), डिस्क की आकृति (1), चपटी आकृति (1) पाए गए। इसी प्रकार, वंशावलियों का वर्गीकरण फलों के छिलके के रंग: नारंगी (3), सफेद (2) और हरा (20), पीला (2) के अनुसार किया गया।



करेला, लौकी, खीरा, कद्दू

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

लौकी की ग्यारह किस्मों (6 प्रत्याशी हाइब्रिड, 4 विशिष्ट और 1 एफवी, विशिष्ट), करेले की चौदह किस्मों (13 प्रत्याशी हाइब्रिड, और 1 एफवी, विशिष्ट), खीरे की अठारह किस्मों (4 प्रत्याशी हाइब्रिड, 4 हाइब्रिड और 8 एफवी, विशिष्ट) और कद्दू की बारह किस्मों (5 हाइब्रिड और 7 विशिष्ट) का मूल्यांकन किया गया। प्रथम वर्ष - 2024-25 के लिए डीयूएस परीक्षण हेतु निम्नलिखित चार कद्दूवर्गीय फसलों की किस्मों का मूल्यांकन किया गया:

क. लौकी - 08 (3 प्रत्याशी हाइब्रिड, 4 विशिष्ट और 1 एफवी, विशिष्ट)

ख. करेला - 06 (5 प्रत्याशी हाइब्रिड और 1 एफवी, विशिष्ट)

ग. कद्दू - 12 (5 हाइब्रिड और 7 विशिष्ट)

घ. खीरा - 14 (2 प्रत्याशी हाइब्रिड, 4 हाइब्रिड और 8 विशिष्ट)

2. डीयूएस कद्दूवर्गीय फसलों के द्वितीय वर्ष - 2024-25 के तहत, निम्नलिखित चार कद्दूवर्गीय फसलों का परीक्षण किया गया:

क. लौकी - 03 (3 प्रत्याशी हाइब्रिड)

ख. करेला - 08 (8 प्रत्याशी हाइब्रिड)

ग. खीरा - 4 (4 प्रत्याशी हाइब्रिड)

2024-2025 के दौरान बोई गई लौकी, करेला, खीरा और कद्दू की फसलें और दर्ज किए गए आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	लौकी	श्रेणी	टिप्पणी
1	2890/2137/H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
2	2890/2180/H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
3	23BDWA401	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
4	22BOGH 1	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
5	22BOGH 2	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
6	22BOGH3	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
7	2890/2115	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
8	23BOPUAL02	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
9	23BOPUT103	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
10	23BONAAR04	विशिष्ट	अंकुरण नहीं हुआ
11	2890/2130 एफवी	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
क्र.सं.	करेला	श्रेणी	टिप्पणी
1	23BIVIEK01H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
2	23BIUS1402H	प्रत्याशी हाइब्रिड	अंकुरण नहीं हुआ
3	23BIAASH03H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
4	2890/2136/H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
5	2890/2162/H	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
6	2879/3615 एफवी,	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
7	22BIGH1	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
8	22BIGH2	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
9	22BIGH3	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
10	22BIGH4	प्रत्याशी हाइब्रिड	अंकुरण नहीं हुआ
11	22BIGH5	प्रत्याशी हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
12	22BIGH6	प्रत्याशी हाइब्रिड	अंकुरण नहीं हुआ
13	22BIGH7	प्रत्याशी हाइब्रिड	अंकुरण नहीं हुआ
14	22BIGH8	प्रत्याशी हाइब्रिड	अंकुरण नहीं हुआ

क्र.सं.	खीरा	श्रेणी	टिप्पणी
1	REG/2024/0019	हाइब्रिड	
2	REG/2024/0020	हाइब्रिड	
3	REG/2024/0036	हाइब्रिड	
4	REG/2024/0039	हाइब्रिड	
5	REG/2024/0016	विशिष्ट	
6	REG/2024/0017	विशिष्ट	अंकुरण नहीं हुआ
7	REG/2024/0018	विशिष्ट	
8	REG/2024/0037	विशिष्ट	
9	REG/2024/0038	विशिष्ट	
10	REG/2024/0040	विशिष्ट	
11	REG/2024/0041	विशिष्ट	
12	REG/2024/0042	विशिष्ट	
13	2887/2253/H	प्रत्याशी हाइब्रिड	
14	23CUINHT01H	प्रत्याशी हाइब्रिड	
15	22 Cu H1	प्रत्याशी हाइब्रिड	
16	22 Cu H2	प्रत्याशी हाइब्रिड	
17	22 Cu H3	प्रत्याशी हाइब्रिड	
18	22 Cu H4	प्रत्याशी हाइब्रिड	
क्र.सं.	कद्दू	श्रेणी	टिप्पणी
1	REG/2023/0155	हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
2	REG/2023/0157	हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
3	REG/2023/0158	हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
4	REG/2023/0159	हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
5	REG/2023/0005	हाइब्रिड	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
6	REG/2023/0156	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
7	REG/2023/0160	विशिष्ट	अंकुरण नहीं हुआ
8	REG/2023/0165	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
9	REG/2024/0004	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
10	REG/2024/0006	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
11	REG/2024/0007	विशिष्ट	कोई भी ऑफ टाइप नहीं पाया गया
12	REG/2024/0008	विशिष्ट	अंकुरण नहीं हुआ

केंद्र में अनुरक्षित किस्में

क. लौकी - 18 (पूसा संदेश, पूसा नवीन, पूसा संतुष्टि, पूसा समृद्धि, पंजाब लॉन्ग, केबीजीआर-12, अर्का बहार, काशी गंगा, नरेंद्र धारीदार, पंत लौकी-1, कल्याणपुर लॉन्ग ग्रीन, नरेंद्र ज्योति, नरेंद्र रश्मी, एबीजी 1, एनडीबीजी-619, पंत लौकी-3, वीआरबीजी-136, एनडीबीजी-132)।

ख. करेला - 17 (पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी, पंत करेला-1, काशी उर्वशी, पंजाब-14, सीओ-1, फुले उज्वला, प्रीति, एनडीबीटी-7, हिरकानी, कल्याणपुर बारामासी, एनडीबीटी-9, फुले ग्रीन गोल्ड, मेघना-2, एचएबीजी-21, एचएबीजी-22, और अर्का हरित)

ग. खीरा - 10 (स्वर्ण अगेती, स्वर्ण पूर्णा, पंजाब नवीन, कल्याणपुर ग्रीन, स्वर्ण शीतल, फुले शुभांगी, जापानी लॉन्ग ग्रीन, हिमांगी, पंत खीरा-1 और वीआर-101 (जीनप्ररूप)।

3.1.15. चौलाय, पालक, तुरई के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक



तुरई की 9, चौलाय की 19 और पालक की 5 किस्मों सहित संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया। चौलाय की केवल एक प्रत्याशी किस्म का डीयूएस लक्षणवर्णन वर्ष 2024-25 में किया गया।

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

डीयूएस-24-278 (टीजी-1143), आईएआरआई, नई दिल्ली।
प्रत्याशी किस्मों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

क. चौलाय

परीक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। किस्मों का मूल्यांकन तीन पुनरावर्तनों के साथ एक यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन (आरबीडी) में किया गया, और प्रत्येक पुनरावर्तन में 10 पौधों से प्रेक्षण दर्ज किए गए।

तालिका 1: अनुरक्षित की गई चौलाय किस्मों की सूची

1.अर्का संरक्षण	8. पूसा किरण	15. IIHR-109-1
2. अर्का वर्ण	9. RNA-1	16. IIHR 109-4
3. अर्का अरुणिमा	10. कृष्णा श्री	17. IC-551606
4. रेने श्री	11. CO-2	18. IC551608
5. पूसा लाल चौलाई	12. CO-3	19. कन्नारा लोकल
6. अर्का सुगुना	13. CO-4	
7. अरुण	14. CO-5	

ख. पालक

पालक फसल पर परीक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। किस्मों का मूल्यांकन आरबीडी डिज़ाइन में तीन पुनरावर्तनों के साथ किया गया और प्रेक्षण प्रत्येक पुनरावर्तन में 10 पौधों से रिकॉर्ड किए गए। सभी अपेक्षित लक्षणों के लिए दृश्य और अनुमापनीय लक्षणों के आँकड़े डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किए गए।

तालिका 2: अनुरक्षित की गई पालक किस्मों की सूची

1. ऑल ग्रीन	4 अर्का अनुपमा
2 पूसा भारती	5. Co-1
3. पूसा हरित	6. HS-23

ग. तुरई

तुरई फसल पर परीक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। किस्मों का मूल्यांकन यादृच्छिक पूर्ण ब्लॉक (आरबीडी) डिज़ाइन में तीन पुनरावर्तनों में किया गया, जिनमें प्रत्येक पुनरावर्तन में 10 पौधे थे।

तालिका 3: अनुरक्षित की गई तुरई किस्मों की सूची

1. पूसा नसदर	6. फुले सुचेता
2. अर्का सुमीत	7. अर्का सुजात
3. गर्ग-1	8. Co-1
4. जयपुर लांग	9. दीप्ति.
5. पूसा नूतन	

चौलाय की तस्वीरें : चयनित संदर्भ किस्में, खेती की निगरानी और विद्यमान किस्म











चौलाय खेत की निगरानी

विद्यमान किस्म : स्वर्ण रक्तिम (आरईजी/2020/365)

फसल सुधार केंद्र, एस. डी. कृषि विश्वविद्यालय, एस. के. नगर: चौलाय पर डीयूएस परीक्षण केंद्र

नीचे सूचीबद्ध चौलाय की कुल 18 वंशावलियाँ की बुवाई 13/11/2024 को की गई और कटाई 16/03/2025 को की गई। इन वंशावलियों को अनुरक्षित किया गया। डीयूएस लक्षणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए।

प्लेट- I: हाइपोकोटाइल्स की पौध का एंथोसायनिन रंग



GA 1

(अनुपस्थित)



GA 2

(वर्तमान)



GA 3

वर्तमान



GA 4

(वर्तमान)



GA 5

(वर्तमान)



GA 6

(अनुपस्थित)

3.1.16. पत्तागोभी और फूलगोभी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

फूलगोभी के परीक्षण के पहले वर्ष में डीयूएस लक्षणवर्णन हेतु नई श्रेणी में एक किस्म थी (एडीवी-235, मध्य-अगेती परिपक्वता समूह की)। दूसरे वर्ष के लिए डीयूएस परीक्षण हेतु वंशावली एससीएफएच-1014 थी (अगेती परिपक्वता समूह की)।



भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, कटरैन, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

2024-25 के दौरान, पत्तागोभी की 18 किस्मों और फूलगोभी की 11 किस्मों का लक्षणवर्णन, परिष्करण और उचित अनुरक्षण किया गया। लक्षणवर्णन डेटा का उपयोग पत्तागोभी और फूलगोभी दोनों के लिए संशोधित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित करने के लिए किया गया। 2024-25 के दौरान डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए कोई भी प्रत्याशित किस्म नहीं भेजी गई।

आनुवंशिक लक्षणवर्णन कार्यक्रम के तहत फूलगोभी की किस्में/हाइब्रिड

	
पूसा स्नोबॉल हाइब्रिड-1	**पूसा स्नोबॉल हाइब्रिड-2**

	
पूसा हाइब्रिड-301	**पूसा बैंगनी फूलगोभी-1**

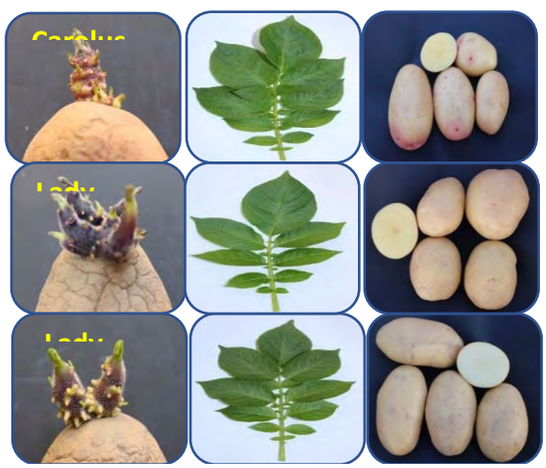
3.1.17. आलू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला, जालंधर और मोदीपुरम

प्रतिवेदधीन अवधि 2024-25 में मेसर्स टेक्निको एग्री साइंसेज लिमिटेड की लेडी फोर्टे, लेडी लूस, लेडी एलिसिया, लेडी जेन, साउंड, सीएमके 2009 630-001 जैसी प्रत्याशी किस्मों और मेसर्स सिद्धिविनायक लिमिटेड की डेस्टिनी, पैलेस, अलमेरा, बेयोंस, कैरोलस, प्रिंस के साथ-साथ संदर्भ किस्मों यानी संताना, लेडी रोसेटा, कुफरी ज्योति और कुफरी जवाहर का मूल्यांकन वानस्पतिक और कंद लक्षणों के लिए सीपीआरआई आरएस मोदीपुरम और जालंधर में किया गया।

कुफरी हिल्स में ग्रीष्मकालीन फसल मौसम में, प्रत्याशी किस्मों, यथा मेसर्स उत्कल ट्यूबर्स लिमिटेड की बस्टर, बफैलो, कमांडो, इन्फिनिटी, फैंडैंगो, टोरनेडो, जावा, अंटार्कटिका; मेसर्स सिद्धिविनायक लिमिटेड की डेस्टिनी, पैलेस, अलमेरा, बेयोन्से, कैरोलस, प्रिंस; मेसर्स महिंद्रा एचजेडपीसी लिमिटेड की हरमोसा, सन रेड, सुनीता, अल्वरस्टोन रसेट, डेलिया रेड; और मेसर्स टेक्निको एग्री साइंसेज लिमिटेड फर्म की लेडी जेन, लेडी एलिसिया, साउंड का मूल्यांकन सत्रह विशेषकों वाले पुष्प लक्षणों के संबंध में कुफरी सूर्या, कुफरी ज्योति, कुफरी पुखराज, सैन्टाना, कुफरी फ्राइसोना, कुफरी ख्याति, मेम्फिस, डायमंड, लेडी रोसेटा, अटलांटिक, कुफरी लौवकर और कुफरी चिप्सोना-1 किस्मों के लिए किया गया।

डीयूएस संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण : दो सौ अठावन (258) संदर्भ किस्मों को सीपीआरआई, शिमला में *इन-विट्रो* स्थितियों में अनुरक्षित किया गया, जबकि प्रत्येक 259 को क्रमश: सीपीआरआई, कुफरी-फागू इकाई, कुफरी और सीपीआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, मोदीपुरम में खेत स्थितियों में अनुरक्षित किया गया।



3.1.18. प्याज और लहसुन के लिए डीयूएस केंद्र

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र

प्याज

वर्ष 2024-25 के दौरान, पाँच खरीफ और एक रबी प्याज प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण किया गया। वंशावलियों के लिए बीज क्रमशः खरीफ और रबी मौसम के लिए 02.07.2024 और 21.10.2024 को प्राप्त हुए। सभी पाँच खरीफ किस्में, अर्थात। EWR-401 (Reg/2019/10), NOO-74 (Reg/2022/0122), 23ONBHTI02, 23ONBHED04 और 23ONBHER05 और एक रबी किस्म फुले स्वामी विशिष्ट किस्में थीं। खरीफ मौसम के दौरान निगरानी 1.11.2023 और 2.11.2023 को की गई। *रबी* से संबंधित वंशावली (फुले स्वामी) में बीज अंकुरण की कोई सूचना नहीं मिली।

लहसुन

लहसुन के मामले में, छह *रबी* मौसम की प्रत्याशी किस्मों, अर्थात रियावन सिल्वर, विजय लहसुन-1, जनक लहसुन, देसी लहसुन, अकील लहसुन और पहाड़ी मोटा लहसुन के लिए बीज 29.08.2024, 21.10.2024 और 5.11.2024 को प्राप्त हुए। *रबी* 2024-25 के दौरान सभी छह विशिष्ट (एफवी) किस्मों का मूल्यांकन डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए किया गया और 25.2.2025 और 24.3.2025 को उनकी निगरानी की गई।

प्याज की नौ किस्मों (भीमा किरण, भीमा शक्ति, भीमा लाइट रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा डार्क रेड, भीमा शुभ्रा और भीमा सफेद) के साथ-साथ लहसुन की एक किस्म भीमा ओंकार को पीपीवी और एफआरए के पास पंजीकृत किया गया। प्याज की एक किस्म भीमा श्वेता और लहसुन की एक किस्म भीमा पर्पल पीपीवी और एफआरए के पास पंजीकरण के अधीन हैं।

भाकृअनुप-डीओजीआर प्याज और लहसुन के डीयूएस परीक्षण के संचालन और इस परियोजना के अंतर्गत 69 प्याज और 30 लहसुन किस्मों के अनुरक्षण के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। प्याज और लहसुन की इन किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में माना जाता है। प्याज में, 57 रबी मौसम की किस्में और 12 खरीफ मौसम की किस्में और लहसुन में 30 किस्मों का अनुरक्षण भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे में किया जा रहा है। लॉन्ग डे प्याज और लहसुन की किस्मों को भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर में तथा मल्टीप्लायर प्याज किस्मों को टीएनएयू, कोयंबटूर में अनुरक्षित किया जा रहा है। डीयूएस परियोजना के अंतर्गत प्याज और लहसुन की सभी अनुरक्षित किस्मों में संपूर्ण आँकड़े डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किए गए।





डीयूएस परियोजना के तहत प्याज एवं लहसुन किस्मों का अनुरक्षण

लक्षण 16/13 बल्ब: शुष्क त्वचा के मूलभूत रंग (सामान्य प्याज/मल्टीप्लायर प्याज)



सफ़ेद | पीला | गुलाबी | हलका लाल

1 | **2** | **3** | **4**



मध्यम लाल | गहरा लाल | भूरा | काला

5 | **6** | **7** | **8**

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

प्याज:

खरीफ मौसम के लिए, पाँच वंशावलियों अर्थात REG/2019/10 (EWR-401), REG/2022/0122 (2889/2141) N00-74, भीमा शक्ति (23ONBHTI02), भीमा डार्क रेड (23ONBHED04) और भीमा सुपर (23ONBHER05) की बुवाई 12 जुलाई 2024 को नर्सरी में की गई। भीमा डार्क रेड के बीज अंकुरित नहीं हुए। भीमा राज के बीज प्राप्त नहीं हुए जिसके बारे में हमने सूचना पीपीवी एवं एफआरए को दी। संदर्भ किस्मों यानी भीमा शक्ति और भीमा सुपर के साथ रोपाई 10 सितंबर 2024 को की गई। स्वस्थ फसल उगाने के लिए मानक कृषि विधियों का पालन किया गया और डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार प्रेक्षण दर्ज किए गए तथा रिपोर्ट प्रस्तुत की जा रही है।

रबी मौसम में परीक्षण के लिए प्राप्त केवल एक वंशावली, फुले स्वामी (RHROR-12) के बीजों को नवंबर, 2024 में बोया गया और जनवरी 2025 के दौरान पौधों की रोपाई की गई।

केंद्र इस परियोजना के अंतर्गत प्याज की 30 और लहसुन की 12 किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है। प्याज और लहसुन की इन किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में माना जाता है।



चित्र 1: भीमा शक्ति (23ONBHT102)



चित्र 2: भीमा सुपर 23ONBHER05



चित्र 3: REG/2019/10 (EWR-401)



चित्र 4: REG/2022/0122 (2889/2141) NOO-

3.1.19. मिर्च, शिमला मिर्च और लाल शिमला मिर्च के लिए डीयूएस केंद्र

डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय, लाम फार्म, गुंटूर, आंध्र प्रदेश

प्राप्त की गई 43 वंशावलियों में से, 8 नई, प्रथम वर्ष के लिए 24 वीसीके और 2 विशिष्ट नई वंशावलियाँ, 4 हाइब्रिड नई वंशावलियाँ और दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए परीक्षण कोड सहित 5 संदर्भ वंशावलियों का मूल्यांकन डीयूएस लक्षणों के लिए आरएचआरएस, डॉ. वाईएसआरएचयू, लाम गुंटूर में 21 संदर्भ किस्मों के साथ किया गया। बीजों को 07-09-2024 को प्रोट्रे में बोया गया। प्रोट्रे में बोई गई 43 वंशावलियों में से, अंकुरण प्रतिशत 70 प्रतिशत से अधिक था। मूल्यांकन के लिए पौधों को प्रायोगिक ब्लॉक में 10-10-2024 को प्रत्यारोपित किया गया। डीयूएस प्रायोगिक भूखंडों को विनिर्देशों के अनुसार अच्छी तरह से अनुरक्षित किया गया। डीयूएस लक्षणों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया गया। कुछ वंशावलियों को फसल विकास के अंतिम चरण में *मिर्च पत्ती कुंचन विषाणु* और काले काष्ठकीट से संक्रमित किया गया। सभी वंशावलियों का मूल्यांकन डीयूएस लक्षणों के लिए किया गया और डीयूएस वंशावलियों की निगरानी सफलतापूर्वक की गई।





बागवानी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, देवीहोसुर (यूएचएस, बागलकोट)

कुल मिलाकर, 38 प्रत्याशित वंशावलियाँ प्राप्त हुई जिनके साथ 15 खुले परागण वाली किस्मों और 6 हाइब्रिड किस्मों को संदर्भ किस्मों/हाइब्रिड के रूप में शामिल किया गया। पौधों को पोर्ट्रेट (DOS-5 सितंबर 2024) में उगाया गया। पोर्ट्रेट में बोई गई 38 वंशावलियों में से, सभी वंशावलियाँ अंकुरित हुई और एक वंशावली RHHP0431 में 50% से कम अंकुरण दर्ज किया गया। 7 से 8 अक्टूबर 2024 को उगाए गए पौधों को मूल्यांकन के लिए प्रायोगिक ब्लॉक में प्रत्यारोपित किया गया। मिर्च के पौधों की देखभाल की गई और नियमित छिड़काव (जैव-अभिकारकों और रसायनों के साथ) के साथ उनका अनुरक्षण किया गया।

2024-25 में प्रत्याशित किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण

फसल	प्रत्याशी /नई किस्में						वीसीके	संदर्भ किस्में	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां			द्वितीय वर्ष वंशावलियां					
	हाइब्रिड	विशिष्ट	एफवी	हाइब्रिड	F1 हाइब्रिड SMG	विशिष्ट			27-01-2025
मिर्च	21	11	-	4	-	2	-	21	
	21	11	-	4	-	2	-	21	



निरीक्षण दल का 27.01.2025 को डीयूएस परीक्षण भूखंड का दौरा



3.1.20. तरबूज और खरबूजे के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान

वर्ष 2024 के ग्रीष्म ऋतु के दौरान, प्रत्याशी हाइब्रिड (22 Wm H1 और 22 Wm H2) के तहत 02 तरबूज़ों का डीयूएस परीक्षण किया गया। खरबूजे में प्रत्याशी हाइब्रिड श्रेणी के अंतर्गत 03 वंशावलियों, अर्थात 22 Mu H1, 22 Mu H2 और 22 Mu H3, का डीयूएस परीक्षण किया गया।



तरबूज वंशावलियाँ

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

- तरबूज़ (प्रत्याशी हाइब्रिड-WM 20-2) और शिमोगा हाइब्रिड (WM 20-2 F1 SMG) की एक वंशावली के साथ-साथ दस संदर्भ किस्मों का डीयूएस परीक्षण हाल ही में किया गया। फसल 28 फ़रवरी 2022 को बोई गई और 27 लक्षणों पर आँकड़े दर्ज किए गए।

- 10 संदर्भ किस्मों में अर्का माणिक, शुगर बेबी, AHW-19, AHW-65, क्रिमसन स्वीट, दुर्गापुर लाल, दुर्गापुर केसर, असाही यमातो, थार मानक, अर्का मुथु शामिल हैं।

खरबूजा:

- वर्ष 2021-22 के दौरान डीयूएस परीक्षण के लिए 34 लक्षणों पर खरबूजे की तीन विशिष्ट किस्में (22 MM-1, 22 MM-2, 22 MM-3) और चार हाइब्रिडों (MM 22 H1, MM 22 H2, MM 22 H3, MM 22 H4) को पाँच संदर्भ किस्मों के साथ उगाया गया। फसल 9 मार्च 2022 को बोई गई।

- ग्रीष्म ऋतु, 2021-22 के दौरान खरबूजे की 12 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित और पुनर्जीवित किया गया।

3.1.21. परवल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल

डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के वैधीकरण हेतु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के विभिन्न हिस्सों से परवल की 18 संदर्भ किस्मों सहित 36 जीनप्ररूप/किस्में एकत्र की गई। प्रत्येक जीनप्ररूप की तने की कलम नवंबर, 2023 के दूसरे सप्ताह के दौरान 5 सेमी गहरे गड्ढों में रोपी गई।

परीक्षण में उगाई जाने वाली चयनित किस्मों की विशिष्टता के आकलन में सुविधा के लिए उन्हें समूहों में विभाजित किया गया। समूहीकरण के प्रयोजनार्थ, उपयुक्त विशिष्टताएँ व लक्षण वे हैं जो अनुभव से ज्ञात होते हैं कि किसी किस्म में कोई भिन्नता तो नहीं है, या है भी तो कुछ हद तक किसी किस्म के भीतर ही हो। किस्मों की व्यंजकता अवस्थाएँ (यहाँ तक कि विभिन्न स्थानों पर उत्पादित फसलें) पूरे संग्रह में समान रूप से वितरित थीं।

परवल की कृषिजोपजातियों/ किस्मों / हाइब्रिडों और पैतृक क्लोनों के समूहीकरण के लिए निम्नलिखित लक्षणों का उपयोग किया गया।

क्र.सं.	पादप भाग	:	विशेषताएं /लक्षण
क.	पत्ती: आकृति	:	(लक्षण 2)
ख.	फल: आकृति	:	(लक्षण 15)
ग.	फल: त्वचा का प्राथमिक रंग	:	(लक्षण 16)
घ.	फल: सतह का रंग पैटर्न	:	(लक्षण 17)
ड.	फल: लंबाई	:	(लक्षण 19)

भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

परवल की अट्ठाईस किस्में विभिन्न केंद्रों से एकत्रित की गईं और डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित की गईं। ये किस्में विभिन्न केंद्रों, अर्थात आई.आई.वी.आर., वाराणसी और बी.सी.के.वी. कल्याणी से एकत्रित की गईं। संदर्भ सेट को 25 डीयूएस गुणों के संदर्भ में लक्षणवर्णित किया गया।



बीसीपीजी-1



काशी अमूल्या



काशी परवल-141



काशी सुफल

चित्र: कुछ संदर्भ परवल किस्मों की फल आकारिकी

3.1.22. सुपारी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

40 किस्में (4 विमोचित, 36 एफवी/वीसीके/जननद्रव्य) अनुरक्षित किए गए - सूची अनुलग्नक में संलग्न है।

11 एग्जाम्प्ल किस्मों और 29 जननद्रव्य वंशक्रामें में दर्ज डीयूएस लक्षणों को अनुलग्नक II में दर्शाया गया है।

7. आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम, प्रकाशन और अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ, यदि कोई हों:

पान की स्थानीय किस्मों को एकत्रित करने के लिए 19.02.2025 को कर्नाटक के शिमोगा जिले के मज्जिगेसरा, थिथाहेल्ली क्षेत्रों का दौरा किया गया, जहाँ किसान सुपारी के समर्थन के तहत पान की 15 किस्मों की खेती कर रहे थे। (फोटो संलग्न)





किसान का खेत

8. पीपीवी और एफआरए के पास जमा आवेदन (केवल 147 अधिसूचित फसल प्रजातियों के लिए लागू। अन्य ने कॉलम 2 और 3 को भरा, यदि लागू था) - एनए।

फसलें	1966 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	1999 से केंद्र द्वारा अधिसूचित किस्मों की संख्या	दाखिल किए गए आवेदनों की सं. विद्यमान		अधिसूचित नई वीसीके किस्में	जारी प्रमाणपत्रों की सं.	लंबित आवेदन	बिलंब का कारण
पान	-	-	-	-	-	-	-	-

9. 2025-2026 के लिए योजना

- पान की एग्जाम्प्ल किस्मों का अनुरक्षण और लक्षणवर्णन करना।
- पान की संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण और लक्षणवर्णन करना।
- पान की अन्य किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन करना।

बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल

बंद (बोरोज) खेती प्रणाली के अंतर्गत एग्जाम्प्ल किस्मों का जननद्रव्य संवर्धन और अनुरक्षण

देश के विभिन्न भागों से एकत्रित पान की किस्मों का अनुरक्षण दो स्थानों, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी), कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल में बोराजा संरचना के अंतर्गत किया जा रहा है। परियोजना के इस सह-नोडल केंद्र में कुल 41 वंशक्रम/किस्में अनुरक्षित की गई हैं (तालिका-1)। इसमें डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में उल्लिखित सभी एग्जाम्प्ल किस्में शामिल हैं। इसके अलावा, इस केंद्र में कुछ हाइब्रिड वंशक्रमों का भी अनुरक्षण किया जा रहा है।

तालिका-1. बीसीकेवी में अनुरक्षित *पाइपर बीटल* एल की किस्मों की सूची (चित्र.1)

बांग्ला किस्में				**सांची किस्में**	
1.	बागेरहाट बांग्ला	16	लक्ष्मण	30	हालिसहर सांची
2	बांकुरा बांग्ला	17	मलिशापुर बांग्ला	31	कालीपट्टी
3	बभनी बांग्ला	18	सादा बांग्ला (बहेरल)	32	सिमुराली सांची
4	भैंचीगोड़ी	19	सादा बांग्ला (फतेपुर-1)	33	गंगारामपुर सांची
5	भौरारखोला	20	सादा बांग्ला (फतेपुर-2)	**कपूरी किस्में**	
6	डोगापन सदा	21	सादा बांग्ला (गंगारामपुर)	34	CARI-6 (AN)
7	घनगेट	22	एसजीएम-1	35	कपूरी (चिनाचेप्पली)
8	गोदी बांग्ला	23	सिमुराली भाबना	36	कपूरी (डोड्डीपाटला)
9	हालिसहर झाल	24	सिमुराली चामुंडली	37	कपूरी (पेदाचेप्पली)
10	हरिश्पुर बांग्ला	25	सिमुराली देशी	38	कपूरी (स्वर्णा)
11	जबलपुर बांग्ला	26	सिमुराली गोले बभना	**मीठा किस्में**	
12	कदवा	27	उत्तरे पान	39	मीठा-1
13	काल बगिनी	28	CARI-2 (AN)	40	मीठा-2
14	काली बंगला	29	बिलहरी	41	मीठा-3
15	कोटकी बांग्ला				

- पश्चिम बंगाल से दो कृषक किस्में एकत्र की गईं और बोरेजा में रोपित की गईं।



चित्र 1: बोरेजा के भीतर पान की किस्में



चित्र 2. बोरेजा (बाहर और अंदर)

3.1.23. आंवला (*इंडियन गूसबेरी*) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

इस अवधि के दौरान, आंवला की 8 किस्मों का अनुरक्षण फील्ड जीन बैंक (एफजीबी) में किया जा रहा है। डीयूएस परीक्षण 01 प्रत्याशित किस्म पर किया गया और 7 नई किस्मों को प्राधिकरण के पास पंजीकरण के लिए प्रस्तुत किया गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार के आंवला उद्यमियों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली में अपनी किस्मों का पंजीकरण कराने के लाभों के बारे में जागरुक किया गया। इस अवधि के दौरान, एक कृषक किस्म के रूप में प्रमाण पत्र जारी किया गया।

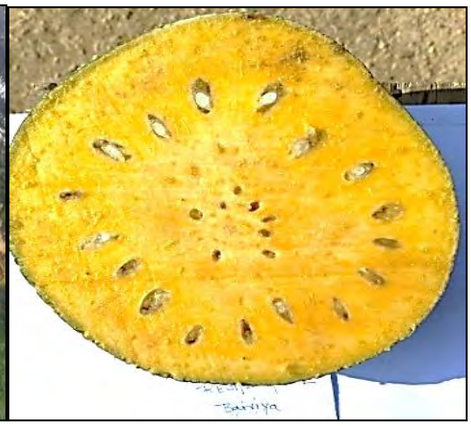


अहमदनगर एम.एस. में संजीवनी गुलाबी आंवला

3.1.24 बेल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

इस अवधि के दौरान, बेल की 11 किस्मों का अनुरक्षण फील्ड जीन बैंक (एफजीबी) में किया जा रहा है, और 16 संदर्भ किस्मों और 4 कृषक किस्मों का वैधीकरण किया गया। 6 प्रत्याशित किस्मों पर ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण किया गया, जिनमें गोंडा (उत्तर प्रदेश) से दो, गढ़वा (झारखंड) से एक और जांजगीर-चापा (छत्तीसगढ़) से 3 किस्में शामिल थीं। जमशेदपुर (झारखंड) में बेल की 2 और सिमडेगा (झारखंड) में एक प्रत्याशी किस्म का वैधीकरण किया गया। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ के किसानों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली में अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने के लाभों के बारे में जागरुक किया गया। इस अवधि के दौरान, 9 किस्मों का वैधीकरण किया गया। प्राधिकरण द्वारा किसानों को कृषक किस्म के रूप में प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए हैं तथा जांजगीर चापा (छत्तीसगढ़) में बेल के डीयूएस लक्षणों का वैधीकरण प्राप्त करने के लिए अभी भी 9 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं।

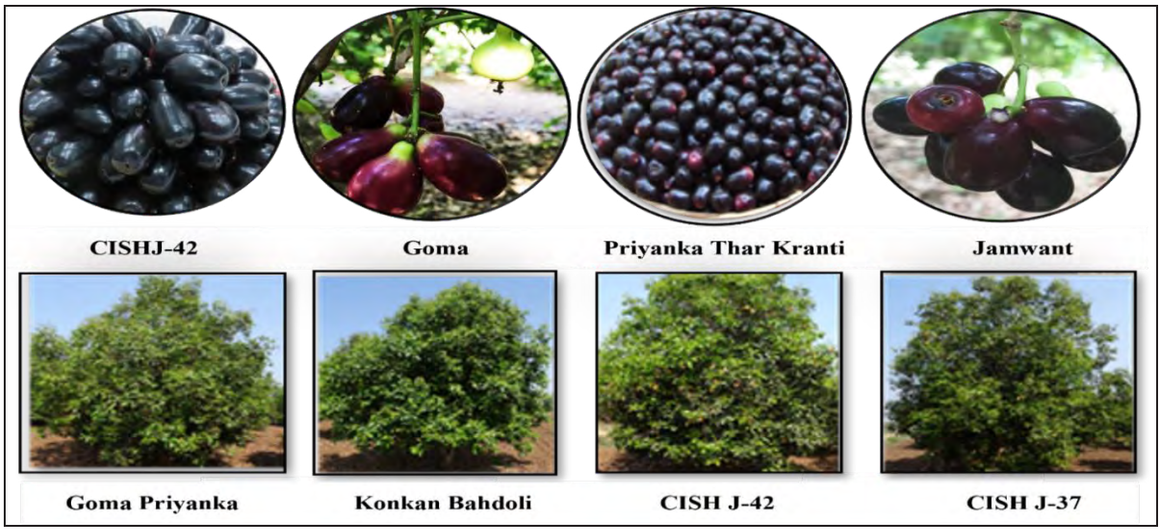
3.1.25. जामुन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

जामुन की कुल 7 संदर्भ किस्मों को अनुशंसित कृषि विधियों के अंतर्गत फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान वृक्ष के विकास और फल की गुणवत्ता से संबंधित लक्षणों के लिए डीयूएस विवर्णकों का उपयोग करके कुल 22 वंशावलियों का लक्षणवर्णन किया गया। किसानों को अपनी जामुन किस्मों को पीपीवी और एफआरए के पास पंजीकृत कराने के लिए जागरुक किया गया।

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, गोधरा, गुजरात

किसानों की किस्मों के परीक्षण हेतु आठ प्रत्याशी/संदर्भ किस्मों (गोमा प्रियंका, कोंकण बहादोली, सीआईएसएचजे-42, थार क्रांति, जामवंत, गोकक-1, राउंड द इअर जामुन, धूपदल) को सीएचईएस, गोधरा के फील्ड रिपोजिटरी में अनुरक्षित किया गया। इनमें से, राउंड द इयर जामुन और धूपदाल किस्में अक्टूबर, 2023 के दौरान एकत्रित की गईं। किस्मों के कुछ खेत दृश्य और मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं:



3.1.26. अमरूद के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

डीयूएस केंद्र में कुल 40 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गईं। अमरूद की किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन संदर्भ किस्मों का उपयोग करके किया गया, जो नई प्रस्तावित अमरूद किस्मों की विशिष्टता और एकरूपता के मूल्यांकन के लिए मानक के रूप में कार्य करती हैं। चल रही पंजीकरण प्रक्रिया के भाग के रूप में, धवल और अर्का पूर्णा अमरूद किस्मों के लिए प्रथम वर्ष के आँकड़े प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, प्रतिवेदनाधीन अवधि के लिए अमरूद की किस्मों, यानी जार्वी रेड-1, ललित और श्वेता के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए। मध्य प्रदेश के सीहोर में अमरूद उत्पादकों को पीपीवी और एफआरए के पास अपनी किस्मों को पंजीकृत करने के लाभों के बारे में जागरुक करने के प्रयास भी किए गए। उत्पादकों को किस्म पंजीकरण से जुड़े कानूनी संरक्षण, मान्यता और प्रत्याशित आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी गई, जिससे इस प्रणाली को व्यापक रूप से अपनाने और स्थानीय अमरूद जननद्रव्य के संरक्षण को बढ़ावा मिला।



3.1.27. लीची के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर, बिहार

डीयूएस विवर्णकों के आधार पर, 20 लीची जीनप्ररूप, जैसे कि शाही, चाइना, बॉम्बे-II, देहरा रोज़, गंडकी योगिता, पूर्वी, सीएचएल-5, सीएचईएस-II, अजहोली, बॉम्बे-I, बेदाना, गंडकी लालिमा, गंडकी संपदा, मंदराजी, कलकत्तिया, रोज़ स्केंटेड, त्रिकोलिया, लोंगिया, ग्रीन, देहरादून का आकारिकी रूप से लक्षणवर्णन किया गया और फील्ड जीन बैंक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर, बिहार में संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया। डीयूएस प्रारूप के अनुसार, पत्ती, पुष्प, फल, फल और बीज से संबंधित लक्षणों सहित पच्चीस लक्षणों का मूल्यांकन किया गया।

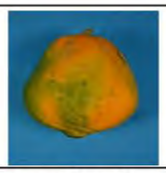
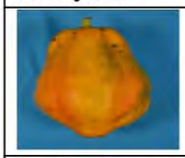


KG-1 का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण

3.1.28. सीताफल और पपीते के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

पपीता: प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान 18 संदर्भ किस्में (अर्का प्रभात, अर्का सूर्या, CO.1, CO.2, CO.5, CO.6, CO.7, CO.8, वाशिंगटन, पूसा नन्हा, कूर्ग हनी ड्यू, ड्वार्फ लिली, पूसा ड्वार्फ, पीएयू सलेक्शन, लखनऊ कलेक्शन, पूसा जायंट, पंत 2, सनराइज सोलो) उगाई गईं और डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए। आनुवंशिक शुद्धता कायम करने के लिए स्व-प्रजनन और सहोदर सहवास कराया गया। प्रत्याशी किस्मों यानी भीमथड़ी सलेक्शन और वीएनआर मधुर के लिए डीयूएस परीक्षण पूरा हो गया है।

					
Coorg Honeydew	Washington	PAU selection	Lucknow Collection	Pusa dwarf	Pusa Nanha
					
Pusa Giant	Dwarf Lily	Arka Surya	Arka Prabhath	Sunrise Solo	Pant-2
					
CO.1	CO.2	CO.5	CO.6	CO.7	CO.8

संदर्भ किस्मों के फल की आकृति

					
Coorg Honeydew	Washington	PAU selection	Lucknow Collection	Pusa dwarf	Pusa Nanha
					
Pusa Giant	Dwarf Lily	Arka Surya	Arka Prabhath	Sunrise Solo	Pant-2
					
CO.1	CO.2	CO.5	CO.6	CO.7	CO.8

पपीता: संदर्भ किस्मों के गूदे का रंग

श्रीफा: रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 10 संदर्भ किस्मों (बालानगर, रायदुर्ग, एपीके-1, लाल सीताफल, मैमथ, बारबाडोस, वाशिंगटन 07005, वाशिंगटन 98797, ताइवान और अर्का सहन) के लिए डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए और उन्हें फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया। पहले वर्ष के लिए अरवी, सीता रामफल, समृद्धि और सुंदर का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण किया गया।

प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण: श्रीफा

फोटो पेज 69



चेक: बालानगर **वीएनआर मधुर**

पखुंडी का अंदरुनी रंग

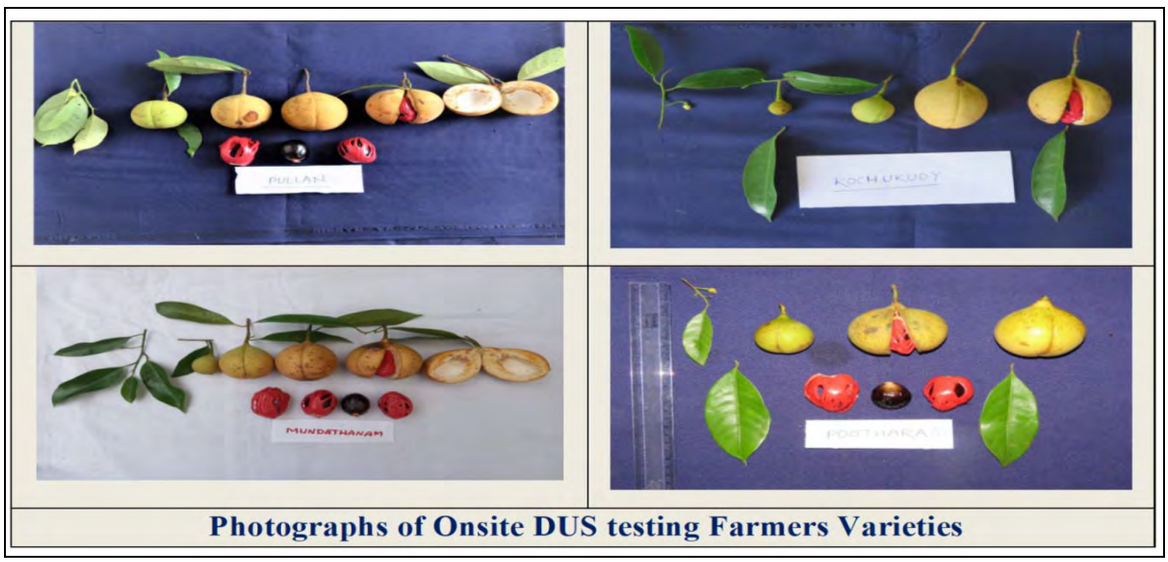


सतह पर खंडीकरण

3.1.29. जायफल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, रतनगिरी, महाराष्ट्र

2018 में, डीयूएस केंद्र, मुल्दे में कुल 13 कृषक किस्में (प्रत्येक के पाँच पौधे) और 32 संदर्भ किस्में रोपित की गईं। केरल के तीन किसानों की कली युक्त कलमों (प्रत्येक की 11 कलमों) का परीक्षण और निरीक्षण, सीईएस वाकावली के टेटवाली ब्लॉक में पंजीकरण हेतु किया जा रहा है। केरल के छह किसानों की किस्मों का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण किया गया और आँकड़े पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान डीयूएस केंद्रों से तीन प्रत्याशित किस्मों का पंजीकरण भी किया गया।



Photographs of Onsite DUS testing Farmers Varieties

ऑनसाइट डीयूएस परीक्षण कृषक किस्मों की तस्वीरें


Awareness about DUS center on Nutmeg to the farmers, students and visitors

जायफल पर डीयूएस केंद्र के बारे में किसानों, छात्रों और आगंतुकों को जानकारी प्रदान करना

3.1.30. काजू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर, कर्नाटक

कुल 44 किस्मों का लक्षणवर्णन और अनुरक्षण किया गया। 30 किस्मों के संदर्भ खंड सहित डेटाबेस स्थापित किया गया। एच-130 (नेत्र गंगा) के लिए दो-वर्षीय डीयूएस परीक्षण डेटा सृजित और संकलित किया गया। नेत्र वामन, नेत्र जंबो-1 (एच-126), वेंगुर्ला-9, पूर्णिमा और नेत्र उभया के लिए प्रथम वर्ष का डीयूएस मूल्यांकन पूरा हो चुका है, जबकि इन किस्मों का द्वितीय वर्ष का मूल्यांकन वर्तमान में प्रगति पर है। नेत्र जंबो-2 का ऑन-साइट डीयूएस मूल्यांकन पहले वर्ष में 25 डीयूएस लक्षणों के लिए चल रहा है। सभी 30 संदर्भ किस्मों और छह प्रत्याशित किस्मों के लिए टैनिन सामग्री, एस्कॉर्बिक एसिड और कुल शर्करा सहित जैव रासायनिक प्राचलों का अनुमान लगाया गया। संदर्भ खंड, जीन बैंक और डीयूएस मूल्यांकन खंड में पौधों को बेहतर दृश्यता के लिए एल्युमिनियम कम्पोजिट शीट से लेबल किया गया। इसके अतिरिक्त, जननद्रव्य मूल्यांकन ब्लॉक में 58 जननद्रव्य वंशावलियां एकत्रित कर रोपित की गई। मुख्य संग्रह से पॉलीक्लोनल हाइब्रिडों के मूल्यांकन के लिए, नौ वंशावलियों (एनआरसी 101, एनआरसी 160, एनआरसी 318, एनआरसी 319, एनआरसी 342, एनआरसी 401, एनआरसी 458, एनआरसी 463, एनआरसी 470) से 42 पौधे रोपे गए।



3.1.31. विलो के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. वाईएस परमार, यूएचएफ, सीओएफ-नौनी-सोलन

विलो के लिए डीयूएस केंद्र वर्तमान में सत्रह विलो (सैलिक्स प्रजाति) संदर्भ किस्मों और एक कृषक किस्म का अनुरक्षण कर रहा है, जिसका उद्देश्य विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। कृषक किस्म 'डूडर-1' को भारत सरकार के पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) द्वारा आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया। कांगड़ा (आलमपुर, पालमपुर, ज्वालाजी), हमीरपुर (भोटा, बड़सर, सुजानपुर) और ऊना (लठियानी, बंगाणा) जिलों में दिसंबर 2024 में और उसके बाद मार्च 2025 में चंबा जिला (चंबा, भनोटा, कांडला, खजियार और कियानी) में प्रशिक्षण-सह-जागरुकता शिविर आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों और पंचायत प्रतिनिधियों को पीपीवीएफआरए के पास किसान द्वारा विकसित विलो किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करना था। संवादात्मक सत्रों और सूचनात्मक पैम्फलेटों के वितरण के माध्यम से, किसानों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के पास पंजीकरण कराने के लिए अद्वितीय विलो जननद्रव्य की पहचान करने, उसका दस्तावेजीकरण करने और उसे जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल ने मूल्यवान विलो आनुवंशिक संसाधनों के बारे में जागरुकता, संरक्षण और पंजीकरण के महत्व से परिचित होने तथा उनके सतत उपयोग और कृषक अधिकार संरक्षण पर जोर दिया गया।



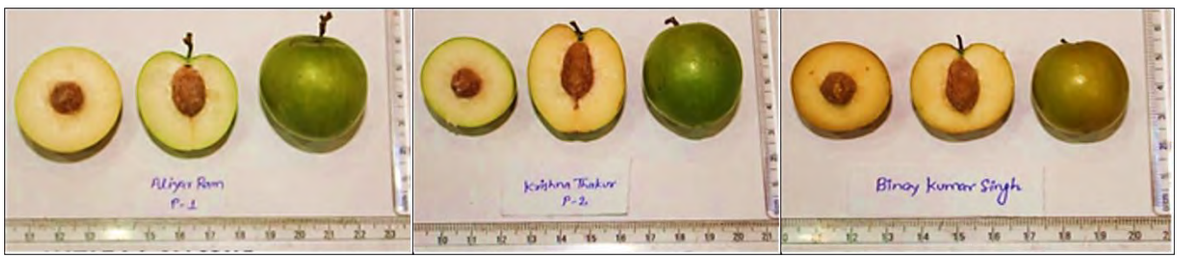
***सैलिक्स* एग्जाम्प्ल किस्मों के गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षण (पत्ती और तना)**

3.1.32. बेर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान

केंद्र कुल 110 बेर संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है और उसने 2024-2025 के दौरान बेर की 7 प्रत्याशी किस्मों का स्थल-आधारित परीक्षण किया। कृषक किस्मों के पंजीकरण हेतु राजस्थान के किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों को बेर की जैव विविधता और इसकी खेती के बारे में भी जानकारी दी गई।

पीपीवीएफआरए द्वारा झारखंड और बिहार राज्य में किसानों की नौ बेर किस्मों का स्थल-आधारित डेटा संग्रह सौंपा गया। इस वर्ष कुल नौ किस्मों के डेटा दर्ज किए गए। इनमें से तीन, अर्थात बेर संगबारी, बेर गेरुवा और सुगरी ने विशिष्ट लक्षण प्रदर्शित किए।



बेर संगबारी **बेर गेरुवा** **सुगरी**

इसके अतिरिक्त, 25 संदर्भ किस्मों के संबंध में स्थिर लक्षणों का अध्ययन किया गया, जिसमें से 21 को नई किस्म के रूप में लक्षणवर्णित किया गया तथा कुल 85 बेर किस्मों को अनुरक्षित किया गया।



भारतीय बेर की विविधता

इसके अलावा, बीज-जनित बेर समष्टि की रोपाई की गई और आकारिकी-भौतिक एवं जैव रासायनिक डीयूएस लक्षणों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया। इनमें से, देशी बेर और गोला बेर शीघ्र पकने वाली किस्में हैं जिनकी बाज़ार में अच्छी कीमत मिलती है, जबकि थार सेविका शीघ्र पकने वाली हाइब्रिड किस्म है।



देसी बेर गोला बेर थार सेविका



2024-25 के दौरान आउटरीच गतिविधियाँ

3.1.33. शकरकंद और कसावा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल

डीयूएस केंद्र, खेत में संदर्भ सामग्री के रूप में कसावा की 35 और शकरकंद की 42 किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है। किसानों की दो कसावा किस्मों, पचीकिझांगु और मन्ना के पंजीकरण के लिए डीयूएस परीक्षण किए गए और मन्ना के लिए डीयूएस परीक्षण के परिणाम नोडल तथा सह-नोडल केंद्रों पर प्रस्तुत किए गए। किसानों की किस्मों को दो स्थानों पर आगे के परीक्षण के लिए डीयूएस केंद्र में बहुगुणित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और खेत भ्रमण के माध्यम से किसानों को कसावा और शकरकंद की किस्मों के पंजीकरण के बारे में जागरुक किया गया।

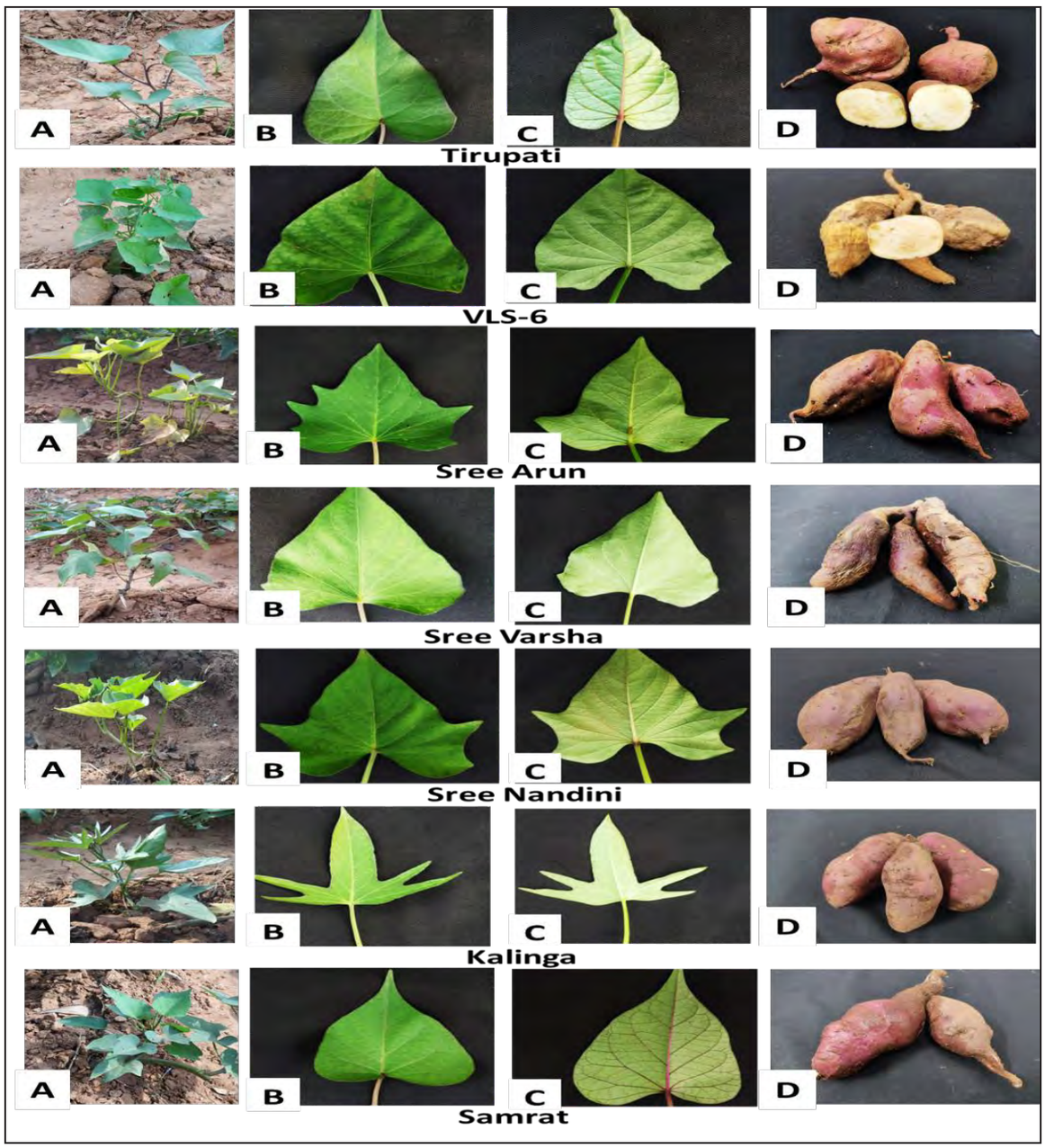


कसावा का फील्ड जीन बैंक शकरकंद का फील्ड जीन बैंक

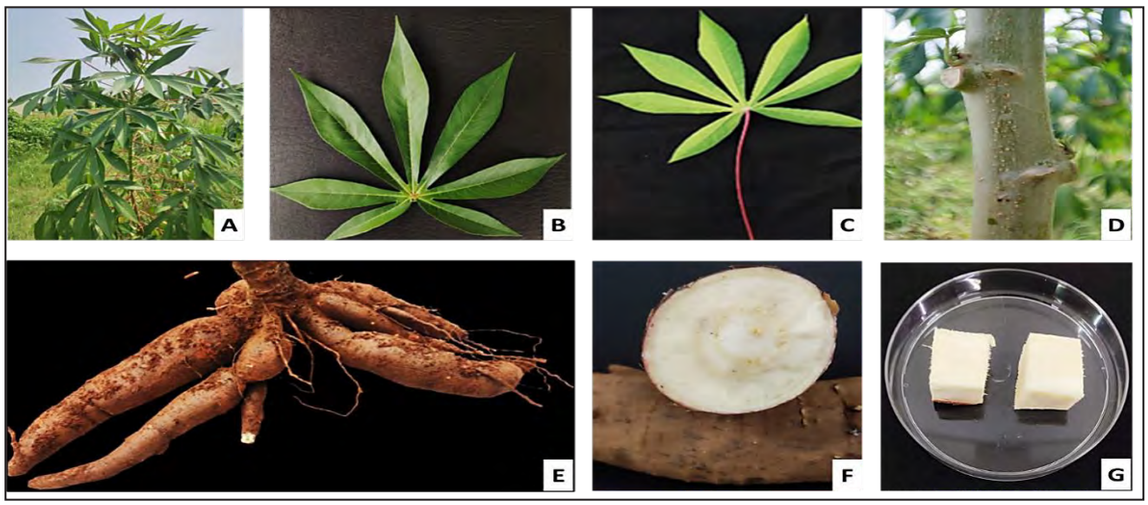
भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

शकरकंद और कसावा

भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, भुवनेश्वर, ओडिशा के क्षेत्रीय केंद्र में स्थित फील्ड जीन बैंक में शकरकंद के 43 संदर्भ वंशक्रमों और कसावा की 17 वंशावलियाँ हैं। प्रत्येक शकरकंद संदर्भ वंशक्रम के लिए, 19 कटाई-पूर्व और 6 कटाई-उपरांत लक्षणों की पहचान की गई और उन्हें दर्ज किया गया, जबकि प्रत्येक कसावा संदर्भ वंशक्रमों के लिए, 22 कटाई-पूर्व और 8 कटाई-उपरांत लक्षणों को दर्ज किया गया।



कुद संदर्भ वंशक्रमों के आकारिकी लक्षण: क- परिपक्व पौधा; **ख-** परिपक्व पत्ती की आकृति और रंग; **ग-** अक्षीय पत्ती शिरा रंजकता; **घ-** कंद की आकृति और रंग।



कसावा किस्म: मन्ना के आकारिकी लक्षण। क. पौधा; ख. अक्षीय पत्ती सतह; ग. अक्षीय पत्ती सतह और डंठल; घ. तना; ड़. कंद की आकृति और त्वचा का रंग; च. छिलके का रंग; G. गूदे का रंग।

3.1.34. जिमीकंद और कचालू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

केंद्र ने क्षेत्रीय केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा में स्थित फील्ड जीन बैंक में संदर्भ संग्रह के रूप में 21 कचालू और 18 जिमीकंद प्रजातियों को अनुरक्षित किया है। जिमीकंद के लिए, प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के 20 कटाई-पूर्व और 18 कटाई-उपरांत लक्षणों की पहचान की गई और उनका दस्तावेजीकरण किया गया, जबकि कचालू के लिए, 34 कटाई-पूर्व और 16 कटाई-उपरांत लक्षण दर्ज किए गए। क्षेत्र में चक्रवात-प्रवण परिस्थितियों से सुरक्षा के लिए, कचालू की किस्मों का *इन विट्रो* अनुरक्षण भी किया जाता है।



भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, भुवनेश्वर, ओडिशा के क्षेत्रीय केंद्र में कचालू की किस्मों का फील्ड जीन बैंक।



भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, श्रीकार्यम, तिरुवनंतपुरम: रतालू और रतालू बीन

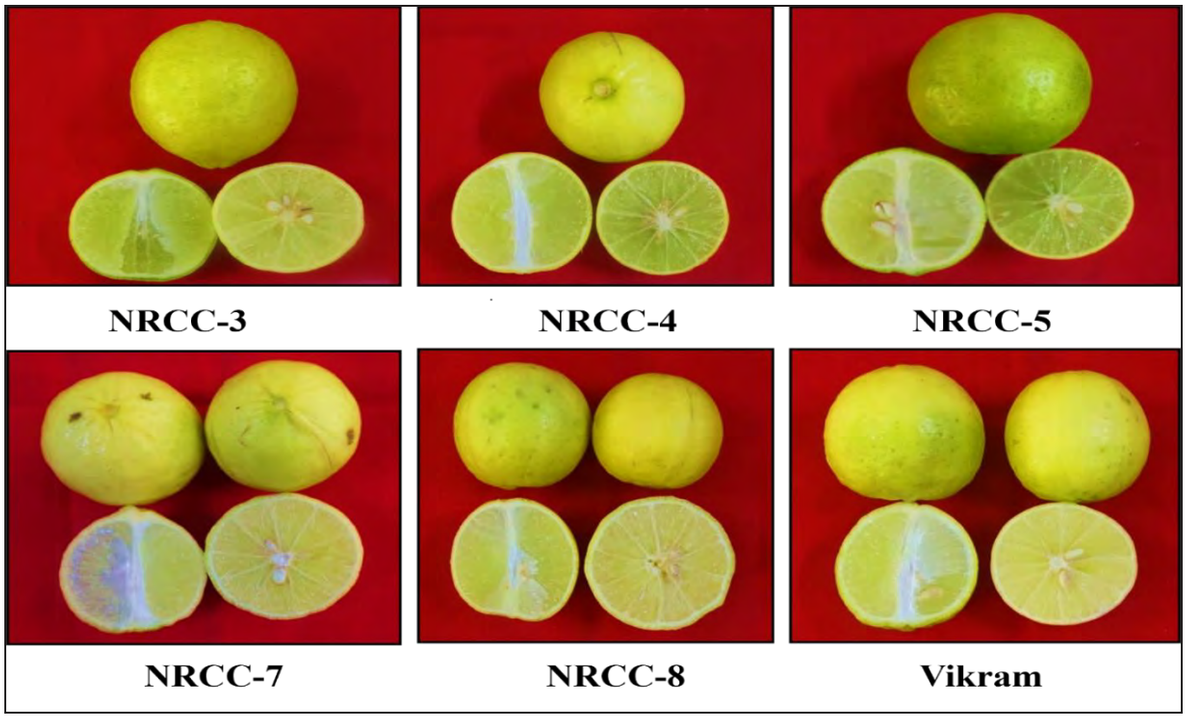
इंची काचिल और पालु वेल्ला काचिल वर्ग के रतालू (*डायोस्कोरिया अलाटा* एल.) की दो कृषक किस्मों के पंजीकरण हेतु पीपीवीएफआरए के तहत आवेदन प्रस्तुत किए गए। दोनों आवेदनों को स्वीकृति प्राप्त हुई और उन्हें पावती संख्याएँ, REG/2025/0267 - इंची काचिल और REG/2025/0268 - पालु वेला काचिल प्राप्त हुई। इन दोनों सामग्रियों का बहुगुणन करने और डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार डीयूएस परीक्षण करने की आवश्यकता है। दो अतिरिक्त कृषक-किस्में प्राप्त हुई और दो विद्यमान किस्मों को चालू वर्ष में पीपीवी एवं एफआरए के तहत पंजीकरण के लिए प्रस्तुत करने की योजना है।

कुल 4 संदर्भ किस्में, 20 एग्जाम्प्ल किस्में, 10 विमोचित की गई किस्में तथा रतालू (*डायोस्कोरिया अलाटा* एल.) और रतालू बीन (*पचिरिज़स एरोसस*) (4) की 400 जननद्रव्य वंशावलियों को संरक्षण के लिए फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश पीपीवी एवं एफआरए वेबसाइट पर विकसित और प्रकाशित किए गए हैं। रतालू के डीयूएस परीक्षण के लिए, 20 लक्षणों का चयन किया गया, जिनमें से पाँच लक्षणों अर्थात डंठल का रंग, पत्ती की आकृति, कंद की आकृति, कंद की छाल का रंग और कंद के गूदे का रंग, को समूहीकरण लक्षणों के रूप में पहचाना गया।

3.1.35. कागजी नींबू, संतरा, मौसम्बी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र

केंद्र 2024-2025 के दौरान कुल 25 नींबूवर्गीय संदर्भ किस्मों और 1 प्रत्याशित किस्म का परीक्षण कर रहा है। वर्ष के दौरान अनुरक्षित किए गए विवरणों के अनुसार कुल 9 कागजी नींबू किस्में अर्थात विक्रम, प्रमालिनी, साई शरबती, एनआरसीसी नीबू-2, एनआरसीसी नीबू-3, एनआरसीसी नीबू-4, एनआरसीसी नीबू-5, एनआरसीसी अम्लीय नींबू-7 और एनआरसीसी कागजी नींबू-8, का परीक्षण किया गया।



वर्ष के दौरान कुल 07 संतरा किस्मों का अनुरक्षण किया गया, जिनमें एनआरसीसी नागपुर मंडेरिन सीडलेस - 4 (एन - 4), मुदखेड़ सीडलेस, सिक्किम मंडेरिन, दार्जिलिंग मंडेरिन, एन-28, एन-34, एन-38 शामिल थे।



नागपुर मंडेरिन दार्जिलिंग मंडेरिन कुर्ग मंडेरिन खासी मंडेरिन

वर्ष के दौरान मौसम्बी की कुल 04 किस्मों का अनुरक्षण किया गया, जिनमें एम3, एम4, एम8, मौसम्बी, सतगुड़ी शामिल थीं।



एम-3 एम-4 एम-8 मौसम्बी

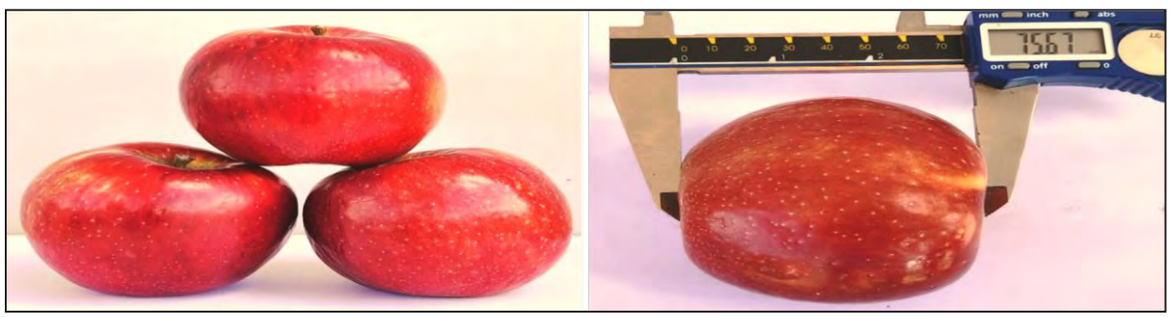
3.1.36. शीतोष्ण फलों और मेवों, जैसे कि सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, बादाम, अखरोट और स्ट्रॉबेरी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

जननद्रव्य ब्लॉक में सेब की 250 किस्में और हाइब्रिड संग्रहित हैं, जिसके कारण यह एशिया का पहला ऐसा भंडार है जहाँ एक ही स्थान पर एक ही फल प्रजाति का इतना बड़ा संग्रह है। सेब (60 किस्में), खुबानी (16 किस्में), बादाम (13 किस्में) और अखरोट (27 किस्में) के लिए डेटाबेस विकसित किए गए और पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), नई दिल्ली को प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, एक मोनोग्राफ और दो शोध पत्र लक्षणवर्णन कार्य के आधार पर प्रकाशित किए गए। प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण के माध्यम से किया गया। सभी फसलों का लक्षणवर्णन पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली द्वारा विकसित डीयूएस विवर्णकों के अनुसार किया गया। रिकॉर्ड किए गए आँकड़ों को मानकीकृत किया गया और उन्हें अलग-अलग नोट्स में परिवर्तित किया गया, जो अब प्रत्याशी किस्मों की संदर्भ किस्मों के साथ किसी भी समय तुलना करने के लिए एक संदर्भ डेटाबेस के रूप में कार्य करते हैं।

संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण नोडल केंद्र, भाकृअनुप-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईटीएच), श्रीनगर में किया जा रहा है, जहाँ सभी आकारिकी विशेषकों एवं लक्षणों का एकरूपता और स्थिरता के लिए नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा, सेब का एक नया जननद्रव्य ब्लॉक संरक्षण और डीयूएस लक्षणवर्णन प्रयासों को मजबूत करने के लिए भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

2025-26 के दौरान किसानों की किस्मों: सेब, नाशपाती, आड़ू और अखरोट का डीयूएस परीक्षण





सेब: W-38 (कॉस्मेटिक क्रिस्प)

प्रत्याशी किस्म (T-15-41) और संदर्भ किस्म (डोयने-ड्यू-कोमिस)



खुबानी संदर्भ किस्म: TP-15-41



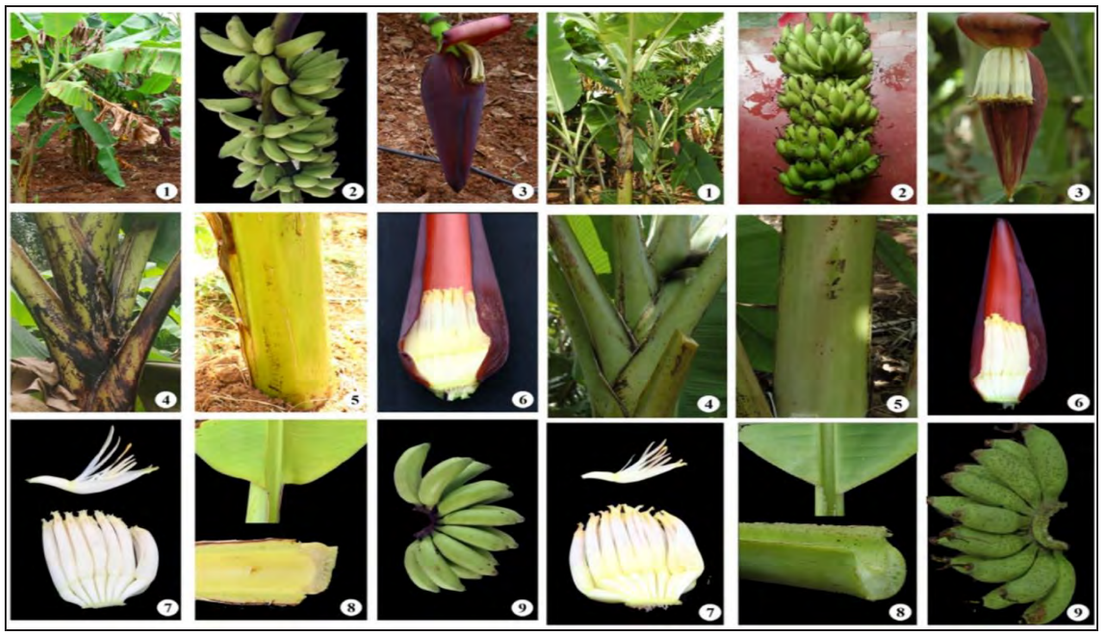
अखरोट (कृषक किस्म दून)

3.1.37. केले के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

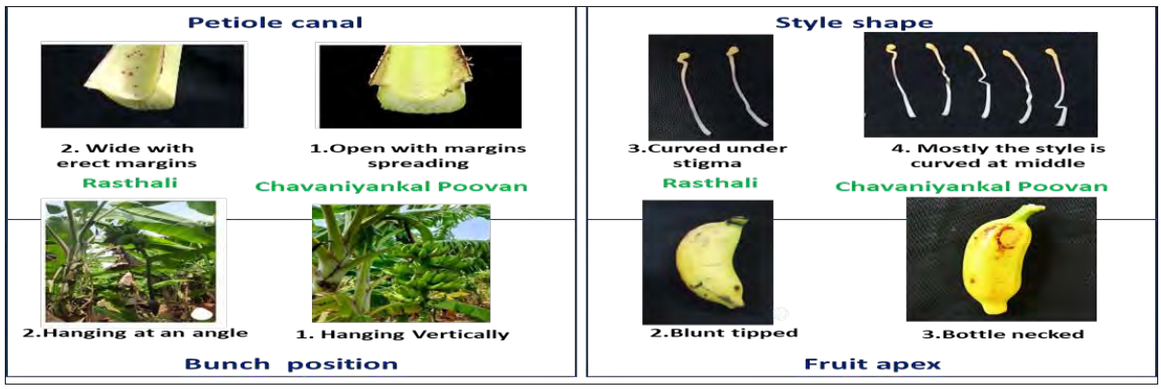
भाकृअनुप-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, त्रिची, तमिलनाडु

केंद्र में कुल केले की 54 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गईं। 2024-2025 के दौरान, केले की तीन प्रत्याशित किस्मों का परीक्षण स्थल पर ही किया गया। दो कृषक किस्मों, नेय कदली और चवनियांकल पूवन, के साथ-साथ उनकी संबंधित संदर्भ किस्मों, कदली और रस्थली, का डीयूएस लक्षणवर्णन पूरा हो गया है और परिणाम प्रस्तुत कर दिए गए हैं। तीन कृषक किस्मों यथा, थोट्टू चिंगन, कुधीरावल चिंगन और नेय कदली को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया और पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुके

हैं। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली, तंजावुर और करूर जिलों के 30 किसानों के लिए भाकृअनुप-एनआरसीबी, तिरुचिरापल्ली में 21.08.2024 को एक डीयूएस जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



संदर्भ और कृषक किस्मों के विशेष लक्षण



3.1.38. नौनी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय प्रायद्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

अनुरक्षण के तहत किस्मों का लक्षणवर्णन:

अधिदेशित फसल प्रजातियां	2017-18 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों का नाम एवं संख्या	डेटा का प्रस्तुतीकरण (अनुरक्षण प्रजनन) हां/नहीं
नौनी (*मोरिंडा*	सीआईएआरआई द्वीप संपदा, सीआईएआरआई	अनुरक्षित

सिट्रीफोलिया)	द्वीप संजीवनी, सीआईएआरआई द्वीप रक्षक एवं सीआईएआरआई द्वीप समृद्धि	
	गुच्छ फलन नौनी	अनुरक्षित

घ) प्रमुख उपलब्धियाँ (केवल 1 अनुच्छेद/पैरा)

नौनी की लकड़ी के मेथनॉल अर्क का गैस परीक्षण क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी-एमएस) द्वारा किया गया। प्राप्त किए गए स्पेक्ट्रा का विश्लेषण किया गया। नौनी के पौधे से प्राप्त लकड़ी के मेथनॉल अर्क में कई पादप-घटक अर्थात फाइटोकम्पोनेन्ट्स पाए गए। कुल 18 प्रकार के फाइटोकंस्टिट्यूएंट्स पाए गए। एनआईएसटी और पीयूबी मेड से यौगिक का नाम, आणविक भार, सूत्र और संरचना प्राप्त की गई। इनमें से दो यौगिक नामत:, नाइट्रोहेप्ट-2-en-1-ol एवं 11-epi 2 डाइहाइड्रो आर्टेमिसिनिन के á-n-प्रोपाइलीन एथिल की खोज पहली बार हुई। सबसे अधिक प्रायिकता (86.5%) H-Pyran-4-one,2,3-dihydro-3,5-dihydroxy-6-methyl-, (69.7%) 4-((1E)-3-Hydroxy-1-propenyl)-2-methoxyphenol, (48.8%) ट्रांस-सिनापिल अल्कोहल, (39.1%) 2H-Pyran, tetrahydro-2-(12-pentadecynyloxy)- और (36.1%) n-Hexadecanoic acid जैसे घटकों में पाई गई। अत:, मेथनॉल वुड एक्सट्रेक्ट दर्शाता है कि प्रमुख प्रायिक पादप रसायनों में एंटीऑक्सीडेंट, सूजनरोधी, रोगाणुरोधी और ट्यूमररोधी गतिविधियाँ होती हैं, इसलिए इन्हें विभिन्न चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए काफी पसंद किया जाता है।

सीआईएआरआई द्वीप संपदा में 61.75 कि.ग्रा./वृक्ष/वर्ष की उच्चतम औसत फल उपज दर्ज की गई, जो सीआईएआरआई द्वीप समृद्धि (57.42 कि.ग्रा./वृक्ष/वर्ष) तथा उसके बाद सीआईएआरआई द्वीप संजीवनी (41.75 कि.ग्रा./वृक्ष/वर्ष) के बराबर थी। सीआईएआरआई द्वीप रक्षक में 29.85 कि.ग्रा./वृक्ष/वर्ष की न्यूनतम फल उपज दर्ज की गई। वृक्षों के विभिन्न लक्षणों के बीच महत्वपूर्ण भिन्नताएं देखी गईं। कुल फल उपज, पिछले वर्ष की फसल की तुलना में, अधिक थी। तथापि, विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बीच प्रति वृक्ष औसत फल उत्पादन में भिन्नताएं थीं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सीआईएआरआई द्वीप संपदा का औसत वजन 7.4 कि.ग्रा./वृक्ष के साथ नवंबर में काफी अधिक था, उसके बाद सीआईएआरआई द्वीप समृद्धि (6.25 कि.ग्रा./वृक्ष/माह) में था।

1. आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम, प्रकाशन एवं अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

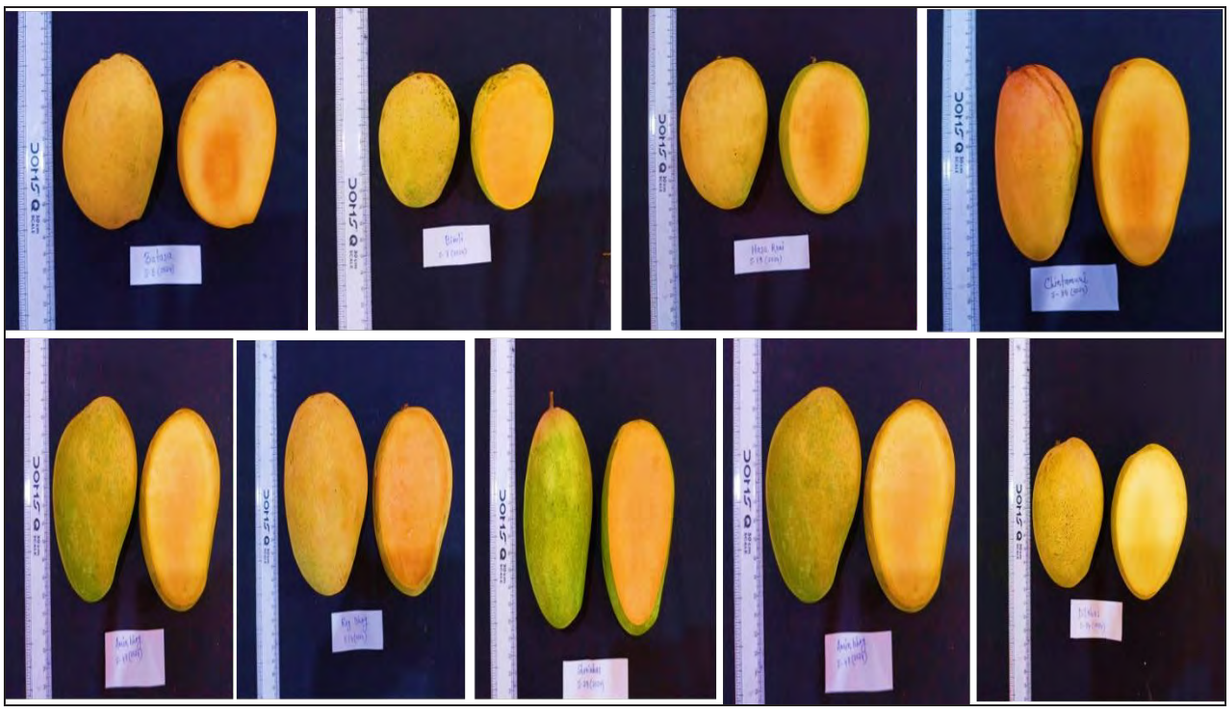
शीर्षक	**तिथि के साथ अवधि**	**स्थान एवं सहयोगी एजेंसी**	**प्रतिभागिता (सं. में)**		
			पुरुष	**महिला**	**कुल**
साइंटिफिक मैनेजमेंट ऑफ प्लांटेशन एंड वेजिटेबल फॉर हायर प्रोडक्टेविटी	18 से 21 जुलाई 2024	छोटाइनाका, काकाना, पिलपिलो और विकास नगर गांव, नानकौरी द्वीप समूह	66	87	153

- स्वर्णम टी. पी., ए. वेलमुरुगन, **आई. जयशंकर,** एस. के. पांडे, ए. एस. पंवार एवं एन. रविशंकर। (2024)। द रोल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज इन क्लाइमेट चेंज अडेप्टेशन अमंग द निकोबारीज ऑफ सेंट्रल निकोबार आइलैंड, इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, 23 (1) : 6-15। DOI: 10.56042/ijtk.v23i1.8138.

3.1.39. आम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-सीआईएसएच, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, मालदा, पश्चिम बंगाल

भाकृअनुप-सीआईएसएच क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, मालदा 2018 से आम पर सहयोगी डीयूएस केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। इस केंद्र ने भारत के पूर्वी क्षेत्र के आम की कृषकों किस्मों के संरक्षण की पहल की। प्रारंभ में, पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों के किसानों की आम किस्मों की समृद्ध विविधता के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया और पीपीवीएफआरए 2001 के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन जमा करने में सहायता प्रदान की गई। केंद्र ने 2024-25 के दौरान 105 किसानों की आम की किस्मों का परीक्षण किया और 89 किसानों की आम की किस्मों का ऑन-फील्ड परीक्षण किया ताकि उनका डेटा पीपीवीएफआरए को प्रस्तुतत कियाजा सके। परिणामस्वरूप, इच्छुक किसानों को आम की 81 कृषक किस्मों का पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।



मालदा, पश्चिम बंगाल से आम की कृषक किस्में

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक

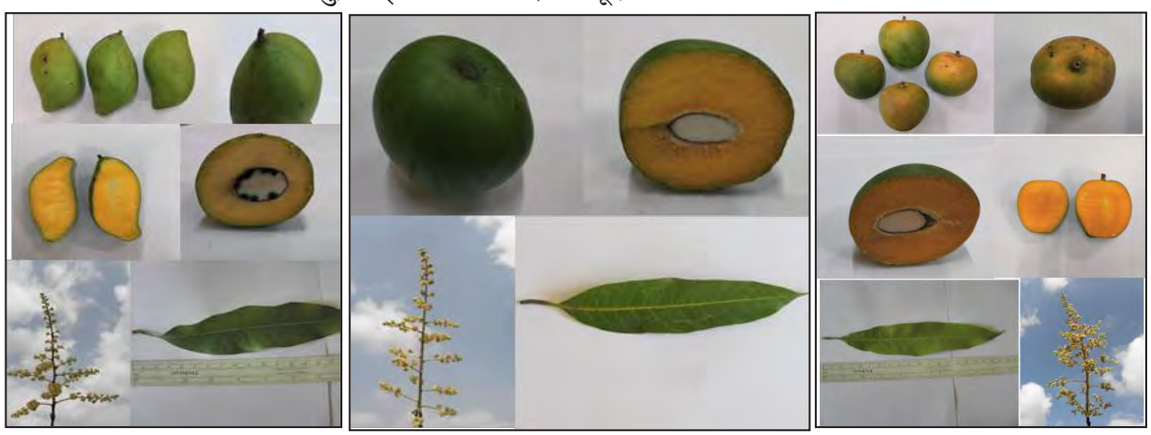
डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, 33 आकारिकी लक्षणों के डीयूएस परीक्षण हेतु कुल 30 कृषक किस्मों और 10 संदर्भ किस्मों को खेत में अनुरक्षित किया जा रहा है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 16 आम किस्मों का विश्लेषण फल गुणवत्ता लक्षणों के लिए किया गया जिसके परिणाम तालिका 1 में प्रस्तुत किए गए हैं। अधिकतम फल भार लाल आम (281.2 ग्राम) किस्म में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम फल भार फिरदौस (60.2 ग्राम) किस्म में दर्ज किया गया। कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 13.45 से 23.7^0 ब्रिक्स के बीच थे। उच्चतम मान ए13 किस्म ($23.7\ ^0$ ब्रिक्स) में दर्ज किया गया और न्यूनतम मान शकीरा किस्म ($13.45\ ^0$ ब्रिक्स) में दर्ज किया गया।

कृषक किस्मों का स्थलीय मूल्यांकन

कर्नाटक के मांड्या के किरुगावलु गाँव के किसान श्री सैयद गनी खान द्वारा प्रस्तुत आम की किस्मों (आबिद, चोटो और मंगमारी) का 05.07.2024 को स्थल पर ही मूल्यांकन किया गया, जिसे भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु के फल फसल प्रभाग के डॉ. एम. शंकरन, डॉ. सी. वासुगी, डॉ. के. अबिरामी और श्री सुनील गौड़ा की टीम द्वारा किया गया और तीनों किस्मों को पीपीवीएफआरए में पंजीकृत किया गया।



किरुगावलु, मांड्या में ऑन साइट डीयूएस परीक्षण के खेत की तस्वीर



आबिद **चोटो** **मंगमारी**

पंजीकृत की गई आम की तीन किस्में (आबिद, चोटो और मंगमारी)

3.1.40 गन्ना (उपोष्णकटिबंधीय) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-आईआईएसआर, लखनऊ

फसल मौसम 2024-25 के दौरान गन्ना डीयूएस परीक्षण हेतु संदर्भ संग्रह के रूप में कुल 180 गन्ना क्लोन बनाए गए। इस संदर्भ संग्रह में सीवीआरसी द्वारा चिन्हित, विमोचित और अधिसूचित सभी किस्में, राज्यों द्वारा विमोचित की गई किस्में और गन्ने पर कार्यरत

विभिन्न अनुसंधान संगठनों के पास उपलब्ध एआईसीआरपी (गन्ना) के उन्नत किस्म परीक्षणों से प्राप्त क्लोन शामिल हैं। डीयूएस परीक्षण के लिए प्रयुक्त विभिन्न आकारिकी लक्षणों पर प्रेक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संदर्भ संग्रह में अनुरक्षित किए गन्ना क्लोनों पर दर्ज किए गए।

डीयूएस परीक्षण परीक्षण 2024-25 में, गन्ना की विमोचित तीन नई किस्में अर्थात CoLk 15201, CoLk 15207 और CoLk 15466 का परीक्षण प्रथम वर्ष में किया गया, जबकि Co 16030 का परीक्षण गन्ने में डीयूएस परीक्षण प्रक्रिया के अनुसार दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए किया गया। प्रेक्षण 2024-25 के दौरान दर्ज और संकलित किए गए। दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए, समान डीयूएस परीक्षण के लिए, वंशावलियों को उनकी संदर्भ किस्मों के साथ 2025-26 में मुख्य डीयूएस परीक्षण केंद्र, लखनऊ में रोपा गया।



CoLk 15021



CoLk 15466



CoLk 15207

3.1.41. नारियल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड, केरल

नोडल डीयूएस केंद्र में कुल 14 नारियल किस्में अनुरक्षण प्रजनन के अधीन हैं। संदर्भ/ विमोचित/ विद्यमान किस्मों, जैसे कि सीओडी, डब्ल्यूसीटी, सीजीडी, जीबीजीडी, एसएनआरटी, स्पाइकाटा टॉल, एलएमटी, कल्परक्षा, कल्प धेनु, कल्प प्रतिभा, कल्प मित्र, चंद्र कल्प, केराचंद्र, कल्पतरु, कल्प ज्योति, कल्प सूर्या के बीजों को डीयूएस परीक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पौध उत्पादित करने हेतु पॉली बैग में बोया गया।

कृषक किस्म एडवा लॉन्ग फाइबर कोकोनट का डीयूएस विवर्णक डेटा केरल के त्रिवेंद्रम जिले के कप्पिल, एडवा में किसानों के बगीचों में आवेदक द्वारा बताए गए 15 वयस्क ताड़ों और उपलब्ध पौध, तरूण ताड़ पर दर्ज किया गया। डीयूएस विवर्णक विशेषकों के लिए माध्य तथा डेटा रेंज सहित प्रमाणित डेटा पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत किया गया। प्रत्याशी किस्म कोंकण भातये कोकोनट हाइब्रिड-1 के वयस्क ताड़ों पर ऑन साइट प्रेक्षण मई 2024 के दौरान आरसीआरएस, भातये पर दर्ज किए गए तथा कच्चे नारियल एवं परिपक्व नारियल के लक्षणों का दूसरा सेट दर्ज किया गया। फल का वजन और खोपरा की मात्रा क्रमशः 678-925 ग्राम और 140-230 ग्राम के साथ कच्चे नारियल में जल तत्व (190-470 मिली) तथा फल के घटकों से संबंधित विशेषकों के संदर्भ में काफी विचलन दर्ज किया गया।



कोंकण भातये कोकोनट हाइब्रिड-1 कच्चा खोपरा

एडवा लॉन्ग फाइबर कोकोनट के फल

एडवा लॉन्ग फाइबर कोकोनट का खोपरा

3.1.42. खजूर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, खजूर की 42 संदर्भ किस्मों का संरक्षण और अनुरक्षण सफलतापूर्वक किया गया। इनमें से 40 किस्मों का आकारिकी, फलन, उपज-वर्धक और गुणवत्ता संबंधी गुणों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। पत्ती की लंबाई, पत्रक के आकार, प्रति मेरुदण्ड कांटों की संख्या, कांटों के बीच की दूरी, कांटों की लंबाई और पत्ती मुड़ने के कोण सहित विभिन्न आकारिकी लक्षणों पर प्रेक्षण किए गए। उपज संबंधी विशेषकों, जैसे कि प्रति पौधे गुच्छों की संख्या, डंठल की लंबाई, गुच्छे की लंबाई, प्रति गुच्छ लटों की संख्या, लटों की लंबाई, फली खिलने के चरण में प्रति लटों में फलों की संख्या, प्रति लट फल झड़न, प्रति लट तोड़े गए फलों की संख्या और फल झड़न के प्रतिशत का भी मूल्यांकन किया गया। फलन विशेषकों को दर्ज किया गया, जिसमें गुच्छों का वजन, फलों का वजन, फलों का व्यास, गुठली का वजन, गूदे का वजन, गूदे और गुठली का अनुपात, गुठली का व्यास और गूदे की मोटाई शामिल थी। गुणवत्ता विशेषकों, जैसे कि फलों का रंग और कुल घुलनशील ठोस तत्व (TSS), का भी मूल्यांकन किया गया। एकत्र किए गए आँकड़ों से इन सभी प्राचलों में महत्वपूर्ण भिन्नता पाई गई।



प्रत्याशी किस्मों का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण

कुल चार प्रत्याशी किस्मों का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण राजस्थान और गुजरात में किया गया। इनमें से तीन प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण साहेब की धानी, गाँव और पोस्ट आंवा, तहसील दूनी, जिला टोंक, राजस्थान में किया गया। इन तीनों किस्मों यानी, ST-1/REG/2021/0170, ST-2/REG/2021/0171, और ST-3/REG/2021/0172 का मूल्यांकन खजूर के स्थलों पर किया गया। शेष प्रत्याशी किस्म, सोना-100, का गुजरात के कच्छ जिले के मुंद्रा तालुका के जारापारा गाँव में डीयूएस परीक्षण किया गया।



3.1.43. अनार के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र, सोलापुर, महाराष्ट्र

अनार की कुल 29 किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया, और संजक गाँव, कारगिल, जम्मू और कश्मीर से कृषक किस्म 'सुई/Suii' का फसल की परिपक्वता अवस्था में 26 डीयूएस लक्षणों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। यह किस्म लंबे-ऊँचे वृक्ष (3.96 मीटर) प्रकृति की पाई गई, जिसमें फैलने की प्रवृत्ति और मध्यम-घने पत्ते होते हैं। इसमें लंबी, भाले के आकार की पत्तियाँ (लंबाई 7.63 सेमी, चौड़ाई 2.23 सेमी) और अपेक्षाकृत लंबा डंठल (लंबाई 6.92 मिमी) होता है। पौधे में अंडाकार फल (लंबाई 5.71 सेमी, व्यास 6.32 सेमी) लगते हैं जो गुलाबी रंग के साथ पीले होते हैं और पतले छिलके (1.79 मिमी) वाले होते हैं। फलों में मध्यम आकार के लाल, मीठे बीजपत्र (लंबाई 9.53 मिमी, चौड़ाई 5.58 मिमी) होते हैं, जिनमें कुल घुलनशील ठोस तत्व (TSS) 15.02° ब्रिक्स, अम्लता 0.78% और कठोर बीज (65.20 N) होते हैं। फल 175-185 दिनों में पक जाते हैं और 52.54% तक रसीले होते हैं। इसके अतिरिक्त, इस किस्म को "आईपी और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी): नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य का निर्माण" पर 26 अप्रैल, 2024 को आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2024 कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किया गया।



3.1.44. नीम, करंज और जटरोफा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मेट्टुपालयम, तमिलनाडु

वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, टीएनएयू, मेट्टुपालयम, नीम और करंज के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र का नोडल केंद्र है। इस केंद्र में, नीम और करंज के जननद्रव्य संदर्भ संग्रह का अनुरक्षण 2014 से किया जा रहा है। इस संस्थान में विभिन्न विशेषकों / विवर्णकों (छद्म गुणात्मक, गुणात्मक और मात्रात्मक विशेषक) के साथ नीम के लगभग 32 संदर्भ संग्रह और करंज के 33 संदर्भ संग्रहण अनुरक्षित किए गए हैं। नीम में, कुल 21 विवर्णक थे जिनमें से 11 आवश्यक और 10 वर्णनात्मक लक्षण विकसित और मानकीकृत किए गए। करंज में, कुल 23 विवर्णनक थे जिनमें से 13 आवश्यक और 10 वर्णनात्मक लक्षण विकसित और मानकीकृत किए गए।



व्हाइटिश येलो　　पिंकिश व्हाइट

करंज संदर्भ संग्रण के पुष्पक्रम लक्षण



ऑब्लॉन्ग　　ओवेट

नीम संदर्भ संग्रहण का छद्म-गुणत्तात्मक लक्षण (बीज की आकृति)

3.1.45. बोगनविलिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

केंद्र बोगनविलिया की लगभग 87 किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है, जो विकास की प्रवृत्ति के आधार पर विभिन्न समूहों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जैसे कि कांटेदार, कांटे रहित, एकल-शाखायुक्त, बहुशाखायुक्त, द्विवर्णी और विचित्र प्रकृति। इस अवधि के दौरान, विभिन्न स्रोतों से सात बोगनविलिया जननद्रव्य वंशावलियां—पोल्टन स्पेशल, एलिजाबेथ, ब्लू पफ, ड्रीम, लैटेरिटिया, पल्लवी और फैंटेसी—एकत्रित किए गए। इसके अतिरिक्त, आगरा, उत्तर प्रदेश (आगरा-1 और आगरा-2) और सोलन, हिमाचल प्रदेश (सोलन-1 और सोलन-2) से अज्ञात संग्रहण किए गए। विभिन्न बोगनविलिया किस्मों के जननद्रव्य विभिन्न संस्थानों, जैसे कि केवीके (पश्चिम बंगाल), बीयूएएंडटी (बांदा), डीएफआर (पुणे), और एमएचयू (करनाल) तथा सीपीडब्ल्यूडी, एआईकेजीए जैसे संगठनों और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के बागवानी उद्यमियों से भी प्राप्त किए गए हैं। एक कृषक किस्म, ज्योफरी नागपाल, का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया।

3.1.46. गुलदाउदी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु

गुलदाउदी: 77 लक्षणों के लिए कुल 90 जीनप्ररूप का लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। दो प्रत्याशी गुलदाउदी किस्में, एनबीआरआई-पुखराज और एनबीआरआई-हिमज्योति को सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ से डीयूएस परीक्षण के लिए प्राप्त किया गया। इन किस्मों को टर्मिनल कटिंग के माध्यम से बहुगुणित किया गया और उन्हें मुख्य भूखंड में रोपा गया। फसल निगरानी और अनुरक्षण के अधीन है।



IIHR 2-13 | Jambala | Liku Baori | Jubilee | NBRI Rangoli

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

25 एग्जाम्प्ल किस्मों का अनुरक्षण किया गया और किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। 165 किस्मों का अनुरक्षण किया गया, जिनमें से 25 किस्मों का मूल्यांकन पीपीवीएफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के आधार पर किया गया। किस्मों को दिशानिर्देशों में उल्लिखित लक्षणों के आधार पर समूहीकृत किया गया।



Pooja | Autumn Yellow | Autumn Pink | DFR Swarna | Autumn Pink

3.1.47. कैना, बोगनविलिया और ग्लेडियोलस के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

बोगनविलिया

बोगनविलिया की कुल 282 किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में सीएसआईआर-एनबीआरआई के डीयूएस परीक्षण केंद्र में वर्तमान में संरक्षित और अनुरक्षित किया गया है। इन्हें खेत में रोपण और गमलों में संग्रह के माध्यम से संरक्षित किया गया, और पौधों के स्वास्थ्य तथा टू-टू-टाइप लक्षणों को सुनिश्चित करने के लिए पूरे वर्ष सिंचाई, छंटाई, पोषक तत्व प्रबंधन और कीट नियंत्रण जैसी नियमित कृषि विधियों को अंगीकृत किया गया। जननद्रव्य का बड़े पैमाने पर बहुगुणन किया गया जिसमें वानस्पतिक बहुगुणन विधियों, जैसे कि तने की कटिंग और वायु-स्तरीकरण का उपयोग किया गया तथा आनुवंशिक एकरूपता सुनिश्चित की गई और संग्रहण के विस्तार में सुविधा प्रदान की गई।

कैना

पाँच विशिष्ट कैना प्रजातियों के साथ कुल 45 कैना किस्मों को 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले खेत की क्यारियों में संरक्षित किया गया, जिसे डीयूएस परीक्षण केंद्र के लिए वानस्पातिक उद्यान के भीतर विशेष रूप से स्थापित किया गया है। जननद्रव्य को पूरे वर्ष के दौरान सिंचाई, निराई, पोषक तत्व अनुप्रयोग, और रोग प्रबंधन सहित बेहतर-विनियमित कृषि विधियों के तहत अनुरक्षित किया गया ताकि पौधों के स्वस्थ और टू-टू-टाइप वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। आकारिकी लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया, और वानस्पातिक एवं पुष्पीय दोनों विशेषकों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। प्रकंदों का व्यवस्थित विभाजन एवं रोपण कर तथा उनका एकरूप बहुगुणन एवं निरंतर संरक्षण कर वंशावलियों का बहुगुणन किया गया।

क्लियोपेट्रा एक बहुत ही असामान्य कैना किस्म है जो बड़े, अविश्वसनीय रूप से आकर्षक पीले फूल देती है जिनमें लाल धब्बों वाले या लाल फूल या दोनों के संयोजन वाले फूल खिलते हैं। चमकीले रंग के पुष्पदल बड़े आकार की फोलिएज, भाले के आकार के पत्तों के बीच खिलते हैं, जो हरे, गहरे चॉकलेट रंग के या दोनों के संयोजन वाले हो सकते हैं। क्लियोपेट्रा एक अस्थिर कैना हाइब्रिड है जो इस असाधारण कलर संयोजन को बढ़ावा देता है। इसका पेड़ 90-120 सेमी तक बढ़ता है, ओस से अत्यधिक संवेदनशील और नाशीकीटों व रोगों से मुक्त होता है।



ग्लेडियोलस

केंद्र में संदर्भ किस्मों के रूप में कुल 120 ग्लेडियोलस किस्मों का संरक्षण और अनुरक्षण किया गया है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान कोई भी प्रत्याशित किस्म प्राप्त नहीं हुई। इनका आकारिकी लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया, जिसमें पौधे की ऊँचाई, पत्ती की लंबाई और चौड़ाई, स्पाइक और मेरुदण्ड की लंबाई, प्रति स्पाइक फूलों की संख्या और विन्यास तथा फूल की आकृति, आकार, रंग और अभिवृत्ति जैसे लक्षणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन विशेषकों व लक्षणों को रिकॉर्ड किया गया, उनका विश्लेषण किया गया और विशिष्ट लक्षणों की पहचान करने के लिए उनकी तस्वीरें ली गईं, ताकि पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001 के तहत नई किस्मों के मूल्यांकन और संरक्षण के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।



3.1.48. चाइना एस्टर और गुलदाउदी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक

डीयूएस चाइना एस्टर

डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार कुल 31 जीनप्ररूप (10 वानस्पतिक लक्षण और 11 पुष्प लक्षण) का लक्षणवर्णन किया गया।

डीयूएस गुलदाउदी

कुल 90 जीनप्ररूप का लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 77 लक्षणों के लिए किया गया। दो गुलदाउदी प्रत्याशी किस्में, यानी एनबीआरआई-पुखाज और एनबीआरआई-हिमज्योति को सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ से डीयूएस परीक्षण के लिए प्राप्त किया गया। इन किस्मों को टर्मिनल कटिंग के माध्यम से बहुगुणित किया गया और मुख्य भूखंड में रोपा गया। फसल की निगरानी की जा रही है।

3.1.49. सूरजमुखी, कुसुम, अरंडी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना

भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तीन तिलहन फसलों, अर्थात अरंडी, सूरजमुखी और कुसुम के परीक्षण हेतु समन्वय केंद्र है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान किए गए कार्यों का सारांश नीचे दिया गया है।

अरंडी

2024-25 के दौरान, अरंडी की एक नई प्रत्याशी वंशावली (2889/2174/H) के साथ-साथ दो संदर्भ वंशावलियों (23CAIC6601 H और 23CAGV802 H) को दूसरे वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट परीक्षण भूखंड डिज़ाइन के अनुसार बोया गया। विनिर्दिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 30 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा दर्ज किया गया, और दो नई प्रत्याशी संदर्भ किस्मों के लिए दो केंद्रों से समेकित डीयूएस परीक्षण रिपोर्ट तैयार की गई। तीन नई प्रत्याशी वंशावलियाँ (AVANI-41 गोल्ड WRSH, AVANI-11++ WRSH, और ICH-66) के साथ-साथ दो संदर्भ किस्में (GCH-7 और GCH-8) भी उसी परीक्षण प्लॉट डिज़ाइन का पालन करते हुए प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए बोई गईं। दिशानिर्देशों के अनुसार 30 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह, दो संदर्भ वंशावलियाँ (IPC-25 और M-574) के साथ एक विद्यमान किस्म (SKP-84) को प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए बोया गया, और 30 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया।

दस संदर्भ किस्मों (GCH-8, GCH-9, GNCH-1, ICH-66, JP-96, SKP-84, DCS-89, DCS-94, ICS-64, और PCS-124) का अंतिम लक्षणवर्णन एक पुनरावर्तन परीक्षण में किया गया, जिसमें प्रति पुनरावर्तन 6 मीटर की पांच पंक्तियाँ शामिल थीं। दिशानिर्देशों के अनुसार, 30 डीयूएस लक्षणों पर आँकड़े दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त, अरंडी की छह पैतृक वंशावलियों (डीसीएस-9, डीसीएस-107, 48-1, डीसीएस-78, एसकेपी-84, और हरिता) को अनुरक्षित किया गया और खरीफ 2024 के दौरान उनका बहुगुणन किया गया।



सूरजमुखी

2024-25 के दौरान, सूरजमुखी की दो संदर्भ वंशावलियों (23SURS8701 H और 23SULS7102 H) के साथ एक नई प्रत्याशी वंशावली (2889/2175/H) की बुवाई दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट परीक्षण भूखंड डिज़ाइन के अनुसार दूसरे वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए की गई। विनिर्दिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, 26 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया।

सात हाइब्रिडों (KBSH-78, KBSH-85, COH-3, PSH-1962, NDSH-1012, LSFH-171, और RSFH-1887), पाँच A-वंशक्रमों (CMS-1103A, CMS-903A, COSF-6A, NDCMS-30A, और CMS-67A), और पाँच R-वंशक्रमों (RHA-92, GKVK-756, IR-6, R-893, और P-93R) का अंतिम लक्षणवर्णन एक पुनरावर्तन परीक्षण में किया गया, जिसमें प्रति पुनरावर्तन 6 मीटर की छह पंक्तियाँ शामिल थीं। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, 26 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया।



कुसुम

छह संदर्भ किस्मों (नारी-57, नारी-96, फुले किरण, फुले स्वर्ण, फुले नीरा और फुले भीरावा) का अंतिम लक्षणवर्णन एक पुनरावर्तन परीक्षण में किया गया जिसमें 5 मीटर प्रति पुनरावर्तन की आठ पंक्तियां थीं। विनिर्दिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, 21 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किए गए। दो नई संदर्भ वंशावलियों (आईएसएफ-300 और आईएसएफ-123 सेल-15) का प्रारंभिक लक्षणवर्णन भी 5 मीटर प्रति पुनरावर्तन की आठ पंक्तियों वाले एक पुनरावर्तन परीक्षण में किया गया, और डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 21 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किए गए।



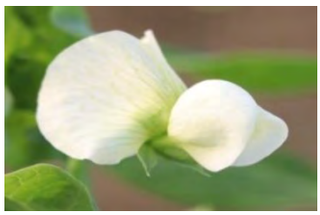
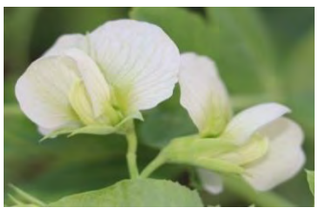
3.1.50. अलसी, मसूर और मटर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश

मटर

रबी मौसम 2024-25 के दौरान, जेएनकेवीवी डीयूएस केंद्र, जो कि पीवीपी विधान परियोजना के कार्यान्वयन हेतु पीपीवी और एफआरए केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत कार्यरत है, तीन फसलों (अलसी, मसूर और मटर) पर कार्य कर रहा है। इस अवधि में अलसी की चार (04) और मटर की दो (02) कृषक किस्मों का परीक्षण किया गया। ये किस्में पीपीवी और एफआरए अधिनियम, 2001 की सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार फील्ड-बेस्ड ग्रो-आउट परीक्षण (जीओटी) करने के लिए पौधा किस्म रजिस्ट्री, पीपीवी और एफआरए, एनएएससी, नई दिल्ली से प्राप्त की गई थीं। इस अवधि के दौरान मसूर की फसल के लिए कोई कृषक किस्म प्राप्त नहीं हुई। इस वर्ष के परीक्षण परिणामों में, अलसी की कृषक किस्मों यानी देसी चिकना और तीसी लोकल में मध्यम आकार के बीज पाए गए, जबकि भूदेव तीसी में मध्यम आकार के बीज पाए गए, लेकिन बीज का भार कम था। मटर की किस्मों में, कृषक किस्म 180P165 (REG/2024/0055) में अगेती परिपक्वता और बड़े आकार के बीज पाए गए, जबकि NS1155 (REG/2020/164) में मध्यम परिपक्वता और बड़े आकार के बीज पाए गए। GOT का संचालन करते समय पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के दिशानिर्देशों और निर्देशों का पालन किया गया और फसल-विशिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का भी पालन किया गया, जहाँ लागू थे। GOT परिणामों और खेत परीक्षणों की गोपनीयता बनाए रखी गई जिसे केवल पादप किस्म रजिस्ट्री, पीपीवी एवं एफआरए के साथ साझा किया जाएगा। परीक्षण करते समय पीपीवी और एफआरए के हितों को संरक्षित करने हेतु तथा पीपीवी और एफआरए द्वारा जब भी सलाह दी गई पीवीपी विधान : जेएनकेवीवी, जबलपुर 2024-25 के कार्यान्वयन हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना के पीपीवी और एफआरए अधिकारियों/निरीक्षण दल/आवेदकों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/निगरानी हेतु पर्याप्त समय देने के लिए सभी सावधानियां बरती गईं। बुवाई के 3 सप्ताह के भीतर खेत में अंकुरण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डीयूएस परीक्षण पूरा होने के बाद कटाई की गई सामग्री को नष्ट किया गया (प्रमाणपत्र संलग्न)।

किसान की मटर किस्म







180P165(REG/2024/0055) **NS1155(REG/2020/164)**

अलसी

राष्ट्रीय परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार अनुशंसित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए,, रबी 2024-25 के दौरान, जेएनकेवीवी, जबलपुर में कुल 21 संदर्भ अलसी किस्मों और 5 अन्य किस्मों को 5 मीटर लंबी पाँच पंक्तियों में, 30 सेमी की पंक्ति दूरी के साथ बोया गया। अंकुरण और पौधों की संख्या इष्टतम पाई गई, और फसल के सामान्य विकास तथा लक्षणों की व्यंजकता के लिए पर्यावरणीय

स्थितियाँ पूरे फसल मौसम में अनुकूल रहीं। किसानों द्वारा चुनी गई अलसी की चार किस्मों में से, तीन ने इष्टतम पौधों की संख्या के साथ अच्छा अंकुरण दिखाया, जबकि पवन देसी चिकन किस्म अंकुरित नहीं हो पाई।



अलसी की कृषक किस्म

चंद्र शेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

अलसी की कुल 53 संदर्भ किस्मों की बुवाई की गई और विनिर्दिष्ट डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार आँकड़े दर्ज किए गए। कटाई तीन प्रारंभिक, मध्यम और पछेती अवस्थाओं में परिपक्वता पर की गई। सभी अनुशंसित कृषि विधियों का पालन करते हुए, प्रथम वर्ष की पाँच और द्वितीय वर्ष की बारह किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किए गए। तीन पुनरावर्तनों में प्रत्येक किस्म के दस टैगयुक्त पौधों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए और आँकड़े प्राधिकरण को प्रस्तुत किए गए। अधिकांश किस्मों में इष्टतम अंकुरण प्रतिशत के साथ एकरूपता देखी गई।



3.1.51. तोरिया और सरसों के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय तोरिया सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर

2024-25 के दौरान, भारतीय सरसों और तोरिया की कुल 28 प्रत्याशित किस्मों/ वीसीके/ हाइब्रिड/ कृषक किस्मों का 24 डीयूएस लक्षणों का उपयोग करके लक्षणवर्णन किया गया। इनमें से, पाँच किस्मों (दो नई विशिष्ट, दो नई हाइब्रिड और एक वीसीके हाइब्रिड) का पहले वर्ष के लिए, जबकि छह नई विशिष्ट किस्मों का दूसरे वर्ष के लिए लक्षणवर्णन किया गया। कुल 17 कृषक किस्मों को केवल प्रजातियों की पहचान के लिए उगाया गया, जिनमें पहले वर्ष के दौरान एक *ब्रैसिका कैरिनाटा*, आठ भारतीय सरसों, तीन *बी. रैपा* किस्म पीली सरसों और चार *बी. रैपा* किस्म तोरिया शामिल थीं। एक किस्म, 'पहाड़ी तोरिया', अंकुरित नहीं हो पाई।

इसके अलावा, उचित परागण तकनीकों के माध्यम से 13 तोरिया-सरसों किस्मों को अनुरक्षित किया गया।



चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

फसलें	नई		वीसीके/आरवी	कुल	निरीक्षण तिथि
	प्रथम वर्ष वंशावलियां	द्वितीय वर्ष वंशावलियां			लागू नहीं
भारतीय सरसों	6 (प्रत्याशी किस्म)	6 (प्रत्याशी किस्म s)	13 (आरवी)	25	

प्रस्तावित डीयूएस परीक्षण के लिए बुवाई सभी अनुशंसित कृषि विधियों को समय-समय पर अंगीकृत करते हुए 20.11.2024 को की गई। प्रत्येक वंशावली के 10 टैग युक्त पौधों पर तीन पुनरावर्तनों में आँकड़े दर्ज किए गए और समय पर मुख्य केंद्र को भेज दिए गए। अधिकांश वंशावलियाँ इष्टतम अंकुरण प्रतिशत के साथ समरूप पाई गईं।

तेरह आरवी किस्मों का परीक्षण किया गया और डेटा दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। फसल की कटाई परिपक्वता चरणों पर की गई। कटाई किए गए बीज को आगे उपयोग के लिए इष्टतम परिस्थितियों में संग्रहित किया गया।



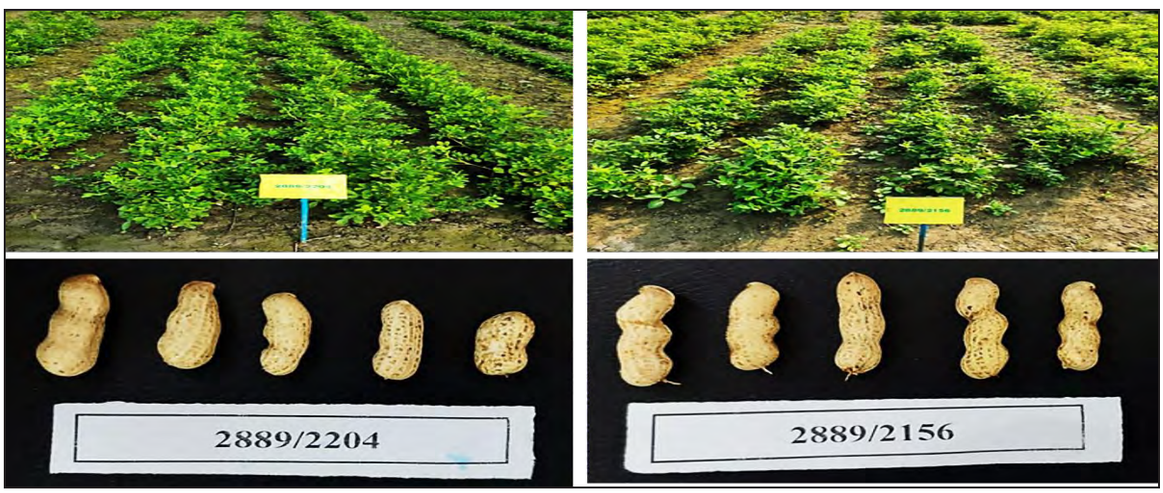


3.1.71. मूंगफली के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़, गुजरात

2024 में, दो प्रत्याशित किस्मों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली द्वारा औपचारिक रूप से प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण में शामिल किया गया। मूल्यांकन का पहला सत्र खरीफ 2024 के दौरान आयोजित किया गया, और वंशावलियों को सोलह संदर्भ किस्मों के साथ उगाया गया। आधिकारिक पीपीवीएफआरए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट प्रोटोकॉल और प्रारूपों का पालन करते हुए, उचित फसल विकास चरणों पर उन्नीस डीयूएस लक्षणों को सावधानीपूर्वक दर्ज किया गया। द्वितीय वर्ष का डीयूएस परीक्षण खरीफ 2025 के लिए निर्धारित किया गया है।

पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 2024 में प्राप्त दो प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण सोलह संदर्भ किस्मों के साथ, खरीफ 2024 के दौरान प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए किया गया। स्वस्थ फसल विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी अनुशंसित कृषि विधियों का पालन किया गया, और पीपीवी एवं एफआरए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट प्रारूपों के अनुसार उचित विकास चरणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए।



मूंगफली की प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण

3.1.72. रजनीगंधा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

रजनीगंधा

भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र

सह-नोडल केंद्र (भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे) ने रजनीगंधा की एक नवीन किस्म, 'सह्याद्रि वामन' विकसित की, जिसका डीयूएस परीक्षण संदर्भ किस्मों के साथ 2024-25 के दौरान किया गया। इस किस्म के पत्ते गहरे हरे रंग (आरएचएस संख्या



N137-A) के होते हैं और इसका पुष्पक्रम सीधा, छोटा (50.86 सेमी) होता है जिसमें मध्यम आकार के जलकुंभी जैसे 42-52 फूल लगते हैं। कलियाँ हरी (पीली-हरी 145°C, 5.31 सेमी) होती हैं, और चौड़े फनल आकृति के कोरोला और नुकीले सिरे के साथ फूल एकल, चौड़े खुले होते हैं। यह अगेती पुष्पण वाला बौना जीनप्ररूप (95-100 दिन) गमलों में उगाने, फूलदानों की सजावट, ऊर्ध्वाधर पैनलों और भूसौंदर्यकरण के लिए आदर्श है। इसके अतिरिक्त, एक क्षेत्रीय जीन बैंक में 35 रजनीगंधा किस्में (21 एकल-पुष्पी और 14 द्वि-पुष्पी) अनुरक्षित की गई हैं, जिनका आकारिकी और पुष्पीय लक्षणों के लिए मूल्यांकन किया गया।

3.1.73. क्रॉसेंड्रा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

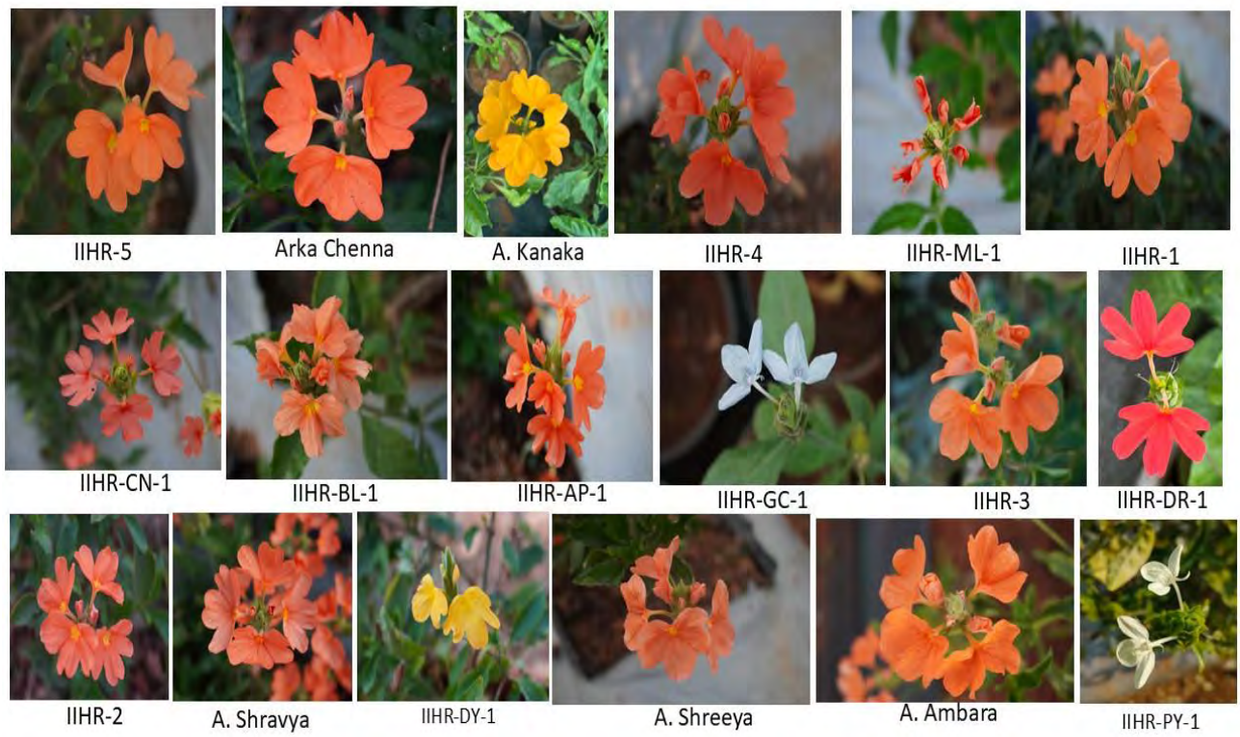
भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

वर्ष 2024-2025 के दौरान, केंद्र ने वानस्पतिक और पुष्पीय प्राचलों : यथा पौधे के विकास का संव्यवहार, पौधे की ऊँचाई, शाखाओं की संख्या, तने की मोटाई, तने मे रोयापन, तने का रंग, पत्ती लेमिना मार्जिन, पत्ती शिराविन्यास, पुष्पक्रम की लंबाई, पुष्पक्रम मेरुदण्ड के डंठल की लंबाई, पुष्पक्रम के डंठल का रंग, पुष्प का व्यास, पुष्प की पंखुड़ी के किनारे, पुष्प विन्यास, प्रति पुष्पक्रम फूलों की संख्या, पुष्पक्रम में एक ही समय पर खिले फूल, पुष्प का रंग (आरएचएस चार्ट),के लिए डीयूएस लक्षणों हेतु 15 क्रॉसेंड्रा जीनप्ररूप (संदर्भ या

एग्जाम्प्ल किस्में) का लक्षणवर्णन विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता के लिए परीक्षण के संचालन हेतु डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया।

फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित क्रॉसेंड्रा के संदर्भ संग्रहण

Reference collections of crossandra maintained in the field gene bank



3.1.74. कटहल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी कृषि विज्ञान केंद्र, बैंगलोर

विभिन्न स्थानों से एकत्रित, वांछित गुणवत्ता वाले कुल 140 कटहल जीनप्ररूप को जीकेवीके, बेंगलुरु के K-2 ब्लॉक में कलम रूप में रोपा गया। कई जीनप्ररूप में जल्दी फल लग गए, और अधिकांश में अभी फल लग रहे हैं। इन जीनप्ररूप के फल लक्षणवर्णन संबंधी आंकड़ों को प्रलेखित किया गया, जिसमें 25 चयनित जीनप्ररूप के विस्तृत रिकॉर्ड शामिल हैं। एक महत्वपूर्ण कृषक किस्म का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण भी किया गया।



नरासु कटहल (प्रत्याशी किस्म)



फोटो नं. 1 पेज 101



KKT-1 (प्रत्याशी किस्म)



लालबाघ मधुरा (संदर्भ किस्म)

3.1.75. रतालु और रतालु बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल

वर्ष के दौरान, केंद्र ने राष्ट्रीय फील्ड जीन बैंक में 25 संदर्भ किस्मों और 10 विमोचित की गई किस्मों के साथ-साथ रतालू (डायोस्कोरिया अलाटा एल.) की 400 जर्मप्लाज्म वंशावलियां और रतालू बीन की 10 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित किए गए और पीपीवी एवं एफआरए वेबसाइट पर प्रकाशित किए गए। रतालू के लिए, डीयूएस मूल्यांकन हेतु 20 लक्षणों का चयन किया गया जिसमें पांच लक्षणों अर्थात डंठल का रंग, पत्ती की आकृति, कंद का आकार, कंद वल्कल का रंग और कंद के गूदे को रंग के समूहीकरण लक्षणों के रूप में चिन्हित किया गया।

जागरुकता और आउटरीच पहल के भाग के रूप में, किसानों को किस्म पंजीकरण के महत्व के बारे में जागरुक किया गया।

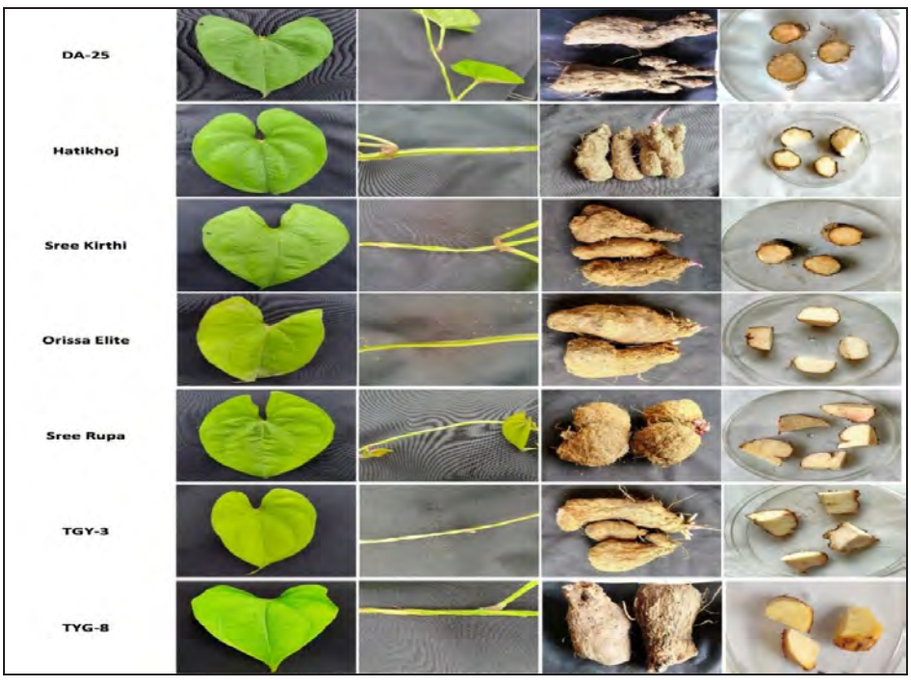


रतालु पर डीयूएस परीक्षण

भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

डीयूएस कार्यक्रम के अंतर्गत अनुरक्षित फील्ड जीन बैंक में 14 रतालू वंशावलियां शामिल हैं, जिनमें प्लांट जीनोम सेवियर कम्युनिटी अवार्ड के माध्यम से अंडमान, पोर्ट ब्लेयर से एकत्रित सात वंशक्रमों सहित सात संदर्भ वंशक्रम शामिल हैं। प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के विशिष्ट लक्षणों की पहचान की गई और रतालू में 15 तथा रतालू बीन में 17 लक्षणों के लिए उनका दस्तावेजीकरण किया गया।

रतालू के संबंध में, तने का रंग, डंठल का रंग, रंजकता, कंद की आकृति और रंग तथा कंद के गूदे के रंग जैसे लक्षणों का उपयोग डीयूएस सूचना को अद्यतन करने के लिए किया गया। रतालू बीन के लिए, डीयूएस डेटा को अद्यतन करने हेतु तने का रंग, फूल का घनत्व, बाह्यदलपुंज का रंग, फली की लंबाई, बीज का रंग और आकृति, तथा कंद की आकृति जैसे लक्षणों को दर्ज किया गया।



भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, क्षेत्रीय केंद्र ओडिशा, भुवनेश्वर के जीन बैंक में अनुरक्षित सात रतालू वंशक्रम



भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, भुवनेश्वर, क्षेत्रीय केंद्र में अनुरक्षित रतालू के कुछ संदर्भ वंशक्रम

3.1.76. सागौन और मेलिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

केरल के पन्नमपल्ली अनुसंधान केंद्र और अनाईकट्टी में रोपित किए गए संदर्भ क्लोनों के लिए मेलिया डुबिया का लक्षणवर्णन किया गया। प्रत्येक जननद्रव्य में 20 संदर्भ क्लोन शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक क्लोन में आठ रैमेट थे। डीयूएस परीक्षण पौधों के भागों (वीजी) के एक समूह के दृश्य मूल्यांकन और पौधों के भागों (एमजी) के एक समूह के एकल अनुमाप के माध्यम से अधिसूचित दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। मूल्यांकन किए गए लक्षणों में तने के निशान की आकृति, निशान की लंबाई और चौड़ाई, छाल का रंग, पत्ती का मोम जैसा रंग, तने का लेंटिकेल रूप, पैटर्न, घनत्व, आकार और अनुमाप, छाल का छिलका और छिलका रहित सतह, मेरुदंड की स्थिति, प्रति मेरुदंड पत्रकों की संख्या, पत्रक का आकार, किनारा, आधार, एपेक्स, लेमिना की लंबाई एवं चौड़ाई, एंथोसायनिन की उपस्थिति, डंठल की लंबाई, शाखा की ऊँचाई, तने का सीधापन, तने की ऊँचाई (उपचार के बिना), शाखा की मोटाई और क्राउन की आकृति शामिल थे। अंशांकन के बाद इमेज जे सॉफ्टवेयर (संस्करण 1.53t) का प्रयोग कर मात्रात्मक लक्षणों का विश्लेषण किया गया। पन्नमपल्ली अनुसंधान केंद्र, अनाईकट्टी, थलामलाई और आईएफजीटीबी परिसर में मेलिया क्लोनल बैंक में मौजूदा जननद्रव्य का अनुरक्षण नियमित निराई, हताहत पौधों के प्रतिस्थापन और सिंचाई के माध्यम से किया गया।



अनाईकट्टी, केरल में प्रायोगिक भूखंड



पन्नमपल्ली, केरल में प्रायोगक भूखंड

नेट्टापक्कम और तिंडीवनम, पांडिचेरी में रोपे गए ICFRE-IFGTB के दो क्लोनों में किशोर लक्षणों का मूल्यांकन करने के लिए सागौन में डीयूएस परीक्षण किया गया। मूल्यांकन निर्धारित डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया और सभी मात्रात्मक और गुणात्मक लक्षणों को VG और MG विधियों का प्रयोग करके रिकॉर्ड एवं विश्लेषण किया गया।

3.1.77. लोबिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक

विविध लोबिया (*विग्ना अनगुइकुलाटा*) संदर्भ किस्मों में डीयूएस लक्षणवर्णन और अनुरक्षण प्रजनन का कार्य किया गया, जिसमें 71 विशिष्ट लोबिया संदर्भ किस्में तथा 50 प्रकार के अनाजी दाने, 4 प्रकार की सब्जियां और 17 प्रकार की चारा किस्में शामिल थीं। 71 लोबिया संदर्भ संग्रहों में आकारिकी डीयूएस विवर्णकों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया, जिससे किस्म में सटीकता से विभेद करने और आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन में सुविधा प्राप्त हुई।



3.1.78. फाबा बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना:

फाबा बीन (*विसिया फाबा* एल. किस्म मेजर हार्ज़)

2022-23 के दौरान फाबा बीन के डीयूएस परीक्षण के लिए एक नया केंद्र शुरु किया गया। 9 संदर्भ किस्मों और सात विमोचित किस्मों के बीज भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से प्राप्त किए गए। सभी 16 किस्मों में डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 26 लक्षणों के लिए डेटा दर्ज किया गया।



3.1.79. कुट्टू और चौलाय के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय केंद्र, फागली, शिमला, हिमाचल प्रदेश

कुट्टू

भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला के प्रायोगिक फार्म में तीन बार पुनरावृत्तीय यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन में एफ. *टैटारिकम* (14) और एफ. *एस्कुलेंटम* (08) सहित कुल 22 कुट्टू संदर्भ किस्मों को उगाया गया। प्रेक्षण कटाई के बाद के लक्षणों सहित डीयूएस लक्षणोंका प्रयोग करके दर्ज किए गए।

दाना चौलाय

भाकृअनुप-आईएआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला के टूटीकंडी प्रायोगिक फार्म में तीन बार पुनरावृत्तीय यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन में ए. *हाइपोकॉन्ड्रिकस* (31), ए. *कॉडेटस* (2), ए. *एड्युलिस* (2) और ए. *क्रुएंटस* (1) सहित कुल 36 दाना चौलाय संदर्भ किस्मों का मूल्यांकन किया गया। प्रेक्षणों को कटाई-पश्चात लक्षणों सहित डीयूएस लक्षणों का प्रयोग करके दर्ज किया गया (अनुलग्नक-I)।

3.1.80. कुट्टू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसके एचपीकेवी, एमएआरईसी सांगला, किन्नौर, हिमाचल प्रदेश

कुट्टू (एफ. *टैटारिकम* एवं एफ. एस्क्यूलैंटम) की 22 संदर्भ किस्मों की बुवाई सभी अनुशंसित प्रथाओं का पालन करते हुए सीएसके एचपीकेवी, पर्वतीय कृषि अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र सांगला, किन्नौर में पुनरावृत्तीय परीक्षणों में अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत जून 2024 (DOS 18.06.2024) की गई। विभिन्न लक्षणों, जैसे कि पौध विशेषक, पत्ती विशेषक, पौधे के विकास विशेषक, पुष्प विशेषक, उपज विशेषक, बीज विशेषक आदि के आँकड़े डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किए गए और कोडित रूप में प्रस्तुत किए गए।

संभावित फसलों पर एआईसीआरएन पर टीएसपी कार्यक्रम के तहत जनजातीय क्षेत्र में संभावित फसल, यानी कुट्टू के महत्व, जैव विविधता, बीज उत्पादन एवं अनुरक्षण तथा मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में किसानों को जागरुक करने के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। किसानों को पीपीवी और एफआरए के पास कुट्टू सहित पारंपरिक फसलों के पंजीकरण और संरक्षण के लिए भी अभिप्रेरित किया गया। आसपास के क्षेत्रों से, दो सौ से अधिक किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम = तीन

19 नवंबर, 2024 - गाँव त्रांडा, निचार ब्लॉक, जिला किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)

20 नवंबर, 2024 - गाँव चागोन, निचार ब्लॉक, जिला किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)

21 नवंबर, 2024 - गाँव सपनी, कल्पा ब्लॉक, जिला किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)

3.1.81. कॉफ़ी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, चिकमगलूर, कर्नाटक

2024-25 के दौरान, सीसीआरआई में डीयूएस कॉफ़ी केंद्र ने कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के उत्पादकों के बीच किसानों और प्रत्याशित किस्मों को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। सीसीआरआई में कुल 16 अरेबिका किस्में, अर्थात , S.288 (Sln.1), S.795 (Sln.3), अगारो (Sln.4), Cioccie (Sln.4), Tafarikela (Sln.4), Sln.5A, Sln.5B, Sln.6, Sln.8, Sln.9, Sln.11, Sln.7.3, Sln.10, Sln.12 (कावेरी), Sln.13 (चंद्रगिरी), और S.4595 तथा चार रोबस्टा किस्में, यानी s Sln.1R, Sln.2R, Sln.3R (CxR), और और ड्वार्फ रोबस्टा को अनुरक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक विमोचन हेतु प्रक्रियाधीन दो नए जीनप्ररूप भी अनुरक्षित किए गए। प्रत्याशी किस्म ईआरसी-1 (कॉफ़ी कैनेफोरा) के डीयूएस परीक्षण के लिए श्री रमेश अगलगांडी से एक आवेदन पीपीवीएफआरए के माध्यम से प्राप्त हुआ और ईआरसी-1 के लिए ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण शुरु किया गया। अप्रैल-मई 2024 में आयोजित नियमित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सत्रों के दौरान, डीयूएस केंद्र ने किसानों की किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण के महत्व पर उत्पादकों को जागरुक किया।



3.1.82. एफसीवी (फ्लू से ठीक किया गया वर्जिनिया) और बीड़ी तंबाकू के लिए डस परीक्षण केंद्र

केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश

कुल 35 एफसीवी किस्में (16/103, भव्या, सीएच-1, सीएच-3, चाटम, सीएम-12, सीटीआरआई स्पे., सीटीआरआई स्पे. (एमआर), सीटीआरआई सुलक्षणा, डेलक्रेस्ट, धनदायी, एफसीवी स्पेशल, गौतमी, गोदावरी स्पे., हेमा, जयलक्ष्मी, जयश्री (एमआर), जयश्री, कनकप्रभा, कंचन, मैकनेयर-12, एन-98, रत्ना, सिरी, स्वर्णा, वीटी-1158, श्रुत्थी, कांथी, हेमाद्रि, सह्याद्रि, एफसीएच-222, मैमूथ गोल्ड, एफसीजे-11, एफसीआर-15, और एलटी-कंचन) का अनुरक्षण और लक्षणवर्णन किया गया। इसके अलावा, 16 बीड़ी किस्मों (ए-119, ए-145, ए-2, एबीडी-19, एबीडी-54, एबीटी-10, भाग्यश्री, जीएबीटी-11, जीटी-4, जीटी-5, जीटी-6, जीटी-7, जीटी-8, जीटी-9, जीटीएच-1, और एनपीएन-190) का भी अनुरक्षण किया गया।



अनुरक्षित किस्मों में से कुछ की तस्वीरें

3.1.83. मूली और गाजर के लिए धूल परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

रबी मौसम 2024-25 के दौरान, गाजर की चौदह संदर्भ किस्मों और मूली की 16 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया गया। मूली में, संदर्भ किस्मों की कंद फसल अक्टूबर के दौरान बोई गई और दिसंबर में अनुरक्षण के लिए चयनित कंदों को फिर से रोपित किया गया। गाजर में, संदर्भ किस्मों के कंद फसल अक्टूबर के आरंभ में बोई गई और चयनित कंदों को जनवरी 2025 के मध्य में अनुरक्षण प्रजनन के लिए पुनः रोपित किया गया। संदर्भ किस्मों में डीयूएस लक्षणों के आँकड़े दर्ज किए गए।

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कटरैन, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

वर्ष 2024-25 के दौरान, गाजर की 19 संदर्भ किस्मों और मूली की 13 संदर्भ किस्मों का लक्षणवर्णन, परिष्करण और अनुरक्षण किया गया। डीयूएस परियोजना के अंतर्गत गाजर और मूली की अनुरक्षित की गई सभी किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, विस्तृत आँकड़े दर्ज किए गए। हालाँकि, डीयूएस परीक्षण के लिए मूली और गाजर दोनों के लिए कोई भी उपयुक्त किस्म प्राप्त नहीं हुई।



केएसपी-135

गाजर की संदर्भ किस्में



पूसा नयनज्योति (सी-लाइन)



सोलन श्रेष्ठ

मूली की संदर्भ किस्में



पूसा गुलाबी



सफेद मूली





पूसा नयनज्योति (सी-लाइन)



सोलन श्रेष्ठ



गाजर की संदर्भ किस्में

3.1.84. डोलिचोस बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

डीयूएस लक्षणों को दर्ज करने के लिए 9 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण किया गया। डोलिचोस की तेरह किस्मों के साथ-साथ संदर्भ किस्मों को भी खेत में अनुरक्षित किया गया। उपरोक्त किस्मों का प्रजनक बीजोत्पादन किया गया और वर्तमान में सभी किस्मों में लगभग 10 कि.ग्रा. प्रजनक बीज अनुरक्षित किए गए हैं।

3.1.85. पेठा, चिचिंडा और कुंदरू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

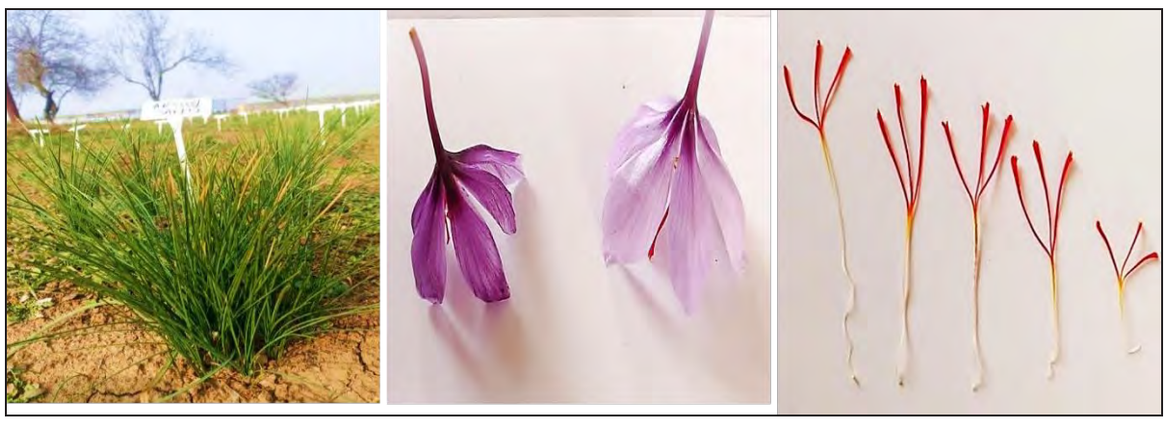
भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

वर्ष के दौरान, 1 पेठा (एफवी) का डीयूएस लक्षणों के लिए मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त, 7 पेठा, 5 कुंदरू और 5 चिचिंडा सहित कुल 17 संदर्भ किस्मों का भी डीयूएस लक्षणों के लिए मूल्यांकन किया गया।

3.1.86. केसर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केसर अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, पंपोर, जम्मू और कश्मीर

एआरएसएस और टीएसएस, पंपोर, एसकेयूएएसटी-कश्मीर में केसर (क्रोकस सैटिवस एल.) की कुल 63 किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है। 2024-25 के दौरान, जम्मू के किश्तवाड़ जिले के केसर उत्पादक क्षेत्रों से नौ नए इकोटाइप एकत्र किए गए, और अतिरिक्त वंशावलियाँ एक मानक सामग्री हस्तांतरण समझौते के माध्यम से पादप आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन एवं संरक्षण विभाग, कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र, अल्बालाडेजिटो, टोलेडो-क्यूएनका, स्पेन से प्राप्त हुईं। ये सभी नई वंशावलियाँ वर्तमान में डीयूएस केंद्र में मूल्यांकन के अधीन हैं। केसर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र के उद्देश्यों के अनुरूप, किसानों की केसर किस्मों के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए तीन जागरुकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से पहले दो कार्यक्रम 2024 में और तीसरा 2025 में आयोजित किया गया।





3.1.87. कालाजीरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केसर अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, पंपोर, जम्मू और कश्मीर

आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन, लक्षणवर्णन और प्रजनन के संबंध में चल रहे कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करने के लिए, कालाजीरा *(ब्यूनियम पर्सिकम)* की कुल 46 संदर्भ किस्मों और एक एग्जाम्प्ल किस्म का वर्तमान में केंद्र में संरक्षण और अनुरक्षण किया जा रहा है। ये वंशावलियां विशेषक की पहचान करने, तुलनात्मक मूल्यांकन करने और भावी किस्मगत विकास पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में कार्य करती हैं। 2024-25 के दौरान, हिमाचल प्रदेश के प्रमुख कालाजीरा उत्पादक क्षेत्रों से ग्यारह अतिरिक्त बीज-प्रवर्धित जननद्रव्य वंशावलियाँ एकत्रित की गईं और मौजूदा संग्रह में शामिल की गईं। इन संग्रहणों ने जम्मू और कश्मीर के विविध ऊँचाई वाले क्षेत्रों से 2023-24 के दौरान एकत्रित की गई 17 बीज-प्रवर्धित और 21 कंद-प्रवर्धित वंशावलियों सहित 38 जननद्रव्य वंशावलियों को संपूरित किया। सभी वंशावलियों का विस्तृत आकारिकीय मूल्यांकन वर्तमान में केसर और शीतोष्ण बीज मसाला उन्नत अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर में किया जा रहा है। बीज-प्रजनित वंशक्रमों ने फसल अवधि, अंकुर रंजकता और पौधे की ऊँचाई जैसे लक्षणों के संबंध में पर्याप्त परिवर्तनशीलता प्रदर्शित की, जो एक व्यापक आनुवंशिक आधार का संकेत है। इसी प्रकार, कंद-प्रजनित किस्मों ने पत्तियों के रंग और आकृति, फूलों के रंग, शाखाओं के पैटर्न और विकास संव्यवहार के संबंध में भिन्नता प्रदर्शित की। उल्लेखनीय रूप से, एक विशिष्ट झाड़ी-प्रकृतिक जीनप्ररूप अभिज्ञात किया गया, जिसमें प्रति पादप सात से अधिक प्राथमिक शाखाएँ थीं। इस विशेषक ने लगातार दो बढ़ते मौसमों में स्थिरता प्रदर्शित की, और पौधों की संरचना और उपज क्षमता में सुधार लाने के उद्देश्य से प्रजनन कार्यक्रमों में अपनी संभावित उपयोगिता का संकेत दिया।



3.1.88. कोकम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. बालासाहेब सावंत, कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, रतनगिरी, महाराष्ट्र

डीयूएस केंद्र, मुल्दे में कुल 47 प्रकार की एग्जाम्प्ल किस्मों का रोपण और अनुरक्षण किया गया है। केंद्र ने कृषक किस्मों का सर्वेक्षण और संग्रह किया और उनका पंजीकरण किया। दिवेआगर से तीन कृषक किस्मों के लिए पंजीकरण हेतु पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कृषक किस्मों का दस्तावेजीकरण, अनुक्रमण और प्रसूचीकरण शुरु किया।



एग्जाम्प्ल किस्म एवं कृषक किस्में (कलमें)



मुल्दे में कोकम पर डीयूएस केंद्र के बारे में जागरुकता कार्यक्रम

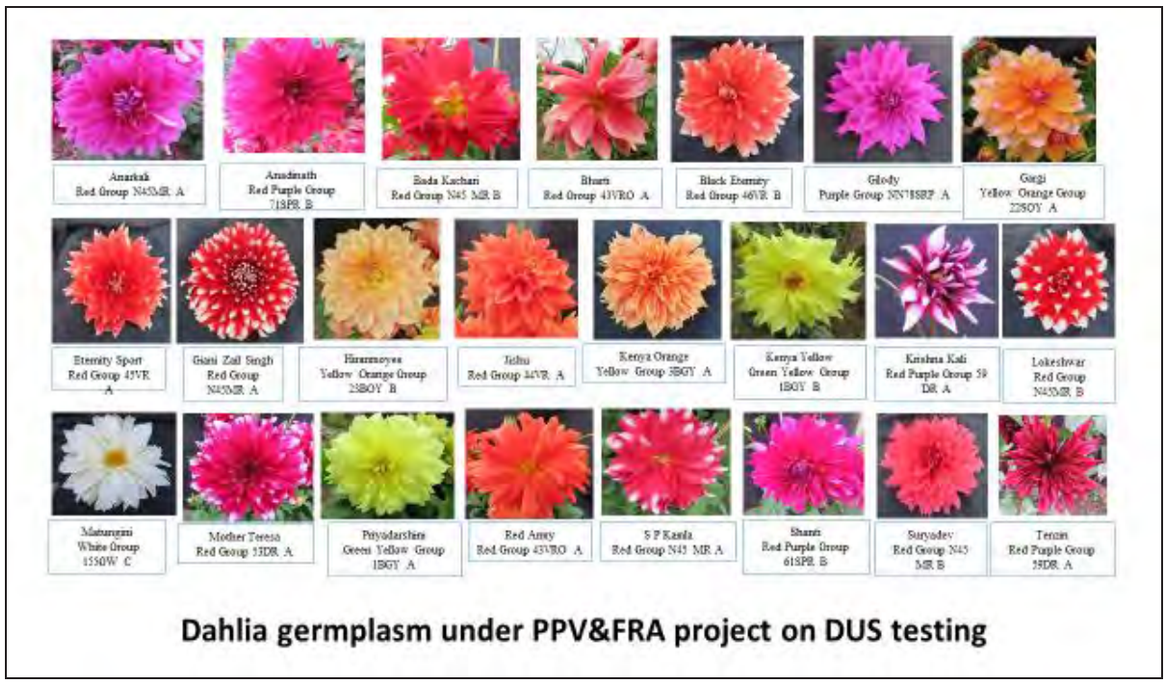
3.1.89. डहेलिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

आरएचआरटीएस, धौलाकुआं, डॉ. वाईएस पीयू, नौनी, सोलन (हिमाचल प्रदेश)

केंद्र में कुल 32 डहेलिया (*डहेलिया वेरिएबिलिस* एल.) किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में संरक्षित और अनुरक्षित किया गया है। इन किस्मों का आकारिकीय लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।



फ्लावर हेड टाइप



डीयूएस परीक्षण पर पीपीवी एवं एफआरए परियोजना के तहत डहेलिया का जननद्रव्य

3.1.90. गुलाब के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-आईआईएचआर, बैंगलोर

केंद्र कुल 153 संदर्भ और एग्जाम्प्ल किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है। केंद्र ने गुलाब की सात किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किया, जिनके लिए प्राधिकरण द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए गए। संस्थान ने 12 गुलाब किस्मों को विकसित और विमोचित किया, जिनमें से दो को पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001 के तहत संरक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, डीयूएस केंद्र ने संदर्भ किस्मों के अनुरक्षण के लिए एक पॉलीहाउस स्थापित किया है।



3.1.91. गेंदा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-आईएआरआई, नई दिल्ली

वर्ष 2024-25 के दौरान, गेंदे के कुल 69 जीनप्ररूप (21 संदर्भ किस्मों/वंशक्रमों सहित) जननद्रव्य ब्लॉक में अनुरक्षित किए गए। इन किस्मों/वंशक्रमों को नर्सरी में बीजों या कलमों के माध्यम से बहुगुणित किया गया और बाद में मुख्य खेत में प्रत्यारोपित किया गया। जीनप्ररूप की आनुवंशिक शुद्धता बनाए रखने के लिए, अवांछित पौधों को हटाने के बाद बहुगुणित संदर्भ किस्मों/वंशक्रमों को लैंगिक स्व-प्रजनन (रूजिंग) प्रक्रिया में रखा गया।

इसके अतिरिक्त, डीयूएस परीक्षण हेतु संदर्भ किस्मों के साथ-साथ नई प्रत्याशी किस्में, अर्का भानु, IIHRMY 1-4, अर्का अभी और IIHRMY 2-1 भी उगाई गईं। इन चार प्रत्याशी किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण का प्रायोगिक मूल्यांकन वर्ष के दौरान पूरा किया गया।



टास्क फोर्स द्वारा 05.12.2024 को गेंदे की प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस निरीक्षण

3.2 पीपीवी और एफआरए के जीन बैंक

पीपीवी और एफआरए अधिनियम, 2001 की धारा 27 के अनुसार, ब्रीडर को पुनरुत्पादन के उद्देश्य से विनियमों में यथा निर्दिष्ट, पंजीकृत किस्म के पैतृक वंशक्रम बीज सहित बहुगुणक सामग्री राष्ट्रीय जीन बैंक में जमा करनी होती है।

पीपीवी और एफआरए के राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना भाकृअनुप-एनबीपीजीआर पुराने परिसर में की गई जिसका उद्देश्य पीपीवी और एफआरए में पौधा किस्म पंजीकरण के प्रयोजनार्थ प्रत्याशी किस्मों के पारंपरिक या वास्तविक बीजों (जैसे कि धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, टमाटर, तोरिया-सरसों, जूट आदि) का मध्यावधि भंडारण करना है।

तथापि, फल वृक्षों (जैसे कि नारियल, आम और नींबू), रोपण प्रजातियों (जैसे कि नीलगिरी और चिनार), मसालों (काली मिर्च, अदरक और हल्दी), वाणिज्यिक प्रजातियों, जैसे कि रबड़ (जो या तो लंबे पुनर्जनन चक्र सहित खराब बीज उत्पन्न करते हैं, क्योंकि सामान्यतः बीज शुष्कन या कम तापमान भंडारण को सहन नहीं कर पाते हैं और उन्हें पारंपरिक भंडारण स्थितियों के तहत भंडारण करना आसान नहीं होता है) या लैंगिक रूप से बंध्य प्रजातियों (जिनमें बिल्कुल भी बीज नहीं होते हैं या ऐसी प्रजातियां जो सामान्यतः क्लोन द्वारा बहुगुणित होती हैं (जैसे कि, गन्ना और आलू) की रोपण सामग्री को बाह्य स्थाने फील्ड जीन बैंक में संरक्षित किया गया। चूँकि

आनुवंशिक संसाधनों की विविधता उनके मूलस्थान या देश के प्राथमिक या द्वितीयक केंद्रों के निकट प्रचुर मात्रा में होती है, इसलिए तथाकथित प्रजातियाँ स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों (जैसे कि मृदा जल, तापमान आदि) से अनुकूल भी होती हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में फील्ड जीन बैंक भी रणनीतिक रूप से स्थापित किए गए हैं।

विभिन्न भौगोलिक संदर्भों (जहां उप-प्रजातियों/अंतरा-किस्म परिवर्तनशीलता वाली किस्मों को एक ही स्थान पर संग्रहित किया जाता है) की दृष्टि से विमोचित किस्मों की रिपोजिटरी (रेफरल संग्रह) के रूप में फील्ड जीन बैंक सुविधा का भी उपयोग किया जाएगा। फील्ड जीन बैंक में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत किस्मों के प्रतिदर्श पौधों का भी अनुरक्षण किया जाएगा। उनके स्रोत, पैतृकता, आकारिकी/ लैंगिक/खेती संबंधी विशेषताओं की महत्ता, डिजिटलीकरण और डेटाबेस प्रबंधन से तकनीकी-कानूनी मुद्दों और विवाद निपटान में मदद प्रापत होगी1

3.2.1 राष्ट्रीय जीन बैंक, एनबीपीजीआर पुराना परिसर, नई दिल्ली

3.2.1.1 पीपीवी और एफआरए जीन बैंक में अनुरक्षण गतिविधियाँ

इस परियोजना के अंतर्गत मध्यावधि केंद्र के संचालन की नियमित निगरानी एनबीपीजीआर से परियोजना के अंतर्गत नियोजित इलेक्ट्रीशियन के साथ तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है। इसके कोल्ड स्टोर का तापमान +4°C पर अनुरक्षित किया जाता है, और सापेक्ष आर्द्रता 35% पर सेट की जाती है। इलेक्ट्रीशियन मध्यावधि भंडारण (एमटीएस) मॉड्यूल और डीयूएस परीक्षण भंडार के तापमान और आर्द्रता के स्तर को प्रतिदिन रिकॉर्ड करता है। कोई भी बड़ी समस्या पाए जाने पर उसकी सूचना तुरंत एनबीपीजीआर तकनीकी कर्मियों को दी जाती है और तदनुसार उसका समाधान किया जाता है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, पीपीवी और एफआरए जीन बैंक के निर्बाध और सुगम संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, डीजी सेट और एयर कंडीशनर की सर्विसिंग और मरम्मत की गई। जीन बैंक के निरंतर संचालन को सुनिश्चित करने हेतु, रेफ्रिजरेशन प्राचलों की दैनिक निगरानी की जाती है और सभी सुविधाओं का अनुरक्षण किया जाता है।

3.2.1.2 अंकुरण और नमी तत्व के परीक्षण के लिए पंजीकृत किस्मों की निगरानी:

पीपीवी और एफआरए के जीन-बैंक (एमटीएस) में संग्रहीत 563 पंजीकृत किस्मों के बीज नमूनों का परीक्षण किया गया ताकि अनाज, फलियां और सब्जी बीजों के लिए 5 वर्षों के भंडारण और तिलहन के लिए 3 वर्षों के भंडारण के बाद उनमें अंकुरण कैसा होता है और नमी कितनी रहती है। अंकुरण की स्थिति का पता लगाने के लिए छोटे बीज वाली प्रजातियों हेतु परीक्षण टॉप ऑफ पेपर विधि का प्रयोग कर किया गया, जबकि बड़े बीज वाली प्रजातियों के लिए "बीटवीन पेपर" विधि का प्रयोग कर किया गया। तापमान स्थितियों और डेटा रिकॉर्डिंग आईएसटीए की अनुशंसा के अनुसार की गई। प्रत्येक फसल के लिए आईएसटीए द्वारा अनुशंसित उच्च/निम्न तापमान ओवन मैथड का प्रयोग कर नमी तत्व का पता लगाने के लिए परीक्षण किया गया।

परीक्षणों की पुनरावृत्ति केवल ऐसे मामलों में की गई, जहाँ भी अत्यंत कम अंकुरण हुआ या उच्च नमी देखी गई। सभी व्यक्तिगत नमूनों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया और अंकुरण और नमी, दोनों के संबंध में डेटा रेंज का सारांश नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

फसल	नमूनों की सं.	अंकुरण सीमा (%)	नमी सीमा (%)		फसल	नमूनों की सं.	अंकुरण सीमा (%)	नमी सीमा (%)
जौ	2	100	10.06		अलसी	2	96-100	7.62 – 9.31
लौकी	1	40	8.14		मक्का	26	0 - 100	9.83 – 14.94
बैंगन	51	0 - 100	5.03 – 10.40		भिंडी	5	0 - 84	10.05 – 12.70
पत्तागोभी	2	0 - 28	6.59 – 8.08		प्याज	2	0 - 92	9.28 - 9.49
अरंडी	1	12	7.84		बाजरा	6	अप्रैल-92	8.93 – 11.60
फूलगोभी	11	0 - 100	6.50 – 7.91		अरहर	10	4 - 100	7.40 – 14.84
मिर्च	2	अगस्त-80	7.77 – 7.95		तोरिया	3	88 - 100	8.38 – 8.72
धनिया	1	44	10.6		धान	179	0 - 100	7.53 -14.60
द्विगुणित कपास	7	0 - 84	8.91 – 13.10		सोयाबीन	9	0 - 100	9.30 – 15.76
दुरम गेहूँ	1	100	8.4		ज्वार	3	88 - 100	10.61 – 12.31
मटर	1	84	11.31		सूरजमुखी	12	0 - 96	7.36 – 11.64
बाजरा	2	88 - 100	11.34 – 11.94		त्रिगुणित कपास	175	0 - 100	7.13 – 14.54
हरा चना	1	92	8.8		टमाटर	20	0 - 92	6.21 – 12.25
मूंगफली	4	0 - 28	6.13 – 8.43		गेहूँ	14	0 - 100	8.31 – 13.90
सरसों	10	0 - 100	7.00 – 10.53					

कई फसलों में अंकुरण में अवांछनीय हानि को एक ऐसे बिंदु के रूप में माना जाना चाहिए जिस पर कार्रवाई आवश्यक है। 0% अंकुरण का अर्थ यह है कि पूरे संसाधन की हानि हुई है। ऐसी स्थिति नमूना का प्रसंस्करण करने, और विशेष रूप से उसके शुष्कन की आवश्यकता को भी उजागर करती है। व्यक्तिगत नमूनों पर हमारे आँकड़े बताते हैं कि नमीरोधी एल्युमीनियम थैलियों में, बीज में उच्च नमी मात्रा के साथ उन्हें पैक करने से, प्रतिदर्शों व नमूनों (विशेषकर अल्पकालिक प्रजातियों में) की व्यवहार्यता अर्थात टिकऊपन या तो पूर्ण रूप से नष्ट हो जाता है या काफी हद तक उसकी क्षति होती है। बीजों को एमटीएस में संरक्षित करने से पहले, प्रतिदर्श प्रबंधन रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

2.2.1.3 मध्यावधि भंडारण स्थिति और डीयूएस भंडार (31 मार्च, 2024 तक)

क्र.सं.	फसलें	डीयूएस टेस्ट रिपोजिटरी (एसटीएस)					मध्यावधि भंडारण (एमटीएस)					सकल योग
		(22˚C पर डीयूएस परीक्षण हेतु प्रत्याशी किस्में)					(4˚C)					
		प्राप्त बीज क					जारी प्रमाणपत्र ख					
		नई	वीसीके + ईडीवी	कृषक	विद्यमान अधिसूचित	कुल	नई	वीसी के + ईडीवी	कृषक	विद्यमान अधिसूचित	कुल	(क+ख)
1	पेठा			1		**1**	-	-	-	-	-	**1**
2	अश्वगंधा		1	1		**2**						**2**
3	शतावरी	1				**1**						**1**
4	जौ	14	5	55	9	**83**	1	1	27	19	**48**	**131**
5	सावां	1		55	2	**58**			7	1	**8**	**66**
6	करेला	32	29	17		**78**		15	6	1	**22**	**100**
7	उड़द	6	2	131	24	**163**	2		53	38	**93**	**256**
8	लौकी	13	18	59		**90**		7	10	4	**21**	**111**
9	गेहूँ	64	12	113	31	**220**	39	10	102	173	**324**	**544**
10	बैंगन	122	94	100	4	**320**	49	108	38	15	**210**	**530**
11	कुट्टू			2		**2**						**2**
12	पत्तागोभी	18	2	1		**21**	7	1	1	1	**10**	**31**
13	गाजर		1	1		**2**						**2**
14	अरंडी	9	2	9	1	**21**	4	3	2	5	**14**	**35**
15	अजवाइन			3		**3**						**3**
16	फूलगोभी	47	12	13	1	**73**	17	9	4	3	**33**	**106**
17	चना	5		89	29	**123**	2		51	64	**117**	**240**
18	मिर्च	154	161	25	8	**348**			12	9	**21**	**369**
19	ग्वार फली			3	1	**4**				1	**1**	**5**

20	धनिया	1	1	34	1	**37**			27	2	**29**	**66**
21	लोबिया		2	10	5	**17**				4	**4**	**21**
22	जीरा			1		**1**						**1**
23	खीरा	13	25	40		**78**		4	5	2	**11**	**89**
24	डोलिचोस बीन			10		**10**						**10**
25	सौंफ			2		**2**						**2**
26	दुरम गेहूं	2		4	5	**11**	4		4	28	**36**	**47**
27	डाइकोकम गेहूं	8				**8**				5	**5**	**13**
28	द्विगुणित कपास	5	3	2	4	**14**	13	9		37	**59**	**73**
29	सहजन			1		**1**						**1**
30	फाबा बीन			3	1	**4**				1	**1**	**5**
31	मेथी		1	18		**19**			10	1	**11**	**30**
32	रागी	3		145	9	**157**			19	11	**30**	**187**
33	कंगनी	2		50	2	**54**			6	2	**8**	**62**
34	दाना चौलाय	1		24	3	**28**						**28**
35	हरी मटर	2			2	**4**				2	**2**	**6**
36	फ्रेंच बीन			4		**4**						**4**
37	मूंग	8	4	62	22	**96**		1	17	40	**58**	**154**
38	मूंगफली	9	1	21	2	**33**	1	1	14	39	**55**	**88**
39	कुल्थी			16		**16**						**16**
40	ईसबगोल	1				**1**						**1**
41	ईशरमूल			1		**1**						**1**
42	जूट	17	2	4	2	**25**	12	1		14	**27**	**52**
43	जखिया (जंगली सरसों)			2		**2**						**2**

44	काली जीरी			3		**3**						**3**
45	राजमा		2	52	2	**56**		4	13	9	**26**	**82**
46	कोदो			115		**115**			49		**49**	**164**
47	लेथिरस (खेसारी दाल)			2		**2**						**2**
48	मसूर			69	9	**78**			32	16	**48**	**126**
49	अलसी			64	3	**67**			49	7	**56**	**123**
50	कुटकी	2		98	1	**101**			59	3	**62**	**163**
51	मक्का	433	73	406	87	**999**	256	124	44	122	**546**	**1545**
52	गेंदा	7		5	5	**17**						**17**
53	खरबूजा	18	4	1		**23**	2		1	2	**5**	**28**
54	सरसों	37	9	74	7	**127**	6	16	51	57	**130**	**257**
55	रामतिल			1		**1**						**1**
56	भिंडी	103	45	28	3	**179**	20	28	13	17	**78**	**257**
57	प्याज	4	13	10	2	**29**	2	1	1	11	**15**	**44**
58	ओरिएंटल तरबूजा			1		**1**						**1**
59	मटर	7	3	100	13	**123**			51	38	**89**	**212**
60	बाजरा	180	282	32	31	**525**	95	43	8	58	**204**	**729**
61	अरहर	14	4	186	28	**232**	17	2	158	33	**210**	**442**
62	कद्दू		4	31		**35**			9	3	**12**	**47**
63	तोरिया			25	1	**26**			34	13	**47**	**73**
64	धान	523	75 + 4	2898	187	**3687**	232	71	3296	307	**3906**	**7593**
65	राइस बीन			2	1	**3**						**3**
66	पेरिला बीज			6		**6**						**6**
67	परवल			1		**1**						**1**
68	चेना	1		3		**4**						**4**

69	मूली		2			**2**						**2**
70	तुरई	9	3	22		**34**		2	5	2	**9**	**43**
71	कुसुम	5	1	1	3	**10**		1		9	**10**	**20**
72	तिल	1		79	5	**85**			19	10	**29**	**114**
73	स्नैप मेलन			12		**12**						**12**
74	ज्वार	67	18	84	25	**194**	76	39	59	59	**233**	**427**
75	सोयाबीन	18	4	33	12	**67**	5	1	18	36	**60**	**127**
76	सूरजमुखी	72	7		3	**82**	44	21		13	**78**	**160**
77	सावा			2		**2**						**2**
78	कंटोला			1		**1**						**1**
79	तुरई		1	1	1	**3**						**3**
80	त्रिगुणित कपास	395	170 + 119	2	41	**727**	261	310 + 14	1	91	**677**	**1404**
81	टमाटर	163	97 + 3	22	11	**296**	49	60	17	17	**143**	**439**
82	पत्ता चौलाय									1	**1**	**1**
83	मखमली बीन			2		**2**						**2**
84	तरबूज	8	19			**27**		5			**5**	**32**
कुल		**2625**	**1340**	**5606**	**649**	**10220**	**1216**	**912**	**4402**	**1456**	**7986**	**18206**

3.2.2 बीज आवश्यकताएं

क्र.सं.	फसल	अधिसूचना की तिथि	बीज आवश्यकता प्रत्याशी/पैतृक वंशक्रम हाइब्रिड (प्रत्येक) ग्राम में, जब तकअन्यथा वर्णन न किया जाए		अंकुरण %	नमी %	भौतिक शुद्धता %	डीयूएस परीक्षण हेतु बीज प्रस्तुतीकरण के लिए अनंतिम मौसम - माह	निर्दिष्ट बीज पैकेट आकार (मिमी)
1	धान (*ओरिज़ा सैटिवा* एल.)	01/11/2006	3000	1500	80	11-12	98	*खरीफ* –मार्च -अप्रैल	230x 300
2	गेहूं (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.)		3000	1500	95	8-9	98	*रबी*-अगस्त	230x 300
3	मक्का (*ज़ी मेस* एल.)		3000	1500	80(inbred/SCH)90(var/DCH)	8-10	98	*खरीफ*-मार्च-अप्रैल *रबी*- अगस्त	230x 300
4	ज्वार (*सोरघम बाइकलर* (एल.) मोएंच)		2000	1000	80	10	98	*खरीफ*-मार्च *रबी*-अगस्त	230x 300
5	बाजरा (*पेनिसेटम ग्लॉकम* (एल.) आर.बी.आर.)		600	300	80(inbred/SCH) 90(var/DCH)	10	98	*खरीफ*-मार्च	165x 220
6	चना (*सिसर एरीटिनम* एल.)		2000 (देसी) 3000 (काबुली)	NA	95	8-9	98	*रबी*-अगस्त	230x 300
7	हरा चना (विग्ना रेडिएट (एल.) विल्ज़ेक)		1000	NA	95	8-9	98	*खरीफ* -मार्च	230x 300
8	मूंग (*विग्ना मुंगो* (एल.) हेपर)		1000	NA	95	8-9	98	*खरीफ*-मार्च	165x 220
9	हरी मटर (*पिसम सैटिवम* एल.)		2000	NA	85	8-9	98	*रबी*-अगस्त	230x 300
10	राजमा (*फ़ेज़ियोलस वल्गारिस* एल.)		3000	NA	85	8-9	98	जून-जुलाई	230x 300
11	मसूर (*लेंस क्यूलिनारिस* मेडिक)		1000	NA	85	8-9	98	*रबी*-अगस्त	230x 300
12	अरहर (*कैजेनस कैजन* (एल.) मिलस्प.)		2000	1500	95	8-9	98	*खरीफ*-मार्च	230x 300
13	कपास (*गॉसिपियम हिर्सुटम* एल.)	31/12/2007	2000	1000	75	10	98	*खरीफ*- उत्तर क्षेत्र- फर.-प्रायद्वीपीय - दक्षिण क्षेत्र - मई-जून	230x 300
14	कपास (*जी. बारबाडेंस* एल.)		2000	1000	75	10	98		
15	कपास (*जी. आर्बोरियम* एल.)		1500	750	75	10	98		
16	कपास (*जी. हर्बेशियम* एल.)		1500	750	75	10	98		
17	जूट (*कोरकोरस कैप्सुलारिस*		1000	500	85	9	97	पूर्व-*खरीफ*-अगेती	165x

	एल.)							जनवरी	220
18	जूट (*कोरकोरस ओलिटोरियस* एल.)		1000	500	85	9	97	पूर्व-*खरीफ*-अगेती जनवरी	
19	गन्ना (*सैकरम* एल.)	27/07/2009	400 एकल कलम सेट						
20	अदरक (*ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल* Rosc.)		5000 ग्रा. (25-30 ग्रा. का शुद्ध एवं पूर्ण राइजोम, प्रत्येक के 150 पीस)						
21	हल्दी (*कुरुम्मा लोंगा* एल.)		6 कि.ग्र.(35-40% नमी तत्व के साथ शुद्ध एवं पूर्ण ताजा राइजोम)						
22	सरसों (*ब्रैसिका जुंसिया* एल. कज़र्न और कॉस)	30/04/2010	500	250	85	8	98	जून-जुलाई	165x 100
23	करण राई (*ब्रैसिका कैरिनाटा* ए ब्रौन)		500	250	85	8	98	जून-जुलाई	165x 100
24	तोरिया-सरसों (*ब्रैसिका रैपा* एल.)		500	250	85	8	98	जून-जुलाई	165x 100
25	गोभी सरसों (*ब्रैसिका नेपस* एल.)		500	250	85	8	98	जून-जुलाई	165x 100
26	मूंगफली (*अराचिस हाइपोगिया* एल.)		3000 (स्पेनिश एवं वेलेनसिया) 8000(केरनल) विरगिनिया बंच एवं रनर टाइप के लिए	1500 4000	80	9	98	*खरीफ*- मई-जून *रबी*:अगस्त-सितं.	300x 450
27	सोयाबीन (*ग्लाइसिन मैक्स* (एल.) मेरिल)		3000	NA	70	9	98	अप्रैल -मई	230x 300
28	सूरजमुखी (*हेलियनथस एनुअस* एल.)		3000	2000	70	9	98	जुलाई-अगस्त	230x 300
29	कुसुम (*कार्थमस टिनक्टोरियस* एल.)		3000	1500	80	9	98	जून-जुलाई	230x 300
30	अरंड (*रिकिनस कम्युनिस* एल.)		6000	2500	70	10	98	अप्रैल - मई	300x 450
31	तिल (*सेसमम इंडिकम* एल.)		500	250	80	9	97	अप्रैल - मई	165x 100
32	अलसी (*लिनम यूसिटाटिसिमम* एल.)		500	250	85	9	98	मई-जून	165x 100
33	काली मिर्च (*पाइपर नाइग्रम* एल.)		40 जड़युक्त कलमें						
34	छोटी इलायची (*एलेटेरिया कार्डमोमम* मैटन)		50 सकर्स						
35	टमाटर (*लाइकोपर्सन लाइकोपर्सिकम* (एल.) कार्स्टन पूर्व फ़र्व.)	02/12/2010	15(ओपन फील्ड) 8 (ग्रीनहाउस)	same	85	8	98	अप्रैल - मई	165x 100
36	बैंगन (*सोलनम मेलोंजेना* एल.)		15 (ओपन)	15 (ओपन	85	8	98	अप्रैल - मई	165x 100
37	ओकरा (*एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस* (एल.) मोएंच.)		नई : 300 वीके एवं एफवी: 150 ईएनवी : 60		65	10	99	मई-जून	230 x 300

38	फूलगोभी (*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल.वर. बोट्रीटिस)		15	15	भारत में प्रमाणित बीज के अनुसार			अप्रैल - मई	165x 100
39	पत्तागोभी (*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल. वेर कैपिटाटा)		15	15	-do-			अप्रैल - मई	165x 100
40	आलू (*सोलनम ट्यूबरोसम* एल.)		300 पूर्ण रूप से परिपक्व कंद (कंद आकार 3.5-5.0 सेमी होना चाहिए)						
41	प्याज (*एलियम सेपा* एल.)		हाइब्रिड और पैतृक वंशक्रम: 100 ग्रा., वानस्पतिक रूप से बहुगुणित किस्में (मल्टीप्लायर प्याज) : 1200 बल्बलेट्स, नर बंध्य वंशक्रम : 50 बल्ब	NA	70	प्रमाणित बीज मानक के अनुसार		संबंधित बुवाई मौसमों के अनुसार	
42	लहसुन (*एलियम सैटिवम* एल.)		2000 टिकाऊ क्लोव/फांक	NA	रोपण सामग्री भारत में रोपण सामग्री के विपणन के लिए अंकुरण क्षमता, नमी तत्व और भौतिक शुद्धता की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करना होगा, और भारत में प्रमाणित बीज के लिए निर्धारित न्यूनतम बीज मानकों की पूर्ति करनी होगी।			अगस्त-सितं.	-
43	गुलाब (*रोजा एसपीपी.*(*आर.डैमासेना* के अलावा)		9 कली/कलमबद्ध पौधे 9 पौधे 12 इंच के या 30 सेमी गमला आकार						
44	गुलदाउदी (*क्राइसेंथेमम स्पी.*)		100 दो ग्रथि वाले एवं टर्मिनल रूट कटिंग जिन्हें मातृत्व पादप से लिया गया हो						
45	आम (*मंगिफेरा इंडिका* एल.)		9 जड़युक्त कलमें, प्रत्येक स्थल के लिए						
46	दुरम गेहूं (*ट्राइटिकम ड्यूरम* Desf.)	18/08/2011	3000	1500	95	8-9	98	गेहूं के समान	230x 300
47	डाइकोकम गेहूं (*ट्रिटिकम डाइकोकम* एल.)/ अन्य *ट्रिटिकम स्पी.*		3000	1500	95	8-9	98	गेहूं के समान	230x 300
48	इसबगोल (*प्लांटागो ओवाटा* फोर्स्क)		250	NA	95	8-9	98	*रबी*: नवं.दिसं.	230 x 300
49	मेन्थॉल मिंट (*मेंथा अर्वेन्सिस* एल.)		5 कि.ग्रा. सकर्स (10-15 सेमी लंबे)						
50	दमश्क गुलाब (*रोजा डेमास्केना* मिल)		100 कलमें						
51	पेरीविंकल (*कैथरेन्थस रोज़ियस* एल.)		10 ग्रा.	NA	85	8	98	*खरीफ* : जून-जुलाई	230 x 300
52	ब्राह्मी (*बाकोपा मोनिएरी* एल. पेनेल)		500 कलमें (स्वच्छ एवं पूर्ण वानस्पतिक भाग, 10-15 सेमी लंबे)						
53	नारियल (*कोकोस न्यूसिफेरा* एल.)		30 एक वर्ष पुरानी पौधे जिन्हें मानक पॉटिंग मिक्सचर सहित पॉलीबैग में उगाया गया हो						

54	ऑर्किड (*सिम्बिडियम* Sw.)	27/03/2012	20 पादप (10 प्रत्येक केंद्र के लिए) कम से कम दो प्ररोहों के साथ। आयु 2-3 वर्ष						
55	ऑर्किड (*डेंड्रोबियम* Sw.)		20 पौधे (10 प्रत्येक केंद्र के लिए) कम से कम दो प्ररोहों के साथ। आयु 2-3 वर्ष						
56	ऑर्किड (*वांडा जोन्स* एक्स R. Br.)		20 पादप, आयु 2-3 वर्ष						
57	अनार (*पुनिका ग्रेनेटम* एल.)	15/04/2014	10 प्रोपेग्यूल, एक वषी पुराने जिन्हें एअर लेयरिंग या जड़युक्त स्टेम कटिंग के जरिए प्रवर्धित किया गया हो						
58	ऑर्किड (*कैटलिया लिंडल.*)		20 पौधे जो दो या तीन वर्ष पुराने हों तथा कम से कम दो प्ररोहों के साथ						
59	ऑर्किड (*फेलेनोप्सिस ब्लूम*)		20 पुष्पण आकार के पौधे						
60	कैसुरिना (*कैसुरिना इक्विसेटिफोलिया* एल.)		50 जड़युक्त कलमें (कम से कम तीन माह पुरानी), जिनका माप कॉलर से एपिकलटिप तक न्यूनतम 20 सेमी हो और जड़ तंत्र अच्छी तरह विकसित हो						
61	कैसुरिना (*कैसुरिना जुंगहुनियाना* Miq.)								
62	करेला (*मोमोर्डिका चारेंटिया* एल.)		300 ग्रा. या 1500 सं.	NA	80	8	98	दिस.-जनवरी	230x 300
63	लौकी (*लेगेनेरिया सिसेरिया* (Mol.) स्टैंडल.)		250 ग्रा. या 1500 सं.	NA	80	8	98		230x 300
64	खीरा (*कुकुमिस सैटिवस* एल.)		50 ग्रा. या 1500 सं.	NA	80	8	98		230x 300
65	कद्दू (*कुकुर्बिता मोस्चटा* डच. एक्स पोइर.)		200 ग्रा. या 1500 सं.	NA	80	8	98		230x 300
66	जौ (*होर्डियम वल्गेर* एल.)		1500	1000	95	8	98	अगस्त-सितं.	230x 300
67	धनिया (*कोरिएंड्रम सैटिवम* एल.)		250	NA	80	8-9	98	Jul-अगस्त	165x 100
68	मेथी (*ट्राइगोनेला फेनम ग्रेकम* एल.)		250	NA	80	8-9	98	Jul-अगस्त	165x100
69	बादाम (*प्रूनस डल्सिस* (मिल.) D.A. वेब)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
70	सेब (*मालस डोमेस्टिका* बोरख)		6 कली/कलमबद्ध पौधे						
71	नाशपाती (*पाइरस कम्युनिस* एल.)		6 कली/कलमबद्ध पौधे						
72	खुबानी (*प्रूनस आर्मेनियाका* एल.)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
73	चेरी (एल. एल.)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
74	अखरोट (एल. एल.)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
75	अंगूर (*विटिस स्पी.*)		12कलमबद्ध पौधे (एक वर्ष पुराने) प्रत्येक स्थल के लिए						
76	बेर (*जिजिफस मौरिटिएना* Lamk.)		7 पौधे, प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए (न्यूनतम आयु 3 माह)						
77	यूकेलिप्टस (*यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस* Dehnh.)		60 जड़युक्त पौधे (पौधे 250 cc रूट ट्रेनर होने चाहिए) जिनकी न्यूनतम आयु 6 माह हो						
78	यूकेलिप्टस (*युकेलिप्टस टेरेटिकॉर्निस* Sm.)								

79	चाय (*कैमिलिया साइनेंसिस* एल.)	16/10/2014	75 पौधे (15-18 इंच ऊंचाई), युवा पादप जिनकी टहनी पेंसिल की तरह मोटी हो तथा उनकी अपनी ही जड़े हों						
80	चाय (*सी. असामिका*)								
81	चाय (*सी. असामिका* स्पी. लेसियाकैलिक्स)								
82	कागजी नींबू (*सिट्रस ऑरेंटिफोलिया* स्विंगल)		10 पौधे, प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए। आयु छह माह से अधिक होनी चाहिए						
83	मैंडरिन (*सिट्रस रेटिकुलाटा* ब्लैंको)		10 पौधे, प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए। आयु छह माह से अधिक होनी चाहिए						
84	मौसम्बी (*सिट्रस साइनेंसिस* (एल.) ऑस्बेक)		10 पौधे, प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए। आयु छह माह से अधिक होनी चाहिए						
85	बोगनविलिया (*बोगनविलिया कॉम.* एक्स जस..)		10 बेहतर जड़युक्त एवं उगाये गए पौधे						
86	केला (*मुसा स्पी.*)		40 टिशु कल्चर्ड पादप प्रति स्थल						
87	ऑर्किड (*ओन्सियम* sw.)		20 पौधे जिनकी आयु 2-3 वर्ष हो और उनमें कम से कम दो स्यूडो-बल्ब/प्ररोह हों।						
88	कैना (*कैना* एल.)	21/01/2015	20 युवा पौधे या 20 परिपक्व राइजोम						
89	ग्लेडियोलस (*ग्लेडियोलस* एल.)		30 घनकंद (4 - 4.5 सेमी आकार के)						
90	खरबूजा (*कुकुमिस मेलो* एल.)		100 ग्रा. बीज, खुले खेत में खेती के लिए	NA	80	8	98	दिस.-जनवरी	230x300
91	तरबूज (*सिट्रुलस लैनाटस* (थुनब.) मैन्सफ.)		150 ग्रा. बीज, खुले खेत में खेती के लिए	NA	80	8	98	दिस.-जनवरी	230x300
92	चमेली (*जैस्मिनम ऑरिकुलेटम* एल.)	02/07/2015	20 जड़युक्त पादप						
93	ट्यूबरोज (*पोलिएन्थेस ट्यूबरोसा* L)		75 बल्ब, जो 2 सेमी सेअधिक के हों (सबसे चोड़े भाग पर व्यास के आधार पर) और उनका वजन 25-30 ग्रा.. हो						
94	पपीता (*कैरिका पपैया* एल.)		20 ग्रा. स्त्रीलिंग किस्मों के लिए और 40 ग्रा. द्विलिंग किस्मों के लिए (दोनों मौसमों के लिए)	NA	60	7	98% किस्म के लिए और 90% हाइब्रिड के लिए	--	---
95	चाइना एस्टर (*कैलिस्टेफस चिनेंसिस* (एल.) नीस.)		2 ग्रा., प्रत्येक दो पैकेट में	NA	60	6-9	98	---	---
96	आड़ू (*प्रूनस पर्सिका* एल. Batsch.)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
97	जापानी प्लम (*प्रूनस सेलिसिना* एल.)		10 कली/कलमबद्ध पौधे						
98	स्ट्रॉबेरी (*फ्रेगेरिया* x *एनानेसन* Duch.)		120 रनर्स या पादप प्रेपेग्यूल या सीडलिंग पौधे (टिशु कल्चर्ड पौधे जिन्हें 4-5 पत्ती चरण पर ठोसपन दिया गया हो)						

99	मिर्च, शिमला मिर्च और पैपरिका (कैप्सिकम एनुअम एल.)		15 ग्रा. OP किस्म हेतु एवं 10 ग्रा. हाइब्रिड और पैतृक वंशक्रम हेतु	NA	85	8	98	अगस्त-सितं.	165x100
100	रागी (*एल्यूसिन कोराकाना* (एल.) गार्टन.)		250 ग्रा. & 10 गुच्छ	NA	80	10-12	97	अप्रैल -मई	230x300
101	कंगनी(*सेटारिया इटैलिक* (एल.) ब्यूव)		250 ग्रा. & 10 गुच्छ	NA	80	11-12	97	अप्रैल -मई	230x300
102	पत्ता चौलाय (ऐमारैंथस ट्राइकलर एल.)	19/04/2016	150 ग्रा.	NA	80	<8	98	जुलाई-सितं.	165x100
103	तोरी (*लुफा एक्यूटैंगुला* (एल.) रॉक्सब.)		250 ग्रा. या 1500 बीज	NA	80	<8	98	दिसं.-जनवरी	230-x300
104	पालक (*बीटा वल्गेरिस* वर. बेंगालेंसिस रॉक्सब.)		250 ग्रा.	NA	80	<8	98	अगस्त-सितं.	165x100
105	कार्नेशन (*डायन्थस कैरियोफिलस* एल.)		150 जड़युकत कलमें						
106	ऑर्किड (*पैफियोपेडिलम* फिट्ज़.)		10 पौधे, प्रत्येक केंद्र के लिए						
107	नौनी (*मोरिंडा सिट्रिफोलिया* एल.)	13/07/2016	10 पौधे, प्रतयेक स्थल के लिए कली या कलमबद्ध पौधे						
108	बेल (*एगल मार्मेलोस* (एल.) कोरिया)		5 पौधे, प्रत्येक केंद्र के लिए						
109	जामुन/ब्लैक प्लम (*सिज़ीगियम क्यूमिनी* (एल.) स्कील्स.)		07 कलमें, प्रत्येक केंद्र के लिए						
110	जायफल (*मिरिस्टिका फ्रैग्रेंस* हाउट.)		10 पौधे, प्रतयेक स्थल के लिए कली या कलमबद्ध पौधे						
111	चमेली/मोगरा (*जैस्मिनम सांबैक* एल.)		20 जड़युक्त पौधे, प्रत्येक केंद्र के लिए						
112	शरीफा / शुगर एप्पल (*एनोना स्क्वैमोसा* एल.)		8 कलमें						
113	कालमेघ /किंग ऑफ बिटर्स (*एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा* (बर्म.एफ.) वॉल. एक्स नीस)		30 ग्रा.	NA	95	8-9	98	*खरीफ* : मई-जून	230 x 300
114	नीम (*एज़ाडिराच्टा इंडिका* ए. जूस.)	12/05/2017	40 क्लोनीकृत जड़युक्त पौधे जिनकी ऊंचाई 60 सेमी. हो						
115	करंज (*पोंगामिया पिन्नाटा* (एल.) पियरे.)		40 क्लोनीकृत जड़युक्त पौधे जिनकी ऊंचाई 60 सेमी. हो						
116	इंडियन गूजबेरी (*एम्ब्लिका ऑफिसिनैलिस* गार्टन.)		03-04 माह के पुराने पौधे						
117	पान (*पाइपर बीटल* एल.)		जड़युक्त कलम के टर्मिनल प्ररोह 2 सेमी की ऊंचाई के साथ 3 माह पुराने होने चाहि						
118	गेंदा (*टेगेटस स्पी.* एल.)		10 ग्रा. बीज या 200 जड़युक्त कलमें	NA	80	8 से अधिक नहीं	98	अप्रैल -मई	165x100

119	अमरूद (*सिडियम गुआजावा* एल.)		10 कलमें/ एअर लेयर्स, प्रत्येक केंद्र के लिए						
120	लीची (*लीची चिनेंसिस* सोन.)		7 पौधे जिन्हें एअर लेयरिंग के माध्यम से उगाया गया हो, प्रत्येक स्थल के लिए						
121	देवदार (*सेड्रस देवदारा*) (रॉक्सब.) जी. डॉन		5 वृक्ष						
122	चीर पाइन (*पाइनस रॉक्सबर्गी*) सार्जेंट		5 वृक्ष						
123	शहतूत (*मोरस* स्पी.)		50 तना कलमें जिनकी लंबाई 12-15 सेमी तथा व्यास 1.0-1.5 सेमी हो						
124	चमेली (*जैस्मिनम मल्टीफ्लोरम* एल.)		20 पौधे 6 माह पुराने,पूर्ण रूप से जड़युक्त पौधे						
125	कुट्टू (*फैगोपाइरम एस्कुलेंटम*)		500 ग्राम	NA	80	≤10%	98	*खरीफ*: मई-जून	165 x 100
126	कुट्टू (*फैगोपाइरम टैटारिकम*)		500 ग्राम	NA	80	≤10%	98		
127	दाना चौलाय (*ऐमरैंथस हाइपोकॉन्ड्रिकस*)		50 ग्राम	NA	80	≤10%	98	*खरीफ*: मई-जून *रबी*: सितं.t-Oct	165 x 100
128	दाना चौलाय (ए. *क्रुएंटस*)		50 ग्राम	NA	80	≤10%	98		
129	दाना चौलाय (ए. *कॉडेटस*)		50 ग्राम	NA	80	≤10%	98		
130	दाना चौलाय (ए. *एडुलिस*)		50 ग्राम	NA	80	≤10%	98		
131	बाकला (*विसिया फाबा* एल. वर. मेजर हार्ज़)		150 ग्राम	NA	70	≤9%	98	*रबी*: सितं.-अक्टू.	230 x300
132	जिमीकंद (*अमोर्फोफैलस पेओनिफोलियस*)		36 कंद, प्रत्येक 200-400 ग्रा. के						
133	कचालू (*कोलोकैसिया एस्कुलेंटा* वेर. एस्कुलेंटा, *कोलोकेसिया एस्कुलेंटा* वेर. एंटिकोरम, *कोलोकेसिया एस्कुलेंटा* वेर. स्टोलोनीफेरम)		36 कंद, प्रत्येक 30-40 ग्रा. के						
134	कचालू (*साइरटोस्पर्मा चैमिसोनिस/ सी. मर्कुसी*)		36 कंद, प्रत्येक 30-40 ग्रा. के						
135	जेट्रोफा (*जेट्रोफा करकस* एल.)		60 पौधे, जिनकी ऊंचाई 60 सेमी हो, जून-जुलाई में प्रस्तुत करना होगा						
136	सावां (*इचिनोक्लोआ फ्रुमेंटेसी* (रोक्सब.) लिंक)		250 ग्रा. बीज, 10 गुच्छों के साथ	NA	80	12	97	अप्रैल -मई	230x 300
137	कोदो (*पास्पलम स्कोर्बिकुलटम* एल.)		500 ग्रा. बीज, 10 गुच्छों के साथ	NA	80	12	97	अप्रैल -मई	230x 300
138	कुटकी (*पैनिकम सुमाट्रेंस* रोथ. एक्स रोमर एंड शुल्ट्स)		150 ग्रा. बीज, 10 गुच्छों के साथ	NA	80	12	97	अप्रैल -मई	230x 300
139	चेना (*पैनिकम मिलियासीम* एल.)		200 ग्रा. बीज, 10 गुच्छों के साथ	NA	80	12	97	अप्रैल -मई	230x 300
140	काजू (*एनाकार्डियम ऑक्सीडेंटेल* एल.)	23/10/2017	8 कलमयुक्त पौधे						
141	सुपारी (*ऐरेका कैश्यू* एल.)		10 पौधे, जो एक वर्ष पुराने हों						

142	चिरौंजी (*बुचानिया लैंज़न* स्परंज.)	09/01/2018	9 कलमें, प्रत्येक स्थल के लिए						
143	इमली (*टैमारिंडस इंडिका* एल.)		9 कलमें, प्रत्येक स्थल के लिए						
144	शकरकंद (*इपोमिया बटाटास* (एल.) लैम.)		150 वाइन कटिंग (प्रत्येक की लंबाई 30 सेमी हो तथा प्रत्येक में 5 से 8 कलियां हों), दोनों केंद्रों के लिए						
145	कसावा (*मैनिहोट एस्कुलेंटा* क्रांट्ज.)		100 कलमें, प्रत्येक स्थल के लिए, जिनकी लंबाई 20 सेमी हो तथा उनमें न्यूनतम 5 से8 टिकाऊ कलियां हों						
146	चिनार (*पॉपुलस डेल्टोइड्स* एल.)		120 कलमें, 1 वर्ष पुराने पौधों से						
147-153	विलो (*सैलिक्स स्पीशीस*) *सैलिक्स टेट्रास्पर्मा, सैलिक्स नाइग्रा, सैलिक्स जेसोएन्सिस, सैलिक्स x रूबेंस, सैलिक्स मत्सुदाना, सैलिक्स अल्बा, सैलिक्स एक्मोफिला*	11/07/ 2018	120 ठोस काष्ठ कलमें, व्यास 1 सेमी और लंबाई 20 सेमी						
154	जई (*एवेना सैटिवा* एल.)		1000	NA	85	10	98	Jul-अगस्त	230x300
155	खजूर (*फीनिक्स डेक्टाइलीफेरा* एल.)		06 जड़युक्त सकर्स (ऑफशुट्स), वजन 8-10 किग्रा						
156	सहजन (*मोरिंगा ओलीफेरा* एल.)	18/07/2019	30 पौधे या 100 शुद्ध बीज, प्रत्येक केंद्र के लिए						
157	मेलिया (*मेलिया दुबिया* कैव.)	25/02/ 2019	100 जड़युक्त पौधे						
158	परवल (*ट्राइकोसैंथेस डियोइका* रोक्स्ब.)	15/12/2020	50 कंदयुक्त जड़े/ जड़युक्त वाइन कटिंग (न्यूनतम 3 ग्रंथि)						
159	क्रॉसेंड्रा (*क्रॉसेंड्रा इन्फंडिबुलिफ़ॉर्मिस* (एल.) नीस.)	15/12/2020	100 टर्मिनल जड़युकत 6 से 8 सेमी कलमें जिन्हें प्लग्ज या प्रो-ट्रे में उगाया गया हो (प्रत्येक केंद्र के लिए 50) of 6 cm to 8 cm						
160	लोबिया (*विग्ना अनगुइकुलाटा* (एल.) वालप. *स्पी. अनगुइकुलाटा* और *विग्ना अनगुइकुलाटा* (एल.) वालप. *स्पी. सेसक्विपेडालिस* (एल.) Verdc..)	15/12/2020	1000	95	9	98	मई-जून	230x 300	
161	कटहल (*आर्टोकार्पस हेटरोफिलस* लैम.)	23/08/2021	पादप सामग्री की आपूर्ति कली/कलमयुक्त पादप के रूप में करनी होगी						
162	रतालू (*डायोस्कोरिया अलाटा* एल.)		10 स्वस्थ कंद जिनका वजन 750-1100 ग्रा. हो						
163	यैम बीन (*पैचीरिजस एरोसस* एल.)		आवेदक द्वारा आपूर्ति की जाने वाली रोपण सामग्री (बीज) की न्यूनतम मात्रा तीन पुनरावर्तनों के लिए 75 - 100 ग्रा होनी चाहिए						
164	सीबकथ्रोन (*हिप्पोफे रमनोइड्स* एल.)		रोपण सामग्री की न्यूनतम अपेक्षित मात्रा कम से कम सात बेहतर जड़युक्त एक वर्षीय पुराने पादप हों, जो पॉली बैग में हों तथा उनमें कम से कम दो प्ररोह हों।						
165	अजवाइन (*ट्रेचिस्पर्मम अम्मी* एल.)	16/03/2022	नई -50 ग्रा., ईएनवी- 10 ग्रा., वीसीके- 25 ग्रा., एफवी- 25 ग्रा.	65%	8-9%	98%	*रबी*: अक्टू.-नवं.	165 x 100	

166	सौंफ (*पिम्पेनेला एनिसम* एल.)		नई - 100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा.,वीसीके -50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	9-10%	98%	*रबी*: अक्टू.	
167	अजवाइन (*एपियम ग्रेवोलेंस* एल.)		नई -50 ग्रा., ईएनवी-10 ग्रा., वीसीके-25ग्रा.,एफवी-25ग्रा.	65%	8-9%	98%	*रबी*: अक्टू.	
168	जीरा (*क्यूमिनम साइमिनम* एल.)		नई -100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके-50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	8-9%	98%	*रबी*: Oct	
169	सोआ (*एनेथम ग्रेवोलेंस* एल.)		नई -100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके -50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	8-9%	98%	*रबी*: अक्टू.	
170	सोआ (*एनेथम सोवा* रॉक्सब)							
171	सौंफ (*फोनीकुलम वल्गारे* मिल.)		नई -200 ग्रा., ईएनवी-40ग्रा., वीसीके-100 ग्रा., एफवी-100 ग्रा.	70%	8-9%	98%	*रबी*: अक्टू.	
172	निगेला (*निगेला सैटिवा* एल.)		नई -100 ग्रा., ईएनवी-20ग्रा., वीसीके-50ग्रा., एफवी-50ग्रा.	65%	8-9%	98%	*रबी*: अक्टू.	
173	कुलथी (*मैक्रोटिलोमा यूनिफ़्लोरम* (लैम) Verdc.)	18/11/2022	नई -1500ग्रा., वीसीके &एफवी-750ग्रा., ईएनवी-350ग्रा.	95%	9%	98%	*खरीफ*: अप्रैल	
174	जरबेरा (*जरबेरा जेम्सोनी* एडलेम एक्स हूकर एफ.)		8-9 पत्तियों के साथ पौधे की ऊंचाई 15 सेमी और 4-5 सेमी की लंबाई के साथ 4-5 जड़ें					
175	कॉफ़ी (*कॉफ़ी अरेबिका* एल.)		**अरेबिका:**					
176	कॉफ़ी (*कॉफ़ी कैनेफ़ोरा* पियरे एक्स ए. फ्रोहेनर)		i) पौधे (छह माह से एक वर्ष पुराने) : 50 पौधे ii) बीज (ताजी फसल-कटाई से तैयार टिकाऊ बीज): 100 सं. **रोबस्टा:** i) क्लोन (छह माह से एक वर्ष पुराने : 50 क्लोन					
177	फ़्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) और बीड़ी तम्बाकू (*निकोटियाना टैबैकम* (एल.))		नई -20 ग्रा., वीसीके & एफवी-10 ग्रा., ईएनवी-4 ग्रा.	95%	4%	98%		
178	मोठ [*विग्ना एकोनिटिफोलिया* (जैक.) मारेचल।]		नई -1500 ग्रा. , वीसीके & एफवी-750 ग्रा., ईएनवी-300 ग्रा.	95%	9%	98%		
179	ग्वार फली (*सायमोप्सिस टेट्रागोनलोबा* एल. ताउब)		नई -1500 ग्रा., वीसीके & एफवी-750 ग्रा., ईएनवी - 300 ग्रा.	95%	9%	98%		
180	कोको (*थियोब्रोमा कोको* एल.)	14/02/2023	6 वानस्पतिक प्रवर्धित जड़युक्त पादप, पॉली बैग में					
181	मूली (*राफानस सैटिवस* एल.)		नई - 200 ग्रा., वीसीके & एफवी-100 ग्रा.,ईएनवी-40 ग्रा.	90%	6%	98%		
182	गाजर (*डौकस कैरोटा* एल.)		नई -100 ग्रा., वीसीके & एफवी-50 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा.	70%	8%	98%		
183	सागौन (*टेक्टोना ग्रैंडिस* एल.एफ.)	18/05/2023	30 जड़युक्त पौधे (पौधे 400 सीसी रूट ट्रेनर में होने चाहिए) जिनकी न्यूनतम आयु 6 माह हो					
184	कालाजीरा [*बुनियम पर्सिकम* (बायोस.) फेडट्स.]		200 कंद (प्रत्येक 3 - 4 ग्रा. और न्यूनतम 4 वर्ष पुराने)					
185	केसर (*क्रोकस सैटिवस* एल.)		नई - 300 घनकंद (8- 10 ग्रा. प्रत्येक) वीसीके & एफवी - 150 घनकंद (8- 10 ग्रा. प्रत्येक)					
186	डोलिचोस बीन (*लैब्लैब*		नई -1000 ग्रा., वीसीके	95%	8%	98%	*खरीफ*: जून	230x

	परप्यूरियस (एल.) स्वीट)		& एफवी-500 ग्रा., ईएनवी-200 ग्रा.					300
187	पेठा (*बेनिनकासा हिस्पिडा* (थुनब.) कॉग्न.)		नई -60 ग्रा., वीसीके & एफवी-30 ग्रा., ईएनवी-12 ग्रा.	80%	8%	98%	*खरीफ*: अप्रैल	165 x 100
188	चिचिंडा (*ट्राइकोसैंथेस एंगुइना* एल.)		नई - 400 ग्रा., वीसीके & एफवी- 200 ग्रा., ईएनवी- 80 ग्रा.	80%	8%	98%	*रबी*: नवंबर	165 x 100
189	कुदरू (*कोकिनिया ग्रैंडिस* (एल.) वोइग्ट)		50 पॉलीबैग में जड़युक्त वाइन कटिंग (न्यूनतम 3 ग्रंथि होनी चाहिए)					
190	कोकम (*गार्सिनिया इंडिका* चोइसी)	22/03/2024	20 कलमयुक्त पौधे					
191	नींबू (*सिट्रस लिमोन* (एल.) बर्म. एफ.)		एक वर्ष पुराने पांच पौधों से अधिक					
192	पुमेलो (*सिट्रस मैक्सिमा* (जे. बर्म.) मेर.)		पांच पौधे					
193	लिलियम (*लिलियम स्पी.*, ओरिएंटल, एशियाई, एलए हाइब्रिड और ओटी हाइब्रिड)		200 बल्ब प्रति फसल चक्र। आपूर्ति की गई रोपण सामग्री एकरूप आकार की होनी चाहिए (ओरिएंटल हाइब्रिड: 14-16 सेमी एवं एशिएटिक, LA, OT हाइब्रिड: 12-14 सेमी)					
194	चमेली (*जैस्मिनम* स्पी.)		20 पौधे, 6 माह पुराने एवं पूर्ण रूप से जड़युक्त					
195	अश्वगंधा (*विथानिया सोम्नीफेरा* (एल.) डनल)		60 ग्रा.	70%	8-9%	98%		
196	जैतून (*ओलिया यूरोपिया* एल.)		जैतून के 15 पौधे, वृक्ष के रूप में (एक वर्ष पुराने) उनकी जड़ों पर टहनियां हों या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट मूलवृंत पर कलम लगाए गए एक वर्ष पुराने वृक्ष।					
197	एन्थ्यूरियम (*एन्थ्यूरियम एंड्रियानम*)		(क) गमलों के लिए किस्में: 300 युवा पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 150)। (ख) खुले फूलों के लिए किस्में: 300 युवा पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 150)।					

198	तुरई (*लुफा सिलिंड्रिका* (एल.) Roem)	06/11/2024	नई: विशिष्ट किस्म या एफ1 हाइब्रिड के मामले में 200 ग्राम और हाइब्रिड के प्रत्येक पैतृक वंशक्रमों हेतु 100 ग्राम (एकल लॉट में 10 पैकेट के बराबर वजन)। वीसीके: विशिष्ट किस्म या हाइब्रिड के मामले में 100 ग्राम और हाइब्रिड के प्रत्येक पैतृक वंशक्रम के लिए 50 ग्राम (एकल लॉट में 5 पैकेट के बराबर वजन) ईएनवी: विशिष्ट किस्म या हाइब्रिड के मामले में 50 ग्राम और हाइब्रिड के पैतृक वंशक्रम के लिए 15 ग्राम (एकल लॉट में बराबर वजन के 2 पैकेट)।	80%	8%	98%		
199			सामग्री अच्छी तरह से स्थापित जड़ तंत्र के साथ पॉली बैग में 10 जड़युक्त पौधों के रूप में जून-जुलाई के दौरान आपूर्ति की जानी है।					
200			आवेदक या उसके नामिती द्वारा जून-जुलाई के दौरान आपूर्ति की जाने वाली रोपण सामग्री की न्यूनतम संख्या 60 जड़युक्त पौधे होने चाहिए। सामग्री प्रस्तुत करते समय पौधों की आयु छह महीने होनी चाहिए।					
201			रोपण सामग्री जड़युकत कलमों के रूप में आपूर्ति की जानी है। आवेदक द्वारा आपूर्ति की जाने वाली प्रत्येक कल्टीवेटर/किस्म की रोपण सामग्री की न्यूनतम मात्रा 3-4 ग्रंथि के साथ 200 जड़युक्त कलमों की होनी चाहिए (प्रत्येक केंद्र के लिए 100 - मूल्यांकन के लिए 50 और पौध-प्रवर्धन के लिए 50)।					
202			नई: विशिष्ट किस्म और हाइब्रिड के लिए 30 ग्राम तथा हाब्रिड के प्रत्येक पैतृक वंशक्रम हेतु 30 ग्राम (एकल लॉट में 10 पैकेट के बराबर वजन)। वीसीके: विशिष्ट किस्म या हाइब्रिड के मामले में 15 ग्राम और हाइब्रिड के प्रत्येक पैतृक वंशक्रम के लिए 15 ग्राम (एकल लॉट में 5 पैकेट के बराबर वजन) ईएनवी: विशिष्ट किस्म या हाइब्रिड के मामले में 10 ग्राम और हाइब्रिड के पैतृक वंशक्रम के लिए 5 ग्राम (एकल लॉट में बराबर वजन के 2 पैकेट)।	65%	7%	98%		

203	लेमन ग्रास *(सिंबोपोगन फ्लेक्सुओसस* एल.)		रोपण सामग्री शुद्ध 8-10 माह पुराने पौधों से आपूर्ति करनी होगी, जो दृश्य रूप से स्वस्थ हों और उनमें ओज का अभाव न हो या वे किसी नाशीकीट या रोग से प्रभावित न हों। पौधे इन-विवो प्रवर्धन से प्राप्त किए होने चाहिए और उनमें उच्चतम आनुवंशिक शुद्धता, एकरूपता, स्वच्छता और पादप-स्वच्छता मानकों का पालन होना चाहिए।

3.3 क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, मशोबरा; डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, मशोबरा, शिमला

फील्ड जीन बैंक परियोजना शीर्षक "शीतोष्ण फल फसलों के फील्ड जीन बैंक की स्थापना" को डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, मशोबरा, शिमला में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें सेब, नाशपाती और चेरी जैसी अधिदेशित फसलें शामिल हैं।

आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा, शिमला में फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षण ब्लॉक के अंतर्गत सेब, नाशपाती और चेरी की कुल किस्मों की संख्या

क्रम संख्या: कुल किस्मों की संख्या

क्र.सं.	फसल	किस्मों की कुल सं.
1	सेब	291
2	चेरी	91
3	नाशपाती	51

वर्ष 2024-2025 के दौरान सेब और चेरी किस्मों की विशेषताएँ:

क) पत्ती लक्षणों के लिए सेब की किस्मों का आकारिकीय लक्षणवर्णन:

तालिका 1 से स्पष्ट है कि 30 किस्मों में से, 19 किस्मों यानी सिल्वर स्पर, वेल स्पर, स्टार्किंग डिलीशियस, जोनागोल्ड, अर्ली रेड वन, स्टार्किमसन, रेड डिलीशियस, ओरेगन स्पर II, एज़्टेक फ़ूजी, फ़ूजी किकू, फ़ूजी राकू राकू, सन फ़ूजी, ऐस स्पर, गोल्ड रश, ब्राइट-एन-अर्ली, वैली स्पर, किंग रोट, डार्क बैरन गाला, और श्लेक्ट स्पर में पत्ती ब्लेड ऊपर की ओर अग्रसर था। सात किस्मों अर्थात स्पार्टन, ग्रैनी स्मिथ, कैरोल, गेल गाला, औविल अर्ली फ़ूजी, रेड कैप वाल्टोड और बकआई गाला में बाह्यमुखी पत्ती ब्लेड रिकॉर्ड किया गया, जबकि रेडलम गाला, स्कार्लेट स्पर II, हनी गोल्ड और फुलफोर्ड गाला में उर्ध्वाधर-बाह्यपुखी पत्ती प्रकृति रिपोर्ट की गई। प्रत्येक किस्म में पत्ती के निचले हिस्से पर रोएँ कमज़ोर, मध्यम और मज़बूत पाए गए। बारह किस्मों में पत्ती के निचले हिस्से पर रोएँ कमज़ोर थे, 15 किस्मों में मध्यम रोएँ और केवल 3 किस्मों में मज़बूत रोएँ दिखाई दिए।

विभिन्न किस्मों में हरे रंग की तीव्रता ने विस्तृत श्रृंखला में विविधता प्रदर्शित की, जो हरे समूह 137 ए से पीले हरे समूह 147 ए के बीच थी। हरे समूह 137 ए के तहत प्रेक्षित किस्में (रेडलम गाला, जोनागोल्ड, स्कार्लेट स्पर II, ऐस स्पर, गोल्ड रश और श्लेक्ट स्पर), हरा समूह 137 बी (ओरेगन स्पर II), हरा समूह 137 सी (हनी गोल्ड), हरा समूह 138 ए (कैरोल), हरा समूह 139 ए (ग्रैनी स्मिथ) और पीला हरा समूह 147 ए (स्लिवर स्पर, स्पार्टन, वेल स्पर, स्टार्किंग डिलीशियस, अर्ली रेड वन, स्टार्किमसन, रेड डिलीशियस, गेल

गाला, एज़्टेक फ़ूजी, फ़ूजी किकू, औविल अर्ली फ़ूजी, फ़ूजी राकू राकू, सन फ़ूजी, ब्राइट-एन-अर्ली, रेड कैप वाल्टोड, वैली स्पर, फुलफोर्ड गाला, किंग रोट, बकआई गाला और डार्क बैरन गाला) थीं।

पत्तियों के किनारों में कटाव अर्थात इन्सिशन संबंधी आँकड़ों में कुंठदंती प्रकृति के पत्ती किनारे केवल श्लेक्ट स्पर में ही देखे गए, किस्म वेल स्पर, ग्रैनी स्मिथ, ऐस स्पर और गोल्ड रश किस्मों में द्विकुंठदंती प्रकृति के पत्ती किनारे पाए गए, सेरेट टाइप 1 के पत्ती के किनारे किस्म स्टार्किंग डिलीशियस, जोनागोल्ड, गेल गाला, स्कार्लेट स्पर II, हनी गोल्ड, ब्राइट-एन-अर्ली, किंग रोट और डार्क बैरन गाला में प्रेक्षित किए गए। सिल्वर स्पर, अर्ली रेड वन, रेड डिलीशियस, कैरोल, ओरेगॉन स्पर II, फ़ूजी राकू राकू, सन फ़ूजी और फुलफोर्ड गाला किस्मों में सेरट टाइप 2 किनारे रिपोर्ट किए गए, जबकि रेडलम गाला, स्पार्टन, स्टार्किमसन, एज़्टेक फ़ूजी, फ़ूजी किकू, औविल अर्ली फ़ूजी, रेड कैप वाल्टोड, वैली स्पर और बकी गाला किस्मों में बाइसेरेट पत्ती किनारे पाए गए।

तालिका 1: विभिन्न सेब किस्मों के फोलिएज लक्षण

किस्में	प्ररोह के सापेक्ष पत्ती की ऊंचाई	निचले भाग में रोमिलता	हरे रंग की तीव्रता	किनारों पर कटाव	स्टिप्यूल का आकार
सिल्वर स्पर	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	मध्यम
रेडलम गाला	ऊर्ध्वाधर - बहिर्मुखी	कमजोर	हरा समूह 137 A	बाइसेरेट	बहुत छोटा
स्पार्टन	बहिर्मुखी	मध्यम	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	छोटा
वेल स्पर	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	बाइक्रेनेट	मध्यम
स्टार्किंग डिलीशियस	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 1	छोटा /संकीर्ण
ग्रैनी स्मिथ	बहिर्मुखी	मध्यम	हरा समूह 139 A	बाइक्रेनेट	छोटा /संकीर्ण
जोना गोल्ड	ऊर्ध्वाधर	प्रबल	हरा समूह 137 A	सेरेट टाइप 1	मध्यम
अर्ली रेड वन	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	छोटा /संकीर्ण
स्टार्किमसन	उर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	छोटा /संकीर्ण
रेड डिलीशियस	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	छोटा /संकीर्ण
कैरोल	बहिर्मुखी	कमजोर	हरा समूह 138 A	सेरेट टाइप 2	छोटा /संकीर्ण
गेल गाला	बहिर्मुखी	कमजोर	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 1	मध्यम
स्कारलेट स्पर II	ऊर्ध्वाधर - बहिर्मुखी	कमजोर	हरा समूह 137 A	सेरेट टाइप 1	छोटा /संकीर्ण
ओरेगन स्पर II	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	हरा समूह 137 B	सेरेट टाइप 2	बहुत छोटा
एज़्टेक फ़ूजी	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	मध्यम
फ़ूजी किकू	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	मध्यम
औविल अर्ली फ़ूजी	बहिर्मुखी	मध्यम	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	मध्यम
फ़ूजी राकू राकू	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	चौड़ा
सन फ़ूजी	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	चौड़ा
हनी गोल्ड	ऊर्ध्वाधर - बहिर्मुखी	प्रबल	हरा समूह 137 C	सेरेट टाइप 1	मध्यम
ऐस स्पर	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	हरा समूह 137 A	बाइक्रेनेट	छोटा /संकीर्ण

गोल्ड रश	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	हरा समूह 137 A	बाइक्रेनेट	मध्यम
ब्राइट-एन-अर्ली	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 1	मध्यम
रेडकैप वाल्टोड	बहिर्मुखी	प्रबल	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	मध्यम
वैली स्पर	ऊर्ध्वाधर	कमजोर	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	छोटा /संकीर्ण
फुलफोर्ड गाला	ऊर्ध्वाधर - बहिर्मुखी	कमजोर	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 2	मध्यम
किंग रोट	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 1	मध्यम
बकी गाला	बहिर्मुखी	मध्यम	पीला हरा 147 A	बाइसेरेट	मध्यम
डार्क बैरन गाला	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	पीला हरा 147 A	सेरेट टाइप 1	मध्यम
श्लेक्ट स्पर	ऊर्ध्वाधर	मध्यम	हरा समूह 137 A	क्रेनेट	मध्यम

			
स्लाइव स्पर	रेडलम गाला	स्टार्किंग डेलिसियस	ग्रेनी स्मिथ
			
कैरोल	जोना गोल्ड	सन फुजी	किंग रोट

फलों के लक्षणों के लिए सेब की किस्मों का आकारिकी लक्षणवर्णन:

फ्रूटलेट के एंथोसायनिन रंग पर डेटा ने अध्ययन की गई किस्मों के बीच स्पष्ट भिन्नता दिखाई। डेटा से यह पाया गया कि एंथोसायनिन रंग कमजोर, मध्यम और प्रबल था। परिणामों के आधार पर, ग्रैनी स्मिथ, एज़्टेक फ़ूजी, फ़ूजी किकू, फ़ूजी राकू राकू, हनी गोल्ड और गोल्ड रश में कमजोर एंथोसायनिन रंग था। स्लिवर स्पर, रेडलम गाला, स्पार्टन, स्टार्किंग डिलीशियस, जोनागोल्ड, रेड डिलीशियस, कैरोल, गेल गाला, औविल अर्ली फ़ूजी, सन फ़ूजी, ऐस स्पर, रेड कैप वाल्टोड, वैली स्पर, फुलफोर्ड गाला, बकआई गाला और श्लेक्ट स्पर जैसी किस्मों में मध्यम एंथोसायनिन रंग था, जबकि वेल स्पर, अर्ली रेड वन, स्टार्किमसन, स्कारलेट स्पर II, ओरेगन स्पर II, ब्राइट-एन-अर्ली, किंग रोट और डार्क बैरन गाला में प्रगाढ़ एंथोसायनिन रंग दर्ज किया गया।

30 किस्मों में से, सिल्वर स्पर, वेल स्पर, अर्ली रेड वन, ओरेगॉन स्पर II, ऐस स्पर, गोल्ड रश, ब्राइट-एन-अर्ली और श्लेक्ट स्पर में शंकुकार फल पाए गए और स्टार्किंग डिलीशियस, स्टार्करिम्सन, रेड डिलीशियस में कमर भाग पर बेलनाकार फल पाए गए। रेडलम गाला, स्पार्टन, ग्रैनी स्मिथ, जोनागोल्ड, कैरोल, गेल गाला, एज़्टेक फ़ूजी, फ़ूजी किकू, औविल अर्ली फ़ूजी, फ़ूजी राकू राकू, हनी गोल्ड, फुलफोर्ड गाला, बकआई गाला और डार्क बैरन गाला में गोलाकार फल पाए गए, जबकि वैली स्पर में अंडाकार और सन फ़ूजी में आयताकार फल पाए गए। किस्म: स्कार्लेट स्पर। वर्तमान अध्ययन में, तालिका 4.5 में दर्शाए गए आंकड़ों ने सेब की तीस किस्मों में फल के भार में महत्वपूर्ण अंतर प्रदर्शित किया।

फल के वजन संबंधी आँकड़े 98.02 ग्राम से 184.62 ग्राम के बीच थे, और फल का सबसे अधिक वजन (184.62 ग्राम) रेड डिलीशियस किस्म में और सबसे कम फल वजन (98.02 ग्राम) श्ले्क्ट स्पर किस्म में दर्ज किया गया। रेड डिलीशियस किस्म में फलों की अधिकतम लंबाई (7.00 सेमी) दर्ज की गई, उसके बाद स्टार्किंग डिलीशियस (6.76 सेमी) और अर्ली रेड वन (6.58 सेमी) का स्थान रहा। रेडलम गाला किस्म में फलों की न्यूनतम लंबाई (5.19 सेमी) देखी गई, जिसके बाद वैली स्पर (5.35 सेमी), कैरोल (5.41 सेमी), सन फ़ूजी (5.45 सेमी) और ब्राइट-एन-अर्ली (5.59 सेमी) का स्थान रहा। फलों की चौड़ाई 5.55 सेमी से 7.47 सेमी तक थी। सबसे अधिक फल ठोसपन कैरोल (9.15 किग्रा/सेमी2) में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम फल ठोसपन वेल स्पर (6.45 किग्रा/सेमी2) में दर्ज किया गया, जिसके बाद हनी गोल्ड (6.50 किग्रा/सेमी2) का स्थान रहा।

तालिका 2: सेब की किस्मों के फलों की विशेषताएँ

किस्में	एंथोसाइनिक वर्णकता	फल आकृति	फल वजन (ग्रा.)	फल की लंबाई (सेमी)	फल की चौड़ाई (सेमी)	फल का ठोसपन (किग्रा/सेमी^{2})
सिल्वर स्पर	मध्यम	शंकुकार	131.04	6.44	6.51	7.73
रेडलम गाला	मध्यम	गोलाकार	110.94	5.19	6.11	7.93
स्पार्टन	मध्यम	गोलाकार	149.05	6.10	6.87	6.92
वेल स्पर	प्रबल	शंकुकार	104.02	6.24	6.24	6.45
स्टार्किंग डिलीशियस	मध्यम	बेलनाकार कटियुक्त	154.52	6.76	6.98	8.42
ग्रैनी स्मिथ	कमजोर	गोलाकार	165.25	6.41	7.04	7.48
जोना गोल्ड	मध्यम	गोलाकार	146.83	6.39	6.53	7.08
अर्ली रेड वन	प्रबल	शंकुकार	145.99	6.58	6.77	8.08
स्टार्किमसन	प्रबल	बेलनाकार कटियुक्त	138.67	6.25	6.53	7.71
रेड डिलीशियस	मध्यम	बेलनाकार कटियुक्त	184.62	7.00	7.47	8.19
कैरोल	मध्यम	गोलाकार	99.47	5.41	6.29	9.15
गेल गाला	मध्यम	गोलाकार	119.48	6.26	6.72	8.65
स्कार्लेट स्पर II	प्रबल	बेलनाकार कटियुक्त	132.96	6.42	6.77	7.70
ओरेगन स्पर II	प्रबल	शंकुकार	124.45	6.37	6.49	8.31
एज़्टेक फ़ूजी	कमजोर	गोलाकार	136.04	5.86	6.38	8.02
फ़ूजी किकू	कमजोर	गोलाकार	134.79	5.72	6.69	7.62
औविल अर्ली फ़ूजी	मध्यम	गोलाकार	109.29	5.73	6.33	9.08
फ़ूजी राकू राकू	कमजोर	गोलाकार	161.86	5.96	7.06	7.41
सन फ़ूजी	मध्यम	ओब्लॉयड	121.40	5.45	6.54	8.42
हनी गोल्ड	कमजोर	गोलाकार	139.15	6.46	7.01	6.50
ऐस स्पर	मध्यम	शंकुकार	114.42	6.07	6.41	7.15
गोल्ड रश	कमजोर	शंकुकार	118.79	5.70	6.61	7.67

ब्राइट-एन-अर्ली	प्रबल	शंकुकार	121.12	5.59	5.70	6.77
रेड कैप वाल्टोड	मध्यम	बेलनाकार कटियुक्त	113.60	6.01	6.10	7.84
वैली स्पर	मध्यम	अंडाकार	116.37	5.35	5.77	8.34
फुलफोर्ड गाला	मध्यम	गोलाकार	112.87	5.67	7.03	6.85
किंग रोट	प्रबल	बेलनाकार कटियुक्त	144.05	6.39	6.57	8.07
बकी गाला	मध्यम	गोलाकार	125.20	5.95	6.60	6.75
डार्क बैरन गाला	प्रबल	गोलाकार	133.19	5.95	6.57	7.13
श्लेक्ट स्पर	मध्यम	शंकुकार	98.02	6.05	5.55	7.49

फोटो पेज 138



रेडलम गाला



ग्रैनी स्मिथ



जोना गोल्ड



सन फुजी



गेल गाला



अर्ली रेड वन



रेडकैप वेल्टोड



फुजी राकु राकु

तालिका 4: सेब की किस्मो के फलों की विशेषताएं

किस्में	त्वचा की चमक	त्वचा में मोमीपन	बाह्य रंग का सापेक्ष क्षेत्र	बाह्य रंग का पैटर्न
सिल्वर स्पर	प्रबल	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
रेडलम गाला	अनुपस्थित	मध्यम	विस्तृत	कमजोर धारियों के साथ ठोस गुदा
स्पार्टन	मध्यम	मध्यम	अति विस्तृत	केवल ठोस गुदा
वेल स्पर	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	कमजोर धारियों के साथ ठोस गुदा
स्टार्किंग डिलीशियस	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	कमजोर धारियों के साथ ठोस गुदा
ग्रैनी स्मिथ	अनुपस्थित	मध्यम	बहुत छोटा	केवल ठोस गुदा

जोना गोल्ड	मध्यम	प्रबल	मध्यम	कमजोर धारियों के साथ ठोस गुदा
अर्ली रेड वन	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
स्टार्किमसन	प्रबल	मध्यम	अति विस्तृत	केवल ठोस गुदा
रेड डिलीशियस	मध्यम	प्रबल	मध्यम	कमजोर धारियों के साथ ठोस गुदा
कैरोल	कमजोर	मध्यम	विस्तृत	केवल ठोस गुदा
गेल गाला	मध्यम	कमजोर	अति विस्तृत	केवल ठोस गुदा
स्कार्लेट स्पर II	कमजोर	मध्यम	विस्तृत	केवल ठोस गुदा
ओरेगन स्पर II	मध्यम	मध्यम	मध्यम	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
एज़्टेक फ़ूजी	कमजोर	मध्यम	विस्तृत	ठोस गुदा
फ़ूजी किकू	कमजोर	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
औविल अर्ली फ़ूजी	मध्यम	मध्यम	मध्यम	गुदा एवं धारीयुक्त और कर्बुरित
फ़ूजी राकू राकू	मध्यम	मध्यम	मध्यम	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
सन फ़ूजी	मध्यम	मध्यम	मध्यम	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
हनी गोल्ड	मध्यम	मध्यम	अनुपस्थित	केवल ठोस गुदा
ऐस स्पर	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
गोल्ड रश	कमजोर	कमजोर	अनुपस्थित	केवल ठोस गुदा
ब्राइट-एन-अर्ली	प्रबल	मध्यम	विस्तृत	केवल ठोस गुदा
रेड कैप वाल्टोड	प्रबल	मध्यम	विस्तृत	केवल ठोस गुदा
वैली स्पर	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा
फुलफोर्ड गाला	कमजोर	मध्यम	मध्यम	गुदा एवं धारीयुक्त और कर्बुरित
किंग रोट	प्रबल	प्रबल	अति विस्तृत	केवल ठोस गुदा
बकी गाला	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	गुदायुक्त और कर्बुरित
डार्क बैरन गाला	मध्यम	मध्यम	विस्तृत	केवल ठोस गुदा
श्लेक्ट स्पर	कमजोर	मध्यम	विस्तृत	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा

2. चेरी :

स्वीट चेरी किस्मों की वानस्पतिक विशेष्ताएं

क्र.सं.	**किस्म**	**पत्ती की लंबाई (सेमी)**	**पत्ती की चौड़ाई (सेमी)**	**पत्ती क्षेत्र(सेमी^{2})**
1.	बेडफोर्ड प्रोलिफिक	17.77	7.70	78.34
2.	बिगरेरू नेपोलियन	16.03	5.70	69.88
3.	बिगरेरू नॉयर ग्रोसा	14.50	6.30	64.10

4.	बिंगो	17.93	7.40	85.62
5.	ब्लैक हार्ट	18.53	6.50	95.01
6.	ब्रैडबोर्न ब्लैक	15.57	6.60	68.91
7.	सेलिसर	19.47	7.30	89.12
8.	CITH-1	17.83	6.50	57.61
9.	CITH-12	14.57	6.40	60.07
10.	CITH-13	17.90	7.60	71.73
11.	CITH-14	16.13	6.60	66.36
12.	CITH-15	15.13	6.20	66.15
13.	CITH-16	15.77	6.50	56.18
14.	CITH-3	13.67	6.30	90.86
15.	CITH-4	16.80	6.40	70.85
16.	CITH-5	15.57	6.30	52.07
17.	CITH-8	15.47	6.90	70.85
18.	डेसना	17.97	7.30	77.11
19.	ड्यूरोन डी विग्नोला	13.00	5.50	63.59
20.	ड्यूरोन नीरो-1	15.97	6.50	62.25
21.	ड्यूरोन नीरो-2	20.27	6.50	82.52
22.	ड्यूरोन नीरो-3	16.00	6.70	54.68
23.	अर्ली रिवर्स	18.90	6.60	78.31
24.	फ़ोया ट्रैविडा	17.17	7.90	72.03
25.	गौचर	16.87	6.20	53.94
26.	जमार्सडोफर	16.93	6.40	60.87
27.	गुइग्ने नॉयर हेटिव	16.73	6.40	58.64
28.	गुइग्ने पोरपीया प्रीसीस	12.70	7.50	47.06
29.	लैम्बर्ट	19.67	7.80	91.76
30.	लैपिन्स	15.30	7.30	49.52
31.	मर्चेंट	19.07	7.00	94.71
32.	मेर्टन ग्लोरी	22.13	7.20	95.25
33.	नोइर दे गुबेन	17.93	8.20	78.25
34.	रेनर	20.87	7.40	90.91
35.	रेड हार्ट	19.23	7.40	72.67
36.	राउंडल हार्ट	15.20	6.40	57.34
37.	सैम	18.47	6.40	73.23

38.	सेनेका	16.90	5.50	76.89
39.	स्टेला	16.70	6.40	60.83
40.	सनबर्स्ट	17.27	7.30	55.37
41.	स्वीट हार्ट	17.03	7.50	63.69
42.	ट्राइम्फ डोमिनी	17.40	6.30	62.51
43.	वैन	16.43	6.80	60.66
44.	वेगा	20.77	6.50	93.03
45.	व्हाइट हार्ट	17.17	7.20	60.96






ब्लैक हार्ट






सेलिसर






ब्रेडबॉउर्ने ब्लैक






डेस्ना






वैन

आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा में एफजीबी में सेब की पंजीकृत किस्मों का रोपण:

- जनवरी-फरवरी, 2025 के दौरान सेब की दो पंजीकृत किस्मों: एचआरएमएन99" और "एपीएस" का रोपण किया गया। प्रत्येक किस्म (एचआरएमएन99" और "एपीएस) के पाँच पौधे जनवरी, 2025 के दौरान एकत्र किए गए और आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा, शिमला के फील्ड जीन बैंक में रोपे गए।

- लद्दाख क्षेत्र से एक सेब किस्म "कर्किचू" को भी फील्ड जीन बैंक में शामिल किया गया। कर्किचू सेब एक विशिष्ट किस्म है जो अपनी मिठास, कुरकुरेपन और चमकदार छिलके के लिए जानी जाती है। इसे भारत के लद्दाख के कारगिल और शाम घाटी क्षेत्रों में उगाया जाता है।

	
आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा के फील्ड जीन बैंक में जनवरी, 2025 के दौरान सेब **"एचआरएमएन99"** का रोपण।	आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा के फील्ड जीन बैंक में जनवरी, 2025 के दौरान सेब **"एपीएस"** का रोपण। 2025

पौधा किस्म संरक्षण हेतु संगठन द्वारा पीपीवी एवं एफआरए के पास दायर किए गए आवेदन (2024-25 में):

- श्री सुरेश पंजटा, ग्राम ब्राल, रोहडू, शिमला, हिमाचल प्रदेश ने पौध किस्म संरक्षण हेतु आवेदन दायर किया।

- डॉ. दिनेश सिंह ठाकुर (सह निदेशक, आरएचआर एवं टीएस, मशोबरा) और डॉ. नीना चौहान (सह-प्राध्यापक) की एक टीम ने दिनांक 19.09.2024 को श्री सुरेश पंजटा, ग्राम ब्राल, रोहडू, शिमला, हिमाचल प्रदेश के सेब के बगीचे का दौरा किया।

बगीचे में और विशेष रूप से सेब के पेड़ पर दर्ज किए गए प्रेक्षण, जहाँ मुटेंट/वेरिएंट के उदगम का दावा निम्न प्रकार किया गया है:

- जिस पेड़ में यह भिन्नता देखी गई, वह 7198 फीट की ऊँचाई पर स्थित "स्ट्राकिंग डिलीशियस" किस्म का 34 वर्ष पुराना पेड़ है।
- प्रेक्षण के अनुसार, यह मातृ किस्म स्टार्किंग डिलिशियस (जिसके फल धारीदार थे) के फल में अपेक्षाकृत कम लालिमा की तुलना में लाल या ठोस लाल रंग का बड मुटेंट (कली उत्परिवर्त) है।
- उत्परिवर्तित फल शाखा पेड़ के भीतरी छायादार भाग में स्थित थी जो सूर्य प्रकाश के संपर्क में कम थी।
- फलों की तुड़ाई 19 सितंबर, 2024 को की गई और भौतिक-रासायनिक प्राचलों के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार डेटा दर्ज किया गया।

मातृ वृक्ष स्टार्किंग डिलिशियस से प्राप्त स्टार्किंग डिलिशियस सेब फल: स्टार्किंग डिलिशियस का बड म्यूटेंट

लक्षण		पैतृक (स्टार्किंग डेलिशियस)	मुटेंट
पत्ती की लंबाई		9.62	6.82
पत्ती की चौड़ाई		5.32	3.62
हरे रंग की तीव्रता		गहरा हरा	हल्का हरा
पर्णवृंत की लंबाई		3.8	3.52
किनारे/मार्जिन		क्रिनेट	सेरेट टाइप –II
स्टिप्यूलस का आकार		अनुपस्थित	अनुपस्थित
फ्रूटलेट : एंथोसायनिन रंग		मध्यम	प्रबल
फल: वजन (ग्राम)		225.02	182.2
फल: आकृति		शंकुकार	शंकुकार
लंबाई		75.82	68.22
व्यास		76.49	73.22
फल: आई बेसिन का आकार (मिमी)	गहराई	9.01	8.05
	चौड़ाई	14.24	14.97
फल: गूदे की दृढ़ता (psi)		7.5	6
फल: डंठल की लंबाई (सेमी)		14.875	16.64
फल: डंठल गुहा की गहराई (सेमी)		6.94	4.85
फल: बाह्यदलपुंज के सिरे पर लोब्स का उभार		प्रबल	मध्यम
फल: छिलके की चमक		कमजोर	कमजोर
फल: छिलके में चिकनापन		मध्यम	प्रबल

फल: बाह्य रंग	छोटा	विस्तृत
फल: बाह्य रंग का पैटर्न	प्रबल धारियों के साथ ठोस गुदा	केवल ठोस गुदा
फल: डंठल के आस-पास रसेट	मध्यम	अनुपस्थित
फल: गालों पर रसेट	अनुपस्थित	अनुपस्थित
फल: आई बेसिन के आस-पास रसेट का क्षेत्र	अनुपस्थित	अनुपस्थित
फल: लेंटिकेल की संख्या	कुछ	कई
फल: गूदे का रंग	क्रीमी	क्रीमी
टीएसएस	10.1	11.2



मातृ वृक्ष से स्टार्किंग डेलिशियस सेब



स्टार्किंग डेलिशियस का बड मुटेंट





स्टार्किंग डेलिशियस सेब वृक्ष पर बड मुटेंट

लंबित आवेदन:

- श्री जोगिंदर कंवर, ग्राम मझोली, डाकघर कथोग, शिमला, हिमाचल प्रदेश की सेब किस्म, **कंवर मझोली चयन-I**, पंजीकरण संख्या **(RG/2019/121)** के प्रक्रियाधीन है, प्रमाण पत्र 09/06/2025 को जारी किया गया है।

- श्री राजपाल सिंह गेष्टा, ग्राम अस्तानी, डाकघर समोली, तहसील रोहड़ू, जिला शिमला कीसेब किस्म **अधिरज-1** के पंजीकरण के लिए आवदेन सितंबर, 2022 में एडीआर, आरएचआर एंड टीएस, मशोबरा, शिमला के माध्यम से दायर किया गया।

3.4 डॉ. बी.एस. कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, महाराष्ट्र

फील्ड जीन बैंक परियोजना शीर्षक *'फल एवं रोपण फसलों तथा तीन मसाला फसलों का संग्रहण, अनुरक्षण, मूल्यांकन और लाइव रिपोजिटरी के माध्यमसे विवर्णकों का विकास'* को डॉ. बी.एस. कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली में क्रियान्वित किया जा रहा है। अधिदेशित फसलें हैं: आम, हल्दी, केला, काली मिर्च।

- आम की 20 नई किस्मों का लक्षणवर्णन पूरा हो चुका है।

- हल्दी की 32 किस्मों का लक्षणवर्णन पूरा हो चुका है।

- आम की संदर्भ किस्मों के खंड I, II, III, डीयूएस परीक्षण खंड का मानसून-पूर्व संचालन और अनुरक्षण किया गया।

- खाद का प्रयोग, वार्षिक फसलों (जैसे कि हल्दी पादप संरक्षण उपाय) की तैयरी एवं रोपण।

- स्थानीय आम, केला, हल्दी, कटहल और जामुन की किस्मों के संग्रहण के लिए सर्वेक्षण।

क) पीपीवीएफआरए परियोजना के अंतर्गत पंजीकरण हेतु किसानों की किस्मों का सर्वेक्षण और संग्रहण

क्र.सं	कृषक/अनुसंधान केंद्र का नाम	फसल	टिप्पणियां
1	श्री उदय जोशी	आम (लोकल) रायवाल	संगृहीत करके वेल्लईकोलंबन रूटस्टॉक पर कलम लगाई गई।
2	श्री नौशाद चिकटे, उन्हावरे, दापोली	आम (रायवाल)	अचार के प्रयोजनार्थ, संगृहीत करके वेल्लईकोलंबन रूटस्टॉक पर कलम लगाई गई।
3	श्री गजानन बाडे	आम	अचार के प्रयोजनार्थ, संगृहीत करके वेल्लईकोलंबन रूटस्टॉक पर कलम लगाई गई।
4	आरएफआरएस वेंगुर्ले श्री अनिल गावड़े 2 श्री शंकर सावंत 2	जामुन 9 कृषक किस्में	स्थानीय जामुन प्रकृति की, लक्षणवर्णन प्रगति पर है।

	श्री अनिरुद्ध करंदीकर 3 श्री तुलसीराम पित्रे 1 श्री चंद्रकांत लांगवे 1		
5	श्री श्रीकांत चेंदवणकर	4 कृषक केला किस्में	संगृहीत की गई और एफजीबी, तेतावली में रोपित की गई
6	कॉलेज ऑफ़ हॉर्टिकल्चर, दापोली	आम (केली आंबा)	केले जैसा छिलका, संगृहीत करके वेल्लईकोलंबन रूटस्टॉक पर कलम लगाई गई।
7	श्री एकनाथ मोरे	1 कृषक भिंडी किस्म	गैर-चिपचिपा, उच्च बाजार मांग वाली भिंडी किस्म(पहचान कर बीज एकत्र किए गए।
8	श्री एकनाथ मोरे	1 कृषक चिचिंडा किस्म	पहचान की गई, बीज संग्रहण लंबित है।
9	श्री धनंजय जोशी	कृषक किस्म सुपारी श्रीविजय	पहचान की गई, बीज संग्रहण लंबित।
10	डॉ. महेंद्र गवनकर	एमएसके आम कृषक किस्म	पहचान की गई, कलमों का संग्रहण लंबित।
11	श्री मनोज पुरंदरे	औषधीय रेड बनाना	पहचान की गई, सकर्स संग्रहण लंबित
12	श्री सचिन पटवर्धन	कृषक मिर्च किस्म	पहचान की गई, बीज संग्रहण लंबित।
13	श्री अमर खामकर	काजू	रोग और नाशीकीट प्रतिरोधी काजू कृषक किस्म की पहचान की गई, कलमों का संग्रहण लंबित।
14	श्री सुभाष वैद्य	हाफ केजी मैंगो वैरायटी	पहचान की गई, कलम संग्रहण लंबित।
15	श्रीमती वीणा खोत	सुपारी बोल्ड नट	पहचान की गई, बीज संग्रहण लंबित।
16	श्रीमती वीणा खोत	काले छिलके वाला कटहल	पहचान की गई, कलम संग्रहण लंबित।

ख) अनुरक्षण के तहत लक्षणवर्णन की गई किस्मों की सूची

क्र.सं.	फसल का नाम	2024-25 में अनुरक्षण के तहत किस्म/इकोटाइप्स की सूची
1.	आम	33 (किस्में 20,कृषक किस्में17, कुल इकोटाइप 60)
2.	हल्दी	44 किस्में (37 किस्में + 7 नई संग्रह की गईं)
3.	सिट्रस	3 प्रजातियां
4.	कचाई नींबू	1
5.	काली मिर्च	15 (नई संग्रह की गई 9)
6.	केला	54 (50 + नई संग्रह की गईं 4)
7.	जायफल	3 कृषक किस्में
8.	कृषकों की किस्में	125

पीपीवी एवं एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता:



- पीपीवी और एफआरए तथा पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी किसानों को आम उत्पादन प्रौद्योगिकी और पुराने बागानों का पुनरुद्धार पर आयोजित तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दी गई जिन्हें 24/07/2024, 26/09/2024, 07/10/2024 को बागवानी महाविद्यालय, दापोली में आयोजित किया गया।
- पीपीवी और एफआरए के अंतर्गत किसानों की किस्मों के पंजीकरण की आवश्यकता पर रेडियो वार्ता 01/03/2025 को आकाशवाणी रत्नागिरी से डॉ. एम. एम. कुलकर्णी द्वारा प्रसारित की गई।
- कोंकण क्षेत्र के स्थानीय फलों और सब्जियों की प्रदर्शनी 18/05/2025 को डॉ. बी.एस. कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली में आयोजित की गई।



- पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के अंतर्गत कृषक किस्मों के संग्रहण एवं पंजीकरण पर डॉ. एम. एम. कुलकर्णी द्वारा कोंकण क्षेत्र के कृषि अधिकारियों को दिनांक 23/04/2025 को खरीप योजना बैठक में व्याख्यान दिया गया।
- क्षेत्रीय फल अनुसंधान केंद्र वेंगुर्ला से काजू की दो किस्मों को पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया।
- आम की 20 नई किस्मों और हल्दी की 32 नई किस्मों का लक्षणवर्णन पूरा हो चुका है।

3.5 डीयूएस समीक्षा बैठक

पहले चरण के लिए उन डीयूएस केंद्रों जो अनाजों, श्री अन्नों, सब्जियों, दलहनों, तिलहनों, गन्ना और रेशेदार फसलों आदि पर कार्यरत है, की 21वीं समीक्षा बैठक 30-31 जनवरी, 2025 को पीपीवीएफआरए भवन में आयोजित की गई। दूसरे चरण के लिए ऐसे फसलों जो सहवास द्वारा प्रजनित नहीं होती हैं, के लिए डीयूएस केंद्रों की समीक्षा बैठक 24-25 मार्च, 2025 को पीपीवीएफआरए भवन में आयोजित की गई। निम्नलिखित विशेषज्ञों ने चर्चा में भाग लिया और विचार-विमर्श किया। समीक्षा बैठकों में पीपीवीएफआरए के अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा, डीयूएस केंद्रों के लगभग 125 नोडल/सह-नोडल अधिकारियों ने सहभागिता की - डॉ. एस राजन; पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-सीआईएसएच; डॉ. सुधाकर पांडे, सहायक महानिदेशक (सब्जी प्रभाग), भाकृअनुप; डॉ. एस. के. चक्रवर्ती, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाकृअसं।

डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधानों, पंजीकरण की समय-सीमा और प्रगति के बारे में चर्चा की। उन्होंने सार्वजनिक/निजी क्षेत्र और किसानों से प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या (19255); अधिसूचित फसल

प्रजातियों की संख्या (203); कृषक अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी का 12-15 सितंबर, 2023 के दौरान आयोजन; भारत-जर्मनी द्विपक्षीय कार्यक्रम; केवीके और अटारी आदि द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भाकृअनुप मुख्यालय में कृषि विस्तार प्रभाग के साथ इंटरफेस बैठक और पीपीवीएफआरए की नई पहलों पर चर्चा की।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए ने चर्चा की कि कैसे केंद्रित दृष्टिकोण ने पिछले दो वर्षों के दौरान लंबित मामलों को कम करने में मदद की, जिसके परिणामस्वरूप अकेले वर्ष 2023 और 2024 के दौरान 3276 से अधिक किस्मों के लिए पौधा किस्म पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए; यौगिक पंजीकरण और पीवीपी संख्या प्रणाली को वापस लेने के बाद, डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश, विशिष्ट विशेषकों, ईडीवी, सामुदायिक बीज बैंक आदि के विकास हेतु नई फसल प्रजातियों की पहचान करने जैसे मुद्दों के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। उन्होंने सलाह दी कि डीयूएस परीक्षण संचालित करने के आधार पर आवेदनों का समय पर निपटान, केंद्रों से डीयूएस डेटा का संग्रह करना और रजिस्ट्री को समय पर प्रस्तुत करना तथा पौधा किस्म पंजीकरण की पात्रता पर निर्णय लेना विधायन की आवश्यकता है। यह भी सलाह दी गई कि संदर्भ किस्मों के अनुरक्षण प्रजनन, डीयूएस तकनीकी कर्मियों के प्रशिक्षण आदि को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने आग्रह किया कि केंद्रों को चाहिए कि वे पौधा किस्म पंजीकरण के लिए किसानों/समुदायों को मार्गदर्शन देने के लिए ठोस पहल करें ताकि भारत में किस्मगत विविधता की बौद्धिक संपदा सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और पौधा किस्मों का संरक्षण करने वाले व्यक्तियों/समुदायों को पीजीएससी पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियों के लिए चिन्हित किया जा सके। इस बात पर ज़ोर दिया गया कि डीयूएस के लिए डिजिटल डेटाबेस (जिसमें संदर्भ/एग्जाम्प्ल और प्रत्याशित किस्में शामिल हैं), डीयूएस केंद्रों की स्थापना के बाद भौतिक और वित्तीय प्रगति, किसानों की किस्मों की मैपिंग और अंतराल की पहचान करना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर केंद्रों को ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसके बाद, दोनों चरणों के दौरान फसल समूहवार विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए और नोडल/सह-नोडल अधिकारियों ने तकनीकी एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की और उसके बाद चर्चाएँ हुईं। सामान्य अनुशंसाएँ नीचे दी गई हैं:

सामान्य अनुशंसाएँ

- डीयूएस विवर्णकों के लिए डिजिटल डेटाबेस, विशेषक-वार तस्वीरों, अंशांकन पुस्तिका, तकनीकी और वित्तीय प्रगति (डीयूएस केंद्र की स्थापना के बाद) के विवरण तैयार करके पीपीवीएफआरए को उपलब्ध किए जाने चाहिए।

- सभी केंद्रों को पौधा किस्म पंजीकरण संबंधी प्रकाशन स्थानीय भाषाओं में तैयार करने चाहिए और उनकी डिजिटल प्रतियाँ पीपीवीएफआरए को भेजनी चाहिए।

- प्रत्येक वर्ष के डीयूएस परीक्षण के दौरान, प्रत्येक केंद्र को उपयुक्त एग्जाम्प्ल किस्में उगानी चाहिए ताकि उनकी सभी अवस्थाओं और व्यंजकताओं का प्रेक्षण/अनुमाप और विश्लेषण यथा आवश्यकता प्रत्याशी/संदर्भ किस्मों के लिए, किया जा सके। एग्जाम्प्ल किस्मों की अवस्थाएं/व्यंजकताएं विवाद समाधान, यदि कोई हो, के लिए भी आवश्यक हैं।

- केंद्रों को संदर्भ किस्मों के संग्रह का विस्तार करना चाहिए, और उसमें बीज अधिनियम, 1966 के अंतर्गत अधिसूचित किस्मों, प्रत्येक केंद्र में संबंधित फसलों के एआईसीआरपी परीक्षणों में उपयोग की गई उचित क्षेत्रीय और क्षेत्रीय मानक-किस्मों, संस्थानों/ संगठनों/ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों आदि द्वारा विमोचित / वाणज्यिकृत किस्मों को शामिल करना चाहिए। बीज कंपनियों द्वारा बेची गई किस्मों के बीजों को भी स्थानीय बाजार से वार्षिक आधार पर खरीदा जा सकता है।

- फसल आधारित नोडल केंद्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने होंगे जिनमें यह बताया जाए कि किस प्रकार डीयूएस विवर्णकों को रिकॉर्ड किया जाए और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के अंतर्गत पौधा किस्म संरक्षण हेतु पादप किस्मों के लिए आवेदन कैसे दाखिल किया जाए, और सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के पादप ब्रीडरों, एआईसीआरपी केंद्रों के ब्रीडरों और विभिन्न डीयूएस केंद्रों में कार्यरत तकनीकी व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जाए।

- किसानों की किस्मों के मामले में, जो अनौपचारिक बीज श्रृंखला का भाग होती हैं या जिनका व्यवसायीकरण किया जाता है, केंद्रों को दस्तावेज एकत्र करने होंगे और केस स्टडी करनी चाहिए तथा किसानों की आय दोगुनी करने हेतु उक्त केस स्ट्डी को प्रदर्शित करना चाहिए।

- नोडल केंद्रों को डीयूएस परीक्षण का समन्वय करना होगा, अन्य केंद्रों का दौरा करना होगा, डेटा रिकॉर्ड की जाँच करनी होगी और विवर्णकों का सामंजस्य/अंशांकन करना होगा तथा यदि कोई विसंगति हो, तो उसे ठीक करना होगा।

- सभी केंद्र अपने केंद्र/ संस्थान/ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित किस्मों, जो बीज अधिनियम, 1966 के अंतर्गत अधिसूचित हैं या विमोचित/वाणिज्यकृत हैं, के लिए आवेदन जमा करने हेतु तत्काल कार्रवाई करेंगे।

- उन फसलों के लिए रुचि की अभिव्यक्ति जारी की जानी चाहिए जिनके लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित किए जाने हैं।

- सभी केंद्रों को डीयूएस डेटा सॉफ्ट कॉपी के साथ-साथ प्रमाणित प्रति भी भेजनी होगी।

- केंद्रों को सलाह दी गई कि वे डीयूएस केंद्रों में एसआरएफ/तकनीकी कर्मियों के लिए भाकृअनुप संशोधन के अनुसार बढ़े हुए वेतन को, जहाँ भी लागू हो, लागू करें। विचार-विमर्श के दौरान, भाग लेने वाले प्रत्येक केंद्र को तकनीकी मानकों और बजटीय प्रावधानों का पालन करने के लिए विशिष्ट निर्देश दिए गए और तदनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान विस्तार और निधि जारी करने की योजना बनाई जाएगी जिसके बारे में केंद्रों को सूचित किया जाएगा।

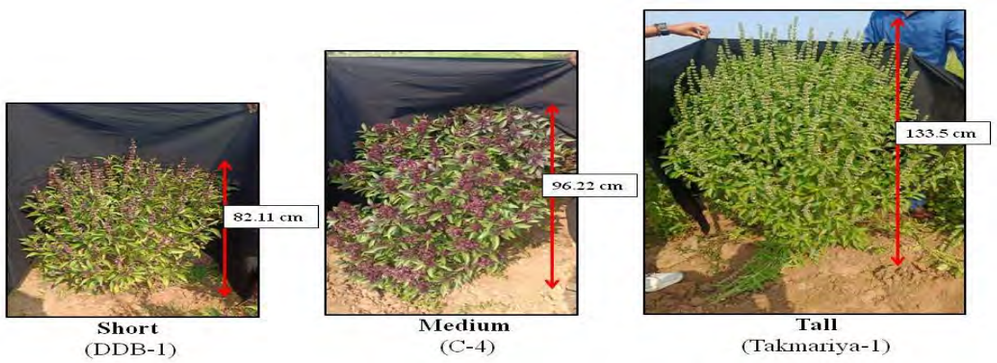
****

4: डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास और जीन बैंकों की स्थापना पर परियोजनाएँ

डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास के लिए, कुल 27 परियोजनाएं प्रगति पर थीं]; यथा 1 ओसीमम प्रजा., 2. सपोता, 3. एडेनियम, 4. कीवी, 5. खेजड़ी, 6. महुआ, 7. शलजम, 8. गांठ गोभी (नोल खोल), 9. डैफोडिल, 10. रामतिल, 11. सब्जी केल, 12. सलाद-पत्ता, 13. अंडुआ (ब्राउन टॉप मिलेट), 14. ट्यूलिप, 15. बम्बारा मूंगफली, 16. एल्स्ट्रोमेरिया, 17. प्राण, 18. मखाना, 19. समर स्क्वैश, 20. पालमायरा, 21. करौंदा, 22. क्विनोआ प्रजा., 23. रबर, 24. रुचिरा (एवाकैडो), 25. ड्रैगन फ्रूट, 26. अरंडा, 27. लेटयूस। ये सभी परियोजनाएं डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को मूर्त रूप देने के विभिन्न चरणों में हैं।

4.1. ओसीमम प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश

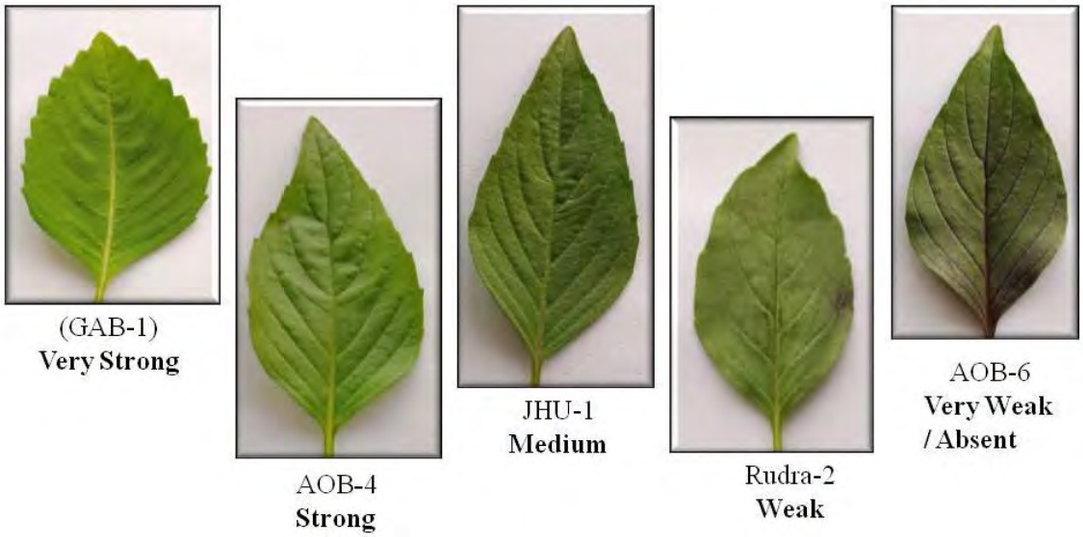
केंद्र ने ओसीमम प्रजातियों पर डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने से संबंधित कार्य किया। ये परीक्षण 2024-25 के दौरान भाकृअनुप-औषधीय एवं संगधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनंद गुजरात, भारत में किए गए, जो समुद्र तल से 45.1 मी. ऊपर $22^0$35' N, 72^0 55'E पर स्थित है। *ओसीमम बेसिलिकम* एल. की कुल 45 वंशवलियों (एक्सेशन) का मूल्यांकन दो स्थलों (बोरियावी और लांभवेल) में किया गया। इस वंश/जीनस को पौधे की आकारिकी, बढ़वार का संव्यवहार, पुष्पक्रम, पत्तियों एवं तने का रंग, बीज की आकृति, PGs और तेल तत्व में विचलन के आधार पर लक्षणवर्णित किया गया।



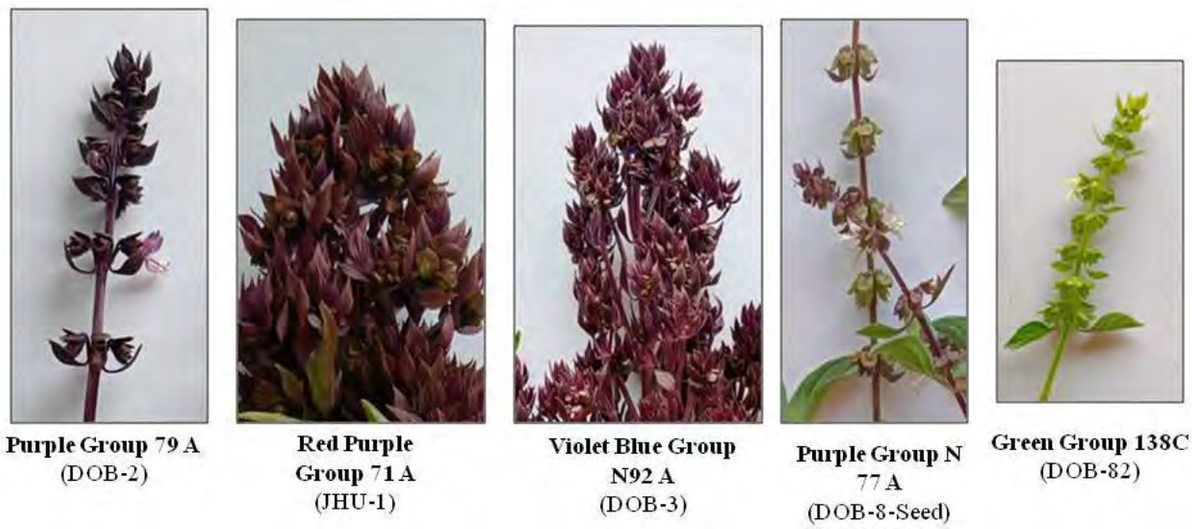
पादप ऊंचाई



कोरोला रंग में विचलन



दांतेदार पत्ती कौने



सहपत्रों का रंग

4.2. सपोता के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास"

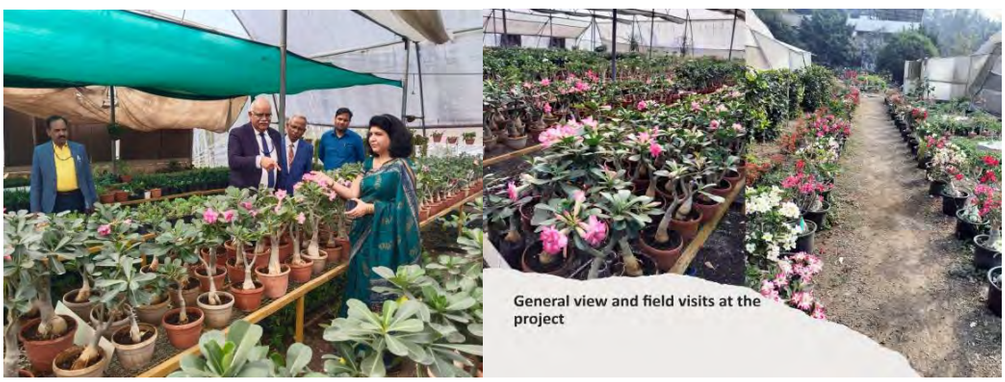
केंद्र ने सपोता पर डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने से संबंधित कार्य किया। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित करने के लिए कुल 23 वाणिज्यिक किस्मों की ग्राफटिंग की गई और उन्हें अनुरक्षित किया गया। वीजी/वीएस और एमएस/एमजी के आधार पर 25 भिन्न आकारिकी लक्षणों पर प्रेक्षण (ऑब्जर्वेशन) लिए गए और उनका लक्षणवर्णन कर उन्हें मसौदा डीयूएस दिशानिर्देश में शामिल किया गया।



सदस्य सचिव डॉ. डी.एस. पिलानिया एवं डॉ. अवनीश कुमार पांडे, परियोजना प्रभारी और स्थानीय समिति सदस्य का पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली का 11 अप्रैल, 2025 को दौरा

4.3 "एडेनियम के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास"

केंद्र ने एडेनियम पर डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने से संबंधित कार्य किया। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित करने के लिए 64 जननद्रव्य की ग्राफ्टिंग की गई और उन्हें अनुरक्षित किया गया। वीजी/वीएस और एमएस/एमजी के आधार पर 44 भिन्न आकारिकी लक्षणों पर प्रेक्षण लिए गए और उनका लक्षणवर्णन कर उन्हें प्रारूप डीयूएस दिशानिर्देश में शामिल किया गया।



डॉ. एस.के. सिंह, उप महानिदेशक बागवानी का दौरा



टास्क फ़ोर्स के सदस्य डॉ. रमेश कुमार, डॉ. एस.एस. शिंधू, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. डी.एस. पिलानिया, डॉ. दिलीप पटेल का **डॉ. अलका सिंह (परियोजना प्रभारी)** और **सह-पीआई** के आतिथ्य में 11 अप्रैल, 2025 को दौरा

4.4. कीवीफ्रूट (एक्टिनिडिया प्रजा.) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

इस परियोजना "कीवीफ्रूट (एक्टिनिडिया प्रजा.) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास" की स्वीकृति डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (डॉ. वाईएसपीयूएचएफ), नौनी, सोलन (हि.प्र.) को दी गई थी जिसका उद्देश्य कीवीफ्रूट के लिए विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) परीक्षण दिशानिर्देशों को रूपरेखा देना था। यह परियोजना भारत में कीवी फल की किस्मों की पहचान, लक्षणवर्णन और पंजीकरण में सहायता करने के लिए मानकीकृत विवर्णक अर्थात स्टैंडर्डाइज्ड डिस्क्रिप्टर और मूल्यांकन प्राचल (पैरामीटर) स्थापित करने पर फोकस करती है।

कीवी फल पर प्रेक्षण रिकॉर्ड करने के लिए बीस ववर्णकों को अंतिम रूप दिया गया। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में उगाई और अनुरक्षित की गई छह *एक्टिनिडिया डेलिसिओसा* किस्मों, यानी एलिसन (मादा), हेवर्ड, मोंटी, ब्रूनो, एबॉट और एलिसन (नर) पर प्रेक्षण रिकॉर्ड किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। अध्ययन ने विश्वसनीय डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश विकसित करने में सहायता करने के लिए आकारिकीय एवं जैवरासायनिक गुणों (विशेषक/ट्रेट्स) के मूल्यांकन पर फोकस किया।

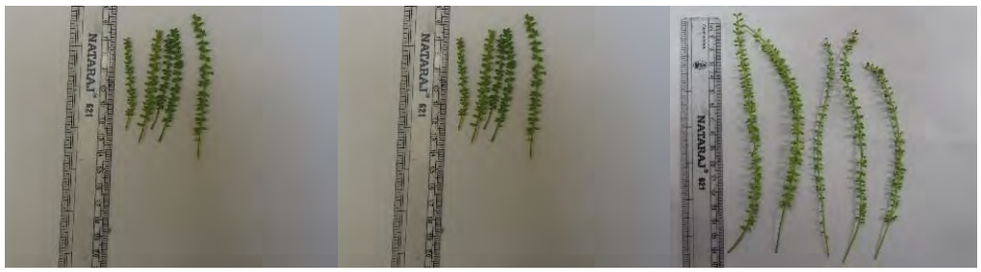


एलिसन (मादा)



4.5. 'खेजड़ी (*प्रोसोपिस सिनेरिया*) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास'

इस अवधि के दौरान खेजड़ी जननद्रव्य ब्लॉक का निरीक्षण किया गया और श्रेष्ठ खेती प्रथाएं शुरु करने के लिए अनुरक्षण तैयार की गई। प्रारंभिक दस्तावेजीकरण के आधार पर, आकारिकीय लक्षणवर्णन के लिए 28 खेजड़ी जीनप्ररूपों (जीनोटाइप) को चिह्नित किया गया। डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने तथा लक्षणवर्णन के लिए पत्ती, पुष्पक्रम, पुष्प, फली, बीज और पौधे की बढ़वार के संव्यवहार के संबंध में कई तरह के प्राचलों की पहचान की गई। इसके अलावा, बीकानेर क्षेत्र से एक बेमौसम फलन वाले बेयरर खेजड़ी जीनप्ररूप को संग्रहित किया गया जिसे खेत में क्लोन के रूप में प्रवर्धित करने के लिए रोपित किया गया।



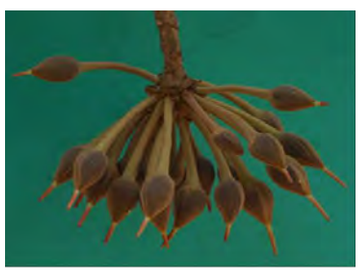
चयनित खेजड़ी जीनप्ररूपों से स्पाइक की लंबाई में विचलन का पैटर्न



चयनित खेजड़ी जीनप्ररूपों में अनेक पिन्ना पेयर/लीफ में विचलन पैटर्न

4.6. महुआ के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

परियोजना को वर्ष 2024 में शुरु किया गया था। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, एक महुआ किस्म (थारमधु) और 15 जीनप्ररूपों पर विभिन्न आकारिकीय और भौतिक-रासायनिक गुणों पर प्रेक्षण रिकॉर्ड किए गए। कुल 30 विवर्णकों का मानकीकरण किया गया और प्रत्येक महुआ जीनप्ररूपों



1) Unopen flower bunch



2) Mature flower bunch



3) Mature fruit bunch



4) Variability in seed



5) Seed kernel



6) Shell

के संरचनात्मक, पर्णिल, पुष्पीय और बीज लक्षणों के मूल्यांकन के लिए विस्तृत मानदंड उपलब्ध किया गया। उपरोक्त जीनप्ररूपों के ही सेट पर प्रेक्षणों को 2025-26 के दौरान दोहराया जाएगा।

प्रतिनिधित्व पुष्प, फल और बीज नमूने

4.7. टर्निप (*ब्रैसिका रैपावर. रैपा* एल.) के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास"

यह परियोजना शीर्ष "टर्निप (***ब्रैसिका रैपावर. रैपा* एल.**) के लिए **डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास**" को टर्निप की किस्मों के लिए डीयूएस विवर्णक विकसित करने के मुख्य उद्देश्य से शुरु किया गया था। इस व्यापक कार्य में देश की विविध कृषि जलवायु और संस्थानों से जननद्रव्य वंशक्रमों का संग्रहण करना, उनका लक्षणवर्णन, मूल्यांकन, और चयन करना शामिल था।

परियोजना अवधि के दौरान, कलेक्शन हॉटस्पॉट की पहचान की गई और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख तथा राष्ट्रीय संस्थानों (भाकृअनुप, एसएयू, एनबीपीजीआर) में 115 स्थलों से 103 जननद्रव्य वंशक्रम व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किए गए। प्रयोगिक खेत परीक्षण सब्जी विज्ञान प्रभाग, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, शालीमार में किए गए और जननद्रव्य संग्रहणों का मूल्यांकन एवं दस्तावेजीकरण वानस्पतिक गुणों (पत्ती, जड़, ग्रोथ पैरामीटर) के लिए किया गया। पुनरावृत्तियों को छोड़कर, 48 आशाजनक जीनप्ररूपों को नियंत्रित स्थितियों के तहत पुष्पण एवं बीजोत्पादन के लिए दोबारा रोपित किया गया। केवल इक्कीस चयनित जीनप्ररूपों को ही पुष्पण और बीजोत्पादन के लिए दोबारा रोपित किया गया। चयनित वंशक्रमों के बीज आईसी नंबर जारी करने के लिए एनबीपीजीआर के पास जमा किए गए। दो वर्ष के वैधीकरण डेटा के आधार पर डीयूएस विवर्णकों का अंतिम मसौदा पीपीवी एवं एफआरए को प्रस्तुत किया गया।





भूमि तैयार करना एवं बुवाई **खेत का दृश्य**



जड़ की आकृति और रंग में भिन्नता

4.8. नोलखोल (*ब्रैसिका ओलेरासी वेरा. गोंगिलोड्स* एल.) के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास

पीपीवी एवं एफआरए द्वारा प्रयोजित यह परियोजना **"नोलखोल (ब्रैसिका ओलेरासीवर. गोंगिलोड्स एल..) के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास"** को शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी-के) में प्रारंभ किया गया था। इसके लिए वृहत कार्य के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और देश के पूरे विभिन्न संस्थानों से विविध जननद्रव्य वंशक्रमों का संग्रहण, लक्षणवर्णन, मूल्यांकन और चयन करना शामिल था।

जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और देश के राष्ट्रीय संस्थानों (आईसीएआर, एसएयू, एनबीपीजीआर) में 196 स्थानों से पहचान किए गए कुल 263 जननद्रव्य वंशक्रमों का व्यवस्थित रूप से संग्रहण किया गया। वनस्पति विज्ञान विभाग, एस.के.यू.ए.एस.टी.-कश्मीर में प्रायोगिक खेत परीक्षण किए गए और एकत्रित किए गए वंशक्रमों का मूल्यांकन किया गया तथा वानस्पतिक लक्षणों (पत्ता, गांठ, ग्रोथ पैरामीटर) के लिए उनका प्रलेखन किया गया। नियंत्रित स्थितियों के तहत पुष्पण और बीज उत्पादन के लिए 60 आशाजनक जीनप्ररूपों (पुनरावृत्तियों के सिवाय) को फिर से रोपित किया गया।



गांठ की आकृति में भिन्नता

4.9. करोंदा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

इस अवधि के दौरान नए जीनप्ररूपों के लिए अन्वेषण पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में किए गए। हमने विभिन्न स्रोतों से करोंदा के 8 जीनप्ररूप संग्रहित किए [यानी जी.बी.पी.यू.ए. एंड टी, पंतनगर (उत्तराखंड) से तीन; ए.एन.डी.यू. एंड टी, कुमारगंज (अयोध्या) से एक; आई.सी.ए.आर.-काजरी, जोधपुर से दो; और गोंडा (उत्तर प्रदेश) से दो। करोंदा के 40 जनद्रव्य का मूल्यांकन फील्ड जीन बैंक (एफ.जी.बी.) में किया गया और आकारिकीय एवं फल गुणवत्ता विशेषताओं का लक्षणवर्णन किया गया।

हालांकि, फार्म में उपलब्ध पौधों की संख्या 117 है, [2024 के दौरान], लेकिन सदृश लक्षण के 11 समूहों में 113 वक्षों में ही फलन हुआ। वृक्ष के बढ़वार के 4 संव्यवहारों को दर्ज किया गया, यानी फैलाव (78 वृक्षों में), अर्ध फैलाव (29 वृक्षों में), लंबवत

(2 वृक्षों में), झड़न (1 वृक्ष में)। फलों का रंग 2बी) 38 जननद्रव्यों में में हरा, गुलाबीपन के साथ सफेद, बैंगनीपन के साथ हरा और मरून था। फलों का गुलाबी रंग 2 बी) 38 जननद्रव्यों में गहरा बैंगनी दर्ज किया गया। प्रति फल बीज संख्या या तो 2 या 2 से अधिक थी, यानी 7-10. फल का वजन 2.66-5.96 ग्राम के बीच, लुगदी तत्व 87.226-99.358% के बीच, बीजों की संख्या 3.80-7.80 के बीच; टीएसएस तत्व 5.11-8.50^{0}B के बीच और अम्लता 1.36-2.72% के बीच दर्ज की गई।





1. करोंदा का लंबवत वृक्ष, 2. फलों का रंग (क) गुलाबीपन के साथ सफेद (जीके-25) (ख) बैंगनीपन (जीके-73) (ग) गहरा बैंगनी (जीके-1) डी) गहरा गुलाबी

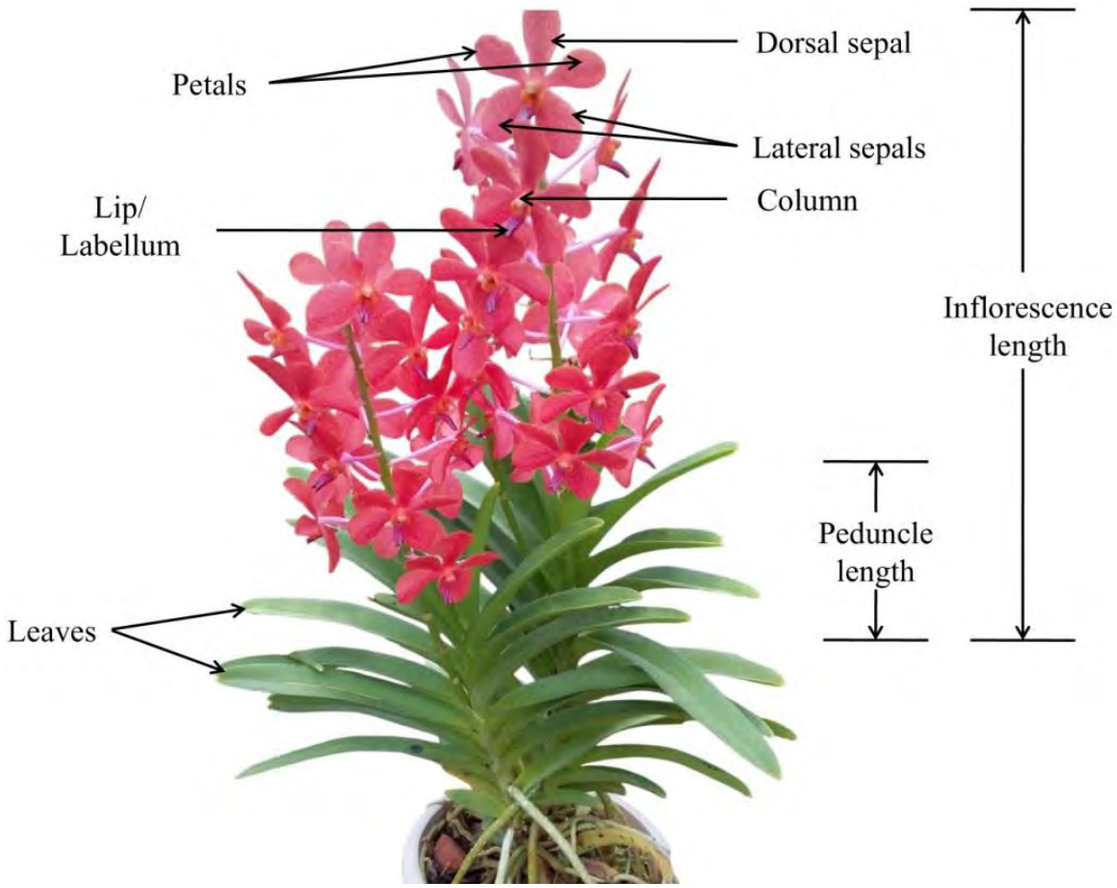


चित्र 3. फूलों का रंग (क) गुलाबी कोरोला के साथ सफेद (ख) हल्के हरे कोरोला के साथ सफेद

4.10. अरंडा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

जीनस 'अरंडा' एक मानव निर्मित जीनस है जो पैतृक पृष्ठभूमि में अराकनिस (सिन. अराचनन्थे, आराइकियम, आर्मोडोरम और एस्मेराल्डा) × वांडा (सिन. एस्कोसेंट्रम, एस्कोसेंट्रोप्सिस, क्रिस्टेंसोनिया, एपार्मेटोस्टिग्मा, युएंथे, फिनेटिया, गुन्नारिया, नियोफिनेशिया, निप्पोनोरचिस और ट्रुडेलिया) के 2 (दो) प्राकृतिक वंश संयोजनों का एक संयोजन है। परीक्षण 18-35 डिग्री सेल्सियस औसत तापमान

और 80-90% सापेक्ष आर्द्रता पर 50% छाया के साथ संरक्षित स्थितियों में किया गया और किस्म के संबद्ध लक्षणों की व्यांजकता की संतोषजनक ग्रोथ को सुनिश्चित किया गया। पौधों को 8-10 इंच के गमले में मिट्टी रहित सामग्री (जैसे कि नारियल की भूसी, नारियल के छिलके, कोयले के टुकड़े, पत्ती के सांचे, ईंट के टुकड़े और स्फैगनम मॉस आदि) के साथ पोटिंग मीडियम के साथ उगाया गया। अरंडा के डीयूएस परीक्षण दिशानिदेर्शों को पत्ती का संव्यवहार, प्रति पुष्पक्रम पुष्पों की संख्या, प्रति पुष्पक्रम शाखाओं की सं., पुष्पों की चौड़ाई, समूहीकरण लक्षणों के रूप में पंखुड़ी का मुख्य रंग और लिप एपिकल आकृति तथा लिप एपिकल लोब सहित 50 आकारिकीय विवर्णकों का प्रयोग कर विकसित किया गया।



अरंडा का पौधा

4.11 रबर (*हेविया ब्रासिलियेंसिस*) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

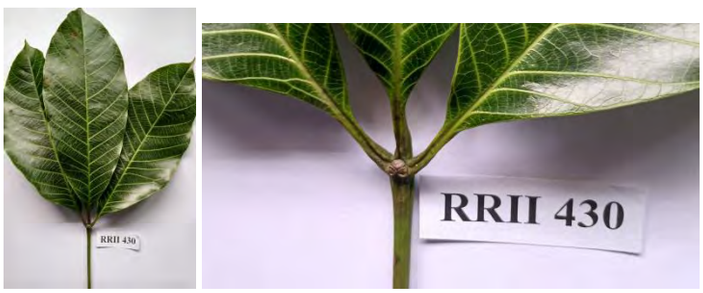
परियोजना अवधि के दौरान, प्राकृतिक रबर (*हेविया ब्रासिलियेंसिस*) के वृक्ष की संदर्भ किस्मों (क्लोन) के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को रूपरेखा देने के लिए किशोरावस्था लक्षणों के वैधीकरण पर अध्ययन किए गए। डीयूएस परीक्षण के लिए लीफ स्टोरी (आकार, पृथक्करण और बाह्य उपस्थिति), लीफ ब्लेड (आकार, चमक, रोमिलता, अनडुलेशन, एपेक्स, आधार और अभिवृत्ति), लीफलेट (पृथक्करण), डंठल अभिविन्यास, आकार और लंबाई), डंठल (अभिवृत्ति, कोण, लंबाई और चौड़ाई) और पुल्विनस पर मात्रात्मक एवं गुणात्मक लक्षणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। डीयूएस परीक्षण के वैधीकरण के लिए संदर्भ क्लोनों के फल के लक्षणों, जैसे कि फल की लंबाई आदि तथा बीज संबंधी गुणों, जैसे कि बीज की लंबाई और बीज की आकृति आदि पर भी प्रेक्षण दर्ज किए गए।



प्लेट 1: *हेविया ब्रासिलियेंसिस* के संदर्भ क्लोन में शाखन पैटर्न



प्लेट 2: क्लोन RRII 105, RRII 422 और RRII 429 के पुष्प गुण



1ए. पत्ती की आकृति 1 बी. एक्स्ट्रा-फ्लोरल पेटियोलर नेक्टेरी आकृति

4.12 प्राण (*एलियम x कॉर्नुटम क्लेमेंटी एक्स विस*) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

46 प्राण (*एलियम* प्रजा.) में कुल 33 गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों का मूल्यांकन विभिन्न फसल विकास चरणों, जैसे कि एस1 (अंकुरण), एस 2 (वानस्पतिक), एस 3 (बुलबुल गठन) और एस 4 (कटाई और कटाई'उपरांत) किया गया तथा फोलिएज, स्यूडोस्टेम, पुष्पक्रम और बल्ब से संबंधित लक्षणों को कवर किया गया। वृहत मूल्यांकन में जीनप्ररूपों के बीच काफी आकारिकीय भिन्नता पाई गई, जो एस.के.यू.ए.एस.टी.-कश्मीर में अनुरक्षित प्राण जननद्रव्य के भीतर उच्च स्तर की आनुवंशिक और लक्षणप्ररूपी विविधता को दर्शाती है। जीनप्ररूपों को भिन्न आकारिकीय व्यंजकताओं के आधार पर वर्गीकृत करने के लिए पांच मुख्य गुणों यथा, फोलिएज की अभिवृत्ति, पत्ते का रंग, स्यूडोस्टेम का विकास, पुष्पक्रम का रंग और बल्ब की आकृति की पहचान प्राथमिक समूहीकरण लक्षणों के रूप में की गई।



1. पुष्पक्रम रंगः हरा; बैंगनी
2. प्रति पौधा बल्बों की संख्याः कुछ; मध्यम; कई
3. पुष्पक्रम का रूपः बल्बिल गठन का प्राथमिक स्तर; बल्बिल गठन का माध्यमिक स्तर
4. स्यूडो-स्टेमः मौजूद; अनुपस्थित।

4.13. अल्स्ट्रोमेरिया के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

वर्ष 2024–25 के दौरान, अल्सट्रोमेरिया की 23 किस्मों के जननद्रव्य को विश्वविद्यालयों, नर्सरियों तथा प्राइवेट कंपनियों (तालिका 1; प्लेट 1-2) सहित अलग-अलग स्रोतों से संग्रहित किया गया। संग्रहित की गई किस्मों को एक प्राकृतिक हवादार पॉलीहाउस के भीतर पुनरावृत्तीय ब्लॉक डिज़ाइन में अक्टूबर 2024 में रोपित किया गया। फसल के उचित स्थापन एवं विकास को सुनिश्चित करने के लिए, सभी मानक कृषि विधियों का पालन किया गया।

किस्मों में मार्च 2025 में फूल आने लगे, जिसके बाद पहले वर्ष के लिए डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता एवं स्थिरता) लक्षणवर्णन किया गया। आरएचएस कलर चार्ट (6ठा संस्करण), जिसे हाल ही में इसी मकसद के लिए खरीदा गया था, का प्रयोग करके कलर डेटा रिकॉर्ड किया गया



बगीचे का दृश्य



टास्क फोर्स के सदस्यों का दौरा

4.14. मखाना के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश का विकास

भिन्न मखाना (*यूरियाल फेरोक्स* सैलिसब.) जननद्रव्य का व्यापक मूल्यांकन भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय,, पूर्णिया में किया गया ताकि उसके आकारिकीय और उपज से जुड़े प्राचलों का अध्ययन किया जा सके। प्रेक्षण में अनेक वानस्पतिक वृद्धिकारक, यथा प्रत्येक पौधे पर पत्तियों की संख्या, डंठल की लंबाई (सेमी), और पत्ती का व्यास (सेमी) शामिल थे। पुनरुत्पादन चरण का मूल्यांकन करने हेतु, पुष्पण का समय तथा प्रति पादप पुष्पों की संख्या और प्रति पादप फलों की संख्या को दर्ज किया गया। फल के विकास और बीज जमाव के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए फल की लंबाई और व्यास (सेमी), फल का वज़न (ग्रा.), प्रत्येक फल में बीजों की संख्या, और प्रत्येक फल के बीज का वज़न (ग्रा.) का अनुमाप लिया गया। व्यक्तिगत बीज लक्षणों, जैसे कि एकल बीज का वज़न (ग्रा.), 1000-बीजों का वज़न (ग्रा.), बीज का आकार, बीज की सतह की बनावट, बीज का व्यास (मिमी), और बीज के आवरण की मोटाई की भी जांच की गई।

इसके अलावा, प्रत्येक पौधे पर बीज (गुर्री) की उपज (ग्रा. और कि.ग्रा.), प्रति हेक्टेयर पौधों की संख्या (1.25 m × 1.25 m की दूरी पर), और प्रति हेक्टेयर बीज की उपज (जो प्रति हेक्टेयर किलोग्राम तथा क्विंटल में दोनों में अभिव्यक्त की गई थी) के आधार पर उपज संबंधी संघटकों का अध्ययन किया गया। बीज पॉपिंग की दक्षता के निर्धारण हेतु पॉप रिकवरी प्रतिशत का भी अनुमान लगाया गया। ये

पैरामीटर बीपीएसएसी, पूर्णिया में अध्ययन किए गए भिन्न मखाना जननद्रव्यों की विशिष्ट आकारिकीय और उपज प्रदर्शन गुणों पर सामूहिक रूप से मूल्यवान सूचना प्रदान करते हैं।



लाइट ब्रॉज (1)



रेडिश ब्राउन (2)

परिपक्व पत्ती का रंग



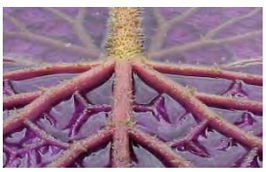
1: एक दिन पुरानी पत्ती



2: दो दिन पुरानी पत्ती



3: पुर्ण रूप से खिली पत्ती





4: पत्तियों का निचला भाग

पुष्प: नर पुरूप के बिंग (डिस्क) का रंग



5: मखाना के पुष्पण युक्त पादप



6: मखाना के पूर्ण रूप से खिले पुष्प



7: मखाना पुष्पकों का आकार



8: मखना पुष्पों का एल.एस.

फल: फल की आकृति



चित्र 9: ताजा तुड़ाई किए गए मखाना फल



चित्र 9: मखाना फलों का टी.एस.



चित्र 10: मखाना का बरशेड फल



11: मखाना बीज



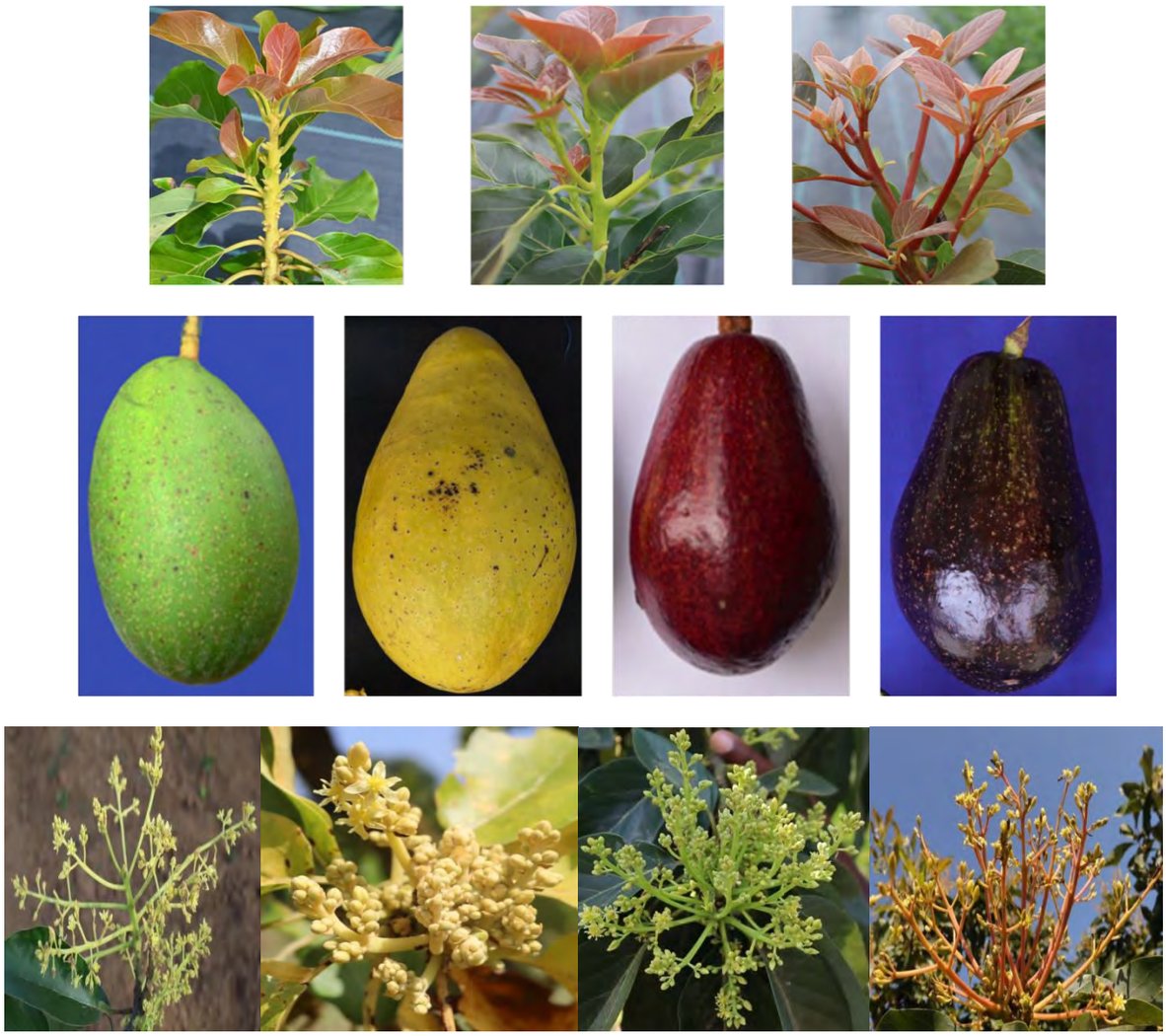
12: मखाना बीज में दिसंबर माह में अंकुरण का प्रारंभ



13: अंतिम उत्पाद के रूप में मखाना पॉप

4.15. एवोकैडो (*पर्सिया अमेरिकाना* मिल) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

रुचिरा (एवोकैडो) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को रूपरेखा भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय बागवानी परीक्षण केंद्र, चेट्टाल्ली, कोडागु, कर्नाटक में लगातार दो वर्षों (2022–2024) के दौरान पादप, पत्ती, पुष्प और फल गुणों के लिए 50 रुचिरा किस्मों के लक्षणवर्णन के बाद दिया गया। 50 किस्मों में से, 23 को मुख्य गुणों (ट्रेट्स) के लिए एग्जाम्प्ल किस्मों के तौर पर चिह्नित किया गया। कुल 36 महत्वपूर्ण, स्थिर और अद्वितीय गुणों की पहचान की गई, उनका वर्णन तथा विस्तृत व्याख्या की गई। किस्मों में विभेद करने हेतु, युवा टहनी का रंग, पुष्प की प्रकृति, छिलके का रंग, छिलके की मोटाई, वसा तत्व, और परिपक्वता जैसे गुणों की पहचान की गई। सामूहिक रूप से, ये गुण किस्म में अंतर करने के लिए एक परिपूर्ण फ्रेमवर्क प्रदान करते हैं, जिससे रुचिरा किस्मों के बीच विश्वसनीय पहचान और तुलना सुनिश्चित होती है। वैधीकरण परीक्षणों ने इन विवर्णकों की पुनरुत्पादनीयता एवं विश्वसनीयता की पुष्टि की। इस परियोजना के परिणाम रुचिरा की किस्मों की पहचान, पंजीकरण और संरक्षण के लिए मानक दिशानिर्देशों के तौर पर कार्य करेंगे। डीयूएस दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए, टास्क फोर्स कमेटी की दो बैठकें 20 जून 2025 और 16 अक्टूबर 2025 को सीएचईएस-चेट्टल्ली और एचईएस-हायरहेल्ली में हुईं।



4.16. ड्रैगन फ्रूट (सेलेनिसेरेस प्रजा.) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

ड्रैगन फ्रूट के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को रूपरेखा दी गई, मगर उससे पहले दो लगातार वर्षों (2022–2024) के दौरान 40 ड्रैगन फ्रूट किस्मों के गुणों का पता लगाने के लिए भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय बागवानी परीक्षण केंद्र, हायरहेल्ली, तुमकुरु, कर्नाटक में उनके पौधों, पुष्पों और फलों के गुणों का लक्षणवर्णन किया गया। 40 किस्मों में से, 21 को महत्वपूर्ण प्रमुख लक्षणों के लिए एग्जाम्प्ल किस्मों के रूप में चिह्नित किया गया। कुल 32 स्थिर और अद्वितीय गुणों की पहचान की गई, उनका वर्णन एवं विस्तृत व्याख्या की गई। किस्मों के समूहीकरण के लिए, युवा टहनी का रंग, छिलके का रंग, गूदे का रंग एवं कांटों से संबंधित गुणों की पहचान की गई। सामूहिक रूप से, ये गुण किस्मगत अंतर करने के लिए एक परिपूर्ण फ्रेमवर्क प्रदान करते हैं, जिससे रुचिरा किस्मों के बीच विश्वसनीय पहचान और तुलना सुनिश्चित होती है। वैधीकरण परीक्षणों ने इन विवर्णकों की पुनरुत्पादनीयता एवं विश्वसनीयता की पुष्टि की। इस परियोजना के परिणाम रुचिरा की किस्मों की पहचान, पंजीकरण और संरक्षण के लिए मानक दिशानिर्देशों के रूप में कार्य करेंगे। डीयूएस दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए, टास्क फोर्स कमेटी की बैठक 16 अक्टूबर 2024 को सीएचईएस-हायरहेल्ली में हुई।



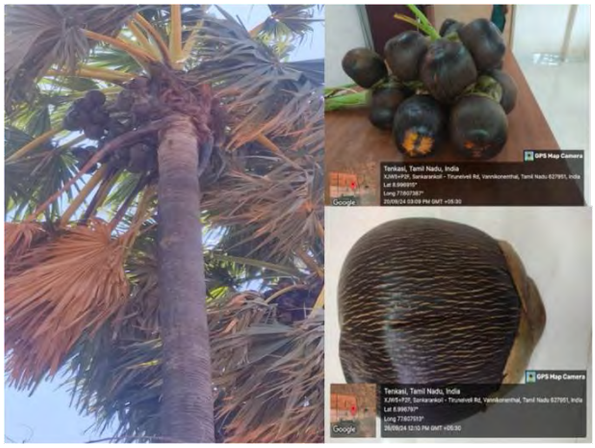


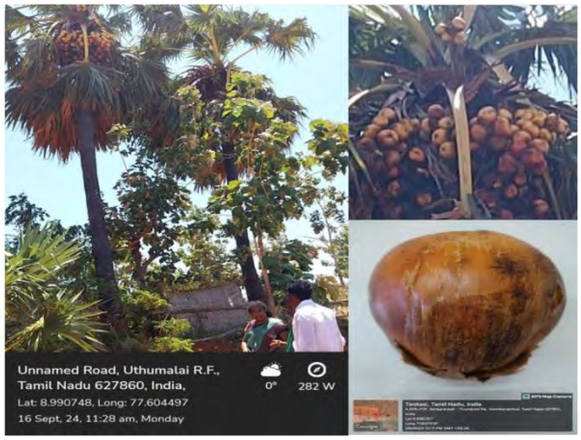



4.1.17. पलमायरा के लिए डीयूएस दिशानिर्देश का विकास

वर्ष 2024-2025 के दौरान पलमायरा में 265 जीनप्ररूपों को वी ओ चिदंबरानर कृषि महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान, किल्लीकुलम, तूतीकोरिन, तमिलनाडु में अनुरक्षित किया जा रहा है। इनमें से 20 जीनप्ररूपों के लिए आकारिकीय लक्षण दर्ज किए गए और वंशावलियों की समीक्षा करने तथा पालमायरा में जैवमार्करों का निर्धारण करने के लिए वीओसी एसी एवं आरआई, किलिकुलम के खेत का दौरा भी किया गया। पलमायरा जीनप्ररूपों के आकारिकीय गुणों का मूल्यांकन और लक्षणवर्णन करने के लिए तथा पलमायरा नीरा की पादपरासायनिक प्रोफाइलिंग बनाने के लिए अध्ययन किया गया। पौधे की बढ़वार, पुष्पक्रम, उपज संघटक लक्षणों, फल गुणवत्ता तथा पादपरासायनिक गुणों सहित विभिन्न प्राचलों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। आकारिकीय गुणों में से, वंशावली 3 BH और वंशावली 5 KK ने बेहतर प्रदर्शन दिखाया, विशेष रूप से लंबे डंठल की लंबाई के आधार पर। वंशावली 18 AA में सबसे ज़्यादा पल्प रिकवरी प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि वंशावली 5 KK (1.62 कि.ग्रा.) में सबसे ज़्यादा फल वज़न पाया गया। आनुवंशिक विचलन विश्लेषण ने यह परिलक्षित किया कि वंशावली 18 AA, वंशावली 5 KK, वंशावली 1 OD, वंशावली 3 BH, वंशावली 26 AK और SVPR 1 में सामूहिक रूप से कई तरह के गुण सन्निहित थे, जो श्रेष्ठतम उत्पादकता से लेकर महत्वपूर्ण आनुवंशिक विविधता से एक स्पेक्ट्रम का परिचायक है।

पलमायरा किस्मों की पहचान की गई दो भिन्न प्रजातियां





करुप्पु कैची – कल्टीवार वेल्लई कैची – कल्टीवर

4.1.18. समर स्क्वैश (*कुकुर्बिटा पेपो* एल.) के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास

वर्ष 2024-25 के दौरान, समर स्क्वैश (*कुकुर्बिटा पेपो* एल..) जीनप्ररूपों का लक्षणवर्णन सब्जी विज्ञान, प्रभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में किया गया। दूसरे वर्ष, डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए 16 किस्मों/ उन्नत प्रजनन वंशक्रमों को भिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों तथा सब्जी विज्ञान प्रभाग से संग्रहित किया गया। परीक्षण डीयूएस-परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। किस्मों/वंशक्रमों को आरबीडी डिज़ाइन में तीन पुनरावर्तनों में मूल्यांकित किया गया, जहां प्रत्येक पुनरावर्तन में 39 पौधे शामिल थे। बीजों की बुवाई 10.11.2024 को की गई और पौधों को 60 × 60 सेमी की दूरी पर 08.12.2024 को प्रत्यारोपित किया गया। समर स्क्वैश के डीयूएस परीक्षण के लिए 25 कृषि-आकारिकीय गुणों का चयन किया गया और डेटा पौध चरण, फसल-कटाई तथा पुष्पण चरण के दौरान दर्ज किया गया।

Trait: Leaf blade incision

Sr. No.	Leaf blade: incisions	Genotype
1	Absent or very shallow	Panjab Chappan Kaddoo-1, Pusa Pasand
2	Shallow	Patty Pan , Kashi Shubangi
3	Medium	Pusa Alankar
4	Deep	Pusa Shreyash
5	Very Deep	Australian green







Ripened Fruits of different genotypes of Summer squash



Young-Stage Summer Squash (*Cucurbita pepo* L.)

4.1.19. लेट्यूस (*लैक्टुका सैटिवा* एल.) के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों का विकास

वर्ष 2024-25 के दौरान, सलाद पत्ता अर्थात लेट्यूस (*लैक्टुका सैटिवा* एल.) जीनप्ररूपों का लक्षणवर्णन सब्जीविज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली में किया गया। दूसरे वर्ष, डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए 15 किस्मों/ उन्नत प्रजनन वंशक्रमों को भिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों तथा सब्जी विज्ञान प्रभाग से संग्रहित किया गया। परीक्षण डीयूएस-परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। किस्मों/वंशक्रमों को आरबीडी डिज़ाइन में तीन पुनरावर्तनों में मूल्यांकित किया गया, जहां प्रत्येक पुनरावर्तन में 60 पौधे शामिल थे। लेटयूस के डीयूएसस परीक्षण के लिए 35 कृषि-आकारिकीय गुणों का चयन किया गया और डेटा पौध चरण, फसल-कटाई तथा पुष्पण चरण के दौरान दर्ज किया गया। इन वंशक्रमों में से, 3 हेडिंग (ग्रेट लेक्स, आइसबर्ग और अलामो -1), 10 पत्तेदार (चाइनीज़ येलो, फुले पद्मा, सोलन कृति, टैंगो, रेड सलाद, रेड रोज़ डीएलएस-13, डीएलएस-50, डीएलएस-90, हरा पत्तेदार), एक बटर हेड (हरित बैंगनी) और वनकोस/रोमेन टाइप रेड रोमेन वंशक्रम की पहचान की गई।

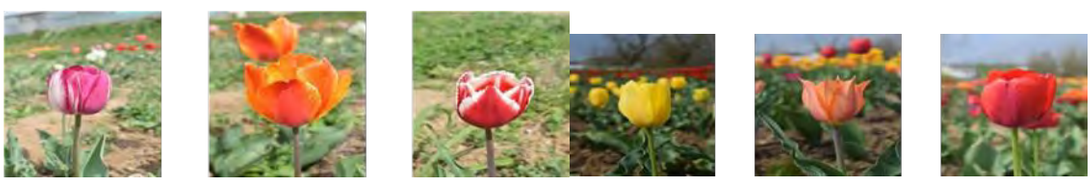






4.1.20. ट्यूलिप के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

2024-25 के दौरान, ट्यूलिप (*ट्यूलिपा* प्रजा.) जननद्रव्य का मूल्यांकन फसल विकास के तीन चरणों—S1 (वान्सपतिक चरण), S2 (पुष्पण चरण), और S3 (परिपक्वता चरण) में दर्ज किए गए 27 गुणवत्तात्मक एवं मात्रात्मक विवर्णकों के आधार पर किया गया। अध्ययन में आकारिकीय प्राचलों, जैसे कि फोलिएज, तना, पुष्प, ओर बल्ब लक्षणों सहित एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया गया। प्रेक्षणों ने एसकेयूएएसटी-कश्मीर में डीयूएस परीक्षण के तहत जांचे गए ट्यूलिप जीनप्ररूपों के बीच काफी अंतर व्यक्त किया, जो पादप समष्टि के भीतर व्यपाक आनुवंशिक एवं लक्षणप्ररूपी विविधता का सूचक है। किस्मगत समूहीकरण और उनकी पहचान करने के लिए प्रमुख गुणों में, पत्ती का रूप और विविधता, तन की रंजकता, पुष्प की आकृति एवं रंग; टीपल स्ट्रक्चर, पौधे का कद, और प्रति पादप बल्ब उपज शामिल थे। डीयूएस परीक्षण के तहत समग्र मूल्यांकन ने भिन्नात्मक आकारिकीय संयोजन परिलक्षित किए जिन्होंने ट्यूलिप जीनप्ररूपों को एक दूसरे से प्रभावकारी रूप से वियोजित किया। परिणामों ने पौधा किस्म और कृषक अधिकारी संरक्षण (पीपीवीएवं एफआर) अधिनियम, 2001 के अनुसार ट्यूलिप की किस्मों की पहचान, पंजीकरण और संरक्षण के लिए एक मज़बूत वैज्ञानिक आधार स्थापित करते हैं, और ट्यूलिप जननद्रव्य के संरक्षण एवं सुधार के लिए मूल्यवान सूचना प्रदान करते हैं।

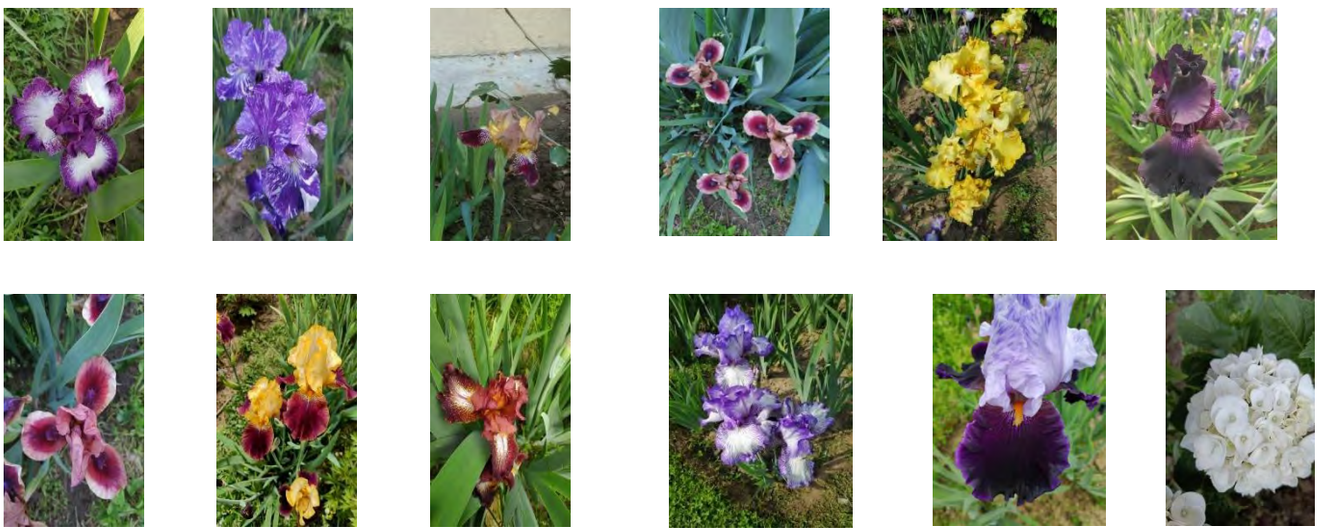




4.1.21. आइरिस के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

वर्ष के दौरान, फसल विकास के तीन भिन्न चरणों—S1 (वान्सपतिक), S2 (पुष्पण), और S3 (परिपक्वता) में मूल्यांकित आइरिस (*आइरिस* प्रजा.) जीनप्ररूपों के मध्य फोलिएज, पुष्प, और बल्ब-संबंधी लक्षणों में आकारिकीय विचलन को कवर करते हुए कुल 26 गुणात्मक एवं मात्रात्मक गुणों का निर्धारण किया गया। मूल्यांकन ने परीक्षण की गई *आइरिस* किस्मों के मध्य काफी विचलनशीलता इंगित की, जो एसकेयूएएसटी-कश्मीर में डीयूएस परीक्षण के अनुरक्षित आनुवंशिक एवं लक्षणप्ररूपी विविधता की एक विस्तृत श्रृंखला को उजागर करती है। वर्गीकरण के लिए पहचान किए गए प्राथमिक समूहीकरण गुणों में पत्ती का रंग, पत्ती का संघटन, पत्ती की आकृति, पुष्प का रंग, पत्ती की आकृति, पुष्प की स्थिति, और बल्ब का रंग शामिल थे, जो किस्मगत वैविध्य के लिए प्रमुख विभेदक गुणों के रूप में कार्य करते हैं।

डीयूएस लक्षणवर्णन ने प्रत्येक *आइरिस* जीनप्ररूपों के लिए भिन्न आकारिकीय प्रोफाइलें स्थापित कीं, जिससे अनुमापीय एवं प्रेक्षणीय विवर्णकों के आधार पर किस्मों की यथार्थता से पहचान करने में सुविधा प्रदान की। निष्कर्ष पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 के तहत *आइरिस* जननद्रव्य के परिरक्षण, पंजीकरण, और संरक्षण के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं।



4.1.22. डैफोडिल्स के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

डैफोडिल (*नार्सिसस* प्रजा.) जननद्रव्य का मूल्यांकन फसल विकास के तीन चरणों—S1 (वान्सपतिक), S2 (पुष्पण), और S3 (परिपक्वता) में दर्ज किए गए कुल 22 गुणात्मक एवं मात्रात्मक विवर्णकों के आधार पर किया गया। प्रेक्षण फोलिएज, पुष्प, और बल्ब-संबंधी लक्षणों को कवकर कर आकारिकीय प्राचलों पर किए गए। परिणामों ने अध्ययन किए गए डैफोडिल जीनप्ररूपों के मध्य व्यापक विचलनशीलता इंगित की, जो एसकेयूएएसटी-कश्मीर में डीयूएस परीक्षण के अनुरक्षित उच्च आनुवंशिक एवं लक्षणप्ररूपी

विविधता को उजागर करती है। समूहीकरण और किस्मगत पहचान करने के लिए जो उपयोगी प्रमुख विभेदकारी गुण शामिल थे, उनमें कोरोना अपर्चर, पुष्प का रंग, पत्ती की आकृति, पुष्प का रूप, बल्ब का रंग, और प्रति पादप उत्पादित बल्बों की संख्या शामिल थी।

समग्र रूप से, डैफोडिल जीनप्ररूपों के डीयूएस मूल्यांकन ने परीक्षण की गई वंशावलियों के मध्य स्पष्ट आकारिकीय भिन्नता प्रदर्शित की। गुणात्मक एवं मात्रात्मक गुणों में पहचान किए गए अंतर पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवी एवं एफआर) अधिनियम, 2001 के तहत किस्म के लक्षणवर्णन, पंजीकरण, और संरक्षण के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं तथा *नार्सिसस* जननद्रव्य के संरक्षण एवं आनुवंशिक सुधार के लिए मूल्यवान सूचना प्रदान करते हैं।



5: किसानों से संबंधित गतिविधियाँ

प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के विभिन्न प्रावधानों और धाराओं तथा इसके नियमों एवं विनियमों पर विभिन्न प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करता है और भाकृअनुप के संस्थानों, आईएआरआई, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों (सीएयू), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), सीएयू/एसएयू के संबद्ध महाविद्यालयों और अन्य सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को कृषि वैज्ञानिकों/ अनुसंधानकर्ताओं/स्कालर्स/छात्रों/किसानों तथा अन्य हितधारकों को इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 2024-25 की रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान,पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन/सह-आयोजन के लिए 66,75,563/- (छियासठ लाख पचहत्तर हजार पांच सौ तिरसठ रुपये केवल) का वित्तपोषण प्रदान किया है।पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने 2023-24 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन/सह-आयोजन किया:

2024-25 के दौरान आयोजित/सह-आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधियां	आवंटित निधि	कुल
1.	जागरुकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम	रु. 1,97,85,000/-	89
2.	प्रदर्शनी और मेला	रु. 25,44,220/-	16
3.	सेमिनार/ संगोष्ठी/ सम्मेलन	रु. 24,96,138/-	10
	सकल योग	**रु. 2,48,25,358/-**	**115**

प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का विवरण

1. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 और कृषि जैव विविधता प्रदर्शनी पर चिलपी घाटी, कवर्धा, छत्तीसगढ़ में 20-21 जुलाई, 2024 को आयोजित कृषि प्रशिक्षण-सह जागरुकता कार्यक्रम

अम्बिका बायोटेक रायपुर में ऑर्किड फार्म का दौरा

डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली ने डॉ. गिरीश चंदेल, माननीय कुलपति, आईजीकेवी रायपुर के साथ अम्बिका बायोटेक, तर्रा गांव, रायपुर का दौरा किया और ऑर्किड की खेती तथा नर्सरी के प्रबंध को देखा।डॉ. डी.के.अग्रवाल, महापंजीयक, डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली और डॉ. दीपक शर्मा, प्रो. एवं प्रमुख जी एंड पीबी, आईजीकेवी रायपुर भी टीम का हिस्सा थे।श्री और श्रीमती चौधरी ने ऑर्किड पादपों के रखरखाव और आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन के बारे में बताया।ऑर्किड की दस से अधिक लोकप्रिय किस्मों को संरक्षित



स्थिति में उगाया जा रहा है।सजावटी पुष्पों अर्थात कट फ्लावर्स की आपूर्ति स्थानीय खरीदार को और देश के अन्य हिस्सों में भी की जा रही है।आर्किड की खेती के अलावा, लकड़ी और अन्य कृषि अपशिष्टों से कोयला और सिरके के प्रसंस्करण हेतु एक इकाई के साथ-साथ किसानों को मृदा स्वास्थ्य को समृद्ध करने के लिए आपूर्ति किए जा रहे उत्पादों को भी प्रदर्शित की गई।

छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल के साथ बैठक

छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से 20 जुलाई, 2024 की दोपहर को एक शिष्टाचार भेंट की गई।डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, डॉ. डी.के.अग्रवाल, महापंजीयक,पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली नेडॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति और डॉ. दीपक शर्मा, प्रो. एवं प्रमुख जी एंड पीबी, आईजीकेवी रायपुर ने राज्यपाल भवन में माननीय राज्यपाल से मुलाकात की।डॉ.महापात्र ने प्राधिकरण की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और किस्मों के पंजीकरण तथा किसानों के अधिकारों के संरक्षण के लिए पीपीवीएफआरए के महत्व के बारे में बताया।किसानों के अधिकारों पर पीपीवीएफआरए द्वारा प्रकाशित एक पुस्तिका भी प्रस्तुत की गई।महामहिम ने प्राधिकरण के कार्य, विशेष रूप से किसानों की किस्मों के पंजीकरण की सराहना की और देश के हर हिस्से में, खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी, जहां आदिवासी किसान अभी भी स्थानीय किस्मों और स्थानिक प्रजातियों पर निर्भर हैं।उन्होंने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण पर छत्तीसगढ़ में निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम में उपस्थित होने के अनुरोध पर भी सहमति व्यक्त की।



जागरुकता कार्यक्रम और कृषि जैव विविधता प्रदर्शनी में सहभागिता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से 21 जुलाई, 2024 को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले की चिलपी घाटी में वन विभाग के नीलामी हॉल में एक प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम और कृषि-जैव विविधता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. दीपक शर्मा, प्रो. एवं प्रमुख जी एंड पी बी, आईजीकेवी रायपुर द्वारा दिए गए स्वागत भाषण के साथ हुई।डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवीएफआरए ने किसानों के अधिकारों के विभिन्न प्रावधानों और किसानों की किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।बातचीत और अनुभव साझा करने के दौरान पीजीएससी पुरस्कार विजेता किसान,श्री शिव कुमार चंद्रवंशी, कावर्धा ने संरक्षण गतिविधियों को निष्पादित करने में किसानों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागरकिया और जीन बैंक तथ इन-सीटू संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता का अनुरोध किया।डॉ.एस.आर.के. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,





अटारी-जबलपुर,मध्य प्रदेशने पारंपरिक किस्मों के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि अटारी तथा केवीके यह क्षेत्र/जोन इन किस्मों के संरक्षण और पंजीकरण की दिशा में मिलकर काम करेंगे।

पीपीवीएफआर प्राधिकरण के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने अपने विशेष संबोधन में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला और किसानों से अपील की कि वे अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने हेतु आवेदन करने के लिए आगे बढ़ें और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत किसानों के अधिकारों के अन्य लाभों का लाभ उठाएं।

पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में पारंपरिक किस्मों और स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में किसानों की भूमिका को उजागर किया।उन्होंने किसानों के व्यावसायीकरण और मूल्य श्रृंखला के सृजन के बाद मिलने वाले लाभों के बारे में किसानों की किस्मों के संरक्षण के महत्व को साझा किया।उन्होंने कर्नाटक राज्य के कटहल किसान का उदाहरण दिया।





इस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों, नजदकी स्कूल के छात्रों, चिलिपी घाटी के ग्राम प्रधान, केवीके के प्रतिनिधियों, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों और कबीरधाम कृषक कल्याण समूह धवाईपानी, चिलफी घाटी के सदस्यों ने भाग लिया।समारोह के दौरान धानवंतरी विधान सेवा संस्थान, जगदलपुर से धान किस्मोंपर88 आवेदन तथा कबीरधाम कृषक कल्याण समूह, धवाईपानी से धान,श्री अन्न अथवा मोटा अनाजों, दलहनों, तिलहनों, सब्जी और औषधीय पादपों के 86आवेदन भी प्रस्तुत किए गए।एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जहां किसानों द्वारा धान और सब्जी फसलों की पारंपरिक किस्मों को प्रदर्शित किया गया।कार्यक्रम का समापन डॉ. त्रिपाठी, कार्यक्रम समन्वयक, केवीके, कबीरधाम जिला, छत्तीसगढ़ द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।





दैनिक भास्कर रायपुर, सोमवार 22 जुलाई, 2024 | 06

किसानों को बताए गए उनके अधिकार

रायपुर | कृषक अधिकार प्राधिकरण भारत सरकार और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने कृषक अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने रजिस्ट्रेशन की जानकारी दी। डॉ.दिनेश अग्रवा ने बताया कि अब तक पंजीकृ 7600 किस्में में से 53 प्रतिश किस्में किसानों की हैं। डॉ. रविप्रका और डॉ. एसआरके सिंह ने किस्मों व सुरक्षित रखने की जानकारी दी।



03

पौधों की किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार के बारे में जाना किसानों ने


नवभारत
Rajdhani - 23 Jul 2024 - 23raj2
epaper.navabharat.news

पौधा किस्म संरक्षण के प्रति किसानों को किया जागरूक

रायपुर। पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार प्राधिकरण नई दिल्ली और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कृषक अधिकार जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को पौधा किस्म संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। जानकारी देते हुए कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विनोद वानखेड़े ने बताया कि पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार अधिनियम, 2001 के प्रावधान, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, तकनीकी अधिकारी रविकरण, पेज प्लांट के विशेष निदेशक अमरदीप जगतपुरे एवं डॉ. दीपक शर्मा वैज्ञानिक अधिकारी पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रमुख रूप से मौजूद रहे। डॉ. सहगल ने बताया कि कृषक किस्म रजिस्ट्रेशन द्वारा अधिक से अधिक आर्थिक लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया की विविध किस्म के धान से बासमती, डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 7500 किस्मों पंजीकृत की चुकी हैं। किसी 2.3 प्रतिशत किस्में किसानों की हैं। रविकरण ने किसानों का रजिस्ट्रेशन कैसे करते हैं, इस बारे में जानकारी दी। डॉ. सिंह द्वारा किसानों को सुरक्षित करने के बारे में बताया। वही कृषि विधि के डॉ. अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ के किसानों को 550 किस्मों के सर्टिफिकेट दिये जा चुके हैं। कार्यक्रम में कृषक कल्याण समूह द्वारा परंपरागत को विविध किस्मों के 88 आवेदन पत्र पंजीकरण हेतु जमा को दिए गए। जिसमें मिलेट्स की तुलसी देवी किस्म भी शामिल है।

2. जोन 5 (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा और पश्चिम बंगाल) के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की 27 से 28 अगस्त, 2024 को पुरी केवीके में वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम में पीपीवीएफआर प्राधिकरण की सहभागिता।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने पुरी में ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार, 27 अगस्त, 2024 को आयोजित जोन V (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल) के केवीके, भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के लिए वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक और पीपीवीएफआर प्राधिकरण नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने किया।डॉ.महापात्र ने अपने संबोधन में क्षेत्रीय कार्यशाला के आयोजन के लिए निदेशक, अटारी, कोलकाता तथा उनके सहयोगियों और ओयूएटी, भुवनेश्वर की सराहना की।उन्होंने किसानों के बीच विभिन्न तकनीकों के प्रसार और उनकी अधिकाधिक अनुकूलनशीलता एवं बेहतर पोषण गुणवत्ता को देखते हुए स्थानीय किसानों की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए केवीके के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की।





प्रो. पी.जे. मिश्रा, डीन, ओयूएटी ने कार्यक्रम में भाग ले रहे अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया, और डॉ. प्रदीप डे, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता ने जोन V के केवीके का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान डॉ.आर.आर. बर्मन, सहायक महानिदेशक (एई) भाकृअनुप, नई दिल्ली, भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक और भाकृअनुप-सीआईएफए, भुवनेश्वर के निदेशकों ने सभा को संबोधित किया।बी.सी.के.वी.के कुलपति प्रो. गौतम साहा ने सम्मानित अतिथियों के रूप में संबोधित किया।कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. पी. के. राउल, वीसी, ओयूएटी, भुवनेश्वर ने की।अपने अध्यक्षीय संबोधन में,डॉ. राउल ने क्षेत्रीय कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला और ओडिशा राज्य में कार्यशाला आयोजित करने के लिए भाकृअनुप-अटारी को धन्यवाद दिया।

पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीपीवी और एफआरए) 2001 पर एक कार्यशाला में, कृषि क्षेत्र के



विशेषज्ञ किसानों को स्वदेशी किस्मों के पंजीकरण करानेमें आगे आने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ आए।केवीके पुरी में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों नेसहभागिता की, जिसने पारंपरिक फसल किस्मों के संरक्षण और मुद्रीकरण के महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. प्रदीप डे, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए और विभिन्न क्षेत्रों से स्वदेशी बीज लाने वाले किसानों की सराहना करते हुए कार्यशाला का उद्घाटन किया।उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवी और एफआरए ने प्राधिकरण की पृष्ठभूमि का एक व्यावहारिक विहंगावलोकन प्रदान किया, जिसमें उन्होंने स्वदेशी किस्मों को पंजीकृत करने की प्रक्रियाओं और कृषि स्थिरता पर उनके प्रभाव पर जोर दिया।उन्होंने किसानों के लिए अधिनियम के लाभों पर भी प्रकाश डाला और इस योजना के तहत ओडिशा को दी गई मान्यता और पुरस्कारों के बारे में विवरण साझा किए।डॉ. दयानिधि मिश्रा, डीपीएमई और संयोजक, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, ओयूएटी ने भगवान जगन्नाथ को तुलसी और कमल पुष्पअर्पित करने हेतु उन्हे उगाने के लिए केवीके पुरी कर्मचारियों की सराहना की।उन्होंने पीपीवीएफआरए अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को स्थानीय भाषा में बताया, जिसमें उसके लाभों और पारंपरिक फसल किस्मों को पंजीकृत कराने के महत्व पर जोर दिया गया।उन्होंने इस बात का संज्ञान लिया कि इस अधिनियम के तहत पंजीकृत स्वदेशी किस्मों की संख्या में ओडिशा भारत में सबसे आगे है।डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवी और एफआरए ने बीजों के अंतर्निहित मूल्य की प्रशंसा की तथा पीपीवी और एफआरए के तहत किसानों को उपलब्ध लाभों की सीमा पर चर्चा की।उन्होंने स्वदेशी किस्मों को पंजीकृत कराने के लिए पीपीवी और एफआरए प्राधिकारियों की प्रतिबद्धता को दोहराया और किसानों से आग्रह किया कि वे विभिन्न फसलों की किस्मों को पंजीकरण के लिए प्रसतुत करें। डॉ. आर. आर. बर्मन, सहायक महानिदेशक (एई), भाकृअनुप ने अधिकाधिक संख्या में किसानों को अपनी स्वदेशी किस्मों को पंजीकृत कराने के लिए प्रोत्साहित किया, और यह उजागर किया कि भाकृअनुप विभिन्न क्षेत्रों में इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बना रहा है।उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए केवीके के वैज्ञानिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया और इन अनूठी किस्मों के विपणन पर विशेष प्रयास करने का आग्रह किया।डॉ. सूर्य नारायण मिश्रा, एसएस एंड एच, केवीके, पुरी के प्रयासों की सराहना करते हुए,डॉ. एम. एम. अधिकारी, पूर्व कुलपति, बी.सी.के.वी. ने किसानों से पंजीकरण प्रक्रिया में ज्यादा से ज्यादा संख्या में सक्रिय रूप से शामिल होने का आह्वान किया।डॉ. गौतम साहा, माननीय कुलपति, बी.सी.के.वी. ने स्वदेशी किस्मों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों से ऐसे आयोजनों में उनकी भागीदारी के उद्देश्य को समझने का आग्रह किया।प्रो. पी. जे. मिश्रा, डीन, विस्तार, शिक्षा, ओयूएटी ने स्वदेशी किस्मों के संरक्षण से संभावित वित्तीय लाभों पर जोर दिया, किसानों को किस्मों की विशेष लक्षणों का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे पंजीकरण के बाद उन्हें पर्याप्त लाभ मिल सकते हैं।

किसानों के साथ एक आकर्षक बातचीत में, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी और एफआरए ने कई पारंपरिक किस्मों के विलुप्त होने पर नाराजगी व्यक्त की और पीपीवी और एफआरए के महत्ता को रेखांकित किया।उन्होंने पंजीकृत किस्मों से लाभान्वित हुए किसानों को अभिप्रेरणीय उदाहरण दिए और केवीके से स्वदेशी फसलों के बेहतर मूल्य-निर्धारण के लिए ब्रांडिंग सहित प्रभावी विपणन रणनीतियों को विकसित करने का आग्रह किया।उन्होंने केवीके, पुरी में बनाए अनुरक्षित प्रदर्शन इकाइयों

की सराहना की और ऐसे मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने की वकालत की जिससे सूचना के प्रसार के माध्यम से किसानों का ज्यादा सशक्तीकरण हो सके।



डॉ. पी. पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता ने अधिनियम के प्रावधानों को किसानों के लिए बोधगम्य बनाने हेतु सभी वक्ताओं के प्रयासों की प्रशंसा की।उन्होंने वक्ताओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपने साथियों के बीच ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस अधिनियम के दायरे में लाने के लिए जागरुकता फैलाएं।उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए केवीके पुरी के एसएस एंड एच डॉ. सूर्य नारायण मिश्रा के नेतृत्व और उनकी टीम की भी सराहना की।कार्यक्रम के दौरान 60 से अधिक किसानों, विशेष रूप से महिला किसानों ने अपनी किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किए।डॉ. संतोष कुमार, प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक भाकृअनुप-केवीके, निकोबार ने निकोबार जिला, अंडमान और निकोबार द्वीप के निकोबारी आदिवासी किसानों के समुदाय द्वारा संरक्षित मिर्च की पारंपरिक किस्मों के 10 आवेदन प्रस्तुत किए।

केवीके पुरी ने अपनी गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जहां उसने अपने संबंधित क्षेत्रों की पारंपरिक किस्मों की सजीव सामग्री और बीजों को प्रदर्शित किया।पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की गतिविधियों/प्रावधानों के बारे में पोस्टर प्रदर्शित किए। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों और भाकृअनुप-अटारी, जोन-5, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के तहत काम कर रहेकेवीके के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।केवीके, पुरी में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन इकाई का उद्घाटन पीपीवी और एफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने कियाऔर केवीके फार्म का दौरा किया गया।केवीके पुरी के एसएस एंड एच डॉ. सूर्य नारायण मिश्रा और अन्य वैज्ञानिकों ने केवीके में संचालित की जा रही गतिविधियों के बारे में बताया।कार्यशाला का समापन औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें किसानों के अधिकारों की रक्षा करने और ओडिशा की स्वदेशी किस्मों की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण के लिए मूल्यवान चर्चाआं तथा नए सिरे से प्रतिबद्धता दोहराई गई।



3. पौधाकिस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) नई दिल्ली ने 31.08.2024 को जोन-IV के केवीके की वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के दौरान आयोजित पौधा किस्मों और कृषक अधिकार संरक्षण पर एक विशेष सत्र में सहभागिता की।



कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), पटना ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) सबौर, बिहार में 31 अगस्त, 2024 को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण पर एक विशेष

सत्र में भाग लेने के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) को आमंत्रित किया।



डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष,पीपीवीएफआरए के ने सत्र की अध्यक्षता की।डॉ.यू.एस. गौतम, उप महानिदेशक, कृषि विस्तार, भाकृअनुप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।सत्र में डॉ. दिनेश के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए;डॉ. अंजनी कुमार सिंह, निदेशक, अटारी पटना, डॉ.पी. के.चक्रवर्ती, पूर्व सदस्य एएसआरबी, डॉ. सैन दास, पूर्व निदेशक, भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना;डॉ. आर. के. सोहाने, निदेशक, विस्तार



शिक्षा,बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) सबौर;डॉ. आर. के. सिंह, उप निदेशक, विस्तार शिक्षा ,बीएयू, सबौर ने भी भाग लिया।कार्यक्रम में झारखंड और बिहार राज्यों के जोन-IV के 68 केवीके के प्रमुखों और वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।इस आयोजन में बड़ी संख्या में किसानों ने भी भाग लिया।डॉ. आर. के. सोहाने, निदेशक, विस्तार शिक्षा, सबौर ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का इस विशेष सत्र में भव्य स्वागत किया, जिसमें उन्होंने बिहार राज्य में उपलब्ध विशाल कृषि-जैव विविधता पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।डॉ. दिनेश के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए ने क्षेत्र की किसानों की किस्मों की मैपिंग और पंजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001, प्राधिकरण की स्थापना और कार्यप्रणाली, किसानों के अधिकारों और किसानों की किस्मों तथा उनकी पंजीकरण प्रक्रिया पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।उन्होंने केवीके और अटारी, पटना के सभी प्रमुखों और वैज्ञानिकों से पीपीवीएफआरए के सहयोग से अपने क्षेत्र के किसानों की किस्मों की मैपिंग और पंजीकरण में सुविधा प्रदान करने के लिए एक पहल शुरु करने का आह्वान किया।उन्होंने केवीके और अटारी, पटना को इस गतिविधि में पीपीवीएफआरए से पूर्ण तकनीकी और वित्तीय सहयोग का आश्वासन दिया।इस सत्र के मुख्य अतिथि डॉ.यू. एस. गौतम ने किसानों की किस्मों के पंजीकरण के महत्वपूर्ण मुद्दे को हल करने के लिए विस्तार प्रभाग के साथ घनिष्ठ सहयोग के लिए पीपीवीएफआरद्वारा की गई पहल का स्वागत किया।उन्होंने भाकृअनुप के विस्तार प्रभाग और पीपीवीएफआरए की इंटरफेस बैठक के दौरान तय की गई कार्ययोजना का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने देश के किसानों की किस्मों की मैपिंग और पंजीकरण के लक्ष्य को पूरा करने हेतुभाकृअनुप मुख्यालय के विस्तार प्रभाग और अटारी से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।



पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणियों में क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान किसानों की किस्मों के पंजीकरण पर विशेष सत्र आयोजित करने के लिए मेजबान संगठनों,यथाबीएयू, सबौर और अटारी पटना तथाडॉ. यू. एस. गौतम, उप महानिदेशक विस्तार

को धन्यवाद दिया।डॉ. टी. महापात्र ने अपनी टिप्पणियों में किसानों की किस्मों के पंजीकरण से होनेवाले लाभों पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को पीपीवीएफआरए के पास अपनी किस्मों को संरक्षित कराने के लिए आगे आने का आह्वान किया।उन्होंने केवीके के प्रमुखों और वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विपणन चैनलों के निर्माण में सहायता करके और सामुदायिक बीज बैंकों की स्थापना कर इन किस्मों के संरक्षण और बीज उत्पादन में सहायता करके किसानों की किस्मों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में विशेष प्रयास करें।इस अवसर पर किसानों की कई किस्मों (100 से अधिक) के आवेदन भी पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र को प्रस्तुत किए गए।इस अवसर पर क्षेत्र की कृषि-जैव विविधता और पारंपरिक उत्पादों के व्यावसायीकरण पर आयोजित एक प्रदर्शनी का भी उन्होंने उद्घाटन किया।



4. मध्य प्रदेश के किसानों के लिए 25.09.2024 को पादप प्राधिकरण भवन में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर प्रशिक्षण-सह जागरुकता कार्यक्रम।

मध्य प्रदेश के जबलपुर के किसानों के लिए कैटट (CATAT), भाकृअनुप-आईएआरआई, नई दिल्ली के सहयोग से पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर पादप प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली के प्रशिक्षण कक्ष में 25 फरवरी, 2024 को एक प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत किसानों और गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत के साथ हुई।डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र का स्वागत किया और अपने संबोधन के प्रारंभ में उन्होंने नए कार्यालय भवन, पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में किसानों के लिए प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के बारे में प्रकाश डाला।उन्होंने किसानों से अपील की कि, वे अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत किसानों के अधिकारों के अन्य लाभों का लाभ उठाने के लिए आवेदन दाखिल करने के लिए आगे आएं।



डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली ने अपने उद्घाटन भाषण में स्थानिक पादप प्रजातियों के संरक्षण में किसानों की भूमिका और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने किसानों की किस्मों की ब्रांडिंग और बाजार संपर्क बनाने पर जोर दिया ताकि पीपीवीएफआर प्राधिकरण के पास



पंजीकरण के माध्यम से उनके संरक्षण के बाद, उनके विशेष गुणों, जैसे कि सूक्ष्म पोषक तत्व और अदभुत स्वाद का पूरा लाभ उठाया जा सके।

उप-पंजीयक श्री उमा कांत दुबे ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधानों पर एक प्रस्तुति दी और पारंपरिक किस्मों के महत्व तथा अधिनियम के तहत प्रदान किए गए कानूनी ढांचे के अनुसार उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवीएफआरए ने एक प्रस्तुति दी और अधिनियम 2001 के तहत किसानों के अधिकारों के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया तथा किसानों की किस्म के पंजीकरण के लिए आवेदन भरने के बारे में बताया।बातचीत और अनुभव साझा करने के दौरान, संसाधन किसानों ने उनके द्वारा अनुरक्षित की गई किस्मों के बारे में बात की और किसानों के लाभार्थ इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पीपीवीएफआरए को धन्यवाद दिया।उन्होंने अल्पकालिक प्रशिक्षण में भाग लेने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।कार्यक्रम का समापन पीपीवीएफआर प्राधिकरण में किसानों को धन्यवाद देने के साथ-साथ किसानें केबीच जागरुकताफैलाने और उन्हें प्रशिक्षण के लिए आगे लाने के लिए कैटट, भाकृअनुप-आईएआरआई को धन्यवाद देने के साथ हुआ।

5. पीपीवी और एफआर अधिनियम पर चेट्टल्ली के सीएचईएस में 19 अक्टूबर, 2024 को जागरुकता कार्यक्रम, फलों की विविधता पर प्रदर्शनी और मैंगोस्टीन एवं रामबुटन पर फील्ड डे का आयोजन

सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ हाई-वैल्यू एक्सोटिक हॉर्टिकल्चरल क्रॉप्स, सेंट्रल हॉर्टिकल्चरल एक्सपेरिमेंट स्टेशन (भाकृअनुप-आईआईएचआर) चेट्टल्ली ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवंएफआरए) के सहयोग से 19 अक्टूबर 2024 को सीएचईएस-चेट्टल्ली में "पीपीवी एवं एफआर अधिनियम पर जागरुकता कार्यक्रम, फल विविधता प्रदर्शनी और मैंगोस्टीन एवंरामबुतान पर फील्ड डे" का आयोजन किया।डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे और डॉ.टी. के.बेहरा, निदेशक, आईआईएचआर, बेंगलुरु ने कार्यवाही की अध्यक्षता की।कार्यक्रम में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों में,डॉ. शंकरन, एम., प्रधान वैज्ञानिकएवं प्रमुख, फल फसल प्रभाग; डॉ. नवीन कुमार, पी., प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पुष्प और औषधीय फसल प्रभाग;



डॉ. श्रीनिवास राव ई, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ.टी. एच.सिंह, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. वासुगी, सी, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. करुणाकरन, जी, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. सुमंगला एच. पी., प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. अबीरामी, के, प्रधान वैज्ञानिक; और डॉ. श्रीधर गुटम, प्रधान वैज्ञानिक (सभी आईआईएचआर, बेंगलुरु से); डॉ. मुरलीधर बी. एम., वैज्ञानिक, सीएचईएस-चेट्टल्ली;

डॉ. रानी ए. टी., वैज्ञानिक, सीएचईएस-चेट्टल्ली; श्री प्रभाकर, बी., प्रमुख एवं एसएमएस, केवीके, गोनीकोप्पा; श्री बोस मंडन्ना, प्रोग्रेसिव प्लांटर; श्री रविशंकर, बी. पी., प्रोग्रेसिव प्लांटर; और श्री पूनाचा, एन. एन., प्रोग्रेसिव प्लानर शामिल थे।

बैठक की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों के साथ भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु के निदेशक के नेतृत्व में एक प्रक्षेत्र दौरे और रुचिरा (एवोकैडो) रोपण समारोह के साथ हुई।रुचिरा संदर्भ संग्रह उद्यान का पहला पौधा मुख्य अतिथि डॉ. टी. महापात्र द्वारा लगाया गया।इसके बाद एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें रामबुतान, मैंगोस्टीन, रुचिरा किस्मों आदि सहित अनेक प्रकार के विदेशी और जंगली फल फसलों को प्रदर्शित किया गया था।इस क्षेत्र के 38 से अधिक किसानों ने अपने पारंपरिक और विदेशी फलों के जननद्रव्य (जर्मप्लाज्म) को प्रदर्शित किया और 300 से अधिक प्रतिभागियों ने इन उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती प्रथाओं पर प्रदर्शन को देखा। प्रदर्शनी में टिकाऊ बागवानी प्रथाओं व विधियों के महत्व और विविध फल फसल पौधों की किस्मों के संरक्षण पर जोर दिया गया।यह उल्लेखनीय था कि एमबीए की शिक्षा ग्रहण कर रही सुश्री मैत्रेयी एमएस, जो नरियांडाडा गांव, मदिकेरी तालुक, दक्षिण कुर्ग,कर्नाटक से थी, ने अपने किसान के खेत में फलों की फसल की विविधता के बारे में बताया, क्योंकि वह खुद विभिन्न प्रकार की स्थानीय और विदेशी फलों की फसलों के संरक्षण में शामिल थीं।



डॉ. शंकरन एम., प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, फल फसलें प्रभाग, भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने बागवानी नवाचारों को आगे बढ़ाने में सीएचईएस-चेट्टल्ली की भूमिका पर जोर दिया, विशेष रूप से मैंगोस्टीन और रामबुतान जैसी फल फसलों के संबंध में, जिन्हें भारत में काफी महत्व दिया जा रहा है। श्री बोस मंडन्ना, प्रोगेसिव प्लांटर, ने इस आवश्यकता पर बात की कि किसानों को चाहिए कि वे विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में पारंपरिक और विदेशी फलों के साथ अपने खेतों में विविधता लाएं।उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन के महत्व पर भी जोर दिया ताकि किसानअपनी उपज का बेहतर विपणन कर पाएं और अपनी कृषि आय बढ़ा सकें।

प्रो. टी. के.बेहरा, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईएचआर ने किसानों के अधिकारों की महत्ता और पौधा किस्मों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभा को संबोधित किया।इसके बाद,रामबुतान किस्म अर्का कूर्ग अरुण के लाइसेंस के लिए तथा किसानों की कटहल की किस्मों - हरिगोल्ड और तिरुमाला को विमोचित करने के लिए श्लोका एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।



मुख्य अतिथि, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष,पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण, ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवी एवं एफआर) अधिनियम के महत्व पर, विशेष रूप से किसानों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करने और सुपरिभाषित पहुंच और लाभ साझाकरण (एबीएस) तंत्र के माध्यम से बौद्धिक संपदा से लाभों मेंकिसानों का उचित हिस्सा सुनिश्चित

करने के लिएएक सूचनाप्रद संबोधन दिया। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण में किसानों और युवा छात्रों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान रामबुतान और मैंगोस्टीन की खेती पर विस्तार फ़ोल्डर विमोचित किए गए, जिसके बाद प्रगतिशील किसानों का अभिनंदन किया गया, जिन्होंने जंगली देशी और उच्च मूल्य वाली फल फसलों की खेती और प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

तकनीकी सत्र में, डॉ. वासुगी सी, प्रधान वैज्ञानिक, ने पीपीवी और एफआर अधिनियम में अंतर्दृष्टि प्रदान की, जबकि डॉ. मुरलीधर बी. एम. ने मैंगोस्टीन और रामबुतान की उत्पादन तकनीक पर चर्चा की।दिन का समापन किसानों और वैज्ञानिकों के बीच एक सार्थक बातचीत के साथ हुआ, जहां चुनौतियों का समाधान किया गया, ज्ञान साझा किया गया और विदेशी बागवानी फसलों की खेती पर विशेषज्ञ सलाह दी गई।किसानों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों को नकद पुरस्कार, पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।



बैठक में निम्नलिखित सिफारिशें की गईं :

1. पश्चिमी घाटों से जंगली और देशी फल प्रजातियों के संरक्षण के साथ-साथ आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से विदेशी उच्च मूल्य वाले फलों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिसमें इन फसलों के लिए फील्ड जीन बैंकों की स्थापना भी शामिल है।
2. अद्वितीय जननद्रव्य की पहचान करने के लिए रामबुतान, रुचिरा और अन्य लघु फल फसलों के जननद्रव्य का आकारिकीय एवं जैव रासायनिक लक्षणवर्णन किया जाना चाहिए।
3. पश्चिमी घाटों से स्थानिक प्रजातियों और विरास्त किस्मों अर्थात हेयरलूमवैरायटीज का दस्तावेजीकरण करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।
4. रामबुतान के लिए डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास आवश्यक है।
5. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीपीवी एवं एफआर अधिनियम) के तहत पौधों की किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन जमा करने हेतुकिसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
6. अधिनियमके तहत विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कारों के लिए आवेदन करना।
7. स्कूल और कॉलेज के छात्रों को जैव विविधता एवं जैव-अर्थव्यवस्था के महत्व के बारे में शिक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

6. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीपीवीएफआर अधि.) पर डी. डी. एस. कृषि विज्ञान केंद्र, ज़हीराबाद, तेलंगाना में 28 फरवरी, 2025 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) हैदराबाद ने तेलंगाना के कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए),नई दिल्ली के सहयोग से 28 फरवरी, 2025 को डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी (डीडीएस) कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) ज़हीराबाद, तेलंगाना में एक प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई।इस स्थल, जो तेलंगाना के दक्कन क्षेत्र में स्थित है, का ऐतिहासिक महत्व है जहां ज़हीराबाद के 50 गांवों की 5,000 से अधिक दलित एवं आदिवासी महिलाओं का एक समर्पित समुदाय 80 से अधिक स्वदेशी बीज किस्मों के संरक्षण और खेती में सबसे आगे रहा है। उन्होंने न केवल जैव विविधता बल्कि, पारंपरिक ज्ञान की भी रक्षा की। डी. डी. एस. ने इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में कार्य किया हैऔर वहस्थायी कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए इन समुदायों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।



मुख्य अतिथि के रूप में, डॉ. टी. महापात्र के अलावा, प्रदर्शनी में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिनमें डॉ. डी. के.अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआर; भाकृअनुप-अटारी, हैदराबाद के निदेशक डॉ. शेख एन मीरा;पीपीवीएफआरए के तकनीकी परामर्शदाता, डॉ.आरए शर्मा; और भाकृअनुप-आईआईआरआर एवंभाकृअनुप-आईआईएमआर, हैदराबाद के वैज्ञानिक थे जिन्होंने विशेष रूप से क्षेत्रीय स्तर पर बीज उत्पादन और आपूर्ति सहित स्वदेशी फसल किस्मों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।



तेलंगाना में 16 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में पारंपरिक बीज संरक्षण में संलग्न वैज्ञानिकों और किसानों, दोनों की सक्रिय भागीदारी के साथ, कार्यक्रम में 140 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य पारंपरिक किस्मों के पंजीकरण के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाना - जिनमें कई प्रकार के श्रीअन्न व मोटे अनाज, दलहन,अनाज तथा बागवानी और रोपण फसलें शामिल हैं-और पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीपीवीएफआर अधिनियम) के तहत उनके कानूनी संरक्षण की सुविधा प्रदान करना था।इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कृषि-जैव विविधता के संरक्षण में किसानों के अमूल्य कार्य को औपचारिक रूप से मान्यता दी जाए, जैव विविधता को परिरक्षित किया जाए और किसानों को उनके समुदायोंके लाभार्थ पुरस्कृत किया जाए।



इस अवसर पर उपस्थित सभी विशेषज्ञों ने पौधों के आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और किसानों की किस्मों के पंजीकरण पर ध्यान केंद्रित करने वाले पीपीवीएफआर अधिनियम के विभिन्न पहलुओं के बारे में संक्षेप में बात की।भाकृअनुप-आईआईएमआर के डॉ. हरि प्रसन्ना के. ने लघु श्रीअन्न की 59 किस्मों के परीक्षण और पंजीकरण के बारे में बात की, जिससे स्वदेशी फसलों की औपचारिक मान्यता को बढ़ावा दिया जा सके।भाकृअनुप-आई.आई.आर.आर. के डॉ. जे. अरविंद

कुमार ने धान की अनूठी पारंपरिक किस्मों की पहचान करने और उन्हें पंजीकृत कराने के लिए अपनी चल रही गतिविधियों और भावी योजनाओं पर जोर दिया।भाकृअनुप-अटारी, हैदराबाद के निदेशक डॉ. शेख एन. मीरा ने पीपीवीएफआर अधिनियम के तहत पारंपरिक फसलों का अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने का आह्वान किया और क्यू.आर. कोडों एवं ट्रेसेबिलिटी प्रणालियों के उपयोग की वकालत की ताकि जैव-समुद्री डकैती को रोका जा सके तथा किसानों के योगदान को मान्यता प्रदान की जा सके। डॉ.डी.के. अग्रवाल, महापंजीयक,पीपीवीएफआरए ने जैव विविधता के संरक्षण और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बीज बैंकों की स्थापना की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।सभी 16 प्रतिभागी केवीके को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।पूरे तेलंगाना में 16 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लिए कुल 100 आवेदन किए गए थे।पारंपरिक बीजों के संरक्षण में उनके प्रयासों को मान्यता देते हुए, विभिन्न जिलों के 23 किसानों को मोटे अनाजों, दलहनों, अनाजों और बागवानी एवं रोपण फसलों पर उनके कार्य के लिए सम्मानित किया गया।डॉ. टी. महापात्र ने 40 से अधिक पारंपरिक फसल किस्मों के संरक्षण के लिए डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी की महिला किसानों की प्रशंसा की और उन्होंने उक्त किस्मों कोभावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया।

बीज संरक्षण में योगदान के लिए डेक्कन डेवलपमेंट सोसायटी के सामुदायिक बीज बैंक की ओर से श्रीमती एम. चंद्रम्मा औरश्रीमती एम. लक्ष्मीम्मा का अभिनंदनकिया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन

पीपीवीएफआरए ने "पूर्वोत्तर भारत में कृषि-जैव विविधता का प्रबंधन 2024 (एनसीएमएएन 2024)" पर शिलांग, मेघालय में भारतीय पादप आनुवंशिक संसाधन सोसाइटी (आईएसपीजीआर) द्वारा 23-25 अक्टूबर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता



देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र असाधारण पादप और पशु जैव विविधता के लिए जाना जाता है।इस क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय से लेकर अल्पाइन तक की विविध जलवायु है, जो जंगली और खेती की जाने वाली प्रजातियों सहित विभिन्न पादप प्रजातियों के अस्तित्व के लिए अनुकूल है।इसलिए, इस क्षेत्र को जैव विविधता के लिए एक 'हॉट स्पॉट' के रूप में नामित किया गया है।आईएसपीजीआर ने व्यापक उद्देश्यों - अर्थात (i) अनुसंधानकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, छात्रों और किसानों को



आनुवंशिक विविधता प्रबंधन के क्षेत्र में वर्तमान विकास से संबंधित अपने शोध परिणामों, विचारों और सुझावों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना (ii) सतत कृषि के लिए क्षेत्र के विविध आनुवंशिक संसाधनों के अभिनव संरक्षण और उपयोग के लिए सभी हितधारकों को संवेदनशील बनाना और (iii) संसाधन-गरीब किसानों एवं उपभोक्ताओं के लिए आनुवंशिक संसाधन-आधारित आजीविका और पोषण सुरक्षा के लिए आगे की राह पर विचार-विमर्श और विकास करना -के साथ एनसीएमएएन 2024 का आयोजन किया।

एनसीएमएन 2024 का उद्घाटन मेघालय के महामहिम राज्यपाल, श्री सी. एच. विजय शंकर ने किया।उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता पद्म भूषण डॉ. आर. एस. परोडा, अध्यक्ष, आई.एस.पी.जी.आर.ने की। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए तथा अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।माननीय राज्यपाल ने उद्घाटन भाषण में पूर्वोत्तर राज्यों में मौजूद विशाल कृषि-जैव विविधता पर प्रकाश डाला और आम जनता एवं संगठनों के बीच जागरुकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने कृषि-जैव विविधता के संरक्षण और उसके सतत उपयोग के लिए एक कार्यान्वयन योग्य योजना की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने अनुसंधानकर्ताओं और नीति योजनाकारों को इस सम्मेलन के दौरान विचार-विमर्श केमाध्यम से एक स्पष्ट रोडमैप के साथ आने का आह्वान किया।डॉ.महापात्र ने सम्मानित अतिथि के रूप में अपनी टिप्पणियों में पूर्वोत्तर राज्यों में पौधों और पशु जैव विविधता के भंडार के रूप में अपार क्षमता पर प्रकाश डाला।उन्होंने कुछ उदाहरणों का हवाला देते हुए किसानों की कृषि-जैव विविधता के संरक्षण और किसान समुदाय को संबंधित वित्तीय लाभों का विस्तार करने में पीपीवीएफआरए की भूमिका के बारे में अंतर्दृष्टियां प्रदान कीं।





डॉ. आर. एस. परोडा द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों की कृषि-जैव विविधता के संपूर्ण क्षेत्र और उसके उपयोग को शामिल करते हुए दिया गया एक शीर्ष वक्तव्य पहले दिन की कार्यवाही का मुख्य आकर्षण बिंदु था। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ.महापात्र ने की, जिन्होंने इस तथ्य को और अधिक स्पष्ट किया कि हालांकि यह क्षेत्र भारत के भौगोलिक क्षेत्र का केवल 7.7% हिस्सा है, लेकिन इसका राष्ट्रीय वन क्षेत्र में 21.67%, पुष्पीय पौधों में50% (8000 प्रजातियां), बड़े वृक्षों में 39% (7,000 पौधों की प्रजातियां) और भारत में जंगली खाद्य पादपोंमें37% (300 प्रजातियां) का योगदान है।उन्होंने राज्यवार कार्य योजनाओं के साथ जैव विविधता संरक्षण और क्षेत्र में इसके सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र के संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच नेटवर्किंगके माध्यम से एक विशेष प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने एनसीएमएएन 2024 में भाग लिया और पीपीवीएफआरए के कहने पर एक उप-शीर्षक "एक्सेस, एक्सचेंज, बेनिफिट शेयरिंग और आईपीआर सिस्टम्स" पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया।सत्र में पौधों की किस्मों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए जैव विविधता संरक्षण और उसके उपयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

एक विशेष सत्र "एक्सेस, एक्सचेंज, बेनिफिट शेयरिंग और आईपीआर सिस्टम्स" 24 अक्टूबर, 2024 को पीपीवीएफआरए के महापंजीयक डॉ. दिनेश के. अग्रवाल द्वारा आयोजित किया गया। सत्र की सह-अध्यक्षता डॉ. टी. महापात्र और डॉ.पी. एल. गौतम ने की।जैव विविधता के संरक्षण और उसके उपयोग में पीपीवीएफआरए की भूमिका पर मुख्य व्याख्यान पीपीवीएफआरए के महापंजीयक डॉ. दिनेश के. अग्रवाल ने दिया।अपनी वार्ता में, डॉ. अग्रवाल ने बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के विभिन्न आयामों, कृषि में उनकी शुरुआत, पीपीवीएफआरए की पृष्ठभूमि एवं कार्य, किसानों की किस्मों के संरक्षण में उसकी भूमिका, किसानों की किस्मों की किस्मों की सफल लोकप्रियता के उदाहरण, और कृषि-जैव विविधता संरक्षण को और अधिक सुविधाजनक बनाने तथा किसानों को बाजारों तक पहुंच प्रदान करने में पीपीवीएफआरए द्वारा परिकल्पित कार्यों के भावीकदमों के बारे में बताया।इस सत्र में जिन अन्य विषयों को शामिल किया गया उनमें शामिल थेः



- डॉ.वी. के.मिश्रा, निदेशक, भाकृअनुप-आरसीएनईएच, उमियम, मेघालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत में जीआई फसलों की स्थिति और संभावना।
- डॉ. प्रवीण मलिक, सीईओ, एग्रीइनोवेट, भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा सार्वजनिक अनुसंधान प्रणालियों के तहत पौधों की किस्मों का व्यावसायीकरण।
- डॉ. जी. कादिरवेल, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, गुवाहाटी, असम द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों में पशु जैव विविधता के मुद्दों को रेखांकित करना।



- डॉ. के. नोरेन सिंह, प्रोफेसर, सीपीजीएस-एएस, सीएयू, उमियम, मेघालय द्वारा स्थानीय खाद्य प्रणालियों (असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम) में कृषि जैव विविधता को अंगीकृत करने के लिए किसानों के साथ मुद्दों पर चर्चा।
- डॉ. मोहन लाल, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोरहाट, असम द्वारा औषधीय एवं सगंधीय फसलों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा।
- डॉ. सुनील अर्चक, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा डिजिटल अनुक्रम सूचना से संबंधित मुद्दों पर चर्चा।

एनसीएमएएन 2024 के अवसर पर क्षेत्र की कृषि-जैव विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

भारतीय आर्किड महोत्सव, पीपीवीएफआर अधिनियम पर एनआरसी आर्किड, सिक्किम में 2-3 मार्च, 2025 के दौरान जागरुकता कार्यक्रम और आर्किड टास्क फोर्स की बैठक में सहभागिता

भाकृअनुप-राष्ट्रीय आर्किड अनुसंधान केंद्र (भाकृअनुप-एनआरसीओ) पाक्योंग, सिक्किम ने 1 से 4 मार्च, 2025 तक प्रथमभारतीय ऑर्किड महोत्सव की मेजबानी की।इस कार्यक्रम का उद्घाटन पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं एफआरए) के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा 2 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में एक विशेष सत्र के दौरान किया गया।अपने संबोधन में डॉ.महापात्र ने ऑर्किड की स्वदेशी किस्मों के पंजीकरण के महत्व पर श्रोताओं को जागरुक किया ताकि वे इन किस्मों पर कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करासकें।इस अवसर पर भाकृअनुप-एनआरसीओ के नए ऑर्किड हाइब्रिड और आधिकारिक प्रकाशनों का भी औपचारिक रूप से विमोचन किया गया।सत्र में डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरएएवंडॉ. के. वी. प्रसाद, निदेशक, भाकृअनुप-डीएफआर और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया।



दूसरी ओर, क्षेत्रीय उत्पादकों के हित में आर्किड की खेती और आईपीआर मुद्दों पर एक जागरुकता सत्र आयोजित किया गया। 3 मार्च 2025 को, सत्र की शुरुआत सिक्किम सरकार के माननीय कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री श्री पूर्णा गुरुंग के संबोधन के साथ हुई, जिसके बाद भाकृअनुप-एनआरसीओ द्वारा विकसित मूल्यवर्धित उत्पादों को विमोचित किया गया।तीसरे दिन के कार्यक्रम में पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम पर जागरुकताएवं प्रशिक्षण पर एक तकनीकी सत्र शामिल था, जिसमें उत्पादकों और उद्योगपतियों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।एक महत्वपूर्ण संस्थान-उद्योग हितधारकों की बैठक भी आयोजित की गई, जिसके परिणामस्वरूप भाकृअनुप-एनआरसीओ और महिको प्राइवेट लिमिटेड, दार्जिलिंग गार्डन,के.एफ. बायोप्लांट, राइन्को ऑर्किड्स, यूनियोआ ऑर्किड्स, स्मार्टोजेनिक प्राइवेट लिमिटेड,पूर्वोत्तर राज्यों और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की आर्किड सोसायटियों, और नियोटिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संगठनों के बीच चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। एक आर्किड विविधता प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें कई अलग-अलग रंगमय ऑर्किड प्रदर्शित किए





गए।डॉ. एस. दास, निदेशक, एनआरसी ऑर्किड टीम के साथ थे और उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न ऑर्किड प्रजातियों और हाइब्रिडों के बारे में बताया।

मोकारा ऑर्किड के लिए डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए टास्क फोर्स (14/2024) की एक बैठक 03 मार्च, 2025 को सम्मेलन कक्ष, भाकृअनुप-एनआरसीओ, सिक्किम में डॉ. के. वी. प्रसाद, निदेशक, भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में पीपीवी एवं एफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र, पीपीवी एवं एफआरए के महापंजीयक डॉ. डी. के. अग्रवाल और भाकृअनुप-एनआरसी ऑर्किड के निदेशक डॉ. एस. पी. दास विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे।बैठक में डॉ. ए. एन. राव, पूर्व निदेशक, ऑर्किड जीन संरक्षण केंद्र, मणिपुर; प्रो. एस. आर. धीमन, वाईएसपीयूएचएफ, सोलन;डॉ. एल. सी. डे, भाकृअनुप-एनआरसी आर्किड; और श्री दीपल रॉय चौधरी ने टास्क फोर्स के सदस्यों के रूप में भाग लिया।



डॉ.एल. सी.डे, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरसीओ, सिक्किम ने मोकारा ऑर्किड के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों और अरंड के स्थान पर संबंधित वांडा एलाएंस और उनके वंश/जेनरा से संबंधित विवरण पर तथा एलाएंस ग्रुप्स के सदस्यों के बारे में एक प्रस्तुति दी।टास्क फोर्स ने विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया, जिसमें आवश्यक रोपण सामग्री की संख्या और मात्रा, समूहीकरण लक्षणों की पहचान करना, पत्ती और पुष्पक्रम लक्षणों, उपयुक्त डेसीमल कोडों, और उपयुक्त परीक्षण स्थितियाँ आदि शामिल हैं।यह सिफारिश की गई कि वांडा एलाएंस ग्रुप के भीतर अन्य सदस्यों के डी.यू.एस. लक्षणवर्णन के बाद दिशानिर्देशों के प्रासंगिक स्तंभों में नए पदार्पित किए गए लक्षणों के अनुरूप संदर्भ किस्मों को शामिल किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, इस बात पर ध्यान दिया गया कि, वर्गीकरण के दृष्टिकोण से, मोकारा ऑर्किड अब व्यापक वांडा एउलएंस के तहत शामिल किए गए हैं।इसके आलोक में, टास्क फोर्स ने मोकारा जैसे सभी ऑर्किड को पूर्ण रूप से शामिल करने के लिए वांडा के लिए मौजूदा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में संशोधन की व्यवहार्यता की जांच करने का सुझाव दिया, जिससे उन्हें सामूहिक रूप से वांडा एलाएंस ग्रुप के तहत वर्गीकृत किया जा सके।

6: भारतीय पौधा किस्म जर्नल, पौधा किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर एवं प्राधिकरण के प्रकाशन

6.1. भारतीय पौधा किस्म जर्नल

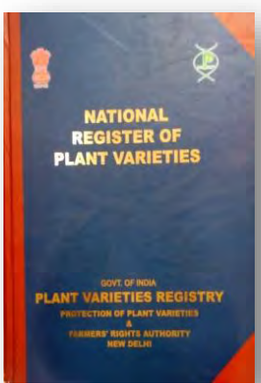
पी.पी.वी.एफ.आर. नियम, 2003 के नियम 2(छ) के अनुसार प्राधिकरण अपने आधिकारिक जर्नल"प्लांट वैरायटी जर्नल ऑफ इंडिया" (पी.वी.जे.) को मासिक प्रकाशन के रूप में प्रकाशित करता है और हर महीने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जनता के लिए उपलब्ध करता है। इस जर्नल को पी.पी.वी.एफ.आर. विनियम, 2006 के तहत भारत के राजपत्र के समकक्ष दर्जा प्राप्त है। जर्नल की विषय-वस्तु में आधिकारिक और सार्वजनिक सूचनाएं, राजपत्र अधिसूचनाएं, पौधा किस्मों के पासपोर्ट डेटा के साथ उनकी तस्वीरें, विभिन्न फसल प्रजातियों के प्रकाशित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश, पंजीकरण प्रमाणपत्र का विवरण और अन्य संबंधित आधिकारिक विषय और सूचनाएं शामिल हैं।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, जो अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक है, प्लांट वैरायटी जर्नल (पी.वी.जे.) ऑफ इंडिया में निम्नलिखित संख्या में पासपोर्ट डेटा प्रकाशित किए गए हैं;

क्र.सं.	माह	प्रकाशित पासपोर्ट डेटा की सं.
1.	अप्रैल 2024	85
2.	मई 2024	66
3.	जून, 2024	85
4.	जुलाई, 2024	101
5.	अगस्त , 2024	333
6.	सितंबर, 2024	104
7.	अक्टूबर, 2024	37
8.	नवंबर, 2024	46
9.	दिसंबर, 2024	155
10.	जनवरी, 2025	200
11.	फरवरी, 2025	240
12	मार्च, 2025	225

6.2 पौधा किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर

पीपीवीएफआरप्राधिकरण ने, पीपीवीएफआरअधिनियम, 2001 की धारा 13 के अनुसार, पौधा किस्मरजिस्ट्री के मुख्यालय में पौधा किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर खोला है। इसमें सभी पंजीकृत पौधा किस्मों के नाम, संबंधित ब्रीडरों के नाम एवं पता, मूल्यवर्ग, विनिर्देशन, आदि की पूरी जानकारी है।



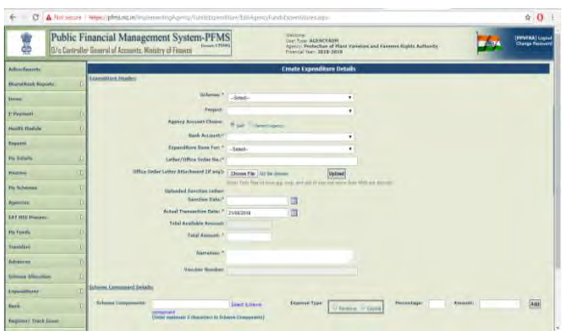
7: डेटाबेस, आईआईएनडीयूएस, वेबसाइट और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटीT) का विकास

7.1 वेबसाइट:

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) की आधिकारिक वेबसाइट यानी सिक्योर एनआईसीक्लाउड सर्वर पर चल रही है। क्लाउड सर्वर के फीचर्स हैं स्केलेबिलिटी/इलास्टिसिटी, बेहतरप्रदर्शन, बेहतर डिज़ास्टर रिकवरी सिस्टम। वेबसाइट द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) रूप मेंअनुरक्षित की जाती है। वेब पेजिज को प्राधिकरण की वेबसाइट को हिंदी और अंग्रेजी संस्करण में आवश्यकतानुसारसुधारलाया जाता है। नए फसल समूह और उनके फसल के नाम के साथ-साथ उनके वानस्पतिक नाम और फसल डीयूएस दिशानिर्देयापीडीएफमें डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में दिए गए हैं। कुल 206 फसल प्रजातियों को सूचीबद्ध किया गया है। अन्य डिजाइन किए गए और अनुरक्षित किए गए वेब पेजहैं,प्लांट जीनोम सेवियर कम्युनिटी अवार्ड औरप्लांट जीनोम सेवियर फार्मर्स रिवॉर्ड एंड रिकग्निशन, आरटीआईपेज, प्लांट वैरायटी रजिस्ट्री से जुड़ी सूचना का वेबपेज, वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा वेबपेज, प्राधिकरण के कर्मचारियों के बारे में, नई किस्म श्रेणी में पंजीकरण के लिए खुली 206 फसल प्रजातियों की सूची, विद्यमान /किसान किस्म श्रेणी में 206 फसल प्रजातियों और महत्वपूर्ण राजपत्र अधिसूचनाओं के वेबपेज आदि शामिल हैं।

7.2 लोक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस)

प्राधिकरण ने पीएफएमएस, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और आरटीजीएस/एनईएफटीजैसे ई-पेमेंट लागू किए हैं। प्राधिकरण ऑफ-लाइन पेमेंट सिस्टम से परहेज करता है, जैसे कि प्राधिकरण के अलग-अलग खाते में नकदी जमा करना। प्राधिकरण को पीएफएमएस ई-पेमेंट सिस्टम पर और अन्य डिजिटल पेमेंट्स पर परिवर्तित किया गया है। पीएफएमएसमें मैप किए गए संस्थानों की सूची यहाँ नीचे दी गई है।



पीएफएमएस स्कीम 3025 में मैंपिंग

क्र.सं.	एजेंसी का नाम	एजेंसी का विवरण
1.	आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
2.	कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	सांविधिक निकाय
3.	असम कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
4.	अटारी गुवाहाटी	केंद्र सरकार
5.	अटारी पटना	केंद्र सरकार
6.	बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
7.	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर भागलपुर	सांविधिक निकाय

8.	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची, झारखंड	राज्य सरकार का पीएसयू
9.	सी.एस. आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर	सांविधिक निकाय
10.	सीसीएसहरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	सांविधिक निकाय
11.	केंद्रीय कृषि अनुसंधान निदेशालय, पोर्ट ब्लेयर	केंद्र सरकार
12.	केंद्रीय शीतोषण बागवानी संस्थान, श्रीनगर (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
13.	केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान निदेशालय - बालेहोन्नूर	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
14.	केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान , बीकानेर	केंद्र सरकार
15.	केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर (भाकृअनुपका एकक)	केंद्र सरकार
16.	केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान	केंद्र सरकार
17.	केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
18.	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
19.	केंद्रीय जूट और संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
20.	केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
21.	केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
22.	केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
23.	सीआईएमएपी	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
24.	नियंत्रक, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
25.	सीएसआर एवं टीआई, मैसूर	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
26.	काजू अनुसंधान निदेशालय (पूर्व में राष्ट्रीय काजू अनुसंधान केंद्र)	केंद्र सरकार
27.	मूंगफली अनुसंधान निदेशालय (भाकृअनुपएकक)	केंद्र सरकार
28.	मक्का अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
29.	औषधीय और सगंधीयपादप निदेशालय	केंद्र सरकार
30.	तिलहन अनुसंधान निदेशालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद	केंद्र सरकार
31.	चावल अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
32.	बीज अनुसंधान निदेशालय, उत्तर प्रदेश	केंद्र सरकार
33.	सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)	केंद्र सरकार
34.	डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)

35.	डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला	राज्य सरकार का पीएसयू
36.	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
37.	जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर	सांविधिक निकाय
38.	भाकृअनुप- कृषि कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
39.	भाकृअनुप.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर	केंद्र सरकार
40.	भाकृअनुप- प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
41.	भाकृअनुप.-आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर. (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान)	केंद्र सरकार
42.	एनीएच क्षेत्र आईसीएआर अनुसंधान परिसर	केंद्र सरकार
43.	भाकृअनुप. अनुसंधान परिसर, गोवा (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)	केंद्र सरकार
44.	भाकृअनुप. एकक डीआरएमआर(तोरिया और सरसों अनुसंधान निदेशालय)	केंद्र सरकार
45.	भाकृअनुप-अटारी-III	केंद्र सरकार
46.	भाकृअनुप-एन.आर.सी. ऑर्किड	केंद्र सरकार
47.	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	केंद्र सरकार
48.	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	केंद्र सरकार
49.	भाकृअनुप.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पुणे	केंद्र सरकार
50.	भाकृअनुप.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन-1	केंद्र सरकार
51.	भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता	केंद्र सरकार
52.	भाकृअनुप-अटारी,बैंगलोर	केंद्र सरकार
53.	भाकृअनुप-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र (एनआरसीपी) सोलापुर	केंद्र सरकार
54.	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
55.	भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
56.	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
57.	भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
58.	भाकृअनुप.-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
59.	भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार

60.	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	केंद्र सरकार
61.	भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
62.	भारतीय बीज प्रौद्योगिकी सोसायटी	केंद्र सरकार
63.	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर।	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
64.	वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद)	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
65.	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
66.	जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
67.	केरल कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का पीएसयू
68.	एम एस स्वामीनाथन अनुसंधान फाउंडेशन	ट्रस्ट
69.	महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय, राहुरी नागालैंड विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
70.	नागालैंड विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
71.	नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद	राज्य सरकार का पीएसयू
72.	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
73.	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो-एनबीपीजीआर (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
74.	राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र	केंद्र सरकार
75.	राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
76.	राष्ट्रीय नींबूवर्गीय अनुसंधान संस्थान, नागपुर (भाकृअनुप का एकक)	केंद्र सरकार
77.	राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
78.	राष्ट्रीय बीज मसासला अनुसंधान केंद्र	केंद्र सरकार
79.	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का पीएसयू
80.	पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर)	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
81.	प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद	राज्य सरकार का पीएसयू
82.	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
83.	सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान	राज्य सरकार का पीएसयू
84.	सरदार कृशिनगर दंतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का पीएसयू

85.	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
86.	श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जॉबनर	राज्य सरकार का पीएसयू
87.	गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर, (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
88.	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
89.	चाय बोर्ड डी ट्री एंड डीसी, कुर्सेओंग	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
90.	चाय अनुसंधान संघ	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
91.	कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, शिवमोगा	सांविधिक निकाय
92.	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर	सांविधिक निकाय
93.	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़	पंजीकृत सोसाइटियां (सरकारी स्वायत्तशासी निकाय)
94.	बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट	सांविधिक निकाय
95.	वीपीकेएएस (भाकृअनुप) अल्मोड़ा	केंद्र सरकार
96.	भाकृअनुप.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार

8: प्रशासन, अभिशासन और अन्य विविध गतिविधियाँ

8.1 प्रशासन:

प्रशासन द्वारा प्राधिकरण को दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को निष्पादित करने के लिए प्रशासनिक सहायता प्रदान की गई।प्राधिकरण के तकनीकी पदों के लिए संवर्ग बनाने के लिए हेतु भर्ती नियमों पर शीघ्रता से कार्य किया गया और इस संबंध में नोडल मंत्रालय के साथ नियमित रूप से अनुवर्तन (फोलो अप) किया गया।निष्पादित किए जाने वाले कार्य के विपरीत आवश्यक जनशक्ति एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा आकलित की गई और उक्त समिति को आवश्यक सहायता प्रदान की गई।

8.2 विधिक प्रकोष्ठ

प्राधिकरण के विधिक प्रकोष्ठ ने प्राधिकरण के विरूद्ध दायर सभी वाद/मुकदमों की सफलतापूर्वक पैरवी की। इसके अलावा, रजिस्ट्री और प्राधिकरण के समक्ष अर्ध-न्यायिक कार्यवाहियों के मामले में, प्रकोष्ठ ने विधिक इनपुट दिए और पार्टियों को दैनिक आदेश शीटें शीघ्रतापूर्वक भेजीं। प्राधिकरण का विधिक प्रकोष्ठ 'एलआईएमबीएस' (लीगल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट एंड ब्रीफिंग सिस्टम) का अनुपालन करता है और मुकदमों की प्रगति को एलआईएमबीएस में नियमित रूप से अपडेट एवं मॉनीटर करता है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 23 मामलों में से 3 मामले निपटाए गए।

न्यायालयों का विवरण जहाँ मुकदमे न्यायनिर्णयन के लिए लंबित है, और मुकदमों की संख्या:

केंद्रीय प्रशासनिक अिधकरण	उच्च न्यायालय	उच्चतम न्यायालय	श्रम न्यायालय
2	12	5	1

विधिक प्रकोष्ठ ने प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान प्राधिकरण / पंजीयक द्वारा पारित सभी निर्णयों के लिए इनपुट भी प्रदान किए। इस अवधि के दौरान,

निम्नलिखित राजपत्र अधिसूचनाएं वर्ष 2024-24 मं प्रकाशित की गई:

- राजपत्र अधिसूचना **एस.ओ. 1841 (E)** दिनांक **30 अप्रैल, 2024**, जोपीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 की धारा 41 के अधीन केंद्रों की अधिसूचनाके संबंध में थी।
- राजपत्र अधिसूचना **एस.ओ. आर. 4829 (E)** दिनांक **6 नवंबर, 2024,**जोपंजीकरण के प्रयोजन हेतु छह फसल प्रजातियों, यानी तुरई, करी पत्ता, एलेंथस, डहलिया, ब्रोकोली एवं लेमन ग्रासके संबंध में थी।

8.3 सूचना का अधिकार (आरटीआई)

प्रतिवेदनाधीन अवधि 2024-25 के दौरान, सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत, सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत आपेदन करने वाले आवेदकों को सूचना उपलब्ध करने के लिए श्री उमाकांत दुबे, उप-पंजीयक और डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल,महापंजीयक, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(पीपीवीएफआरए),कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में क्रमश: केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) नामित किए गए थे। नामित अधिकारियों का विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट, यानी https://plantauthority.gov.in/पर मेन्यू हेडिंग आरटीआई के तहत उपलब्ध है। मुख्य सूचना आयुक्त (सी.आई.सी.) को सूचना प्रस्तुत करने के लिए आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 की धारा 25 (2) के तहत निहित उपबंधों का नियमित आधार पर अनुपालन किया जा रहा है।प्राधिकरण सी.आई.सी. द्वारा पारदर्शिता लेखापरीक्षा और सी.आई.सी. एवं आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 के अनुसार अन्य आवश्यकताओं और अनुपालनों का पालन करता है।प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, प्राधिकरण को आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्राप्त करने के लिए या तो सीधे आवेदक से या अन्य विभागों से स्थानांतरित किए गए 26 आवेदन प्राप्त हुए।मांगी गई सूचना निर्धारित अवधि के भीतर उपलब्ध कराई गई

प्राधिकरण द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्थिति नियमित रूप से उसकी वेबसाइट पर अपलोड की जाती है।आवेदनों की त्रैमासिक स्थिति प्राधिकरण और केंद्रीय सूचना आयोग (सी.आई.सी.) की वेबसाइट पर शुल्क की प्राप्ति सहित पूरे विवरण के साथ उपलब्ध है।

8.4 सरकार ई-मार्केटप्लेस (जेम)

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2024-25 के दौरान, प्राधिकरण ने आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद जेम के माध्यम से **3,49,79,007/- रुपये (तीन करोड़ उनचास लाख उनासी हजार सात रुपये मात्र)** की लागत के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का क्रय किया। विवरण निम्न प्रकार है: -

2024 -2025 (1 अप्रैल 2024 से 31मार्च 2025)के दौरान क्रय की रिपोर्ट			
क्र.सं.	**विवरण**	**माह**	**राशि (रु.)**
1.	**उत्पाद**		
	टिशु पेपर, कीटनाशक, बैटरी सेल, टम्बलर, स्टेपलर, पारदर्शी टेप, पंच, रजिस्टर, डेस्क पैड, पेपर कटर, कॉन्फ्रेंस फोल्डर, नोटशीट, ब्राउन टेप, प्रिंटर टोनर, पेपर रिम ए4, फोटोकॉपीयर टोनर, फोटोकॉपीयर ड्रम, शार्पनर, इरेजर बॉल प्वाइंट पेन, लिफाफा रोलर बॉल पेन, मार्कर, ऑल इन वन पीसी, एमएफएम प्रिंटर, यूपीएस, जेल पेन, कंप्यूटर माउस, पेन ड्राइव, करेक्शन पेन, वैक्यूम क्लीनर, एलिमेंट इंडक्शन हीटर, माइक्रोवेव ओवन, कंप्यूटर, टेलीफोन इंस्ट्रूमेंट, यूएसबी कैमरा, ब्लूटूथ स्पीकर, कॉलिंग बेल, कॉटन डस्टर, टिशु बॉक्स, एयर फ्रेशनर, कीटाणुनाशक द्रव, स्लिप पैड, बाइंडर क्लिप, ग्लु स्टिक,पेंसिल, कीबोर्ड, तेल युक्त हीटर, मोमयुक्त नोट, सेल्फ एडीसिव, आदि।	अप्रैल, 2024-31 मार्च, 2025	**2476105**
	कुल क		**2476105**

2.	**सेवाएं**		
	जनशक्ति, सुरक्षा सेवा, वाहन किराये पर लेने की सेवा, मुद्रण, बागवानी सेवा - रखरखाव, वित्तीय सेवाएं, कर सलाहकार सेवाएं, लेखापरीक्षा सेवा, पुष्प गुलदस्ता सेवा, एसी-एएमसी आदि।	अप्रैल, 2024-31 मार्च, 2025	**32502902**
	कुल ख		**32502902**
कुल योग राशि (क+ख)			**34979007**

8.5 अभिलेखों का निरीक्षण और प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, पीपीवीएफआर. अधिनियम, 2001 की धारा 84 और पीपीवीएफआर. नियम, 2003 के नियम 76 के तहत अभिलेखों के निरीक्षण और प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति के लिए 21 अनुरोध प्राप्त हुए।इस प्रयोजनार्थ शुल्क के रूप में रु. 202,500/- (दो लाख दो हजार पांच सौ रुपये केवल) संबंधित आवेदक द्वारा जमा किए गए।शुल्क की प्राप्ति के बाद, प्रमाणित प्रतियां संबंधित आवेदकों को दी गई।

8.6 शाखा कार्यालय:

देश के विभिन्न भागों में पीपीवीएफआर प्राधिकरण के उप-पंजीयकों के नियंत्रण में पांच शाखा कार्यालय हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:

1. **डॉ. हरीश चंद्र सिंह**
   उप-पंजीयक
   पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कंप्यूटर सेंटर बिल्डिंग, दामोदर अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह के निकट, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर, कांके, रांची (जेएच)-834006.

2. **श्री ए. सी.सरमा**
   उप-पंजीयक
   पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय, प्रशासनिक भवन के पास, खानपारा, गुवाहाटी-781022.

3. **उप-पंजीयक (रिक्त)**
   पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, सीएसके एचपी कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश-17606.

4. **डॉ. डी. के.अग्रवाल, महापंजीयक (प्रभारी)**

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, सेंटेनरी भवन, कृषि महाविद्यालय परिसर, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र-411005.

5. **श्री डी. आर. चौधरी, संयुक्त पंजीयक (प्रभारी)**

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि विभाग, सहकारिता एवं किसान कल्याण, यूएएचएस शिवमोगा, अबलागेरे पोस्ट, शिवमोगा, कर्नाटक-577204

8.7. पीपीवीएफआरए को सौंपी गई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की अध्यक्षता

सितंबर, 2018 में, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) उत्तरी दिल्ली की अध्यक्षता करने की जिम्मेदारी पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, को सौंपी गई। वर्ष के दौरान हर छमाही में एक बैठक आयोजित की जाती है और समिति में कुल 68 सदस्य कार्यालय सम्मिलित हैं।राजभाषा के विभिन्न प्रावधानों को प्रशासित करने के लिए 10 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण में राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए प्राधिकरण में राजभाषा कार्यान्वयन समिति पहले से मौजूद है।प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान, बैठकें हर तिमाही में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित की गईं।राजभाषा से संबंधित मुद्दों पर सार्थक रूप में चर्चा की गई।नराकास की बैठक 19/07/2024 को हुई।

क्र.सं.	बैठक की तिथि
1.	14 जून, 2024
2.	26 सितंबर, 2024
3.	18 दिसंबर, 2024
4.	21 मार्च, 2025

हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा और हिंदी महीने का आयोजन

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरणमें 14 सितंबर से 13 अक्टूबर, 2024 की अवधि के दौरान हिंदी मास मनाया गया।इस अवधि के दौरान, निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं: -**1. मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर और उसका वर्णन करके लघु कहानीलेखन, 2. निबंध लेखन प्रतियोगिता, 3. टिप्पण और प्रारूपण, 4. अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता, 5. अभिप्रेरणीय कहानी/आख्यानप्रतियोगिता 6. हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता,** जिसमें स्थायी अधिकारियों सहित कई संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया, और प्राधिकरण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।हिंदी मास प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं -

1. निबंध लेखन प्रतियोगिता

1. निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिंदीतर)

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्रीमती रितु यादव	प्रथम
2.	श्री श्याम नारायण	द्वितीय
3.	श्री गौरव	तृतीय

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	सुश्री अंजलि नायक	प्रथम

2. मुहावारों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर और उसका वर्णन कर लघु कहानी लेखन

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्रीमती रितु यादव	प्रथम
2.	डॉ. ज्योति जयसवाल	द्वितीय
3.	श्रुरी मनीषा	तृतीय

2. मुहावारों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर और उसका वर्णन कर लघु कहानी लेखन(हिंदीतर)

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्री डी. एस. राज गणेश	प्रथम

3. टिप्पण एवं प्रारूपण

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्री धमेन्द्र	प्रथम
2.	श्री संतोष सिंह बिस्ट	द्वितीय
3.	डॉ. धमेन्द्र सिंह पिलानिया	तृतीय

4. अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	डॉ. धमेन्द्र सिंह पिलानिया	प्रथम
2.	डॉ. ज्योति जयसवाल	द्वितीय
3.	श्री गौरव शर्मा	

4. अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता (हिंदीतरi)

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्री डी. एस. राज गणेश	प्रथम

5. अभिप्रेरणीय कहानी/आख्यान प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्री सुदेश	प्रथम
2.	डॉ. भरत तिवारी	द्वितीय
3.	श्री अरूण कुमार	तृतीय

6 . हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	स्थान
1.	श्री धमेन्द्र	प्रथम
2.	सुश्री सुदेश	द्वितीय
3.	श्री बितेन्द्र कुमार	तृतीय

राजभाषा हिंदी का प्रयोग

कार्यालय में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा राजभाषा हिंदी का प्रयोग किया जाता है।प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा टिप्पणियां और मसौदे हिंदी भाषा में तैयार किए जाते हैं।राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के तहत आने वाले सभी आवश्यक दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए थे औरक्षेत्र क, ख और ग के साथ पत्राचार भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है।



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरणद्वारा 26 अप्रैल, 2024 को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस का आयोजन

पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण ने व्याख्यान कक्ष, एनएएएस, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में 26 अप्रैल, 2024 को विश्व आईपी दिवस का आयोजन किया।विश्व आईपी दिवस 2024 का विषय था **"आईपी और सतत विकास लक्ष्य: नवोन्मेष और रचनात्मकता के साथ हमारे सामान्य भविष्य का निर्माण"**।कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक पीपीवी और एफआरए ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, और विश्व आईपी दिवस के इतिहास एवंपादप किस्मों के पंजीकरण के मामले में प्राधिकरण की प्रगति पर प्रकाश डाला।समारोह के मुख्य अतिथि पद्म भूषण डॉ. आर. एस. परोडा, पूर्व सचिव (डेयर) और महानिदेशक, भाकृअनुप और टीएएएस के संस्थापक अध्यक्ष ने अपने संबोधन में पीपीवी और एफआर अधिनियम 2001 के गठन को एक अनूठा कानून के रूप में वर्णित किया, जो न केवल ब्रीडरों को पौधों की विविधता के संरक्षण का अधिकार प्रदान करता है, बल्कि उसमें किसानों के किस्मों के संरक्षण सहित उनके अधिकारों का भी प्रावधान भी है।उन्होंने पारंपरिक किस्मों के संरक्षण और जीन बैंकों की





स्थापना के लिए किसानों को समर्थन देने हेतु प्राधिकरण के जीन फंड में सरकार और अन्य हितधारकों के योगदान को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने मौजूदा अधिसूचित किस्मों के पंजीकरण में प्राधिकरण की सक्रिय भूमिका का भी सुझाव दिया।लंबित मामलों को कम करने में प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने उत्कृष्ट जननद्रव्य (जर्मप्लाज्म) और किस्मों के आईपी संरक्षण के बारे में अधिक जागरुकता पैदा करने पर जोर दिया।

पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में विश्व आईपी दिवस के महत्व पर प्रकाश



डाला और एक स्थायी खाद्य प्रणाली के लिए कृषि में नवोन्मेष के नेतृत्व में विकास पर प्रकाश डाला।उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय और बीज कंपनियों से अपने पौधों की किस्म के नवोन्मेष की सुरक्षा के लिए आगे आने का भी आग्रह किया और प्राधिकरण द्वारा शीघ्र पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया।डॉ. पी. के. सिंह, कृषि आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और पीपीवीएफआरए के सदस्य ने अपनी टिप्पणियों में किसानों के अधिकारों के कार्यान्वयन में अपने अनुभव साझा किए और किसानों को सुविधा प्रदान करनी की आवश्यकता को रेखांकित किया चाहिए ताकि वे अपनी संरक्षित किस्मों का पंजीकरण करा सकें।डॉ. मालथी लक्ष्मीकुमारन, वरिष्ठ अटॉर्नी और भागीदार, मैसर्स लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन ने नवोन्मेष और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य के निर्माण में विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में यथा परिकल्पित सतत विकास लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताया और खाद्य एवं कृषि में अनुसंधान के साथ उनके संबंध को रेखांकित किया।उन्होंने नवोन्मेष और बेहतरीन आईपी संरक्षण के माध्यम से एसडीजी को प्राप्त करने में आधुनिक वैज्ञानिक विकासों, विशेष रूप से जीनोम संपादन की भूमिका पर प्रकाश डाला।डॉ. जी. पी. सिंह, निदेशक भाकृअनुप-एनबीपीजीआर ने देश के पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण में और नई फसलों की किस्मों के नवोन्मेषी विकास के लिए संस्थानों और वैज्ञानिकों को उक्त संसांधन उपलब्ध कराने में ब्यूरो की भूमिका का वर्णन किया।



डॉ. गिरीश चंदेल, माननीय कुलपति, आईजीकेवीवी रायपुर ने पौधों की विविधता के संरक्षण की प्रासंगिकता और डॉ. रिचरिया द्वारा देश की धान कीस्थानिक प्रजातियों के संग्रहण एवं संरक्षण में भूमिका के बारे में बात की।उन्होंने राज्य के किसानों को उनकी पादप किस्मों के पंजीकरण में सुविधा



प्रदान करने के लिए अपने विश्वविद्यालय के समर्थन का आश्वासन दिया।डॉ. वेंकट सुब्रमण्यन, निदेशक-अटारी, बैंगलोर ने पश्चिमी घाटों के किसानों द्वारा विशेष रूप से केरल राज्य में अनुरक्षित की रखी गई कई फसलों की अनूठी पारंपरिक किस्मों पर प्रकाश डाला।उन्होंने केरल की महिला किसान श्रीमती अजिताद्वारा संरक्षित कमल की किस्मों 'मयूरी' और 'पैनिनीर' के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल की गेहूं किस्म डीबीडब्ल्यू 327 (करण शिवानी) (जिसे पीपीवीएफआरए के पास पंजीकरण द्वारा आईपी संरक्षित किया गया है) के लाइसेंसधारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कर्नाटक के किसान श्री एन. कुमार को 'राउंड द ईअर' नाम के साथ जामुन फसल का पंजीकरण प्रमाण पत्र भी सौंपा गया। इस किस्म को 5 अक्टूबर 2023 को आवेदन पत्र भरने के उपरांत सात महीने के

भीतर बहुत ही कम समय में 10 अप्रैल 2024 को पंजीकृत किया गया था, जो एक रिकॉर्ड है।इस किस्म की अब बहुत मांग है।भाकृअनुप-आईआईएचआर इसके बहुगुणन और व्यावसायीकरण के लिए किसान के साथ सहयोग (कोलाब्रेशन) कर रहा है।



डॉ. जी. चंदेल, कुलपति, आईजीकेवी रायपुर और उनके सहयोगी डॉ. दीपक शर्मा, प्रो. आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, आईजीकेवी रायपुर द्वारा विशेष लक्षणों के साथ धान किस्मों नामत: *जिंको राइस-एमएस*, *प्रोटेज़िन* और *संजीवनी राइस* के पंजीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किए गए।



कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड मोड (भौतिक और ऑनलाइन) में किया गया जिसमें कई गणमान्य व्यक्तियों;भाकृअनुप संस्थानों के निदेशकों;एनएएएस अध्येताओं;वैज्ञानिकों और आईएआरआई, एनबीपीजीआर के प्रमुखों;नोडल अधिकारियों और भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित अनेक डीयूएस केंद्रों के प्रधान वैज्ञानिकों;बीज कंपनियों के लाइसेंसधारी, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों, संसाधन किसानोंतथा पीपीवी और एफआरए के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. रवि प्रकाश, पूर्व पंजीयक और तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवीएफआरए द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्तावके साथ हुआ।

8.8. स्वतंत्रता दिवस समारोह

प्लांट अथॉरिटी भवन में 78वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।पीपीवीएफआर



प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।इस अवसर पर वक्तव्यदेते हुए, डॉ.महापात्र ने विभिन्न क्षेत्रों में देश द्वारा की गई प्रगति के बारे में बताया और पीपीवीएफआर प्राधिकरण द्वारा किस्मों के पंजीकरण तथा अन्य गतिविधियों के संचालन में उल्लेखनीय अभिवृद्धि का भी उल्लेख किया।उन्होंने देश को स्वतंत्रता दिलाने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए महान बलिदानों के बारे में सभी को याद दिलाया तथा देश को और अधिक मजबूत बनाने हेतु सभी कर्मचारियों को अत्यंत समर्पण एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया।श्रीमती कल्पना महापात्र भी इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।पीपीवीएफआरए के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने परिवार सदस्यों और बच्चों के साथ बड़ी संख्या में इस समारोह में भाग लिया।



इस अवसर पर, मास्टर अभिमन्यु पंवार ने सहज भाव के साथहनुमान चालीसा का पाठ किया।सभी ने उनकी प्रशंसा की। अन्य बच्चों ने देश का महिमामंडन करते हुए कविताएँ गाईंइस अवसर पर पौधा प्राधिकरण भवन परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया।

8.9. "स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान2024" में पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की सहभागिता

18.09.2024 से 24.09.2024-सफाई अभियान -1.फाइलों की छंटाई की गई और लगभग 6002 बंद फाइलों तथा कार्यालय द्वारा जारी किए पंजीकरण प्रमाणपत्रों की 7042 फाइलों को अनुक्रमबद्ध रूप में छंटाई की गई तथा कॉम्पैक्टरों में अलग से व्यवस्थित किया गया।

2. फटी हुई और बेकार/डुप्लिकेट फाइलों और फाइल कवरों को नष्ट कर उनका निपटान किया गया।
3. किताबों, प्रकाशन, रिपोर्ट और अभिलेख पुस्तकों की व्यवस्था अल्मारियों में की गई।
4. रसोईघर, सिंक, सीढ़ियों, खिड़कियों के शीशे, दीर्घाओं और लिफ्टों की धूल हटाकर सफाई की गई।





19.09.2024-जागरुकता -पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के पौधा प्राधिकरण भवन के परिसर में 15 पौधों का रोपण





8.9. सतर्कता जागरुकता सप्ताह का अवलोकन

यद्यपि प्राधिकरण केंद्रीय सतर्कता अधिनियम या केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम (2003) के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, मगरप्राधिकरण को किसी भी भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग से मुक्त रखने की भावना के मद्देनजर, प्राधिकरण प्राधिकरण ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया और अपने कर्मचारियों, कर्मियों एवं अधिकारियों को शपथ दिलाई।

प्राधिकरण ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया जहां प्राधिकरण के कर्मचारियों ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह (28 अक्टूबर, 2024 से 03 नवंबर, 2024) के भाग के रूप में **"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि"** शीर्षक के साथ भ्रष्टाचार की रोकथाम और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सामूहिक रूप से भाग लिया।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह की शुरुआत सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ हुई।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण का 11 नवंबर, 2024 को20वां स्थापना दिवस समारोह

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने 11 नवंबर, 2024 को व्याख्यान कक्ष, एनएएएस, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में अपने 20वें स्थापना दिवस का आयोजन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।



डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक पीपीवी और एफआरए ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, और पौधों की किस्मों के पंजीकरण और अन्य पहलुओं के मामले में प्राधिकरण की दो दशकों की प्रगति पर प्रकाश डाला।समारोह के मुख्य अतिथि पद्म भूषणडॉ. आर. एस. परोडा, पूर्व सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुपएवं



टीएएएस के संस्थापक अध्यक्ष ने स्थापना दिवस के संबोधन में पीपीवी और एफआर अधिनियम 2001 के गठन पर प्रकाश डाला, जो न केवल ब्रीडरों को बल्कि किसानों को भी पादप विविधता संरक्षण अधिकार प्रदान करने वाला एक अनूठा कानून है।उन्होंने बताया कि भारत यूपीओवी में शामिल क्यों नहीं हुआ, बजाय उसने किसानों के अधिकारों सहित पौधों की विविधता के संरक्षण के लिए *"सुई-जेनरिस"* प्रणाली को अपनाया।उन्होंने मौजूदा अधिसूचित किस्मों के पंजीकरण में प्राधिकरण की सक्रिय भूमिका का भी सुझाव दिया।लंबित मामलों को कम करने में प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए, उन्होंने प्राधिकरण की गतिविधियों के बारे में अधिक जागरुकता पैदा करने पर जोर दिया।



पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में देश में अनुसंधान एवं विकास और बीज क्षेत्र के विकास में अधिकाधिक निवेश के लिए बीज उद्योग को बढ़ावा देने हेतुपादप किस्मों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय और बीज कंपनियों से अपने पौधों की किस्मों के नवोन्मेषके संरक्षण के लिए आगे आने का भी आग्रह किया और प्राधिकरण द्वारा तेजी से पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया।श्री संजय अग्रवाल, पूर्व सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने अपनी टिप्पणी में किसानों द्वारा संरक्षित पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण में प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना की और प्राधिकरण द्वारा पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन में संतोष व्यक्त किया।डॉ. पी. के. सिंह, कृषि आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और प्राधिकरण के सदस्य ने अपनी टिप्पणियों में, पंजीयक के रूप में प्राधिकरण के साथ सहयोग करने और किसानों को उनकी संरक्षित किस्मों के पंजीकरण के लिए सुविधा प्रदान करने हेतु किसानों के अधिकारों के कार्यान्वयन में अपने अनुभव साझा किए।

डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा),भाकृअनुप ने अपनी टिप्पणियों में प्राधिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और महापंजीयक के रूप में प्राधिकरण के साथ अपने लंबे जुड़ाव के दौरान अपने अनुभव साझा किए और प्राधिकरण द्वारा गठित विभिन्न समितियों में उन्हें शामिल करने के लिए पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष को धन्यवाद दिया।डॉ. एस. के. सिंह, उप महानिदेशक (बागवानी),भाकृअनुप ने विभिन्न संस्थानों (भाकृअनुप के तहत) द्वारा बागवानी फसलों में किस्मगत विकास के महत्व पर बात की और पीपीवीएफआरए के तहत संरक्षण का आश्वासन दिया।डॉ. डी. के. यादव, सहायक महानिदेशक (बीज),भाकृअनुप ने अपनी टिप्पणियों में बीज उद्योग के तेजी से विकास के लिए पौधों की किस्मों के संरक्षण के महत्व पर रोशनी डाली।डॉ. रतन तिवारी, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल ने अपनी टिप्पणियों में गेहूं और जौ की किस्मों के डीयूएस परीक्षण में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला।उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के तहत उनके द्वारा विकसित सभी संभावित किस्मों को परिरक्षित कर रहा है।



समारोह के दौरान, भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल की गेहूं किस्म, जिसे पीपीवीएफआरए के साथ पंजीकरण द्वारा आईपी संरक्षित किया गया है,के लाइसेंसधारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ. दीपक शर्मा, प्रो. आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, आईजीकेवी रायपुर ने मुख्य अतिथि डॉ. परोडा को किसानों की धान किस्मों के बीजों का उपयोग करके बनाई गई उनकी तस्वीर प्रस्तुत करके सम्मानित किया।स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हाइब्रिड मोड (भौतिक और ऑनलाइन) में किया गया जिसमें 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें कई गणमान्य व्यक्ति, सहायक महानिदेशक,भाकृअनुप, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, एनएएएस अध्येता, वैज्ञानिक और आईएआरआई, एनबीपीजीआर के प्रमुख, नोडल अधिकारी और भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न डीयूएस केंद्रों के पीआई, बीज कंपनियों के लाइसेंसधारी, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि, संसाधन किसान तथा पीपीवी और एफआरए के अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।



विचार-विमर्श से निम्नलिखित बिंदु उभरकर आए:

1. किसानों के अधिकारों पर चार साल के नियमित अंतराल पर आई.टी.पी.जी.आर.एफ.ए. द्वारा वैश्विक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए प्राधिकरण आवश्यक कार्रवाई करे।
2. पौधा किस्मों के आईपी संरक्षण पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करना।
3. प्राधिकरण द्वारा जल्द से जल्द सभी विद्यमान अधिसूचित किस्मों का पंजीकरण करना।
4. कृषक किस्मों की सफलता गाथाओं का दस्तावेजीकरण करना।
5. पूर्व में पीजीएससी पुरस्कार से मान्यता प्राप्त कृषक समुदायों की गतिविधियों की निगरानी करना।
6. लाभ साझा करने के लिए रणनीति और दिशानिर्देश विकसित करना।
7. तेजी से पंजीकरण के लिए पौधों की किस्मों के आणविक प्रोफाइलिंग का प्रयोग करना।

8. लंबित आवेदनों को समयबद्ध तरीके से मंजूरी प्रदान करना।

कार्यक्रम का समापन डॉ. रवि प्रकाश, पूर्व पंजीयक और तकनीकी परामर्शदाता, पीपीवीएफआरए द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।



8.10. पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की बैठकें

वर्ष 2024-25 के दौरान, पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की दो बैठकें आयोजित की गईं और बैठकों के विस्तृत कार्यवृत्त पीपीवी और एफआरए की वेबसाइट पर उपलब्ध किए गए हैं।बैठकों के मुख्य बिंदु नीचे दिए गए हैं-

8.9.1 06 अगस्त, 2024 को आयोजित अड़तीसवीं बैठक

- तुरई, करी पत्ता, एलेंथस, डहलिया, ब्रोकोली और मिर्च, पेपरिका तथा काली मिर्च (संरक्षित शर्तों के तहत) के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का अनुमोदन।
- तुरई, करी पत्ता, एलेंथस, डहलिया, ब्रोकोली और मिर्च, पेपरिका तथा काली मिर्च (संरक्षित शर्तों के तहत) के पंजीकरण के लिए समय सीमा तय करना।
- तुरई, करी पत्ता, एलेंथस, डहलिया, ब्रोकोली और मिर्च, पेपरिका तथा काली मिर्च (संरक्षित शर्तों के तहत) के डीयूएस परीक्षण शुल्क का अनुमोदन।
- पादप आनुवंशिक संसाधनों की संरक्षण गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय जीन निधि के उपयोग से संबंधित मसौदा नियम, आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के लिए।

- पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 3 (3) के तहत प्राधिकरण के शाखा कार्यालयों के रूप में पालमपुर, पुणे और शिवमोगा में रजिस्ट्री के शाखा कार्यालयों की अधिसूचना।
- पीपीवीएफआर. विनियम, 2006 के विनियम 6 के तहत विद्यमान किस्म अनुशंसा समिति का गठन।
- पौधा किस्म के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं और प्रक्रियाओं पर पीपीवीएफआरए, भारत सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र कार्यक्रमों का प्रस्ताव।
- पी. वी. पी. प्रशिणार्थी छात्रावास के रूप में,पौधा प्राधिकरण भवन के किसान अतिथि गृह का उपयोग करना।
- पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत पौधों की किस्मों के अनुरक्षण के लिए फील्ड जीन बैंकों (एफजीबी) की स्थापना और प्रबंधन।
- वार्षिक शुल्क और नवीकरण शुल्क से संबंधित मुद्दों पर दृष्टिपात करने के लिए समिति का गठन।

8.9.2 03 नवंबर, 2024 को आयोजित उनतालीसवीं बैठक

- मेस्टा और हिबिस्कस/चाइना रोज़ के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को मंजूरी।
- मेस्टा और हिबिस्कस/चाइना रोज़ के पंजीकरण के लिए समय सीमा तय करना।
- मेस्टा और हिबिस्कस/चाइना रोज़ के लिए डीयूएस परीक्षण शुल्क की मंजूरी।
- संशोधनों हेतु सुझाव देने के लिए पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 और नियमों की विवेचना करने के लिए समिति का गठन।
- 2023-24 का वार्षिक प्रतिवेदन अथवा वार्षिक रिपोर्ट।
- वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखा।
- आरईजी अथवा पंजीकरण नंबर का आवंटन और पीवीपी नंबर का आवंटन।
- पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम के संचालन के लिए दिशानिर्देश।

8.11. अन्य बैठकें

ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (एसीआईएआर), ऑस्ट्रेलियाई सरकार के अधिकारियों का 5 अगस्त, 2024 को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) का दौरा



ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (एसीआईएआर) के अधिकारियों नामत: प्रो. वेंडी अम्बर्गर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डॉ. डेविड शियरर, रणनीतिक सलाहकार और डॉ. प्रतिभा सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक/दक्षिण एशिया ने 5 अगस्त, 2024 को पौधा प्राधिकरण भवन में पीपीवीएफआर प्राधिकरण का दौरा किया।पीपीवीएफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कृषि अनुसंधान और पादप विविधता संरक्षण में भारत एवं ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के भावी क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।शुरुआत में, पीपीवीएफआर प्राधिकरण के महापंजीयक डॉ. दिनेश के. अग्रवाल ने आगंतुक टीम को पीपीवीएफआर प्राधिकरण के कार्यक्रमों और गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। दोनों पक्षों ने

अपासीहितों और गतिविधियों के साझा क्षेत्र पर विस्तृत बातचीत की।मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रो. वेंडी अम्बर्गर ने अपनी टिप्पणियों में इस यात्रा के लिए पीपीवीएफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि इस बैठक से दोनों पक्ष ऐसे कार्यक्रमोंएवंक्रियाकलपों को रूपरेखा देने में सक्षम होंगे जो आपसी हित में होंगे।डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने भी अपने समापन भाषण में इसी तरह के मंतव्य को दोहराया।



न्यूजीलैंड उच्चायोग के अधिकारियों का पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,नई दिल्ली का दौरा

न्यूजीलैंड उच्चायोग के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने 07 मई, 2024 को एनएएससी परिसर में पौधा किस्म और कृषक अधिकार



संरक्षण प्राधिकरण के कार्यालय का दौरा किया।प्रतिनिधिमंडल ने भारत में पौधा किस्म के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा भारत और न्यूजीलैंड के बीच भविष्य में सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर विस्तृत बातचीत की।प्रतिनिधिमंडल में, सुश्री मेलानी फिलिप्स, क्षेत्रीय कृषि काउंसलर, श्री लुई ओ 'ब्रायन, द्वितीय सचिव, न्यूजीलैंड उच्चायोग, सुश्री मीरा अरोड़ा, व्यापार विकास प्रमुख, दक्षिण एशिया और सुश्री केथोसेनो पेसी, नीति सलाहकार (कृषि, व्यापार और आर्थिक) न्यूजीलैंड उच्चायोग शामिल थे।सुश्री मेलानी फिलिप्स ने यात्रा के उद्देश्य का वर्णन किया और न्यूजीलैंड के लिए प्रासंगिक फसलों की नई किस्मों, जैसे कि कीवी फल, सेब और नाशपाती के संरक्षण की प्रक्रिया के बारे में पूछताछ की।उन्होंने न्यूजीलैंड में फसल किस्म के संरक्षण की प्रणाली के बारे में भी संक्षेप में उल्लेख किया।डॉ. डी. के.अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए ने प्रतिनिधियों को पीपीवीएफआर प्राधिकरण, भारत सरकार के पास पौधों की किस्मों केपंजीकरण से संबंधित गतिविधियों और प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से पी. ई. क्यू. आवश्यकताओं और इससे डील करने वाली एजेंसी के संबंध में प्रक्रिया के बारे में बताया।डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए ने कीवी फल जैसी फसलों के महत्व तथा भारत और न्यूजीलैंड के बीच अनुसंधान हेतु सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में बात की।न्यूजीलैंड के बागवानी फसल उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एक जागरुकता (सुग्राहीकरण) कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की गई ताकि भारत में उनकी विविधताओं के संरक्षण की सुविधा प्रदान की जा सके।यह भी सहमत किया गया कि अनुभव साझा करने, क्षमता निर्माण, डीयूएस दिशानिर्देशों और परीक्षण आदि के सामंजस्य के बारे में भावी योजनाएं बनाने के लिए आगे और चर्चा की जाए। प्रतिनिधियों ने आयोजित चर्चा के परिणामों पर संतोष व्यक्त किया और प्राधिकरण के साथ बातचीत जारी रहने की उम्मीद जताई।

8.10.1 पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण और नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन-इंडिया के बीच सहयोग के लिए पौधा किस्म भवन नई दिल्ली में 14.10.24 को बैठक का आयोजन

पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में 14.10.24 को पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण और नेशनलइनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ)-इंडिया के बीच सहयोग के बारे में चर्चा करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई।डॉ. अरविंद सी रनाडे, निदेशक और डॉ. हरदेव चौधरी, वैज्ञानिक-एनआईएफ बैठक में उपस्थित थे।डॉ. दिनेश के. अग्रवाल, महापंजीयक, श्री दीपल चौधरी, संयुक्त पंजीयक, श्री उमा कांत दुबे, उपपंजीयक, डॉ.ए. के.. सिंह, पादप किस्म परीक्षक, श्री डी. एस.पिलानिया, तकनीकी सहायक और डॉ. रवि प्रकाश, पीपीवीएफआरए के तकनीकी परामर्शदाता ने बैठक में भाग लिया।चर्चा की शुरुआत,अध्यक्ष और दोनों पक्षों के प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुई।पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणियों में बैठक का प्रस्ताव रखने और प्राधिकरण कार्यालय जाने के लिए डॉ.रनाडे को धन्यवाद दिया।उन्होंने किस्मगत विकास में नवोन्मेष के महत्व और पौधों के आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण में किसानों की भूमिका को उजागर किया।उन्होंने किसानों को अपनी किस्मों को पंजीकृत करने में सुविधा प्रदान करने के लिए एनआईएफ के प्रयासों की सराहना की। महापंजीयक डॉ. दिनेश के. अग्रवाल ने अपनी टिप्पणी में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत किसानों की किस्मों के संरक्षण के लिए आवेदन अग्रेषित करने हेतु एनआईएफ को धन्यवाद दिया और तेजी से पंजीकरण और प्रमाण पत्र जारी करने का आश्वासन दिया।एनआईएफ के निदेशक डॉ. अरविंद सी रनाडे ने अपनी टिप्पणी में पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष को बैठक के लिए उनके (रनाडे) अनुरोध को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दिया और दोनों संगठनों के बीच सहयोग के लिए विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला।डॉ. हरदेव चौधरी, वैज्ञानिक-ई, एनआईएफ ने फसल किस्मों; विशेष रूप से सब्जी फसलों, जैसे कि बैंगन, फूलगोभी, गाजर, प्याज, आलू, शकरकंद, हल्दी, अदरक; फल फसलों यथा सेब, अमरूद, अंगूर और आम तथा अनाज फसलों यथा गेहूं, चावल, ज्वार आदि पर एक प्रस्तुति दी, जिनमेंकिसानों द्वारा नवोन्मेष किया गया था और जिसमें एनआईएफ द्वारा पीपीवीएफआरए के पासउक्त किस्मों के पंजीकरण के लिए सुविधा प्रदान की गई थी।उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से आवेदन जमा करने में कठिनाइयों को बताया और प्राधिकरण से पंजीकरण के लिए सीधे किसानों के आवेदन स्वीकार करने का अनुरोध किया।



डॉ. चौधरी ने पीपीवीएफआरए और एनआईएफ के बीच संभावित सहयोग के क्षेत्रों के रूप में, निम्नलिखित बिंदु प्रस्तुत किए:

- क्षेत्र सत्यापन और परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर किसानों के पौधों की किस्मोंकापीपीवी और एफआरए में पंजीकरण कराने के लिए तथा पौधा किस्मों के अनुप्रयोगों का पृष्ठांकन करने के लिए एनआईएफ को मान्यता दी जा सकती है।
- पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्य/केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से एनआईएफ द्वारा सृजित परीक्षण रिपोर्टों का उपयोग करने के लिए एक तंत्र विकसित किया जाए, जिससे समय, प्रयासों और संसाधनों की बचत होगी।
- एनआईएफ किसानों के पौधों की ऐसी किस्मों के लिए, उपयुक्त परीक्षण प्रोटोकॉल विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा सकता है, जिन्हें एनआईएफ द्वारा पहचाना गया है और क्षेत्र सत्यापित किया गया है, विशेष रूप से उन फसलों के लिए जिन्हें अभी तक पीपीवीएफआरए द्वारा अधिसूचित नहीं किया गया है।
- फलों, मसालों और औषधीय पौधों जैसी बारहमासी फसलों के लिए, पंजीकरण आवेदन जमा करने से पहले पीपीवीएफआरए और एनआईएफ के सहयोग से किसानों की किस्मों के ऑन-साइट मूल्यांकन के लिए एक तंत्र स्थापित किया जाएगा।

- ❖ जिन किसानों की किस्मों को पंजीकृत किया गया है, उनके लिए क्षमता-निर्माण कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसमें वाणिज्यिक क्षमता, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन और बीज आदान-प्रदान को समझने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- ❖ संयुक्त रूप से, पीपीवीएफआरए और एनआईएफ स्थानीय परिस्थितियों के लिए विशिष्ट पंजीकृत किसानों की किस्मों के व्यावसायीकरण में संबंधित राज्य बीज निगमों की भागीदारी का पता लगाए।
- ❖ संभावित वाणिज्यिक मूल्य वाली पंजीकृत पादप किस्मों के बहु-स्थानिक परीक्षण करने के लिए भाकृअनुप-एआईसीआरपी के साथ सहयोग की आवश्यकता है।

उपरोक्त बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया कि किसानों की किस्मों के पंजीकरण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के संबंध में, एक साथ मिलकर काम करने के लिए सहमत बिंदुओं हेतु पीपीवीएफआरए और एनआईएफ के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।एन.आई.एफ. के माध्यम से पंजीकृत किसानों की किस्मों, जिन्हें पहले ही सफलतापूर्वक ब्रांडेड और वाणज्यिकृत किया जा चुका है, के विवरण साझा करने का अनुरोध किया गया।

8.10.2 न्यूजीलैंड उच्चायोग, पादप एवं खाद्य अनुसंधान और जेस्प्री के अधिकारियों का 13.11.2024 को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली का दौरा

सुश्री स्टेफनी मेलानी, काउंसलर (कृषि) न्यूजीलैंड उच्चायोग; सुश्री राचेल लिंच, न्यूजीलैंड सरकार और नियामक मामले प्रबंधक; डॉ. स्टेफनी मोंटगोमेरी, कार्यक्रम प्रबंधक-अंतर्राष्ट्रीय विकास, पादप और खाद्य अनुसंधान; और जेस्प्री कीवीफ्रूट कंपनी के श्री हिमांशु की एक टीम ने 13 नवंबर 2024 को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण कार्यालय का दौरा किया।दौरा



करने वाले दल ने पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र और महापंजीयक डॉ. दिनेश के. अग्रवाल से मुलाकात की और भारत मेंविदेशी फल किस्मों की शुरूआत और संरक्षण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।डॉ. अग्रवाल ने दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें विदेशी आवेदकों की किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया से अवगत कराया।न्यूजीलैंड टीम के सदस्यों ने अपनी गतिविधियों और वांछित क्षेत्रों का वर्णन किया।दोनों पक्षों ने भविष्य में सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की।डॉ.महापात्र ने भारतीय किसानों के लाभार्थ सहयोगात्मक प्रयास करने पर जोर दिया।सुश्री मेलानी, काउंसलर (कृषि) ने प्राधिकरण द्वारा दिए गए संपूर्ण सहयोग के लिए अध्यक्ष डॉ.महापात्र को धन्यवाद दिया।

8.12 2024-25 के दौरान विभिन्न बैठकों और चर्चाओं में अध्यक्ष की सहभागिता

तिथि	विवरण
अप्रैल, 2024	
04 अप्रैल 2024	अध्यक्ष ने सम्मानित विशेष जूरीः फिक्की एग्री स्टार्टअप पुरस्कार के छठे संस्करण में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
04 अप्रैल, 2024	अध्यक्ष ने बीज क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर कृषि भवन में परामर्श की बैठक में भाग लिया।

09 अप्रैल, 2024	अध्यक्ष ने कृषि पुस्तिका के 7वें संशोधित संस्करण के प्रकाशन के लिए समिति की एनएएससी परिसर में तीसरी बैठक में भाग लिया।
22 अप्रैल, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 24 (5) के तहत किस्मों के संरक्षण के लिए प्रोटोकॉल/दिशानिर्देश तैयार करने हेतु समिति की पहली बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
23 अप्रैल, 2024	अध्यक्ष ने"भारत की पारंपरिक कृषि विधियों (DigiTAgPs) के डिजिटलीकरण पर मुख्यालय समन्वित परियोजना के लिए डीईजे की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
26 अप्रैल, 2024	पीपीवी एफआरए ने एनएएससी परिसर में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया।
29-30 अप्रैल, 2024	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में भाकृअनुप-क्रीडा की 32वीं आरएसी बैठक में भाग लिया।
मई, 2024	
01 मई, 2024	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान (सीटीआई) राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश में भाकृअनुप-सीटीआई, स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
03 मई, 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी परिसर में बीज और जैव प्रौद्योगिकी में आईपीआर पर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
03 मई, 2024	अध्यक्ष ने विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (आरवीपीसी)-2024 का उद्घाटन किया।
06 मई, 2024	अध्यक्ष ने सीआईआई केंद्रीय कार्यालय, लोधी रोड, नई दिल्ली में उर्वरक क्षेत्र में ईआईडीबी पर सीआईआई उप-समूह चर्चा में भाग लिया।
09 मई, 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी परिसर में पीपीवी एफआर प्राधिकरण की जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए समिति की बैठक में भाग लिया।
जून, 2024	
04-05 जून, 2024	अध्यक्ष ने ए.पी. शिंदे संगोष्ठी, एन.ए.एस.सी. परिसर में अकादमी की 31वीं वार्षिक आम सभा में भाग लिया।
05 जून, 2024	अध्यक्ष ने प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया जिसे भारत के माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएएससी परिसर में दिया गया
09 जून, 2024	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, मालदा, पश्चिम

	बंगाल में जागरुकता और आम विविधता प्रदर्शनी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
14-15 जून, 2024	अध्यक्ष ने ट्रांसलेशन रिसर्च फॉर सोसायटी एंड सस्टेनेबिलिटी पर संगोष्ठीमें पूर्णकालीन वार्ता की प्रस्तुति की, जिसे के.आई.आई.टी. मानद विश्वविद्यालय (के.आई.आई.टी. डीयू) तथा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई.एन.एस.ए.) द्वारा भुवनेश्वर में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।
19 जून, 2024	अध्यक्ष ने राष्ट्रीय जीन कोष के उपयोग के लिए योजना तैयार करने हेतुएनएएससीपरिसर में समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया।
21 जून 2024	पीपीवीएफआरए ने पौधा प्राधिकरण भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।
21 जून, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर प्राधिकरण की जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एल. गौतम की अध्यक्षता में समिति की तीसरी बैठक में भाग लिया जिसेएनएएससी परिसर में आयोजित किया गया।
21 जून, 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी परिसर में कृषि पुस्तिका के 7वें संस्करण के प्रकाशन के लिए समिति की चौथी बैठक में भाग लिया।
22 जून, 2024	अध्यक्ष ने डॉ. सी. सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आईएआरआई भूतपूर्व छात्र संघ की बैठक में भाग लिया।
26 जून, 2024	अध्यक्ष ने सम्मेलन भवन 1, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में बीजों पर सीईओ की राउंडटेबल बैठक में भाग लिया।
जुलाई, 2024	
04 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने ग्लोबल इंडिया शिखर सम्मेलन (सतत कृषि पर सत्र) में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
09 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने 'कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर ब्रेनस्ट्रॉमिंग: भावी दिशा" पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया जिसे ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (टीएएएस) नई दिल्ली द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) और फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) के सहयोग से एनएएससी परिसर में आयोजित किया गया।
10 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने टीएएएस, आईएआरआई, नई दिल्ली में टीएएएस के न्यासी मंडल की 66वीं बैठक में भाग लिया।
12 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने एनएएचईपी-सीएएएसटी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रमुख के रूप में भाग लिया जिसे "फसल सुधार के लिए जीनोम एडिटिंग रणनीतियां और अनुप्रयोग" पर वी.एल. चोपड़ा सभागार, भाकृअनुप-एन.आई.पी.बी. में आयोजित किया गया।

12 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने संरक्षित परिस्थितियों में लेमन ग्रास, एलेंथस, डहलिया, करी पत्ता, ब्रोकोली, तुरई, मिर्च, पेपरिका और बेल पेपर पर डीयूस परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने हेतु लेखापरीक्षा कक्ष, द्वितीय तल, पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।
16 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने विभिन्न राज्यों के किसानों की किस्मों के संग्रह के लिए समिति कक्ष पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया।
18 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने मौजूदा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में संशोधन करने तथा नई फसलां की पहचान करने, (जिनके लिए डीयूएस दिशानिर्देश विकसित किए जाने की जरूरत है)के लिए समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया जिसे बोर्ड रूम, पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
19 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने समिति सभागार, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में नराकास राजभाषा बैठक की अध्यक्षता की।
23 जुलाई, 2024	अध्यक्ष ने आईएआरआई के पूर्व निदेशक डॉ एच.एस. गुप्ता की अध्यक्षता में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 24(5) के तहत अनंतिम संरक्षण के लिए प्रोटोकॉल/दिशानिर्देशों को रूपरेखा देने से संबंधित बैठकमें भाग लिया जिसे बोर्ड रूम, प्लांट अथॉरिटी बिल्डिंग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
अगस्त, 2024	
03 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने एनएसएससी परिसर, नई दिल्ली में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में भाग लिया।
06 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने बोर्ड कक्ष, पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में 38वीं प्राधिकरण बैठक में भाग लिया।
07 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने प्रथम भारत रत्न प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन स्मृति व्याख्यान और आई. एस. जी. पी. पुरस्कार समारोह में भाग लिया जिसेआईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
12-13 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने सीएसआईआरओ-एनबीआरआई, लखनऊ में सीएसआईआर-एनबीआरआई की 57वीं अनुसंधान परिषद की बैठक में भाग लिया।
15 अगस्त 2024	पीपीवीआरए ने पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।
16 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीआर नियम के नियम 13 में संशोधन पर चर्चा करने के लिए पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।
21 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु मेंआयोजित भाकृअनुप-एनआरसीबी के 31वें स्थापना दिवस और किसान मेले में "मुख्य अतिथि" के रूप में भाग लिया।
23 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली मेंनियम 30 के संशोधन पर दूसरी बैठक में भाग लिया।
26 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने कृषि जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तनः भारत और मेक्सिको से अनुभवों पर एक

	विचार-विमर्शबैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
28 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि/अध्यक्ष के रूप में कार्यशाला के समारोह के साथ-साथ पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण पर जागरुकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसे ओयूएटी-केवीके पुरी, ओडिशा में आयोजित किया गया।
30-31 अगस्त, 2024	अध्यक्ष ने बीयू सबौर, भागलपुर में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम पर आयोजित तकनीकी सत्र-III में व्याख्यान का नेतृत्व किया और केवीके की वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला के पूर्ण सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
सितंबर, 2024	
04 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने डाइवर्सिफ़ार्म-इंडिया और सेमिनार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।
05 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ़ लाइफ़ साइंसेज़ में शिक्षक दिवस 2024 पर एक विशेष व्याख्यान का नेतृत्व किया।
06 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने होटल हयात, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आईआईटी के प्रवर्तन पर जागरुकता सत्र में भाग लिया।
09 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने टी.एन.ए.यू. कोयंबटूर में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के 44वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
11 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने ए.पी.शिंदे सिम्पोजियम हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में "बीज गुणवत्ता विनियमन में उभरते मुद्दे" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
19 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में एनएएएस ईसी समिति की 138वीं बैठक में भाग लिया।
20 सितंबर, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर प्राधिकरण की जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए समिति की चौथी बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
27-29 सितंबर 2024	अध्यक्ष ने एस.के.यू.ए.एस.टी. विश्वविद्यालय के अधिकारियों के विभिन्न पदों यथा निदेशक/ डीन/ पंजीयक के चयन के लिए कुलपति सचिवालय, मुख्य परिसर, शालीमार, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में साक्षात्कार लिया।
अक्टूबर, 2024	
08 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने जीएम (फसलें) पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कृषि भवन में आयोजित बैठक में भाग लिया।
08 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने कृषि पुस्तिका के 7वें संस्करण के प्रकाशन के लिए समिति की पांचवीं बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

09 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने बीज अधिनियम, 1968 के तहत अधिसूचित किस्मोंऔर कृषक किस्मों के पंजीकरण के बारे में चर्चा करने के लिए बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।
19 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने "पीपीवी एफआरए अधिनियम पर जागरुकता कार्यक्रम, फल विविधता प्रदर्शनीऔर प्रक्षेत्र दिवस" के लिए मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जिसे सीएचईएस (भाकृअनुप-आईआईएचआर) चेट्टल्ली, बेंगलुरु में आयोजित किया गया।
23-25अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने पूर्वोत्तर भारत में कृषि-जैव विविधता के प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र में एक अग्रणी व्याख्यान दिया जिसे भाकृअनुप-उत्तर पूर्व पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर, उमियम, मेघालय में आयोजित किया गया।
25 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने "सतत कृषि (ग्रेन्स) 2024 के पोषण के लिए जीनेरेटिव दिशानिर्देशों" पर अहमदाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एक सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
28 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने कृषि भवन, भुवनेश्वर, ओडिशा में कृषि और संबद्ध विषयों को खोलने के लिए एनओसी जारी करने की बैठक में भाग लिया।
28 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में श्रीमती मधुचंदा परिडा के पीएच.डी.शोधप्रबंध के लिए वाइवा वॉइस लिया।
30 अक्टूबर, 2024	अध्यक्ष ने टीएएएस के न्यासी मंडल की 67वीं बैठक में भाग लिया जिसे टीएएएस में आयोजित किया गया।
नवंबर, 2024	
07 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने ए. पी.शिंदे, एनएएससीपरिसर में कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के 52वें स्थापना दिवस में भाग लिया।
11 नवंबर, 2024	पीपीवी एफआरए ने व्याख्यान कक्ष, एनएएएस, एनएएससीपरिसर में पीपीवी एफआरए का स्थापना दिवस मनाया।
12 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने यू.एसअवस्थी इफ्को पुरस्कार 2024 की नामांकन/खोज समिति की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।
13 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने नीदरलैंड रेजिडेंस, 10, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड, नई दिल्ली में भारत-नीदरलैंड बीज सचिवालय के शुभारंभ में भाग लिया।
13 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने जर्मन रेजिडेंस, 6/50 जी शांति पथ, चाणक्यपुरी में जर्मन राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया।
19-20 नवंबर 2024	अध्यक्ष ने वैश्विक मृदा सम्मेलन 2024 के समारोह का उद्घाटन किया और 50वें डॉ.आर.वी. तम्हाने स्मृति व्याख्यान पर सत्र की अध्यक्षता की जिसेएनएएससी परिसर के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार में

	आयोजित किया गया।
21 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने "सतत पशु उत्पादन के लिए आनुवंशिक संसाधनों के दोहन में नई दृष्टि" पर पटना में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ISAGBCON-2024 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
22 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने 'प्रो. सुशील कुमार नवोन्मेष पुरस्कार 2024' (एसकेआईए-2024) के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करने के लिए ऑनलाइन चर्चा में वीसी के माध्यम से भाग लिया।
29 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने नयागढ़ जिला, ओडिशा,के दसपल्ला में सामुदायिक बीज महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
30 नवंबर, 2024	अध्यक्ष ने एनआरआरआई-कटक, ओडिशा में "धान फसल में डीयूएस परीक्षण" का दौरा किया।
दिसंबर, 2024	
03 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में पीपीवी एफआर प्राधिकरण की 39वीं बैठक में भाग लिया।
04 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने मौजूदा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश को संशोधित करने और नई फसलों (जिसके लिए डॉ. मंगला राय, पूर्व सचिव (डेयर) और महानिदेशक (भाकृअनुप) की अध्यक्षता में डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने की आवश्यकता है) की पहचान करने के लिए समिति की तीसरी बैठक में भाग लियाजिसे पौधा प्राधिकरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
05 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने फिक्की, फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में फिक्की के विश्व मृदा दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
11 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला ऑडिटोरियम, पूसा परिसर, नई दिल्ली में दूसरी राष्ट्रीय आनुवंशिकी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह और पूर्ण व्याख्यान सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया।
16 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने आई.आई.आर.आर. स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और डॉ. एस.वी.एस. शास्त्री स्मृति व्याख्यान दिया जिसे हैदराबाद में आयोजित किया गया।
17 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने डिजिटल कृषिः भारतीय कृषि को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया जिसेए.पी. शिंदे सिम्पोजियम हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया।
17 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर प्राधिकरण की जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए डॉ. पी. एल. गौतम, कुलाधिपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयकी अध्यक्षता में समिति की बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया गया।
18 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने पी.ए.आर.वी. (किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने हेतु पोर्टल) की प्रगति के बारे में चर्चा करने और भावी कार्रवाई को रूपरेखा देने के लिए एन.आई.सी. के साथ बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया गया।

19 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी परिसर में एनएएएस की 139वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में भाग लिया।
20 दिसंबर 2024	अध्यक्ष ने एनएएससी परिसर के एनएएएस सभागार में टीएएएस पुरस्कार समारोह में भाग लिया।
20 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 30 में संशोधन से संबंधित मुद्दों पर दृष्टिपात करने के लिएडॉ. पी. एल. गौतम, कुलाधिपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयकी अध्यक्षता में समिति की पहली बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया गया।
24 दिसंबर, 2024	अध्यक्ष ने "जलवायु अनुकूल कृषि के लिए पारंपरिक किस्मों के माध्यम से वर्षा सिंचित क्षेत्रों में कृषि-जैव विविधता" को प्रदर्शित करने वाले बहु-हितधारक सम्मेलन की बैठक में भाग लिया जिसे सी. सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी परिसर में आयोजित किया गया।
जनवरी, 2025	
08 जनवरी, 2025	अध्यक्ष ने वर्धितफसल उत्पादन के लिए हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान का नेतृत्व किया जिसे एपी शिंदे सिम्पोजियम हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया।
10 जनवरी, 2025	अध्यक्ष ने दीर्घकालिक ग्रह के लिए भावी खाद्य के रूप में श्री अन्नों (मिलेट) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया जिसे ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।
23 जनवरी, 2025	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-एनआरसी याक के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया जिसे भाकृअनुप-एनआरसी अरुणाचल प्रदेश मे आयोजित किया गया।
27 जनवरी, 2025	अध्यक्षने कृषि हस्त-पुस्तिका से संबंधित बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया गया।
28 जनवरी 2025	अध्यक्ष ने 'बागवानी फसल सुधार के लिए डिजिटल नवोन्मेष' के उदघाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, जिसे आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
फरवरी, 2025	
03 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने एम.एस.स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन का दौरा किया और पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण एवं परिरक्षण पर साझेदारी बनाने के बारे में चर्चा की जिसे तारामणि, चेन्नई में आयोजित किया गया।
08 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने 'डॉ. जानकी अम्मल की जीवनी' पर आयोजित संगोष्ठि में पूर्णकालीन वार्ता की प्रस्तुति की जिसे वनस्पति विज्ञान विभाग, एस.पी.पी.यू.,पुणे में आयोजित किया गया।
11 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने 'अगली पीढ़ी नाशीजीव प्रतिरोधी कपास' पर दूसरे चरण की परियोजना की मिशन मोड में बैठक

	में भाग लिया जिसे सीएसआईआर मुख्यालय, अनुसंधान भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
14 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने सलाहकार समिति की पहली डिजिटल बैठक में वीसी के माध्यम से भाग लिया।
18 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने ओयूएटी किसान मेलाः 2025 के उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया जिसे डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन हॉल, ओयूएटी, भुवनेश्वमें आयोजित किया गया।
20 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने सलाहकार समिति के राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार में वीसी मोड के माध्यम से भाग लिया।
20-22 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन में पूर्ण व्याख्यान दिया जिसे जी.बी.पी.यू.ए. एंड टी, पंतनगर में आयोजित किया गया।
24 फरवरी, 2025	अध्यक्ष ने भारतीय बीज सम्मेलन-2025 के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की जिसे होटल अंदाज़, एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
28 फरवरी 2025	अध्यक्ष ने हैदराबाद में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में पीपीवीएफआरए जागरुकता कार्यशाला में भाग लिया।
मार्च, 2025	
1-4 मार्च 2025	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-एनआरसी, आर्किड्स, पाक्योंग, सिक्किम में आयोजित भारतीय आर्किड महोत्सव 2025 में भाग लिया।
05 मार्च 2025	अध्यक्ष ने शुष्क भूमि क्षेत्रों में सतत खाद्य प्रसंस्करण के लिए विस्तार रणनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया जिसे रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में आयोजित किया गया।
11 मार्च 2025	अध्यक्ष ने विशेषज्ञ समिति की बैठक और ड्रीम्स विश्वविद्यालय में अनुपालन परवीसी के माध्यम से भाग लिया।
17 मार्च, 2025	अध्यक्ष ने पीपीवी एफआर अधिनियम, 2001 और पीपीवी एफआर नियम, 2003 में उपयुक्त संशोधन का सुझाव देने के लिए पद्मभूषण डॉ. आर. एस. परोदा, पूर्व सचिव (डेयर)एवंमहानिदेशक (भाकृअनुप); और हरियाणा किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष की अध्यक्षता में समिति की पहली बैठक में भाग लिया जिसेपौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया।
18 मार्च, 2025	अध्यक्ष ने द वेस्टिन गुड़गांव, नई दिल्ली में पादप और पशुपालन सम्मेलन में भाग लिया।
18 मार्च 2025	अध्यक्ष ने पीपीवी एफआर नियम, 2003 के नियम 30 में संशोधन से संबंधित मुद्दों पर दृष्टिपात करने के लिए डॉ. पी. एल. गौतम, कुलपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में समिति की पहली बैठक में भाग लिया जिसे पौधा प्राधिकरण भवन में आयोजित किया गया।
20 मार्च 2025	अध्यक्ष ने भारत को जैविक, प्राकृतिक और लाभदायक बनाने पर एम.ई..एन.पी. संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में

	मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया जिसे एन.ए.एस.सी. परिसर में आयोजित किया गया।
21 मार्च 2025	अध्यक्ष ने आईआईटी के प्रवर्तन पर जागरुकता सत्र में भाग लिया जिसे होटल प्राइड, शिवाजीनगर, पुणे में आयोजित किया गया।
28 मार्च 2025	अध्यक्ष ने सीएसआईआर-एनबीआरआई की अनुसंधान परिषद की 58वीं बैठक में भाग लिया जिसे सीएसआईआर-एनबीआरआई लखनऊ में आयोजित किया गया।

8.13. वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न बैठकों में महापंजीयक की सहभागिता

माह	विवरण
मई, 2024	
02 मई, 2024	अध्यक्ष के रूप में "2023-24 के दौरान क्यूएसपी एवं एसटीआर के तहत उपलब्धियों का केंद्र-वार प्रस्तुतीकरण" सत्र III और 27वीं वार्षिक प्रजनक बीज समीक्षा बैठक तथाबीज पर एआईसीआरपी (फसलें) की 39वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया जिसका आयोजनयूएएस, बेंगलुरु में किया गया।
06 मई, 2024	पादप किस्मों के संरक्षण में पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की भूमिका पर अतिथि के रूप में भाग लिया और विभिन्न संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों, अटारी केंद्रों के किसानों एवं खेतिहर समुदायों के मध्य एक वार्ता की प्रस्तुति की।
जून, 2024	
09जून, 2024	पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम और मालदा, पश्चिम बंगाल में आम विविधता प्रदर्शनी में भाग लिया।
जुलाई, 2024	
21जुलाई, 2024	पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीपीवी और एफआरए) पर छत्तीसगढ़ में आयोजित एक दिवसीय जागरुकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
अगस्त, 2024	
02अगस्त, 2024 एवं 03अगस्त, 2024	भाकृअनुप-आईआईएसएस, मऊ की 2 अगस्त, 2024 को आईआरसी बैठक में संसाधन व्यक्ति के रूप में और भाकृअनुप-आईआईएसएस, मऊ, उत्तर प्रदेश में पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001 पर 3 अगस्त, 2024 को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अतिथि व्याख्यान के लिए भाग लिया।

27अगस्त, 2024 एवं 28अगस्त, 2024	कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 27 अगस्त, 2024 को वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के साथ-साथ 28 अगस्त, 2024 को भाकृअनुप-एटीए आरआई, कोलकाता के तहत पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण पर जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया जिसे ओयूएटी-केवीके पुरी, ओडिशा में आयोजित किया गया।
31अगस्त, 2024	31 अगस्त, 2024 को सबौर द्वारा आयोजित जोन-IV के केवीके की वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में भाग लिया
सितंबर, 2024	
06सितंबर, .2024	क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पीवीपी कार्यान्वयन का विहंगावलोकन-चुनौतियां और अवसर जागरुकता सत्र (बीजों में आईपीआर का प्रवर्तन) मेंभाग लिया जिसे 6 सितंबर 2024 को हयात प्लेस, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आयोजित किया गया।
27सितंबर, .2024	ईटानगर में 27.09.2024 को किसान जागरुकता कार्यक्रम, केवीके, अटारी में भाग लिया।
अक्टूबर, 2024	
03अक्टूबर, .2024	पौधा किस्म संरक्षण पर जन जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया जिसे जेएनकेवीवी, जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया।
24अक्टूबर, .2024 एवं 25अक्टूबर, .2024	पूर्वोत्तर भारत में जैवविविधता से जैव-संपदा में कृषि जैव विविधता के प्रबंध पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि जैव विविधताके संरक्षण एवं उपयोग (एनसीएमएएन) में पीपीवी और एफआरए की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया, जिसे 23-25 अक्टूबर, 2024 को भाकृअनुप उत्तर पूर्व पर्वतीय अनुसंधान परिसर, उमियम, मेघालय में आयोजित किया गया।
नवंबर, 2024	
06नवंबर, 2024	भाकृअनुप-आईआईएसआर इंदौर के खेतिहर आईटीएमयू के मध्य जागरुकता फैलाने के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार अधिनियम के संरक्षण प्रावधनों पर जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया।
जनवरी, 2025	
21जनवरी, 2025 एवं 22जनवरी, 2025	"पूर्वी और पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र में बीज श्रृंखला प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलनः चुनौतियां और अवसर" में स्थानिक किस्मों, विरासत बीजोंकी महत्ता, किसानों का सशक्तिकरण और पीपीवीएफआरए की भूमिका पर सीएचईएस, भाकृअनुप-आईआईएचआर भुवनेश्वर में 21 से 22 जनवरी, 2025 को आयोजित एक सत्र में भाग लिया तथा कॉर्नेल बीज पाठ्यक्रम में भारत और एशियाई क्षेत्र के बीज उद्योग के प्रमुखों के लिए22 जनवरी, 2024 को कॉर्नेल विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एक व्याख्यान दिया।

फरवरी, 2025	
28फरवरी, 2025	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोन-X के लिए28 फरवरी, 2025 को क्रीडा परिसर, संतोषनगर, हैदराबाद में आयोजित प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यशाला में भाग लिया।
मार्च, 2025	
03मार्च, 2025	भाकृअनुप-राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केंद्र, पाक्योंग, सिक्किम में 03.03.2025 को भारतीय ऑर्किड महोत्सव 2025 में भाग लिया।
03मार्च, 2025	भाकृअनुप-राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केंद्र, पाक्योंग, सिक्किम के लिए आर्किड हेतु डीयूएस दिशानिर्देशों पर चर्चा करने के लिए भाकृअनुप-एनआरसी में 03.03.2025 को टास्क फोर्स की बैठक में भाग लिया।
21मार्च, 2025	बीजों में आईपीआर के प्रवर्तन पर जागरुकता सत्र के लिए पीपीवीएफआरए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बीज उद्योग के सहयोग से सुग्राहीकरण कार्यशाला में भाग लिया जिसे होटल प्राइड, शिवाजीनगर, पुणे में 21 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।
21मार्च, 2025	भारतीय पुष्पकृषि अनुसंधानसंस्थान, पुणे में रॉयल्टी भुगतान और पीबीआर के संबंध में निष्कर्ष अध्ययन पर हितधारकों के परामर्श में भाग लिया जिसे केएफ बायोप्लांट, पुणे में 21 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

अध्याय 9 : 31.03.2025 को प्राधिकरण के वित्तीय विवरण

वित्तीय विवरण सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए अनिवार्य रूप से लागू लेखा मानको (एएस) तथा महा-लेखानियंत्रक (सीजीए) द्वारा निर्धारित केन्द्रीय स्वायत्तशासी निकायो के लिए प्रस्तुतीकरण संबंधी अपेक्षाओ, के अनुसार ऐतिहासिक लागत अवधारणा के अंतर्गत तैयार किए गए है। प्राधिकरण, जब तक अन्यथा न कहा जाए, व्यय तथा आय की सभी मदो के संदर्भ मे लेखाकरण की अर्जन प्रणाली को अपनाता है। दिनांक 31 मार्च 2025 को तुलन-पत्र तथा 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति व भुगतान खाता दिये जा रहे है।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 की धारा 62 (2) के अनुपालन मे प्राधिकरण ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) को लेखे प्रस्तुत किए है। लेखापरीक्षित लेखे, लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा प्रबंधन के उत्तर के साथ अलग से मंत्रालय को भेजे जाएंगे, ताकि उन्हे संसद के दोनों सदनो मे प्रस्तुत किया जा सके। प्राधिकरण को वर्ष 2024-25 के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से 3,713.02 लाख रुपये की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई थी तथा 4,002.65 लाख रुपये के व्यय हुए, पिछले वर्ष के अप्रयुक्त शेष 786.98 लाख रुपयो (मन्त्राल्य से पुनर्वैधीकरण प्राप्त) को जोड़कर 497.35 लाख रुपये की राशि शेष रहती है।

31 मार्च 2025 को तुलन पत्र

		राशि (रुपये में)
कोष/पूंजी निधि तथा देयताएं	**31 मार्च 2025 को**	**31 मार्च 2024 को**
कोष/पूंजी निधि	**2,41,22,80,989**	2,27,40,05,801
संचय और अधिशेष	-	-
चिन्हित/स्थायी निधि	-	-
सुरक्षित ऋण तथा उधारियां	-	-
असुरक्षित ऋण तथा उधारियां	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	**25,40,52,053**	29,05,28,167
कुल	**2,66,63,33,042**	**2,56,45,33,968**
परिसम्पत्तियां		
अचल परिसम्पत्तियां	**1,43,26,62,515**	3,30,84,308
घटाएं: संचयित मूल्यह्रास	**16,67,11,973**	2,68,78,538
निवल स्थायी परिसम्पत्तियां	**1,26,59,50,542**	62,05,770
पूंजीगत चालू कार्य	**52,00,133**	1,25,23,85,787
निवेश - चिन्हित/ स्थायी निधियों से	-	-
निवेश - अन्य	**17,47,96,372**	89,68,00,219
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम आदि	**1,22,03,85,995**	40,91,42,192
विभिन्न व्यय	-	-

(जिस सीमा तक अपलिखित न किया गया हो या समायोजित न किया गया हो)		
कुल	**2,66,63,33,042**	**2,56,45,33,968**

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

				राशि (रुपये में)
	प्राधिकरण निधि		**जीन निधि**	
आय	**31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**
बिक्री/सेवाओं से हुई आय	-	-	-	-
अनुदान/अनुवर्ती	**28,21,92,313**	28,35,88,133	**3,00,00,000**	3,00,00,000
शुल्क/चंदा	**2,57,56,551**	3,42,45,963	**1,10,71,312**	2,90,88,901
निवेशों से हुई आय	**2,00,42,220**	3,16,18,539	**1,87,06,228**	2,67,72,348
रायल्टी, प्रकाशनों आदि से हुई आय	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	**2,54,30,001**	29,19,752	**1,38,68,585**	16,439
अन्य आय	**2,06,77,518**	1,64,50,086	**73,67,669**	34,96,515
तैयार माल और चालू कार्य के स्टाक में वृद्धि (गिरावट)	-	-	-	-
पूर्व समय समायोजन लेखा	**3,60,531**	3,17,61,609	-	3,03,24,266
कुल (क)	**37,44,59,134**	**40,05,84,082**	**8,10,13,794**	**11,96,98,469**
व्यय				
स्थापना व्यय	**3,78,46,666**	3,81,48,313	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**9,59,53,095**	7,98,21,388	**9,55,980**	1,14,57,857
अनुदान/अनुवर्ती आदि पर हुआ व्यय	**15,51,14,553**	16,20,62,738	-	-
ब्याज	**42,31,131**	13,86,761	-	-
मूल्यह्रास/परिशोधन मूल्य हानि सहित	**14,01,63,389**	20,59,643	-	-
पूर्व समय समायोजन लेखा	**10,06,043**	2,91,87,931	-	67,970
कुल (ख)	**43,43,14,877**	**31,26,66,774**	**9,55,980**	**1,15,25,827**
शेष आय का व्यय पर आधिक्य (क-ख)	**(5,98,55,743)**	**8,79,17,308**	**8,00,57,814**	**10,81,72,642**

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान					
					राशि (रुपये में)
प्राप्तियां	**31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**भुगतान**	**31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**
1- प्रारंभिक शेष			1. व्यय		
क) अग्रदाय (रोकड़ शेष)			क) स्थापना व्यय	**2,63,44,043**	2,31,85,025
शिवमोगा शाखा	**957**	-	ख) प्रशासनिक व्यय (प्रोजेक्ट सहित)	**6,57,35,657**	8,19,18,851
पालमपुर शाखा	**1,066**	11,842			
रांची शाखा	**2,514**	673			
गुवाहाटी शाखा	**1,458**	1,458	2. निधियों के विरुद्ध किया गया भुगतान		
			क) विद्यमान डीयूएस केन्द्र	**8,11,03,974**	8,77,57,642
			ख) नया डीयूएस केन्द्र	**1,40,30,990**	2,96,64,902
ख) बैंक शेष			ग) फील्ड जीन बैंक	**31,40,320**	28,94,858
I चालू खाते में					
भारतीय स्टेट बैंक	**29,69,417**	11,62,153	3- अचल सम्पत्तियों व चालू पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**2,44,434**	2,09,95,351	क) स्थायी परिसम्पत्ति की खरीद (प्राधिकरण)	**48,17,411**	14,50,227
भारतीय स्टेट बैंक पालमपुर शाखा	**2,256**	16,758	ख) चालू पूंजीगत कार्य	-	-
II जमा खातों में			4. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को भवन निर्माण के लिए दिए गए अग्रिम	**11,84,47,531**	2,09,85,093
भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**10,50,00,000**	7,50,00,000	सॉफ्टवेयर - आईएएसआरआई	-	2,55,543

केनरा बैंक (जीन निधि)	**21,25,32,883**	15,93,43,786			
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (जीन निधि)	**12,57,14,917**	12,12,31,037	5- प्रशिक्षण केन्द्रों को जारी अनुदान	**2,02,61,138**	33,75,003
केनरा बैंक (प्राधिकरण)	**37,39,82,973**	25,39,56,570			
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्राधिकरण)	**10,95,69,446**	16,71,04,312	6- बाहरी विभागों को अग्रिम	**2,31,29,789**	44,93,697
			7. ब्याज का भुगतान भारत की संचित निधि	**16,45,103**	11,78,608
III बचत खातों में					
केनरा बैंक	**8,13,69,856**	3,68,25,577	8.जीन निधि में योगदान	**3,00,00,000**	3,00,00,000
भारतीय स्टेट बैंक गुवाहाटी शाखा	**1,46,289**	1,42,396			
भारतीय स्टेट बैंक रांची शाखा	**27,923**	1,28,540	9. शुल्क की वापसी/अंशदान/अन्य आय		
केनरा बैंक शिवमोगा शाखा	**3,64,985**	5,16,526	आवेदन/पंजीकरण/ डीयूएस/ वार्षिक नवीनीकरण /पीवी शुल्क की वापसी	**32,000**	1,20,200
बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पुणे शाखा	**1,47,392**	1,40,540			
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	**1,87,18,686**	14,14,411	10.आईटीपीजीआरएफए को योगदान	-	1,06,72,684
आईसीआईसीआई बैंक	**35,707**	-			
2. भारत सरकार ने प्राप्त अनुदान	**37,13,02,000**	38,52,03,851	11. अन्य पूर्वावधि समायोजन खाता	**2,58,000**	2,39,27,935
3. बैंक से प्राप्त ब्याज (अर्जित ब्याज सहित)	**8,10,96,960**	3,47,17,640	12. पीपीवी एफआरए के कर्मचारियों को अग्रिम	**4,06,884**	10,46,797
4. क) विद्यमान डीयूएस केन्द्र से अनुदान की वापसी	**1,47,851**	16,47,746	13. सुरक्षा जमा की वापसी	-	60,000

5. प्रशिक्षण केन्द्रों से अनुदान की वापसी	**15,14,558**	3,32,309	14. भुगतान की गई वैधानिक देयताएं	**1,52,01,498**	1,23,52,807
6. डीयूएस दिशानिर्देशों के विकास के लिए अनुदान की वापसी (नया डीयूएस केन्द्र)	-	1,05,485	**15- अन्य प्रेषण**	**1,42,668**	1,06,276
7. कर्मचारियों से अग्रिम की वापसी	**1,09,930**	3,05,708	16. अंत शेष		
			क) अग्रदाय (रोकड़ शेष)		
8. शुल्क/अंशदान/अन्य आय			शिवमोगा शाखा	-	957
आवेदन/पंजीकरण शुल्क	**1,30,13,600**	90,79,000	पालमपुर शाखा	-	1,066
पीवी अंशदान शुल्क	**2,34,500**	26,25,500	रांची शाखा	**5,288**	2,514
वार्षिक शुल्क (बीजों की बिक्री से प्राप्त हिस्से सहित) - जीन निधि	**1,09,67,147**	2,25,08,869	गुवाहाटी शाखा	**3,965**	1,458
डीयूएस परीक्षण शुल्क	**83,30,900**	83,54,150			
अन्य आय (पूर्वावधि सहित)	**2,42,27,456**	1,99,29,631	ख) बैंक शेष		
वार्षिक नवीकरण शुल्क	**39,58,000**	91,23,313	I चालू खाते में		
पुराने समाचार-पत्रों, स्क्रैप की बिक्री	-	630	भारतीय स्टेट बैंक	**58,60,025**	29,69,417
			भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**7,19,386**	2,44,434
9.प्राधिकरण निधि से योगदान	**3,00,00,000**	3,00,00,000	भारतीय स्टेट बैंक पालमपुर शाखा	**55,804**	2,256
10. टाटा पावर से वापसी	**6,18,095**	15,24,729	II जमा खातों में		
			भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**7,50,00,000**	10,50,00,000
11- आयकर विभाग से वापसी (ब्याज सहित)	-	21,08,320	केनरा बैंक (जीन निधि)	**40,30,85,821**	21,25,32,883
			यूनियन बैंक ऑफ इंडिया -जीन निधि	**3,82,43,585**	12,57,14,917

12- जीपीएफ से अधिशेष	-	7,20,496	केनरा बैंक (प्राधिकरण)	**56,42,53,462**	37,39,82,973
			यूनियन बैंक ऑफ इंडिया - प्राधिकरण	**1,86,52,322**	10,95,69,446
			III बचत खातों में		
			केनरा बैंक	**6,47,96,014**	8,13,69,856
			भारतीय स्टेट बैंक गुवाहाटी शाखा	**1,24,262**	1,46,289
			भारतीय स्टेट बैंक रांची शाखा	**13,748**	27,923
			केनरा बैंक शिवमोगा शाखा	**1,35,629**	3,64,985
			बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पुणे शाखा	**1,51,488**	1,47,392
			आईसीआईसीआई बैंक	**45,576**	35,707
			यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	**4,07,941**	1,87,18,686
			एचडीएफसी बैंक	**1,02,834**	-
कुल	**1,57,63,54,156**	**1,36,62,79,307**	**कुल**	**1,57,63,54,156**	**1,36,62,79,307**

अध्याय 10 : नागरिक आचार संहिता (सिटिजन चार्टर)

10.1 प्राधिकरण का लक्ष्य:

पौधा किस्मों, कृषकों के अधिकारों तथा पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करने और पौधों की नवीन किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली को सुनिश्चित करना।

10.2 प्राधिकरण के उद्देश्य

- पौधा किस्मों एवं कृषकों, पादप प्रजनकों व अनुसंधानकर्मियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी प्रणाली प्रदान करना;
- अनुसंधान एवं विकास में निवेश को बढ़ावा देने और नवीन किस्मों के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करना;
- नवीन पौधा किस्मों का विकास करने में पादप आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण करने, उसमें सुधार करने तथा उसे उपलब्ध कराने में किसानों द्वारा किए गए योगदान को मान्यता प्रदान करना;
- किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और रोपण सामग्री का उत्पादन व उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए बीज उद्योग की प्रगति हेतु सुविधा प्रदान करना ।

10.3 प्राधिकरण के कार्य:

- पौधों की नवीन किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करना और किसानों व पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करना;
- बारहमासी फसलों के लिए खेत जीन बैंकों और परम्परागत बीजों के लिए राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना;
- पौधों की नवीन एवं प्रचलित अथवा विद्यमान किस्मों का पंजीकरण;
- पंजीकृत पौधा किस्मों के प्रलेखन का विकास करना;
- कृषक किस्मों का दस्तावेजीकरण, सूचीकरण एवं सूची पत्र तैयार करना;
- पौधों की सभी किस्मों के लिए अनिवार्य सूचीपत्र की सुविधा प्रदान करना;
- यह सुनिश्चित करना कि अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध हों और यदि आवश्यकता हो तो अनिवार्य लाइसेंस उपलब्ध कराना;
- पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर का रखरखाव सुनिश्चित करना;
- पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण एवं टिकाऊ उपयोग को सहायता देने और इस प्रकार का संरक्षण करने के लिए पंचायतों की क्षमता निर्माण व टिकाऊ उपयोग और लाभ में भागीदारी से संबंधित स्कीमों के व्यय के साथ साथ हितधारकों को क्षतिपूर्ति के लिए दी जाने वाली राशि पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए जीन निधि का उपयोग करना। पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण)PPV & FRAके हितधारक केन्द्र (सरकार, राज्य सरकार, संघ शासित क्षेत्र, कृषि विश्वविद्यालयों सहित अनुसंधान संगठन, बीज उद्योग, स्वयं सेवी संगठन और इन सबसे बढ़कर आदिवासी कृषक समुदायों सहित सभी कृषक हैं।

10.4 प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गईं सेवाएं:

- पौधा किस्म पंजीकरण के रूप में किसानों, अनुसंधानकर्मियों अथवा पादप प्रजनकों द्वारा विकसित पौधा किस्मों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार की सुरक्षा प्रदान करना;
- पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर का रखरखाव करना जिसमें पौधा किस्मों एवं संबंधित प्रजनक के अधिकारों का दस्तावेजीकरण हो।
- यदि कोई पंजीकृत किस्म उस प्रकार का निष्पादन अथवा प्रदर्शन नहीं कर पाती है जिसका दावा प्रजनकों द्वारा किया गया है तब किसानों को क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराना;
- पादप आनुवंशिक संसाधनों के योगदानकृषकों को लाभ में भागीदारी की सुविधा /साझेदारी के लिए समुदायों/ उपलब्ध कराना;
- पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण)PPV & FRअधिनियम (, 2001 को लागू करने की दिशा में पौधा प्रजनकों व किसानों के अधिकारों हेतु जागरूकता का सृजन करना एवं क्षमता निर्माण करना;
- हितधारकों के लिए पौधा किस्मों का डाटाबेस तैयार करना;
- आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, सुधार और परिरक्षण में संलग्न किसानों, कृषक समुदायों विशेषकर आदिवासी एवं ग्रामीण समुदायों को सहायता प्रदान करना तथा पुरस्कृत करना ।

10.5 शिकायतों के निपटान हेतु क्रिया विधि:

सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में महा-पंजीकार, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण को पदनामित किया गया है और उनसे निम्न पते पर सम्पर्क किया जा सकता है :

डॉ. डी.के. अग्रवाल,
महा-पंजीकार
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी
पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
प्लांट अथॉरिटी भवन एनएएससी परिसर, डीपीएस मार्ग, टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली-110012
फोन : 011-25843632, फैक्स : 011-25840478
ई-मेल : rg-ppvfra@nic.in; www.plantauthority.gov.in

उप रजिस्ट्रार, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण को सूचना का आधिकार मामलों का समाधान करने के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी के रूप में पदनामित किया गया है और उनसे निम्न पते पर सम्पर्क किया जा सकता है :

श्री उमा कांत दुबे
उप रजिस्ट्रार
केन्द्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी
पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
प्लांट अथॉरिटी भवन एनएएससी परिसर, डीपीएस मार्ग, टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली-110012
फोन : 011-25843853, फैक्स : 011-25840478
ई-मेल : uk.dubey@gov.in; www.plantauthority.gov.in

अनुबंध I : पीपीवीएफआर प्राधिकरण के सदस्य (31 मार्च 2025 तक)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता
1.	डॉ. पी. के. सिंह	कृषि आयुक्त	कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
2.	डॉ. डी.के. यादव	उप महानिदेशक (फसल विज्ञान)	फसल विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
3.	श्री अजीत कुमार साहू	संयुक्त सचिव (बीज)	कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
4.	डॉ. प्रभात कुमार	बागवानी आयुक्त	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
5.	डॉ. जी. पी. सिंह	निदेशक	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, पूसा, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली-110012
6.	डॉ. संजय मिश्रा	वरिष्ठ सलाहकार	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 7वीं मंजिल, ब्लॉक-2, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
7.	श्री रघु कुमार कोडाली	वैज्ञानिक 'जी'	सीएस-III (जैव विविधता) प्रभाग, एमओईएफसीसी, नई दिल्ली 110003
8.	श्री माधव चरण प्रुस्ती	वरिष्ठ सरकारी अधिवक्ता	विधि कार्य विभाग, 422-ए, चतुर्थ तल, ए-विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001।
9.	(30.09.2023 से रिक्त)		
10.	(30.09.2023 से रिक्त)		

11.	(30.09.2023 से रिक्त)		
12.	(17.08.2023 से रिक्त)		
13.	(30.09.2023 से रिक्त)		
14.	(17.08.2023 से रिक्त)		
15.	(17.08.2023 से रिक्त)		

अनुबंध II : पीपीवीएफआर प्राधिकरण के मानव संसाधनों का विवरण, 31 मार्च 2025 तक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतनमान स्तर
1.	डॉ. टी. महापात्र	अध्यक्ष	स्तर 17 (रु. 225000/-)
2.	डॉ. दिनेश के. अग्रवाल	महा पंजीयक	स्तर 15 (रु. 144200-218200/-)
3.	**रिक्त (01.08.2022 से)**	पंजीयक	स्तर 13 (रु. 123100-215900)
4.	**रिक्त (12.08.2022 से)**	पंजीयक	
5.	**रिक्त (05.12.2018 से)**	पंजीयक	
6.	श्री विपीन त्यागी	वित्तीय सलाहकार	
7.	श्री डी. आर. चौधरी	संयुक्त पंजीयक	स्तर 12 (रु. 78800-209200)
8.	**रिक्त (11.11.2017)**	संयुक्त पंजीयक	
9.	श्री डी. एस. राज गणेश	विधिक सलाहकार	स्तर 11 (रु. 67700-208700)
10.	श्री यू. के. दुबे	उप पंजीयक	
11.	**रिक्त ()**	उप पंजीयक	
12.	श्री अरुण कुमार	विधिक सलाहकार	
13.	डॉ. ए. के. सिंह	पीवीई	स्तर 7 (रु. 44900-142400)
14.	डॉ. डी. एस. पिलानिया	तकनीकी सहायक	स्तर 6 (रु. 35400-112400)
15.	श्री अरविन्द कुमार राय	कंप्यूटर सहायक	
16.	श्री संजय कुमार गुप्ता	कंप्यूटर सहायक	
17.	श्रीमती शिप्रा माथुर	कंप्यूटर सहायक	
18.	श्री नितेश कुमार वर्मा	कंप्यूटर सहायक	
19.	श्री श्याम नारायण प्रसाद	कंप्यूटर सहायक	

अनुबंध III : 2024-25 के दौरान नए डीयूएस केंद्रों/परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण

क्र.सं.	डीयूएस केन्द्र का नाम	फसल	2024 -25 के दौरान जारी राशि (रुपये में)
1	आईआईएचआर, भा.कृ.अ.प.-इकाई, बंगलुरू	पपीता और शरीफा	3,43,419
2	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	गुलनार (कार्नेशन)	4,72,266
3	टीएनएयू, कोयम्बटूर	पपीता और शरीफा	3,61,750
4	यूएचएस, बागलकोट	सहजन	2,34,767
5	टीएनएयू, कोयम्बत्तूर	नीम, करंज और रतनजोत	2,38,315
6	डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	विलो (सैलिक्स जाति)	3,93,044
7	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	अजवाइन,सोया, कलौंजी, अजमोद और सौंफ	5,29,767
8	आईएफजीटीबी, कोयम्बटूर	एलिएंथस	1,91,000
9	आईआईएचआर, भा.कृ.अ.प.-इकाई, बंगलुरू	जरबेरा	2,12,046
10	यूएएस, धारवाड़	लोबिया	9,13,681
11	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	सीबकथॉर्म	3,71,151
12	आईएआरआई, नई दिल्ली	मूली और गाजर	3,00,000
13	यूएएस, जीकेवीके, बंगलुरू	कटहल	4,97,545
14	आईएआरआई, नई दिल्ली	हरी फूलगोभी	2,48,629
15	बीएसकेकेवी, दापोली, महाराष्ट्र	कोकम	4,47,028
16	एसकेएयूएसटी-के, श्रीनगर (केसर)	केसर	2,83,506
17	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन (क्षेत्रीय केन्द्र, सिमौर)	डहेलिया	9,22,760
18	यूएएचएस, शिवमोगा	एंथूरियम	7,11,637
19	एसकेयूएएसटी, श्रीनगर	काला जीरा	2,35,914
20	टीएनएयू, कोयम्बटूर	उड़द	7,93,948

21	आईएआरआई, नई दिल्ली	नेनुआ	1,41,066
22	आईआईवीआर, वाराणसी	नेनुआ	7,71,000
23	आईएआरआई, नई दिल्ली	काहू	1,05,180
24	एनबीपीजीआर, रीजनल स्टेशन शिमला	दाना चौलाई और कुट्टू	4,75,651
25	दआईआईएचआर, बंगलुरू	मीठा नीम/करी पेड़	2,30,821
26	राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर	अमरूद और लीची	3,71,094
27	यूएएस, जीकेवीके, बंगलुरू	मिर्चऔर शिमला मिर्च	1,86,049
28	आईआईएचआर, बंगलुरू	ड्रैगन फल	13,61,556
29	ड्रैगसीआईएएच (केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-इकाई, बीकानेर	महुआ	1,50,000
30	सीआईटीएच, श्रीनगर	जैतून	7,29,000
31	आरआरआईआई, रबर बोर्ड, कोट्टायम	रबर	8,07,400
कुल			**1,40,30,990**

अनुबंध IV : वर्ष 2024 -25 के दौरान वर्तमान डीयूएस केन्द्रो / परियोजनाओ को जारी की गई राशियो को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	डीयूएस केन्द्र का नाम	फसल	2024 -25 के दौरान जारी राशि (रुपये में)
1	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	रजनीगंधा एवं गुलनार	3,24,466
2	बीसीकेवी (बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय), कल्याणी	परवल	6,58,256
3	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	चमेली	3,84,319
4	सीआईटीएच (केन्द्रीय उष्ण बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, श्रीनगर	आड़ू, आलूबुखारा, सेब, बादाम, नाशपाती, खुबानी व अखरोट	9,66,322
5	सीआईएसएच (केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट,लखनऊ	आम	15,71,595
6	आरएआरआई, दुर्गापुर, जयपुर	जौ	6,62,469
7	डीएफआर (पुष्पविज्ञान संभाग), भा.कृ.अ.प पुणे	रजनीगंधा	7,38,893
8	आईएआरआई, पुष्पविज्ञान संभाग, नई दिल्ली	बोगनवीलिया	3,35,004
9	एमपीकेवी (महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय), राहुड़ी (पुणे केन्द्र)	चाइना ऐस्टर	2,26,605
10	जेएनकेवीवी, जबलपुर	मटर, अलसी एवं मसूर	14,56,398
11	सीआईएमएपी (केन्द्रीय औषधीय एवं संगरोध पादप संस्थान), लखनऊ	औषधीय पौधे	2,36,239
12	सीआईएएच (केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, बीकानेर	बेर	4,27,413
13	आईएआरआई, सब्जी विज्ञान संभाग, नई दिल्ली	लौकी, करेला, कद्दू व खीरा	7,44,224
14	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	आम	3,78,458
15	एनआरसी, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, त्रिची	केला	4,25,236
16	टीआरए, टोकलाई	चाय	4,52,568
17	सीएआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, पोर्ट	नोनी	3,36,021

	ब्लेयर		
18	टीएनएयू, कोयम्बतूर	गौण अनाज	5,17,347
19	टीएनएयू, कोयम्बतूर	चमेली	3,75,025
20	डीजीआर (मूंगफली अनुसंधान निदेशालय), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, जूनागढ़	मूंगफली	2,53,254
21	जेएनकेवीवी, जबलपुर	तिल और रामतिल	2,75,155
22	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	तरबूजा और खरबूजा	6,59,460
23	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	पॉपलर जननद्रव्य	3,96,350
24	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	चौलाई, पालक एवं नसदार तोरी	7,99,736
25	एनआरसीएसएस (राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, अजमेर	बीज मसाले	1,79,795
26	एएयू (असम कृषि विश्वविद्यालय), जोरहट	चावल	8,71,831
27	पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्यनिर्माण संभाग, भा.कृ.अ.प.-यूनिट आईएआरआई, नई दिल्ली	गेंदा	4,19,657
28	पीवीकेएएस (विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान शाला), भा.कृ.अ.प.-यूनिट अल्मोड़ा	राजमा, सोयाबीन एवं मक्का	11,25,502
29	डीओजीआर (प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, राजगुरूनगर	प्याज एवं लहसुन	4,67,446
30	एनआरसीपी, भा.कृ.अ.प.-यूनिट,शोलापुर	अनार	3,80,103
31	सब्जी विज्ञान संभाग, आईएआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, नई दिल्ली	प्याज एवं लहसुन	10,83,383
32	आईआईएसआर (भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, लखनऊ	गन्ना	8,00,094
33	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	पान	3,99,597
34	सीएसएयूए एवं टी (चन्द्र शेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय), कानपुर	सरसों एवं गेहूं	6,82,053
35	आईआईएसआर (भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, कालीकट	मसाले	3,99,441

36	डीएसआर (सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, इंदौर	सोयाबीन	3,50,609
37	आईआईपीआर (भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान), कानपुर	मूंग, उड़द, मसूर, राजमा व मटर	6,57,946
38	एनआरसी (राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, पुणे, महाराष्ट्र	अंगूर	5,52,863
39	आईएआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल	चावल	12,64,999
40	गन्ना प्रजनन संस्थान, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, कोयम्बत्तूर	गन्ना	16,58,746
41	आईजीकेवी, रायपुर	ग्रो आउट परीक्षण (चावल)	8,78,993
42	गन्ना प्रजनन संस्थान, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, करनाल	गन्ना	3,23,772
43	आईआईडब्ल्यूबीआर, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, करनाल	जौ और गेहूं	26,69,251
44	डीआरएमआर (तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, भरतपुर	तोरिया और सरसों	4,05,713
45	आरएयू, बीकानेर - मंदौर एआईसीपीएमआईपी, जोधपुर	बाजरा	4,62,414
46	पीएयू (पंजाब कृषि विश्वविद्यालय), लुधियाना	जई, लोबिया, गिनी घास और कपास	8,35,782
47	केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, तिरूवनंतरपुरम	जीमीकंद, तारो, कचालू और ग्रेटर याम	3,36,315
48	एनआरआरआई (राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, कटक	चावल	14,15,070
49	पीडीकेवी (पंजाब राव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय),अकोला	अरहर, चना, लाल चना व कुसुम	5,93,771
50	सब्जी विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली	चौलाई, पालक, नसदार तोरी	7,47,985
51	डीएमएपीआर (औषधीय एवं सगंधीय पौधा अनुसंधान निदेशालय), आनंद	औषधीय एवं सगंधीय पौधे	3,44,727
52	सीसीएसएचएयू (चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय), हिसार	कपास और चना	9,33,828

53	आईएआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, क्षेत्रीय केन्द्र, इंदौर	गेहूं	5,41,254
54	सीपीआरआई (केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, शिमला	आलू	22,14,360
55	एनईएच, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, क्षेत्रीय केन्द्र, बड़ापानी, मणिपुर	चावल	14,61,847
56	सब्जी विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली	बंदगोभी और फूलगोभी	15,16,105
57	पीआईटीएसएयू (प्रो. जय शंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय), हैदराबाद	मक्का	18,16,334
58	टीएनएयू, कोयंबटूर	चावल, सूरजमुखी और मूंगफली	7,77,113
59	आईसीएआर-सीटीसीआरआई क्षेत्रीय स्टेशन भुवनेश्वर	शकरकंद और कसावा	7,09,613
60	आईसीएआर-आईआईएमआर, हैदराबाद	ज्वार	8,25,767
61	सीआरआईजेएएफआर (केन्द्रीय पटसन एवं सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान), बैरकपुर और सीएसआरएस, बुदबुद	पटसन	14,53,684
62	एमपीकेवी, राहुरी	कपास	10,01,361
63	आईआईओआर, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, हैदराबाद	सूजरमुखी, अरण्ड और कुसुम	5,15,873
64	सीपीसीआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, केरल	नारियल	3,75,246
65	यूएएस, जीकेवीके, बंगलुरू	लघु मोटे अनाज	5,83,480
66	सीआईएसएच (केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, लखनऊ	अमरूद और लीची	3,45,066
67	आईआईपीआर (भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान), कानपुर	चना और अरहर	6,75,379
68	एमपीकेवी, राहुरी	ज्वार, बाजरा और चना	18,99,124
69	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	सब्जियां	19,93,730
70	यूएएस (कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय), धारवाड़	कपास, सोयाबीन, मूंगफली, ड्यूरम गेहूं और तिल	12,23,807
71	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	गुलाब और गुलदाउदी	5,96,077

72	आईआईआरआर, हैदराबाद, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, हैदराबाद	चावल	7,84,266
73	आईआईएमआर, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, नई दिल्ली	मक्का	13,79,785
74	सीआईसीआर, कोयम्बत्तूर	कपास	8,17,606
75	सीआईसीआर (केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, नागपुर	कपास	21,75,484
76	आईआईवीआर (भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान), भा.कृ.अ.प.-यूनिट, वाराणसी	भिण्डी, बैंगन, टमाटर, बंदगोभी और फूलगोभी आदि	33,84,346
77	सीसीआरआई, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, नागपुर	खट्टे फल, मौसंबी, संतरा, और नारंगी	4,30,117
78	आईएआरआई, नई दिल्ली	गुलदाउदी	4,08,481
79	आईआईवीआर (भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान), वाराणसी	परवल	6,74,715
80	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	क्रॉसेंड्रा	3,66,175
81	डॉ. वाई एस आर बागवानी विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश	मिर्च और लाल शिमला मिर्च	3,33,400
82	डॉ.वाई.एस.एस. बागवानी विश्वविद्यालय, गुंटर, आध्र प्रदेश	क्रॉसेण्ड्रा	2,38,000
83	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर	मिर्च, लाल शिमला मिर्चऔर शिमला मिर्च	9,08,981
84	यूएचएस, बागलकोट	मिर्च, लाल शिमला मिर्च और शिमला मिर्च	9,01,232
85	एसडीएयू, एसके नगर, गुजरात	दाना चौलाई	4,02,712
86	पीडीकेवी (पंजाब राव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय),अकोला सहयोग केंद्र	मूंग	7,34,977
87	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर	कुट्टू	6,76,806
88	सीआईएएच बीकानेर	तरबूजा और खरबूजा	2,89,813
89	पीएयू (पंजाब कृषि विश्वविद्यालय), लुधियाना	बाकला	4,15,478
90	एनबीपीजीआर, भा.कृ.अ.प.-यूनिट, नई दिल्ली	बाकला	3,14,891

91	आईसीएआर-अनुसंधान निदेशालय पुत्तूर	काजू	1,83,849
92	आईसीएआर-एआईसीआरपी जोधपुर	बाजरा	3,00,000
93	सीटीसीआरआई त्रिवेन्द्रम	जिमीकंद	6,64,114
94	आईआईपीआर (भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान), कानपुर	अरहर	4,69,529
95	डॉ. बी.एस. कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली	जायफल	3,50,759
96	सीआईएएच, भा.कृ.अ.प.-इकाई, बीकानेर	बेल	2,10,506
97	सीआईएएच, भा.कृ.अ.प.-इकाई, बीकानेर	चिरौंजी और इमली	1,91,482
98	सीआईएएच, भा.कृ.अ.प.-इकाई, बीकानेर	खजूर	3,81,418
99	सीआईएएच (केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-इकाई, बीकानेर	जामुन	1,63,811
100	सीआईएसएच (केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-इकाई, लखनऊ	आंवला	3,83,706
101	सीआईएसएच, भा.कृ.अ.प.-इकाई, लखनऊ	बेल	4,34,723
102	सीआईएसएच (केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भा.कृ.अ.प.-इकाई, लखनऊ	जामुन	2,71,399
103	यूएएस, धारवाड़	डूरम गेहूं	4,32,636
104	सीपीसीआरआई, कर्नाटक	सुपारी	87,078
105	सीटीआरआई, भा.कृ.अ.प.-इकाई, राजामुंदरी	बीड़ी और तंबाकू	4,73,889
106	डीएफआर, भा.कृ.अ.प.-इकाई, पुणे	गुलाब	4,55,589
107	आईएआरआई, नई दिल्ली	ग्लेडियोलस	3,92,488
108	आईएआरआई, फल एवं बागवानी संभाग, भा.कृ.अ.प.-इकाई, नई दिल्ली	नींबू और चकोतरा प्यूमेलो	8,20,008
109	आईएआरआई, सब्जी विज्ञान संभाग, भा.कृ.अ.प.-इकाई, नई दिल्ली	मूली और गाजर	6,15,491
110	आईएआरआई, क्षेत्रीय केन्द्र, कटराई; कुल्लू घाटी	मूली और गाजर	2,42,665
111	आईएफजीटीबी, कोयम्बत्तूर	सागौन	4,22,005
112	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	सेम फली	1,89,528
113	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	गेंदा	3,49,004
114	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर, बंगलुरू	चाइना ऐस्टर	3,50,243

115	भा.कृ.अ.प.- एनईएच, क्षेत्रीय केन्द्र, उमियम, मेघालय	नींबू और चकोतरा/प्यूमेलो	4,26,190
116	सीआईएमएपी (केन्द्रीय औषधीय एवं संगरोध पादप संस्थान), लखनऊ	अश्वगंधा	8,36,880
कुल			**8,11,03,974**

अनुबंध V : वर्ष 2024-25 के दौरान फील्ड जीन बैंक को जारी की गई राशियो को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	केन्द्र का नाम	2024 -25 के दौरान जारी राशि (रुपये में)
1	डॉ.बालासाहेब कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली	9,14,141
2	एनबीपीजीआर, नई दिल्ली	9,99,824
3	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	12,26,355
कुल		**31,40,320**

अनुबंध VI : वर्ष 2024-25 के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिए संगठनो / केन्द्रो को जारी की गई राशियो को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	लाभार्थी का नाम	2024 -25 के दौरान जारी राशि (रुपये में)
1	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची (बीएयू)	1,50,000
2	आईजेकेवीवी, रायपुर	2,25,000
3	सीएसएयू एवं टी, कानपुर	1,76,138
4	सीआईएसएच, लखनऊ	3,60,000
5	राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केन्द्र, सिक्किम	2,25,000
6	यूएएस, धारवाड़	1,00,000
7	आंचलिक परियोजना निदेशालय - अंचल-11, बंगलुरू	27,00,000
8	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-9, जबलपुर	13,50,000
9	इंडियन सोसायटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग	5,00,000
10	आंचलिक परियोजना, निदेशक, भा.कृ.अ.प., अंचल-4, पटना, बिहार	13,50,000
11	टीएनएयू, कोयम्बत्तूर	3,00,000
12	धन्यगंगा कृषि विज्ञान केंद्र	1,50,000
13	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-5, कोलकता	42,00,000
14	आईआईएसएस, मऊ	50,000
15	केवीके,इम्फाल, पश्चिमी मणिपुर	1,50,000
16	एलकेवीके , फेक , नागालैंड	1,50,000
17	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-1, लुधियाना	11,25,000
18	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-7, बारापानी	16,50,000
19	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-6, गुवाहाटी	24,75,000
20	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-8, पुणे	13,50,000
21	आंचलिक परियोजना निदेशालय - भा.कृ.अ.प. अंचल-10, हैदराबाद	15,25,000
	कुल	**2,02,61,138**

अनुबंध VII : पंजीकरण के तहत फसलें

क्र. सं.	फसल	वानस्पतिक नाम
1.	धान	*ओरिजा सैटिवा* एल.
2.	गेहूँ (ब्रेड व्हीट)	*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.
3.	मक्का	*ज़िया मेस* एल.
4.	ज्वार	*सोरघम बाइकलर* (एल.) मोएंच
5.	बाजरा	*पेनिसेटम ग्लॉकम* (एल.) आर.बीआर.
6.	चना	*सिसर एरिएटिनम* एल.
7.	मूंग	*विग्ना रेडियेटा* (एल.) विल्ज़ेक
8.	उड़द	विग्ना मुंगो (एल.) हेपर
9.	मटर	*पिसम सैटिवम* एल.
10.	राजमा (किडनी बीन)	*फेसियोलस वल्गारिस* एल.
13	भारतीय सरसों	*ब्रैसिका जंसिया* एल. ज़ेर्न और कॉस
14	करन राई	*ब्रासिका कैरिनाटा* ए ब्राउन
15	तोरिया	*ब्रैसिका रैपा* एल.
16	गोभी सरसों	*ब्रासिका नैपस* एल.
17	मूंगफली	*अरचिस हाइपोगिया* एल.
18	सोयाबीन	*ग्लाइसिन मैक्स* (एल.) मेरिल
19	सूरजमुखी	*हेलियनथस एनुअस* एल.
20	कुसुम	*कार्थमस टिंकटोरियस* एल.
21	अरंडी	*रिसिनस काम्यूनिस* एल.
22	तिल	*सेसमम इंडिका* एल.
23	अलसी	*लिनम यूसिटेटिसीमम* एल.
24	द्विगुणित कपास	*गॉसिपियम अर्बोरियम* एल.
25	द्विगुणित कपास	*गॉसिपियम हर्बेसियम* एल.
26	त्रिगुणित कपास	*गॉसिपियम हिर्सुटम* एल.
27	त्रिगुणित कपास	*गॉसिपियम बार्बडेंस* एल.
28	जूट (पटसन)	*कोरकोरस ओलिटोरियस* एल.
29	जूट	*कॉर्कोरस कैप्सुलारिस* एल.
30	गन्ना	*सैकेरम* एल.
31	काली मिर्च	*पाइपर निग्रम* एल.
32	छोटी इलायची	*इलेटेरिया कार्डमम* मैटन
33	हल्दी	*कुरकुमा लोंगा* एल.

34	अदरक	*ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल* रोस्क.
35	टमाटर	*लाइकोपर्सन लाइकोपर्सिकम* (एल.) कार्स्टन एक्स. फारव.
36	बैंगन	*सोलनम मेलॉन्गेना* एल.
37	भिंडी	*एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस* (एल.) मोएंच.
38	फूल गोभी	*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल.वैरा. *बोट्राइटिस*
39	बंद गोभी	*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल. वैरा. *कैपिटाटा*
40	आलू	*सोलनम ट्यूबरोसम* एल.
41	प्याज	*एलियम सेपा* एल.
42	लहसुन	*एलियम सैटिवम एल.*
43	गुलाब	*रोज़ा* प्रजातियाँ.*(आर. डेमस्केना* के अलावा*)*
44	गुलदाउदी	*क्राइसेंथेमम* प्रजातियाँ
45	आम	*मैंगीफेरा इंडिका* एल.
46	दुरुम गेहूँ	*ट्रिटिकम ड्यूरम* डेस्फ.
47	डिकोकम गेहूँ	*ट्रिटिकम डाइकोकम* एल.
48	अन्य ट्रिटिकम प्रजातियाँ	
49	ईसबगोल	*प्लांटैगो ओवाटा फ़ोर्स्क*
50	मेन्थॉल मिंट	*मेंथा अर्वेन्सिस* एल.
51	डमस्क गुलाब	*रोज़ा दमाससेना* मिल
52	पेरीविंकल	*कैथरैन्थस रोज़ियस* एल.
53	ब्राह्मी	*बकोपा मोनिएरी* एल.पेनेल
54	नारियल	*कोकोस न्यूसीफेरा* एल.
55	ऑर्किड	*वंदा*
56	ऑर्किड	*डेंड्रोबियम*
57	ऑर्किड	*सिम्बिडियम*
58	अनार	*पुनिका ग्रैनटम* एल.
59	ऑर्किड	*कैटलिया* लिंड्ल.
60	ऑर्किड	*फेलेनोप्सिस* ब्लूम
61	नीलगिरी	*यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस* देह्न.
62	नीलगिरी	*यूकेलिप्टस टेरिटिकोर्निस* एसएम.
63	कैसुरिना	*कैसुरीना इक्विसेटिफ़ोलिया* एल.
64	कैसुरिना	*कैसुरीना जुंगुहनियाना* मिक.
65	करेला	*मोमोर्डिका चारेंटिया* एल.
66	लौकी	*लेगेनारिया सिसेरिया* (मोल.) स्टैंडल.
67	खीरा	*कुकुमिस सैटिवस* एल.

68	कद्दू	*कुकुर्बिटा मोक्षटा* डच. एक्स. पोयर.
69	जौ	*होर्डियम वल्गारे* एल.
70	धनिया	*कोरिएन्ड्रम सैटिवम* एल.
71	मेथी	*ट्राइगोनेला फोनम ग्रेकम* एल.
72	बादाम	*प्रूनस डलसिस* (मिल.) डी.ए. वेब
73	सेब	*मालुस डोमेस्टिका* बोरख
74	नाशपाती	*पाइरस कम्युनिस* एल.
75	खुबानी	*प्रूनस आर्मेनियाका* एल.
76	चेरी	*प्रूनस एवियम* एल.
77	अखरोट	*जुग्लन्स रेजिया* एल.
78	अंगूर	*वाइटिस* प्रजातियाँ
79	भारतीय बेर	*ज़िज़िफ़स मॉरिटिआना* लैमक.
80	चाय	*कैमेलिया साइनेंसिस*
81	चाय	*कैमेलिया एसामिका*
82	चाय	*सी.असामिका* प्रजातियाँ *लैसियोकैलिक्स*
83	रसराज (एसिड लाइम)	*सिट्रस ऑरेंटिफोलिया* स्विंगल
84	मंडेरिन	*सिट्रस रेटिकुलाटा* ब्लैंको
85	मौसम्बी	*सिट्रस साइनेंसिस* (एल.) ओस्बेक
86	बोगनविलिया	*बोगेनविलिया कॉम. एक्स.* जस.
87	केला	*मूसा* प्रजातियाँ
88	ऑर्किड	*ओन्सीडियम* स्व.
89	कैना	*कन्ना* एल.
90	ग्लेडियोलस	*ग्लैडिओलस* एल.
91	खरबूजा	*कुकुमिस* मेलो एल.
92	तरबूजा	*सिट्रुलस लैनाटस* (थुनब.) मैंसफ.
93	चमेली	*जैस्मीनम ऑरिकुलेटम* एल.
94	रजनीगंधा	*पोलिएंथेस ट्यूबरोज* एल.
95	पपीता	*कैरिका पपीता* एल.
96	चाइना एस्टर	*कैलिस्टेफस चिनेंसिस* (एल.) नीस.
97	आड़ू	*प्रूनस पर्सिका* एल. बैच
98	जापानी बेर	*प्रूनस सैलिसिना* एल.
99	स्ट्रॉबेरी	*फ्रैगरिया एक्स अनानासन* डच.
100	मिर्च, रंग-बिरंगी शिमला मिर्च (बैल पैपर) और लाल शिमला मिर्च (पैपरिका)	*कैप्सिकम एन्नयम* एल.

101	रागी/ मंडुआ	*एलुसीन कोराकाना* (एल.) गेयर्टन.
102	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	*सेटेरिया इटैलिक* (एल.) ब्यूव
103	चौलाय पत्ता	*ऐमारैंथस ट्राइकलर* एल.
104	तुरई	*लफ़ा एक्यूटांगुला* (एल.) रॉक्सब.
105	स्पिनेच बीट	*बीटा वल्गेरिस वैरा. बेंगालेंसिस* रॉक्सब.
106	कार्नेशन	*डायन्थस कैरियोफिलस* एल.
107	आर्किड	*पैफियोपेडिलम पफिट्ज़.*
108	नोनी	*मोरिंडा सिट्रिफ़ोलिया* एल.
109	बेल	*एगल मार्मेलोस* (एल.) कोरिया
110	जामुन/काला बेर	*सिज़ीजियम क्यूमिनी* (एल.) स्कील्स
111	जायफल	*मिरिस्टिका फ्रेग्रेंस* हाउट.
112	चमेली/मोगरा	*जैस्मिनम सैम्बैक* एल.
113	शरीफा/शुगर एप्पल	*एनोना स्क्वैमोसा* एल.
114	कालमेघ/किंग ऑफ बिटर्स	*एंड्रोग्रैफिस पैनिकुलाटा* (बर्म.एफ.) वाल. एक्स. नीस
115	करंज	*पोंगामिया पिनाटा* (एल.) पियरे.
116	नीम	*एजाडिरैक्टा इंडिका* ए. जस.
117	भारतीय रसभरी	*एम्ब्लिका ऑफिसिनैलिस गार्टन.*
118	अमरूद	*सिडियम गुजावा* एल.
119	लीची	*लीची चिनेंसिस* सोन.
120	गेंदा	*टैगेटेस* प्रजा. एल.
121	सुपारी	*पाइपर बेटल* एल.
122	देवदार	*सेड्रस देवदारा* (रॉक्सबी.) जी. डॉन
123	चीड़ /पाइन	*पीनस रॉक्सबर्गी* सार्जेंट
124	शहतूत	*मोरस* प्रजातियाँ
125	चमेली	*जैस्मिनम मल्टीफ्लोरम* एल.
126	कॉमन/ स्वीट बकव्हीट	*फागोपाइरम एस्कुलेंटम*
127	टार्टरी/कड़वा कुट्टू	*फागोपाइरम टैटारिकम*
128	राजगीरा (द् किंग्ज ग्रेन) या रामदाना (भगवान राम के नाम पर अनाज)	*ऐमारैंथस हाइपोकॉन्ड्रिकस*
129		*ऐमारैंथस क्रुएंटस*
130		*ऐमारैंथस कौडेटस*
131		*ऐमारैंथस एड्यूलिस*
132	फाबा बीन (बाकुला)	*विसिया फैबा* एल.
133	जेट्रोफा (जत्रोफा)	*जेट्रोफा करकस* एल.
134	प्रोसो बाजरा (चेना)	*पैनिकम मैलियाससस* एल.

135	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	*इचिनोक्लोआ फ्रुमेंटेसी* (रॉक्सबी.) लिंक
136	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	*पेनिकम सुमाट्रेंस* रॉथ. एक्स. रोइमर एंड स्कुल्टेस
137	कोदो मिलेट (कोदो)	*पस्पालम स्कोर्बिकुलटम* एल.
138	जिमीकंद	*अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियस*
139	कचालू	*कोलाकेसिय एस्कयुलेंटा*
140	जियेंट स्वैम्प टैरो	*साइरटोस्पर्मा चैमिशनिस/सी. मेरकुसी*
141	काजू	*एनाकार्डियम ऑक्सिडेंटल* एल.
142	सुपारी	*एरेका कैटेचू* एल.
143	चिरौंजी	*बुकानेनियालेंजेन स्पर्नग.*
144	इमली	*टैमारिंडस इंडिका* एल.
145	शकरकंद	*इपोमिया बटाटास* (एल.) लैम
146	कसावा	*मैनिहोटेस्कुलेंटा* क्रांट्ज.
147	चिनार (पॉपलर)	*पॉपुलस डेल्टोइड्स* बार्ट्र.
148-154	विलो (7 प्रजातियाँ)	*सेलिक्स टेट्रास्पर्मा, सेलिक्स नाइग्रा, सेलिक्स जेसोएंसिस, सेलिक्स एक्स रूबेंस, सेलिक्स मत्सुदाना, सेलिक्स अल्बा, सेलिक्स एकमोफिला*
155	जई	*एवेना सैटिवा* एल.
156	खजूर	*फीनिक्स डैक्टिलिफ़ेरा* एल.
157	मोरिंगा (सहजन)	*मोरिंगा ओलीफेरा* एल.
158	मेलिया	*मेलिया डुबिया* कैव.
159	परवल	*ट्राइकोसैंथेस डियोइका* रॉक्सब.
160	क्रॉसेंड्रा	*क्रॉसेंड्रा इन्फंडिबुलिफ़ॉर्मिस* (एल.) नीस.
161	लोबिया	*विग्ना अनगुइकुलाटा* (एल.) *सेसक्विपेडेलिस* (एल.) *वर्डक.* (एल.) *वाल्प.*
162	कटहल	*आर्टोकार्पस हेटरोफिलस* लैम.
163	बड़ा रतालू (ग्रेटर रतालू)	*डायोस्कोरिया अलाटा* एल.
164	यैम बीन	*पेचीरिज़स एरोसस* (एल.)
165	सीबकथ्रोर्न	*हिप्पोफे रमनोइड्स* एल.
166	अजवाइन	*ट्रेचिस्पर्मम अम्मी* एल.
167	सौंफ	*पिम्पेनेला ऐनीज़* एल.
168	अजवाइन	*एपियम ग्रेवोलेंस* एल.
169	जीरा	*कुमिनम साइमिनम* एल.
170	डिल	*एनेथम ग्रेवोलेंस* एल. और *एनेथम सोवा रोक्सब*
171	सौंफ	*फेनिकुलम वल्गारे* मिल.

172	निगेला	*निगेला सैटिवा* एल.
173	कुल्थी	*मैक्रोटिलोमा यूनिफ्लोरम* (लैम) वर्डक
174	जरबेरा	*जरबेरा जेम्सोनी* एडलेम एक्स. हूकर एफ
175	कॉफी	*कॉफी अरेबिका* एल.
176	कॉफी	*कॉफ़ी कैनेफ़ोरा* पियरे एक्स. फ्रोइह्वर
177	फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (FCV) और बीड़ी तंबाकू	*निकोटियाना टैबैकम* (एल.)
178	मोठ	*विग्ना एकोनिटिफ़ोलिया* (जैक.) मारेचल.
179	ग्वार फली	रेफानस सैटिवस एल.
180	कोको	थियोब्रोमा कोको एल.
181	मूली	रफ़ानुसैटिवस एल.
182	गाजर	डौकसकारोटा एल.
183	सागौन	*टेक्टोना ग्रैंडिस* एल. एफ.
184	कालाजीरा	*ब्यूनियम पर्सिकम* (बायोस.) फेडट्स.
185	केसर	*क्रोकस सैटिवस* एल.
186	डोलिचोस बीन	*लैबलैब पुरप्यूरियस (एल.) मीठा*
187	सफेद पेठा (ऐश गार्ड)	*बेनिनकासा हिस्पिडा* (थुनब.) कॉग्न.
188	चिंचडा (स्नेक गार्ड)	*ट्राइकोसैंथेस एंगुइना* एल.
189	कुंद्रू (आइवी गार्ड)	*कोकिनिया ग्रैंडिस* (एल.)
190	कोकम	गार्सिनिया इंडिका चोइसी
191	नींबू	सिट्रस लिमोन (एल.) बर्म. एफ
192	चकोतरा	सिट्रस मैक्सिमा (जे. बर्म.) मेर.
193	लिलियम	*लिलियम* प्रजा. ओरिएंटल, एशियाटिक, एलए हाइब्रिड और ओटी हाइब्रिड
194	चमेली	*चमेली* प्रजा.
195	अश्वगंधा	*विथानिया सोम्नीफेरा* (एल.) डनल
196	जैतून	*ओलिया यूरोपिया* एल.
197	एन्थ्यूरियम	*एन्थ्यूरियम एंड्रियानम*
198	स्पंज गॉर्ड	*लफ़्फ़ा सिलिंड्रिका (एल.) रोएम*
199	करी लीफ	*मुर्राया कोएनिगी (एल.) स्प्रेंग*
200	ऐलंथस	*ऐलंथस एक्सेलसा. रॉक्स्ट्ब*
201	डेहलिया	*डेहलिया*
202	ब्रॉकोलि	*ब्रैसिका ओलेरासिया* (एल.) वर. *इटैलिका प्लेंक*
203	लेमन ग्रास	*सिवोपोगन फ्लेक्सुओसस* एल.

अनुबंध VIII : 2024-25 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र

क्र. सं.	पंजीकरण संख्या	किस्म का प्रकार	मूल्यवर्ग	फसल	आवेदक का नाम
1	आरईजी /2008/333	विद्यमान (वीसीके)	जेकेसीएच 99 बीटी	त्रिगुणित कपास	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
2	आरईजी /2008/337	नई किस्म	जेकेसीएच 1050 बीटी	त्रिगुणित कपास	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
3	आरईजी /2008/478	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-138 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
4	आरईजी /2008/481	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -954 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
5	आरईजी /2008/482	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -145 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
6	आरईजी /2008/490	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएचबी-992 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
7	आरईजी /2008/491	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएचबी- 990 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
8	आरईजी /2008/515	विद्यमान (वीसीके)	एम 3432	मक्का	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
9	आरईजी /2008/537	किसान की किस्म	रावी मुश्की-1	धान	कुलदीप सिंह संधू
10	आरईजी /2008/542	नई किस्म	एनसीएस 910 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
11	आरईजी /2008/543	नई किस्म	एनसीएचबी 945 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
12	आरईजी /2008/545	नई किस्म	एनसीएस 906 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
13	आरईजी /2008/546	नई किस्म	बीटी 907 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
14	आरईजी /2009/11	नई किस्म	एनपीएच -21	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
15	आरईजी /2009/20	नई किस्म	केसीएच-15 के39 बीजीII	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
16	आरईजी /2009/43	नई किस्म	बीआईओ 6488-2 बीजी II	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
17	आरईजी /2009/63	विद्यमान (वीसीके)	एनएमएच -459	मक्का	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
18	आरईजी /2009/64	विद्यमान (वीसीके)	एनएमएच -2277	मक्का	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
19	आरईजी /2009/70	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -15	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
20	आरईजी /2009/74	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच 1024	बाजरा	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
21	आरईजी /2009/78	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -116	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
22	आरईजी /2009/81	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -33	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

23	आरईजी /2009/83	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -165	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
24	आरईजी /2009/84	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -81	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
25	आरईजी /2009/85	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -44	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
26	आरईजी /2009/86	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -99	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
27	आरईजी /2009/87	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -999	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
28	आरईजी /2009/88	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -36	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
29	आरईजी /2009/90	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस -5	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
30	आरईजी /2009/91	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-101	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
31	आरईजी /2009/92	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-3	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
32	आरईजी /2009/95	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-16	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
33	आरईजी /2009/96	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-109	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
34	आरईजी /2009/105	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-555	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
35	आरईजी /2009/110	विद्यमान (वीसीके)	बीआईओ 428 एच	धान	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
36	आरईजी /2009/154	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-71 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
37	आरईजी /2009/155	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-71 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
38	आरईजी /2009/156	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-108 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
39	आरईजी /2009/161	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएस-570	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
40	आरईजी /2009/180	नई किस्म	बीआईओ 6588-2 बीजी II	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
41	आरईजी /2009/221	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-108 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
42	आरईजी /2009/244	नई किस्म	एनआरजे -01	ज्वार	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
43	आरईजी /2009/245	नई किस्म	एनआरजे -02	ज्वार	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
44	आरईजी /2009/246	विद्यमान (वीसीके)	एनसी 1171 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
45	आरईजी /2009/251	विद्यमान (वीसीके)	एनसी -106 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
46	आरईजी /2009/254	विद्यमान (वीसीके)	एनसी -1118 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
47	आरईजी /2009/279	विद्यमान (वीसीके)	एनसी -1102 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

48	आरईजी /2009/350	विद्यमान (वीसीके)	डीजीजे-022	ज्वार	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
49	आरईजी /2009/421	नई किस्म	बीआईओ 6025412	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
50	आरईजी /2009/652	किसान की किस्म	भूतमुरी	धान	खिराईजुरी मालिंदसी एस.के.यू.एस. लिमिटेड
51	आरईजी /2010/7	नई किस्म	एनसीएस-852 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
52	आरईजी /2010/10	नई किस्म	एनसीएस-862 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
53	आरईजी /2010/14	नई किस्म	एनसीएस-866 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
54	आरईजी /2010/15	नई किस्म	एनसीएस-902 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
55	आरईजी /2010/21	नई किस्म	एनसीएस-1914 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
56	आरईजी /2010/26	नई किस्म	एनसीएस-1912 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
57	आरईजी /2010/27	नई किस्म	एनसीएस-861 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
58	आरईजी /2010/29	नई किस्म	एनसीएस-1913 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
59	आरईजी /2010/30	नई किस्म	एनसीएस 1911 बीटी	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
60	आरईजी /2010/54	नई किस्म	पीसीएच-879 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
61	आरईजी /2010/58	नई किस्म	पीसीएच-882 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
62	आरईजी /2010/78	नई किस्म	पीसीएच-408 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
63	आरईजी /2010/82	नई किस्म	पीसीएच-407 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
64	आरईजी /2010/84	नई किस्म	पीसीएच-105 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
65	आरईजी /2010/86	नई किस्म	पीसीएच-1413 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
66	आरईजी /2010/87	नई किस्म	पीसीएच-1412 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
67	आरईजी /2010/94	नई किस्म	पीसीएच-401 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
68	आरईजी /2010/95	विद्यमान (वीसीके)	पीसीएच-165	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
69	आरईजी /2010/112	विद्यमान (वीसीके)	पीसीएच-406 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
70	आरईजी /2010/113	नई किस्म	पीसीएच-403 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
71	आरईजी /2010/115	विद्यमान (वीसीके)	पीसीएच-930 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड

72	आरईजी /2010/130	नई किस्म	सीए 8646	Castor	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
73	आरईजी /2010/215	नई किस्म	डीजीबी-016	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
74	आरईजी /2010/245	विद्यमान (वीसीके)	बीआईओ 322-2	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
75	आरईजी /2010/261	विद्यमान (वीसीके)	एनएसएफएच-36	सूरजमुखी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
76	आरईजी /2010/262	विद्यमान (वीसीके)	एनएसएफ-005	सूरजमुखी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
77	आरईजी /2010/331	विद्यमान (वीसीके)	वीसी-31	त्रिगुणित कपास	सनग्रो सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
78	आरईजी /2010/348	नई किस्म	पीआरसीएच - 709 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
79	आरईजी /2010/350	विद्यमान (वीसीके)	पीआरसीएच - 505 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
80	आरईजी /2010/359	नई किस्म	पीआरसीएच - 704 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
81	आरईजी /2010/362	नई किस्म	पीआरसीएच - 333 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
82	आरईजी /2010/363	नई किस्म	पीआरसीएच - 721 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
83	आरईजी /2010/366	नई किस्म	पीआरसीएच - 405 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
84	आरईजी /2010/390	नई किस्म	एमएचटीएम 302	टमाटर	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
85	आरईजी /2010/405	विद्यमान (वीसीके)	बीजे 60213	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
86	आरईजी /2010/408	नई किस्म	एमईबीएच 39- इम्प्रूव्ड	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
87	आरईजी /2010/413	नई किस्म	एमईबीएच 10- इम्प्रूव्ड	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
88	आरईजी /2010/417	विद्यमान (वीसीके)	एसओके-586	भिंडी	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
89	आरईजी /2010/430	विद्यमान (वीसीके)	एस-ईपी -015	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
90	आरईजी /2010/431	विद्यमान (वीसीके)	एस-ईपी -011	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
91	आरईजी /2010/435	विद्यमान (वीसीके)	एस-ईपी -014	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
92	आरईजी /2010/436	विद्यमान (वीसीके)	एस-ईपी -022	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
93	आरईजी /2010/450	विद्यमान (वीसीके)	एस-ईपी -038	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
94	आरईजी /2010/455	विद्यमान (वीसीके)	सोना	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
95	आरईजी /2010/458	विद्यमान (वीसीके)	वाइट डायमंड	फूलगोभी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
96	आरईजी /2010/460	नई किस्म	रिया	फूलगोभी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

97	आरईजी /2010/463	नई किस्म	एनओ -505	बंद गोभी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
98	आरईजी /2010/474	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच -0222	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
99	आरईजी /2010/475	नई किस्म	महानंदी प्लस	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
100	आरईजी /2010/477	नई किस्म	अर्जुन	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
101	आरईजी /2010/478	नई किस्म	करुणा	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
102	आरईजी /2010/479	नई किस्म	करण	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
103	आरईजी /2010/481	विद्यमान (वीसीके)	हाइब्रिड-744	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
104	आरईजी /2010/482	नई किस्म	एचवाईबी.3425	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
105	आरईजी /2010/484	नई किस्म	गुलाबी राउंड	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
106	आरईजी /2010/485	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-1112	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
107	आरईजी /2010/486	नई किस्म	दुर्गा	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
108	आरईजी /2010/487	नई किस्म	इम्प्रो आनंद -08	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
109	आरईजी /2010/488	नई किस्म	इम्प्रो प्रीति -696	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
110	आरईजी /2010/518	विद्यमान (वीसीके)	रुद्र	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
111	आरईजी /2010/532	विद्यमान (वीसीके)	पीएससीपी-01बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
112	आरईजी /2010/534	विद्यमान (वीसीके)	पीआरसीएच-31	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
113	आरईजी /2010/535	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी801 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
114	आरईजी /2011/8	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-0506	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
115	आरईजी /2011/9	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-776 (एएसटीए)	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
116	आरईजी /2011/12	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-597 (निष्का)	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
117	आरईजी /2011/14	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-756 (गायत्री)	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
118	आरईजी /2011/18	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-4546	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
119	आरईजी /2011/33	विद्यमान (वीसीके)	एमएचबीजे 99	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
120	आरईजी /2011/37	विद्यमान (वीसीके)	एमएचबीजे 111	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
121	आरईजी /2011/39	विद्यमान (वीसीके)	एमएचबीजे 112	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड

122	आरईजी /2011/51	विद्यमान (वीसीके)	एसबीजेएच-123 -Improved	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
123	आरईजी /2011/57	विद्यमान (वीसीके)	एसबीजेएच -183	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
124	आरईजी /2011/104	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस 893	भिंडी	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
125	आरईजी /2011/105	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस 532	भिंडी	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
126	आरईजी /2011/106	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस 898	भिंडी	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
127	आरईजी /2011/115	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस -630	बैंगन	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
128	आरईजी /2011/122	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस -624	बैंगन	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
129	आरईजी /2011/130	विद्यमान (वीसीके)	बीएसएस -684 (धनराज)	टमाटर	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
130	आरईजी /2011/222	नई किस्म	बीआईओ 7215-2	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
131	आरईजी /2011/238	नई किस्म	जेके हेमरेखा (जेकेटीएच 882)	टमाटर	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
132	आरईजी /2011/417	किसान की किस्म	रेमुना काठिया	धान	हरीश चौ. दास
133	आरईजी /2011/426	नई किस्म	पी 3436	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
134	आरईजी /2011/447	नई किस्म	पीसीएच-9620 बीटी2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
135	आरईजी /2011/450	नई किस्म	पीसीएच--9619 पीसीएच-	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
136	आरईजी /2011/453	नई किस्म	पीसीएच-9614 पीसीएच-	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
137	आरईजी /2011/457	नई किस्म	पीसीएच--1414 पीसीएच-	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
138	आरईजी /2011/459	नई किस्म	पीसीएच--360 पीसीएच-	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
139	आरईजी /2011/460	नई किस्म	पीसीएचबी-9969 बीटी2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
140	आरईजी /2011/468	विद्यमान (वीसीके)	एनसीएचबी-9902 बीटी2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
141	आरईजी /2011/469	नई किस्म	एनसीएचबी -9901 बीटी2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
142	आरईजी /2011/483	नई किस्म	एनसीएस-9012 बीटी2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

143	आरईजी /2011/484	नई किस्म	एनसीएचबी -9905 बीटी2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
144	आरईजी /2011/1166	किसान की किस्म	नुआ सारियन	धान	मधुमंगल साहू
145	आरईजी /2011/1196	किसान की किस्म	बलांगीर-कुटुमडोला-कालकृष्ण	धान	बिद्याधर बिस्वाल
146	आरईजी /2011/1260	विद्यमान (वीसीके)	जेकेओएच 7315	भिंडी	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
147	आरईजी /2011/1320	नई किस्म	एसबीजेएच-732	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
148	आरईजी /2011/1325	नई किस्म	एसबीजेएच-631	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
149	आरईजी /2011/1327	नई किस्म	एसबीजेएच-1014	बैंगन	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
150	आरईजी /2011/1351	नई किस्म	एनपीएच-909	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
151	आरईजी /2012/8	किसान की किस्म	कार्डोज़ो मनकुराद	आम	श्री फॉस्टो कार्डोज़ो
152	आरईजी /2012/80	नई किस्म	एनबीजे-08	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
153	आरईजी /2012/94	विद्यमान (वीसीके)	एनबीजे-22	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
154	आरईजी /2012/95	नई किस्म	एनबीजे-24	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
155	आरईजी /2012/103	विद्यमान (वीसीके)	स्वर्ण शक्ति	बैंगन	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
156	आरईजी /2012/156	नई किस्म	अदिति	टमाटर	नामधारी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
157	आरईजी /2012/237	विद्यमान (वीसीके)	एनएम-85	मक्का	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
158	आरईजी /2012/242	विद्यमान (वीसीके)	एनपीएच-567	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
159	आरईजी /2012/260	विद्यमान (वीसीके)	एफसीएच-459	त्रिगुणित कपास	फॉर्च्यून हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड
160	आरईजी /2012/261	विद्यमान (वीसीके)	एफसी-0707	त्रिगुणित कपास	फॉर्च्यून हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड
161	आरईजी /2012/262	विद्यमान (वीसीके)	एफसी-9007	त्रिगुणित कपास	फॉर्च्यून हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड
162	आरईजी /2012/265	विद्यमान (वीसीके)	एसीएच-135	त्रिगुणित कपास	एशियन एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
163	आरईजी /2012/267	विद्यमान (वीसीके)	एसीएच -54	त्रिगुणित कपास	एशियन एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड

164	आरईजी /2012/268	विद्यमान (वीसीके)	एसीएच -234	त्रिगुणित कपास	एशियन एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
165	आरईजी /2012/275	विद्यमान (वीसीके)	पीसीएच-215	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
166	आरईजी /2012/277	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी3512	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
167	आरईजी /2012/279	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी19	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
168	आरईजी /2012/285	विद्यमान (वीसीके)	पीसीएच-235	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
169	आरईजी /2012/292	नई किस्म	सी 5199	त्रिगुणित कपास	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
170	आरईजी /2012/315	किसान की किस्म	चित्तरंजन	आम	कालिदास बनर्जी
171	आरईजी /2012/377	नई किस्म	जेकेओएच 1055	भिंडी	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
172	आरईजी /2012/457	किसान की किस्म	बद्रीओ मोवो	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
173	आरईजी /2012/475	किसान की किस्म	माईपाकफौ	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
174	आरईजी /2012/492	किसान की किस्म	माइक्रोरो-ए	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
175	आरईजी /2012/510	किसान की किस्म	पाओरेइमा	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
176	आरईजी /2012/533	किसान की किस्म	चिपिबुह	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
177	आरईजी /2012/542	किसान की किस्म	इरोया	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
178	आरईजी /2012/543	किसान की किस्म	इरोया-ए	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)

179	आरईजी /2012/587	किसान की किस्म	कुरुका (कुरुवा)	धान	पी. वी. सुरेश, बीज देखभाल के लिए - मालाबार के स्वदेशी और पारंपरिक फसल संरक्षकों का एक संघ
180	आरईजी /2012/625 एच	विद्यमान (वीसीके)	लक्ष्मी (एनयूएन5005)	टमाटर	ननहेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
181	आरईजी /2012/651	किसान की किस्म	जमुनिया राहरी	अरहर	अखिलेश कौशिक
182	आरईजी /2012/652	किसान की किस्म	भूरा राहारी	अरहर	श्री रामप्रवेश ठाकुर
183	आरईजी /2012/653	किसान की किस्म	लाल राहरी	अरहर	श्री प्रेमजीत कुमार
184	आरईजी /2012/654	किसान की किस्म	धोबा राहरी	अरहर	श्री भूषण ठाकुर
185	आरईजी /2012/655	किसान की किस्म	लाली राहैर	अरहर	श्री आनंद मोहन झा
186	आरईजी /2012/657	किसान की किस्म	पिली अरहर	अरहर	श्री फेकन दास
187	आरईजी /2012/669	किसान की किस्म	गराधन	धान	निरयास सोरेन
188	आरईजी /2012/675	किसान की किस्म	जगरनाथ	धान	जागेश्वर सिंह
189	आरईजी /2013/19	नई किस्म	एनटीएच-1348	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
190	आरईजी /2013/44 एच	विद्यमान (वीसीके)	आरसीएच650बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
191	आरईजी /2013/45	नई किस्म	आरसीएच 776बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
192	आरईजी /2013/46	नई किस्म	आरसीएच653बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
193	आरईजी /2013/66	किसान की किस्म	JEREGA GODA	धान	देवमन मुंडा
194	आरईजी /2013/79	नई किस्म	केबीएच 1952	बाजरा	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
195	आरईजी /2013/95	नई किस्म	एनसी-5065 बीजी-I	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
196	आरईजी /2013/96	नई किस्म	एनसीएस-7788 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
197	आरईजी /2013/99	नई किस्म	एनसीएस-2255 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
198	आरईजी /2013/100	नई किस्म	एनसीएस-3112 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
199	आरईजी /2013/101	नई किस्म	एनसीएस-3114 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
200	आरईजी /2013/110	नई किस्म	एनसीएस-1134 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
201	आरईजी /2013/111	नई किस्म	एनसीएस-589 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

202	आरईजी /2013/116	नई किस्म	एनसीएस-6566 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
203	आरईजी /2013/118	नई किस्म	एनसीएस-2340 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
204	आरईजी /2013/119	नई किस्म	एनसीएस-3456 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
205	आरईजी /2013/120	नई किस्म	एनसीएस-927 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
206	आरईजी /2013/121	नई किस्म	एनसीएस-1818 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
207	आरईजी /2013/122	नई किस्म	एनसीएस-1012 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
208	आरईजी /2013/128	नई किस्म	एनसीएस-1001 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
209	आरईजी /2013/130	नई किस्म	एनसीएस-279 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
210	आरईजी /2013/131	नई किस्म	एनसीएस-1024 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
211	आरईजी /2013/147	नई किस्म	टीएमआरएच 111	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
212	आरईजी /2013/162	किसान की किस्म	बड़का दहिया	धान	बसंत महतो
213	आरईजी /2013/170	नई किस्म	अक्षिता	बैंगन	एसीएसईएन एग्रीसाइंस प्राइवेट लिमिटेड
214	आरईजी /2013/171	नई किस्म	संजुला	बैंगन	एसीएसईएन एग्रीसाइंस प्राइवेट लिमिटेड
215	आरईजी /2013/172	नई किस्म	काव्या	बैंगन	एसीएसईएन एग्रीसाइंस प्राइवेट लिमिटेड
216	आरईजी /2013/181	नई किस्म	बीपीएम909	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
217	आरईजी /2013/191	नई किस्म	पीसीएच - 468 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
218	आरईजी /2013/192	नई किस्म	पीसीएच - 108 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
219	आरईजी /2013/193	नई किस्म	पीसीएच - 549 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
220	आरईजी /2013/202	नई किस्म	पीआरसीएच - 745 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
221	आरईजी /2013/203	नई किस्म	पीआरसीएच - 742 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
222	आरईजी /2013/204	नई किस्म	पीआरसीएच - 135 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
223	आरईजी /2013/205	नई किस्म	पीआरसीएच - 1166 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

224	आरईजी /2013/206	नई किस्म	पीआरसीएच - 7777 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
225	आरईजी /2013/207	नई किस्म	पीआरसीएच - 2257 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
226	आरईजी /2013/208	नई किस्म	पीआरसीएच - 7776 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
227	आरईजी /2013/209	नई किस्म	पीआरसीएच - 7799 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
228	आरईजी /2013/210	नई किस्म	पीआरसीएच - 739 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
229	आरईजी /2013/212	नई किस्म	पीआरसीएच - 731 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
230	आरईजी /2013/213	नई किस्म	पीआरसीएच - 732 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
231	आरईजी /2013/214	नई किस्म	पीआरसीएच - 733 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
232	आरईजी /2013/215	नई किस्म	पीआरसीएच - 737 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
233	आरईजी /2013/229	नई किस्म	पीआरसीएच - 746 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
234	आरईजी /2013/231	नई किस्म	पीआरसीएच - 753 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
235	आरईजी /2013/232	नई किस्म	पीआरसीएच - 754 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
236	आरईजी /2013/241	नई किस्म	आरसीएच 773 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
237	आरईजी /2013/265 एच	नई किस्म	पीएसी 7753 (पीएसी 753)	मक्का	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
238	आरईजी /2013/266 एच	नई किस्म	पीएसी 7751 (पीएसी 751)	मक्का	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
239	आरईजी /2013/271	विद्यमान (वीसीके)	45एस42	भारतीय सरसों	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
240	आरईजी /2013/298	विद्यमान (वीसीके)	आरएमएच3022	मक्का	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
241	आरईजी /2013/299	नई किस्म	टीएमआरएच 107	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
242	आरईजी /2013/300	नई किस्म	टीएमआरएच 102	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
243	आरईजी /2013/314	किसान की किस्म	सुवाग मणि	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
244	आरईजी /2013/332	नई किस्म	एनपीएच-910	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
245	आरईजी /2013/333	नई किस्म	NPH1247	मक्का	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
246	आरईजी /2013/337	नई किस्म	एनपीएच-911	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड

247	आरईजी /2013/338	नई किस्म	एनपीएच-2006	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
248	आरईजी /2013/344	नई किस्म	86एम85	बाजरा	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
249	आरईजी /2013/365	नई किस्म	जीके3090	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
250	आरईजी /2013/369 एच	विद्यमान (वीसीके)	पीएसी7745 (पीएसी 745)	मक्का	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
251	आरईजी /2013/433	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-113 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
252	आरईजी /2013/434	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-107 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
253	आरईजी /2013/438	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-106 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
254	आरईजी /2013/444	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-1171 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
255	आरईजी /2013/446	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-170 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
256	आरईजी /2013/448	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-126 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
257	आरईजी /2013/462	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-168 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
258	आरईजी /2013/465	नई किस्म	रजनी (बीपीवी-410)	बैंगन	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
259	आरईजी /2013/471	नई किस्म	बायो डीओ 131	टमाटर	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
260	आरईजी /2013/472	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-91 बीजी-II	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
261	आरईजी /2013/475 एच	नई किस्म	पैन 802	धान	पान सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
262	आरईजी /2013/477 एच	नई किस्म	एनबीएच-5807	बाजरा	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
263	आरईजी /2013/478 एच	नई किस्म	एनबीएच-5782	बाजरा	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
264	आरईजी /2013/479	विद्यमान (वीसीके)	एनसी-1108 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
265	आरईजी /2013/484	नई किस्म	चेकमेट	बंद गोभी	एसीएसईएन एग्रीसाइंस प्राइवेट लिमिटेड
266	आरईजी /2013/485	नई किस्म	चार्ली	बंद गोभी	एसीएसईएन एग्रीसाइंस प्राइवेट लिमिटेड
267	आरईजी /2013/513	नई किस्म	त्रिवेणी (बीपीजी-305)	बैंगन	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
268	आरईजी /2013/518	नई किस्म	बायोसीड 90	टमाटर	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
269	आरईजी /2013/561	किसान की किस्म	भोग प्रसाद	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा

					एस.एच.जी.
270	आरईजी /2013/564	किसान की किस्म	अकी बोरा	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
271	आरईजी /2013/566	किसान की किस्म	मालभग	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
272	आरईजी /2013/568	किसान की किस्म	मोइना बोरा	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
273	आरईजी /2013/570	किसान की किस्म	जेंगोनी बोरा	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
274	आरईजी /2013/572	किसान की किस्म	अभिमन्यु	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
275	आरईजी /2013/579	किसान की किस्म	रोंगा बोरा	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
276	आरईजी /2013/629	किसान की किस्म	मखुमय मकाल	धान	गोबिंद त्रिपुरा
277	आरईजी /2013/642	किसान की किस्म	गोविंदा भोग-III	धान	रतन पटवारी
278	आरईजी /2013/645	किसान की किस्म	स्पिंग	तिल	लोको किसान क्लब
279	आरईजी /2013/656	किसान की किस्म	फुलपाखोरी और बोका	धान	श्री हेमंत सरमा
280	आरईजी /2013/689	नई किस्म	एसवईएन-एसएफ-एफ715	सूरजमुखी	सिंजेन्टा इंडिया लिमिटेड
281	आरईजी /2013/725	किसान की किस्म	गोबिंद भोग (मिर्ज़ा)	धान	अरबिंदा किसान क्लब
282	आरईजी /2013/727	किसान की किस्म	गोबिंदो भोग-I (पिलक)	धान	संघति किसान क्लब
283	आरईजी /2013/728	किसान की किस्म	गोबिंदो भोग-II (पिलक)	धान	संघति किसान क्लब
284	आरईजी /2013/757	किसान की किस्म	गुंडरी भोग	धान	जेलेना खाल्को
285	आरईजी /2013/827	किसान की किस्म	हुनसे हुरिना भट्टा	धान	देशी कृषिकार बालागा
286	आरईजी /2013/837	किसान की किस्म	भीमा साली	धान	देशी कृषिकार बालागा
287	आरईजी /2013/841	किसान की किस्म	कारी हाग्गा	धान	देशी कृषिकार बालागा
288	आरईजी /2013/842	किसान की किस्म	चम्पाकली	धान	देशी कृषिकार बालागा
289	आरईजी /2013/852	किसान की किस्म	रत्ना चूड़ी	धान	देशी कृषिकार बालागा

290	आरईजी /2013/911	किसान की किस्म	हार्फोनी	धान	Sri Bhwbon Bora
291	आरईजी /2013/927	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-25	भिंडी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
292	आरईजी /2013/938	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-601	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
293	आरईजी /2013/939	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-3536	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
294	आरईजी /2013/940	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-608	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
295	आरईजी /2013/941	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-1813	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
296	आरईजी /2013/943	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-0312	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
297	आरईजी /2013/945	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-0318	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
298	आरईजी /2013/946	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-4545	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
299	आरईजी /2013/947	विद्यमान (वीसीके)	एनटीएच-607	टमाटर	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
300	आरईजी /2013/948	विद्यमान (वीसीके)	एनबीएच-3132	बैंगन	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
301	आरईजी /2013/958	नई किस्म	टीएमएमएच 809	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
302	आरईजी /2013/968	किसान की किस्म	हौसिर	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
303	आरईजी /2013/971	किसान की किस्म	एएसओ	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
304	आरईजी /2013/975	नई किस्म	9444 गोल्ड	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
305	आरईजी /2013/976	नई किस्म	पीपी71	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
306	आरईजी /2013/996	किसान की किस्म	वेनुचारा मानबी	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
307	आरईजी /2013/1001	किसान की किस्म	नापी फोउ	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)

308	आरईजी /2013/1027	किसान की किस्म	सदागरा नंद्याल	ज्वार	Desi Beeja Samrakshakara Sangha
309	आरईजी /2013/1030	विद्यमान (वीसीके)	स्वदेशी	टमाटर	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
310	आरईजी /2013/1031	विद्यमान (वीसीके)	बायोसीड 56	टमाटर	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
311	आरईजी /2013/1107	किसान की किस्म	लोंगमई दुईमैं	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
312	आरईजी /2013/1135	किसान की किस्म	सांग सांगबा	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
313	आरईजी /2013/1156	किसान की किस्म	तिलोंग	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
314	आरईजी /2013/1165	किसान की किस्म	चौआ झू	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
315	आरईजी /2013/1176	किसान की किस्म	लोंगमई	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
316	आरईजी /2013/1197	किसान की किस्म	माचांग कछार	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
317	आरईजी /2013/1198	किसान की किस्म	कफंगजा -ए	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
318	आरईजी /2013/1199	किसान की किस्म	कोंगडुम-ए	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
319	आरईजी /2013/1203	किसान की किस्म	सिराई नैप	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
320	आरईजी /2013/1220	किसान की किस्म	नापाडाई-ए	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा

					प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
321	आरईजी /2013/1229	किसान की किस्म	लैंगफो चाखाओ	धान	अखिल मणिपुर प्रशिक्षित औषधीय एवं सुगंधित पौधा प्रवर्तक संघ (AMAPCON)
322	आरईजी /2013/1289	किसान की किस्म	तोइया युह	धान	एम. चिंगलोंग
323	आरईजी /2013/1424	किसान की किस्म	रोकामलोवा	धान	श्री रोकामलोवा
324	आरईजी /2013/1451	किसान की किस्म	बेहलियांग	अरहर	अखिल मिजोरम किसान संघ (AMFU)
325	आरईजी /2013/1504	किसान की किस्म	आसाम चुडी	धान	धरोहर समिति
326	आरईजी /2013/1620	किसान की किस्म	कोलियारा	धान	धरोहर समिति
327	आरईजी /2013/1659	किसान की किस्म	अलसी बेगारी	अलसी	मनबोध गौर
328	आरईजी /2013/1661	किसान की किस्म	अलसी (देसी) लामरा	अलसी	घनश्याम मरकाम
329	आरईजी /2014/5	किसान की किस्म	राधातिलक	धान	कदमपुर कृषि किसान क्लब
330	आरईजी /2014/81	किसान की किस्म	माधव भोग-I	धान	अंजन कुमार सिन्हा
331	आरईजी /2014/103	किसान की किस्म	लालबरानी	धान	अंजन कुमार सिन्हा
332	आरईजी /2014/114	किसान की किस्म	साको (लोकल)	मक्का	येखुसे तुरेंग
333	आरईजी /2014/118	किसान की किस्म	कुमसुनो सकोत्सा	मक्का	खोचियी वेगे
334	आरईजी /2014/119	किसान की किस्म	तुचे साको	मक्का	येखुसे तुरेंग
335	आरईजी /2014/147	किसान की किस्म	बंगबुलताल	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
336	आरईजी /2014/212	किसान की किस्म	भवाद्या	धान	इंद्रमल आदिवासी बीज रक्षक समूह
337	आरईजी /2014/213	किसान की किस्म	सुकवेल	धान	इंद्रमल आदिवासी बीज रक्षक समूह
338	आरईजी /2014/227	किसान की किस्म	सोम्यूज़	सोयाबीन	सतीश बाबूराव चव्हाण
339	आरईजी /2014/261	किसान की किस्म	कुंजू कुंजू प्रिया	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
340	आरईजी /2014/307	नई किस्म	बायो 650	धान	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
341	आरईजी /2014/351	नई किस्म	बायो 032	मक्का	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड

342	आरईजी /2014/398	किसान की किस्म	कबराबलम साली (नोलतोली)	धान	पद्मकांत नाथ
343	आरईजी /2014/455	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी211 Bt2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
344	आरईजी /2014/468	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी951 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
345	आरईजी /2014/471	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी061 बीटी 2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
346	आरईजी /2014/477	विद्यमान (वीसीके)	पीसी-पी701 बीटी	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
347	आरईजी /2014/484	किसान की किस्म	छः मुखिया फतेहपुर	तिल	संदीप कुमार
348	आरईजी /2014/488	नई किस्म	बायो 9211	मक्का	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
349	आरईजी /2014/499	किसान की किस्म	मिकिर तिल	तिल	पद्मकांत नाथ
350	आरईजी /2014/501	किसान की किस्म	घरुआ तिची	अलसी	पद्मकांत नाथ
351	आरईजी /2014/560	किसान की किस्म	लेखामो	धान	शुर्खिखौ यालियेत्सु और अन्य
352	आरईजी /2014/561	किसान की किस्म	दत्सा	धान	शुर्खिखौ यालियेत्सु और अन्य
353	आरईजी /2014/564	किसान की किस्म	छोटो चोटो	आम	सैयद गनी खान
354	आरईजी /2014/565	किसान की किस्म	आबिद	आम	सैयद गनी खान
355	आरईजी /2014/566	किसान की किस्म	मंगमारी	आम	सैयद गनी खान
356	आरईजी /2014/574	किसान की किस्म	जाहा गिसिम	धान	डेनिलीन च. मारक
357	आरईजी /2014/578	किसान की किस्म	नासिंगकेट	धान	बिकाश हाजोंग
358	आरईजी /2014/579	किसान की किस्म	पोराजोनी	धान	दिबाकोर हाजोंग
359	आरईजी /2014/580	किसान की किस्म	मिकाचू	धान	गुब्लेंसन मोमिन
360	आरईजी /2014/592	किसान की किस्म	पाचर	धान	विसन संगमा
361	आरईजी /2014/593	किसान की किस्म	मल्झूरे	धान	अलाजोन संगमा
362	आरईजी /2014/596	किसान की किस्म	जाहा	धान	बिनार संगमा
363	आरईजी /2014/623	किसान की किस्म	अलसी मंगल	अलसी	मंगन खलखो
364	आरईजी /2014/632	नई किस्म	पी3546	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
365	आरईजी /2014/633	विद्यमान (वीसीके)	पी3533	मक्का	पायनियर ओवरसीज

					कॉर्पोरेशन
366	आरईजी /2014/663	किसान की किस्म	पहाड़ी राहर	अरहर	बृजनंदन
367	आरईजी /2014/676	किसान की किस्म	आनंद चना -1	काबुली चना	आनंद मांझी
368	आरईजी /2014/749	किसान की किस्म	पहलु हल्दी -1	हल्दी	पहलू बेदिया पनायी
369	आरईजी /2014/778	किसान की किस्म	सफेदा तालुककेदार	आम	अनिल कुमार
370	आरईजी /2014/785	किसान की किस्म	देसी राम केला	आम	मोहम्मद शाहदाब
371	आरईजी /2014/788	किसान की किस्म	दूधिया गोला	आम	निधि प्रसाद
372	आरईजी /2014/806	किसान की किस्म	इलाहाबादी चौसा	आम	कनहिया लाल
373	आरईजी /2014/808	किसान की किस्म	श्वेता	आम	पनायी
374	आरईजी /2014/826 एच	विद्यमान (वीसीके)	महासंग्राम बीजीII	त्रिगुणित कपास	सोलर एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
375	आरईजी /2014/828 एच	विद्यमान (वीसीके)	सरजू बीजीII	त्रिगुणित कपास	सोलर एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
376	आरईजी /2014/829 एच	विद्यमान (वीसीके)	सोलर 77 बीजीII	त्रिगुणित कपास	सोलर एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
377	आरईजी /2014/830 एच	विद्यमान (वीसीके)	सोलर 66 बीजीII	त्रिगुणित कपास	सोलर एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
378	आरईजी /2014/831 एच	विद्यमान (वीसीके)	सोलर 76 बीजीII	त्रिगुणित कपास	सोलर एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
379	आरईजी /2014/832	किसान की किस्म	मीठी मसूर	मसूर	वैशाखू सिंह बैगा
380	आरईजी /2014/840	किसान की किस्म	नवाब पसंद	आम	मलिहाबाद समुदाय
381	आरईजी /2014/844	नई किस्म	एमपी 7793	बाजरा	रैलिस इंडिया लिमिटेड

382	आरईजी /2014/845	किसान की किस्म	सुर्खा इमामुद्दीन	आम	मलिहाबाद समुदाय
383	आरईजी /2014/849	किसान की किस्म	असरूर मुर्करर	आम	मलिहाबाद समुदाय
384	आरईजी /2014/852	किसान की किस्म	दारुल उस समर	आम	मलिहाबाद समुदाय
385	आरईजी /2014/854	किसान की किस्म	भगवंत खेड़ा	आम	मलिहाबाद समुदाय
386	आरईजी /2014/859	किसान की किस्म	ज़र्द अमीन	आम	मलिहाबाद समुदाय
387	आरईजी /2014/903	किसान की किस्म	तीसी 111	अलसी	राम चंद्र प्रसाद सिंह
388	आरईजी /2014/955	विद्यमान (वीसीके)	एनएचबीआई-3044	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
389	आरईजी /2014/959	विद्यमान (वीसीके)	एनएचबीआई-3034	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
390	आरईजी /2014/962	विद्यमान (वीसीके)	एनबीआई-3034	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
391	आरईजी /2014/963	विद्यमान (वीसीके)	एनएचबीआई-3024	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
392	आरईजी /2014/965	विद्यमान (वीसीके)	बीजी-1029	लौकी	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
393	आरईजी /2014/970	विद्यमान (वीसीके)	एनबीआई-3035	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
394	आरईजी /2014/977	विद्यमान (वीसीके)	एनएचबीआई-3014	करेला	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
395	आरईजी /2014/1018	नई किस्म	पिनाका (एमएच 5343 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
396	आरईजी /2014/1019	नई किस्म	अजूबा (एमएच 5361 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
397	आरईजी /2014/1121	किसान की किस्म	तीसी 206	अलसी	राजेंद्र मंडल
398	आरईजी /2014/1180	किसान की किस्म	साथिया	धान	श्रीकृष्ण चंद्र मंडल
399	आरईजी /2014/1183	किसान की किस्म	केशब शाल	धान	श्यामल घोष
400	आरईजी /2014/1198	नई किस्म	एमएम 2100	मक्का	रैलिस इंडिया लिमिटेड
401	आरईजी /2014/1201	नई किस्म	एमपी 7794	बाजरा	रैलिस इंडिया लिमिटेड
402	आरईजी /2014/1202	विद्यमान (वीसीके)	गोल्ड वरदान बीजीII (जीबीसीएच 95 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	ग्रीन गोल्ड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
403	आरईजी /2014/1203	विद्यमान (वीसीके)	गोल्ड कविता बीजीII (जीबीसीएच 90 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	ग्रीन गोल्ड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
404	आरईजी /2014/1204	विद्यमान (वीसीके)	गोल्ड कुबेर बीजीII	त्रिगुणित कपास	ग्रीन गोल्ड सीड्स प्राइवेट

			(जीबीसीएच 85 बीजीII)		लिमिटेड
405	आरईजी /2014/1221	किसान की किस्म	मोटोंग	धान	प्रोनिल्ला एम संगमा
406	आरईजी /2014/1223	किसान की किस्म	जाहा सिमिल	धान	रोजानी एम मराक
407	आरईजी /2014/1224	किसान की किस्म	डड मिनिल/डड बिनी	धान	ब्रेनिला एम संगमा
408	आरईजी /2014/1225	किसान की किस्म	पाइचोंग	धान	हिलिया एम संगमा
409	आरईजी /2014/1226	किसान की किस्म	मोरोंग	धान	पोडिक एम संगमा
410	आरईजी /2014/1231	किसान की किस्म	एनजीए होंगमा	धान	शिरुई ग्राम समुदाय
411	आरईजी /2014/1235	किसान की किस्म	खंगामराह कटेओआ	धान	शिरुई ग्राम समुदाय
412	आरईजी /2014/1293	नई किस्म	एनयू 3214	बाजरा	एनयू जीन्स प्रा. लिमिटेड
413	आरईजी /2014/1296 एच	नई किस्म	केसीएच-111 बीजी II	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
414	आरईजी /2014/1297	नई किस्म	केसीएच-144 बीजी II	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
415	आरईजी /2014/1299	नई किस्म	केसीएच-711 बीजी II	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
416	आरईजी /2014/1307	नई किस्म	पीएमएच 7 (जेएच 3956)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
417	आरईजी /2014/1311	किसान की किस्म	चिन्नार-20	धान	अरियामल और ए पुष्पम
418	आरईजी /2014/1375	किसान की किस्म	पालकी अरहर	अरहर	महेश नेताम
419	आरईजी /2014/1423	किसान की किस्म	विष्णुभोग सत्य	धान	सत्यकुमार नागवंशी
420	आरईजी /2014/1458	नई किस्म	केएसपी 1130	टमाटर	बीजो शीतल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
421	आरईजी /2014/1620	किसान की किस्म	जीरा धान	धान	धरोहर समिति
422	आरईजी /2014/1656	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9120	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
423	आरईजी /2014/1734	नई किस्म	केसीएल-20	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
424	आरईजी /2014/1747	नई किस्म	सीएनए 1003 (रोजा)	द्विगुणित कपास	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
425	आरईजी /2014/1769	विद्यमान (वीसीके)	पी3596	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
426	आरईजी /2014/1822	किसान की किस्म	गुड्डी मसूर	मसूर	गुड्डी कुमारी
427	आरईजी /2014/1823	किसान की किस्म	बिमला मसूर	मसूर	बिमला देवी

428	आरईजी /2014/1824	किसान की किस्म	करुणा मसूर	मसूर	करुणा देवी
429	आरईजी /2014/1828	किसान की किस्म	रीता तीसी	अलसी	रीता देवी
430	आरईजी /2014/1859	किसान की किस्म	गोविंदा भोग जोहा	धान	डॉ. अरुणिमा देब चौधरी
431	आरईजी /2014/1944	किसान की किस्म	देशी छोला	काबुली चना	सुकचंद टुडू
432	आरईजी /2014/1973	किसान की किस्म	चेंदु कनुस	ज्वार	पाटिल चेतन सुरेश
433	आरईजी /2014/2032	नई किस्म	सीआर धान 411 (स्वर्णांजलि आईईटी 27852)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
434	आरईजी /2014/2068	किसान की किस्म	बेकांग	सोयाबीन	जोसेफ एच. थंज़ुआला
435	आरईजी /2014/2123	किसान की किस्म	रूण चना	काबुली चना	राज प्रताप भारती
436	आरईजी /2014/2127	किसान की किस्म	कटनहिया धनिया	धनिया	दिलीप कुमार सिंह
437	आरईजी /2014/2128	किसान की किस्म	सूफ़ी धनिया	धनिया	राजघर्बी सिंह
438	आरईजी /2014/2143	नई किस्म	टीएमसी 500040	त्रिगुणित कपास	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
439	आरईजी /2014/2148	किसान की किस्म	टेनी	धान	प्रदीप कुमार
440	आरईजी /2014/2151	किसान की किस्म	नासरी देसी	अदरक	दिनदयाल सिंह
441	आरईजी /2014/2157	किसान की किस्म	सोनाली	अलसी	विजय बहादुर सिंह
442	आरईजी /2014/2158	किसान की किस्म	छोटी तीसे	अलसी	कमल देव राय
443	आरईजी /2014/2159	किसान की किस्म	रुपाली	अलसी	विजय बहादुर सिंह
444	आरईजी /2014/2162	किसान की किस्म	साहेब चना	काबुली चना	धीरेंद्र कुमार सिंह
445	आरईजी /2014/2163	किसान की किस्म	सदाबहार	काबुली चना	धनंजय कुमार सिंह
446	आरईजी /2014/2164	किसान की किस्म	अवधी चना	काबुली चना	कमल देव राय
447	आरईजी /2014/2174	किसान की किस्म	सोमित 6	धान	सुरेंद्र कुमार
448	आरईजी /2014/2182	किसान की किस्म	देसी नं. 1	गन्ना	सुरेंद्र कुमार
449	आरईजी /2014/2183	किसान की किस्म	देसी नं. 2	गन्ना	सुरेंद्र कुमार
450	आरईजी /2014/2190	किसान की किस्म	लाल मेही	धान	बिमल गोस्वामी
451	आरईजी /2014/2221	किसान की किस्म	एच.जे.पी-राम भोग	धान	जय प्रकाश सिंह

452	आरईजी /2014/2337	किसान की किस्म	सादा पैजाम	धान	हीरालाल राय
453	आरईजी /2014/2358	नई किस्म	जीके 2008	सूरजमुखी	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
454	आरईजी /2014/2359	नई किस्म	जीके3124	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
455	आरईजी /2014/2376	विद्यमान (वीसीके)	जीके3118	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
456	आरईजी /2014/2401	नई किस्म	जीके2009	सूरजमुखी	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
457	आरईजी /2014/2404	नई किस्म	जीके3155	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
458	आरईजी /2014/2405	नई किस्म	जीके3153	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
459	आरईजी /2014/2406	नई किस्म	जीके3166	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
460	आरईजी /2014/2418	किसान की किस्म	पप्पलु	छोटी इलायची	श्री के.वी. पॉलोज़
461	आरईजी /2014/2425	विद्यमान (वीसीके)	अजीत विराट	बैंगन	अजीत सीड्स लिमिटेड
462	आरईजी /2014/2469	नई किस्म	जीके2021	सूरजमुखी	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
463	आरईजी /2014/2470	नई किस्म	जीके2018	सूरजमुखी	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
464	आरईजी /2014/2471	विद्यमान (वीसीके)	जीके3156	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
465	आरईजी /2014/2475	विद्यमान (वीसीके)	जीके3112	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
466	आरईजी /2014/2477	नई किस्म	जीके3114	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
467	आरईजी /2014/2479	नई किस्म	जीके3162	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
468	आरईजी /2014/2480	नई किस्म	जीके3164	मक्का	गंगा कावेरी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

469	आरईजी /2014/2487	किसान की किस्म	अर्जुन	छोटी इलायची	श्री मेनुविन थॉमस
470	आरईजी /2014/2488	किसान की किस्म	ज़िओन मुंडी	काली मिर्च	श्री पी.जी. जॉर्ज
471	आरईजी /2015/33	किसान की किस्म	बमनाबे मसूर (देसी)	मसूर	प्रमोद कुमार
472	आरईजी /2015/37	किसान की किस्म	पकरार तीसी	अलसी	टुकेश्वर साव
473	आरईजी /2015/109	किसान की किस्म	नेवर	धान	घ. मोहम्मद लोन
474	आरईजी /2015/194	किसान की किस्म	हेमपाल	धान	बाबूलाल दहिया
475	आरईजी /2015/212	नई किस्म	एनपीएच-2003	धान	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
476	आरईजी /2015/216	नई किस्म	आरसीएच 602 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
477	आरईजी /2015/223	किसान की किस्म	जवारी भिंडी	भिंडी	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
478	आरईजी /2015/233	किसान की किस्म	काला धान	धान	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
479	आरईजी /2015/239	किसान की किस्म	चमकी अलसी	अलसी	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
480	आरईजी /2015/242	किसान की किस्म	कपसर	धान	गोरखनाथ सिंह
481	आरईजी /2015/243	किसान की किस्म	मसूर-एल	मसूर	अनिल पांडे
482	आरईजी /2015/258	किसान की किस्म	सेरहा-5	धान	रामाधार सिंह
483	आरईजी /2015/263	किसान की किस्म	टीसी-4	अलसी	बिजयमल मियां
484	आरईजी /2015/272	विद्यमान (वीसीके)	पीएम12पी018आर	बाजरा	रैलिस इंडिया लिमिटेड
485	आरईजी /2015/276	किसान की किस्म	लोटनिया-7	तोरिया	शिव कुमार सिंह
486	आरईजी /2015/280	किसान की किस्म	तीसी - जे	अलसी	तेजपति सिंह
487	आरईजी /2015/299	किसान की किस्म	देशी तीसी	अलसी	मोहम्मद गुलजार मियां
488	आरईजी /2015/327	विद्यमान (वीसीके)	गोल्ड विट्ठल बीजीII (जीबीसीएच 8888 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	ग्रीन गोल्ड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
489	आरईजी /2015/364	किसान की किस्म	देहाती अरहर-2	अरहर	किशोरी कुमार यादव
490	आरईजी /2015/369	नई किस्म	टीएमएमएच 826	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
491	आरईजी /2015/391	किसान की किस्म	सुगंधित मेथी	मेथी	दिनेश रजक
492	आरईजी /2015/406	किसान की किस्म	देहाती अरहर लाल	अरहर	राजदेव प्रजापति

493	आरईजी /2015/412	किसान की किस्म	झुमका बासमती	धान	अनिल कुमार साहनी
494	आरईजी /2015/538	किसान की किस्म	सुडिंग	धान	डॉ. रिछारिया किसानी संवर्धन समिति
495	आरईजी /2015/595	किसान की किस्म	कुन्हर	धान	डॉ. रिछारिया किसानी संवर्धन समिति
496	आरईजी /2015/803	नई किस्म	27पी37	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
497	आरईजी /2015/821	किसान की किस्म	पंकज अदरक-1	अदरक	पंकज गोप
498	आरईजी /2015/878	किसान की किस्म	सदाबहार	आम	श्री किशन सुमन
499	आरईजी /2015/911	किसान की किस्म	महुली	मूंगफली	नूर मोहम्मद अंसारी
500	आरईजी /2015/931	किसान की किस्म	अमृत	अलसी	अमृत राम
501	आरईजी /2015/936	किसान की किस्म	धनिया परबना	धनिया	मुंद्रिका प्रजापति
502	आरईजी /2015/941	किसान की किस्म	मूंग नाथ	मूंग	शिवनाथ कुशवाहा
503	आरईजी /2015/946	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9144	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
504	आरईजी /2015/949	किसान की किस्म	बीरन	धनिया	वीरेन्द्र कुमार कुशवाह
505	आरईजी /2015/958	किसान की किस्म	भदई नवा	मूंगफली	सुनील कुमार
506	आरईजी /2015/981	किसान की किस्म	कलजन	अलसी	निरंजन कुमार मेहता
507	आरईजी /2015/1010	नई किस्म	पी3399	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
508	आरईजी /2015/1030	किसान की किस्म	पचाईकाई	छोटी इलायची	श्री एल. रमैया और श्री आर. मुरुगन (पिता और पुत्र)
509	आरईजी /2015/1032	किसान की किस्म	राजौन-मुंग	मूंग	रूपेश कुमार चौधरी
510	आरईजी /2015/1168	नई किस्म	27पी22	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
511	आरईजी /2015/1171	नई किस्म	28पी67	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
512	आरईजी /2015/1173	किसान की किस्म	निरंजन धान -2	धान	निरंजन पं. सिंह
513	आरईजी /2015/1183	किसान की किस्म	अगस्त धान	धान	अगस्त राय

514	आरईजी /2015/1193	किसान की किस्म	शिव सरसों	भारतीय सरसों	शिव मुनि भगत
515	आरईजी /2015/1197	किसान की किस्म	रोही तीसी	अलसी	रोही लाल महतो
516	आरईजी /2015/1214	किसान की किस्म	देशी-3	मसूर	अनेसुल मंडल
517	आरईजी /2015/1220	किसान की किस्म	देशी-2	मसूर	मृत्युंजय मंडल
518	आरईजी /2015/1228	किसान की किस्म	बरसाती करोला-1	करेला	मंगल घरामि
519	आरईजी /2015/1239	किसान की किस्म	बरसाती	करेला	बलराम घरामी
520	आरईजी /2015/1250	किसान की किस्म	मेघना	करेला	मेकेल स्क
521	आरईजी /2015/1251	किसान की किस्म	देशी-3	करेला	प्रबोध भद्र
522	आरईजी /2015/1252	किसान की किस्म	अरहर-2	अरहर	उत्पल मंडल
523	आरईजी /2015/1256	किसान की किस्म	जटा राय	भारतीय सरसों	अनंत मंडल
524	आरईजी /2015/1280	नई किस्म	आरए204जी	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
525	आरईजी /2015/1285	नई किस्म	अराफिफ्टीन	अंगूर	कृषि अनुसंधान और विकास सीमित देयता कंपनी
526	आरईजी /2015/1289	किसान की किस्म	कह लाही	धान	जुगेन दास
527	आरईजी /2015/1349	किसान की किस्म	अरहर देसी-P	अरहर	जगमन देवी
528	आरईजी /2015/1350	किसान की किस्म	रेहे अरहर	अरहर	कजरू साहू
529	आरईजी /2015/1352	किसान की किस्म	देसी अरहर-डी	अरहर	रोपा उराँव
530	आरईजी /2015/1353	किसान की किस्म	अरहर चैती-पी	अरहर	मनदीप यादव
531	आरईजी /2015/1354	किसान की किस्म	देसी अरहर -1	अरहर	जयमुनि देवी
532	आरईजी /2015/1455	किसान की किस्म	देसी- एम	भारतीय सरसों	शशि कला देवी
533	आरईजी /2015/1456	किसान की किस्म	चंका	भारतीय सरसों	कामिश्नर भगत
534	आरईजी /2015/1458	किसान की किस्म	रेहे पीला सरसों	भारतीय सरसों	लालदेव उराँव
535	आरईजी /2015/1618	किसान की किस्म	पंचमी	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	निरेन सिंघा
536	आरईजी /2015/1620	किसान की किस्म	अमृत	रागी/ मंडुआ	अमृता बाला

537	आरईजी /2015/1663	नई किस्म	एमएम 7009	मक्का	रैलिस इंडिया लिमिटेड
538	आरईजी /2015/1728	किसान की किस्म	उत्तर बंगा लोकल-8	धान	पुंजन बर्मन
539	आरईजी /2015/1729	किसान की किस्म	उत्तर बंगा लोकल -9	धान	पुंजन बर्मन
540	आरईजी /2015/1736	किसान की किस्म	उत्तर बंगा लोकल -13	धान	पुंजन बर्मन
541	आरईजी /2015/1750	किसान की किस्म	अलापात्रे	राजमा	श्रीमती कमला शर्मा (निरौला)
542	आरईजी /2015/1752	किसान की किस्म	संथी-पी	धान	सुनील कुमार सिंह
543	आरईजी /2015/1754	किसान की किस्म	राजा	अलसी	जय राम प्रसाद
544	आरईजी /2015/1760	किसान की किस्म	देवनगढ़ आदी	अदरक	कमलेश्वर महतो
545	आरईजी /2015/1761	किसान की किस्म	देसी धनिया चौथी	धनिया	आनंदी प्रसाद
546	आरईजी /2015/1763	किसान की किस्म	काली बैंक	धान	कैलाश प्रसाद यादव
547	आरईजी /2015/1789	किसान की किस्म	छमार	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	किसानों का समुदाय
548	आरईजी /2015/1856	किसान की किस्म	केरे बादशाह भोग	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
549	आरईजी /2015/1871	विद्यमान (वीसीके)	डी4244	मक्का	एग्रीजेनेटिक्स आईएनसी
550	आरईजी /2015/1876	विद्यमान (वीसीके)	45एस44	भारतीय सरसों	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
551	आरईजी /2015/2011	नई किस्म	डी4685	मक्का	एग्रीजेनेटिक्स आईएनसी
552	आरईजी /2015/2036	नई किस्म	एएचएमएम/बीआर-8	खरबूजा	आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच)
553	आरईजी /2015/2095	नई किस्म	पी3535	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
554	आरईजी /2016/2	नई किस्म	टीएमआरएच 124	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
555	आरईजी /2016/20	नई किस्म	एमआरसी 7388 बीजी II	त्रिगुणित कपास	माहिको प्राइवेट लिमिटेड
556	आरईजी /2016/47	नई किस्म	टीएमएमएच844	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड

557	आरईजी /2016/55	किसान की किस्म	जेफ्री नागपाल	बोगनविलिया	श्रीमती वर्ना नागपाल
558	आरईजी /2016/257	किसान की किस्म	मसरा	मसूर	रवीन्द्र कुमार यादव
559	आरईजी /2016/261	किसान की किस्म	ग्रीन बुलेट	मिर्च	पिंटू मंडल
560	आरईजी /2016/263	किसान की किस्म	बंगला लंका	मिर्च	सुशील महतो
561	आरईजी /2016/269	किसान की किस्म	मोटा	मिर्च	अरुण कुमार मंडल
562	आरईजी /2016/275	विद्यमान (वीसीके)	आरएमएच4595	मक्का	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
563	आरईजी /2016/296	किसान की किस्म	लाल	मूंगफली	निम्मी बाखला
564	आरईजी /2016/311	किसान की किस्म	थेसी	अलसी	सुरुज उराँव
565	आरईजी /2016/319	विद्यमान (वीसीके)	टीवी (टॉकलाई वेजिटेटिव)-31	चाय	टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान
566	आरईजी /2016/320	नई किस्म	टीएसएस (टॉकलाई सीड स्टॉक)-1	चाय	टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान
567	आरईजी /2016/330	किसान की किस्म	सांगी	धनिया	अंजनी उराँव
568	आरईजी /2016/333	किसान की किस्म	चैती-पीपी	अरहर	जयबंत कुजूर
569	आरईजी /2016/335	किसान की किस्म	चैतारी-एलओ	अरहर	संदीप उराँव
570	आरईजी /2016/358	किसान की किस्म	मासरी- एलओ	मसूर	-सुबोधनी देवी
571	आरईजी /2016/383	किसान की किस्म	झिबरा	रागी/ मंडुआ	सवित्री भगत
572	आरईजी /2016/406	विद्यमान (वीसीके)	आर874एफ	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
573	आरईजी /2016/439	किसान की किस्म	पत्री	भारतीय सरसों	पैट्रिसिया टोप्पो
574	आरईजी /2016/443	किसान की किस्म	प्रतापी	तोरिया	शत्रुधन प्रजापति
575	आरईजी /2016/455	किसान की किस्म	चत्री	अरहर	रामबृक्ष साव
576	आरईजी /2016/456	नई किस्म	आतिश (एमएच 5360 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
577	आरईजी /2016/479	किसान की किस्म	चतराही	मटर	पुनम देवी
578	आरईजी /2016/492	किसान की किस्म	गोविंद	अलसी	राम कुमार दास
579	आरईजी /2016/519	किसान की किस्म	चैतिया	अरहर	मुद्रिका यादव

580	आरईजी /2016/526	नई किस्म	आर834एफ	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
581	आरईजी /2016/528	विद्यमान (वीसीके)	आर818एफ	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
582	आरईजी /2016/530	किसान की किस्म	लाल पिज़ी	अरहर	शंकर यादव
583	आरईजी /2016/533	नई किस्म	एलजी 34.05	मक्का	लीमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
584	आरईजी /2016/570	किसान की किस्म	जून शी	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	Village Climate Resilient Management Committee (VCRMC)
585	आरईजी /2016/571	किसान की किस्म	शेयम	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	न्यांगचिंग ग्राम परिषद
586	आरईजी /2016/595	किसान की किस्म	ए.एच.जे.पी-21	अरहर	जय प्रकाश सिंह
587	आरईजी /2016/596	किसान की किस्म	ए.एच.जे.पी-15	अरहर	जय प्रकाश सिंह
588	आरईजी /2016/597	किसान की किस्म	ए.एच.जे.पी-16	अरहर	जय प्रकाश सिंह
589	आरईजी /2016/598	किसान की किस्म	ए.एच.जे.पी-12	अरहर	जय प्रकाश सिंह
590	आरईजी /2016/626	विद्यमान (अधिसूचित)	जेएलए-505	द्विगुणित कपास	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
591	आरईजी /2016/709	नई किस्म	बायो जीएचवाई 60-2 बीजी II	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
592	आरईजी /2016/715	किसान की किस्म	रामकृष्ण	मूंगफली	रामकृष्ण विवेकानन्द ट्रस्ट
593	आरईजी /2016/725	किसान की किस्म	सेफुक	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	हिल्स फार्मर्स क्लब
594	आरईजी /2016/734	किसान की किस्म	परमल-पीआर	धान	महेंन्द्र साज
595	आरईजी /2016/772	नई किस्म	बायो एमएम 368जेड	बाजरा	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
596	आरईजी /2016/774	नई किस्म	बायो एलएम 460 जेड	बाजरा	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
597	आरईजी /2016/860	किसान की किस्म	अलीश	अलसी	रघुनंदन महतो
598	आरईजी /2016/862	किसान की किस्म	हारिन	धनिया	दिनेश कुमार धांगी
599	आरईजी /2016/877	विद्यमान (वीसीके)	आर915	धान	पायनियर ओवरसीज

					कॉर्पोरेशन
600	आरईजी /2016/878	विद्यमान (वीसीके)	आर871एफ	धान	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
601	आरईजी /2016/894	नई किस्म	सीआईटीएच-डब्ल्यू-5	अखरोट	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
602	आरईजी /2016/900	किसान की किस्म	लाली	तोरिया	नागिया देवी
603	आरईजी /2016/905	किसान की किस्म	सफ़ेदी	राजमा	देवंती देवी
604	आरईजी /2016/959	नई किस्म	एमएम 9333	मक्का	रैलिस इंडिया लिमिटेड
605	आरईजी /2016/964	किसान की किस्म	मंगल-I	अरहर	मंगल चौ. सरेन
606	आरईजी /2016/978	किसान की किस्म	चम्पई	अरहर	चंपई मुर्मू
607	आरईजी /2016/981	किसान की किस्म	मसूर राहर	अरहर	-माथुर सब्बर
608	आरईजी /2016/998	किसान की किस्म	बामुंडीहा-ली	अलसी	स्वपन शिट
609	आरईजी /2016/1010	किसान की किस्म	कमला	मटर	कमल मैती
610	आरईजी /2016/1012	विद्यमान (वीसीके)	सेलेक्शन -4 (फुले मोसंबी)	मौसम्बी	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
611	आरईजी /2016/1013	विद्यमान (वीसीके)	फुले शरबती (आरएचआरएल-124)	रसराज (एसिड लाइम)	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
612	आरईजी /2016/1019	किसान की किस्म	नंदी	मसूर	शांतिनाथ नंदी
613	आरईजी /2016/1020	किसान की किस्म	सलदाहारी	मसूर	निताई साव
614	आरईजी /2016/1042	किसान की किस्म	बकलसा	अरहर	कल्याणी हुटैत
615	आरईजी /2016/1043	विद्यमान (वीसीके)	डी3100	धान	डेल्टा एग्रीजेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
616	आरईजी /2016/1044	विद्यमान (वीसीके)	डी2600	धान	डेल्टा एग्रीजेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
617	आरईजी /2016/1170	किसान की किस्म	कुलदीप बालगोरा	धान	-कुलदीप टाना भगत
618	आरईजी /2016/1179	किसान की किस्म	सुखदेव कोश्नर	धान	सुखदेव उराँव
619	आरईजी /2016/1180	किसान की किस्म	सुखदेव करैनी	धान	सुखदेव उराँव
620	आरईजी /2016/1181	किसान की किस्म	गोवर्धन-जीएल	मूंगफली	गोवर्धन प्रजापति
621	आरईजी /2016/1185	किसान की किस्म	तुलसी मंजर-एल	धान	मुनेश्वर प्रसाद साहू

622	आरईजी /2016/1188	किसान की किस्म	कालदेव आदी	अदरक	कालदेव उराँव
623	आरईजी /2016/1191	किसान की किस्म	मुनेश्वर गोडा	धान	मुनेश्वर प्रसाद साहू
624	आरईजी /2016/1200	विद्यमान (वीसीके)	जेकेसीएच 12124 बीजी II	त्रिगुणित कपास	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
625	आरईजी /2016/1210	नई किस्म	जेकेएमएच 4152	मक्का	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
626	आरईजी /2016/1212	विद्यमान (वीसीके)	एमसी 13	धान	रैलिस इंडिया लिमिटेड
627	आरईजी /2016/1213	विद्यमान (वीसीके)	डीआरएच 836	धान	रैलिस इंडिया लिमिटेड
628	आरईजी /2016/1215	नई किस्म	एम आर 8666	धान	रैलिस इंडिया लिमिटेड
629	आरईजी /2016/1223	किसान की किस्म	हिसरा-जेके	अलसी	जयवंत कुजूर
630	आरईजी /2016/1232	किसान की किस्म	रानी काजल-पीएल	धान	फुलकुमारी उराँव
631	आरईजी /2016/1233	किसान की किस्म	लाडुवा	रागी/ मंडुआ	फुलकुमारी उराँव
632	आरईजी /2016/1280	किसान की किस्म	लाल धान -एमआर	धान	मुनेश्वर प्रसाद साहू
633	आरईजी /2016/1281	किसान की किस्म	कलमदानी-ईटी	धान	एतवा उराँव
634	आरईजी /2016/1285	किसान की किस्म	कलमदानी-सीजी	धान	गोवा उराँव
635	आरईजी /2016/1286	किसान की किस्म	दहिया-आर	धान	सुखराम उराँव
636	आरईजी /2016/1287	किसान की किस्म	नेटा-टीएल	धान	एतवा उराँव
637	आरईजी /2016/1296	किसान की किस्म	अघानी गुलाबी	अरहर	धनेश्वर महतो
638	आरईजी /2016/1311	किसान की किस्म	मुन्ना रानीकाजल	धान	मुन्ना भगत
639	आरईजी /2016/1317	किसान की किस्म	नेट्टा-पीके	धान	प्रदीप कुजूर
640	आरईजी /2016/1340	नई किस्म	एमआर 8333	धान	रैलिस इंडिया लिमिटेड
641	आरईजी /2016/1401	किसान की किस्म	एसकेटी श्री	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
642	आरईजी /2016/1445	किसान की किस्म	राम बेल	बेल	जय दुर्गा कृषक क्लब
643	आरईजी /2016/1461	किसान की किस्म	दिव्य भोग	धान	रोहित साहू
644	आरईजी /2016/1471	किसान की किस्म	पोषक धान	धान	रोहित साहू
645	आरईजी /2016/1472	किसान की किस्म	अमृत भोग	धान	रोहित साहू
646	आरईजी /2016/1475	किसान की किस्म	तिल कस्तूरी कुबरी ममहानी	धान	रोहित साहू

647	आरईजी /2016/1491	किसान की किस्म	कल्याणी	अरहर	नीलाभ शर्मा
648	आरईजी /2016/1709	विद्यमान (वीसीके)	नीलेश (एनएमएच-51)	मक्का	निर्मल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
649	आरईजी /2016/1718	किसान की किस्म	चिंगजिन थाबी सेलेक्शन	खीरा	श्री सपाम लुखोई सिंह
650	आरईजी /2016/1729	नई किस्म	आरएमएचएसएक्स38	मक्का	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
651	आरईजी /2016/1751	किसान की किस्म	मैतेई छू अन्गूगबा	गन्ना	श्री थिंगबैजम अमुचौ मैतेई
652	आरईजी /2016/1752	किसान की किस्म	मैतेई छू अंगंगबा सेलेक्शन	गन्ना	श्री थिंगबैजम अमुचौ मैतेई
653	आरईजी /2016/1839	विद्यमान (वीसीके)	टीएमएमएच 2840	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
654	आरईजी /2016/1840	किसान की किस्म	सिंधु	अरहर	लावारे बालासाहेब रामभव
655	आरईजी /2016/1893	नई किस्म	पीए9001	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
656	आरईजी /2016/2026	किसान की किस्म	सातधारी	भिंडी	बलराम मंडावी
657	आरईजी /2016/2090	किसान की किस्म	कद्दू देसी चकरी	कद्दू	संतोष शर्मा
658	आरईजी /2016/2097	किसान की किस्म	खीरा देसी वेबार	खीरा	संतोष शर्मा
659	आरईजी /2016/2098	किसान की किस्म	भिंडी देसी सात धारी	भिंडी	संतोष शर्मा
660	आरईजी /2016/2110	किसान की किस्म	सजीवन जामुन	जामुन	किसान बीज उत्पादक सहकारी समिति
661	आरईजी /2016/2150	किसान की किस्म	जंगली पीला गेंदा	गेंदा	-दीनदयाल यादव
662	आरईजी /2016/2157	किसान की किस्म	राजा बेल	बेल	-दीनदयाल यादव
663	आरईजी /2016/2185	किसान की किस्म	हंसदा गोरा (धान)-2	धान	होपेन हांसदा
664	आरईजी /2016/2210	किसान की किस्म	बास्को	धान	गुना बास्की
665	आरईजी /2016/2211	किसान की किस्म	टुडू वेरा	धान	राम राय टुडू
666	आरईजी /2016/2212	किसान की किस्म	टुडू गेदे मालती	धान	पचिया टुडू
667	आरईजी /2016/2214	किसान की किस्म	खंडोबल मुरी	धान	गोबिंदो खंडोबल
668	आरईजी /2016/2218	किसान की किस्म	माझी सर झिंगा	धान	जनार्दन माझी
669	आरईजी /2016/2222	किसान की किस्म	मार्डी बेरा मालती	धान	भागमत मार्डी

670	आरईजी /2016/2226	किसान की किस्म	मार्डी-बीए	बेल	मिरू बहा मार्डी
671	आरईजी /2016/2233	किसान की किस्म	हादी	धान	हादीराम गोप
672	आरईजी /2016/2277	किसान की किस्म	कलमदानी-बी	धान	बुधवा उराँव
673	आरईजी /2016/2278	किसान की किस्म	कलमदानी-बीएच	धान	भैया उराँव
674	आरईजी /2016/2279	किसान की किस्म	केतकी-बी	धान	बुधवा उराँव
675	आरईजी /2016/2280	किसान की किस्म	सीता कलमदानी	धान	-सीताराम उराँव
676	आरईजी /2016/2283	किसान की किस्म	सीता गोरा	धान	-सीताराम उराँव
677	आरईजी /2016/2289	किसान की किस्म	बुधमन कलमदानी	धान	बुधमन उराँव
678	आरईजी /2016/2292	किसान की किस्म	बुधमन करैनी	धान	बुधमन उराँव
679	आरईजी /2016/2308	किसान की किस्म	दहिया-बी	धान	बुधवा उराँव
680	आरईजी /2016/2316	किसान की किस्म	दहिया-आर	धान	रामू उराँव
681	आरईजी /2016/2319	किसान की किस्म	करहानी-बी	धान	बुधवा उराँव
682	आरईजी /2016/2327	किसान की किस्म	लक्ष्मण दहिया	धान	लक्ष्मण उराँव
683	आरईजी /2016/2331	किसान की किस्म	बुधमान अबुसैर	धान	बुधमन उराँव
684	आरईजी /2016/2334	किसान की किस्म	बालागोरा -ए	धान	अशोक उराँव
685	आरईजी /2016/2343	किसान की किस्म	दहिआ -ए	धान	अशोक उराँव
686	आरईजी /2016/2372	किसान की किस्म	जोहन -1	रागी/ मंडुआ	जोहान धनवार
687	आरईजी /2016/2373	किसान की किस्म	दुर्गा धुसरी -1	धान	दुर्गा उराँव
688	आरईजी /2016/2374	किसान की किस्म	कर्म-आरके	धान	करमा उराँव
689	आरईजी /2016/2375	किसान की किस्म	कर्म-1	रागी/ मंडुआ	करमा उराँव
690	आरईजी /2016/2376	किसान की किस्म	चरका गोड़ा	धान	मंगरी देवी
691	आरईजी /2016/2377	किसान की किस्म	सोहराय-1	रागी/ मंडुआ	सोहराय उराँव
692	आरईजी /2016/2378	किसान की किस्म	मद्र-1	रागी/ मंडुआ	मद्रा बक्ला
693	आरईजी /2016/2379	किसान की किस्म	करगा गोरा-1	धान	ढोली प्रधान
694	आरईजी /2016/2381	किसान की किस्म	मद्रा-आरसी	धान	मद्रा बक्ला

695	आरईजी /2016/2382	किसान की किस्म	कारंजा गोडा -पीपी	धान	बिरसा बाखला
696	आरईजी /2016/2383	किसान की किस्म	कांटो-1	रागी/ मंडुआ	कान्तो उराँव
697	आरईजी /2016/2384	किसान की किस्म	प्रधान-1	धान	गुरनाडी
698	आरईजी /2016/2387	किसान की किस्म	मेंगेन-1	धान	मेंगेन मुंडा
699	आरईजी /2016/2390	किसान की किस्म	बड़ी सोनों	धान	मिंगु मुंडा
700	आरईजी /2016/2391	किसान की किस्म	चारा जोलपो-1	धान	चारा मुंडा
701	आरईजी /2016/2392	किसान की किस्म	गोपाल-1	धान	चुरामणि देवी
702	आरईजी /2016/2393	किसान की किस्म	लूसा-1	धान	लूसा मुंडा
703	आरईजी /2016/2395	किसान की किस्म	मैगी राहडी	अरहर	फगुआ मुंडा
704	आरईजी /2016/2396	किसान की किस्म	गोमेया-1	रागी/ मंडुआ	गोमेया पाहन
705	आरईजी /2016/2397	किसान की किस्म	लूसा-1	रागी/ मंडुआ	लूसा मुंडा
706	आरईजी /2016/2400	किसान की किस्म	साऊ -1	रागी/ मंडुआ	सौ पाहन
707	आरईजी /2016/2402	किसान की किस्म	सुखराम बटुरा-1	मटर	सुखराम मुंडा
708	आरईजी /2016/2408	किसान की किस्म	लोयोग बाबा	धान	मंगा मुंडा
709	आरईजी /2016/2409	किसान की किस्म	बेरंगा गरगरिया	धान	बेरंगा मुंडा
710	आरईजी /2016/2410	किसान की किस्म	गोला अरा जोल्पो	धान	गोला मुंडा
711	आरईजी /2016/2411	किसान की किस्म	बिनरय गदा-1	धान	बाइनरी पाहन
712	आरईजी /2016/2412	किसान की किस्म	गोमेया सोरसोरिया	धान	गोमेया मुंडा
713	आरईजी /2016/2413	किसान की किस्म	भावर-1	धान	भंवर सिंह पाहन
714	आरईजी /2016/2418	किसान की किस्म	बंधिनी-1	रागी/ मंडुआ	बिरसी देवी
715	आरईजी /2016/2420	किसान की किस्म	चंपू-1	रागी/ मंडुआ	चंपू तिर्की
716	आरईजी /2016/2421	किसान की किस्म	नन्हेया- पीडी	धान	मधाई मुंडा
717	आरईजी /2016/2423	किसान की किस्म	शंकर-1	धान	बुधवा किस्पोट्टा
718	आरईजी /2016/2424	किसान की किस्म	अघनु-1	अरहर	अघनु तिर्की
719	आरईजी /2016/2428	किसान की किस्म	जरका गोरा	धान	नीलमणि देवी

720	आरईजी /2016/2429	किसान की किस्म	अभिषेक-1	रागी/ मंडुआ	नीलमणि देवी
721	आरईजी /2016/2431	किसान की किस्म	राम-1	धान	बिरसी देवी
722	आरईजी /2016/2433	किसान की किस्म	अर्जुन-1	रागी/ मंडुआ	मंतरनी देवी
723	आरईजी /2016/2436	किसान की किस्म	भीम-1	धान	मंतरनी देवी
724	आरईजी /2016/2437	किसान की किस्म	ढोली-1	रागी/ मंडुआ	ढोली प्रधान
725	आरईजी /2016/2438	किसान की किस्म	दुर्गा-1	रागी/ मंडुआ	दुर्गा उराँव
726	आरईजी /2016/2440	किसान की किस्म	चिनागोडा-पीवाई	धान	सोहराय उराँव
727	आरईजी /2016/2441	किसान की किस्म	धुमकु	धान	कर्मी तिर्की
728	आरईजी /2016/2444	किसान की किस्म	डुगी गोरा-1	धान	डुगी बाकला
729	आरईजी /2016/2445	किसान की किस्म	ठुमकू-पी2	धान	बिरसा बाखला
730	आरईजी /2016/2446	किसान की किस्म	आलम-1	धान	अघनु प्रधान
731	आरईजी /2017/2	नई किस्म	स्टार एक्स-20	मक्का	स्टार एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
732	आरईजी /2017/3	नई किस्म	स्टार एक्स-18	मक्का	स्टार एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
733	आरईजी /2017/6	नई किस्म	स्टार एक्स-14	मक्का	स्टार एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
734	आरईजी /2017/8	नई किस्म	स्टार एक्स-12	मक्का	स्टार एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड
735	आरईजी /2017/11	किसान की किस्म	श्रद्धा	जायफल	श्री दिलीप राजाराम मुकादम
736	आरईजी /2017/47	किसान की किस्म	काजल	जायफल	जयवंत हरिश्चंद्र पाटिल
737	आरईजी /2017/49	किसान की किस्म	नीलकंठ	जायफल	प्रकाश भास्कर परांजपे
738	आरईजी /2017/62	नई किस्म	एमपी15पी035आर	बाजरा	रैलिस इंडिया लिमिटेड
739	आरईजी /2017/63	नई किस्म	एमपी14पी028ए	बाजरा	रैलिस इंडिया लिमिटेड
740	आरईजी /2017/128	किसान की किस्म	डूंडी	धान	काशीनाथ महतो
741	आरईजी /2017/160	किसान की किस्म	खोला/कैनाकोना चिल्लीज	मिर्च	खोला/कैनाकोना मिर्च कृषक समूह
742	आरईजी /2017/168	किसान की किस्म	तुर्का मगन कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	मगन सिंह बरकड़े
743	आरईजी /2017/170	किसान की किस्म	नन्हा लुचाई मंगल	धान	मगन सिंह बरकड़े
744	आरईजी /2017/173	किसान की किस्म	सरबती कालूराम	गेहूं	कालू राम

745	आरईजी /2017/183	किसान की किस्म	कस्तरा कोदो शंकर	कोदो मिलेट (कोदो)	शंकर सिंह
746	आरईजी /2017/186	किसान की किस्म	उषा चतर	धान	चतर सिंह
747	आरईजी /2017/197	किसान की किस्म	लुचाई बसोरी	धान	बसोरी सिंह मार्को
748	आरईजी /2017/203	किसान की किस्म	लाल लोहंडी राकेश	धान	राकेश कुमार
749	आरईजी /2017/207	किसान की किस्म	शैलवर कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	सुरेश टेकाम
750	आरईजी /2017/208	किसान की किस्म	शैलवर अलसी	अलसी	मुकेश कुमार
751	आरईजी /2017/212	किसान की किस्म	भाईसन प्रेम	धान	प्रेम कुमार
752	आरईजी /2017/214	किसान की किस्म	सेओरी राय हीरा	तोरिया	हीरा सिंह
753	आरईजी /2017/216	किसान की किस्म	लुचाई नोहान	धान	नोहन सिंह
754	आरईजी /2017/217	किसान की किस्म	लुचाई गिन्धी	धान	गिंदी लाल
755	आरईजी /2017/218	किसान की किस्म	गुरमतिया कोरी	धान	तिरात
756	आरईजी /2017/219	किसान की किस्म	नवारी तराछ	धान	अमर दास
757	आरईजी /2017/220	किसान की किस्म	रानीकाजल प्रकाश	धान	प्रकाश बघेल
758	आरईजी /2017/239	किसान की किस्म	करहनी अटरिया	धान	विनोद सिंह
759	आरईजी /2017/245	किसान की किस्म	महिया अरहर	अरहर	रमेश सिंह परस्ते
760	आरईजी /2017/246	किसान की किस्म	कोदो कुंडम	कोदो मिलेट (कोदो)	रमेश सिंह परस्ते
761	आरईजी /2017/248	किसान की किस्म	कुटकी सतनझिर	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	रमेश सिंह परस्ते
762	आरईजी /2017/266	किसान की किस्म	दूध नेवारी चौपाल	धान	जगभान सिंह
763	आरईजी /2017/270	किसान की किस्म	झरगा रघुराज	धान	रघुराज सिंह
764	आरईजी /2017/275	किसान की किस्म	बेधार पपरा	धान	पुरषोत्तम दास
765	आरईजी /2017/276	किसान की किस्म	दिहुला रमेश	धान	रमेश यादव
766	आरईजी /2017/283	किसान की किस्म	रामभोग जगदीश	धान	-जगदीश कुशवाह
767	आरईजी /2017/284	किसान की किस्म	ब्रजभोग जगदीश	धान	-जगदीश कुशवाह
768	आरईजी /2017/288	किसान की किस्म	पसाई धन खिरवा	धान	परसू आदिवासी
769	आरईजी /2017/290	किसान की किस्म	खमतारा अरहर	अरहर	मिट्ठू सिंह

770	आरईजी /2017/295	किसान की किस्म	मिट्ठू कोडो	कोदो मिलेट (कोदो)	मिट्ठू सिंह ठाकुर
771	आरईजी /2017/299	किसान की किस्म	अलसी उत्तम	अलसी	उत्तम सिंह
772	आरईजी /2017/303	किसान की किस्म	करधाना बलदेव	धान	बलदेव सिंह यादव
773	आरईजी /2017/306	किसान की किस्म	उड़द सलैया	उड़द	हिम्मत सिंह
774	आरईजी /2017/311	किसान की किस्म	अमारी गेहु	गेहूं	गणेश सिंह यादव
775	आरईजी /2017/315	किसान की किस्म	मुलापारा अरहर	अरहर	ख़ुशीराम लोधी
776	आरईजी /2017/318	किसान की किस्म	उरद विक्रमपुर	उड़द	रहीस रानी
777	आरईजी /2017/329	किसान की किस्म	मुलापारा अलसी	अलसी	-लखनलाल लोधी
778	आरईजी /2017/330	किसान की किस्म	मकरी कोडो	कोदो मिलेट (कोदो)	महाराम आदिवासी
779	आरईजी /2017/336	किसान की किस्म	राजू कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	राजू खान
780	आरईजी /2017/343	किसान की किस्म	महाराज कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	महराज सिंह गौर
781	आरईजी /2017/345	किसान की किस्म	गुलजारी कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	गुलजारी लाल प्रजापति
782	आरईजी /2017/366	किसान की किस्म	काली उरद हेमन्त	उड़द	हेमन्त कुमार
783	आरईजी /2017/368	किसान की किस्म	काली कुटकी ममता	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	ममता बाई
784	आरईजी /2017/369	किसान की किस्म	कुटकी सरायटोला साखन	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	साखनवती
785	आरईजी /2017/370	किसान की किस्म	सफेद कुटकी रामकुमार	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राम कुमार
786	आरईजी /2017/371	किसान की किस्म	कुटकी काली शर्मिला	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	शर्मिला बाई
787	आरईजी /2017/374	किसान की किस्म	कोदो काली संतोष	कोदो मिलेट (कोदो)	संतोष
788	आरईजी /2017/375	किसान की किस्म	कतकी अमरदास	कोदो मिलेट (कोदो)	जवाहर
789	आरईजी /2017/376	किसान की किस्म	कोदो अमरदास	कोदो मिलेट (कोदो)	अमरदास
790	आरईजी /2017/377	किसान की किस्म	कोदो रूप	कोदो मिलेट (कोदो)	रूपा सिंह
791	आरईजी /2017/379	किसान की किस्म	देवतुअर कंचना	अरहर	अयोध्या प्रसाद भोयर
792	आरईजी /2017/381	किसान की किस्म	उरद मोहनलाल	उड़द	मोहनलाल उइके

793	आरईजी /2017/383	किसान की किस्म	अलसी सरिता	अलसी	सरिता उइके
794	आरईजी /2017/385	किसान की किस्म	तुअर रघुवीर	अरहर	रघुवीर उइके
795	आरईजी /2017/389	किसान की किस्म	कुटकी शशि	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	शशि मरकाम
796	आरईजी /2017/390	किसान की किस्म	कुटकी मोहन	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	मोहनलाल उइके
797	आरईजी /2017/395	किसान की किस्म	महिया राम	अरहर	राम साहू
798	आरईजी /2017/397	किसान की किस्म	उरद काली अजय	अरहर	अजय सहारे
799	आरईजी /2017/398	किसान की किस्म	पीली उरद अजय	अरहर	अजय सहारे
800	आरईजी /2017/406	किसान की किस्म	हरि धारी ज्ञानता	लौकी	ज्ञान्ता भोयर
801	आरईजी /2017/407	किसान की किस्म	हल्के हरि देवेन्द्र	लौकी	देवेन्द्र भोयर
802	आरईजी /2017/412	किसान की किस्म	सारेखाकला मिर्च	मिर्च	हिम्मत सिंह चौधरी
803	आरईजी /2017/414	किसान की किस्म	गोल लौकी मनीष	लौकी	मनीष राहंगडाले
804	आरईजी /2017/417	किसान की किस्म	भूरा कोडो जयशंकर	कोदो मिलेट (कोदो)	सीताराम
805	आरईजी /2017/418	किसान की किस्म	कुटकी काली संतलाल	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संतलाल उइके
806	आरईजी /2017/419	किसान की किस्म	रेहलोनकला कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	चंदन काकोडिया
807	आरईजी /2017/420	किसान की किस्म	काली बत्री सरस्वती	मटर	सरस्वती
808	आरईजी /2017/423	किसान की किस्म	संगाईमल कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	गेंदलाल इनवाती
809	आरईजी /2017/424	किसान की किस्म	लौकी चित्तेदार चंद्रकांत	लौकी	चंद्रकांत
810	आरईजी /2017/446	किसान की किस्म	माघी अरहर संतरा	अरहर	संतरा बाई सिंह
811	आरईजी /2017/448	किसान की किस्म	सेमरिहा कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	राम प्रसाद पाव
812	आरईजी /2017/449	किसान की किस्म	शाहपुर लौकी	लौकी	बब्बी बाई साहू
813	आरईजी /2017/452	किसान की किस्म	लालन भिंडी	भिंडी	ललन सिंह पाव
814	आरईजी /2017/453	किसान की किस्म	शाहपुर भिंडी	भिंडी	हीरावती साहू

815	आरईजी /2017/454	किसान की किस्म	जय भिंडी	भिंडी	जय करण सिंह
816	आरईजी /2017/456	किसान की किस्म	किसलाई उरद	उड़द	लालताबाई ठाकुर
817	आरईजी /2017/457	किसान की किस्म	बुद्धू उरद	उड़द	बुद्धू सिंह ठाकुर
818	आरईजी /2017/458	किसान की किस्म	उसारी उरद	उड़द	रमेश ठाकुर
819	आरईजी /2017/459	किसान की किस्म	वीरू उरद	उड़द	वीरू ठाकुर
820	आरईजी /2017/460	किसान की किस्म	विन्दु उरद	उड़द	विंदू यादव
821	आरईजी /2017/461	किसान की किस्म	विष्णु उरद	उड़द	विष्णु ठाकुर
822	आरईजी /2017/462	किसान की किस्म	किशोरी उरद	उड़द	किशोरी ठाकुर
823	आरईजी /2017/464	किसान की किस्म	फूल उरद	उड़द	फूल सिंह ठाकुर
824	आरईजी /2017/466	किसान की किस्म	अमलेश उरद	उड़द	अमलेश ठाकुर
825	आरईजी /2017/469	किसान की किस्म	कोमल उरद	उड़द	कोमल ठाकुर
826	आरईजी /2017/471	किसान की किस्म	अतर उरद	उड़द	अतरलाल ठाकुर
827	आरईजी /2017/472	किसान की किस्म	आरती उरद	उड़द	आरतीबाई ठाकुर
828	आरईजी /2017/474	किसान की किस्म	गुड़ उरद	उड़द	जगराम यादव
829	आरईजी /2017/475	किसान की किस्म	प्यारी उरद	उड़द	प्यारीबाई ठाकुर
830	आरईजी /2017/494	किसान की किस्म	वरपानी तिल	तिल	सोवरन यादव
831	आरईजी /2017/495	किसान की किस्म	किसलाई तिल	तिल	रमेश ठाकुर
832	आरईजी /2017/496	किसान की किस्म	उसारी तिल	तिल	जगराम यादव
833	आरईजी /2017/497	किसान की किस्म	किसलाई तिल 1	तिल	अतरलाल ठाकुर
834	आरईजी /2017/501	किसान की किस्म	कैलाश कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	कैलाश ठाकुर
835	आरईजी /2017/503	किसान की किस्म	रमेश कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	रमेश ठाकुर
836	आरईजी /2017/504	किसान की किस्म	वीरू कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	वीरू ठाकुर
837	आरईजी /2017/505	किसान की किस्म	बल्लू कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	बल्लू ठाकुर

838	आरईजी /2017/506	किसान की किस्म	रामनाथ कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	रामनाथ ठाकुर
839	आरईजी /2017/535	किसान की किस्म	मटर रामपाल	मटर	रामापाल
840	आरईजी /2017/539	किसान की किस्म	कुटकी धानवान	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	धनवान सिंह
841	आरईजी /2017/542	किसान की किस्म	कोडो सरदार	कोदो मिलेट (कोदो)	सरदार सिंह
842	आरईजी /2017/552	किसान की किस्म	कोडो नवल	कोदो मिलेट (कोदो)	नवल किशोर पटेल
843	आरईजी /2017/555	किसान की किस्म	कोदो चंद्रभान	कोदो मिलेट (कोदो)	चंद्रभान राजपूत
844	आरईजी /2017/557	किसान की किस्म	गेहु चन्द्रभान	गेहूं	चंद्रभान राजपूत
845	आरईजी /2017/559	किसान की किस्म	कोदो दुलीचंद्र	कोदो मिलेट (कोदो)	दुलीचंद्र राजपूत
846	आरईजी /2017/560	किसान की किस्म	बैगनी पवन	अरहर	पवन सिंह धुर्वे
847	आरईजी /2017/564	किसान की किस्म	झूलर बब्लू	धान	बब्लू मरावी
848	आरईजी /2017/565	किसान की किस्म	सीताही पारसराम	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	परसराम आर्मो
849	आरईजी /2017/566	किसान की किस्म	कोदो उदय	कोदो मिलेट (कोदो)	उदय सिंह परते
850	आरईजी /2017/569	किसान की किस्म	सफ़ेद सरैया तारा	धान	तारा बाई सिंह राठौड़
851	आरईजी /2017/570	किसान की किस्म	लाल धन तीरथ	धान	तीरथ प्रसाद
852	आरईजी /2017/571	किसान की किस्म	बादलफूल जमुना	धान	जमुना सिंह राठौर
853	आरईजी /2017/572	किसान की किस्म	काली सरैया जमुना	धान	जमुना सिंह राठौर
854	आरईजी /2017/574	किसान की किस्म	खुर्दी थोथा	धान	अंजना
855	आरईजी /2017/575	किसान की किस्म	छोटी लुचाई रहता	धान	राम निहोर मेहरा
856	आरईजी /2017/578	किसान की किस्म	करमन उमरिया	धान	संतोष सिंह
857	आरईजी /2017/580	किसान की किस्म	लोहंडी गोवारा	धान	सुरेश सिंह
858	आरईजी /2017/581	किसान की किस्म	कनक छोटा बिजौरी	धान	-अवधेश सिंह
859	आरईजी /2017/583	किसान की किस्म	राकेड़ा बड़ा उमरिया	धान	-बिहारी सिंह
860	आरईजी /2017/585	किसान की किस्म	गैलरी अमृत	धान	अमृत सिंह

861	आरईजी /2017/586	किसान की किस्म	बड़ी लुचाई किंकर	धान	राम किंकर
862	आरईजी /2017/588	किसान की किस्म	किसान धान तिवनी	धान	गोविंद सिंह
863	आरईजी /2017/589	किसान की किस्म	हरुहान तिवनी	धान	गोविंद सिंह
864	आरईजी /2017/590	किसान की किस्म	टेडमारी हीरा	धान	हीरालाल भूमिया
865	आरईजी /2017/591	किसान की किस्म	लालू धन उमरिया	धान	हीरालाल भूमिया
866	आरईजी /2017/592	किसान की किस्म	थारी देवी	धान	देवी सिंह
867	आरईजी /2017/593	किसान की किस्म	धनिया जुड़वानी	धान	रजनी बाई
868	आरईजी /2017/594	किसान की किस्म	बेनाम धान सुन्दर	धान	सुंदर सिंह
869	आरईजी /2017/595	किसान की किस्म	लोही खैरवार	धान	सुनील कुमार तिवारी
870	आरईजी /2017/596	किसान की किस्म	लाल सरैया रहता	धान	राजवंती सिंह
871	आरईजी /2017/597	किसान की किस्म	सरस्वतिया सस्त्रा	धान	राजेश जयसवाल
872	आरईजी /2017/599	किसान की किस्म	कुदैली बरकडे	कोदो मिलेट (कोदो)	संतोष सिंह
873	आरईजी /2017/600	किसान की किस्म	रक्षा कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	हेमराज सिंह
874	आरईजी /2017/602	किसान की किस्म	काली कुटकी जानकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	जानकी बाई
875	आरईजी /2017/603	किसान की किस्म	सफ़ेद कुटकी निघारी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सरस्वती बाई
876	आरईजी /2017/606	किसान की किस्म	करकेली अलसी	अलसी	विक्की बाई सिंह राठौड़
877	आरईजी /2017/607	किसान की किस्म	उरिद लवकेश	उड़द	लवकेश सिंह
878	आरईजी /2017/611	किसान की किस्म	अगहनी बड़ी सफेद जमुना	अरहर	जमुना सिंह राठौर
879	आरईजी /2017/612	किसान की किस्म	अगहनी छोटी सफेद जमुना	अरहर	जमुना सिंह राठौर
880	आरईजी /2017/613	किसान की किस्म	अघनी लाल मझौली जमुना	अरहर	जमुना सिंह राठौर
881	आरईजी /2017/614	किसान की किस्म	माघी चितकबरी लाल बाड़ी	अरहर	रामकुमार
882	आरईजी /2017/622	किसान की किस्म	समंदर धनिया/छोटी धनिया	धनिया	समंदर सिंह
883	आरईजी /2017/624	किसान की किस्म	वंशी मुकेश	गेहूं	मुकेश कुशवाह
884	आरईजी /2017/625	किसान की किस्म	लोनागी रामसिया	धान	रामसिया शुक्ला

885	आरईजी /2017/626	किसान की किस्म	करहणी महेंद्र	धान	महेंद्र पांडे
886	आरईजी /2017/627	किसान की किस्म	भूरी सायरी देवेन्द्र	धान	देवेन्द्र मिश्रा
887	आरईजी /2017/628	किसान की किस्म	पीली लुचाई समनापुर	धान	सुरेंद्र राहंगडाले
888	आरईजी /2017/629	किसान की किस्म	सफेद लुचाई बड़ी पौनी	धान	जुगल किशोर ठाकरे
889	आरईजी /2017/630	किसान की किस्म	सफ़ेद लुचाई कोप्पे	धान	विजय गौतम
890	आरईजी /2017/631	किसान की किस्म	छिपड़ा लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
891	आरईजी /2017/632	किसान की किस्म	छिनूर लोहारा	धान	भावेश टेंभरे
892	आरईजी /2017/633	किसान की किस्म	खाड़ा राजकुमार	धान	राजकुमार चौधरी
893	आरईजी /2017/634	किसान की किस्म	असन चूनी लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
894	आरईजी /2017/635	किसान की किस्म	सीता चंदना	धान	राजकुमार चौधरी
895	आरईजी /2017/636	किसान की किस्म	मोन्या काली खंडपार	धान	नरेंद्र तिलगाम
896	आरईजी /2017/637	किसान की किस्म	पांडु लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
897	आरईजी /2017/638	किसान की किस्म	जीरा संकर खैरगांव	धान	नाथूलाल पारधी
898	आरईजी /2017/639	किसान की किस्म	पद्मा लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
899	आरईजी /2017/640	किसान की किस्म	भाटा मकड़ी लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
900	आरईजी /2017/641	किसान की किस्म	हरद गुंडी सोमखर	धान	योगेश राहंगडाले
901	आरईजी /2017/642	किसान की किस्म	तुलसीदास लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
902	आरईजी /2017/643	किसान की किस्म	लुचाई रामपुरी	धान	भेजलाल माने
903	आरईजी /2017/644	किसान की किस्म	हाथी लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
904	आरईजी /2017/647	किसान की किस्म	कालाजीरा लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
905	आरईजी /2017/648	किसान की किस्म	चिंदी कपूर लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
906	आरईजी /2017/649	किसान की किस्म	लाखोआ लोटमारा	धान	राजकुमार चौधरी
907	आरईजी /2017/650	किसान की किस्म	रायबुआ चांदना	धान	राजकुमार चौधरी
908	आरईजी /2017/651	किसान की किस्म	भदोचिंगा भटले	धान	भुनेश ठाकरे
909	आरईजी /2017/652	किसान की किस्म	बहुरूपी सकरी	धान	योगेन्द्र हनुवत

910	आरईजी /2017/653	किसान की किस्म	जीराफुल छिजगांव	धान	दुर्गाप्रसाद रहांगडाले
911	आरईजी /2017/654	किसान की किस्म	मुहबेली भोरवाही	धान	सी.आर.चौधरी
912	आरईजी /2017/656	किसान की किस्म	सफ़ेद धान प्रेमलाल	धान	प्रेमलाल धुर्वे
913	आरईजी /2017/657	किसान की किस्म	काली धान हंस	धान	हंस कुमार वर्मा
914	आरईजी /2017/659	किसान की किस्म	गोल बत्री अमर	मटर	अमर सिंह मरावी
915	आरईजी /2017/660	किसान की किस्म	भूरा कोदो अमर	कोदो मिलेट (कोदो)	अमर सिंह मरावी
916	आरईजी /2017/666	किसान की किस्म	बत्री चपाती फूल	मटर	फूलवती
917	आरईजी /2017/667	किसान की किस्म	अलसी प्रेम	अलसी	प्रेम सिंह
918	आरईजी /2017/669	किसान की किस्म	काला तिवड़ा धनोली	मटर	राम सिंह
919	आरईजी /2017/670	किसान की किस्म	सकालू धान	धान	पतिराम
920	आरईजी /2017/671	किसान की किस्म	बत्री पतिराम	मटर	पतिराम
921	आरईजी /2017/673	किसान की किस्म	छोटा साथिया	धान	छोटा
922	आरईजी /2017/674	किसान की किस्म	सकालू भेंड़ा	भिंडी	पतिराम
923	आरईजी /2017/675	किसान की किस्म	कोदो भूरा अमर खमरिया	कोदो मिलेट (कोदो)	अमर सिंह
924	आरईजी /2017/679	किसान की किस्म	कोदो लाद्री कामूर	कोदो मिलेट (कोदो)	कामू लाल
925	आरईजी /2017/680	किसान की किस्म	जुनवानी अमर धन	धान	कामू लाल
926	आरईजी /2017/681	किसान की किस्म	मधिया अमरू अरहर	अरहर	अमरू सिंह
927	आरईजी /2017/682	किसान की किस्म	कुटकी सीताही प्रेम	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	प्रेम सिंह
928	आरईजी /2017/683	किसान की किस्म	करिया बुधुधु कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	बुद्धू
929	आरईजी /2017/684	किसान की किस्म	कोदो कृतकी खमरिया	कोदो मिलेट (कोदो)	प्रेम सिंह
930	आरईजी /2017/686	किसान की किस्म	काली माता कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	हेम प्रकाश
931	आरईजी /2017/687	किसान की किस्म	उरई बूटा हेम	धान	हेम प्रकाश
932	आरईजी /2017/689	किसान की किस्म	भागा कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	भागा बाई
933	आरईजी /2017/692	किसान की किस्म	बुधु जुनवानी कुटकी	लिटिल मिलेट	बुध्धु

				(कुटकी/सवान)	
934	आरईजी /2017/693	किसान की किस्म	कोदो घेवरी पांकु	कोदो मिलेट (कोदो)	पंकू
935	आरईजी /2017/697	किसान की किस्म	अलसी जले पन्द्रे	अलसी	सुखराम पंड्रे
936	आरईजी /2017/698	किसान की किस्म	सुकदास बुद्धू	धान	बुद्धू
937	आरईजी /2017/699	किसान की किस्म	धरम नुंगा	धान	धर्म सिंह
938	आरईजी /2017/700	किसान की किस्म	धन खमेरा भागवत	धान	भगवती
939	आरईजी /2017/701	किसान की किस्म	रेबुता खमरिया प्रेम	धान	प्रेम सिंह
940	आरईजी /2017/703	किसान की किस्म	नुंगी बाल	धान	बालकिसन
941	आरईजी /2017/704	किसान की किस्म	भदेला खमरिया अमान	धान	अमान सिंह
942	आरईजी /2017/705	किसान की किस्म	तेहरा महैया	अरहर	तेहरा बाई
943	आरईजी /2017/706	किसान की किस्म	लुचाई जलेगाओ लालू	धान	लालू सिंह
944	आरईजी /2017/708	किसान की किस्म	बड़े नुंगा तेहरा खमरिया	धान	तेहरा बाई
945	आरईजी /2017/709	किसान की किस्म	छोटी नुंगा हिरलु पट्टा	धान	हिरलू सिंह
946	आरईजी /2017/710	किसान की किस्म	सुकदास काशी	धान	काशीराम
947	आरईजी /2017/711	किसान की किस्म	कुटकी काशी खमरिया	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	काशीराम
948	आरईजी /2017/713	किसान की किस्म	सुमरिन कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	सुमरिन बाई
949	आरईजी /2017/714	किसान की किस्म	धान लंगा बृजलाल	धान	बृजलाल यादव
950	आरईजी /2017/717	किसान की किस्म	काली कुटकी सुमरिन	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सुमरिन बाई
951	आरईजी /2017/718	किसान की किस्म	चतुरु मटर	मटर	चटरू
952	आरईजी /2017/720	किसान की किस्म	बर्रा अरहर मनकी	अरहर	मानकी
953	आरईजी /2017/721	किसान की किस्म	इरपाची धान	धान	नेलाश
954	आरईजी /2017/729	किसान की किस्म	चिंतामन धान	धान	चिंतामण गोरू
955	आरईजी /2017/733	किसान की किस्म	सामल अरहर	अरहर	सामल
956	आरईजी /2017/736	किसान की किस्म	पाइकू अरहर	अरहर	सोमजी धुर्वे

957	आरईजी /2017/737	किसान की किस्म	कंचनसा मटर	मटर	कंचनसा उइके
958	आरईजी /2017/742	किसान की किस्म	धान धन्ना	धान	धन्नाराम
959	आरईजी /2017/744	किसान की किस्म	सफ़ेद बारामासी अरहर अजय	अरहर	अजय केकतपुरे
960	आरईजी /2017/745	किसान की किस्म	लाल अरहर मनोहर	अरहर	महोहर लालजी
961	आरईजी /2017/747	किसान की किस्म	गिया तुअर	अरहर	जिया वर्मा
962	आरईजी /2017/749	किसान की किस्म	आशाराम कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	आशाराम मरावी
963	आरईजी /2017/760	किसान की किस्म	कादिर अरहर	अरहर	कादिर खान
964	आरईजी /2017/761	किसान की किस्म	केशव बटाना	मटर	केशव प्रसाद डेहरिया
965	आरईजी /2017/762	किसान की किस्म	गयाप्रसाद धनिया	धनिया	गया प्रसाद डेहरिया
966	आरईजी /2017/764	किसान की किस्म	छिदामी कोडो	कोदो मिलेट (कोदो)	छिदामी डेहरिया
967	आरईजी /2017/767	किसान की किस्म	सुभाष तुआर	अरहर	-सुभाष कवरेती
968	आरईजी /2017/770	किसान की किस्म	विंदर छोटी बात्री	मटर	विंदर ज्ञानी उइके
969	आरईजी /2017/772	किसान की किस्म	महेश धान	धान	महेश
970	आरईजी /2017/774	किसान की किस्म	सोमनाथ पीली बात्री	मटर	सोमनाथ हरिराम कुम्हारे
971	आरईजी /2017/776	किसान की किस्म	डंगू धान	धान	गयाप्रसाद डांगु उइके
972	आरईजी /2017/777	किसान की किस्म	करधना गयाप्रसाद	धान	गयाप्रसाद डांगु उइके
973	आरईजी /2017/779	किसान की किस्म	काली कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	बिसन लाल
974	आरईजी /2017/781	किसान की किस्म	इंद्र तेंडनी तुअर	अरहर	इंद्र कुमार
975	आरईजी /2017/783	किसान की किस्म	प्रेम तेंदनी लखु धान	धान	प्रेम नारायण
976	आरईजी /2017/784	किसान की किस्म	छोटी राहर	अरहर	किशोरी लाल
977	आरईजी /2017/788	किसान की किस्म	करधना ब्रजभान घोगरी	धान	ब्रजभान
978	आरईजी /2017/790	किसान की किस्म	हधान ब्रिज	धान	ब्रजभान
979	आरईजी /2017/791	किसान की किस्म	मामोक कोडो	कोदो मिलेट (कोदो)	मामोक सिंह
980	आरईजी /2017/795	किसान की किस्म	धन मामोक	धान	मामोक सिंह

981	आरईजी /2017/796	किसान की किस्म	श्याम अरहर हर्राई	अरहर	श्याम बाई
982	आरईजी /2017/800	किसान की किस्म	सफेद तुअर फूल	अरहर	फूलमन
983	आरईजी /2017/801	किसान की किस्म	फूलमन सफ़ेद बटेरो धान	धान	फूलमन
984	आरईजी /2017/802	किसान की किस्म	फूलमान सफ़ेद धान	धान	फूलमन
985	आरईजी /2017/803	किसान की किस्म	सफ़ेद तुआर	अरहर	विनोद सुखमन धुर्वे
986	आरईजी /2017/805	किसान की किस्म	सफेद कुटकी घनोरा	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संजय सुधमान यादव
987	आरईजी /2017/806	किसान की किस्म	काली बत्रीसंजय	मटर	संजय सुधमान यादव
988	आरईजी /2017/807	किसान की किस्म	सफ़ेद धान संजय	धान	संजय सुधमान यादव
989	आरईजी /2017/809	किसान की किस्म	जल धान	धान	जलमन
990	आरईजी /2017/814	किसान की किस्म	करधना मांकली	धान	मनकली
991	आरईजी /2017/817	किसान की किस्म	मन कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	मनकली
992	आरईजी /2017/818	किसान की किस्म	राम अरहर	अरहर	राम कुमार
993	आरईजी /2017/819	किसान की किस्म	धन बत्रा	मटर	राम कुमार
994	आरईजी /2017/820	किसान की किस्म	बत्रो धान	धान	राज कुमार
995	आरईजी /2017/821	किसान की किस्म	काली कुटकी राज	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राज कुमार
996	आरईजी /2017/824	किसान की किस्म	बाटाना मूलचंद	मटर	मूलचंद साहू
997	आरईजी /2017/830	किसान की किस्म	कोदो प्रीतम	कोदो मिलेट (कोदो)	प्रीतम देहरिया
998	आरईजी /2017/831	किसान की किस्म	सुखदास धान	धान	जानकी इवनाती
999	आरईजी /2017/834	किसान की किस्म	रुश्मान धान	धान	रुश्मान पारतेती
1000	आरईजी /2017/836	किसान की किस्म	अधार लाल धान	धान	अधार इवानाती
1001	आरईजी /2017/839	किसान की किस्म	करधाना मनजीत	धान	मंजीत परतेती
1002	आरईजी /2017/840	किसान की किस्म	संजीत कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	संजीत
1003	आरईजी /2017/842	किसान की किस्म	शारदा तुअर	अरहर	शारदा
1004	आरईजी /2017/855	किसान की किस्म	केवलारी	धान	सुकाल सय्याम

1005	आरईजी /2017/857	किसान की किस्म	असम कोटी	धान	वीरेन्द्र नेति
1006	आरईजी /2017/858	किसान की किस्म	देसी सरला	धान	वीरेन्द्र नेति
1007	आरईजी /2017/859	किसान की किस्म	छोटी कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	राम कृपाल यादव
1008	आरईजी /2017/860	किसान की किस्म	काली कुटकी राम	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राम कृपाल यादव
1009	आरईजी /2017/861	किसान की किस्म	महुआ धेता	धान	घूरे लाल परते
1010	आरईजी /2017/863	किसान की किस्म	गुंदली	धान	डब चंद्र मार्को
1011	आरईजी /2017/864	किसान की किस्म	पीली लुचाई समलू	धान	समलू यादव
1012	आरईजी /2017/865	किसान की किस्म	काली कुटकी नान	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	नान दाऊ पार्टे
1013	आरईजी /2017/866	किसान की किस्म	काकेहारी	धान	राम कृपाल यादव
1014	आरईजी /2017/867	किसान की किस्म	पीली लुचाई सुकल	धान	सुकाल सय्याम
1015	आरईजी /2017/869	किसान की किस्म	सुल्थो	धान	घूरे लाल परते
1016	आरईजी /2017/871	किसान की किस्म	छोटी सफेद लुचाई	धान	आशा राम बेगा
1017	आरईजी /2017/872	किसान की किस्म	बैगबूट	धान	विष्णु लाल यादव
1018	आरईजी /2017/874	किसान की किस्म	श्याम कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	घूरे लाल परते
1019	आरईजी /2017/876	किसान की किस्म	काली कुटकी चंगारिया	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सुकाल पार्टे
1020	आरईजी /2017/877	किसान की किस्म	महिया आशा	अरहर	आशा राम बेगा
1021	आरईजी /2017/879	किसान की किस्म	गुंदली राम	धान	राम प्रसाद मरकाम
1022	आरईजी /2017/881	किसान की किस्म	काली छोटी ननद	मटर	नन्द लाल साहू
1023	आरईजी /2017/882	किसान की किस्म	छोटी कली कोमल	मटर	किला बाई
1024	आरईजी /2017/883	किसान की किस्म	छोटी काली झेठू	मटर	जेठू साहू
1025	आरईजी /2017/884	किसान की किस्म	काली छोटी राजेंद्र	मटर	राजेंद्र साहू
1026	आरईजी /2017/887	किसान की किस्म	छोटी लुचाई मुन्ना	धान	मुन्ना लाल नेति

1027	आरईजी /2017/889	किसान की किस्म	काली छोटी राम	मटर	मुन्ना लाल नेति
1028	आरईजी /2017/891	किसान की किस्म	महिया राजेंद्र	अरहर	राजेंद्र कुमार यादव
1029	आरईजी /2017/897	किसान की किस्म	महिया धरमू	अरहर	धरम सिंह धुर्वे
1030	आरईजी /2017/898	किसान की किस्म	कोदो मानिक	कोदो मिलेट (कोदो)	माणिक लाल मसराम
1031	आरईजी /2017/899	किसान की किस्म	कुटकी रामनारायण	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राम नारायण मसराम
1032	आरईजी /2017/900	किसान की किस्म	हरु धान	धान	भौर सिंह पंड्रो
1033	आरईजी /2017/901	किसान की किस्म	कुडवेरिया	धान	रमेश मरावी
1034	आरईजी /2017/902	किसान की किस्म	सरसरी धरम	धान	धरम सिंह धुर्वे
1035	आरईजी /2017/904	किसान की किस्म	महिया बसोरी	अरहर	बसोरी लाल मसराम
1036	आरईजी /2017/906	किसान की किस्म	करधना बोकारी	धान	पार्वती बाई
1037	आरईजी /2017/907	किसान की किस्म	कुटकी झरिया	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	रामकुमार झारिया
1038	आरईजी /2017/908	किसान की किस्म	कोदो मंगल	कोदो मिलेट (कोदो)	मंगल सिंह उइके
1039	आरईजी /2017/910	किसान की किस्म	माहिया भौर	अरहर	भौर सिंह पंड्रो
1040	आरईजी /2017/911	किसान की किस्म	सफ़ेद बत्री गुड्डा	मटर	गुड्डा कुमार धुर्वे
1041	आरईजी /2017/912	किसान की किस्म	बत्री भौर	मटर	भौर सिंह पंड्रो
1042	आरईजी /2017/915	किसान की किस्म	काली बत्री धुर्वे	मटर	गुड्डा कुमार धुर्वे
1043	आरईजी /2017/916	किसान की किस्म	कोदो उमेश	कोदो मिलेट (कोदो)	उमेश कुमार उइके
1044	आरईजी /2017/917	किसान की किस्म	करधना माणिक	धान	माणिक लाल मसराम
1045	आरईजी /2017/918	किसान की किस्म	लुचाई धन हरिलाल	धान	हरि लाल नर्ते
1046	आरईजी /2017/919	किसान की किस्म	छोटी सफेद अंजू	मटर	अंजू बाई धुर्वे
1047	आरईजी /2017/920	किसान की किस्म	बत्री काली दाना छोटा	मटर	अंजू बाई धुर्वे
1048	आरईजी /2017/921	किसान की किस्म	कोदो कालीराम	कोदो मिलेट (कोदो)	कलीराम धुर्वे
1049	आरईजी /2017/922	किसान की किस्म	सिलरी	धान	सरोज बाई धुर्वे
1050	आरईजी /2017/925	किसान की किस्म	पुरानी तुअर (महरून लाल)-	अरहर	दलपत सिंह

			पीलूखेड़ी		
1051	आरईजी /2017/927	किसान की किस्म	कटकियौ अरहर	अरहर	मुन्ना लाल यादव
1052	आरईजी /2017/929	किसान की किस्म	बर्राछतरी धान	धान	नेहरू लाल सुनारे
1053	आरईजी /2017/930	किसान की किस्म	बर्री धान	धान	सुमन चावड़े
1054	आरईजी /2017/933	किसान की किस्म	पत्या कोडो	कोदो मिलेट (कोदो)	निर्मला सोनारे
1055	आरईजी /2017/936	किसान की किस्म	डिहुला बहादुर	धान	लाल बहादुर सिंह
1056	आरईजी /2017/937	किसान की किस्म	हंसराज तेदुहा	धान	लाल बहादुर सिंह
1057	आरईजी /2017/938	किसान की किस्म	बिरंजफूल बहादुर	धान	लाल बहादुर सिंह
1058	आरईजी /2017/939	किसान की किस्म	पठारी लाल तेदुहा	धान	लाल बहादुर सिंह
1059	आरईजी /2017/940	किसान की किस्म	लायची तेदुहा	धान	लाल बहादुर सिंह
1060	आरईजी /2017/941	किसान की किस्म	चिनमौरी दिनेश	धान	दिनेश सिंह
1061	आरईजी /2017/942	किसान की किस्म	सैरी छोटे	धान	छोटेलाल सिंह
1062	आरईजी /2017/943	किसान की किस्म	बासमती शिव	धान	शिव प्रताप सिंह
1063	आरईजी /2017/944	किसान की किस्म	जल्होरे उदय	धान	उदय भान सिंह
1064	आरईजी /2017/945	किसान की किस्म	बरभाई छपरा	धान	उदय भान सिंह
1065	आरईजी /2017/946	किसान की किस्म	लोंगा आदित्य	धान	आदित्य प्रताप सिंह
1066	आरईजी /2017/947	किसान की किस्म	लमेरा छपरा	धान	उदय भान सिंह
1067	आरईजी /2017/948	किसान की किस्म	कराहनी जूरी	धान	देवेन्द्र सिंह
1068	आरईजी /2017/949	किसान की किस्म	भेजरी पुष्प	धान	पुष्प राज सिंह
1069	आरईजी /2017/950	किसान की किस्म	कर्ममय इन्द्र	धान	इंद्र राज सिंह
1070	आरईजी /2017/951	किसान की किस्म	हंसा कनक	धान	पार्वती सिंह
1071	आरईजी /2017/952	किसान की किस्म	गुरमतिया गोविंद	धान	गोविंद सिंह
1072	आरईजी /2017/953	किसान की किस्म	भाटा फूल राजेंद्र	धान	राजेंद्र मिश्र
1073	आरईजी /2017/954	किसान की किस्म	करण फूल ब्रू	धान	बृजभान सिंह
1074	आरईजी /2017/955	किसान की किस्म	लोहंडी कैलाश	धान	कैलाश साहू

1075	आरईजी /2017/957	किसान की किस्म	बदाली यज्ञ	धान	यज्ञराज सिंह
1076	आरईजी /2017/958	किसान की किस्म	रेटुआ	धान	-उर्मिला सिंह
1077	आरईजी /2017/959	किसान की किस्म	मंगर (रायमुन)	धान	गजराज सिंह
1078	आरईजी /2017/960	किसान की किस्म	दुबराज तेदुहा	धान	लक्ष्मण सिंह
1079	आरईजी /2017/961	किसान की किस्म	लचाई लीला	धान	लीलावती
1080	आरईजी /2017/962	किसान की किस्म	नदावल प्रेम	धान	प्रेम बहादुर सिंह
1081	आरईजी /2017/964	किसान की किस्म	भाटा फूल बेल्हा	धान	लाल बहादुर सिंह
1082	आरईजी /2017/966	किसान की किस्म	कोडैली उदय	कोदो मिलेट (कोदो)	उदय भान सिंह
1083	आरईजी /2017/969	किसान की किस्म	भदैला तेदुहा	उड़द	लाल बहादुर सिंह
1084	आरईजी /2017/972	किसान की किस्म	बागरी कृष्णा	धान	कृष्णपाल सिंह
1085	आरईजी /2017/973	किसान की किस्म	कनक नंद	धान	कृष्णा नंद शर्मा
1086	आरईजी /2017/974	किसान की किस्म	हथवा	धान	कृष्णा नंद शर्मा
1087	आरईजी /2017/975	किसान की किस्म	बटुरा छोटी बड़वाही	मटर	उर्मिला सिंह गौर
1088	आरईजी /2017/976	किसान की किस्म	अर्सी नौढ़िया	अलसी	कृष्णा नंद शर्मा
1089	आरईजी /2017/978	किसान की किस्म	बागरी नरेश	धान	नरेश सिंह
1090	आरईजी /2017/979	किसान की किस्म	बेलौधा चकदौर	धान	राम राज सिंह
1091	आरईजी /2017/980	किसान की किस्म	विष्णुभोग जनकपुरी	धान	नरेंद्र सिंह चौहान
1092	आरईजी /2017/981	किसान की किस्म	विष्णुभोग चकदौर	धान	जय लाल सिंह
1093	आरईजी /2017/982	किसान की किस्म	बांके रघुवीर	धान	रघुवीर सिंह गौर
1094	आरईजी /2017/983	किसान की किस्म	लोहड़ी कथर्रा	धान	राममिलन साहू
1095	आरईजी /2017/984	किसान की किस्म	सोनखारची शिव	धान	शिव प्रसाद साहू
1096	आरईजी /2017/985	किसान की किस्म	डिहुला यज्ञ	धान	यज्ञराज सिंह
1097	आरईजी /2017/986	किसान की किस्म	बागरी रागु	धान	रघुवीर सिंह
1098	आरईजी /2017/988	किसान की किस्म	गोल बटुरा तेदुहा	मटर	यज्ञराज सिंह
1099	आरईजी /2017/989	किसान की किस्म	कोदो चक	कोदो मिलेट (कोदो)	राजभान सिंह

1100	आरईजी /2017/990	किसान की किस्म	मेझारी चकरोध	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	बृज नंदन सिंह
1101	आरईजी /2017/999	किसान की किस्म	संपत कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संपत खापरे
1102	आरईजी /2017/1002	किसान की किस्म	गणपत अरहर	अरहर	गणपत पोवार
1103	आरईजी /2017/1006	किसान की किस्म	धनिया साहब	धनिया	साहब चंद्र मार्पे
1104	आरईजी /2017/1008	किसान की किस्म	कोदो सिपतिया	कोदो मिलेट (कोदो)	सिपतिया बाई
1105	आरईजी /2017/1010	किसान की किस्म	मटर रंगपुर	मटर	सिपतिया बाई
1106	आरईजी /2017/1014	किसान की किस्म	कुटकी रंगपूर	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सिपतिया बाई
1107	आरईजी /2017/1018	किसान की किस्म	अरहर चापा	अरहर	साहब चंद्र मार्पे
1108	आरईजी /2017/1019	किसान की किस्म	उर्द मार्पे	उड़द	साहब चंद्र मार्पे
1109	आरईजी /2017/1020	किसान की किस्म	मिर्च डार्क	मिर्च	साहब चंद्र मार्पे
1110	आरईजी /2017/1021	किसान की किस्म	कुटकी बानी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सुगना बाई
1111	आरईजी /2017/1022	किसान की किस्म	कुटकी संगत	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	अत्रसा
1112	आरईजी /2017/1023	किसान की किस्म	कुटकी गरज	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	बिरन
1113	आरईजी /2017/1024	किसान की किस्म	इतर तुअर	अरहर	इटरलाल परतेती
1114	आरईजी /2017/1025	किसान की किस्म	संतोष कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संतोष काकोड़िया
1115	आरईजी /2017/1026	किसान की किस्म	कोक राहर	अरहर	संतोष काकोड़िया
1116	आरईजी /2017/1029	किसान की किस्म	दीनी कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	दिनकर कोकोडिया
1117	आरईजी /2017/1030	किसान की किस्म	कुटकी पाल	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	नरेश
1118	आरईजी /2017/1031	किसान की किस्म	कुटकी चीर	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	इंकार

1119	आरईजी /2017/1032	किसान की किस्म	आतिश कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	आतिश उइके
1120	आरईजी /2017/1033	किसान की किस्म	कुटकी रजवाल	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राजवाल
1121	आरईजी /2017/1034	किसान की किस्म	तुअर बारामासी	अरहर	हजारी
1122	आरईजी /2017/1036	किसान की किस्म	कुटकी तामिया	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राजकुमार अंगारे
1123	आरईजी /2017/1040	किसान की किस्म	कुटकी ओखट	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	कारे लाल अंगारे
1124	आरईजी /2017/1042	किसान की किस्म	तुअर असाडी	अरहर	कारे लाल अंगारे
1125	आरईजी /2017/1043	किसान की किस्म	कुटकी रंगलाल रशै	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	कारे लाल अंगारे
1126	आरईजी /2017/1044	किसान की किस्म	तुअर परासिया	अरहर	कारे लाल अंगारे
1127	आरईजी /2017/1046	किसान की किस्म	लाल संत धान	धान	कारे लाल अंगारे
1128	आरईजी /2017/1047	किसान की किस्म	कुटकी रसाई	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	कारे लाल अंगारे
1129	आरईजी /2017/1052	किसान की किस्म	कुटकी खीरी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	सिया लाल
1130	आरईजी /2017/1054	किसान की किस्म	मटर अगेति	मटर	मिथला बाई अंगारे
1131	आरईजी /2017/1055	किसान की किस्म	छोटी कुटकी गुलाब	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	गुलाब सिंह
1132	आरईजी /2017/1056	किसान की किस्म	तुअर उजार	अरहर	राम दयाल
1133	आरईजी /2017/1057	किसान की किस्म	कुटकी पनियार	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राम दयाल
1134	आरईजी /2017/1059	किसान की किस्म	अरहर लाली	अरहर	ईश्वर दास साहू
1135	आरईजी /2017/1061	किसान की किस्म	कुटकी पाला बेवरी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	रतन
1136	आरईजी /2017/1065	किसान की किस्म	तुअर होरी लाल	अरहर	मोहन डेहरिया
1137	आरईजी /2017/1069	किसान की किस्म	कुटकी ककोडिया	लिटिल मिलेट	गण प्रसाद

				(कुटकी/सवान)	
1138	आरईजी /2017/1074	किसान की किस्म	तुअर घूरन	अरहर	मीरा बाई
1139	आरईजी /2017/1080	किसान की किस्म	तुअर किशोर	अरहर	किशोरी
1140	आरईजी /2017/1082	किसान की किस्म	कुटकी भटेली	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संत लाल इरपाची
1141	आरईजी /2017/1084	किसान की किस्म	अरहर संत कठिया	अरहर	संत लाल इरपाची
1142	आरईजी /2017/1086	किसान की किस्म	अरहर अगेती श्रीजोत	अरहर	बराती लाल भारती
1143	आरईजी /2017/1087	किसान की किस्म	उदय कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	उदय भंसा
1144	आरईजी /2017/1088	किसान की किस्म	कुटकी काली उदय	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	उदय भंसा
1145	आरईजी /2017/1089	किसान की किस्म	धनिया बराती	धनिया	बराती लाल
1146	आरईजी /2017/1090	किसान की किस्म	तुअर खार	अरहर	गुलाब सिंह
1147	आरईजी /2017/1093	किसान की किस्म	इश्वर्य धान	धान	ईश्वरीय दिनदयाल
1148	आरईजी /2017/1098	किसान की किस्म	हरि तुअर	अरहर	कविता प्रेमसागर
1149	आरईजी /2017/1101	किसान की किस्म	वीरभान मंगल धान	धान	वीरभान मंगल कवरेती
1150	आरईजी /2017/1105	किसान की किस्म	साज करा कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	करबाई शाह
1151	आरईजी /2017/1106	किसान की किस्म	कुही सुरेश तुअर	अरहर	सुरेश शाह
1152	आरईजी /2017/1109	किसान की किस्म	सजकुही पुष्पा कंगना	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	पुष्पा
1153	आरईजी /2017/1111	किसान की किस्म	साज राजेश कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	राजेश
1154	आरईजी /2017/1113	किसान की किस्म	साज गोविंद कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	गोविंद जावरे
1155	आरईजी /2017/1114	किसान की किस्म	साज सुषमा तुअर	अरहर	सुषमा
1156	आरईजी /2017/1115	किसान की किस्म	मूलचंद कुटकी	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	मुखचंद
1157	आरईजी /2017/1119	किसान की किस्म	अरविंद साज तुअर	अरहर	अरविंद

1158	आरईजी /2017/1120	किसान की किस्म	साज शांति तुअर	अरहर	शांति
1159	आरईजी /2017/1121	किसान की किस्म	लखन कुही कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	लाखन
1160	आरईजी /2017/1122	किसान की किस्म	साज संदीप कोदो	कोदो मिलेट (कोदो)	संदीप
1161	आरईजी /2017/1123	किसान की किस्म	कैलाश धगडोना कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	कैलाश
1162	आरईजी /2017/1124	किसान की किस्म	इम्रत तुअर	अरहर	इमरत
1163	आरईजी /2017/1125	किसान की किस्म	मोहंती कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	मोहंती
1164	आरईजी /2017/1127	किसान की किस्म	अमर धान	धनिया	अमर चंद प्रजापति
1165	आरईजी /2017/1139	किसान की किस्म	हसगोरा उरद	उड़द	राकेश कुशवाह
1166	आरईजी /2017/1141	किसान की किस्म	उरद मथुरा	उड़द	मथुरा प्रसाद कुशवाह
1167	आरईजी /2017/1147	किसान की किस्म	भदैनू	धान	गोकुल प्रसाद कुशवाह
1168	आरईजी /2017/1148	किसान की किस्म	सुरेश लाल धान	धान	सुरेश कुशवाह
1169	आरईजी /2017/1151	किसान की किस्म	गोकुल मटर	मटर	गोकुल कुशवाह
1170	आरईजी /2017/1156	किसान की किस्म	बनपुर धान	धान	हरि राम कुशवाह
1171	आरईजी /2017/1165	किसान की किस्म	हरिराम मटर	मटर	हरि राम कुशवाह
1172	आरईजी /2017/1168	किसान की किस्म	लालधन कुशवाहा	धान	हरि राम कुशवाह
1173	आरईजी /2017/1169	किसान की किस्म	चिकटी बाबू	अलसी	बाबू लाल सिंह
1174	आरईजी /2017/1170	किसान की किस्म	बेटल	अलसी	बाबू लाल सिंह
1175	आरईजी /2017/1177	किसान की किस्म	बटारी महेंद्र	मटर	महेंद्र सिंह
1176	आरईजी /2017/1182	किसान की किस्म	रहली	अलसी	कृष्ण लाल मिश्र
1177	आरईजी /2017/1183	किसान की किस्म	आज़ाद	गेहूं	-लखन लाल मिश्र
1178	आरईजी /2017/1184	किसान की किस्म	लाली लखन	धान	-लखन लाल मिश्र
1179	आरईजी /2017/1185	किसान की किस्म	चैती नरेश	अरहर	रामनरेश त्रिपाठी
1180	आरईजी /2017/1192	किसान की किस्म	गरहां नरेश	अरहर	रामनरेश मिश्र

1181	आरईजी /2017/1193	किसान की किस्म	सुलहेड़ा खेला	अलसी	रामनरेश मिश्र
1182	आरईजी /2017/1200	किसान की किस्म	मालती गुरु	धान	गुरु प्रसाद पटेल
1183	आरईजी /2017/1201	किसान की किस्म	बड़कवा गुरु	धनिया	गुरु प्रसाद पटेल
1184	आरईजी /2017/1202	किसान की किस्म	बड़की गुरु	अरहर	गुरु प्रसाद पटेल
1185	आरईजी /2017/1204	किसान की किस्म	रमिया राम खेलावन	मेथी	राम खेलावन पटेल
1186	आरईजी /2017/1206	किसान की किस्म	अरहर रीठी	अरहर	राकेश पटेल
1187	आरईजी /2017/1209	किसान की किस्म	लाली धर्मेन्द्र	अरहर	धर्मेन्द्र पटेल
1188	आरईजी /2017/1213	किसान की किस्म	मदनी	अरहर	रामायण पटेल
1189	आरईजी /2017/1215	किसान की किस्म	सखी	मटर	रामायण पटेल
1190	आरईजी /2017/1218	किसान की किस्म	रिमझिम	मटर	रामाधार पटेल
1191	आरईजी /2017/1219	किसान की किस्म	ललिया	धान	अशोक पटेल
1192	आरईजी /2017/1222	किसान की किस्म	महाकु	धनिया	अशोक पटेल
1193	आरईजी /2017/1225	किसान की किस्म	ख़ुशबू	धनिया	राम लाल पटेल
1194	आरईजी /2017/1231	किसान की किस्म	नोंगी अशोक	धान	अशोक पटेल
1195	आरईजी /2017/1233	किसान की किस्म	कार्तिक श्याम	उड़द	श्याम लाल पटेल
1196	आरईजी /2017/1235	किसान की किस्म	पटकी देवेन्द्र	धान	देवेन्द्र त्रिपाठी
1197	आरईजी /2017/1237	किसान की किस्म	पटका शत्रु	अरहर	शत्रुध्न सिंह
1198	आरईजी /2017/1240	किसान की किस्म	लेंकी यमुना	अलसी	-यमुना प्रसाद
1199	आरईजी /2017/1241	किसान की किस्म	तुअल कोपे	अरहर	पुष्पा देशमुख
1200	आरईजी /2017/1244	किसान की किस्म	मकरंद मोहगांव	धान	वीरेंद्र बिसेन
1201	आरईजी /2017/1245	किसान की किस्म	लाल धन भटले	धान	भुनेश ठाकरे
1202	आरईजी /2017/1246	किसान की किस्म	बहुरूपी छिजगांव	धान	दुर्गा प्रसाद
1203	आरईजी /2017/1247	किसान की किस्म	कालीमूँछ पौनी	धान	जुगल किशोर ठाकरे
1204	आरईजी /2017/1248	किसान की किस्म	जुरांडी कवेली	धान	केवल सिंह मरावी
1205	आरईजी /2017/1249	किसान की किस्म	बादलपुर परसवाड़ा	धान	राजकुमार चौधरी

1206	आरईजी /2017/1250	किसान की किस्म	बकराम परसवाड़ा	धान	राजकुमार चौधरी
1207	आरईजी /2017/1251	किसान की किस्म	हरिया पौनी	धान	जुगल किशोर ठाकरे
1208	आरईजी /2017/1252	किसान की किस्म	सुषमा खंडपार	धान	नरेंद्र तिलगाम
1209	आरईजी /2017/1253	किसान की किस्म	रघुनाथ समनापुर	धान	अतिल लाल रहांगडाले
1210	आरईजी /2017/1254	किसान की किस्म	सोनल मोहगांव	धान	वीरेंद्र बिसेन
1211	आरईजी /2017/1255	किसान की किस्म	अलसी डोंगरिया उतैरा	अलसी	सोना बाई ठाकरे
1212	आरईजी /2017/1259	किसान की किस्म	तुवल कायदी	अरहर	सोबे लाल लिल्हारे
1213	आरईजी /2017/1260	किसान की किस्म	धान डोंगरिया	धान	चैन लाल जैतवार
1214	आरईजी /2017/1265	किसान की किस्म	सुखदास छपारा	धान	अशोक कुमार गजाम
1215	आरईजी /2017/1266	किसान की किस्म	तुअर सफ़ेद	अरहर	इस्लाम बी
1216	आरईजी /2017/1267	किसान की किस्म	अलसी तखला	अलसी	दादू राम भारती
1217	आरईजी /2017/1268	किसान की किस्म	कुटकी ताखला	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	संतलाल झारिया
1218	आरईजी /2017/1272	किसान की किस्म	सरेखा तुअर	अरहर	खुमान सिंह
1219	आरईजी /2017/1279	किसान की किस्म	सोवा कुटकी	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	हल्कू उइके
1220	आरईजी /2017/1281	किसान की किस्म	काला अंतरबेल धान	धान	ज्वार सिंह
1221	आरईजी /2017/1283	किसान की किस्म	सोथा अरहर	अरहर	भंगी लाल
1222	आरईजी /2017/1284	किसान की किस्म	बरी उरद	उड़द	सरस्वती बाई
1223	आरईजी /2017/1286	किसान की किस्म	थारी यशोदा	धान	यशोदा बाई
1224	आरईजी /2017/1287	किसान की किस्म	शेरा केहर	धान	देवेन्द्र सिंह
1225	आरईजी /2017/1288	किसान की किस्म	लाली अनंत	धान	हरनाम सिंह
1226	आरईजी /2017/1289	किसान की किस्म	नवारी नरवद	धान	फूलवती बाई
1227	आरईजी /2017/1290	किसान की किस्म	कुडई रामली	कोदो मिलेट (कोदो)	रमली बाई
1228	आरईजी /2017/1292	किसान की किस्म	भदेली धन्नू	कोदो मिलेट (कोदो)	बृहस्पतिया बाई
1229	आरईजी /2017/1293	किसान की किस्म	बत्री अम्बे	मटर	अम्बे बाई

1230	आरईजी /2017/1337	किसान की किस्म	सरल जैत तुअर	अरहर	सरला
1231	आरईजी /2017/1341	किसान की किस्म	सुकबरिया धान	धान	सुकबरिया उइके
1232	आरईजी /2017/1344	किसान की किस्म	कुरिया धान	धान	कुरिया
1233	आरईजी /2017/1353	किसान की किस्म	गणेश उरद	उड़द	गणेश उइके
1234	आरईजी /2017/1359	किसान की किस्म	दुलारी धान	धान	दुलारी धुर्वे
1235	आरईजी /2017/1361	किसान की किस्म	सुखलाल धान	धान	सुखलाल उइके
1236	आरईजी /2017/1362	किसान की किस्म	शांता तुअर	अरहर	शांता इवनाती
1237	आरईजी /2017/1363	किसान की किस्म	कमल टोड तुअर	अरहर	कमल उइके
1238	आरईजी /2017/1368	किसान की किस्म	तुलसिया तुअर	अरहर	तुलसीया
1239	आरईजी /2017/1410	किसान की किस्म	तिखी	मिर्च	परमेश्वर महतो
1240	आरईजी /2017/1411	किसान की किस्म	सुरला	बैंगन	चुन्नी महतो
1241	आरईजी /2017/1414	किसान की किस्म	पाटला	धान	आनंद सिंह
1242	आरईजी /2017/1459	किसान की किस्म	चैताली	लौकी	हुगली वेजिटेबल ग्रोअर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड
1243	आरईजी /2017/1461	किसान की किस्म	हरिना	मिर्च	रामकृष्ण विवेकानंद ट्रस्ट
1244	आरईजी /2017/1467	नई किस्म	पीपी74	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
1245	आरईजी /2017/1468	नई किस्म	पीएसपी73	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
1246	आरईजी /2017/1583	विद्यमान (अधिसूचित)	वीएल धान 157 (वीएल 8302) (आईईटी 22292)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1247	आरईजी /2017/1586	विद्यमान (अधिसूचित)	वीएल धान 68 (वीएल 31611) (आईईटी 22283)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1248	आरईजी /2017/1617	किसान की किस्म	शिथो चुसी	मिर्च	Dziesebeituo Hezhatsu
1249	आरईजी /2017/1621	किसान की किस्म	कार्तिकिया	उड़द	रघुपत सिंह
1250	आरईजी /2017/1644	नई किस्म	पी3388	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन

1251	आरईजी /2017/1653	किसान की किस्म	कंदोऊ	धान	रमेश कुमार
1252	आरईजी /2017/1664	किसान की किस्म	लाल चावल	धान	चंचल कुमार
1253	आरईजी /2017/1672	किसान की किस्म	भैरव-1	उड़द	रजनीकांत केशभाई पटेल
1254	आरईजी /2017/1681	किसान की किस्म	बटेसू धान (जीकेएसएस धान-1)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1255	आरईजी /2017/1682	किसान की किस्म	बामकुवा धान (जीकेएसएस धान -2)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1256	आरईजी /2017/1683	किसान की किस्म	दूधिया धान (जीकेएसएस धान 3)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1257	आरईजी /2017/1684	किसान की किस्म	लाल धान (जीकेएसएस धान -5)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1258	आरईजी /2017/1685	किसान की किस्म	लामगुडी धान (जीकेएसएस धान -6)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1259	आरईजी /2017/1686	किसान की किस्म	काओथुनी धान (जीकेएसएस धान -7)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1260	आरईजी /2017/1687	किसान की किस्म	काओनोवी धान (जीकेएसएस धान -8)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1261	आरईजी /2017/1688	किसान की किस्म	गीता धान (जीकेएसएस धान -9)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1262	आरईजी /2017/1689	किसान की किस्म	जौलिया धान (जीकेएसएस धान -10)	धान	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1263	आरईजी /2017/1711	किसान की किस्म	तिल सूरी लोकल कला (जीकेएसएस तिल -1)	तिल	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1264	आरईजी /2017/1712	किसान की किस्म	तिल सूरी लोकल भूरा (जीकेएसएस तिल -2)	तिल	ग्रामिण् खाद्य संप्रभुता समुहा
1265	आरईजी /2017/1716	किसान की किस्म	रानी	आम	सैयद नूरुतमान और अन्य
1266	आरईजी /2017/1717	किसान की किस्म	चंदन खोसा	आम	बा कुमार सरकार एवं अन्य
1267	आरईजी /2017/1718	किसान की किस्म	कुमरोजली	आम	रथींद्रनाथ मंडल, तोजिब शेख, जोसिमुद्दीन शेख
1268	आरईजी /2017/1719	किसान की किस्म	केले पहार	आम	नुजरुल इस्लाम, रथींद्रनाथ मंडल, मोहम्मद खबीरुद्दीन सेइकज
1269	आरईजी /2017/1720	किसान की किस्म	बीरा	आम	तोजिब शेख और अन्य

1270	आरईजी /2017/1721	किसान की किस्म	मोलमजम	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख और अन्य
1271	आरईजी /2017/1722	किसान की किस्म	गोलाप खास	आम	प्रदीप सरकार एवं अन्य
1272	आरईजी /2017/1723	किसान की किस्म	सुपारी	आम	नजीमुद्दीन सरकार
1273	आरईजी /2017/1727	किसान की किस्म	चीनी चंपा	आम	जैनुद्दीन शेख
1274	आरईजी /2017/1728	किसान की किस्म	अनानास	आम	नुजरुल इस्लाम और अन्य
1275	आरईजी /2017/1729	किसान की किस्म	लकी	आम	अंतु शेख, सौकत अली
1276	आरईजी /2017/1730	किसान की किस्म	धोबनी सिंदुरे	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख और अन्य
1277	आरईजी /2017/1731	किसान की किस्म	बोरो सिंदुरे	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख और अन्य
1278	आरईजी /2017/1732	किसान की किस्म	बिमली	आम	नबा कुमार सरकार
1279	आरईजी /2017/1733	किसान की किस्म	दिलशाद	आम	नुजरुल इस्लाम, मोहम्मद खबीरुद्दीन शेख, अमीर रसीद, सरीफुल इस्लाम, अब्दुर रसीद, अब्दुल हयात अख्तर, लाखन सरकार, शेख नजमुल
1280	आरईजी /2017/1734	किसान की किस्म	बेगम पासिन	आम	जैनुद्दीन शेख
1281	आरईजी /2017/1735	किसान की किस्म	जैक्सन बॉम्बे	आम	जैनुद्दीन शेख, मोइनुद्दीन शेख
1282	आरईजी /2017/1736	किसान की किस्म	बिश्वनाथ	आम	सैयद नुरुत्तमान और अन्य
1283	आरईजी /2017/1737	किसान की किस्म	कोहितुर	आम	नुजरुल इस्लाम और अन्य
1284	आरईजी /2017/1738	किसान की किस्म	रौगनी	आम	मोहम्मद खबीरुद्दीन शेख, मोइनुद्दीन शेख
1285	आरईजी /2017/1739	किसान की किस्म	बेला किशन भोग	आम	मोइनुद्दीन शेख और मोहम्मद खबीरुद्दीन शेख
1286	आरईजी /2017/1741	किसान की किस्म	जिलापिकारा	आम	मेहर अली, मोहम्मद कमरुल इस्लाम, मोहम्मद अर्जाउल हक, मोहम्मद अंसारुल, मोनिरुल इस्लाम
1287	आरईजी /2017/1742	किसान की किस्म	जालीबंधा	आम	सेलिम रज़ा, मोहम्मद अर्जाउल

					हक, बिजोया मुखर्जी
1288	आरईजी /2017/1743	किसान की किस्म	मिस्रिकान	आम	धर्मा मंडल, बिजोन मंडल, प्रताप मंडल, स्वपन कुमार मंडल, चोइतान्यपोदो दास, अपूर्बा दास
1289	आरईजी /2017/1744	किसान की किस्म	सौनिया	आम	उत्तम मंडल, शंकर रजक, बिजोन मंडल, स्वपन मंडल, अरुण कुमार मंडल, तोपेश मंडल
1290	आरईजी /2017/1745	किसान की किस्म	अमृत कुन्ना	आम	सोहोदेव मंडल, परिमल मंडल
1291	आरईजी /2017/1746	किसान की किस्म	बृंदाबनी	आम	पबन कुमार मंडल एवं अन्य
1292	आरईजी /2017/1747	किसान की किस्म	नबाब पसंद	आम	जाबेद अमीन, मेहर अली
1293	आरईजी /2017/1748	किसान की किस्म	पपीता भोग	आम	सेलिम रज़ा और अन्य
1294	आरईजी /2017/1750	किसान की किस्म	साहेब पसंद	आम	जाबेद अमीन एवं अन्य
1295	आरईजी /2017/1752	किसान की किस्म	दूध कुमार	आम	पबित्रा नागर शर्मा और अन्य
1296	आरईजी /2017/1753	किसान की किस्म	नकुआ	आम	अतुल चंद्र मंडल, स्वपन कुमार मंडल, उदय मंडल
1297	आरईजी /2017/1754	किसान की किस्म	अमृत भोग	आम	बिमान मंडल और अन्य
1298	आरईजी /2017/1755	किसान की किस्म	चिंतामुनि	आम	बिमान मंडल, कालीपद मंडल, स्वपन कुमार मंडल, विश्वजीत रॉय
1299	आरईजी /2017/1756	किसान की किस्म	दरिका	आम	उदय मंडल एवं अन्य
1300	आरईजी /2017/1757	किसान की किस्म	राजभोग	आम	नानीगोपाल मंडल, बिमान मंडल, मेहर अली, विश्वजीत रॉय
1301	आरईजी /2017/1758	किसान की किस्म	भारती	आम	अभिराम मंडल एवं अन्य
1302	आरईजी /2017/1759	किसान की किस्म	किशनभोग	आम	परिमल मंडल एवं अन्य
1303	आरईजी /2017/1760	किसान की किस्म	फ़ुनिया	आम	धर्म मंडल एवं अन्य
1304	आरईजी /2017/1761	किसान की किस्म	दिलखोस	आम	अपूर्बा दास, चोइतान्यापोदो दास, रतन दास, उत्तम सरकार

1305	आरईजी /2017/1762	किसान की किस्म	अराजन्मा	आम	पबन कुमार मंडल एवं अन्य
1306	आरईजी /2017/1763	किसान की किस्म	रेहुमुंडा	आम	सेराजुल इस्लाम और अन्य
1307	आरईजी /2017/1764	किसान की किस्म	कालिया भोग	आम	सेलिम रज़ा और अन्य
1308	आरईजी /2017/1765	किसान की किस्म	अमीर पासिन	आम	सेलिम रज़ा, मनीरुल हुसैन, उत्तम मुखर्जी
1309	आरईजी /2017/1766	किसान की किस्म	कुमार पहाड़	आम	बिमान मंडल, दुलाल मंडल, उदय मंडल
1310	आरईजी /2017/1767	विद्यमान (वीसीके)	डीएस4142	मक्का	एग्रीजेनेटिक्स आईएनसी.
1311	आरईजी /2017/1768	किसान की किस्म	बिलिया मार्चा	मिर्च	पटेल विनेशभाई नटवरलाल चेलदास
1312	आरईजी /2017/1791	किसान की किस्म	चिंता आम	आम	चिंता हरण विश्वास
1313	आरईजी /2017/1797	किसान की किस्म	निरंजन भट्ट	बैंगन	लीला राम साहू
1314	आरईजी /2017/1817	नई किस्म	पीएम16205एल	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1315	आरईजी /2017/1820	किसान की किस्म	सुगंती	धान	सुगंती देवी
1316	आरईजी /2017/1821	किसान की किस्म	सूरजमुनि	धान	सूरजमुनि देवी
1317	आरईजी /2017/1852	किसान की किस्म	निर्जला मसूरी	मसूर	निर्जला झा
1318	आरईजी /2017/1858	किसान की किस्म	चेसरी मूंग दाल	मूंग	नवद्वीप सिंघा चौधरी
1319	आरईजी /2017/1859	किसान की किस्म	काशीपुर फराश	राजमा	अली अहमद लस्कर
1320	आरईजी /2017/1871	किसान की किस्म	शिव कला	भारतीय सरसों	पुलकित सिंह
1321	आरईजी /2017/1885	किसान की किस्म	बकोल	धान	हितेश सिंह
1322	आरईजी /2017/1889	किसान की किस्म	आर.एस-1	भारतीय सरसों	नवीन कुमार महतो
1323	आरईजी /2017/1956	किसान की किस्म	सुभाष-सुगन्ध	धान	सुभाष चंद्रा
1324	आरईजी /2017/1957	किसान की किस्म	शैल-मिर्च	मिर्च	सुभाष चंद्रा
1325	आरईजी /2017/1984	किसान की किस्म	सुनील-यू	उड़द	सुनील कुमार
1326	आरईजी /2017/2014	किसान की किस्म	वाईकेबी-एफपी	मटर	योगेश कुमार
1327	आरईजी /2017/2025	किसान की किस्म	एचपी-यूएम	उड़द	हरि प्रसाद

1328	आरईजी /2017/2030	किसान की किस्म	जीआर-केएम	कोदो मिलेट (कोदो)	गंगाराम
1329	आरईजी /2017/2051	किसान की किस्म	श्रीकांत- सफ़ेद	हल्दी	श्वेतांक कुमार त्रिपाठी
1330	आरईजी /2017/2052	किसान की किस्म	मनोज-टी	हल्दी	श्वेतांक कुमार त्रिपाठी
1331	आरईजी /2017/2053	किसान की किस्म	रागिनी-टी	हल्दी	श्वेतांक कुमार त्रिपाठी
1332	आरईजी /2017/2081	किसान की किस्म	जगदम्बा-एन2	आम	श्री नागजीभाई चनाभाई बोघरा
1333	आरईजी /2017/2082	किसान की किस्म	जगदम्बा-एन1	आम	श्री नागजीभाई चनाभाई बोघरा
1334	आरईजी /2017/2083	किसान की किस्म	देशी मूंग (प्रकाश मूंग)	मूंग	प्रकाश चंद्र पटेल
1335	आरईजी /2017/2085	किसान की किस्म	राधेश्याम मूंग	मूंग	राधेश्याम सिंह
1336	आरईजी /2017/2086	किसान की किस्म	लक्ष्मण उर्द	उड़द	लक्ष्मण
1337	आरईजी /2017/2088	किसान की किस्म	अरक काली उर्द	उड़द	राजनारायण पटेल
1338	आरईजी /2017/2089	किसान की किस्म	शिवपुर उर्द	उड़द	श्याम बाबू कुशवाह
1339	आरईजी /2017/2094	किसान की किस्म	शिवपुर सफेद तिल-1	तिल	श्याम बाबू कुशवाह
1340	आरईजी /2017/2097	किसान की किस्म	पुरैनी तिल	तिल	साजन
1341	आरईजी /2017/2098	किसान की किस्म	अशर्फी तिल	तिल	अशर्फी लाल पटेल
1342	आरईजी /2017/2099	किसान की किस्म	अमरावती तिल	तिल	अमरावती देवी
1343	आरईजी /2017/2100	किसान की किस्म	चित्रसेन हल्दी	हल्दी	चित्रसेन कुशवाह
1344	आरईजी /2017/2127	किसान की किस्म	सीएसएबी-77	धनिया	सुशीला देवी पटेल
1345	आरईजी /2017/2131	किसान की किस्म	सीएलसीएम-81	धनिया	लालजी प्रसाद वर्मा
1346	आरईजी /2017/2136	किसान की किस्म	अजीत भिन्डी	भिंडी	अजीत कुमार वर्मा
1347	आरईजी /2017/2167	किसान की किस्म	भिंडी रमाशंकर	भिंडी	रमा शंकर
1348	आरईजी /2017/2177	किसान की किस्म	खबरपुर अरहर	अरहर	राम लोचन
1349	आरईजी /2017/2213	किसान की किस्म	916-हल्दी	हल्दी	श्री ए बालाकृष्णन
1350	आरईजी /2017/2216	किसान की किस्म	भगवतपुर तिली	तिल	रामबहादुर भगत
1351	आरईजी /2017/2224	किसान की किस्म	साखरा	उड़द	राहुल प्रताप
1352	आरईजी /2017/2229	किसान की किस्म	स्वामी भिंडी	भिंडी	हेतराम देवांगन

1353	आरईजी /2017/2234	किसान की किस्म	शीतला लौका-2	लौकी	हेतराम देवांगन
1354	आरईजी /2017/2236	किसान की किस्म	शीतला पट्टीगोभी	बंद गोभी	हेतराम देवांगन
1355	आरईजी /2017/2266 एच	नई किस्म	पी3302	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1356	आरईजी /2017/2268	नई किस्म	पीएच2आरबीसी	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1357	आरईजी /2017/2278	किसान की किस्म	पिपरी	मेथी	श्रवण कुमार कुशवाह
1358	आरईजी /2017/2303	किसान की किस्म	कयाधु-एन-49	दुरुम गेहूं	नारायण जगदेवराव शिंदे
1359	आरईजी /2017/2304	किसान की किस्म	थोट्टानल जथि	जायफल	पुष्करण टी.एम.
1360	आरईजी /2017/2332	किसान की किस्म	रास्मो	आम	रामभाऊ सखाराम मोहिते
1361	आरईजी /2017/2366	विद्यमान (वीसीके)	वी 111143 (वीनस प्लस)	भिंडी	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
1362	आरईजी /2017/2368	विद्यमान (वीसीके)	पी3592	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1363	आरईजी /2017/2369 एच	नई किस्म	पी3376	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1364	आरईजी /2017/2385	विद्यमान (वीसीके)	केएमएच-5010	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1365	आरईजी /2017/2400	किसान की किस्म	केशव पीहू	धान	मोहन लाल चंद्राकर
1366	आरईजी /2017/2401	किसान की किस्म	थडाथिल गोल्ड	छोटी इलायची	मैथ्यू सी.एम.
1367	आरईजी /2017/2402	किसान की किस्म	वेल वंगा	बैंगन	हीरा यशवन्त उघाड़ा
1368	आरईजी /2017/2406	किसान की किस्म	स्वरागौरी	धान	नरेंद्र जनार्दन गांधरे
1369	आरईजी /2017/2407	किसान की किस्म	म्हाड़ी	धान	रवींद्र दामोदर पलांडे
1370	आरईजी /2018/39	नई किस्म	पीपी107	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
1371	आरईजी /2018/40	नई किस्म	पीएसपी92	बाजरा	मेसर्स क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड
1372	आरईजी /2018/55	किसान की किस्म	मारुवा मझला	रागी/ मंडुआ	निम्मी बैक्सला
1373	आरईजी /2018/70	नई किस्म	एसएस 511	धान	यूएसीआई सीड्स एंड बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड.

1374	आरईजी /2018/75	किसान की किस्म	कानी धाना	धान	नेत्रानंदा लेंका
1375	आरईजी /2018/76	किसान की किस्म	माटी धाना	धान	नेत्रानंदा लेंका
1376	आरईजी /2018/77	किसान की किस्म	गोदा खूंटा	धान	नेत्रानंदा लेंका
1377	आरईजी /2018/78	किसान की किस्म	काठी धाना	धान	नेत्रानंदा लेंका
1378	आरईजी /2018/108	विद्यमान (अधिसूचित)	उत्कर्षा (केएम-11-584)	मूंग	महाराष्ट्र राज्य बीज निगम लिमिटेड.
1379	आरईजी /2018/110	नई किस्म	एमयू-44	उड़द	महाराष्ट्र राज्य बीज निगम लिमिटेड.
1380	आरईजी /2018/124	किसान की किस्म	शोला पटनाइ -आरएस	धान	सहदेव पाल
1381	आरईजी /2018/125	किसान की किस्म	झिंगेसाल-आरएस	धान	अशोक कुमार मल्लिक
1382	आरईजी /2018/126	किसान की किस्म	सीतासल-आरएस	धान	सत्य प्रसाद भौमिक
1383	आरईजी /2018/127	किसान की किस्म	पटिसल-आरएस	धान	परीक्षित अदक
1384	आरईजी /2018/128	किसान की किस्म	दुधेश्वर-आरएस	धान	तारक प्रसाद भौमिक
1385	आरईजी /2018/129	किसान की किस्म	औष पक्कल-आरएस	धान	अनाथ बंधु बाग
1386	आरईजी /2018/130	किसान की किस्म	अगुनबन-जे	धान	मोहन पाल
1387	आरईजी /2018/163 एच	नई किस्म	नव्या (वी 130082)	भिंडी	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
1388	आरईजी /2018/166	विद्यमान (वीसीके)	टीएमएमएच 2838	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1389	आरईजी /2018/242	किसान की किस्म	कबा पनाह थोहरेव	धान	अल्बिना नारपन
1390	आरईजी /2018/246	किसान की किस्म	कबा पनाह लटोरा	धान	हिस्टीना मकरी
1391	आरईजी /2018/248	किसान की किस्म	केबीए मिनरी	धान	अल्बीना मार्पेन
1392	आरईजी /2018/264	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9162	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1393	आरईजी /2018/276	किसान की किस्म	महेंद्र मसूरी	मसूर	महेंद्र मेहता
1394	आरईजी /2018/346	किसान की किस्म	एलएमजेबी-233	मसूर	मिथलेश कुमार
1395	आरईजी /2018/397	किसान की किस्म	एफएलसीएम-288	मेथी	लालजी प्रसाद वर्मा
1396	आरईजी /2018/416	किसान की किस्म	पीएसएके-307	मटर	संतलाल कुशवाह

1397	आरईजी /2018/417	किसान की किस्म	पैरा-308	मटर	आशुतोष पटेल
1398	आरईजी /2018/434	किसान की किस्म	बीजीडीबीए-326	उड़द	धर्म सिंह
1399	आरईजी /2018/440	किसान की किस्म	जीवाईबीए-335	मूंग	यमुना प्रसाद पटेल
1400	आरईजी /2018/441	किसान की किस्म	बीजीआरबीए-336	उड़द	राकेश कुमार पटेल
1401	आरईजी /2018/443	किसान की किस्म	जीएचबीए-338	मूंग	हरिभान पटेल
1402	आरईजी /2018/450	किसान की किस्म	बीजीडीबीए-346	उड़द	धर्म नारायण पांडे
1403	आरईजी /2018/461	किसान की किस्म	पीएसआरए-358	मटर	शिवनाथ पटेल
1404	आरईजी /2018/463	किसान की किस्म	जीएसआरए-360	मूंग	सीताराम
1405	आरईजी /2018/465	किसान की किस्म	जीजीकेआरबी -362	मूंग	कल्लू भारतीय
1406	आरईजी /2018/470	किसान की किस्म	पीआरआरए -370	मटर	राजेंद्र प्रताप सिंह पटेल
1407	आरईजी /2018/475	किसान की किस्म	बीजीपीआरए -375	उड़द	पारस नाथ पटेल
1408	आरईजी /2018/477	किसान की किस्म	पाका -382	मटर	अमृत लाल साहू
1409	आरईजी /2018/488	किसान की किस्म	बीजीआरकेए -399	उड़द	रीनू
1410	आरईजी /2018/529	विद्यमान (वीसीके)	एसवी7298सीक्यू	खीरा	मोनसेंटो होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
1411	आरईजी /2018/540	किसान की किस्म	बंजर मारुवा	रागी/ मंडुआ	बंधना उरांव
1412	आरईजी /2018/541	किसान की किस्म	बरचर मसरी	मसूर	विजय उरांव
1413	आरईजी /2018/543	किसान की किस्म	उर्राहार	अरहर	विजय उरांव
1414	आरईजी /2018/583	किसान की किस्म	बंजरबादाम	मूंगफली	बंधना उरांव
1415	आरईजी /2018/588	विद्यमान (वीसीके)	डीएस2288	मक्का	एग्रीजेनेटिक्स आईएनसी.
1416	आरईजी /2018/591	विद्यमान (वीसीके)	एमएम9168	मक्का	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1417	आरईजी /2018/592	नई किस्म	एमएम9488	मक्का	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1418	आरईजी /2018/593	विद्यमान (वीसीके)	वेगा (एमसी 5456 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1419	आरईजी /2018/594	विद्यमान (वीसीके)	महाबली (एमसी 5423 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1420	आरईजी /2018/596	विद्यमान (वीसीके)	पी1899	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन

1421	आरईजी /2018/616	नई किस्म	अनमोल	भारतीय सरसों	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1422	आरईजी /2018/622	नई किस्म	पी3378	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1423	आरईजी /2018/630	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी8161	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1424	आरईजी /2018/631	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9150	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1425	आरईजी /2018/632	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9149	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1426	आरईजी /2018/670	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9178	मक्का	मोनसेंटो इंडिया लिमिटेड
1427	आरईजी /2018/671	विद्यमान (वीसीके)	डीकेसी9165	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1428	आरईजी /2018/672	नई किस्म	डीकेसी8171	मक्का	बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड.
1429	आरईजी /2018/673	किसान की किस्म	नाथ जंबो सीडलेस	अंगूर	विट्ठल निवृत्ति थोरात
1430	आरईजी /2018/681	किसान की किस्म	ब्रिज धानी-सी2	धनिया	तारणी मंडल
1431	आरईजी /2018/683	किसान की किस्म	धानी-बीएचएल	धनिया	पवन कुमार सिंह
1432	आरईजी /2018/684	किसान की किस्म	ब्लैक आरआई-01	भारतीय सरसों	तारणी मंडल
1433	आरईजी /2018/707	विद्यमान (वीसीके)	एनएफएस-611	तरबूजा	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
1434	आरईजी /2019/7	विद्यमान (वीसीके)	एनसीयू-1289	खीरा	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
1435	आरईजी /2019/19 एच	विद्यमान (वीसीके)	रसम 054 एफ1	टमाटर	ईस्ट वेस्ट सीड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1436	आरईजी /2019/21	विद्यमान (वीसीके)	जेके रतन	टमाटर	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
1437	आरईजी /2019/27 एच	नई किस्म	जेके विक्टर	टमाटर	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
1438	आरईजी /2019/30	विद्यमान (वीसीके)	जेके कन्नन	टमाटर	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
1439	आरईजी /2019/45 एच	विद्यमान (वीसीके)	केपीएच 468	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1440	आरईजी /2019/48	विद्यमान (वीसीके)	केपीएच-484	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1441	आरईजी /2019/58	नई किस्म	एनसीएस 123 बीजीII	त्रिगुणित कपास	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
1442	आरईजी /2019/67	नई किस्म	सुपर 6768	मक्का	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1443	आरईजी /2019/68	नई किस्म	सुपर 777	मक्का	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1444	आरईजी /2019/69 एच	विद्यमान (वीसीके)	सुपर 971 बीजीII	त्रिगुणित कपास	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

1445	आरईजी /2019/70 एच	विद्यमान (वीसीके)	सुपर 931बीजीII	त्रिगुणित कपास	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1446	आरईजी /2019/71	विद्यमान (वीसीके)	वेस्टर्न-66 (वेस्टर्न वरदान)	मूंगफली	वेस्टर्न एग्री सीड्स लिमिटेड
1447	आरईजी /2019/78	नई किस्म	सीओ 09004 (अमृता)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1448	आरईजी /2019/83 एच	विद्यमान (वीसीके)	25डी55बीजीII	त्रिगुणित कपास	धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड
1449	आरईजी /2019/87	नई किस्म	टीएच-एसवाईबी21514	मक्का	लिमाग्रेन (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड
1450	आरईजी /2019/99	नई किस्म	ललित	अमरूद	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1451	आरईजी /2019/100	नई किस्म	श्वेता	अमरूद	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1452	आरईजी /2019/118	नई किस्म	डीपीएच21	भारतीय सरसों	दयाल सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1453	आरईजी /2019/123	किसान की किस्म	कुधिराईवल चिंगन	केला	श्री एस. मीनाक्षी सुंदरम
1454	आरईजी /2019/125	किसान की किस्म	थोट्टू चिंगन	केला	श्री एस. मीनाक्षी सुंदरम
1455	आरईजी /2019/136	नई किस्म	सीओ 12029 (करण 13)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1456	आरईजी /2019/144	नई किस्म	सीओ 10026 (उपहार)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1457	आरईजी /2019/178 एच	नई किस्म	टीएमआरएच 5786	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1458	आरईजी /2019/181	नई किस्म	सीओएलके 11203 (इक्षु -5)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1459	आरईजी /2019/182	नई किस्म	सीओएलके 11206 (इक्षु -4)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1460	आरईजी /2020/28	किसान की किस्म	तलाव मक्की	मक्का	तलाव कृषक समूह (TKS)
1461	आरईजी /2020/31 एच	विद्यमान (वीसीके)	पी3344	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1462	आरईजी /2020/32 एच	विद्यमान (वीसीके)	पी3526	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1463	आरईजी /2020/34 एच	विद्यमान (वीसीके)	एक्स35एम019	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1464	आरईजी /2020/36 एच	विद्यमान (वीसीके)	टीएमएमएच 8842	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1465	आरईजी /2020/44	विद्यमान (वीसीके)	ब्लाग्राटू	अंगूर	शीहान जेनेटिक्स एलएलसी

1466	आरईजी /2020/46	विद्यमान (वीसीके)	शीजीन 2	अंगूर	शीहान जेनेटिक्स एलएलसी
1467	आरईजी /2020/48	विद्यमान (वीसीके)	शीजीन 13	अंगूर	शीहान जेनेटिक्स एलएलसी
1468	आरईजी /2020/54	नई किस्म	एच-130	काजू	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1469	आरईजी /2020/55 एच	नई किस्म	सुपर 6030	मक्का	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1470	आरईजी /2020/56 एच	नई किस्म	सुपर 1177	मक्का	सुपर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1471	आरईजी /2020/62 एच	नई किस्म	एलजी 36515	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1472	आरईजी /2020/63 एच	नई किस्म	एलजी 36511	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1473	आरईजी /2020/84 एच	नई किस्म	केएमएच 8322	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1474	आरईजी /2020/85 एच	नई किस्म	केएमएच8333	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1475	आरईजी /2020/96 एच	नई किस्म	टीएमएमएच 824	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1476	आरईजी /2020/121 एच	नई किस्म	टीएमआरएच 5559	धान	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1477	आरईजी /2020/122 एच	विद्यमान (वीसीके)	केआरएच7299	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1478	आरईजी /2020/135 एच	विद्यमान (वीसीके)	पी3504	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1479	आरईजी /2020/154 एच	विद्यमान (अधिसूचित)	एमएएच-14-5	मक्का	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1480	आरईजी /2020/166 एच	नई किस्म	बायोसीड 9788	मक्का	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1481	आरईजी /2020/190	किसान की किस्म	एए	ज्वार	श्री हिम्मतभाई विरजीभाई लक्कड़
1482	आरईजी /2020/194	नई किस्म	सी ओ 11015 (अतुल्य)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1483	आरईजी /2020/202	किसान की किस्म	पातिर अम्पे	धान	तकर पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1484	आरईजी /2020/259	किसान की किस्म	तनु	धान	कृषि प्रयोग परिवार
1485	आरईजी /2020/294	किसान की किस्म	कलावे	धान	कृषि प्रयोग परिवार

1486	आरईजी /2020/301	किसान की किस्म	कृष्णलीला	धान	कृषि प्रयोग परिवार
1487	आरईजी /2020/308	किसान की किस्म	मल्लीगे	धान	कृषि प्रयोग परिवार
1488	आरईजी /2020/309 एच	विद्यमान (वीसीके)	बायोसीड 9546	मक्का	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1489	आरईजी /2020/314	किसान की किस्म	केरल बेंडी	भिंडी	कृष्ण कलाल
1490	आरईजी /2020/323	नई किस्म	कैरिबू रसेट	आलू	मेन विश्वविद्यालय प्रणाली न्यासी बोर्ड
1491	आरईजी /2020/330 एच	विद्यमान (अधिसूचित)	जीआरएच-2 (एनवीएसआर-एच-1011)	धान	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1492	आरईजी /2020/364	किसान की किस्म	केशव राज	आम	छायाबाई दत्तात्रेय मोरे
1493	आरईजी /2020/389	नई किस्म	डीबीडब्ल्यूएच 221 (डीबीडब्ल्यू 221)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1494	आरईजी /2021/0009	नई किस्म	जेआरसीजे-11	Jute	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1495	आरईजी /2021/0010	नई किस्म	जेआरओबी-2	Jute	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1496	आरईजी /2021/0022	किसान की किस्म	बन्नाडा साउथ	खीरा	मल्लिकार्जुन
1497	आरईजी /2021/0024	किसान की किस्म	एवीआर लोकल	खीरा	कृष्ण कलाल
1498	आरईजी /2021/0033	किसान की किस्म	केआरएच बेंडी	भिंडी	टी. वेदमूर्ति
1499	आरईजी /2021/0038	नई किस्म	श्रीराम सुपर 1- एसआर -14	गेहूं	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1500	आरईजी /2021/0039	नई किस्म	श्रीराम सुपर 5-एसआर -05	गेहूं	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1501	आरईजी /2021/0053 एच	विद्यमान (वीसीके)	टीएमएमएच 2841	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1502	आरईजी /2021/0056	किसान की किस्म	जम्मू भदेरवाह राजमा (जे बी आर-01)	राजमा	जसवन्त सिंह
1503	आरईजी /2021/0057	किसान की किस्म	एचपीबीआरआर-1	राजमा	रंजना कुमारी, सुरिंदर कुमार, रूल लाल और लाल चंद
1504	आरईजी /2021/0058	किसान की किस्म	एचपीबीवाईआर -2	राजमा	रंजना कुमारी, सुरिंदर कुमार, रूल लाल और लाल चंद
1505	आरईजी /2021/0061	किसान की किस्म	पालिका सारेओ (कामरू)	सीबकथ्रोर्न	नरेंद्र भंडारी
1506	आरईजी /2021/0062	किसान की किस्म	शिंगा	सीबकथ्रोर्न	बसंत कुमारी

1507	आरईजी /2021/0078	किसान की किस्म	दोरजय	सीबकथ्रोर्न	पदम सुख नेगी
1508	आरईजी /2021/0080	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले जेएलए-0603 (जेएलए - 0603)	द्विगुणित कपास	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1509	आरईजी /2021/0082	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले जेएलए -0906 (जेएलए - 0906)	द्विगुणित कपास	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1510	आरईजी /2021/0083	विद्यमान (अधिसूचित)	सीजी जवाफूल ट्रॉम्बे (आरटीआर-31)ई)	धान	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
1511	आरईजी /2021/0084	विद्यमान (अधिसूचित)	विक्रम टीसीआर (विक्रम-ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ राइस)	धान	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
1512	आरईजी /2021/0103 एच	विद्यमान (वीसीके)	एमएम 2122	मक्का	महिंद्रा एग्री सॉल्यूशंस लिमिटेड
1513	आरईजी /2021/0104 एच	विद्यमान (वीसीके)	एलजी 36611	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1514	आरईजी /2021/0105 एच	नई किस्म	एलजी 36505	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1515	आरईजी /2021/0123 एच	नई किस्म	केआरएच623	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1516	आरईजी /2021/0124 एच	नई किस्म	केआरएच7425	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1517	आरईजी /2021/0128	किसान की किस्म	डूडर -I	विलो	शरद अत्री
1518	आरईजी /2021/0136	किसान की किस्म	एचपीसीएम-1 (चंबा मैश)	उड़द	सुरजीत कुमार, मान सिंह, केशो राम
1519	आरईजी /2021/0140	किसान की किस्म	कचहल्ली टेबल प्रकार 12	कटहल	एच. प्रकाश
1520	आरईजी /2021/0141	किसान की किस्म	कचहल्ली टेबल टाइप 9	कटहल	वेंकट लक्ष्मम्मा
1521	आरईजी /2021/0148 एच	विद्यमान (वीसीके)	एलजी36601	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1522	आरईजी /2021/0149 एच	विद्यमान (वीसीके)	215आईएम16350	मक्का	लिमाग्रेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1523	आरईजी /2021/0161 एच	नई किस्म	एमएम 2424	मक्का	महिंद्रा एग्री सॉल्यूशंस लिमिटेड
1524	आरईजी /2021/0166	नई किस्म	ईगल-1204	गेहूं	ईगल सीड्स एंड बायोटेक लिमिटेड
1525	आरईजी /2021/0235	किसान की किस्म	ताशी	सीबकथ्रोर्न	देवी सिंह

1526	आरईजी /2022/0012 एच	विद्यमान (अधिसूचित)	एएच7043	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1527	आरईजी /2022/0019	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धन 49 (आईईटी 24557)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1528	आरईजी /2022/0022	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धन 56 (आईईटी 26803)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1529	आरईजी /2022/0036	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धन 47 (आईईटी 23356)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1530	आरईजी /2022/0038	किसान की किस्म	केडीएम1	उड़द	काली देवी
1531	आरईजी /2022/0041	किसान की किस्म	पीटीएम9	उड़द	प्रेम लाल ठाकुर
1532	आरईजी /2022/0042	किसान की किस्म	केएसएम12	उड़द	-कुलदीप सिंह
1533	आरईजी /2022/0043	किसान की किस्म	आरडीएम11	उड़द	रीना देवी
1534	आरईजी /2022/0047 एच	नई किस्म	टीएमएमएच 2852	मक्का	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1535	आरईजी /2022/0049	किसान की किस्म	लाकांग बलीह	धान	इयाशाह रिंबाई
1536	आरईजी /2022/0050	किसान की किस्म	लाकांग बासो	धान	इयाशाह रिंबाई
1537	आरईजी /2022/0051	किसान की किस्म	जवेन	धान	इयाशाह रिंबाई
1538	आरईजी /2022/0052 एच	विद्यमान (अधिसूचित)	एनएमएच 4144	मक्का	नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड
1539	आरईजी /2022/0074 एच	नई किस्म	केएमएच8388	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1540	आरईजी /2022/0082	नई किस्म	एमएसीएस-516 (एच 516/एआरआई 516)	अंगूर	एमएसीएस अगरकर अनुसंधान संस्थान
1541	आरईजी /2022/0090	किसान की किस्म	पोरारी	धान	श्री झोदुयी, मुरामु, खोतो, वेमुथा
1542	आरईजी /2022/0091	किसान की किस्म	मुचिहालु	धान	श्री शेखोकुयी, थुनोसोलू, ज़शेहुहू, शेज़ोप्रालू
1543	आरईजी /2022/0092	किसान की किस्म	मुदोटसुरी	धान	श्री सुल्हुपो, वेदुकुलु, थुनोहुलु
1544	आरईजी /2022/0093	किसान की किस्म	मटिखु	धान	श्री शेवेटोलु, कुसाज़ोलु, वेकुलु, सिएक्रोवेई

1545	आरईजी /2022/0094	किसान की किस्म	नेजुलु	धान	श्री कुकुहुलु, नुवेखोलु, त्सुनो, वेमुरालु
1546	आरईजी /2022/0095	किसान की किस्म	वेप्रात्सो री	धान	श्री कुवेवोलु, अबिनो, वेज़ोशेलु, सुहलूपो
1547	आरईजी /2022/0096	किसान की किस्म	खूरुंमुबे	धान	श्री केवेंगु, ज़ोल्ही वेणुह, एवेलियो
1548	आरईजी /2022/0097	किसान की किस्म	विसापु रुबे	धान	श्री केवेंगु, ख्वेत्सोलोउ, एवेले, हुज़ुमो
1549	आरईजी /2022/0099	किसान की किस्म	पेलही-यु रुबे	धान	श्री केवेंगु, अवेले, ज़ोल्ही वेणुह, ख्वेत्सोलो, हुज़ुमो
1550	आरईजी /2022/0100	किसान की किस्म	तंगू	धान	श्री केवेंगु, ख्वेत्सोलो, ज़ोल्ही वेणुह, अवेले
1551	आरईजी /2022/0101	किसान की किस्म	नेंगत्सु रुबे	धान	श्री केवेंगु, ख्वेत्सोलो, आवेले
1552	आरईजी /2022/0102	किसान की किस्म	नेक्हा कुमुकाओ	धान	श्री थेइकुलु, वेकुहुलु, वेनेखोलु
1553	आरईजी /2022/0103	किसान की किस्म	नोड	धान	श्री थेइकुलु, वेकुहुलु, वेनेखोलु
1554	आरईजी /2022/0104	किसान की किस्म	नेरी	धान	श्री वेनेखोलु लोहे, म्हाशेयी, दज़ुथोलु
1555	आरईजी /2022/0105	किसान की किस्म	नेरी कुचो-ओ	धान	श्री म्हाशेयी, वेनेखोलु, वेजिलु, दज़ुथोलु
1556	आरईजी /2022/0106	किसान की किस्म	हुसुसा हा	धान	श्री म्हाशेयी, दज़ुथोलु, वेनेखोलु
1557	आरईजी /2022/0107	किसान की किस्म	तेवेलु हा	धान	श्री वेजिलु, म्हाशेयी, वेनेखोलू, झोलू
1558	आरईजी /2022/0113	किसान की किस्म	सकरबाहा	धान	श्री ज़वेखो, वेमुरालु और वेपोस्वुलु
1559	आरईजी /2022/0116	किसान की किस्म	पपरोला खीरा	खीरा	गरीब दास
1560	आरईजी /2022/0136	किसान की किस्म	जीएस1999	धनिया	गोपाल दत्त उप्रेती
1561	आरईजी /2022/0142	किसान की किस्म	नेय कदली	केला	मरुथम उझावर मंद्रम
1562	आरईजी /2022/0150	विद्यमान (वीसीके)	वेंगुर्ले-9 (एच-303)	काजू	डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ

1563	आरईजी /2022/0187	किसान की किस्म	एमडीबीपी 16	काली मिर्च	डॉ. राजाराम त्रिपाठी
1564	आरईजी /2023/0003	किसान की किस्म	नोवा नटमेग	जायफल	Saji Mathew
1565	आरईजी /2023/0006	किसान की किस्म	वीजे-1	काली मिर्च	श्री जोमी मैथ्यू
1566	आरईजी /2023/0007	किसान की किस्म	वीजे-2	काली मिर्च	श्री जोमी मैथ्यू
1567	आरईजी /2023/0008	किसान की किस्म	वीजे-3	काली मिर्च	श्री जोमी मैथ्यू
1568	आरईजी /2023/0009	किसान की किस्म	वीजे-4	काली मिर्च	श्री जोमी मैथ्यू
1569	आरईजी /2023/0029	किसान की किस्म	एसके-4	हल्दी	सचिन कमलाकर कारेकर
1570	आरईजी /2023/0084	विद्यमान (वीसीके)	पूर्णिमा (एच 1593)	काजू	केरल कृषि विश्वविद्यालय
1571	आरईजी /2023/0089	विद्यमान (अधिसूचित)	करण वृंदा (डीबीडब्ल्यू 371)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1572	आरईजी /2023/0090	विद्यमान (अधिसूचित)	करण प्रेमा (डीबीडब्ल्यू 316)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1573	आरईजी /2023/0091	विद्यमान (अधिसूचित)	करण वरुणा (डी बी डब्ल्यू 372)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1574	आरईजी /2023/0092	विद्यमान (अधिसूचित)	करण वैदेही (डी बी डब्ल्यू 370)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1575	आरईजी /2023/0093	विद्यमान (अधिसूचित)	डी डी डब्ल्यू 55 (डी) (करण मंजरी)	दुरुम गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1576	आरईजी /2023/0109	किसान की किस्म	चवणियांकल पूवन	केला	विनोद अब्राहम
1577	आरईजी /2023/0124	किसान की किस्म	राउंड दी ईयर जामुन	जामुन	एन. कुमार
1578	आरईजी /2023/0138	विद्यमान (अधिसूचित)	संकल्प (सीओ 12009)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1579	आरईजी /2023/0141	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात ग्राउंडनट 34 (जी जी 34) (ए जी2012-06)	मूंगफली	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1580	आरईजी /2023/0153	विद्यमान (अधिसूचित)	प्रवीर (एम सी5403 बीजीII)	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1581	आरईजी /2023/0162	किसान की किस्म	टीकेके-1	कटहल	करुणाकरण, के.
1582	आरईजी /2023/0163	किसान की किस्म	टीएसआर-1 (आयिरमकाची)	कटहल	एस. रामासामी

1583	आरईजी /2023/0164	किसान की किस्म	जार्वी रेड: 1	अमरूद	हीनाबेन जयेशभाई पटेल
1584	आरईजी /2023/0167	विद्यमान (अधिसूचित)	आईसीएआर-सीआईसीआर 16301 डीबी (वैदेही-1)	त्रिगुणित कपास	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1585	आरईजी /2023/0169	विद्यमान (अधिसूचित)	सीओ 15023 (करण-15)	गन्ना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1586	आरईजी /2023/0170	विद्यमान (अधिसूचित)	जीएनआर-9 (लालकड़ा गोल्ड)	धान	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1587	आरईजी /2024/0003	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले अनुपम (एनआईएडब्ल्यू 3624)	गेहूं	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1588	आरईजी /2024/0009	विद्यमान (अधिसूचित)	वीएससीएच -369 बीजी II	त्रिगुणित कपास	वेद सीड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1589	आरईजी /2024/0010	विद्यमान (अधिसूचित)	वीएससीएच -234 बीजी II	त्रिगुणित कपास	वेद सीड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
1590	आरईजी /2024/0011	विद्यमान (अधिसूचित)	एमसी 5408 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रैलिस इंडिया लिमिटेड
1591	आरईजी /2024/0012	विद्यमान (अधिसूचित)	एमएसीएस साकास (एमएसीएस 6768)	गेहूं	अघारकर अनुसंधान संस्थान
1592	आरईजी /2024/0032	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले कावेरी (फुले तूर -11-4)	अरहर	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1593	आरईजी /2024/0033	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले त्रुप्ती (फुले तूर -10-1)	अरहर	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1594	आरईजी /2024/0044	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले विश्वराज (फुले जी -15109)	काबुली चना	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1595	आरईजी /2024/0053	विद्यमान (अधिसूचित)	आरसीएच 947 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स (पी) लिमिटेड
1596	आरईजी /2024/0056	विद्यमान (अधिसूचित)	आरसीएच 971 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स (पी) लिमिटेड
1597	आरईजी /2024/0068	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात राउंड ब्रिंजल 8 (जीआरबी 8: आनंद राज)	बैंगन	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1598	आरईजी /2024/0069	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात आनंद ब्रिंजल 6 (जी एबी 6: आनंद डोली)	बैंगन	आनंद कृषि विश्वविद्यालय

1599	आरईजी /2024/0070	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात वेजिटेबल गुआर 11 (जीवीजी 11: आनंद बहार)	ग्वार फली	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1600	आरईजी /2024/0071	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात आनंद टमाटर 8 (जी एटी 8: आनंद रोमा)	टमाटर	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1601	आरईजी /2024/0072	विद्यमान (अधिसूचित)	पीबीएनएस-184	कुसुम	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1602	आरईजी /2024/0073	विद्यमान (अधिसूचित)	परभणी सुवर्णा (पीबीएनएस-154)	कुसुम	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1603	आरईजी /2024/0077	किसान की किस्म	अग्रहारा जैक	कटहल	नागराजू एन.
1604	आरईजी /2024/0084	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले एकता (आरएचबी-1008)	त्रिगुणित कपास	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1605	आरईजी /2024/0085	विद्यमान (अधिसूचित)	जिंको राइस - एमएस (आईईटी 25477) (आर-आरएचजेड-एल 1-23)	धान	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
1606	आरईजी /2024/0086	विद्यमान (अधिसूचित)	प्रोटेजीन (आईईटी 25470) (आर-आरएचजेड-आर -56)	धान	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
1607	आरईजी /2024/0090	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात आनंद वेजिटेबल चिल्ली 141 (जी ए वी सी141: आनंद तेज)	मिर्च	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1608	आरईजी /2024/0091	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात आनंद ओकरा 8 (जी ए ओ 8: आनंद कोमल)	भिंडी	आनंद कृषि विश्वविद्यालय
1609	आरईजी /2024/0095	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा बायोफोर्टिफाइड मेज़ हाइब्रिड-1	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1610	आरईजी /2024/0096	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा एचक्यूपीएम-1 इम्प्रूव्ड	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1611	आरईजी /2024/0097	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा एचएम 4 मेल स्टेराइल बेबी कॉर्न (शिशु)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1612	आरईजी /2024/0104	विद्यमान (अधिसूचित)	सीएसवी 46एफ (तापी चारी)	ज्वार	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1613	आरईजी /2024/0105	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले सोनाली (पीसीपी 1123)	लोबिया	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ

1614	आरईजी /2024/0124	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात ज्वार -44 (मधु)	ज्वार	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1615	आरईजी /2024/0125	किसान की किस्म	विशाल बेल	बेल	श्री कृष्ण कांत बिस्वास
1616	आरईजी /2024/0153	विद्यमान (अधिसूचित)	फुले-शुभ्रा (आरएचबी-1623)	त्रिगुणित कपास	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
1617	आरईजी /2024/0172	विद्यमान (अधिसूचित)	थार करनी (ए एच आर जी-29)	तोरई	आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच)
1618	आरईजी /2024/0178	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा मस्टर्ड 34 (एलईएस 60)	भारतीय सरसों	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1619	आरईजी /2024/0179	विद्यमान (अधिसूचित)	आरएसएफएच 700	सूरजमुखी	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1620	आरईजी /2024/0180	विद्यमान (अधिसूचित)	आरएसएफएच 1887	सूरजमुखी	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1621	आरईजी /2024/0181	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा मस्टर्ड 32 (एलईएस 54)	भारतीय सरसों	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1622	आरईजी /2024/0182	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा डबल जीरो मस्टर्ड 33 (पीडीजेड-11)	भारतीय सरसों	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1623	आरईजी /2024/0240	विद्यमान (अधिसूचित)	केसीएच 9323 बीजीII	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1624	आरईजी /2024/0241	विद्यमान (अधिसूचित)	केसीएच 307 बीजीII	त्रिगुणित कपास	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1625	आरईजी /2024/0244	विद्यमान (अधिसूचित)	केएमएच 8577 (केएमएच 018)	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1626	आरईजी /2024/0245	विद्यमान (अधिसूचित)	केएमएच 8121	मक्का	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1627	आरईजी /2024/0249	विद्यमान (अधिसूचित)	एनएचएच 715	त्रिगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1628	आरईजी /2024/0250	विद्यमान (अधिसूचित)	सेंट्रल कॉटन एनएचएच 250 (एनएचएच 250)	त्रिगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1629	आरईजी /2024/0272	किसान की किस्म	अल्फांसो बॉम्बे	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख, मोइनुद्दीन शेख, नजीमुद्दीन

					सरकार
1630	आरईजी /2024/0273	किसान की किस्म	राज भोग	आम	बिमान मंडल
1631	आरईजी /2024/0274	किसान की किस्म	भोबनी	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख और अन्य
1632	आरईजी /2024/0275	किसान की किस्म	काला पहार	आम	बिक्रम क्र. मंडल, परिमल मंडल
1633	आरईजी /2024/0276	किसान की किस्म	बोइशाकी	आम	कार्तिक चंद्र दास, दिलीप कुमार मंडल
1634	आरईजी /2024/0277	किसान की किस्म	बतासा	आम	कार्तिक चंद्र दास एवं अन्य
1635	आरईजी /2024/0278	किसान की किस्म	धुम्मा गुथी	आम	धर्म मंडल, सोहोदेव मंडल, कालीपद मंडल, ललित मोहन मंडल
1636	आरईजी /2024/0279	किसान की किस्म	बृंदाबनी अस्विन	आम	उत्तम मंडल एवं अन्य
1637	आरईजी /2024/0282	किसान की किस्म	कलापति	आम	मेहर अली
1638	आरईजी /2024/0283	किसान की किस्म	गोदाधर	आम	मेहर अली
1639	आरईजी /2024/0284	विद्यमान (अधिसूचित)	पीए 812	द्विगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1640	आरईजी /2024/0285	विद्यमान (अधिसूचित)	पीए 837	द्विगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1641	आरईजी /2024/0286	विद्यमान (अधिसूचित)	पीए-740	द्विगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1642	आरईजी /2024/0287	विद्यमान (अधिसूचित)	पीए 810	द्विगुणित कपास	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ
1643	आरईजी /2024/0290	किसान की किस्म	सेरादार	आम	मतिउर रहमान
1644	आरईजी /2024/0292	किसान की किस्म	गोपाल भोग	आम	बिमान मंडल और अन्य
1645	आरईजी /2024/0293	किसान की किस्म	मिर्जा पासिन	आम	जैनुद्दीन एस.के
1646	आरईजी /2024/0294	किसान की किस्म	लोहाजम	आम	अली हुसैन शेख
1647	आरईजी /2024/0295	किसान की किस्म	लख्मी भोग	आम	जैनुद्दीन एस.के अली हुसैन शेख...

1648	आरईजी /2024/0296	किसान की किस्म	सारदा भोग	आम	बिमान मंडल
1649	आरईजी /2024/0297	किसान की किस्म	शेरीखास	आम	बिमान मंडल
1650	आरईजी /2024/0299	किसान की किस्म	हिल्सा पेटी	आम	अतुल चंद्र मंडल, घूरन चौधरी, ललित मोहन मंडल
1651	आरईजी /2024/0301	किसान की किस्म	गंगा प्रसादी	आम	नानीगोपाल मंडल, चोइतान्यापोदो दास
1652	आरईजी /2024/0302	किसान की किस्म	मिठुआ	आम	बिक्रम क्र. मंडल, घुरन चौधरी, अतुल चंद्र मंडल
1653	आरईजी /2024/0303	किसान की किस्म	दो-फोला	आम	राजीब अधिकारी, अजीमुद्दीन सरकार
1654	आरईजी /2024/0304	किसान की किस्म	सोरंगा	आम	नुजरुल इस्लाम, मोहम्मद खबीरुद्दीन शेख, मोइनुद्दीन शेख, प्रदीप सरकार, अब्दुल हयात अख्तर, हफीजुर रहमान
1655	आरईजी /2024/0305	किसान की किस्म	रोसोगोल्ला	आम	कालीपद मंडल, अतुल चंद्र मंडल
1656	आरईजी /2024/0306	किसान की किस्म	बौ भुलानी	आम	बिमान मंडल, उत्तम कुमार दास
1657	आरईजी /2024/0307	किसान की किस्म	सिंदूर	आम	एकबाल शेख, अमीर रसीद, रथींद्रनाथ मंडल, मोहम्मद जार्जिस हुसैन, लुत्फुल शेख
1658	आरईजी /2024/0309	किसान की किस्म	राखल भोग	आम	अभिराम मंडल एवं अन्य
1659	आरईजी /2024/0310	किसान की किस्म	मोतीचूर	आम	राजीब अधिकारी, तोजीब एसके
1660	आरईजी /2024/0312	किसान की किस्म	रानी भोग	आम	मसादुल शेख, अजीमुद्दीन सरकार
1661	आरईजी /2024/0321	किसान की किस्म	दिल पसिन	आम	मोइनुद्दीन शेख, तोजिब एसके
1662	आरईजी /2024/0322	किसान की किस्म	दौड़ी	आम	मोहम्मद ख़बीरुद्दीन शेख
1663	आरईजी /2024/0323	किसान की किस्म	अल्तापेटी	आम	पबन मंडल, बिमान मंडल, कुश कुमार दास, अपेल राजबंसी और अन्य
1664	आरईजी /2024/0324	किसान की किस्म	पंजा	आम	मोइनुद्दीन शेख, मोहम्मद

					ख़बीरुद्दीन शेख, अली हुसैन शेख, राजीब अधिकारी
1665	आरईजी /2024/0326	किसान की किस्म	फुलेशोरी	आम	मेहर अली
1666	आरईजी /2024/0327	किसान की किस्म	लारुआ	आम	असबुल मोंडल, शेख सलीम
1667	आरईजी /2024/0328	किसान की किस्म	भदरिया	आम	बिमान मंडल और दूसरे
1668	आरईजी /2024/0329	किसान की किस्म	मोहन भोग	आम	बिमान मंडल और दूसरे
1669	आरईजी /2024/0330	किसान की किस्म	बिष्णु भोग	आम	बिमान मंडल
1670	आरईजी /2024/0331	किसान की किस्म	दुर्गा भोग	आम	बिमान मंडल
1671	आरईजी /2024/0336	किसान की किस्म	हसा रानी	आम	मतिउर रहमान
1672	आरईजी /2024/0337	किसान की किस्म	मेहेबुबा	आम	मेहर अली
1673	आरईजी /2024/0338	किसान की किस्म	चंपा	आम	मोइनुद्दीन शेख और अन्य
1674	आरईजी /2024/0355	विद्यमान (अधिसूचित)	करीमनगर मक्का (केएनएमएच-4010141)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1675	आरईजी /2024/0366	विद्यमान (अधिसूचित)	सहयाद्रिकेम्पुमुक्ति (आईईटी-29855)	धान	केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय
1676	आरईजी /2024/0374	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा बायोफोर्टिफाइड मेज़ हाइब्रिड -2 (एपीएच3)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1677	आरईजी /2024/0375	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा बायोफोर्टिफाइड मेज़ हाइब्रिड-3 (एपीएच3)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1678	आरईजी /2024/0376	विद्यमान (अधिसूचित)	बीएमआर-एमएस-1-2-1	धान	केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय
1679	आरईजी /2024/0377	विद्यमान (अधिसूचित)	आईएमएच222	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1680	आरईजी /2024/0378	विद्यमान (अधिसूचित)	आईएमएच223	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1681	आरईजी /2024/0381	विद्यमान (अधिसूचित)	एसीआर-2 (अजमेर धनिया-2)	धनिया	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

1682	आरईजी /2024/0382	विद्यमान (अधिसूचित)	जीआरजी 811 (धर्मराज)	अरहर	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1683	आरईजी /2024/0383	विद्यमान (अधिसूचित)	सह्याद्रि पंचमुखी	धान	केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय
1684	आरईजी /2024/0386	विद्यमान (अधिसूचित)	एएफजी-5 (अजमेर फीनुग्रीक-5)	मेथी	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1685	आरईजी /2024/0387	विद्यमान (अधिसूचित)	आरसीएच 846 बीजीII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स (पी) लिमिटेड
1686	आरईजी /2024/0390	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफडी 6-3	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1687	आरईजी /2024/0391	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफडी 9-2	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1688	आरईजी /2024/0392	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीए 206	अरहर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1689	आरईजी /2024/0393	विद्यमान (अधिसूचित)	सेंट्रल फील्डपी आईपीएफडी 2014-211-5	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1690	आरईजी /2024/0394	विद्यमान (अधिसूचित)	सेंट्रल फील्डपी आईपीएफडी 2014-2	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1691	आरईजी /2024/0395	विद्यमान (अधिसूचित)	कंचन (आईपीसीके 2009-145)	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1692	आरईजी /2024/0396	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीसीके 13-163 (माधव) काबुली	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1693	आरईजी /2024/0397	विद्यमान (अधिसूचित)	कुबेर (आईपीसी 2010-142) (देसी चना)	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1694	आरईजी /2024/0398	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफडी 19-3 (अर्पण)	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1695	आरईजी /2024/0399	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफडी 19-1 (शिखर)	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1696	आरईजी /2024/0400	विद्यमान (अधिसूचित)	सेंट्रल फील्डपी आईपीएफडी 12-2	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

1697	आरईजी /2024/0401	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीसी 2011-112	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1698	आरईजी /2024/0402	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीसी 2006-77	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1699	आरईजी /2024/0403	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीसी 2005-62 (देसी)	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1700	आरईजी /2024/0404	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीसी 2007-28 (अटल)	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1701	आरईजी /2024/0405	विद्यमान (अधिसूचित)	कुंदन (आईपीसीबी 2015-132)	काबुली चना	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1702	आरईजी /2024/0406	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफ 16-13 (हरित)	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1703	आरईजी /2024/0407	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा व्हीट 3369 (एचडी 3369)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1704	आरईजी /2024/0408	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा व्हीट 3386 (एचडी 3386)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1705	आरईजी /2024/0409	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएफडी 10-12	मटर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1706	आरईजी /2024/0410	विद्यमान (अधिसूचित)	नर्मदा (आईपीयू 19-10)	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1707	आरईजी /2024/0411	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीयू 11-02	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1708	आरईजी /2024/0412	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीयू 13-1	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1709	आरईजी /2024/0413	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीयू 10-26	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1710	आरईजी /2024/0414	विद्यमान (अधिसूचित)	एनआईसीआरए पूसा व्हीट 3411 (एचडी 3411)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1711	आरईजी /2024/0415	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीए 15-6 (Early duration)	अरहर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1712	आरईजी /2024/0416	विद्यमान	आईपीए 15-2	अरहर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

		(अधिसूचित)			
1713	आरईजी /2024/0417	विद्यमान (अधिसूचित)	दृष्टि (आईपीयू 17-2)	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1714	आरईजी /2024/0418	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएम 410-3 (शिखा)	मूंग	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1715	आरईजी /2024/0419	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीयू 17-1	उड़द	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1716	आरईजी /2024/0420	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएल 526	मसूर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1717	आरईजी /2024/0421	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएल 220	मसूर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1718	आरईजी /2024/0422	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएल 316	मसूर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1719	आरईजी /2024/0423	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएम 205-7 (विराट)	मूंग	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1720	आरईजी /2024/0424	विद्यमान (अधिसूचित)	आईपीएल 534	मसूर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

अनुबंध IX : संक्षिप्ताक्षर

एआईसीआरपी	अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना
बीएयू	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
बीएमसी	जैव विविधता प्रबंधन समिति
बी.सी.आई.एल	बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड
सीएजी	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
कारी (सीएआरआई)	केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान
सीबीडी	जैविक विविधता पर सम्मेलन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
सीएसआईआर	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद
सीएचईएस	केंद्रीय बागवानी प्रयोग केंद्र
सीएसएसआरआई	केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
डीएसी	कृषि एवं सहकारिता विभाग
डीयूएस	विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता
ईवीआरसी	विद्यमान किस्म अनुशंसा समिति
ईटीएल	आर्थिक उच्चतम-सीमा स्तर
जीएटीटी	प्रशुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौता
आईएआरआई	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
आईसीएआर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
आईसीएफआरई	भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
आईएनडीयूएस	डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार भारतीय सूचना प्रणाली
आईपीजीआरआई	अंतर्राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन संस्थान (बायोवर्सिटी इंटरनेशनल)
आईटीपीजीआरएफए	खाद्य एवं कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन पर अंतर्राष्ट्रीय संधि
केएयू	केरल कृषि विश्वविद्यालय

के.वी.के.	कृषि विज्ञान केंद्र
एनएएससी	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र
एनजीओ	गैर-सरकारी संगठन
एनओआरवी	भारत की अधिसूचित एवं विमोचित किस्में
एनएसएआई	भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ
एनआरसीपीबी	राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र
एनएसआरटीसी	राष्ट्रीय बीज अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र
एमएसईजेड	मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड
ओईसीडी	आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन
पी.एस.	प्रधान वैज्ञानिक
पी.डी.	परियोजना निदेशक
पीजीआर	पादप आनुवंशिक संसाधन
पीपीवीएफआरए	पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
पीवीई	पादप किस्म परीक्षक
पी.वी.आई.एस	पादप किस्म सूचना प्रणाली
पीवीजे	भारतीय पादप किस्म जर्नल
आर एंड डी	अनुसंधान एवं विकास
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एएओ	वरिष्ठ लेखा अधिकारी
एसएयू	राज्य कृषि विश्वविद्यालय
एस.टी.ओ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
ट्रिप्स	बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबद्ध पहलू
यूपीओवी	पौधों की नई किस्मों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ
वीसीके	किस्म सामान्य ज्ञान
डब्ल्यूटीओ	विश्व व्यापार संगठन
पीजीएससी	पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार

पीजीएसएफआर एंड आर	पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार और अभिज्ञान
पीएआरवी	किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने का पोर्टल

*****

दिनांक 2 दिसंबर, 2025 को पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली की 41वीं प्राधिकरण बैठक में एजेंडा क्रम संख्या 7 में वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25 को स्वीकार किया गया |